DIOZDI गाम- अंदार उस जिले, उप संभाग, तालुका तटर्मल . दुख्य तथा ग्राम का नाम, जिसमें जिला - अग्याष्ट शाकमुभौ—926—अससाप्रवि—22-10-09—15,000 า, अधिकारी/कर्मचारी का (पूरा) नाम तथा उस सेवा का ताम, जिसमें वह हो जिनो द उम्हें ने अगुरी केवल हैं जिसमें धारित पूर्व उम्हें नियमित । 3. वर्तमान वेतन 1,04 नी00 + भें भें आखी वेतलहिंदाकी तारीख 01-07-2019 सम्पत्ति स्थित हो उसमें वह उनके स्वामित्व की तथा उसके द्वारा क्षेत्रित अथवा उसे विरासत में किसी या उसके अभग पर या किसी अन्य व्यक्ति के नाम पर पट्टे वा बंधक पर उसके द्वारा धारिल समक्ता अवला संव्याण के तिलका नात. FLAT NO. 15-B BLOUK-B गृह तथा अन्स भवन KOIAL ROAD! Beema Kun HOO- सेक्टर सम्पत्ति का नाम तथा ब्य A SATION -H (3) भूतक्ष श्रुट्य 30,00,000=0 TAN ICIETA मिकिष्ट प्रविम 2,65,000 6,60,000). जिस श्री भ मन्त्र मह 90,00,000=00 वतमान मुल्य (4) बाद स्वयं के नाभ पर न हो तो बातलाइये कि वह किसके नाम -धानिक अनार्या पर धारित है और ब्रेस् शासकाय कर्मचा है (5) STAN O में अर्घ का विश्व निष्ट कि अ तथा तृतास् व 3000 B -34 VGO 25-66-97 ** *खरीद, घट्टा, बंधक, विरासत तथा अर्जन की तारीख और जिससे उसे क्रिस प्रकार अर्जित किया गया भेंट या अन्य किसी प्रकार से अर्जित को गई हो उसका नाम Z. 28-5 कार्यक क्षीरणा क्षेत्री रा तथा ब्यौरा हस्ताक्षर 긤 मेह नहीं वाषिक आय 李年 3年 सम्पत्ति से (7) V. X. 1930 M.P., BW प्रधान कायालय नि एत विष व्याप्त QT 2003 XX812-9 1821 क्षा कार्या भिभृतित (8) न्यात निष्टिष्

"प्रथम नियुक्ति के समय अचल सम्प्रिन का विवरण, वर्ष 2018 (1-1-2018 76 31-12-2018)

日日

फार्म

31-12-18 "प्रथम नियुवित के समय अचल सम्पत्ति का विवरण, दिनांक 🗀 🗀 ि की स्थिति में

2. वर्तमान भारित पद राहाय था हाला हाला न्या outha 1. अधिकारी/कर्मचारी का (पूरा) नाम तथा उस सेवा का नाम, जिसमें बह हो 🥂 🛜 ति 🖒 🖒 🗥 🗸 🦰

3. वर्तमान वेतन . ! २-१९.००० . . . अगली वेतनवृद्धि की तारीख । उपा | प

अभियुक्ति (8) वार्षिक आय सम्पति से 3 ont ensi- for fing one sail man ying 459 al of 31, 210L * * * खरीद, पद्टा, बंधक, विरासत, उसे किस प्रकार अर्जित किया गया तथा अर्जन की तारीख और जिससे भेंट या अन्य किसी प्रकार से अजिंत की गई हो उसका नाम mer many alig Rajon 6:7.95 तथा ब्योत 9 यदि स्वयं के नाम पर न हो तो बतलाइये कि वह किसके नाम Lear Ca पर भारत है और उसका शासकीय कर्मचारी से 15 18 DAR प्या संबंध है (3) PO 00119 " वर्तमान मूल्य N 31231 (4) (3) सम्पति का नाम तथा ब्यौरे गृह तथा अन्य भवन 1218 in Phinam Jun 2 Jus 红了一个 JUN 1100 ころのとり MI 3 SILS 20 7 151 A उस जिले, उप संभाग, तालुका तथा ग्राम का नाम, जिसमें 5 5 211 8 L Maril Jail du zich oni alisi सम्मिति स्थित हो 5-1512/12 Ê

जहां लागु न हो काट दीजिए।

** ऐसे मामले में जाने मूल्य का सही-सही निर्धारण करना संभव न हो, वहां वर्तमान स्थिति के सन्दर्भ में लगभग मूल्य वतलाया जाए। *** इसमें अल्पनान पट्टे भी समिमलित हैं। टिप्पणी: मम्प्रादेश शासकीय सेवक (अज़प्प) नियम, 1959 के नियम 18(3) के अधीन प्रमम अंगी, द्वितीय शेणी तथा तृतीय भंगी सेवा के प्रत्येक सदस्य से यह अमेकित है कि वह सेवा में प्राक्षणी नियुक्ति के समय और उसके बाद प्रत्येक बाद महीने की अबधि के परचात यह घोषणा-पत्र भर कर प्रस्तुत करें और उसमें यह उनके स्वामित्व की तथा उसके हारा अधित अवधा उसे विरासत में मिली या उसके अपने नाम पर या उसके परिवार के किसी सदस्य के नाम पर या किसी अन्य स्वित्त के नाम पर पट्टे या बंधक पर उसके द्वारा भारित समस्त अवल सम्पति के ब्यौर दें।

4. heiner eine fulle [400)

फाम प्रथम नियुक्ति के समय अचल सम्मति का विवरण, दिनांक ने 3 मधन्त्र की स्थिति में कार्म

अधिकारी कर्मचारी का (पूरा) नाम तथा उस मेवा का नाग, जिसमें बह हो। ज्योत् हिंगी टियी न 3. बर्तमान वेतन 3 6200 ... अगली वेतनवृद्धि की तारीख [िरिश]

1 1	VINE INDICATE OF THE	>i1=		माद स्वयं के नाम पर न हो तो	उसे किस प्रकार अधित किया गटा		
०स अथत, उप समाग, तालुका तथा ग्राम का नाम, विसमें सम्पति स्थित हो	ाँढ तथा अन्य भवत	₩	* वित्तान मृत्य	बतताइये कि यह किसके नाम पर भारित है और उसका शासकीय कर्मचारी से प्या संबंध है	• बरीद, पट्टा, बंधक, विरासत, पेंट या अन्य किसी प्रकार से तथा अर्जन की तारीख और जिससे अर्जित की गई हो उसका नाम	समाति से वार्षिक आय	आभियुक्ति
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(e)	(2)	(8)
1	¥	J _V	NI.	711	7/N	XXX	7/2

करना संभव न हो, वहां वर्तमान स्थिति के सन्दर्भ में लगभग मूल्य बतलाया जाए।

कि वह सेवा में पक्सी निग्रीक्ष के समय और उसके बाद प्रत्येक बाद सहीते की अरथि के परवात यह घोषणा-पत्र भर कर प्रसुत करें और उसमें यह उनके स्वाप्ति मध्यप्रदेश शासकीय सेवक (आजराप) निवम, 1959 के निवम 18(3) के अधीन प्रतम होगी, दितीय होगी तथा तृतीय होगी सेवा के प्रते

8105-21-18 A 31-10-10 श्रम

"प्रथम नियुक्ति के समय अवल सम्पत्ति का विवरण, दिनांक चित्री का (पूरा) नाम तथा उस सेवा का नात, किसमें वह हो ्र्रीकोत् (र्रोट्रे

की स्थिति में

3. बर्तमान वेतन . 48 | 50/ — अगली बेतनवृद्ध की तारीख . . 01-7-2019

		ा स्पार		यदि स्वयं के नाम पर न हो तो	उसे किस पकार अधिन किया मना		
ठत जाल, उप सभाग, तालुका तथा प्राम का नाम, जिसमें सम्पति स्थित हो	गृह तथा अन्य भवन	\$	वितिमान मूल्य	क्तलाश्ये कि यह किसके नाम पर भारत है और उसका शासकीय कर्मचारी से स्याःसंबंध है	"खरीद, पट्टा, बंधक, विरासत, भेट या अन्य किसी प्रकार से तथा अर्जन की तारीख और जिससे अर्जित की गई हो दसका नाम	सम्मारिके बार्षिक आय	आभियुक्ति
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	तथा व्यात	(2)	(6)

- Santant	अबन	λ	So. e e e e e e e e e e e e e e e e e e e	न्तामाने पत्र	विदासन		

त्ना संभव न हो, यहां बर्तमान स्थिति के सन्दर्भ में लगभग मृत्य बरलाया जाए

m. Stain Bld TSSOIC 51

मणाः उव भिष्यं इजातियर ज्यानियर

नियम 18(3) के अधीन प्रयम श्रेणी, दितीय श्रेणी तथा तृतीय श्रेणी सेवा के 1

फार्म नियुष्टित के समय अचल सम्पत्ति का विवरण, दिनांक राष्ट्र है। हिस्सित में

नारी का (प्रस्) जाम तथा उस मेवा का जाम, किसमें बह हो। रेलाङो चन्द्र हता ही

3. वर्तमान चेतन . 46.100 ... अगली वेतनवृद्धि की वारीख 🛭 । ०.७-२०१ १ ...

तथा प्राप्त का नाम, विसमिं गृह तथा अन्य भवन भूमि सम्पति स्थित हो (३) (३)	(+)	बतलाइये कि वह किसके नाम पर भारत है और उसका शासकीय कर्मचारी से स्या संबंध है (5)	क्ष्म प्रकार आजत (क्सा गवा क्ष्मीद्र पट्टा, बंभक, विरासत, मेंट या अन्य किसी प्रकार से तथा अर्थन की तारोख और जिससे अर्जित की गई हो उसका नाम तथा व्यौत	सामाहित्र में बार्षिक आय	(8)
3	€		(e) (f)	3	88
		\$	1-6		3
	T				

ऐसे मामले में जारी मूल्य का सही-सही निर्भाषाः करात संभव न हो, वहां वर्तमान स्थिति के सन्दर्भ में लगभग मूल्य बतलाया जाए।

FRATION ... WAS MY पः अधियम् गरः - द TH: XM121-21-2

विमातः आस्य स्टिपश्यम् तं इस

मध्यप्रदेश शासकीय सेवक (अत्मार्ग) निवम, 1959 के निवम 18(3) के अधीन प्रयम श्रेणी, द्वितीय श्रेणी तथा हतीय अंगी सेवा

प्रथम नियुष्ति के समय अचल सम्माति का विवरण, दिनांक 31-12-काम

then then then are then an arm, then the section $\frac{1}{2}$ and $\frac{1}{2}$

	सम्पति का नाम तथा ब्योरे	軍		यरि स्वयं के नाम पर न हो तो	उसे किस पकार व्यक्तिर किया समा		
उस जल, उप सभाग, तालुका तथा ग्राम का नाम, जिसमें सम्मति स्थित हो	गृह तथा अन्य भवन	Ę	- वर्तमान मृत्य	बतलाइपे कि वह किसके नाम पर भारित है और उसका शासकीय कर्मवारी से प्या-संबंध है		सम्पति से बार्षिक आय	अभियुक्ति
(i)	(2)	(3)	(4)	(5)	رو) (۶)	(2)	(0)

ए करना संभव न हो, वहां बर्तमान स्थिति के सद्धं में लगभग मूल्य बरलाया जाए।

ति जी अगिथ के परचात् यह भोषणा-पत्र भर कर प्रस्तुत करें और उससे वह उनके स्वाप्ति यम्, 1959 के नियम 18(3) के अधीन प्रथम श्रेणी, द्वितीय श्रेणी तथा तृतीय श्रेणी सेवा के प्रत

Short Old of the

मिया द्यात्त्वीम क्षेत्रिक भट्डारिक DAM OF RESTE 4: HE146 315-2

"प्रथम नियुषित के समय अचल सम्मति का विवरण, दिनांक ा. १. १ । - १०।४की स्थिति में - 3 1 । १ - २०।४,

1. अधिकारी कर्नवारी का (पूरा) नाम तथा उस मेवा का नाम, किसमें तह हो 💍। जा को जी को कि

2. वर्तमान धारित पर स्टाटी-र 3. बर्तमान नेतन .. 4.4,800 = 60. माली नेतनवृद्धि की तारीख. 01-07 : 2019.

	सम्पात का नाम तथा ब्योर	न ब्रोह		यदि खयं के नाम पर न को को	in.		
ंत्र अल्. २५ समाग्, तालुका तथा ग्राम का नाम, किसमें सम्पति स्थित हो	गृह तथा अन्य भवन	ş	"वित्मान मृत्य	बतलाइये कि वह किसके नाम पर भारित है और उसका शासकीय कर्मचारी से प्या-संबंध है	ंभ किस प्रकार आजंत किया गया "ड्रेयरीट, पट्टा, बंधक, विरासत, फेट या अन्य किसी प्रकार से तथा अर्जन की तारीख और जिससे अर्जित की गई हो उसका नाम	सम्मति से बार्षिक अवव	अभियुद्धित
(1)	3	(3)	(4)	(5)	तथा स्योता		
						(2)	(8)
			V				
			* 2	100	2		
		·		*			
			•				
		4. 					
अहा ताग्रिम हो माद दीजिए।							6 6

नेतेंगा संभव न हो, वहाँ वर्तमान स्थिति के सन्दर्भ में सगभग मृत्य वरताया जाए।

की अवधि के परचात यह घोषणा-पत्र भर कर प्रस्तुत करें औ

मः अप्तानिक् काल्यकि

प्रथम नियुक्ति के समय अचल सम्पत्ति का विवरण, दिनांक 1-1-2018 🔁 उर्-12-2018

2. वर्तमान धारित पर भी है। 20 ज The stand on (and) after an are stand on after a fine and and a stand of the standard of the s

	सम्पात का नाम तथा ब्योर			चादि स्वयं के नाम पर नहीं तो	असे क्रिम प्रकार श्राप्तित किया गा	大学 の の の の の の の の の の の の の の の の の の の	
वस् अपत् वप्तभाग, तालुका तथा प्राम का नाम, विसमें सम्पति स्थित हो	ीं है तथा अन्य भवन	Ę	वर्षामान मृत्य	बतलाइपे कि चंह किसके नाम पर भारित है और उसका शासकीय कर्मचारी से यया संबंध है	the size of the gr	सम्मारिः से बार्षिक आय	आसियुक्ति
(1)	3	(3)	(4)	(8)	(9)	(2)	æ
			•				
				•			
				10/19/			
]			
<i>y</i>							
			, .				

मः स्थापक क्या- द

मिया : या (अन्या प्रमुश्राय अद्भूषा

ण करना संभव न हो, वहां वर्तमान स्थिति के सद्भं में लगभग मूल्य बरलाया आए।

क्षि, १९५९ के नियम 18(३) के अधीन प्राप्त श्रेणी, दितीय श्रेणी तथा ततीय श्रेणी सेवा के प्र

"प्रथम नियुक्ति के समय अञ्चल सम्पत्ति का विवरण, दिनांक की स्थिति में

3. बर्तमान वेतन . पप 800 . . अगली वेतनवृद्धि की तारीख . 0 - 7 - 20 3 कारी/कर्मचारी का (फूरा) जाम तथा उस सेवा का नात जिस्सों वह हो

	सम्पति का नाम तथा ज्योरे	智品		यदि स्वयं के नाम पर न हो तो	उसे किस एकार अस्तित किया मामा		
उस जिले, उप संभाग, वासुका तथा ग्राम का नाम, बिसमें सम्पति स्थित हो	ाह तथा अन्य भवन	\$	ैं वर्तमान मृत्य	बतताइपे कि वह किसके नाम पर भारित है और उसका शासकीय कर्मचारी से पया संबंध है		सम्पति से बार्षिक आग्र	आमित्रीक्त
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(9)	(2)	(8)
उवालिय	375		gazbac	स्वय	12-20 PS	Æ	

ग्रा कोता संभव न हो, वहां वर्तमान रिथति के सन्दर्भ में लगभग मूल्य बतलाया जाए।

महीने की अन्थि के परचात यह घोषणा-पत्र भर कर प्रस्तुत करें और इसने ा मस्प्रदेश शमकीय सेवक (अन्त्ररण) नियम, 1959 के नियम 18(३) के अधीन प्रथम श्रेणी, द्वितीय श्रेणी तथा ठतीय अंगी सेवा के प्र

"प्रथम नियुषित के समय अचल सम्पत्ति का विवरण, दिनांक 1 1 2018 थे 32 1 2 2018 अर्थित के समय अचल सम्पत्ति का विवरण, दिनांक 1 2 2018 थे अर्थित में

1. अधिकारीकर्मचारी का (मुरा) नाम तथा उस सेवा का नाम, किसाँ वह तो ्य अध्येष्टा अनुमार , प्राप्ति ।

2. adain with the 2 states of states 3. मर्तमात वेतन 39800... अगली वेतनवृद्ध की वारीख 01-7-19..

(8) वार्षिक आय सम्पति से \mathbb{E} उसे किस प्रकार अर्जित किया गया तथा अर्जन की तारीख और जिससे * * "खरीद, पट्टा, मधक, विरासत भेट या अन्य किसी प्रकार से अजिंत की गई हो उसका नाम तथा ब्योत 3 मरि स्वयं के नाम पर न हो तो बतलाइये कि वह किसके नाम पर भारत है और उसका शासकीय कर्मचारी से फ्या संबंध है 3 ""मर्तमान मृत्य 3 뺚 3 सम्पति का नाम तथा ब्योरे गृह तथा अन्य भवन ල ठस जिले, वय संभाग, तालुका तथा ग्राम का नाम, जिसमें सम्मात स्थित हो Ê

किला: अत्यायम् योगम् स्टिजि 11. ひらずのとア の正 TI COPPED II

. स्ताक्षर

ऐसे मामले में जहां मूल्य का सही-सही निर्धाएं। करता संभव न हो, यहां बर्तमान स्थिति के सन्दर्भ में साममा मूल्य बरलाया जाए।

^{***} इसमें अस्पकालीन पट्टे भी समिमलित हैं। टिप्पणी : मस्प्रदेश शक्तकोंच सेवक (अज्ञरण) निमम, 1959 के निमम 18(3) के अपीन प्रथम हेगी, द्वितीय होगी तथा तृतीय के प्रतिक सदस्य से यह अपीक्षत है कि वह सेवा में पहली नियुक्त के समय और उसके बाद प्रत्येक बाद महीने की अपीय के परवात यह भीपणा-पत्र भर कर प्रसुत को और उसमें यह उनके स्वाझित को तवा उसके हांग अधित अववा उसे विरासत में मिली मा उसके अपने नाम प्रराम उसके परिवार के किसी सदस्य के नाम पर या किसी अन्य खांका के नाम पर प्रदे या बेंधक पर उसके द्वारा भारित समस्त अवस्त सम्मति के ब्यौर है।

प्रथम नियुक्ति के समय अचल सम्मत्ति का विवरण, दिनांक हो. हो. 2 हो 8की स्थिति में 31-12-13

कार्योकमंत्रारी का (पूरा) नाम तथा उस सेवा का नाम, जिसमें बह को जाना था अप के जान के ज

"प्रथम नियुक्ति के समय अञ्चल सम्मन्ति का विवरण, दिनांक की स्थिति में

and white (x_0) with that the tent and the second section (x_0) in (x_0) in (x_0) in (x_0) is a second section (x_0) in (x_0) in

Property and the second	सम्पत्तिका नाम तथा क्योरि	ा म्यार		यदि स्वयं के नाम पर न हो तो	उसे किस प्रकार अजिंत क्रिया ग्राप्टा		
वया ग्राम का नाम, बिसमें तथा ग्राम का नाम, बिसमें सम्पति स्थित हो	्राह तथा अन्य भवन	Ē.	ैं वर्तमात मूल्य	बतलाइये कि यह किसके नाम पर भारित है और उसका शासकीय कर्मचारी से पमा संबंध है		सम्पत्ति से बार्षिक आय	आपियुक्ति
(3)	(2)	(3)	(4)	(5)	तथा ब्यात	(4)	

िकरना संभव न हो, यहाँ बर्तमान स्थिति के सन्दर्भ में लगभग मृत्य बरलाया जाए।

ह नियम 18(3) के अपीन प्रमम लेगी, द्वितीय लेगी तथा तृतीय लेगी सेवा के

काम

"प्रथम नियुषित के समय अचल सम्मास का विवरण, दिनांक हो- छ। - 18 से की स्थिति में

2. बर्तमान धारित पद स्तरायक वर्गा त्री 1. अधिकारी कर्मचारी का (मूरा) जाम तथा उस सेवा का नाम, जिसमें वह हो . . . प्रठा व ं कुरा | द्वे

3. क्रतमान वेतन 2. 37,500 . . अगली वेतनवृद्धि की तारीख . D.L - D.7 - 2.019

Brank - Banne 228-02-19 अभियुक्ति (8) सम्पति से बार्षिक आय \mathbb{S} उसे किस प्रकार अर्जित किया गया ** खरीद, पर्टा, बंधक, विरासत तमा अर्जन की तारीख और जिससे भैट या अन्य किसी प्रकार से अजिंत की गई हो उसका नाम तथा ब्योत 3 यदि खर्व के नाम पर न हो तो बतलाइये कि वह किसके नाम ** ऐसे मामले में अप्रमुख्य का सड़ी-सड़ी निश्रीरणः करना संभव न हो, यहां वर्तमान स्थिति के सन्दर्भ में स्ताभग मृत्य वतलाया आए। *** इसर्से कार्यकालीन मुद्दे भी समिमलित हैं। पर भारत है और उसका शासकीय कर्मचारी से ज्या सबंध है 3 "वर्तमान मृत्य 3 3 臣 समाति का नाम तथा ब्योरे गृह तथा अन्य भवन ල उस जिले, उप संभाग, तालुका तथा प्राम का नाम, किसमें सम्मात स्थित हो Ë

मा: प्रगायक कुमार दुवे मः स्वटायक को-त्रीन

विभागः शाप्तः भेत्रीत्र सुउठा।लन ठळाले पर् (म.प्र)

टिप्पणी : मस्प्रदेश शत्तकोच मेवक (अत्वरण) निषम, 1959 के निषम 18(३) के अधीन प्रथम केणी, द्वितीय केणी तथा दृतीय केणी सेवा के प्रतेक सदस्य से यह अपेक्षित है कि.बह सेवा में पक्सी निशुक्त के समय और उसके बाद मस्के को इस्सीन की अपीध के परचात् यह भीषणा-पत्र भर कर प्रस्तुत करें और उसमें यह उनके स्वामित की तथा उसके डाग अजिंत अपथा उसे जिएसत में मिली या उसके अपने नाम पर या उसके परिवार के किसी सदस्य के नाम पर या किसी अन्य व्यक्ति के नाम पर पट्टे या बंधक पर उसके द्वारा धारित समस्त अवस्त सम्पति के ब्यौर है।

गान का विवरण, दिनांक ११-१८ दी हैं हैं। के समय अवल सम्पत्ति का विवरण, दिनांक ११-११ देने की स्थिति में 1. अधिकारीकर्मधारी का (पूरा) नाम तथा उस सेवा का नाम, किसमें बह हो सिश्मित्र किस्टिन किस्टिन की स्थिति में 25 वर्तमान

3. वर्तमान वेतन . 2.1.500 . . . अगली बेतनवृद्ध की वारीख . 01 . . 019

					ラープチーグのイン・ファーストー		
तथा ग्राम का नाम, बिसमें सम्पति स्थित हो	गृह तथा अन्य भवन	#	्र _व	बतलाइप कि चहु किसके नाम पर भारित है और उसका शासकीय कर्मचारी हे यया संबंध है	***खरीष, प्रद्य, बंधक, विरासत, भेट या अन्य किसी प्रकार से तथा अर्जन की तारीख और जिससे अर्जित की गई हो उसका नाम नधा स्वीत	सम्मार से बार्षिक आय	आसियुक्ति
(£)	(2)	(3)	(4)	(5)	(9)	(2)	(8)
				O E			

मा: दाखिया हिनदू मीठमें पर : दमहामाक भेड़-तीम निमा : द्वासि अधिमिम्स्ट्रालाम

"प्रथम नियुक्ति के समय अचल सम्पत्ति का विवरण, दिनांक !-!-१८ हे 31-12-18

1. अधिकारी कर्मधारी का (मूरा) नाम तथा उस सेवा का नाम, जिसमें वह डो - उन्ताहर जुना द जर्मा

3. addury den 32100 ... writch derrapte all antra .01-7-20 0

दर जिल्हा निवस मान, तालुका तथा ग्राम का नाम, बिसमें सम्मति स्थित हो		The second secon		・ 1000・1000・1/1・分間が 10000でも 門 トラーデンタ しだしいだい		(1) 人のでもない。	
	गृह तथा अन्य भवन	F	* वर्षमात्र मृत्य	बतलाइपे कि वह किसके नाम पर भारित है और उसका शासकीय कर्मचारी से म्या सबंध है	क्षांच्या प्रदा, बंधक, विरासत, भेट या अन्य किसी प्रकार से तथा अर्जन की तारीख और जिससे अर्जित की गई हो दसका नाम	सम्मति से बार्षिक आय	अभियुक्ति
ŝ	(3)	(3)	(4)	(\$)	(9)	(2)	(0)
				200			

ं मस्प्रदेश शतकाष सेवक (स्त्रज्ञाल) निवम ११९५% के नियम १६(३) के अधीन प्रथम क्रेणी, द्वितीय क्रेणी तथा तृतीय अंगी सेवा के प्रत

हमामा उर्गित कर्म यह माः अति क्रमां कर्म

पाः अहायक कार

मिणा : शायकीए के ब्रोप कुट

फार्म के प्रथम नियुष्ति के समय अञ्चल सम्मित्त का विवरण, दिनांक 0/: 01.2/018 की हिथात में चार का का परण नाम तथा का नाम तथा करना करने अभित्र जार है। जुरूरा उर्जा करने करने अभित्र जार है। जुरूरा उर्जा करने अभित्र अभित्र करने जुरूरा उर्जा करने जिल्ला करने जुरूरा अन्ति करने करने जिल्ला करने जुरूरा जिल्ला करने जुरूरा जिल्ला करने जुरूरा जिल्ला करने जुरूरा जुरूरा

म् ।	

मा: अशियम् अप्त FREMEN STRONGE JULY LO

विपात: 27] : थ्रे - भ् ः उठा

फार्म

"प्रथम नियुक्ति के समय अचल सम्पत्ति का विवरण, दिनांक ०। -०।-। ८ की स्थिति में ३। -। २- । ८

1. आषकारी कर्मचारी का (पूरा) नाम तथा उस सेवा का नाम जिसमें दह हो भी है।

2. and the day 29600. writing the and and the 01:07-19.

*) 			
	अमियुक्ति	(8)	12 0 1 2 2 2 2 2 2 2 2 2 2 2 2 2 2 2 2 2
	सम्पष्टि से बार्षिक आय	3	THE WASTERN TO STORY
उसे किस प्रकार अर्जित किया गया	""खरीद, पट्टा, बंधक, विरासत, मेट या अन्य किसी प्रकार से तथा अर्जन की तारीख और जिससे अजिंत की गई हो उसका नाम तथा व्यीत	(9)	के. प्रत्येक सदस्य में यह अपेक्षित है। को और उसमें कर उनके स्वामित्य किसी अन्य व्यक्ति के गाव पर प्ट्
यदि स्वयं के नाम पर न हो तो	बतलाइमे कि वह किसके नाम पर भारत है और उसका शासकीय कर्मचारी से फ्या संबंध है	(5)	वर्ष तमा न हो काट दीजिए। ऐसे मानले में कार पूर्ण का सही-सही जिथिए। ऐसे मानले में कार पूर्ण का सही-सही है। 'से मानले में कार कार कार कार कार कार कार मानले कार मानले में मानले मानले में मानले मान
	"मिर्वमान मृष्ट्य	(4)	विकास स्थिति के सन्दर्भ में अपीत प्रथम श्रेणी ने माम पर योजसके प
日本	F.	(3)	ासंपत्र त हो, वहां भे जाद अर्थक आह
सम्पति का नाम तथा ब्यौरे	गृह तथा अन्य भवन	3	सही-सही निर्भारत कर निर्मालत है। इ. (अ.स.ल) नियम्ा) युव्यि है समय और उस त अप्रजा उसे विरासत में प्रीलत समस्त में विरासत में
	ठस जिले, ठप संभाग, तालुका तथा ग्राम का नाम, जिसमें सम्पति स्थित हो	(2)	्यारं (काए न हो काट सीजाए। • से मानल हो जारे पूल्य का सकी-सही, जिमीएसे करना संभव न हो, बड़ा बर्ममा दिल्यों के सादमां मूल्य कारणाय जाए। • से मानलकाम पाद में मानिता है। • से मानलकाम पाद में मानिता है। • से मानलकाम पाद में मानलकाम प्रेस मानलकाम के मानलकाम के मानलकाम के मानलकाम के मानकाम के मानकाम के मानलकाम मानकाम के मानकाम के मानकाम मानकाम के मानकाम मानकाम के मानकाम मान

प्रथम नियुष्ति के समय अचल सम्पत्ति का विवरण, दिनांक 01 01 | 18 में की स्थिति में 31 | 18

ा राज् अगली वेतनवृद्धिकी तारीख. D.[.:.0] = [.9... 3. बर्तमान नेतन २४.५००.

	आमियुक्ति	(8)	2934
V.	सम्मति दे गार्षिक आय	(2)	
9 30	डस किस प्रकार आजेत किया गया ""खरीद, पट्टा, बंधक, विरासत, मेट या अन्य किसी प्रकार से तथा अर्जन की तारीख और जिससे अर्जित की गई हो उसका नाम	(9) (ક)	
十十二十二十二十二十二十二十二十二十二十二十二十二十二十二十二十二十二十二十	ार स्पर के गान पर ने हैं। तो बतलाइये कि यह किसके नाम पर भारत हैं और उसका शासकीय कर्मचारी से स्या संबंध है	(5)	4 4 19 ()
	क्रियमान मृत्य	(4)	0-000000 0-0000000 0-00000000000000000
指	F	(e)	
सम्पति का नाम तथा क्योरे	गृह तथा अन्स भवन	(3)	976
	उस जिले, उप संभाग, तालुका तथा ग्राम का नाम, बिस्तमें सम्पति स्थित हो	3	The state of the s

THE YEST OF THE ST. Am : Silo Bo K. Silisi

म करना संभव न हो, वहां वर्तमान स्थिति के सन्दर्भ में लगभग मूल्य बतलाया जाए।

मस्प्रदेश सम्मनीय सेवक (अन्मर्ग) निवम, 1959 के निवम 18(3) के अधीत प्रथम श्रेणी, दितीय श्रेणी तथा तृतीय श्रेणी सेवा के प्र

प्रथम नियुक्त के समय अवल सम्मित का विवरण, दिनांकo(-0)-0 की स्थित में 31/12/18 ते 0. अधिकारी/कर्मधारी का (पूरा) नाम तथा उस सेवा का नाम, जिसमें यह हो - अगर्त () स्ति के ना

3. नर्तमान मेतन . २६९०० ... अगली मेतनवृद्ध की वारीख . 01-01-19

		<u>,</u>		नाद स्वयं के नाम पर न हो हो	ि उसे किस प्रकार अधित किया गया		
८स । शत, ५४ सभाग, तासुका तथा प्राम का नाम, बिसमें सम्पति स्थित हो	गृह तथा अन्य भवन	₽	" विनान मूच्य	बतलाइये कि यह किसके नाम पर भारित है और इसका शासकीय कर्मचारी से क्या संबंध है	***खरीद, पट्टा, बंधक, विरासत, मेंट या उनन्य किसी प्रकार से तथा अर्जन की तारीख और जिससे अर्जित की गई हो उसका नाम नशा कींग	समाहित्से बार्षिकः आय	अभियुक्ति
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(9)	3	(8)
				7:72			

पः 2र्सहायकंका - d

नियम 18(3) का अधीन प्रथम श्रेणी, द्वितीय श्रेणी तथा तृतीय श्रेणी सेवा के प्रत

	भूमित का नाम तथा ब्यार	l æqiç		यदि स्वयं के नाम पर नहों तो	उसे किस प्रकार अजिंत किया गया		
८५ । जल, ८५ सभाग, वालुका तथा ग्राम का नाम, बिसमें सम्मति स्थित हो	गृह तथा अन्य भवन	F	ैंवर्तमान मृत्य	बतलाइपे कि वह किसके नाम पर भारित है और उसका शासकीय कर्मचारी से प्यान्संबंध है	***खरीद, पट्टा, बंभक, विरासत, भेट या अन्य किसी प्रकार से तथा अर्जन की तारीख और जिससे अर्जित की गई हो बसका नाम तथा स्पीरा	सम्पष्टि से वार्षिकः आय	आपियुक्ति
(2)	(2)	(3)	(4)	(s)	(9)	(3)	(8)
				2			
	नहां लगा न हो कट दीनिए। ऐसे मानले में कड़ां मूल्य का सही-सड़ी निर्धातग्रः करना संभव न डो, वहां वर्तभान स्थिति	संभव न हो, वहाँ	तिमान स्थिति के सन्दर्भ	के सन्दर्भ में सगभग मुख्य जतलाया जाए।		Sealure Control	A COLOR
हसर्ने अस्पकालीन पट्टे भी सम्मितित हैं टिप्पणी : मन्प्रप्रेश इत्तकाब सेवक (अज्ञरूल कि वह सेवा में पक्सी निशुषित के स	सम्मितित हैं। तक (अन्नप्र) नियम, (१५६) पिपुषित के समय और बसके	ेक निमम ा 8(3) बाद प्रत्येक बारह	के अधीन प्रवम क्रेणी महीने की अवधि के प	र्स अल्पकालीन पट्टे भी सम्मिलत है। मस्प्रदेश क्लज़ीय सेवक (अन्नदर्भ) निष्म, 1959 के तिषम 18(३) में अधीत प्रया श्रेणी, द्वितीय श्रेणी सेवा के प्रदोक सदस्य से यह अपेक्षित है कि वह सेवा में पक्सी सिपुणिस के समय और दसके बाद प्रदेक बारह महीने की अपीय के परवात यह परणा-पत्र भर कर प्रदात को और उसमें कर उनके उनामन	के प्रत्येक सदस्य से यह अमेक्सि है को और द्राराध कर दनके स्वाधिक	الله	らう

मा: अध. अस- मा

फार्म

"प्रथम नियुक्ति के समय अचल सम्पत्ति का विवरण, दिनांक 01 01 3018 की रियाति में 31 12 2018 तक

2. वर्तमान धारित गद त्रि ६ १५५६ अ 1. अधिकारी कर्मचारी का (मूरा) नाम तथा उस सेवा का नाम, जिसमें वह हो

.. अगली बेतनवृष्टि की सारीख. 01-01-19 3. मतीमान मेतन . १९५००/

ठस जिले, उप संभाग, तालुका तथा ग्राम का नाम, जिसमें सम्मति स्मित हो	सन्पाप्त का नाम तथा ज्ञारि	斯	"विवीमान मृह्य	मदि स्वयं के नाम पर न हो तो बतलाइये कि मह किसके नाम पर भारित है और उसका शासकीय कर्मचारी से स्या-संबंध है	डमे किस प्रकार अजिंत किया गया ** खरीद, पट्टा, बंधक, विरासत, पेंट या अन्य किसी प्रकार से तथा अर्जन की तारीख और जिससे अर्जित की गई हो उसका नाम	सम्पत्ति से बार्षिकः आय	अभितुक्ष
(1)	(2)	(3)	(4)	(\$)	इमा म्यौरा (6)	(Z)	(8)
				6761			
 ••• ऐसे मानले में जा मूल्य का सही-सही। ••• इसमें अल्पकालीन पट्टे भी सीमालित हैं	नेता है। है। कि ने निवास की मही मही निवासी करना संभव ने हो, वहाँ वर्तमान स्थिति के एसे मानते में कहा मूल्या का सही-सही निवासी करना संभव ने हो, वहाँ वर्तमान स्थिति के सम्बद्धानिक प्रत्ये श्री ममिन्निन हैं।	संभव न हो, वहाँ		सन्दर्भ में साभग मूल्य यतलाया जाए।		इस्ताक्षर	el/2/8/2

मम्प्रदेश शासकीय सेवक (अन्भरण) नियम 1959 के नियम 18(३) से अधीत प्रथम श्रेणी, द्वितीय श्रेणी तथा तृतीय श्रेणी सेवा के प्रत्येक सदस्य से यह अपेक्षित इ.सहीते की अरथि के परचात यह घोषणा-पत्र भर कर प्रस्तुत करें

714: 2198/14/2 (26.24)
176: 246/210 2/3-3
189: 26/21/21 26/20||m459/1

"प्रथम नियुक्ति के समय अचल सम्मति का विवरण, दिनांक (दिनांक की स्थिति में अप किया के स्थिति में अप का स्थानि स्थान

2. बर्तमान भारित पर ५१६० थन हो ह

	ज्ञा मितुहित	(8)	
一 一 一 一 一 一 一 一 一 一 一 一 一 一 一 一 一 一 一	सम्पति से बार्षिक आय		
बसे किस पकार अधित किया गया	"" खरीद, प्रद्य, बंधक, विरासत, भेट या अन्य किसी प्रकार से तथा अर्जन की तारीख और जिससे अर्जित की गई हो दसका नाम	ઉતા વ્યાહ	
यदि स्वयं के नाम पर न हो तो	बतलाइपे कि यह किसके नाम पर भारति है और उसका शासकीय कर्मचारी से प्या संबंध है	(5)	
	्र _{स्थि} मान मृत्य	(4)	
	\$	(3)	
समात का नाम तथा ब्योर	गृह तथा अन्य भवत	(2)	
	उस जिले, उप संभाग, तालुका तथा ग्राम का नाम, किसमें सम्पति स्थित हो	(1)	

1111: 446124 35-41 A 35414.

करना संभव न हो, वहां वर्तमान स्थिति के सन्दर्भ में सगभग मृत्य बरालाया जाए।

मध्यप्रदेश शत्मकान सेवक (आमरण) निवम, 1959 के नियम 18(3) के अधीन प्रथम श्रेणी, द्वितीय श्रेणी तथा रुतीय श्रेणी सेवा के प्र

कार्म

"प्रथम नियुक्ति के समय अचल सम्पत्ति का विवरण, दिनांक 01-01.2018 की स्थिति में 31-12-2018 ि क

2 मर्तमान भारित मद स्पटायश्री अ कारी कर्मचारी का (यूरा) नाम तथा उस सेवा का नात, जिसमें बढ हो रिजि 2 | उस 2 (अपिड

3. नर्तमान नेतन 2 7.000 अगली नेवनवृद्ध की तारीख .01 :07.2019

	सम्पति का नाम तथा क्यीरे	या क्योरे		यदि स्वयं के नाम पर न हो तो	उसे किय पकार शस्त्रित किया गा	が、 一年の一年の一年の一年の一年の一年の一年の一年の一年の一年の一年の一年の一年の一	
उस जिले, उप संभाग, वालुका तथा ग्राम का नाम, विसर्मे सम्पति स्थित हो	ीह तथा अन्य भवन	F	" वर्तमान मूल्य	बतताइये कि वह किसके नाम पर भारत है और उसका शासकीय कर्मचारी से फ्यान्संबंध है		सम्पत्तिः से व्याषिकः आय	अमिर्योद्ध्य
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(9)	(2)	(0)
				5			

4 . HEL. 217-11-9

मिला: शो दे सुडगाबय भ्याचित्र

[ि]करना संभव न हो, वहां वर्तमा स्थिति के सन्दर्भ में लाभग मूल्य बतलाया जाए।

[ा] मध्यप्रदेश शासकीय सेवक (आजर्ग) निषम, 1959 के निषम 18(3) में अधीन प्रयम श्रेणी, दितीय श्रेणी तथा तृतीय अंगी सेवा के प्रत

"प्रथम नियुष्टित के समय अचल सम्पत्ति का विवरण, दिनांक 01 अत्रित्ती की स्थिति में 31 िस्प्रिज् 2018 र्जि ग उस सेवा का नात किसमें का के ... ती

1. अधिकाधीकर्मचारी का (मूरा) नाम तथा उस सेवा का नात, किसों बर हो देन्छ पारिद्रे

3. वर्तमान वेतन .. त्र 7000 ... अगली वेतनवृद्धि की वारीख. २ (- 7 ... 19.

. बर्ततार भारत क्य भारत मुक्त मुक्त नि

8 वार्षिक आय सम्पति से E तथा अर्जन की तारीख और जिससे उसे किस प्रकार अर्जित किया गय * "खरीद, पट्टा, बंभक, विरासत मेंट या अन्य किसी प्रकार से अजिंत की गई हो उसका नाम तथा ब्योत यदि स्वयं के नाम पर न हो तो बतलाइये कि वह किसके नाम पर भारत है और उसका शासकीय कर्मचारी से 3 "मतमान मूल्य 3 4 (E) सम्माति का नाम तथा व्योरे गृह तथा अन्य भवन 3 ठस जिले, उप सभाग, तालुका तथा ग्राम का नाम, बिस्में Ξ

म्हार क्षेप्ट पायम् निर्म प्राप्त STREET STATE FORMS

चहां लाग न हो काट दीजिए।

ऐसे मामले में जहां मूल्य का सही-सही निर्भाषां करता संभव न हो, वहां वर्तमान स्थिति के सन्दर्भ में लगभग मूल्य बतलाया जाए।

इसमें अल्पकातीन पट्टे भी सम्मिलित 🕻।

की तथा उसके द्वारा अधित अध्या उसे विरासत में मिली या उसके अपने ताम पर या उसके पाइना के किसी सदस्य के नाम पर या किसी अन्य व्यक्ति के नाम पर पट्टे कि वह सेवा में पक्सी नियुक्त के समय और उसके बाद प्रत्येक बारह नहींने की अरथि के परवात् यह घोषणा-पत्र भर कर प्रस्तुत करें और उसमें यह उनके स्वाझिय टिप्पणीः मस्प्रदेश शत्स्कीच सेवक (अन्त्ररूप) नियम, ३९५९ के नियम 18(३) के अपीन प्रयम श्रेणी, द्वितीय श्रेणी तथा तृतीय अपी सेवा के प्रत्येक सदस्य से यह अपीक्षत (या में भक पर उसके द्वारा भारित समस्त अन्यत सम्मति के ब्योर है।

श्रम

प्रथम नियुक्ति के समय अचल सम्मति का विवृत्ण, दिनांक 01/01/2018 की स्थिति में 31/12/2018 तम् 1. ऑफ्कांग्रेकमंत्रांगे का (पूरा) नाम तथा उस सेवा का नाग, जिसमें वह हो . छान्या हो । हिं ज्या हो न्या है

अगली वेतनवृद्ध की तारीख . 61 1.07 2019 3. बर्तमान नेतन 2.नि०००

. बर्तमान भारित पर अन्हत्मक ग्रेड भी

आभयुक्ति 8 सम्पत्ति से मार्षिक आय \mathbb{E} उसे किस प्रकार आजैत किया गया *** खरीद, पट्टा, बंधक, विरासत तथा अर्जन की वारोख और जिससे भेट या अन्य किसी प्रकार से अर्जित की गई हो बसका नाम तथा ब्योत છ यदि स्वयं के नाम पर नही तो बतलाइये कि वह किसके नाम पर भारित है और उसका शासकीय कर्मचारी से क्या सबंध है 3 3 $\widehat{\mathbb{S}}$ सम्पति का नाम तथा ब्योरे गृह तथा अन्य भवन ව ठस जिले, उप संभाग, तालुका तथा ग्राम का नाम, किसमें सम्पति स्थित हो $\widehat{\mathbb{C}}$

क्षाना आक्ष्मित्र स्थिप भ्रद्यमान्त्र TENENT 30-19119 THE POPUL # Syculprix

ऐसे मानलें में का मुल्स का सही-सही निर्भाषा करता संभव न हो, वहां वरतात स्थिति के सन्दर्भ में लगभग मूल्य सतलाया जाए। इसमें अल्पकालीन पद्दे भी समिमिलित हैं।

[ः] मस्प्रदेश क्सकीय सेवक (अन्तरण) नियम, 1959 के नियम 18(3) के उत्पोन प्रयम केणी, द्वितीय केणी तथा ठृतीय नेणी सेवा के प्रत्येक सदस्य से यह अपेक्षित है कि यह सेवा में पक्सी नियुक्ति के समय और उसके बाद प्रत्येक बाद महीने की अगीथ के परचात् यह भेषणा-पत्र भर कर प्रसुत करें और उसमें वह उनके स्वामित्य की तथा उसके द्वारा आजी अथवा उसे किरासत में मिली या उसके अपने नाम पर या उसके परिवार के किसी सदस्य के नाम पर या किसी अन्य व्यक्ति के नाम पर पहेंटे या बेथक पर उसके द्वारा भारित समस्त अबल सम्मति के ब्यौर है। रिव्यणी

े अधिकारी/कर्मवारी का (पूरा) नाम तथा उस सेवा का नाम, किसमें कह हो $\overline{Q}(-1)$ $\overline{Q}(-1)$

समिति स्थित हो प्राप्त के अप जन भारत है और उसका समिति स्थित हो स्थाप हो अप उसका समिति स्थाप हो स्याप हो स्थाप			
(E)	तथा अर्थन कता प्रकार स चारी से तथा अर्थन की वारीख और जिससे अर्थित की गई हो उसका नाम तथा स्वीत	सम्मति से बार्षिक आय	अभियुद्धि
	(9)	(7)	(8)
			<i>y</i>
चहां लगा न हो कट दीजिए। ऐसे मानले में अही मूल्य का सही-सही निश्रीरण करता संभव न हो, वहां वर्तमान स्थिति के सत्तां में लगभग मूल्य बतलाया जाए	(Aug. ibi)	हस्ताक्षर	sache 3/2019

मा: स्ट्रायक ग्रंड डे मिमा: श्रार ० म् ० मु ० ख्राह

फार्म मियुवित के समय अचल सम्मान का विवरण, दिनांक : - ८१.२.०१६ की स्थिति में ठ१-१2,20१६ कारिकांत में ठ१-१2,20१६ कारिकमंत्र के उ. वर्तमात भारिक मह स्थार है. १९०१ स्थार के जन्म भारिक मह स्थार है. १९०१ स्थार के जन्म के जारी क

(2) (3) (4) (4) (5)	प्रक्रिक्य भवत भूमि "विदेशन मृत्य प्रथाति वे वेग उसका मेंट या अन्य किसी प्रकार से सामाहित्र के प्राप्त के प्रतिक और विस्ति के प्रतिक और विस्ति के प्रतिक अपन की प्रतिक और विस्ति का वार्षिक आप वार्ष्क आप वार्षिक आप वार्य वार्षिक आप वार्षिक आप वार्ष्य वार्षिक आप वार्ष्य वार्ष्य वार्ष्य व	उस जिले, उप सभाग, तालका	सन्तात का नाम तथा ब्यार			गरिस्वयं के नाम पर न हो तो	उसे किस प्रकार अजिंत किया गया		
	(s)	िका नाम, जिसमें ति स्थित हो	गृह तथा अन्य भवन	Ę	वितमान महत्त्व	न्तराक्ष्य क्षा विस्तक नाम पर भारत है और इसका शासकीय कर्मचारी से स्या संबंध है	. खराद, पट्टा, बधक, विदासत, भेट या अन्य किसी प्रकार से तथा अर्थन की तारीख और जिससे अर्थित की गई हो उसका नाम तथा स्वीता	सम्पत्ति से बार्षिक आय	आभियुक्ति
		3	3	(3)	(4)	(s)	(9)	(2)	(8)

01-01-2018 र्न 31-12-2018 तक फार्म गडस सेवा का नाग, विसमें वह हो असा अस्ति का विवरण, दिनांक गडस सेवा का नाग, विसमें वह हो असा असा अस्ति 3. वर्तमान केतन असाता

2. बर्तमात्र भारत प्य त्याहि प्राटि ठ ति कर्मचारी का (पूरा) नाम तथा उस सेवा का नाग, जिसमें वह हो

अगली वेतनवृद्धि की वारीख . 01-07- 2019

तथा ग्राम की नाम, किसमें गृह तथा अन्य भवन सम्मति स्थित हो (1) (2)	विम भूमि					
		" वर्तमात मूल्य	बतलाश्चर कि वह किसके नाम पर भारित है और उसका शासकीय कर्मचारी से क्या संबंध है	""खरीद, पट्टा, बंधक, विरासत, पेंट या अन्य किसी प्रकार से तथा अर्जन की तारीख और जिससे अर्जित की गई हो उसका नाम तथा व्यीर	मासिके	अभियुक्ति
	(3)	(4)	(5)	(9)	(2)	(8)
			्र चित्रक			

के अधीन प्रथम श्रेणी, हितीय श्रेणी तथा ठतीय श्रेणी सेवा के प्रत्येक सदस्य से यह अपिक्षत

फार्म [01 दनगवरी २०१८ भे 31, मेसकार २०१८ तक

अ. वर्तमान वेतन 19500 में D.A. अगली वेतनवृद्ध की वारीख (01. प्रस्ति 2019) U. प्रेक्टिश हिला हिन्ति "प्रथम नियुक्ति के समय अचल सम्मत्ति का विवरण, दिनांक ... ते. की स्थिति में कारी/कर्मचारी का (पूरा) गाम तथा उस सेवा का नाम, जिसमें बह हो

प्राप्त क्षेत्र प्रवास क्षेत्र प्राप्त के और उसका साम्य प्राप्त के और उसका साम्य क्षेत्र के और उसका साम्य के कि तक मिला है कि त		सम्मतिका नाम तथा ब्योर			यदि स्वयं के नाम पर न हो तो	उसे किस प्रकार अजित किया गया		
(3) (4) (5)	उस जिल, उप सभाग, तालुका तथा प्राम का नाम, जिसमें सम्मति स्थित हो	गृह तथा अन्य भदन	£	""वर्षमात्र मृत्य	बतलाइपे कि यह किसके नाम पर भारित है और उसका शासकीय कर्मबारी से पमा संबंध है		सम्पष्टि से बार्षिक आय	आभियुक्ति
	(1)	(3)	(3)	(4)	(5)	رو)	(7)	(8)
	Depter 21 · Control of the control							

[ा]स 18(3) के अधीन प्रथम श्रेणी, द्वितीय श्रेणी तथा ठतीय श्रेणी सेवा के प्रत

फार्म नियुक्त के समय अचल सम्मति का विवरण, दिनांक01 | 01 | 18 की रियात में 31 | 12118 तर्

	सम्पति का नाम तथा ब्योरे	作品		मदिस्वयं के नाम पर नहीं तो	उसे किस प्रकार अर्जित किया गया		
ठस जल, उप सभाग, तालुका तथा ग्राम का नाम, बिस्समें सम्मति स्थित हो	ाडि तथा अन्य भदन	#	• विवेमान मृत्य	बतलाइये कि यह किसंके नाम पर भारित है और उसका शासकीय कर्मचारी से प्या संबंध है	** व्यरीद, पट्टा, बंधक, विरासत, भेट या अन्य किसी प्रकार से तथा अर्जन की तारीख और जिससे अर्जित की गई हो उसका नाम तथा व्यार	सम्पति हो व्यक्तिक आय	अ मियुक्स
3	(2)	(3)	(4)	(s)	(9)	3	(8)
				Ž			
	। सही_सही_मिथीएणः करना	संभव न हो, वहां व	रिमान स्थिति के सन्दर्भ	पहां लागू न हो काट दीजिए। ऐसे मानले में का मूल्य का सही-सही निर्भाष्ण करना संभव न हो, वहां वरंमान स्थिति के सन्दर्भ में लगभग मूल्य बतलाया जाए।		Taller Co.	361
*** इसम् अस्तकालाम पट्ट भा साम्मास्तत है। टिप्पणी : मध्यप्रदेश शक्तकीय सेवक (अंतक्ष्ण) नियम, 1959 के नियम 18(३) के उपीत प्रयम कि बहु सेवा में पक्सी नियुक्ति के समय और उसके बाद प्रस्के बारह महीते को अगिथ	ताम्नालत् ६। ६. (अ.सरम्) निवम्, १९६ स्वस्ति के समय और उसने	9 के नियम 18(3) 1 बाट प्रत्येक बाह	के अधीन प्रथम श्रेणी महीने की ध्यारि के ए	हितीय श्रेणी तथा द्वीय श्रेणी सेवा भ्वात सन् भीताम सन्भार सन्	र अस्पकालम पुट्ट भा साम्मालत है। मम्प्रदेश क्षमकीय सेवक (अन्नरण) निवम, 1959 के निवम 18(3) के अधीन प्रथम अणी, द्वितीय अणी तथा रुतीय अणी सेवा के प्रदेक सदस्य से यह अपेक्षित है कि डेक सेवार्स प्रमाण की रुपता और रुपने बार प्रयोज कार प्रयोज की अपीश के प्रजान गर भागमा पर भा कर माजब की जीन मारी कर जनके पानिक	1160	

मिया है। जाता में की में देशाता श्री की जिल्ला की में देशाता

"प्रथम नियुषित के समय अचल सम्प्रति का विवरण, दिनांक 28-09-18 की स्थिति में 31-12-2018

2. वर्तमान भारत यन् हा ७ गिकर्मचारी का (पूरा) जाम तथा उस मेंबा का नाग, जिसमें बह हो ध्याने जिस्ते अह । ध्याने जिस्ते के जित्ते के जिस्ते के जिस्ते के जिस्ते के जिस्ते के जित्ते के जिस्ते के जित्ते के जिस्ते के जित्ते के जिस्ते के जिस्ते के जिस्ते के

ाह तथा अन्य भवत भूमि "वर्तमान मृत्य पर भारित है और उसका सांस्तकीय कर्म बारी से स्याप्तकीय कर्म बारी से स्याप्तकीय है (3) (4) (5)		सम्पति का नाम तथा क्योर			परि स्वयं के नाम पर न हो तो	उसे किस प्रकार आधित किया सता		
(3) (4) (5) (6) (7)	डस जिले, उप संभाग, तालुका तथा ग्राम का नाम, जिसमें सम्मति स्थित हो	गृह तथा अन्य भवन	\$		कतलाइये कि वह किसके नाम पर भारत है और उसका शासकीय कर्मवारी से फ्या संबंध है		सम्पत्तिःस बार्षिकः आव	अभियुक्ति
	(1)	(3)	(3)	(4)	(5)	(9).	(3)	(8)

सभव ने ही, वहा बतमान स्थात क सन्दंश में लगभग मूल्य बतलाया जाए।

[ी]तमन 18(3) के अधीत प्रथम श्रेणी, द्वितीय श्रेणी तथा इतीय श्रेणी सेवा के प्रत

, प्रथम नियुक्ति के समय अचल सम्पत्ति का विवरण, दिनांक $||\cdot|| \otimes -3||\cdot| > 1$

1. Minanthandraid an (Act) Art and at their an Art. Antity and about 1000 Color of the Art 1000 Color of Art 1000 Color

	सम्मति का नाम तथा ब्योरे	看		यदि स्वयं के नाम पर न हो तो	100		
०९ .थर, ८५-सभाग, तालुका तथा प्राम का नाम, बिसमें सम्पति स्थित हो	गृह तथा छन्म भवन भ	\$	"विर्वमान मृत्य	बतलाइये कि वह किसके नाम पर भारित है और उसका शासकीय कर्मचारी से म्या संबंध है	"खरीद, प्रद्य, बंधक, विरासत, भेट या अन्य किसी प्रकार से तथा अर्जन की तारीख और जिससे अर्जित की गई हो उसका नाम अर्जन की गई हो उसका नाम	सम्माप्ति से ब्रार्थिक आय	आपियुक्ति
(1)	(3)	(3)	(4)	(5)	(9)	(a)	(8)
बहा लाग् न हो कह दीजिए।						1	Treffer /

म करना संभव न हो, वहां बर्तमान स्थिति के सन्दर्भ में लगभग मूल्य बरालाया जाए।

),...,Q(X)

। जनवरी द्याह में अपिरमवर् काह "प्रथम नियुक्ति के समय अचल सम्पत्ति का विवरण, दिनांक कार्म

कारी कर्नचारी का (मूरा) नाम तथा उस सेवा का नाम, जिसमें यह हो, जुन्नों ए बुसार से पार्टि

3. वर्तमान वेतन . 45900 अगली वेतनवृद्धि की तारीख . 01-7-20 |

2. बर्तवान धारित पर स्तिसि ५

	सम्मात का नाम तथा भ्योर			यदि स्वयं के नाम पर न हो तो	उसे किस प्रकार अजिंत किया गया		
८स । जल, ८५ सभाग, तालुका तथा ग्राम का नाम, बिस्समें सम्मति स्थित हो	ाह तथा अन्य भवन	#	"वर्तमान मूल्य	बतलाइये कि वह किसके नाम पर भारित है और उसका शासकीय कर्मचारी से प्यान्संबंध है		सम्मातः दे बार्षिक आय	आमियुद्धि
3	(2)	(3)	(4)	(5)	(9)	(2)	(8)
				_ /wil.			
बहा लागू ने इन फोट द्याजप्त ऐसे मानलें में ज्या मूल्य का इसमें अल्पकालीन पढ़ेंदे भी स	गए। का सडी-सड़ी निर्भारण करना भी सम्पिलित हैं।	संभय न हो, वहां व	र्तमान स्थिति के सन्दर्भ	वहा छापु न है। काट दालप्। ऐसे मामले में जड़ो मूल्य का सही-सही निर्भारण करता संभव न हो, वहां वर्तमान स्थिति के सदर्भ में सगभग मूल्य वरलाया जाए। सम्बन्धानीय सन्दे भी मीमसिक हैं।		BERTING. BUILDE	le justiere

THE STAL BAN WEST THE BOWEN

12 1-1-18 H 31-12-2018 J

प्रथम नियुषित के समय अजल सम्मति का विवेदण, दिनांक मन्त्राम उस तेना का क्यां किसी कहाँ रिनि (रोपेरी) प्राथित

1--- and angle of arte 21-7.-19 3, admy ten 1/6 | 0.00 |

(2) (3) (4) व्यक्ति पूल प्रभावित के तोर उसका में द्वाक्त्र कि विकास के ता अवस्त की विकास की वि	तम जिले तप संभाग सलका	सम्पति का जान तथा ब्योर	管		स्रम्भ मासन्होत्	उसे किस् प्रकार अधित किया गया		
(1) (1) (2) (4) (6) (6) (6) (6) (7) (7) (7) (7) (7) (7) (7) (7) (7) (7	तथा ग्राम का जाम, जिस्समें सम्मीत रिथत हो	10 (10d) Series (10d)		Bodel a	पर बारित है और उसका शासकीय कर्मकारी से ज्या संबंध है	दर्श, प्रदा क्षक, विरास्ति भेट या व्यन्य किसी प्रकार से तथा अर्थन की तारीख और जिससे अर्थित की गई हो उसका नाम तथा व्यीत	स्तापि है वापिक आय	अमियुक्ति
1) 1 2 2011 2 201 1 2 2 2 2 2 2 2 2 2 2 2	Θ	(2)	(3)	(*)	(5)	(9)	(3)	(8)
	15 1 3 1 3 1 3 1 3 1 3 1 3 1 3 1 3 1 3 1		£002-96	aao '20 '9	Papa			

फार्म 1-1-2018 ति 31-12-2018 ति ति अपन नियुषित के समय अवल सम्पत्ति का विवरण, दिनांक की स्थिति में की स्थिति में 1. अधिकाधिकर्मचारी का (कूण) नाम तथा उस सेवा का नाम, जिसमें बह हो कि कि 2017) जि

2. वर्तमान थारित पद र्ट्डी

<u>۔۔۔۔</u>							
तम् अन्य स्थानम् । जन्म सम्पति स्थित हो	गृह तथा अन्य भवन	E	• वर्तमान मृत्य	बतलाइपे कि वह किसके नाम पर भारत है और उसका शासकीय कर्मचारी से प्या संबंध है	"" खरीद, पट्टा, बंधक, विरासत, मेंट या अन्य किसी प्रकार से तथा अर्जन की तारीख और जिससे अर्जित की गई हो उसका नाम	समाति से बार्षिक आय	आपिपुक्ति
(1)	(2)	(3)	(4)	(s)	(9)	\mathbf{s}	
अहां लगा न हो काट दीजिए। भी मानने में बना मान कर मान		4				70	
कर्मा अल्पकाली पट्टे भी समिलित हैं।	ान्त्रक्षा नामान्य नामान्य मस्मित हैं।			रका मान्या जावर प्रता का घरण घरण चारण जाया ने का चारण चारण चारण चारण चारण चारण चारण चार		हस्ताक्षर	

माः क्षेत्रशायात्र

Parish P. Y. Sales

फार्म का प्राप्त के समय अजल सम्प्रोंत का विवरण, दिनांक की स्थिति में कार्यकर्मांग का राज्य अजल सम्प्रोंत का विवरण, दिनांक की स्थिति में जनमा आपिक व्याप्त आपिक में मार्ग अपने प्राप्त का मार्ग अन्ति का मार्ग अन्ति का मार्ग अन्ति का मार्ग का मार्ग

	सम्पत्ति का नाम तथा न्यीरे	या क्योरे		यदि स्वयं के नाम पर न हो तो	उसे किस प्रकार अर्जित किया गया	では、一番のできない。 これが、これが、これが、これが、これが、これが、これが、これが、これが、これが、	
उस जल, उप सभाग, तालुका तथा प्राम का नाम, जिसमें सम्पति स्थित हो	गृह तथा अन्य भवन	\$	्र विविधान मृत्यू विविधान मृत्यू	बतलाइये कि वह किसके नाम पर भारित है और उसका शासकीय कर्मचारी से पया संबंध है	***खरीद, पद्टा, बंधक, विरासत, भेट या अन्य किसी प्रकार से तथा अर्जन की तारीख और जिससे अर्जित की गई हो उसका नाम तथा स्वीत	सामापि से बार्षिक आव	आभियुक्ति
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(9)	(2)	(8)
कहां लगा न हो काट दीजिए							P. Rewell .

Am STO Sto So salles

फार्म काग्रकमंगारी का (पूरा) नाम तथा उस सेवा का नार. जिसमें बह को मिल्टिन के अप्तान का विवरण, दिनांक, 30(8-19) की स्थिति में 3. कर्तमान वेतन स्थिति के अगली वेतन्त्र की नाराव के नाराव के नाराव के अगली वेतन्त्र की नाराव है। नाराव नाराव के नाराव के

	6 57 1 6	(8)	The state of the s
	जारिक आय	(2)	Branton Aller Stranger
उसे किस प्रकार अर्जित किया गया ""खरीट, पट्टा, बंधक, विरासत, भेट या अन्य किसी प्रकार से	तथा अर्थन की वारीख और जिससे अजिंत की गई हो उसका नाम तथा ब्यौत	(9)	के प्रत्येक सदस्य है यह अपेक्षित है को उसीर उसमें मह उनके स्वामित
भाद स्वय के नाम पर न हो तो बतलाइये कि वह किसके नाम पर भारत है और उसका	शासकीय कर्मचारी से पया संबंध है	(5)	लागू में हो झाट दीजिए। मामले में जाने मुल्य का सही-सही तिज्ञीत्या, करना संभय न हो, बहां बर्तमान स्थिति के सन्दर्भ में समभग मूल्य बतलाया जाए। में अल्पकालीय पट्ट भी सामिताल है। में अल्पकालीय सम्माण संकल्प निम्म 18(3) के आपीन प्रणान, हिली के मामण्डी प्रणान के माने सम्माण संकल्प संकल्प संकल्प संकल्प संकल्प संकल्प संकल्प के आपीन के आपीन के समझित कि. तहां होता में प्रकली पेड्राक्ष के समय और उससे अपने नाम प्रत्या के मिली सर्थ के नाम पर वा किसी कन्य व्यक्ति के नाम पर पट्टे
"वर्तमान मृत्य		(4)	तियान स्थिति के सन्तर्भ महीते ज्ञी अभि के प्र
<u></u>		3	संभव न हो, यहा मेली पा उसके आहे
गृह तथा अन्य भवन		3	ल्या म हो काट दीजिए। मामले में जहां मूल्य का सही-सही निर्भारण करना संभव न हो, वहां वर्तमान स्थिति जिल्लकालीन पट्ट, भी सम्मिलित हैं। माम्प्रदेश असमीव सेवक (अन्यर्भ) नियम् 1959 के नियम 18(3) के अभीन के बह सेवा में प्रक्रिती निर्धारण और उसके बाद प्रत्येक बाद सही की क
उस जिले, उप संभाग, तालुका तथा ग्राम का नाम, विसमें	सम्पति स्थित हो	E	अहां लागू न हो काट दीजिय । से मानले में जहां मूल्य का सही-सही तिथारण करेता संभव न हो, वहां वर्तमान स्थिति इसमें अस्पकाली पद्दे भी समितित हैं। सि. बहु सेवा में पद्दी भी समितित हैं। कि. बहु सेवा में पद्दी नियुक्ति के सम्प और उसके बाद प्रदेशक बाहु महीने की के

फार्म 1-1-2018 है 31-12-2018 ति कि समय अचल सम्मान का विवरण, दिनांक की स्थिति में स्कारीकर्मचारी का (पूरा) नाम तथा उस सेवा का नाम, जिसमें बह हो शिश्रीति में दिश्री है है। देव

3. बर्तमान बेतन . 39 800. अगली बेतनवृद्ध की तारीख . 0 - 7 - 2010

	सम्पति का नाम तथा ब्योरे	賃		यदिस्वयं के नाम पर नहीं तो	उसे किस प्रकार अर्डित किया गया		
८स । शत, उप सभाग, तालुका तथा ग्राम का नाम, ब्रिसमें सम्मति स्थित हो	गृह तथा अन्य भवन	\$	चितमान मूल्य			सम्मित्ते बार्षिक आय	आभियुक्ति
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	तथा व्यौत	3	(0)

मः ज्यानगर् योड्य मणाः शासन्धानायम् TITE : HELT 49

रिरालियर

करना संभव न हो, वहां वर्तमान स्थिति के सन्दर्भ में लगभग मूल्य बरलाया जाए।

मध्यप्रदेश रासकीन सेवक (आजरण) नियम 1959 के नियम 18(3) के अधीन प्रथम श्रेणी, द्वितीय श्रेणी तथा तृतीय अणी सेवा के

81-81-13-18 ... की स्थिति में . अगली वेतनवृद्धि की तारीख . 0 - 7 - 1 9 "प्रथम नियुक्ति के समय अचल सम्पत्ति का विवरण, दिनांक कारी कर्मचारी का (पूरा) नाम तथा उस सेवा का नाम, जिसमें वह हो तुर्दे रेन्ट्रे रेसिंट र 15 रि 3. सर्वमान नेतन 34 (ठंठ

	सम्पत्ति का नाम तथा ब्योर	背冒		यदि स्वयं के नाम पर न हो तो	उसे किस प्रकार अर्डित किया गया	この きい数 色の変	
ठस जिले, उप संभाग, तालुका तथा ग्राम का नाम, जिसमें सम्पति स्थित हो	ाह तथा अन्य भवन	\$	म् १वर्षे	बतताश्चे कि वह किसके नाम पर भारत है और उसका शासकीय कर्मचारी से प्याःसविध है	** खरीद, प्रद्या, बंधक, विरासत, भेट या अन्य किसी प्रकार से तथा अर्जन की तारीख और जिससे अर्जित की गई हो दसका नाम तथा स्वीत	सम्मारि से ब्रापिंक आप	अमियुक्ति
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(9)	(1)	(8)

ont ever

⁻सही निभीरण काना संभव न हो, वहां बर्तमान स्थिति के सन्दर्भ में लगभग मृत्य बरालाया जाए।

[.] मस्प्रदेश सम्मनीय सेवक (अन्यर्ग) नियम १९५० के नियम १८३) के अधीन प्रयम लेगी, हितीय लेगी तथा रुतीय केपी सेवा के प्रयोक सदस्य से यह अपीक्षत

फार्म "प्रथम नियुक्ति के समय अचल सम्पत्ति का विवरण, दिनांक 01-01-18की स्थिति में 1. अधिकारी कर्मधा का स्था) गाम तथा उस मेंबा का नाम, किसमें बह री कि स्ट्रीट्री भी स्थिति के स्थिति हैं 2. बर्तमान बेतन 33 100 ... अगली बेतनबृद्धि की वारीव - 01-7-19

	सम्पत्ति का नाम तथा ब्योरे			यदि स्वयं के नाम पर न हो तो	उसे किस प्रकार अर्जित किया गया		
वस् अवल, उप सभीत, तालुका तथा ग्राम का नाम, किसमें सम्पति स्थित हो	गृह तथा अन्य भवत	F	" वर्तमात्र मृत्य	बतलाइपे कि तक किसके नाम पर भारित है और उसका शासकीय कर्मचारी से प्या-संबंध है		सम्पष्टिः से वार्षिकः आय	अ मि तिख अ
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(9)	(2)	(8)
				Apple 1			
" वहां लगा न हो काट दीजिए। ऐसे मामले में गरा मुल्य का सही-सड़ी तिभीरण करना संभव न हो, बहां बर्तमान स्थिति के	सूडी-सड़ी निभारण करना	संभव न हो, बहा		सन्दर्भ में सगभग मूल्य बतलाया जाए।		Brezileit.	
इसम् अस्प्रकारात पट्ट पा टिप्पणी: मन्प्रदेश शत्सकीच सेव कि. यह सेवा में पक्सी रि की.तथा उसके द्वारा अधि	साम्सारत इ.। इ. (अ.सर्फ) नियम्, १९६ मेर्युक्स के समय और इससे ति अथना इसे विसासत में	क के मियम 18(3 5 बाद प्रत्येक बाएड मिली या उसके आ) के अधीन प्रयम केणी महीने की अवधि के प ले जम पर या तमके प	, द्वितीय श्रेणी तथा तृतीय अंणी सेव सत्त्वात यह घोषणा-पत्र भर कर प्रस्तु तिया के किसी सरस्य के बाप पर स	इसम अस्पकारान पट्ट भा साम्मालत है। टिप्पणी : मम्प्रोदेश शसकीय सेवक (अज्ञरण) निषम, 1959 के निषम 18(3) के अधीत प्रथम श्रेणी, द्वितीय श्रेणी तथा के प्रत्येक सदस्य से यह अपेक्षित है कि वह सेवा में पक्की निधीक्ष के समय और दसके बाद प्रत्येक बाद महीने की अधी के परवात यह घोषणा-पत्र भर कर प्रस्तुत करें और उसमें यह उनके स्वामित्व की तथा दसके हैंगा अधिक अधवा दसे खिलास में सिली या उसके अपने नाम पर आज्यके परिवास के किसी सन्छा के नाम कर ज्याहित		माः द्वित्वधीज्ञासम्य द्वस्र

परः कीका होस्टर्

01-01-18 31-12-18 4

की स्थिति में

"प्रथम नियुक्ति के समय अचल सम्पत्ति का विवरण, दिनांक

1. आफ्निसीक्सीमारी का (मूरा) माम तथा उस सेवा का नाग जिसमें बढ़ हो अपित्रे निर्देश प्राद्ध

2. where where we see that I do not see

8 बार्षिक आय सम्पति से E उसे किस प्रकार अर्जित किया गया तथा अर्थन की तारीख और जिससे " "प्दर, पट्टा, बंधक, विरासत मेंट या अन्य किसी प्रकार से अर्जित की गई हो उसका नाम तथा ब्योत છ यदि स्वयं के नाम पर न हो तो बतलाइये कि वह किसके नाम पर भारत है और उसका शासकीय कर्मचारी से क्या संबंध है S 4 3 सम्पति का नाम तथा ब्योरे गृह तथा अन्य भवन 3 **उस जिले, उप संभाग, तालुका** तथा प्राप्त का नाम, जिसमें सम्पति स्थित हो Ê

मिना आस्ट्रिकेस उस्रा मः दमान्यस्य याद्य मः कार्या होत्य

हस्ताक्षर

या बेंधक पर उसके द्वारा भारित समस्त अबल सम्मति के ब्योर दें।

ऐसे मामले में जड़ो मूल्य का सड़ी-सड़ी निर्धारण, करना संभव न डो, यहां बर्तमान स्थिति के सन्दर्भ में सनभग मूल्य बतलाया जाए। इसमें अस्पकाली पद्टे भी सम्मिलित हैं।

टिप्पणी: मध्यप्रदेश शत्सकोष सेवक (अ.अ.एम) निषम, 1959 के निषम 18(3) में अधीन प्रथम श्रेणी, द्वितीय श्रेणी तथा दृतीय श्रेणी सेवा के प्रत्येक सदस्य से यह अपेक्षित है के वह सेवा में पक्की निर्धिक्ष के समय और उसके बाद प्रत्येक बाह महीने की अन्नि के परवात यह घोषणा-पत्र भर कर प्रस्ता को और उसमें वह उनके स्वामित्त की तथा उसके द्वारा अधित अथवा उसे विरासत में मिली या उसके अपने नाम पर या उसके पायित के किसी सदस्य के नाम पर या किसी अन्य व्यक्ति के नाम पर पट्टे

(01 47491,2018 -> 31 Phitoly 2018 Jam) श्रम्

पथम नियुक्ति के समय अचल सम्मति का विवरण, दिनांक

1. अधिकारी कर्नवारी का (पूरा) जाम तथा उस सेवा का नाग, जिसमें वह हो ' 3नतुत्ते दुर्भित्ते ह

बर्वेगन भारित पद - क्री की किंद्र की स्थिति में

3. वर्तमान वेतन . रे 260.20/ अगली वेतनवृद्ध की तारीख . 🗅 (जुलाई , २०१९ ..

आभयुक्ति 8 सम्पत्ति से वार्षिक आय \mathbb{E} * "खरीद, पट्टा, बंधक, विरासत, उसे किस प्रकार अजिंत किया गया नया अर्जन की तारीख और जिससे भेट या अन्य किसी प्रकार से अर्जित की गई हो उसका नाम चदि स्वयं के नाम पर न हो तो बतलाइये कि वह किसके नाम पर भारित है और उसका शासकीय कर्मचारी से क्या संबंध है છ 3 **Ę**, (3) सम्पति का नाम तथा म्यौरे गृह तथा अन्य भवन 3 उस जिले, उप संभाग, तालुक तथा ग्राम का नाम, विसमें सम्पति स्थित हो Ê

Framer, OF

माः ज्यातुल द्वीधनत

विभाग: 3176 थरी. मु. ठवारिकाम्

ऐसे मामले हैं जहां मूल्य का सही-सही निर्धारण करना संभव न हो, वहां वर्तमान स्थिति के सन्दर्भ में लगभग मूल्य बतलाया जाए।

इसमें अल्पकालीन पट्टे भी सम्मिलित 👣

टिप्पणी : मच्चप्रदेश सम्मक्षीय सेवक (अन्त्ररम्) निवम, १९६९ के निवम १६(३) के अभीन प्रमम श्रेणी, हितीय श्रेणी तथा दृतीय अभी सेवा के प्रतेक सदस्य से यह अपेक्षित है कि वह सेवा में पक्षणी नियुक्षि के समय और दसके बाद प्रत्येक बाद महीने की अहींये के परचात यह घोषणा-पत्र भर कर प्रसुत को और उममें यह उनके स्वामित्व की तथा उसके द्वारा अधिकों अथवा उसे किरासत में मिली या उसके अपने नाम यर बाउसके परिवार के किसी सदस्य के नाम पर या किसी अन्य व्यक्ति के नाम पर पट्टे या बंधक पर उसके द्वारा भारित समस्य अवस्त सम्मति के ब्योर है।

फार्म OI-01-18 से 31-12-18

की स्थिति में

"प्रथम नियुक्ति के समय अचल सम्पत्ति का विवरण, दिनांक

निर्मित्रमंतारी का (पूरा) जाम तथा उस सेवा का नात. जिसमें बह हो दिनानु जारियम

3. antirin den 27.800 ... wriest deringte, all anties. 01 - 7 - 1.9

उस जिले. उप संभाग सालका	सम्पति का नाम तथा क्यौर	1		चाद स्वयं के नाम पर न हो तो			
तथा ग्राम का नाम, बिसमें सम्पति स्थित हो	गृह तथा अन्य भवन	\$.	्रैं बर्तमात्र मृत्यू स	बतलाइय कि वह किसक नाम पर पारित है और ठसका शासकीय कर्मचारी से फ्या संबंध है	** खरीद, प्रदृश, बीभक, विरासत, भेट या अन्य किसी प्रकार से तथा अर्जन की तारीख और जिससे अर्जित की गई हो दसका नाम तथा स्थीत	सम्पत्ति से बार्षिकः आय	आमितुक्सि
(1)	(3)	(3)	(4)	(5)	(9)	(2)	(8)
				£845			

ऐसे मामले में जा। मुख्य का नहीं-सही निर्भाष्य करना संभव न हो, यहां बहेगान स्थिति के सदर्भ में साभग मृत्य बहताया जाए।

ERRIER OCT. 2111224

मस्प्रदेश रासकीय सेवक (अ.ज.प) नियम, 1959 के नियम 18(3) के अधीन प्रथम केयी, द्वितीय केथी तथा ठृतीय अंगी सेवा के प्रत्येक सदस्य से यह अपेक्षित कि वह सेवा में पक्सी नियुक्ति के समय और उसके बाद प्रत्येक बाद महीने की अगिथ के परचात् यह भोषणा-पत्र भर कर प्रसुत कर और उसमें यह उनके स्वाप्ति

फारीकर्मचारी का (पूरा) नाम तथा उस सेवा का नाम, जिसमें बह हो े अरोकर जिस्ते अस्ति के सिधाति में

अगली वेवनवृद्धि की वारीख 3. बर्तमान बेतन 19,500

	आपियुक्ति	(8)	
	सम्पति से बार्षिक आव	(2)	
	ठस १कस प्रकार आजेत किया गया ""खरीद, पट्टा, बंफक, विरासत, भेट या अन्य किसी प्रकार से तथा अर्जन की तारीख और जिससे अजित की गई हो उसका नाम	(9)	
一个女儿出 其 本 五	ार त्यं क जान १९ न ६। ता बतलाइये कि वह किसके नाम पर भारत है और उसका शासकीय कर्मचारी से क्या संबंध है	(5)	
	ैं वर्तमान मृष्य	(4)	
福	₽	(3)	
सम्पत्ति का नाम तथा क्योरे	गृह तथा अन्य भवन	3	
	ठस जिले, उप संभाग, तालुका तथा ग्राम का नाम, बिसमें सम्पति स्थित हो	(1)	

माः प्रयक्ता असी BERLING. HADWAN

म्यः कापी होठ्ड मणाः शासः से मुद्रः भ्वाः

[ि]निर्भोत्यः करना संभव न हो, वहां वर्तमान स्थिति के सन्दर्भ में लगभग मूल्य बतलाया जाए।

मस्मारदेश रामस्त्रीय सेवक (आनर्स) निषम, 1959 के निषम 18(3) के अधीन प्रथम श्रेणी, द्वितीय श्रेणी तथा तृतीय अभी सेवा के प्रत

"प्रयम नियुक्ति के समय अवल सम्पत्ति का विवरण, दिनांक 01/01/18 की स्थिति में 31/12/18 कर्मवारी का (यूरा) नाम तथा उस सेवा का नाम, जिसमें बह हो - तीप ASH . KOTHOR.

3. मर्तमान वेतन . 19500 / - . . अगली वेतनवृद्ध की तारीख प्रिका (130) हिर्मि

						· 一个一个一个一个一个一个一个一个一个一个一个一个一个一个一个一个一个一个一个	
डस जिले, उप संपान, तालुका तथा प्राम का नाम, बिसमें सम्मति स्थित हो	गृह तथा अन्त भवन	₩.	"वर्तमात मृत्य	बतलाइये कि वह किसके नाम पर भारित है और इसका शासकीय कर्मचारी से स्या-संबंध है	• व्यत् अन्या जाजा क्या न्या । । । • व्यति, पट्टा, बंधक, विरासत, भेट या अन्य किसी प्रकार से तथा अर्जन की तरीख और जिससे अर्जित की गई हो उसका नाम	सम्मति से वार्षिक आय	आभिद्यक्ति
3	(3)	(٤)	(4)	(5)	(9)	(2)	(8)
जहां रता न हो काट दीजिए। ऐसे मामले में जहां मूल्य का सही-सही स्मार्ग स्वत्यानीय घटने भी मीमनिक	ा सरी-सडी निर्भारणः करना समिनिक है।	संभव न हो, बहा	र्तमान स्थिति के सन्दर	क्षहों छागा ने हो काट दीजिए। से मामले में कड़ों मूल्य का सड़ी-सड़ी निर्भाष्ण करना संभव ने हों. वहां बर्तमान स्थिति के सन्दर्भ में लगभग मूल्य बरलाया जाए। समें खल्यकालीव घटटे भी मीमलिक हैं।		BERNET FLORIBLE	4
टिप्पणी : मध्यप्रदेश शासन्तीय सेव	क्ट (अत्वरण) निवम निव	के मिया १९(३	के स्कान क्या	सम्प्रदेश कामकोद्य सेटक (अस्तराज) क्रियम १०६० को निर्मात १९६३ के जनाँत सम्म क्षेत्री किनोग अभी अभ जना ने मन्त्र	*	AR PS	AFER KOLLOK

TE COPY HOLDE

िण, जनवरी २०१३ से ३१ वियम्बर, २०१३ मध् "प्रथम नियुषित के समय अचल सम्मत्ति का विवरण, दिनांक ...∧...... की स्थिति में

So address and 19500 + D.A. sorrell storage at artice (0). South 3. 2019) Will storage of 1. अधिकारी कर्मचारी का (मूरा) नाम तथा उस सेवा का नाम विसमें वह हो राष्ट्रियां न्या हिस्

Frank (Pehandhang 8 बार्षिक आय सम्पत्ति से \mathbb{C} उसे किस प्रकार अर्जित किया गया • विदेश, पद्या, बंधक, विरासत नया अर्जन की तारीख और जिससे भेट या अन्य किसी प्रकार से अजिंत की गई हो वसका नाम तथा ब्यौत 3 यदि स्वयं के नाम पर न हो तो बतलाइये कि वह किसके नाम पर भारत है और उसका शासकीय कर्मचारी से क्या संबंध है Ê $\widehat{\mathbf{E}}$ सम्पति का नाम तथा ब्योर् गृह तथा अन्य भवन ල ठस जिले, उप संभाग, तालुका तथा ग्राम का नाम, जिसमें सम्पति स्थित हो Ê

मः बाहुन सीध्यी मः जापी होल्डर

मिणाः शास् हिर्मुः इनग्रिस

ऐसे मानले में जारे मूल्य का सही-सही निर्धारण करता संभव न हो, वहां वर्तमान स्थिति के सन्दर्भ में सापण मूल्य वतलाया जाए। इसमें अल्पकातीन पद्दे भी समितित 🕻।

टिप्पणी: मध्यप्रदेश रहतकीय सेवक (आग्राम) निवम, 1959 के निवम 18(3) के अधीन प्रयम लेगी, हितीय लेगी तथा तृतीय लेगी सेवा के प्रतेक सदस्य से यह अपेक्षित है की तबा उसके द्वारा अभित अध्वा उसे विरासत में मिली या उसके अपने तान पर या उसके परिवार के किसी सदस्य के नान पर या किसी अन्य व्यक्ति के नान पर पट्टे कि बढ़ सेवा में पक्सी निवृष्टित के समय और उससे बाद प्रत्येक बाह महीने की अर्थि के प्रचात यह घोषणा-पत्र भर कर प्रसुत करें और उसमें बह उनके स्वामित्य या बंधक पर उसके द्वारा भारित समस्य अवस्त सम्मति के च्यार दे।

गृह तथा अन्य भवत भूमि "वर्तमान मूल्य (2) (3) (4) (4) भूष्। भूष्। भाषा सही-सही निर्भाषण भरना संभव न हो, वहां वर्तमान स्थिति के सन्दर्भ भी सम्मितित हैं। भेष सही-सही निर्भाषण भरना संभव न हो, वहां वर्तमान स्थिति के सन्दर्भ भेष समितित हैं। भेष सही-सही निर्भाषण भरना संभव न हो, वहां वर्तमान स्थिति के सन्दर्भ भेष सही-सही निर्भाषण भरना संभव न हो, वहां वर्तमान स्थाप		सम्पत्ति का नाम तथा ज्योर	1 mg/t		यदि स्वयं के नाम पर न हो तो	उसे किस प्रकार अर्जित किया गया	こか の 教教中心を変	
(1) (2) (3) (4) (5) (7) (7) (7) (7) (8) (1) (1) (1) (1) (1) (1) (1) (1) (1) (1	उस जिले, उप संभाग, तालुका तथा ग्राम का नाम, विसमें सम्पति स्थित हो	गृह तथा अन्य भवन	F	वर्षमान मृत्य	बतलाइये कि यह किसके नाम पर भारित है और उसका शासकीय कर्मचारी से प्यान्सनिय कर्मचारी से	***खरीद, प्ट्टा, बंधक, विरासत, भेट या अन्य किसी प्रकार से तथा अर्जन की तारीख और जिससे अर्जित की गई हो उसका नाम तथा व्यीत	सामीत में बार्डिक आप	आमित्रीक्त
जहां रागा न हो आद शीवपा । पेरी मारती में कहा मूल का दक्की नहीं जिल्ला के हो जहां जैतेमान दिशित के सान्या में रागभाग मूल्य जातशाया जाए। ऐसे मारती में कहा मूल का दक्की नहीं कि माना स्थाय न हो, जहां जैतेमान दिशित के सान्या में रागभाग मूल्य जातशाय आप होता में प्राप्त में प्राप्त में प्राप्त के आन्या में प्राप्त में आप का के प्रत्येक सदस्य से यह अमेरित है। हिंद सह देखा में पास्त्री त्यां का को इसने जाद अस्ते जाद असे हैं। हो असी के परचात यह भोपणा-पत्र भर सहात कर उनके स्वाहित्य	(1)	(2)	(6)	(4)	(5)	(9)	2	(8)
जहां लगा न हो काट दीजिए। ऐसे मामते में जारी मूल्य का सही-सही निर्धारण, करना संभव न हो, यहां वर्तमान निर्धात के सन्दर्भ में लगभग मूल्य बतलाया जाए। इसमें अस्पकारीन पट्ट भी सम्मितित हैं। १. मध्मप्रदेश कस्पकों सेवक (अक्सर्फ) निषम, 1959 के तिथम 18(3) के अधीन प्रथम हेणी, हितीय हेणी तथा दुतीय देणी सेवा के प्रत्येक सदस्य से यह अपेक्षित है कि यह सेवा में प्रकान निप्रक्रिय के समय और उसके बाद प्रत्येक बाद मत्त्रेक स्वाप्त मत्त्र मत्त्र मत्त्र मत्त्रेक बाद मत्त्र मत्त्रेक स्वाप्त मत्त्र का स्त्र स्था मत्त्र मत्त्र मत्त्र मत्त्र मत्त्र स्था मत्त्र का मत्त्र स्था मत्त्र स्था मत्त्र स्था मत्त्र स्था मत्त्र स्था मत्त्र का स्था मत्त्र स्था स्था स्था स्था स्था स्था स्था स्था					3			
	寄华医二	। सही-सही निर्पारण, करना सम्मितित हैं। इ.(अक्एल) निषम्, 195 सुबैस्त के सभय और दसके	संभव न हो, वहां 9 के मियम 18(3 • बाद प्रत्येक वार	बर्तमान स्थिति के सन्दर) के अपीन प्रयम क्रेप्य ? महीने की अपीर्के	र्षे में स्ताभग मूल्य बतलाया जाए। द्वितीय क्रेणी तथा स्तीय अंणी सेवा स्यात् यह भोषणा-पत्र भर्ष कर अस्तु	। के प्रयोक सदस्य से यह अपीक्षत है त करें और उसमें यह उनके स्वाहित्य	Frankii.	

Party St. My John

"प्रथम नियुष्ति के समय अचल सम्मति का विवरण, दिनांक 1 जिन्तु मी 18 की स्थिति में 31 दिन्मान्य)ट 2018

2. enforme author of the Co. L. Optical

मरना संभव न हो, वहां वर्तमान स्थिति के सन्धां में लगभग मृत्य बतलाया जाए।

यम् 1959 के नियम 18(3) के अधीन प्रयम श्रेणी, द्वितीय श्रेणी तथा तृतीय श्रेणी सेवा के प्रत

十百二十五日 多十二十二十 R: 在8户空间

किएमा :अम्मिकीय स्मिन श्रकात्र

फार्म नियुष्ति के समय अचल सम्प्रों का विवरण, दिनांक 3/2/2-20 की स्थिति में 1. अधिकारिकमंचारी का (पूरा) नाम तथा उस सेवा का नाम, जिसमें बर हो 2/6 जिस कुश्री χ अश्री χ अ

2. यर्तमान भारित पद किये १८६५ अन्य

स्या:सर्वध है अस्पित को गह हो। उसका नाम (६) (६) (६)	(2) (3) (4) (5) (5) (5) (5) (6) (5) (5) (6) (6) (7) १००० (6) (6) (7) १००० (6) (6) (6) (6) (6) (6) (6) (6) (6) (6)	उस जिले, उर संभाग, राजुका तथा प्राम का नाम, जिसमें गृह तथा अन्य भवन सम्मति स्थित हो	तथा अन्य भवन	• विद्यान मृत्य	बतलाश्ये कि वह किसके नाम पर भारित है और उसका रासकीय कर्मचारी से	कर किया अकार आजा कथा गया "बिद्यां, प्रद्यां, बंधक, विरासत, भेट या अन्य किसी प्रकार से तथा अजन की तारीख और जिससे	सम्मिति से बार्षिक आय	आभियुक्ति
क्रिया में स्वाभा भूख जिल्लाया जाए।					स्या संबंध है	अभित की गई हो दसका नाम तथा स्वीत		
के संस्था में साम्या मूख्य अवस्तायां जाए।			3	(4)	(5)	(9)	(2)	(8)
क्र अन्या में साम्या मूख्य अत्रताया जाए।								
के संस्था में साम्या महत्य अत्रताया जाए।							ſ	
के सन्दर्भ में साम्या मृत्य अदलाया नाए।					Ox so			
के सन्दर्भ में लगभग मूह्य जनलायां जाए।								
के सन्दर्भ में लगभग मृहय जतताया जाए।								
के सन्दर्भ में लगभग मृत्य जतताया जाए।								
के सन्तर्भ में लगभग मृत्य जिल्लाया जाए।								
		क्षों रागा ने हो काट दीजिए। से मामले में जारे मूल्य का सही-सही कि सर्वे सम्बद्धानिक स्पर्ट भी समितिक है।	रिए। करना संभव न हो, वह		मि साभा मृत्य बतलाया जाए।		हस्ताभर	The state of the s
	या बेकक में उसके होता थातित समस्त अवस्त सम्मति के बाँग हैं।	मा बेंधक प्रत्यसके द्वारा भारित समस्त	अवस्य सम्मति के क्वीर दें।					2777

प्रथम नियुक्ति के समय अचल सम्पत्ति का विवरण, दिनांक 🔥 की फिश्ते में

2. नतमान भारत मह डी हि जि । अस्ति एका (पूरा) माम तथा उस सेवा का नात, जिसमें बह हो : राजिन दें - क्रिसी र्टेड्टा - टेट्टा - . वर्तमान : वर्तमान नेतन 50200 : मे मिक्षमानी बेतनबृद्धि की वारोख : 🗅 : जुला है : . 2019

	सम्पति का नाम तथा क्यीरे	1		यदि स्वयं के नाम या न को ने			
उस जिले, उप संभाग, तालुका तथा प्राम का नाम, बिसमें सम्पति स्थित हो	गृह तथा अन्य भवन	F	वर्तमात मृत्य	बतलाइये कि वह किसके नाम पर भारित है और उसका शासकीय कर्मचारी से स्मान्सवंध है	्रम किय प्रकार आजत क्या गया क्यार, प्रद्य, बंधक, विरासत, पेट या अन्य किसी प्रकार से तथा अर्जन की ताराख और जिससे अर्जित की गई हो उसका नाम	समापि से वार्षिक आव	आपयुक्ति
(1)	(3)	(3)	(4)	(5)	(9) مانا	(3)	(8)
				1-7			

मा: यजिन्द्र कुमार् हेल्वा पः डिधिः भिः अपप्टेट्य मिमा : शास्ति अत्ति स्व अंगालि

ण करना संभव न हो, वहां वरीमान स्थिति के अन्तर्भ में लगभग मूल्य बतलाया जाए

काम

"प्रथम नियुष्ति के समय अचल सम्पत्ति का विवरण, दिनांक १-१-२०१८ की स्थिति में 31-12-2018 जिसमें का निया का नाम, जिसमें वह हो हुई दें दें दें हैं डिगरेटि मिनिफ स्टेड्रीक्री मुक्कान जाति के जिने अ वर्तमान नेतन निर्मा हैं 800/- . अगली वेतनवृद्ध की तारीख 1- 7-2019

उस जिले, उप संभाग, तालुका तथा प्राम का नाम, जिसमें सम्मति स्थित हो	सन्पात का जास तथा ब्याह	Ę,	* कितमान मृत्य	चदि स्वयं के नाम पर न हो तो बतलाइये कि यह किसके नाम पर भारति है और उसका शासकीय कर्मवारी से	डमे किस प्रकार आर्थत किया गया ""खरीद, पद्टा, बंधक, विरासत, मेंट या अन्य किसी प्रकार से तथा अर्थन की तारीख और जिससे	सम्माप्ति से बार्षिक आव	आभियुक्ति
0	(3)	(3)	(4)	पेगा संबंध हैं (5)	अजिंत की गई हो उसका माम तथा व्यौत (6)	8	(8)
I Mally 218 (1) Equal(1)				3		Ġ	

सुव्हा वार्ण भाष्र मोन्।कार्य्य

निपात थ्रा. थी से स्ट्रिकालिया डिमी

काम

अथम नियुष्टित के समय अचल सम्मित का विवरण, दिनांक की स्थित में कियान में कियान में कियान की स्थित में 3 वर्तमान वेतन 3980 अगली वेतनवृद्धि की नार्राख 1-7-20.9

तथा ग्राम का नाम, जिसमें गृह सम्मति स्थित हो (1)				बतलाइये कि वह किसके नाम	क्ष्म जिर्दा व पटता व पक विरासन		
9	गृह तथा अन्य भवन	Ę ,	"वर्तमान मृत्य	पर भारित है और उसका शास्त्रीय कर्मचारी से प्या संबंध है	भेट या अन्य किसी प्रकार से तथा अर्जन की तारीख और जिससे अजित की गई हो उसका नाम तथा ब्यीत	सम्मति से मार्थकः आव	अभियुक्ति
	(2)	(3)	(4)	(5)	(9)	(2)	(8)

A. 689 48

1-1-18-31-12-18 भाभ

2. बर्तमान भारित पर अभिन्ते की की स्थिति में प्रथम नियुक्ति के समय अचल सम्मत्ति का विवरण, दिनांक निर्मित्रमेषारी का (क्या) मान तथा उस सेवा का मान जिसमें वह हो। त्या त्या अप

3. वर्तमान वेतन . 3.9.800. अगली वैतनवृष्टि की वारोख. 01-7-19

	सम्पात का नाम तथा क्यार			चिर स्वयं के नाम पर नहीं तो	उसे किस प्रकार अर्जित किया गया		
उस जिल, उप सेभाग, तालुका तथा ग्राम का नाम, जिसमें सम्पति स्थित हो	गृह तथा अन्स भवन	\$	वैद्यान मूल्य	बतलाश्ये कि वह किसके नाम पर भारित है और उसका शासकीय कर्मचारी से प्याःसंबंध है	""जरीद, पट्टा, बंधक, विरासत, मेंट या अन्य किसी प्रकार से तथा अर्जन की तारीख और जिससे अर्जित की गई हो उसका नाम	सम्पत्तिः से वार्षिकः आय	अमियुक्ति
(1)	(2)	(3)	(4)	(s)	(9) Madian	(2)	(8)
ेक्।कियर अप्र-देव डिशाम्बर	\$ (1) \$ \$ (1)				S S S S S S S S S S S S S S S S S S S		

मा: शायकरात्र केट मः: अस्ति कार्य विषा : अ 170 थि टेसे ट सुर प्रथ

ग करना संभव न हो, वहां बर्तमान स्थिति के सन्दर्भ में लगभग मृत्य बरुलाया आए।

रवम् १९५९ के नियम 18(३) के अधीन प्रयम अणी, द्वितीय अणी तथा तृतीय अणी सेवा के प्रत्येक र

"प्रथम नियुक्ति के समय अचल सम्माने का विवरण, दिनांक की स्थान की स्थिति के अपनि है। दिशस्त्र 2018 ति छै। । असम असल सम्माने का विवरण, दिनांक सम्मान की स्थिति के समय असल सम्माने का विवरण, दिनांक

	सम्यति का नाम तथा ज्यीरे	新云		यदि स्वयं के नाम पर न हो तो	उसे किस एकार अधिन किया गरा		
उस जिले, उप संभाग, तालुका तथा ग्राम का नाम, बिसमें सम्मति स्थित हो	गृह तथा अन्य भवन	\$	**वर्षमात्र मृत्य	बतलाइये कि वह किसके नाम पर भारति है और उसका शासकीय कर्मचारी से क्या संबंध है	"खरीद, पट्टा, बंधक, विरासत, भेट या अन्य किसी प्रकार से तथा अर्जन की तारीख और जिससे अर्जित की गई हो उसका नाम नाम ब्यास	सम्पति हो बार्षिकः आय	आभिदुक्ति
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(9)	(2)	(8)

मः अभिन्द्र भिष्ट कर्यप् पः कोट मेकर्

मिगा : शासि हिन्दि भि भना निया

"प्रथम नियुचित के समय अचल सम्याम किराण, दिनांक 1-1-2018 की स्थिति थे 3-112|2018 कि**र्योग का** (पूरा) माम तथा उस सेवा का नाग, किराने बह हो *MK9-11 HE* 21011 2 वर्तमान भारत कर का मारा कर का 1212

	सम्पत्ति का नाम तथा ब्योरे	看		यदि स्वयं के नाम पर न हो तो	उसे किस प्रकार अभिनंत किया गया		
उस जिल्, उप संभाग, तालुका तथा ग्राम का नाम, जिसमें सम्मति स्थित हो	्राह तथा अन्त फलन	\$	**वर्तमान मूल्य	बतलाइये कि चह किसके नाम पर भारित है और उसका शासकीय कर्मचारी से पमा संबंध है	"" खरीद, पद्टा, बंधक, विरासत, भेट या अन्य किसी प्रकार से तथा अर्जन की तारीख और जिससे अर्जित की गई डो उसका नाम तथा स्योरा	सामीत से बार्षिक आप	अमियुक्ति
3	(2)	(3)	(4)	(s)	9	3	(8)
* कहां तता न हो झाट दीजिए। ** ऐसे मामले में जारे मूल्म का सही-सही ति *** इसमें अल्पकालीन पद्टे भी समिमलित है। दिप्पणी: मध्यप्रदेश शस्त्रकीय सेवक (अजरण)	र। । सही∹सही निर्धारणः करना सम्मिलित हैं। क्टं(आक्रारण्) नियम्ा३९३	सभवता हो, वहां शक्ति नियम 18(3)	बर्तमान स्थिति के सन्दर) के अधीन प्रथम श्रेणी	बहां तता न हो झट दीजिए। ऐसे मामले में जाने मूल्य का सही-सही निर्धारण करना संभव न हो, वहां वर्तमान स्थिति के सन्दर्भ में लगभग मूल्य बतलाया जाए। इसमें अल्पकालीन पट्टे भी समितित हैं। : मध्यप्रदेश इस्तकीय सेवक (आकरण) नियम 1959 के नियम 18(3) के अभीन प्रथम क्रेणी, दितीय श्रेणी सथा रतीय अंपी सेवा	* वहां लागु न हो बाट दीजिए। ** ऐसे मामते में जा मूल्म का सही-सही निर्धारण, करना संभव न हो, वहां वर्तमान स्थिति के स≺र्ग में सगभग मूल्य बतलाया जाए। *** इसमें अस्थकालीन पट्टे भी सम्मिलित हैं। टिस्पणी: मस्प्रदेश इस्तकीय सेवक (अन्नरण) निवम, 1959 के नियम 18(3) के अधीन प्रयम अणी, दितीय अणी सथा ततीय अणी सेवा के प्रतेक सदस्य से यह अपेक्षित है	Section.	tomo
िक्षं यह सेवा में पह्नशी र की तथा उसके द्वारा जाते या बंधक पर उसके द्वारा	कि वह सेवा में पहली नियुक्ति के समय और उसके बाद प्रत्येक की तथा उसके द्वारा आवेत अथवा उसे विरासत में मिली या उसने या बंधक पर उसके द्वारा भारित समस्त अवला सम्पत्त के व्यीर है	म् माद्र अत्येक बारत मिरती या उसके आ ते के व्यी? हैं।	न्द्रहीते की अनाथ के ने नाम प्रत्याठसके प	एकात यह भोषणा-पत्र भर कर प्रस् तिवार के किसी सदस्य के ताम पर य	कि वह सेवा में पक्सी निपुष्ति के समय और उसके बाद प्रत्येक बाद महीने की अराधि के परचात यह भेषणा-पत्र भर कर प्रतुत करें और उसमें वह उनके स्वाप्तित की तथा उसके द्वारा आजित अथवा उसे विरासत में मिली या उसके अपने नाम पर या उसके परिवार के किसी सदस्य के नाम पर पा या बंधक पर उसके द्वारा भारित समस्त अश्रस सम्पत्ति के व्यीर हैं।	Ė	2 2
			:				ノーションつ

कारी/कमंबारी का (यूरा) नाम तथा उस सेवा का नाम, किसमें बह हों . 0.16 में 0.16 की स्थिति में 0.11 कि 0.16 में 0.16 मे 0.16 में 0.16 मे 0.16 में 0.16

3. militar dam . 38.600 . writel dample all artise of . 7 . 20 ()

	सम्पत्ति का नाम तथा ज्योर			यदि स्वयं के नाम पर न हो तो	उसे किस प्रकार अर्जिंह किया गया	N. C.	
उस जिल, उप सभाग, तालुका तथा ग्राम का नाम, विसमें सम्पति स्थित हो	गृह तथा अन्य भवन	#	"विर्वमात मूल्य	बतलाइपे कि वह किसके नाम पर भारत है और उसका शासकीय कर्मचारी से म्या संबंध है	"बिरीट, पट्टा, बंधक, विरासत, भेट या अन्य किसी प्रकार से उथा अर्जन की तारीख और जिससे अर्जित की गई हो उसका नाम तथा स्वीरा	सम्पष्टि से बार्षिक आय	अमियुक्स
9	3	(3)	(4)	(5)	(9)	(2)	(8)
अहा लागु न हो झट दीजिए। ऐसे नानले में अहा मूल्य का सही-सही तिर्थारण करता संभव न हो, वहां बर्तभात स्थिति	सूही-सह्यू निर्धारण करता	संभव न हो, वहां		के झन्दर्भ में सगभग मूल्य बतलाया जाए।		BRAITHR. ST	15 mins
ः तीः	साम्मालत है। इ. (अज्ञाह्म) नियम, (195	9 के निमम 18(3	के वाथीन प्रवस श्रेणी	, द्वितीय श्रेणी तथा ठुतीय श्रेणी सेमा	र अस्पकारात पट्ट गा साम्पारत है। मुम्पप्रदेश शतकाष सेवक (अनुस्ति) नियम, १९६९ के नियम 18(३) के अधीन प्रथम हेगी, द्वितीय होगी तथा तृतीय हेगी सेवा के प्रतेस सदस्य से यह अपेक्षित है	THE	CADIO CHAN

上です。

किष्णाः जा देश स्ट अपन्त

"प्रथम नियुक्ति के समय अचल सम्पत्ति का विवरण, दिनांक 1—1—2⊅∫िकी स्थिति में डी—\2—1≤\8 कि

बारी का (पूरा) नाम तथा उस सेवा का नाम, जिसमें वह हो \mathcal{L} $\mathcal{L$

	ic.		
	भाभयुद्धि	(8)	
	सम्पति में आर्षिकः आर	(7)	
न किया गया	क, विदासत, प्रकार से और जिससे संका नाम		
15		(9)	
चाद स्वय क नाम पर न हो तो	बतलाश्ये कि वह किसके नाम पर भारति है और उसका शासकीय कर्मचारी से क्या संबंध है	(\$)	17/W
	**वर्तमान मृत्य	(4)	
1 m	₩.	(3)	
The Bown is all a	্যু তথা সন্দ শবদ	(2)	
	८स. जिल, ८४ सभाग, तालुका तथा ग्राम का नाम, बिसमें सम्मति स्थित हो	3	

ग करना संभव न हो, वहां वर्तमान स्थिति के सन्दर्भ में लगभग मृत्य बतलाया जाए।

[ः] मध्यप्रदेश शासकीय सेवकः (आजरण) निवमः १९५९ के निवम १८(३) के अधीन प्रथम श्रेणी, द्वितीय श्रेणी तथा ठुतीय अणी सेवा के प्रत्येक स

"प्रथम नियुक्ति के समय अचल सम्मास का विवरण, दिनांक]-]- 18- की स्थिति में 31-12-18 िक

जिन्मेचारी का (पूरा) नाम तथा उस मेंबा का नाम, जिन्मों यह हो। 3/2/3/3/2/ 3. बर्तमान बेतन 38 400/- अगली बेतनवृद्धि की वारीयः 1-7,20.19

	जहां समान है। कार नाजपुर। ऐसे ममले में जहां मुख्य का सही-सही निर्धारण करना संभव न हो, वहां वर्तमान स्थिति के सन्तर्भ में लाभग मृत्य वतलाया जाए।	गर्धारणः करना संभव न हो बहा वरीमान स्थिति के सन्दर्भ में लगभग मूल्य यतलाया जाए।	गर्भीरणः करना संभव न हो, वहां घतेमान स्थिति के सन्दर्भ में लगभग मूल्य बतलाया जाए।	
 | | | | |
 | ,一个人们的是好像的时间,这种人的情感的感情,可以一个人们的一个人的一个人的人的人的人的人,也不是一个人的人的一个人的人,也是一个人的人们的一个人们的人们的人们 | | | |
 | | | |
 | | | | | |
 | | 30 - 10 - 10 - 10 - 10 - 10 - 10 - 10 - | | 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 |
 | | | | |
 | | | | | |
 | | | |
 | | | | |
 | | | | |
 | | | |
---	---	--	---
--	---	--	---
---	---	---	---
---	---	---	---
---	---	--	--
--	---	---	---
---	--	---	---
---	--	--	---
--	---	--	---
---	---	---	---
---	--	---	---
---	---	---	---
---	---	---	
	भीरिक्त करना संभव न हो, वहाँ विस्थान स्थिति के अन्दर्भ में स्ताभग मृत्य वित्ताया जाए।	भिष्टिम् करता संभव त हो बहा बतेमान स्थिति के सन्दर्भ में साम्भा मृत्य यतताया गाए।	ग्रिक्ति करा संभव त हो, वहां वतेमन स्थिति के सन्दर्भ में साम्या मूल्य व्यतलाया जाए।
 | | | | |
 | | | | |
 | | | |
 | | | | | |
 | | | | |
 | | | | |
 | (2) (4) (6) (7) | (5) (4) (6) (7) | (5) (4) (5) (7) | (a) (b) (c) (c) (c) (c) | (c) (d) (d) (f) | गृह तथा अन्य थवन भूमि "क्वमान मृत्य पर हा वा उस वस्त प्रकार आजा
(क्या विकास मृत्य पर हा वा वस्त प्रकार क्या वस्त वस्त प्रकार क्या वस्त वस्त प्रकार के व्यावस्त क्या वस्त वस्त मृत्य वस्त वस्त प्रकार के व्यावस्त क्या वस्त वस्त मृत्य वस्त वस्त वस्त वस्त वस्त वस्त वस्त वस्त | पुर स्वयं के जान प्रवाद कि जह कि के जान प्रतं ने कि जान प्रवाद कि जह कि जान प्रवाद कि जह कि जान प्रवाद कि जह कि जान जान जान कि जह कि जान जान जान कि जह कि जान जान कि जह कि जान जान जान कि जह कि जान जान जान कि जह कि जान जान जान कि जान | सम्भाव का नाम तथा क्यार वाद स्वयं के नाम अप न हों तो उसे किस प्रकार कार्यात कि व्यह किसके नान "च्वारित प्रदा, बंधक, बिरास, प्रमारी है और उसका में में ने मां अपने की तार्याय और विस्ता मान वासिक आयु | सस्पीय का जान क्ष्म व्यक्ति का जान प्राप्त के जो उसे किस प्रकार अपित क्षिया जान जनवासी कि जा कि जा कि जो का जान जनवासी के जो के जो का जान जनवासी के जो का जो का जान जनवासी के जो का जो जा | सम्परि का नाम कथा क्योरि
कारणाय कि वह किसके नाम ""वर्धनात मुल्य प्राप्त क्षेत्र क्या क्या कि वह किसके नाम ""वर्धन क्ष्र क्या क्या क्या क्या क्या क्या क्या क्या | मानीव का जान क्षेपा क्ष्रीहे. गृह तथा अन्य पवन मूर्ग "वर्तमान मृत्य पर क्षेपांत है और उरक्त में जान क्ष्री हत्या ज्ञान क्षेपांत है और उरक्त में ज्ञान किसी क्षेपा हो ज्ञान किसी क्षेपांत के और उरक्त में ज्ञान किसी क्षेपांत के आप अन्य पर क्षेपांत के आप अन्य की तार्थ और विपत्न का व्यक्ति की तार्थ के आप अन्य की तार्थ की वरका नाम का व्यक्ति की तार्थ की वरका नाम का वर्ष की वर्ष की वर्ष की वर्ष की वर्ष की वर्ष की वरका नाम का वर्ष की वर्य की वर्ष की वर्य की वर्य की वर्ष की वर्ष की वर्य की वर्ष की वर्ष की वर्ष की वर्ष की वर् | सम्परिक को जान केप क्ष्मी के व्यक्त किरा के जान प्राप्त के कार को जान किरा जान कार जाने किरा के जान कार जाने किरा के जान कार जाने की किरा के जान किरा जाने की कार केप केप कार केप कार की जान केप की कार केप कार कार केप केप कार केप केप कार केप कार कार केप कार कार केप कार कार केप कार
 | सम्परिक को जान केप क्ष्मी के व्यक्त किरा के जान प्राप्त के कार को जान किरा जान कार जाने किरा के जान कार जाने किरा के जान कार जाने की किरा के जान किरा जाने की कार केप केप कार केप कार की जान केप की कार केप कार कार केप केप कार केप केप कार केप कार कार केप कार कार केप कार कार केप कार | मानीव का जान क्षेपा क्ष्रीहे. गृह तथा अन्य पवन मूर्ग "वर्तमान मृत्य पर क्षेपांत है और उरक्त में जान क्ष्री हत्या ज्ञान क्षेपांत है और उरक्त में ज्ञान किसी क्षेपा हो ज्ञान किसी क्षेपांत के और उरक्त में ज्ञान किसी क्षेपांत के आप अन्य पर क्षेपांत के आप अन्य की तार्थ और विपत्न का व्यक्ति की तार्थ के आप अन्य की तार्थ की वरका नाम का व्यक्ति की तार्थ की वरका नाम का वर्ष की वर्ष की वर्ष की वर्ष की वर्ष की वर्ष की वरका नाम का वर्ष की वर्य की वर्ष की वर्य की वर्य की वर्ष की वर्ष की वर्य की वर्ष की वर्ष की वर्ष की वर्ष की वर् | मानीव का जान क्षेपा क्ष्रीहे. गृह तथा अन्य पवन मूर्ग "वर्तमान मृत्य पर क्षेपांत है और उरक्त में जान क्ष्री हत्या ज्ञान क्षेपांत है और उरक्त में ज्ञान किसी क्षेपा हो ज्ञान किसी क्षेपांत के और उरक्त में ज्ञान किसी क्षेपांत के आप अन्य पर क्षेपांत के आप अन्य की तार्थ और विपत्न का व्यक्ति की तार्थ के आप अन्य की तार्थ की वरका नाम का व्यक्ति की तार्थ की वरका नाम का वर्ष की वर्ष की वर्ष की वर्ष की वर्ष की वर्ष की वरका नाम का वर्ष की वर्य की वर्ष की वर्य की वर्य की वर्ष की वर्ष की वर्य की वर्ष की वर्ष की वर्ष की वर्ष की वर् | मानीव का जान क्षण क्योरि. जह तथा जन्म भवन भूमि "च्वर्तमात्र महत्व के जान भर न हो तो उसे किस्त प्रकार अर्थित किस्त मान क्षण हिन्द का जन्म किस्त किस्त के जान किस्त किस्त के जान किस्त किस्त के जान किस्त किस्त के जान किस्त के जान क | मानीव का जान क्षण क्योरि. जह तथा जन्म भवन भूमि "च्वर्तमात्र महत्व के जान भर न हो तो उसे किस्त प्रकार अर्थित किस्त मान क्षण हिन्द का जन्म किस्त किस्त के जान किस्त किस्त के जान किस्त किस्त के जान किस्त किस्त के जान किस्त के जान क | मानीव का जान क्षेपा क्ष्रीहे. गृह तथा अन्य पवन मूर्ग "वर्तमान मृत्य पर क्षेपांत है और उरक्त में जान क्ष्री हत्या ज्ञान क्षेपांत है और उरक्त में ज्ञान किसी क्षेपा हो ज्ञान किसी क्षेपांत के और उरक्त में ज्ञान किसी क्षेपांत के आप अन्य पर क्षेपांत के आप अन्य की तार्थ और विपत्न का व्यक्ति की तार्थ के आप अन्य की तार्थ की वरका नाम का व्यक्ति की तार्थ की वरका नाम का वर्ष की वर्ष की वर्ष की वर्ष की वर्ष की वर्ष की वरका नाम का वर्ष की वर्य की वर्ष की वर्य की वर्य की वर्ष की वर्ष की वर्य की वर्ष की वर्ष की वर्ष की वर्ष की वर् | मानीव का जान क्षण क्योरि. जह तथा जन्म भवन भूमि "च्वर्तमात्र महत्व के जान भर न हो तो उसे किस्त प्रकार अर्थित किस्त मान क्षण हिन्द का जन्म किस्त किस्त के जान किस्त किस्त के जान किस्त किस्त के जान किस्त किस्त के जान किस्त के जान क | मानीव का जान क्षेपा क्ष्रीहे. गृह तथा अन्य पवन मूर्ग "वर्तमान मृत्य पर क्षेपांत है और उरक्त में जान क्ष्री हत्या ज्ञान क्षेपांत है और उरक्त में ज्ञान किसी क्षेपा हो ज्ञान किसी क्षेपांत के और उरक्त में ज्ञान किसी क्षेपांत के आप अन्य पर क्षेपांत के आप अन्य की तार्थ और विपत्न का व्यक्ति की तार्थ के आप अन्य की तार्थ की वरका नाम का व्यक्ति की तार्थ की वरका नाम का वर्ष की वर्ष की वर्ष की वर्ष की वर्ष की वर्ष की वरका नाम का वर्ष की वर्य की वर्ष की वर्य की वर्य की वर्ष की वर्ष की वर्य की वर्ष की वर्ष की वर्ष की वर्ष की वर् | मानीव का जान क्षेपा क्ष्रीहे. गृह तथा अन्य पवन मूर्ग "वर्तमान मृत्य पर क्षेपांत है और उरक्त में जान क्ष्री हत्या ज्ञान क्षेपांत है और उरक्त में ज्ञान किसी क्षेपा हो ज्ञान किसी क्षेपांत के और उरक्त में ज्ञान किसी क्षेपांत के आप अन्य पर क्षेपांत के आप अन्य की तार्थ और विपत्न का व्यक्ति की तार्थ के आप अन्य की तार्थ की वरका नाम का व्यक्ति की तार्थ की वरका नाम का वर्ष की वर्ष की वर्ष की वर्ष की वर्ष की वर्ष की वरका नाम का वर्ष की वर्य की वर्ष की वर्य की वर्य की वर्ष की वर्ष की वर्य की वर्ष की वर्ष की वर्ष की वर्ष की वर् | मानीव का जान क्षेपा क्ष्रीहे. गृह तथा अन्य पवन मूर्ग "वर्तमान मृत्य पर क्षेपांत है और उरक्त में जान क्ष्री हत्या ज्ञान क्षेपांत है और उरक्त में ज्ञान किसी क्षेपा हो ज्ञान किसी क्षेपांत के और उरक्त में ज्ञान किसी क्षेपांत के आप अन्य पर क्षेपांत के आप अन्य की तार्थ और विपत्न का व्यक्ति की तार्थ के आप अन्य की तार्थ की वरका नाम का व्यक्ति की तार्थ की वरका नाम का वर्ष की वर्ष की वर्ष की वर्ष की वर्ष की वर्ष की वरका नाम का वर्ष की वर्य की वर्ष की वर्य की वर्य की वर्ष की वर्ष की वर्य की वर्ष की वर्ष की वर्ष की वर्ष की वर् | मानीव का जान क्षण क्योरि. जह तथा जन्म भवन भूमि "च्वर्तमात्र महत्व के जान भर न हो तो उसे किस्त प्रकार अर्थित किस्त मान क्षण हिन्द का जन्म किस्त किस्त के जान किस्त किस्त के जान किस्त किस्त के जान किस्त किस्त के जान किस्त के जान क |
| | भीरण करना संभव न हो, यहां वर्तमान स्थिति के सन्दर्भ में सामभा मृत्य अतलाया नाए। | भिक्षिता संभव न हो, यहां वतेनान निश्नति के सन्दर्भ में सामिता मृत्य अतताया नाए। | ।
स्थितिक करना संभव न को वर्ष सरीतिक सन्दर्भ में लगभग मृत्य वतलाया जाए। |
 | | | | |
 | | | | |
 | | | |
 | | | | | |
 | | | | |
 | | | | | (3) (4) (5)
 | (a) (b) (c) (c) (c) (d) (d) (d) (d) (d) (d) (d) (d) (d) (d | (3) (4) (5) (7) | (2) (4) (4) (5) (7) | (3) (4) (5) (7) | (a) (b) (c) (c) (c) (d) | भाग करण महाराज्य नार अपूर्व के जान अपूर्व के जान अपूर्व के जान
करण करण महिन के जान करण करण मुस्सि के जार करण करण करण करण करण करण करण करण करण कर | प्रदेश्य के ना तथ जार स्था के बाह कि का का मा तथ जार क्या के कि का का मा तथ जार क्या के का मा का का का मा तथ जार का का मा का | सम्पाव का गाम तथा ज्याद स्वयं के जान अप न की जो उसे किस प्रकार को जी तहें की किस प्रकार को जी जी के बहु किसके नान "च्यांद मुनि "चर्नान की जी के बहु किसके नान में मूर्या अप की की जी के बहु किस के नाम मुनि मुन्या के जी की जी जी की जी | सम्पाव क्यां अस्त क्यां | सम्परि का गा कथा क्यों
कारणाय कि वह किसके गाम "क्वर्ताम पूर्ण के बोग प्राप्त है और उसका मान्य करिया क्या कि वह किसके गाम महत्व पर भारत है और उसका कि वह क्या क्या क्या क्या क्या क्या क्या क्या | सम्परिक का जान केपा क्लीर कर के जान प्रांत के की कर केपा कर अपने केपा कर का जान केपा केपा केपा केपा केपा केपा केपा केपा
 | सम्परिक को जान तथा क्यों
गृह तथा अन्य भवन भूमि "विस्मान मृत्य पर को तह किस्ते जान ""विस्मान मृत्य पर को ति किस्ते प्रकार और किस्ते जान में जान स्वाप्त है और उसका में जान से सम्परिक आप अन्य भवन भूमि पर आप अन्य के जा अन्य के ति का जान से सम्परिक आप अन्य भवन की तारीख और जिस्से आप अन्य का मिक्क आप अन्य स्वर्ध है अपित को गाई हो उसका नाम का विक्र आप अन्य को तारीख और जिस्से नाम का विक्र आप अन्य को तारीख और जान का विक्र आप अन्य का वि | सम्परिक को जान तथा क्यों
गृह तथा अन्य भवन भूमि "विस्मान मृत्य पर को तह किस्ते जान "विद्या प्रकार को तिरासत, पर्दा, विक्स प्रिकार में अप स्वायति है और उसका को तारीख और जिससे आ स्वायति के तारीख और जिससे का मिक आ अपीति को गहें हो उसका नाम का विक्र आग्र अपीति को गहें हो उसका नाम का विक्र आग्र अपीति को गहें हो उसका नाम का विक्र आग्र अपीति को गहें हो उसका नाम का विक्र आग्र अपीति को गहें हो उसका नाम का विक्र आग्र अपीति को गहें हो उसका नाम का विक्र आग्र अपीति को गहें हो उसका नाम का विक्र आग्र को वसका नाम का वसका नाम नाम का वसका नाम का वसका नाम नाम का वसका नाम नाम का वसका नाम नाम नाम नाम नाम नाम नाम | सम्परिक का जान केपा क्लीर कर के जान प्रांत के की कर केपा कर अपने केपा कर का जान केपा केपा केपा केपा केपा केपा केपा केपा | सम्परिक का जान केपा क्लीर कर के जान प्रांत के की कर केपा कर अपने केपा कर का जान केपा केपा केपा केपा केपा केपा केपा केपा | सम्पति का जान कथा क्षीरे
जहरणाहर कि कह किसके नाम ""व्हर्तमा मूल्य पर भारत है और उदस्त में जान प्रचार किसके मान में ज्याप में व्हर्तमा मूल्य पर भारत है और उदस्त में ज्याप को व्हर्सक आप में ज्यापान | सम्पति का जान कथा क्षीरे
जहरणाहर कि कह किसके नाम ""व्हर्तमा मूल्य पर भारत है और उदस्त में जान प्रचार किसके मान में ज्याप में व्हर्तमा मूल्य पर भारत है और उदस्त में ज्याप को व्हर्सक आप में ज्यापान | सम्परिक का जान केपा क्लीर कर के जान प्रांत के की कर केपा कर अपने केपा कर का जान केपा केपा केपा केपा केपा केपा केपा केपा | सम्पति का जान कथा क्षीरे
जहरणाहर कि कह किसके नाम ""व्हर्तमा मूल्य पर भारत है और उदस्त में जान प्रचार किसके मान में ज्याप में व्हर्तमा मूल्य पर भारत है और उदस्त में ज्याप को व्हर्सक आप में ज्यापान | सम्परिक का जान केपा क्लीर कर के जान प्रांत के की कर केपा कर अपने केपा कर का जान केपा केपा केपा केपा केपा केपा केपा केपा
 | सम्परिक का जान केपा क्लीर कर के जान प्रांत के की कर केपा कर अपने केपा कर का जान केपा केपा केपा केपा केपा केपा केपा केपा | सम्परिक का जान केपा क्लीर कर के जान प्रांत के की कर केपा कर अपने केपा कर का जान केपा केपा केपा केपा केपा केपा केपा केपा | सम्पति का जान कथा क्षीरे
जहरणाहर कि कह किसके नाम ""व्हर्तमा मूल्य पर भारत है और उदस्त में जान प्रचार किसके मान में ज्याप में व्हर्तमा मूल्य पर भारत है और उदस्त में ज्याप को व्हर्सक आप में ज्यापान | | |
| | ग्रिस्सि कराता संभव त हो, वहाँ वतेमान स्थिति के अन्द्रभ में स्ताभग मृत्य वतताया जाए। | भिष्टिम् करता संभव त हो बहा बतेमान स्थिति के सन्दर्भ में सत्त्रभग मृत्य यतताया गाए। | भिष्ण करना संभव न हो, वहां सतेमन स्थिति के सन्दर्भ में सगभग भूटय व्यतलाया आए। |
 | | | | |
 | | | | |
 | | | |
 | | | | | |
 | | | | |
 | | | | | (3) (4) (5)
 | (2) (3) (4) (5) (6) (7) | (3) (4) (5) (6) (6) (7) | (2) (4) (4) (5) (7) | (3) (4) (5) (6) (77) | (3) (4) (5) (7) | गृह तीयां अन्य भवत भूमि "म्बतमार मृत्य पर को ता उस किस प्रमार
आप । विकास । वि | पढ़ इसप के जान क्षा अपत करना है जिस्के जान अपत की जा किस प्रकार अपीत करना किस प्रकार आपति के जार किस जार करना किस प्रकार के विकास करना किस प्रकार के जार करना किस के जार करना जान किस जार करना जार | सम्पाद का असी क्षण क्यांत व्याद हच्ये के आम अप न हो तो उसे किस अक्यांत क्षण गया कारामांत के क्षण गया कारामांत के क्षण होता क्षण होता के क्षण होता के क्षण होता होता होता होता होता होता होता होता | सस्पाव का जान क्ष्मण क्षारे व्यवस्था के जान पर न हो जो उसे किस प्रकार अपित किस गण्य का व्यवस्था के जान पर न जान का जान क | सम्परि का गाम क्ष्मा भीरे
जहरणाच्ये कि कह किसके गाम ""वर्तमा मूल्य प्रभारत है और उसका में द्वां कुन्य किसके, विरास, मुस्सि में मामिसि | सम्परिक को जान केपण क्योंते । ""व्यक्तान मृत्य पर इंडो तो उसे किसा प्रकार आर्थित किया ग्राप्त पर आर्थित है और उसका पर आर्थित है और उसका पर आर्थित है और उसका मिल्ली प्रकार से सम्परिस सम्पर्ध पर अर्थित को गर्थिक आर्थित आरका नाम अर्थित को गर्थिक आर्थित हो अरका नाम अर्थित को गर्थिक आर्थित हो हो उसका नाम अर्थित को गर्थिक आर्थित हो हो उसका नाम अर्थित हो हो अरका नाम अर्थित हो | सम्परिका जान क्षेपा ज्योर कर के जान क्षेपा ज्योर कर के जान क्षेप्रकार अधिक कि कर किस प्रकार अधिक कि कर किस प्रकार अधिक कि कर किस प्रकार के प्रमान कर पर आधिक है और उसका में पर जान किस प्रकार के जाय अधिक आप प्रमान कर पर संवर्ध है और उसका जान अधिक आप अधिक का प्रमान कर किस के अधिक आप अधिक आप अधिक आप अधिक आप अधिक आप अधिक का कर किस के अधिक आप अध | सम्परिका जान क्षेपा ज्योर कर के जान क्षेपा ज्योर कर के जान क्षेप्रकार अधिक कि कर किस प्रकार अधिक कि कर किस प्रकार अधिक कि कर किस प्रकार के प्रमान कर पर आधिक है और उसका में पर जान किस प्रकार के जाय अधिक आप प्रमान कर पर संवर्ध है और उसका जान अधिक आप अधिक का प्रमान कर किस के अधिक आप अधिक आप अधिक आप अधिक आप अधिक आप अधिक का कर किस के अधिक आप अध | सम्परिक को जान केपण क्योंते । ""व्यक्तान मृत्य पर इंडो तो उसे किसा प्रकार आर्थित किया ग्राप्त पर आर्थित है और उसका पर आर्थित है और उसका पर आर्थित है और उसका मिल्ली प्रकार से सम्परिस सम्पर्ध पर अर्थित को गर्थिक आर्थित आरका नाम अर्थित को गर्थिक आर्थित हो अरका नाम अर्थित को गर्थिक आर्थित हो हो उसका नाम अर्थित को गर्थिक आर्थित हो हो उसका नाम अर्थित हो हो अरका नाम अर्थित हो | सम्परिक को जान केपण क्योंते । ""व्यक्तान मृत्य पर इंडो तो उसे किसा प्रकार आर्थित किया ग्राप्त पर आर्थित है और उसका पर आर्थित है और उसका पर आर्थित है और उसका मिल्ली प्रकार से सम्परिस सम्पर्ध पर अर्थित को गर्थिक आर्थित आरका नाम अर्थित को गर्थिक आर्थित हो अरका नाम अर्थित को गर्थिक आर्थित हो हो उसका नाम अर्थित को गर्थिक आर्थित हो हो उसका नाम अर्थित हो हो अरका नाम अर्थित हो | सम्पर्धि का जान केषण क्योरि
जिल्लाम् केल्य क्या क्या क्या क्या किल्या ज्ञा क्या क्या क्या क्या क्या क्या क्या क्य
 | सम्पर्धि का जान केषण क्योरि
जिल्लाम् केल्य क्या क्या क्या क्या किल्या ज्ञा क्या क्या क्या क्या क्या क्या क्या क्य | सम्परिक को जान केपण क्योंते । ""व्यक्तान मृत्य पर इंडो तो उसे किसा प्रकार आर्थित किया ग्राप्त पर आर्थित है और उसका पर आर्थित है और उसका पर आर्थित है और उसका मिल्ली प्रकार से सम्परिस सम्पर्ध पर अर्थित को गर्थिक आर्थित आरका नाम अर्थित को गर्थिक आर्थित हो अरका नाम अर्थित को गर्थिक आर्थित हो हो उसका नाम अर्थित को गर्थिक आर्थित हो हो उसका नाम अर्थित हो हो अरका नाम अर्थित हो | सम्पर्धि का जान केषण क्योरि
जिल्लाम् केल्य क्या क्या क्या क्या किल्या ज्ञा क्या क्या क्या क्या क्या क्या क्या क्य | सम्परिक को जान केपण क्योंते । ""व्यक्तान मृत्य पर इंडो तो उसे किसा प्रकार आर्थित किया ग्राप्त पर आर्थित है और उसका पर आर्थित है और उसका पर आर्थित है और उसका मिल्ली प्रकार से सम्परिस सम्पर्ध पर अर्थित को गर्थिक आर्थित आरका नाम अर्थित को गर्थिक आर्थित हो अरका नाम अर्थित को गर्थिक आर्थित हो हो उसका नाम अर्थित को गर्थिक आर्थित हो हो उसका नाम अर्थित हो हो अरका नाम अर्थित हो | सम्परिक को जान केपण क्योंते । ""व्यक्तान मृत्य पर इंडो तो उसे किसा प्रकार आर्थित किया ग्राप्त पर आर्थित है और उसका पर आर्थित है और उसका पर आर्थित है और उसका मिल्ली प्रकार से सम्परिस सम्पर्ध पर अर्थित को गर्थिक आर्थित आरका नाम अर्थित को गर्थिक आर्थित हो अरका नाम अर्थित को गर्थिक आर्थित हो हो उसका नाम अर्थित को गर्थिक आर्थित हो हो उसका नाम अर्थित हो हो अरका नाम अर्थित हो
 | सम्परिक को जान केपण क्योंते । ""व्यक्तान मृत्य पर इंडो तो उसे किसा प्रकार आर्थित किया ग्राप्त पर आर्थित है और उसका पर आर्थित है और उसका पर आर्थित है और उसका मिल्ली प्रकार से सम्परिस सम्पर्ध पर अर्थित को गर्थिक आर्थित आरका नाम अर्थित को गर्थिक आर्थित हो अरका नाम अर्थित को गर्थिक आर्थित हो हो उसका नाम अर्थित को गर्थिक आर्थित हो हो उसका नाम अर्थित हो हो अरका नाम अर्थित हो | सम्पर्धि का जान केषण क्योरि
जिल्लाम् केल्य क्या क्या क्या क्या किल्या ज्ञा क्या क्या क्या क्या क्या क्या क्या क्य | | | |
| | भीरण करना संभव न हो, यहां वर्तमान स्थिति के सन्दर्भ में सामभा मृत्य अतलाया नाए। | ग्रिस्टिस्ट करना संभव न हो, वहां वतेमान स्थिति के सन्दर्भ में सामिमा मृत्य अतताया नाए। | ।
स्थितिक करना संभव न हो, वहां सतेमान स्थिति के सन्दर्भ में लगभग मृत्य वतलाया जाए। |
 | | | | |
 | | | | |
 | | | |
 | | | | | |
 | | | | |
 | | (3) (4) (5) | | | (3) (4) (5)
 | (a) (b) (c) (c) (c) (d) | (5) (4) (6) (6) (7) | (2) (3) (4) (5) (7) | (2) (4) (5) (6) (7) | (3) (4) (5) (5) (7) | पढ़ तथा अन्य प्रवाद महत्व महत्व कर्ता है है। तो उसी क्ष्म जिया
जात क्ष्म जात कर्ता है कि वह कि कि के जात कर्ता है कि वह कि कि जात कि कर कर कि | पढ़ दुस्प के जाम अप करात आहे हो जा उस किस प्रकार अपित किया जाम किस प्रकार आहे हो जाम अप करात के जाम अप कराय किया जाम किस प्रकार के जाम अप कराय किया किया किया जाम जाम किया जाम जाम जाम जाम जाम जाम जाम जाम जाम जा | साथा क का मांस क्या ज्याद स्था के जाम अप न हो तो जिस अकार आर्कि किया गया जिस्सी अप करता मुमि ""वर्तमान मून्य पर भारति है और उसका अप मिरासा से सम्मित्ति के अप अप भारति है और उसका मिरासा से सम्मित्ति के अप अप भारति है और उसका मांस ज्यादिक आर्थ अप भारति है और उसका मांस ज्यादिक आर्थ अप भारति है और उसका मांस क्या क्या क्या क्या क्या क्या क्या क्या | सस्पाहर का जान क्षेप कर्यों. सस्पाहर के जान प्रमान कर्या कर्य कर्या कर्य कर्या कर्य कर्या कर्य कर्या कर्य कर्या कर्य कर्या कर्या कर्य करा कर्या करा करा करा कर्या करा करा करा करा करा करा करा करा करा कर | सम्माह कहा जान क्षण अमेरे. बाह तथा अन्य भवन भूमि ""वर्तमान मूल्य प्रभारित है और उसके नाम ""वर्तमान मूल्य प्रभारित है और उसके नाम ""वर्तमान मूल्य प्रभारित है और उसके नाम मूल्य प्रभारित है और उसके नाम मूल्य प्रभारित है और उसके नाम मूल्य प्रभारित होने वर्षमें अन्य मुम्मि से मारिकोय और जिस्सी प्रकार का मारिक आप मारिक आप मारिक आप मारिक आप मारिकोय होने वर्षमें मारिकोय भी तार्राख्य और जिस्सी प्रकार मारिक आप मारिकोय होने वर्षमें मारिकोय होने वर्षमें मारिकोय मारिकोय मारिक आप मारिकोय मारिकोय मारिकोय मारिकोय मारिकोय मारिकोय होने वर्षमें मारिकोय मारि | सम्पष्टिका नात क्षण क्योरे. बाद ख्रंच के नाम क्षण क्योरे किया ग्रम कर्ना करिक्स मान क्षण क्योरे किया ग्रम कर्ना क्योरे किया ग्रम कर्म क्या क्या क्रिक्स मान क्षण क्या कर्म क्या क्या क्या कर्म क्या क्या क्या क्या क्या क्या क्या क्या | सम्पष्टि का नात क्षण अहेरि
जनवाहरे कि वह किसके नात
गृह तेवा अन्य भवन भूमि ""वर्तमान मृत्य प्रभावित है और उसका मेटि या अन्य किस प्रकार की प्रमायित हो प्रमायित हो प्रमायित हो जा अन्य की वर्ताव्य और किस जान वार्षिक आव
स्या संबंध है अगि उसका को वर्ताव्य और किस को वर्ताव्य और किस को वर्ताव्य और किस को वर्ताव्य की वर्ताव्य और किस को वर्ताव्य की वर्त्य की वर्ताव्य की वर्य की वर्ताव्य की वरं | सम्पष्टि का नात क्षण अहेरि
जनवाहरे कि वह किसके नात
गृह तेवा अन्य भवन भूमि ""वर्तमान मृत्य प्रभावित है और उसका मेटि या अन्य किस प्रकार की प्रमायित हो प्रमायित हो प्रमायित हो जा अन्य की वर्ताव्य और किस जान वार्षिक आव
स्या संबंध है अगि उसका को वर्ताव्य और किस को वर्ताव्य और किस को वर्ताव्य और किस को वर्ताव्य की वर्ताव्य और किस को वर्ताव्य की वर्त्य की वर्ताव्य की वर्य की वर्ताव्य की वरं | सम्पष्टिका नात क्षण क्योरे. बाद ख्रंच के नाम क्षण क्योरे किया ग्रम कर्ना करिक्स मान क्षण क्योरे किया ग्रम कर्ना क्योरे किया ग्रम कर्म क्या क्या क्रिक्स मान क्षण क्या कर्म क्या क्या क्या कर्म क्या क्या क्या क्या क्या क्या क्या क्या
 | सम्पष्टिका नात क्षण क्योरे. बाद ख्रंच के नाम क्षण क्योरे किया ग्रम कर्ना करिक्स मान क्षण क्योरे किया ग्रम कर्ना क्योरे किया ग्रम कर्म क्या क्या क्रिक्स मान क्षण क्या कर्म क्या क्या क्या कर्म क्या क्या क्या क्या क्या क्या क्या क्या | सम्पष्टिका मान क्षण क्योरि
कत्ताहाओं कि कोर करिक मान
मह तथा अन्य भवन भूमि "कितमा मूच्य प्रभावित है और असक मान
स्था भारतिय कुमचारी से अमिक कोर किससे कार्यिक आप
स्था भारतिय कुमचारी से अमिक कोर किससे वासिक आप
स्था भ्यां भ्यां भ्यां भ्यां भ्यां भ्यां कुम कोर्या कार्या कार् | सम्पष्टिका मान क्षण क्योरि
कत्ताहाओं कि कोर करिक मान
मह तथा अन्य भवन भूमि "कितमा मूच्य प्रभावित है और असक मान
स्था भारतिय कुमचारी से अमिक कोर किससे कार्यिक आप
स्था भारतिय कुमचारी से अमिक कोर किससे वासिक आप
स्था भ्यां भ्यां भ्यां भ्यां भ्यां भ्यां कुम कोर्या कार्या कार् | सम्पष्टिका नात क्षण क्योरे. बाद ख्रंच के नाम क्षण क्योरे किया ग्रम कर्ना करिक्स मान क्षण क्योरे किया ग्रम कर्ना क्योरे किया ग्रम कर्म क्या क्या क्रिक्स मान क्षण क्या कर्म क्या क्या क्या कर्म क्या क्या क्या क्या क्या क्या क्या क्या | सम्पष्टिका मान क्षण क्योरि
कत्ताहाओं कि कोर करिक मान
मह तथा अन्य भवन भूमि "कितमा मूच्य प्रभावित है और असक मान
स्था भारतिय कुमचारी से अमिक कोर किससे कार्यिक आप
स्था भारतिय कुमचारी से अमिक कोर किससे वासिक आप
स्था भ्यां भ्यां भ्यां भ्यां भ्यां भ्यां कुम कोर्या कार्या कार् | सम्पष्टिका नात क्षण क्योरे. बाद ख्रंच के नाम क्षण क्योरे किया ग्रम कर्ना करिक्स मान क्षण क्योरे किया ग्रम कर्ना क्योरे किया ग्रम कर्म क्या क्या क्रिक्स मान क्षण क्या कर्म क्या क्या क्या कर्म क्या क्या क्या क्या क्या क्या क्या क्या | सम्पष्टिका नात क्षण क्योरे. बाद ख्रंच के नाम क्षण क्योरे किया ग्रम कर्ना करिक्स मान क्षण क्योरे किया ग्रम कर्ना क्योरे किया ग्रम कर्म क्या क्या क्रिक्स मान क्षण क्या कर्म क्या क्या क्या कर्म क्या क्या क्या क्या क्या क्या क्या क्या | सम्पष्टिका नात क्षण क्योरे. बाद ख्रंच के नाम क्षण क्योरे किया ग्रम कर्ना करिक्स मान क्षण क्योरे किया ग्रम कर्ना क्योरे किया ग्रम कर्म क्या क्या क्रिक्स मान क्षण क्या कर्म क्या क्या क्या कर्म क्या क्या क्या क्या क्या क्या क्या क्या | सम्पष्टिका मान क्षण क्योरि
कत्ताहाओं कि कोर करिक मान
मह तथा अन्य भवन भूमि "कितमा मूच्य प्रभावित है और असक मान
स्था भारतिय कुमचारी से अमिक कोर किससे कार्यिक आप
स्था भारतिय कुमचारी से अमिक कोर किससे वासिक आप
स्था भ्यां भ्यां भ्यां भ्यां भ्यां भ्यां कुम कोर्या कार्या कार् |
| | ग्रिस्सि करा। संभव त हो, वहां वरीयान स्थिति के सन्दर्भ में स्ताभग मृत्य वतलाया जाए। | भिरित्यः करता संभव त हो बहा बरीमान स्थिति हे सन्दर्भ में साम्मा मृत्य यतताया नाए। | ग्रिक्ता संभवता हो, वहां सतेमन स्थिति के सद्भां में लगभग भूट्य व्यत्साया जाए। |
 | | | | |
 | | | | |
 | | | |
 | | | | | |
 | | | | |
 | | (3) (4) (5) | | | (3) (4) (5)
 | (a) (b) (c) (c) (c) (d) | (3) (4) (5) (6) (7) | (a) (b) (c) (c) (c) (c) | (2) (4) (5) (6) (7) | (3) (4) (5) (6) (7) | गृह तथा अन्य पदन भूमि "वितास मिल्य प्राप्त हैं और उस किस प्रमार
आप प्राप्त हैं और उस किस किस मिल्य स्वाप्त हैं और उस किस किस हैं मिल्य किस हैं | पड़ होया अन्य थवा भार तथा आहे. हम के मान अप ने हो जो उस किस अमार आहे. हम के मान अप कार मान अप भार के हम के मान अप भार के हम के मान अप भार के हम के हम के मान अप कार के हम | सामा क का मांस क्या ब्याद स्वयं के जाम अप न हो तो उसे किस अकार आर्थित किया गया
बत्तासूर्य कि वह हिस्सके नाम ***व्यद्धि, प्रदुरा, बंधक, विस्तात
पर भारित है और उसके नाम स्वयं किसी प्रकार से
सामा अप मा अ | सस्पाहर का जान क्षेप कर्गों. व्यद् खर्च के जान पर न हो तो उसे किस प्रकार अर्थित किया गया. अराताहरी कि जह किस के जान भी का कर्म किया गया. अराताहरी किया जान कर्म किसी प्रकार से समिति से जार अराताहरी का प्रकार के जार अराताहरी का जारकीय को तार्रिक आया. वासिक आया. वास | सम्माह कहा जान क्षण क्योरे. प्रतिका क्षण क्योरे. जह तथा क्षण क्योरे. जह तथा क्षण क्योरे. प्रतिका क्षण क्योरे. प्रतिका क्षण क्योरे. प्रतिका क्षण क्योरे. (2) (4) (5) (5) (6) (7) | सम्पष्टि का जान क्षण क्योरे. बत्ताहरी कि वह किसके जान ""ब्दार, बर्चर, विस्ता ग्रम जान विका अन्य प्रवस्त मुम् ""वर्तमान मूच्य पर भारित है और उसका मेर्ट या ज्यन्य किसी प्रकार से प्रामित से आसकाय क्षमचारी से आप अजन की वार्त के अधित को गर्द हो उसका जान विक आप व्याप विकास जान की वार्त के व्याप विकास जान की वार्त के विकास जान | सम्पष्टि का जान क्षण अहीरे
बत्ताहरी कि वह किसके जान
गृह तेथा अन्य भवन भूमि "वित्तान मूल्य पर भोति है और बरका में जान कर्न किसी प्रकार से सम्पत्ति से
सारकार्य क्रमचारी से आंधिक और किससे जान
स्या संबंध है अजित को गर्रिक और किसके जान
तथा व्योत | सम्पष्टि का जान क्षण अहीरे
बत्ताहरी कि वह किसके जान
गृह तेथा अन्य भवन भूमि "वित्तान मूल्य पर भोति है और बरका में जान कर्न किसी प्रकार से सम्पत्ति से
सारकार्य क्रमचारी से आंधिक और किससे जान
स्या संबंध है अजित को गर्रिक और किसके जान
तथा व्योत
 | सम्पष्टि का जान क्षण क्योरे. बत्ताहरी कि वह किसके जान ""ब्दार, बर्चर, विस्ता ग्रम जान विका अन्य प्रवस्त मुम् ""वर्तमान मूच्य पर भारित है और उसका मेर्ट या ज्यन्य किसी प्रकार से प्रामित से आसकाय क्षमचारी से आप अजन की वार्त के अधित को गर्द हो उसका जान विक आप व्याप विकास जान की वार्त के व्याप विकास जान की वार्त के विकास जान | सम्पष्टि का जान क्षण क्योरे. बत्ताहरी कि वह किसके जान ""ब्दार, बर्चर, विस्ता ग्रम जान विका अन्य प्रवस्त मुम् ""वर्तमान मूच्य पर भारित है और उसका मेर्ट या ज्यन्य किसी प्रकार से प्रामित से आसकाय क्षमचारी से आप अजन की वार्त के अधित को गर्द हो उसका जान विक आप व्याप विकास जान की वार्त के व्याप विकास जान की वार्त के विकास जान | सम्पष्टिका मान क्षण क्योरि
कत्नाहों कि वह किसके नान
गृह तेवा अन्य पवन भूमि "कितमान मून्य पर भारित हैं और असके मान
स्था भारित हैं और असके क्षण क्षण के क्षण क्योरिक आंधिक आ | सम्पष्टिका मान क्षण क्योरि
कत्नाहों कि वह किसके नान
गृह तेवा अन्य पवन भूमि "कितमान मून्य पर भारित हैं और असके मान
स्था भारित हैं और असके क्षण क्षण के क्षण क्योरिक आंधिक आ | सम्पष्टि का जान क्षण क्योरे. बत्ताहरी कि वह किसके जान ""ब्दार, बर्चर, विस्ता ग्रम जान विका अन्य प्रवस्त मुम् ""वर्तमान मूच्य पर भारित है और उसका मेर्ट या ज्यन्य किसी प्रकार से प्रामित से आसकाय क्षमचारी से आप अजन की वार्त के अधित को गर्द हो उसका जान विक आप व्याप विकास जान की वार्त के व्याप विकास जान की वार्त के विकास जान | सम्पष्टिक मा नग क्या क्यी क्या क्या कर किस प्रकार अधि क्या गय क्या क्या क्या क्या क्या क्या क्या क्य | सम्पष्टि का जान क्षण क्योरे. बत्ताहरी कि वह किसके जान ""ब्दार, बर्चर, विस्ता ग्रम जान विका अन्य प्रवस्त मुम् ""वर्तमान मूच्य पर भारित है और उसका मेर्ट या ज्यन्य किसी प्रकार से प्रामित से आसकाय क्षमचारी से आप अजन की वार्त के अधित को गर्द हो उसका जान विक आप व्याप विकास जान की वार्त के व्याप विकास जान की वार्त के विकास जान | सम्पष्टि का जान क्षण क्योरे. बत्ताहरी कि वह किसके जान ""ब्दार, बर्चर, विस्ता ग्रम जान विका अन्य प्रवस्त मुम् ""वर्तमान मूच्य पर भारित है और उसका मेर्ट या ज्यन्य किसी प्रकार से प्रामित से आसकाय क्षमचारी से आप अजन की वार्त के अधित को गर्द हो उसका जान विक आप व्याप विकास जान की वार्त के व्याप विकास जान की वार्त के विकास जान | सम्पष्टि का जान क्षण क्योरे. बत्ताहरी कि वह किसके जान ""ब्दार, बर्चर, विस्ता ग्रम जान विका अन्य प्रवस्त मुम् ""वर्तमान मूच्य पर भारित है और उसका मेर्ट या ज्यन्य किसी प्रकार से प्रामित से आसकाय क्षमचारी से आप अजन की वार्त के अधित को गर्द हो उसका जान विक आप व्याप विकास जान की वार्त के व्याप विकास जान की वार्त के विकास जान | सम्पष्टिक मा नग क्या क्यी क्या क्या कर किस प्रकार अधि क्या गय क्या क्या क्या क्या क्या क्या क्या क्य
 |
	भिएस करना संभव न हो, यहां वर्तमान स्थिति के सन्दर्भ में सामभा मृत्य अतताया नाए।	ग्राहम् अस्य ते हो, वहाँ वतेमान नियक्ति के सन्दर्भ में दिवाभग मृत्य यतताया जाए।	। प्रस्तियः करना संभव न हो, वहां सतेमन स्थिति के सन्दर्भ में लगभग मृत्य वतलाया जाए।	
 | | | | |
 | | | | |
 | | | |
 | | | | | |
 | | | | |
 | | (3) (4) (5) | (3) (4) (5) | (3) (4) (5) | (3) (4) (5)
 | (2) (4) (5) (6) (7) | (3) (4) (5) (7) | (a) (b) (c) (c) (c) (d) | (2) (4) (5) (7) | (5) (4) (5) (7) | गृह तथा अन्य थवन भूमि "वर्तनार मूल्य पर धारा है जैस किस प्रकार
आहु तथा अन्य थवन भूमि "वर्तनार मूल्य पर थारित है और उसका में देश गज्ज किसी प्रकार से सम्माति से आप अप | प्राप्त करा अन्य तथा क्यांत अपने किया जावा कर्मा कर्म कर्मा अपने किया जावा कर्मा कर्म कर्मा कर्म कर्मा कर्मा कर्म कर्मा कर्मा कर्म कर्म कर्म कर्म कर्म कर्म कर्म कर्म | सम्पाद का जान तथा ज्याद इस्त्र के जान प्रत न हो तो उसे किस्ता ग्रम्मा कर्ना का जिस्सा ग्रम्मा कर्ना क्ष्मि क्षम् क्षित क्षम् क्षित क्षम् क्षित क्षम् क्षित क्षम् क्षित क्षम् क्षित क्षम् कष्यं क्षम् क्षम् क्षम् क्षम् क्षम् क्षम् कष्यं | समाध का जास तथा क्यों. प्राह तथा अन्य भवन भूमि "वर्तमान मूल्य पर भारत है और असक मान भवन क्रियों क्रिक्स मान में क्यां | सम्पति का जाम तथा कारि
कारताहर्य कि उद्ध किसके जान
गृह तथा अन्य भवन भूमि
(2) (3) (4) (5) (5) (6) (7) | सम्पष्टि का जात क्षण और वर्ता है जिस् के जात प्रांच हो तो वर्ता अर्थित किया गया वर्ता अर्थित किया गया वर्ता का | सम्पष्टिका जात क्ष्मा क्ष्मा व्यद्ध के जात प्राप्त का जात क्ष्मा जात का | सम्पष्टिका जात क्ष्मा क्ष्मा व्यद्ध के जात प्राप्त का जात क्ष्मा जात का | सम्पष्टि का जात क्षण और वर्ता है जिस् के जात प्रांच हो तो वर्ता अर्थित किया गया वर्ता अर्थित किया गया वर्ता का | सम्पष्टि का जात क्षण और वर्ता है जिस् के जात प्रांच हो तो वर्ता अर्थित किया गया वर्ता अर्थित किया गया वर्ता का
 | सम्पष्टिक नाम क्ष्ण क्योरि
कतलाहर्ष कि वह किसके नान
गृह तेथा अन्य भवन भूमि कि वह किसके नान
भूदित के महित के किसके नान
भूदित के महित के किसके नान
सारकार्य क्ष्में को व्यक्ति के विकास मान
प्या संबंध है अधित को गुर्विक ओर किसके
प्या संबंध है अधित को गुर्विक आप का | सम्पष्टिक नाम क्ष्ण क्योरि
कतलाहर्ष कि वह किसके नान
गृह तेथा अन्य भवन भूमि कि वह किसके नान
भूदित के महित के किसके नान
भूदित के महित के किसके नान
सारकार्य क्ष्में को व्यक्ति के विकास मान
प्या संबंध है अधित को गुर्विक ओर किसके
प्या संबंध है अधित को गुर्विक आप का | सम्पष्टि का जात क्षण और वर्ता है जिस् के जात प्राप्त के जात जात के जात जात के जात जात के जात जात के | सम्पष्टिक नाम क्ष्ण क्योरि
कतलाहर्ष कि वह किसके नान
गृह तेथा अन्य भवन भूमि कि वह किसके नान
भूदित के महित के किसके नान
भूदित के महित के किसके नान
सारकार्य क्ष्में को व्यक्ति के विकास मान
प्या संबंध है अधित को गुर्विक ओर किसके
प्या संबंध है अधित को गुर्विक आप का | सम्पष्टि का जात क्षण और वर्ता है जिस् के जात प्राप्त के जात जात के जात जात के जात जात के जात जात के | सम्पष्टि का जात क्षण और वर्ता है जिस् के जात प्राप्त के जात जात के जात जात के जात जात के जात जात के | सम्पष्टि का जात क्षण और वर्ता है जिस् के जात प्राप्त के जात जात के जात जात के जात जात के जात जात के | सम्पष्टिक नाम क्ष्ण क्योरि
कतलाहर्ष कि वह किसके नान
गृह तेथा अन्य भवन भूमि कि वह किसके नान
भूदित के महित के किसके नान
भूदित के महित के किसके नान
सारकार्य क्ष्में को व्यक्ति के विकास मान
प्या संबंध है अधित को गुर्विक ओर किसके
प्या संबंध है अधित को गुर्विक आप का
 |
	ग्रीएसः क्रास्ता संभव त हो, वहां वतेमान निश्रीत के अन्द्रां में दागभग मृत्य वतताया जाए।	भिरित्या करता संभव त हो बहा बरीमान स्थिति हे अन्दर्भ में स्ताभग मृत्य यतताया नाए।	ग्रिस्सा संभव त हो, वहां सतेमन स्थिति के सन्दर्भ में स्वाभग भूट्य व्यवलाया जाए।	
 | | | | |
 | | | | |
 | | | |
 | | | | | |
 | | | | |
 | | | (3) (4) (5) | (5) (4) (5) | (3) (4) (5) (6)
 | (2) (4) (5) (7) | (3) (4) (5) (6) (7) | (a) (b) (c) (c) (c) (d) (d) (d) | (5) (4) (6) (7) | (5) (4) (5) (5) (7) | ाह तथा अन्य भवत भूमि "वर्तमार मूल्य वर्षा क्रिके नाम ""वर्तमा
मूल्य पर भारत है और उसका मूल्य पर भारत है और उसका मूल्य पर भारत है और उसका मान महन्य पर भारत है और उसका मान मान महन्य पर भारत है और उसका मान मान महन्य पर भारत है और उसका मान मान मान मान मान मान मान मान मान मा | प्राप्त करा अन्य तथा क्यांत अपने किस प्रकार अभिक्र किसा गण कराताहरी किस किस प्रकार अभिक्र किसा गण कराताहरी किस किस कराताहरी किस प्रकार प्रदेश कराताहरी किस कराताहरी किस प्रकार केस किसा प्रकार केस किस कराताहरी केस कराताहरी केस कराताहरी केस कराताहरी केस करायाहरी केस करायाहरी केस करायाहरी केस करायाहरी केस करायाहर केस करायाहरी केस करायाहर केस कर करायाहर केस करायाहर केस कर करायाहर केस करायाहर केस कर | सम्पाद का जाम तथा ज्याद इक्य के जाम अप न हो तो उसे किस्या ग्रमा
जिल्लामुच्चे कि जुद्ध किसके नाम ""कर्ताम मूल्य प्रधारित है और उसका में ने प्रचान की तार्र ज्ञाम का मिक्क आप का स्वीत की महं हो उसका नाम का स्वाद की तार्र ज्ञाम का मिक्क आप का स्वीत की महं हो उसका नाम का स्वाद की तार्र ज्ञाम का मिक्क आप का स्वीत की महं हो उसका नाम का स्वाद की तार्र ज्ञाम का स्वीत की महं हो उसका नाम का स्वाद की तार्र ज्ञाम का स्वाद की तार्य ज्ञाम का स्वाद की तार्र ज्ञाम का स्वाद की तार्य ज्ञाम का स्वाद की तार्र ज्ञाम का स्वाद की तार्य की तार्र ज्ञाम का स्वाद की तार्य की | सम्पाद का जान तथा कारि क्या के जान प्राप्त के जान जान जान के जान | सम्पति का जाम तथा कारि
कतलाश्च कि ग्रह किसके नाम
गृह तथा अन्य थवन भूमि "कर्तनामूल्य प्रभाति है और उसका
भूमि "कर्तनामूल्य प्रभाति है और उसका
सार्पनि है और अपन्य किसी प्रकार से
सार्पनि है। अपन्य अपन्य की तारीख और जिससे
स्पार्पनि है। अपन्य आप्रमान से हो असका नाम
स्पार्पनि है। अपन्य आप्रमान से तथा अपनि की गरिव और जिससे
स्पार्पनि है। अपनि की तरिव और जिससे
स्पार्पनि है। अपनि की तरिव और जिससे | समिति को जान तथा कोहें, विकास प्रकार कोही उसे किसा जान क्या करान हो तो उसे किसा जान करान हो तो है। विकास प्रकार में किसा जान करान हो तो विकास प्रकार में का जान करान हो तथा अन्य किसी प्रकार में सम्मति में अप अपने की तारीव और किसा जान करान की तारीव और किसा जान करान की तारीव और किसा जान करान की तारीव और करान जान करान करान की तारीव और करान जान करान की तारीव की त | सम्पष्टिका जान तथा क्योंते किया ग्रम्
बतलाहर्ष कि जुड़ किसके नाम ""क्योंद प्रद्य, बंपक, विरासत,
पूर्ण भारत है और उसका मेंट या जन्म किसी प्रकार से
स्मासकीय क्रमेवारी से तथा अर्जन की तारीख और जिससे
स्मासकीय क्रमेवारी से तथा अर्जन की तारीख और जिससे
स्मासकीय है । (5) (6) (7)
 | सम्पष्टिका जान तथा क्योंते किया ग्रम्
बतलाहर्ष कि जुड़ किसके नाम ""क्योंद प्रद्य, बंपक, विरासत,
पूर्ण भारत है और उसका मेंट या जन्म किसी प्रकार से
स्मासकीय क्रमेवारी से तथा अर्जन की तारीख और जिससे
स्मासकीय क्रमेवारी से तथा अर्जन की तारीख और जिससे
स्मासकीय है । (5) (6) (7) | समिति का जान तथा कोहे. मृह तथा अन्य थवन भूमि "किताम मृत्य प्रधारित है और उसका में द्वाप अन्य किसी प्रकार से सम्मिति में आप अन्य भाग भूमि "किताम मृत्य प्रधारित है और उसका में दि पा अन्य किसी प्रकार से सम्मिति में आप अन्य भी प्रधार के ति का अन्य किसी प्रकार से सम्मिति में आप अन्य की तारीख और जिससे वार्षिक आप प्रधार की निर्मा की तारीख और जिससे वार्षिक आप अन्य किसी प्रकार में वार्षिक आप अन्य किसी किसी के वार्षिक आप अन्य किसी किसी किसी किसी किसी किसी किसी किसी | समिति का जान तथा कोहे. मृह तथा अन्य थवन भूमि "किताम मृत्य प्रधारित है और उसका में द्वाप अन्य किसी प्रकार से सम्मिति में आप अन्य भाग भूमि "किताम मृत्य प्रधारित है और उसका में दि पा अन्य किसी प्रकार से सम्मिति में आप अन्य भी प्रधार के ति का अन्य किसी प्रकार से सम्मिति में आप अन्य की तारीख और जिससे वार्षिक आप प्रधार की निर्मा की तारीख और जिससे वार्षिक आप अन्य किसी प्रकार में वार्षिक आप अन्य किसी किसी के वार्षिक आप अन्य किसी किसी किसी किसी किसी किसी किसी किसी | सम्पष्टिक जो जान तथा करीरे. विकास प्रकार को तो उसे किस प्रकार अभित किया गया कराताहरी कि जुड़ किसके नाम ""करीर, प्रद्या, वंपक, विरासत, प्रमीस के प्रकार कराया के विकास प्रकार के सम्पति में अप अपनि की गई को जान कराया के उसका नाम कराया की जान कराया के उसका नाम कराया की गई के उसका नाम कराया की जान कराया कर | सम्पष्टिक जो जान तथा करीरे. विकास प्रकार को तो उसे किस प्रकार अभित किया गया कराताहरी कि जुड़ किसके नाम ""करीर, प्रद्या, वंपक, विरासत, प्रमीस के प्रकार कराया के विकास प्रकार के सम्पति में अप अपनि की गई को जान कराया के उसका नाम कराया की जान कराया के उसका नाम कराया की गई के उसका नाम कराया की जान कराया कर | समिति का जान तथा कोहे. मृह तथा अन्य थवन भूमि "किताम मृत्य प्रधारित है और उसका में द्वाप अन्य किसी प्रकार से सम्मिति में आप अन्य भाग भूमि "किताम मृत्य प्रधारित है और उसका में दि पा अन्य किसी प्रकार से सम्मिति में आप अन्य भी प्रधार के ति का अन्य किसी प्रकार से सम्मिति में आप अन्य की तारीख और जिससे वार्षिक आप प्रधार की निर्मा की तारीख और जिससे वार्षिक आप अन्य किसी प्रकार में वार्षिक आप अन्य किसी किसी के वार्षिक आप अन्य किसी किसी किसी किसी किसी किसी किसी किसी | सम्पष्टिक जो जान तथा करीरे. विकास प्रकार को तो उसे किस प्रकार अभित किया गया कराताहरी कि जुड़ किसके नाम ""करीर, प्रद्या, वंपक, विरासत, प्रमीस के प्रकार कराया के विकास प्रकार के सम्पति में अप अपनि की गई को जान कराया के उसका नाम कराया की जान कराया के उसका नाम कराया की गई के उसका नाम कराया की जान कराया कर | समिति का जान तथा कोहे. मृह तथा अन्य थवन भूमि "किताम मृत्य प्रधारित है और उसका में द्वाप अन्य किसी प्रकार से सम्मिति में आप अन्य भाग भूमि "किताम मृत्य प्रधारित है और उसका में दि पा अन्य किसी प्रकार से सम्मिति में आप अन्य भी प्रधार के ति का अन्य किसी प्रकार से सम्मिति में आप अन्य की तारीख और जिससे वार्षिक आप प्रधार की निर्मा की तारीख और जिससे वार्षिक आप अन्य किसी प्रकार में वार्षिक आप अन्य किसी किसी के वार्षिक आप अन्य किसी किसी किसी किसी किसी किसी किसी किसी | समिति का जान तथा कोहे. मृह तथा अन्य थवन भूमि "किताम मृत्य प्रधारित है और उसका में द्वाप अन्य किसी प्रकार से सम्मिति में आप अन्य भाग भूमि "किताम मृत्य प्रधारित है और उसका में दि पा अन्य किसी प्रकार से सम्मिति में आप अन्य भी प्रधार के ति का अन्य किसी प्रकार से सम्मिति में आप अन्य की तारीख और जिससे वार्षिक आप प्रधार की निर्मा की तारीख और जिससे वार्षिक आप अन्य किसी प्रकार में वार्षिक आप अन्य किसी किसी के वार्षिक आप अन्य किसी किसी किसी किसी किसी किसी किसी किसी
 | समिति का जान तथा कोहे. मृह तथा अन्य थवन भूमि "किताम मृत्य प्रधारित है और उसका में द्वाप अन्य किसी प्रकार से सम्मिति में आप अन्य भाग भूमि "किताम मृत्य प्रधारित है और उसका में दि पा अन्य किसी प्रकार से सम्मिति में आप अन्य भी प्रधार के ति का अन्य किसी प्रकार से सम्मिति में आप अन्य की तारीख और जिससे वार्षिक आप प्रधार की निर्मा की तारीख और जिससे वार्षिक आप अन्य किसी प्रकार में वार्षिक आप अन्य किसी किसी के वार्षिक आप अन्य किसी किसी किसी किसी किसी किसी किसी किसी | सम्पष्टिक जा जात क्या क्यों स्वा कर क्या जात क्या क्या क्या कर क्या जात जात क्या जात ज्या जात क्या जात क्या जात क्या जात क्या जात जात जात जात जात जात जात जात जात जा | | | |
| | भिरिक्ता संभव त हो, बहा बहेपान स्थिति हे अन्दर्भ में स्ताभग मृत्य यत्ताया नाए। | भिरिक्त करता संभव त हो बहा बहेपान स्थिति है अन्तर्भ में स्ताभग मृहय यतताया नाए। | भिष्णिः करना संभव न हो, खहा सतेमान स्थिति के सन्दर्भ में लगभग मृत्य बतलाया जाए। |
 | | | | |
 | | | | |
 | | | |
 | | | | | |
 | | | | |
 | | | | | (3) (4) (5)
 | (2) (4) (5) (6) (7) | (3) (4) (5) (6) (7) | (2) (4) (5) (5) (7) | (3) (4) (6) (7) | (2) (4) (5) (6) (7) | ाह तथा अन्य भवत भूमि "वर्तनात मूल्य विराह किसके नात ""वर्तार,
आजत किया ग्रम्
प्र थारित है और उसका में में भ्रम् किसकी में में में वर्ग के में हो वरका नान व्याप्त के में हो वरका नान विराह के में किसकी नान व्याप्त के महिनों के मिला में हो वरका नान विराह के स्थापत के महिनों के महिनों के मिला में हो वरका नान विराह के समिता में है हो वरका नान विराह के समिता में हो वरका नान विराह के समिता में में | प्राप्त करा मान तथा क्यांत अपने कि बहु किस जन्म गण क्यांत | सम्पाद का जान तथा ज्याद इच्च के जान प्रत न हो तो उसे किन्सा ज्ञान का जान तथा ज्ञान का जान तथा ज्ञान का ज्ञान क | सम्पाद का जान तथा कारि
कारतावर्ष कि खड़ किसके नान
गृह तथा अन्य भवत
गृह तथा अन्य भवत
प्रधारत है और उसका
भारतीय के क्षेत्र की तार्राव और जिससे
स्पार्तकार है और अपन्य किसी प्रकार से
सम्पाद की तार्राव और जिससे
स्पार्तकार है अपने कार्याव और जिससे
स्पार्तकार है अपने कार्याव और जिससे
स्पार्तकार है जिसका नान
तथा अपने की तार्राव और जिससे
तथा अपने की तार्राव की तार्राव और जिससे
तथा अपने की तार्राव की तार्पव की तार्राव की तार्रा | सम्पांत का जान तथा कोरि
कतलाश्च कि जह किसके नान
गृह तथा अन्य अपन भूमि "कर्वनाममूल्य प्रधाति है और उसका
भूमि विकास प्रधाति है और उसका
भारकोय क्रमें को गाँव और किसके नाम
सम्पादिक और जिससे वार्षिक आयु
स्पादिकोय क्रमें को गाँव और जिससे वार्षिक आयु
सम्पादिकोय क्रमें को गाँव और जिससे वार्षिक आयु
सम्पादिकोय क्रमें किस अपित को गाँव को | समिक का जान तथा कोरी। वह स्वयं के जांच पर न हो तो उसे किया जाया अलिए प्रद्य, बंधक, विरासत, प्रमी ""वर्तना मृत्य प्रभारत है और उसका मेंट या अन्य किसी प्रकार से सम्मति से आस्कीय के मौजारी है और उसका नाम वार्षिक आप्र प्रमासकीय है जीय अलित की गाँउ और जिससे वार्षिक आप्र प्रमासकीय है जीय अलित की गाँउ और जिससे वार्षिक आप्र प्रमासकीय है जीय अलित की गाँउ और जिससे वार्षिक आप्र प्रमासकीय है जीय अलित की गाँउ और जिससे वार्षिक आप्र जीया व्याप्त वार्षिक आप्र वार्षिक आप्र वार्षिक आप्र वार्षिक आप्र वार्षिक आप्र वार्षिक आप्र वार्षिक वार्षिक आप्र वार्षिक वार्षिक आप्र वार्य वार्षिक आप्र वार्षिक आप्र वार्षिक आप्र वार्षिक आप्र वार्षिक आप्र वार्य वार्य वार | सम्पति का जान तथा क्यों। बत्ताहर्ष कि जु किसके जान ""वर्तप पूर्वि वर्ष्य किसके जान ""वर्तप पूर्वि वर्ष्य किसके जान पूर्वि पूर्वि वर्ष्य किसके जान में दि या जन्य किसी प्रकार से सम्मति से आस्कीय किमीयारी से जाप अर्जन की गाँउ और जिससे वार्षिक आय् प्रमासकीय किमीयारी से जाप अर्जन की गाँउ और जिससे वार्षिक आय् त्या स्वेश है (6) (7) | समिक का जान कथा क्यों स्वार्थ कि जा जान कथा क्यों किया जान कथा क्यों किया जान कथा क्यों किया जान क्या क्या क्या क्या क्या क्या क्या क्या | समिक का जान तथा कोरी। वह स्वयं के जांच पर न हो तो उसे किया जाया करताहरें कि जह किसके नाम ""करीय, प्रद्य, बंधक, विरासत, प्रमी प्रकार में या ज्या के विरास का सम्मीति में आपनीय कर्मावारी से जाया अर्जन की तारीख और विस्त जाया कार्मिक आप प्रमासकीय कर्मावारी से जाया अर्जन की तारीख और विस्त जाया कार्मिक आप व्यासकीय कर्मावारी है। उसे प्रकार की तारीख और विस्त जाया कार्मिक आप व्यासकीय कर्मावारी है। उसे विस्त की गई हो उसका नाम विस्त अपन किसी प्रकार कार्मिक आप व्यासकीय कर्मावारी है। विस्त जाया विस्त कर्मावारी है। विस्त कर्मावार | समिक का जान तथा कोरी। वह स्वयं के जांच पर न हो तो उसे किया जाया करताहरें कि जह किसके नाम ""करीय, प्रद्य, बंधक, विरासत, प्रमी प्रकार में या ज्या के विरास का सम्मीति में आपनीय कर्मावारी से जाया अर्जन की तारीख और विस्त जाया कार्मिक आप प्रमासकीय कर्मावारी से जाया अर्जन की तारीख और विस्त जाया कार्मिक आप व्यासकीय कर्मावारी है। उसे प्रकार की तारीख और विस्त जाया कार्मिक आप व्यासकीय कर्मावारी है। उसे विस्त की गई हो उसका नाम विस्त अपन किसी प्रकार कार्मिक आप व्यासकीय कर्मावारी है। विस्त जाया विस्त कर्मावारी है। विस्त कर्मावार | सम्पष्टिक जा जान कथा क्यों है. विकास प्रकार आर्थित किया ज्ञान कथा क्या ज्ञान कथा क्या ज्ञान कथा क्या ज्ञान क्या क्या क्या क्या क्या क्या क्या क्या
 | सम्पष्टिक जा जान कथा क्यों है. विकास प्रकार आर्थित किया ज्ञान कथा क्या ज्ञान कथा क्या ज्ञान कथा क्या ज्ञान क्या क्या क्या क्या क्या क्या क्या क्या | समिक का जान तथा कोरी। वह स्वयं के जांच पर न हो तो उसे किया जाया करताहरें कि जह किसके नाम ""करीय, प्रद्य, बंधक, विरासत, प्रमी प्रकार में या ज्या के विरास का सम्मीति में आपनीय कर्मावारी से जाया अर्जन की तारीख और विस्त जाया कार्मिक आप प्रमासकीय कर्मावारी से जाया अर्जन की तारीख और विस्त जाया कार्मिक आप व्यासकीय कर्मावारी है। उसे प्रकार की तारीख और विस्त जाया कार्मिक आप व्यासकीय कर्मावारी है। उसे विस्त की गई हो उसका नाम विस्त अपन किसी प्रकार कार्मिक आप व्यासकीय कर्मावारी है। विस्त जाया विस्त कर्मावारी है। विस्त कर्मावार | सम्पष्टिक जा जान कथा क्यों है. विकास प्रकार आर्थित किया ज्ञान कथा क्या ज्ञान कथा क्या ज्ञान कथा क्या ज्ञान क्या क्या क्या क्या क्या क्या क्या क्या | समिक का जान तथा कोरी। वह स्वयं के जांच पर न हो तो उसे किया जाया करताहरें कि जह किसके नाम ""करीय, प्रद्य, बंधक, विरासत, प्रमी प्रकार में या ज्या के विरास का सम्मीति में आपनीय कर्मावारी से जाया अर्जन की तारीख और विस्त जाया कार्मिक आप प्रमासकीय कर्मावारी से जाया अर्जन की तारीख और विस्त जाया कार्मिक आप व्यासकीय कर्मावारी है। उसे प्रकार की तारीख और विस्त जाया कार्मिक आप व्यासकीय कर्मावारी है। उसे विस्त की गई हो उसका नाम विस्त अपन किसी प्रकार कार्मिक आप व्यासकीय कर्मावारी है। विस्त जाया विस्त कर्मावारी है। विस्त कर्मावार | समिक का जान तथा कोरी। वह स्वयं के जांच पर न हो तो उसे किया जाया करताहरें कि जह किसके नाम ""करीय, प्रद्य, बंधक, विरासत, प्रमी प्रकार में या ज्या के विरास का सम्मीति में आपनीय कर्मावारी से जाया अर्जन की तारीख और विस्त जाया कार्मिक आप प्रमासकीय कर्मावारी से जाया अर्जन की तारीख और विस्त जाया कार्मिक आप व्यासकीय कर्मावारी है। उसे प्रकार की तारीख और विस्त जाया कार्मिक आप व्यासकीय कर्मावारी है। उसे विस्त की गई हो उसका नाम विस्त अपन किसी प्रकार कार्मिक आप व्यासकीय कर्मावारी है। विस्त जाया विस्त कर्मावारी है। विस्त कर्मावार | समिक का जान तथा कोरी। वह स्वयं के जांच पर न हो तो उसे किया जाया करताहरें कि जह किसके नाम ""करीय, प्रद्य, बंधक, विरासत, प्रमी प्रकार में या ज्या के विरास का सम्मीति में आपनीय कर्मावारी से जाया अर्जन की तारीख और विस्त जाया कार्मिक आप प्रमासकीय कर्मावारी से जाया अर्जन की तारीख और विस्त जाया कार्मिक आप व्यासकीय कर्मावारी है। उसे प्रकार की तारीख और विस्त जाया कार्मिक आप व्यासकीय कर्मावारी है। उसे विस्त की गई हो उसका नाम विस्त अपन किसी प्रकार कार्मिक आप व्यासकीय कर्मावारी है। विस्त जाया विस्त कर्मावारी है। विस्त कर्मावार | सम्पष्टिक जा जान कथा क्यों है. विकास प्रकार आर्थित किया ज्ञान कथा क्या ज्ञान कथा क्या ज्ञान कथा क्या ज्ञान क्या क्या क्या क्या क्या क्या क्या क्या |
| | ग्रिस्टाः कराता संभव त हो, वहाँ वतेमान निश्नति के सन्दर्भ में देशाभग मृत्य वतताया नाए। | ग्रीएस करता संभव त हो बहा बतेमान स्थिति के सन्दर्भ में स्ताभग मृत्य वित्ताया नाए। | ।
भीएक करना संभव न हो, यहां सरीत के सन्दर्भ में लगभग मृत्य यतलाया जाए। |
 | | | | |
 | | | | |
 | | | |
 | | | | | |
 | | | | |
 | | | | | (3) (4) (5) (7)
 | (2) (4) (5) (6) (7) | (3) (4) (5) (6) (7) | (2) (4) (5) (6) (7) | (3) (4) (5) (7) | (2) (4) (5) (6) (7) | ाह तथा अन्य थवन भूमि "क्तमान मूल्य प्रभाव हो गा वा अस व स
प्रमार वा अस व स प्रमार वा अस व स प्रमार वा अस्ति प्रद्या, बंधक, बिसारत, प्रमार वा अस्ति प्रद्या, बंधक, बिसारत, प्रमार वा अस्ति का अस | प्रद खब के जान वर्ष वर्ष के जान प्रपद खब के जान प्रपद जान | सम्पाद का जात क्या क्या स्वाद कर के जाम अप न हो तो जिस् प्रकार अर्थित किया गया जाताहाश कि कहा किया कर किया प्रकार में क्या कर किया किया कर किया किया कर किया कर किया किया कर किया कर किया किया कर किया किया किया किया किया किया किया किया | सम्पतिक का जास तथा क्यांति के प्राप्त के जास प्राप्त के जास प्राप्त के जास तथा क्यांति के जास तथा के जास तथा के जास तथा के जास | सम्पति का जान तथा कारि
कतलाश्च कि खंड किसके नाम ""क्वीद, प्द्या, मंभक, तिरासत,
पूर्वि तथा अन्य भिन्ती प्रकार से सम्पति से अप
शास्त्रीय कर्मवारी से जा अर्जन की तारीख और किससे वार्षिक आयु
स्पा संबंध है अपि क्वीय की गई को उसका नाम
(3) (4) (5) (7) | सस्पति का जात क्या क्यों स्वा कर के जा जात कर किस प्रकार अभित किया जात कर कर किस जात जात कर | सस्पति का जान कथा क्यों। व्यक्ति स्वयं के जांच पर न हो तो उसे किया जाय कराताहर्षे कि वह किसके नान ""व्यक्ति प्रद्या क्षेपक, विरासत, प्रमुत्ति प्रकार में प्राप्ति हो जोर उसका में दे या ज्यन किसी प्रकार से सम्मति से वास्त्रीय कैम्पनि हो जाया अर्जन की तारीय और विस्ते वार्षिक आय्ये प्रमासिक आय्ये क्या स्वर्धि है (६) (१) (१) (१) (१)
 | सस्पति का जान कथा क्यों। व्यक्ति स्वयं के जांच पर न हो तो उसे किया जाय कराताहर्षे कि वह किसके नान ""व्यक्ति प्रद्या क्षेपक, विरासत, प्रमुत्ति प्रकार में प्राप्ति हो जोर उसका में दे या ज्यन किसी प्रकार से सम्मति से वास्त्रीय कैम्पनि हो जाया अर्जन की तारीय और विस्ते वार्षिक आय्ये प्रमासिक आय्ये क्या स्वर्धि है (६) (१) (१) (१) (१) | सस्पति का जात क्या क्यों स्वा कर के जा जात कर किस प्रकार अभित किया जात कर कर किस जात जात कर | सस्पति का जात क्या क्यों स्वा कर के जा जात कर किस प्रकार अभित किया जात कर कर किस जात जात कर | सम्पष्टिक जा जान कथा क्यों है. विकास प्रकार का जान कथा क्यों किया जान कथा क्या जान कथा क्या जान क्या क्या क्या क्या क्या क्या क्या क्या | सम्पष्टिक जा जान कथा क्यों है. विकास प्रकार का जान कथा क्यों किया जान कथा क्या जान कथा क्या जान क्या क्या क्या क्या क्या क्या क्या क्या
 | सस्पति का जात क्या क्यों स्वा कर के जा जात कर किस प्रकार अभित किया जात कर कर किस जात जात कर | सम्पष्टिक जा जान कथा क्यों है. विकास प्रकार का जान कथा क्यों किया जान कथा क्या जान कथा क्या जान क्या क्या क्या क्या क्या क्या क्या क्या | सस्पति का जात क्या क्यों स्वा कर के जा जात कर किस प्रकार अभित किया जात कर कर किस जात जात कर | सस्पति का जात क्या क्यों स्वा कर के जा जात कर किस प्रकार अभित किया जात कर कर किस जात जात कर | सस्पति का जात क्या क्यों स्वा कर के जा जात कर किस प्रकार अभित किया जात कर कर किस जात जात कर
 | सम्पष्टिक जा जान कथा क्यों है. विकास प्रकार का जान कथा क्यों किया जान कथा क्या जान कथा क्या जान क्या क्या क्या क्या क्या क्या क्या क्या |
	ग्रीएस करना संभव न हो, वहाँ महीयान स्थिति के अन्द्रभ में स्ताभग मृत्य वित्ताया नाए।	भिरिक्ता संभव त हो, बहा बरोग्रान स्थिति है अन्दर्भ में स्ताभग मृत्य यत्ताया नाए।	भिक्तिस्य अस्ता संभव त को खर्घ सतेमन स्थिति के सन्दर्भ में स्वाभग मृत्य व्यवसाया जाए।	
 | | | | |
 | | | | |
 | | | |
 | | | | | |
 | | | | |
 | | | (3) (4) (5) (6) | |
 | (2) (4) (5) (6) (7) | (5) (4) (5) (6) (7) | (2) (4) (5) (6) (7) | (3) (4) (5) (7) | (2) (4) (4) (5) (7) | ाह तथा अन्य भवत भूमि "वित्मान मूल्य प्रणादित के वित्मा अभार आवा
कियात कराताहरी कि वह किसके नान ""वर्ता, बंधक वित्मात स्था प्रणादित के व्याद किसी अभार के सामानित से व्याद की वर्षाय और विस्का नान व्याद की वर्षाय और विस्का नान वर्षाय की वर्षाय और विस्का नान वर्षाय की वर्षाय और विस्का नान वर्षाय की वर्षाय और वर्षण नान वर्षण वर्षाय की वर्षाय और वर्षण नान वर्षण वर्षण की वर्षण की वर्षण और वर्षण नान वर्षण की वर्णण की वर्णण की वर्षण की वर्णण की वर्णण की वर्णण की वर्षण की व्याच की वर्णण की वर्णण की व्याच की व्य | प्रद खब के जान प्रथम के जान जान के जान | सम्पाद का जात तथा क्यार
कतत्ताहरी कि वह किस्सक नाम
गृह तथा अन्य भ्यत भूमि "वर्षमान मूल्य पर भारित है और उसका में अप्र मुद्दा, बंधक, विस्तात,
सर्भा अप्र अप्र अप्र अप्र अप्र अप्र अप्र अप्र | सम्पतिका जात क्ष्मण क्ष्मीर यदि कव के जाम प्राप्त न हो तो उसे किस प्रकार आर्थित किया गया करताहरी कि कह किसके गाम ""वर्तमान मूल्य प्राप्त की कह किसके गाम में वर्तमान मूल्य प्राप्त की त्राप्त की क्षमण का से द्या करने किसी प्रकार से सम्पतिसे अप प्राप्त की कार्य की ताराख और विस्त मान कार्यित की गाई हो उसके गाम कार्य की वर्षक आया कार्यित की गाई हो उसके गाम कार्य की वर्षक आया कार्य की वर्षक आया कार्य कार्य की वर्षक कार्य कार्य की वर्षक कार्य कार्य की वर्षक कार्य की वर्षक कार्य कार्य की वर्षक कार्य कार्य की वर्षक कार्य कार्य की वर्षक कार्य कार्य कार्य की वर्षक कार्य कार | सम्पति का जान तथा क्यों के वाप तथा क्यों के वाप प्राप्त के वाप वाप किस प्रकार से सम्पति से वाप वाप किस प्रकार से सम्पति से वाप वाप किस वाप वाप किस वाप वाप किस वाप वाप के वाप वाप वाप के वाप | सम्पष्टिक का जान कथा क्यों स्वार्थ के जांच प्रपंत कर किस प्रकार अधिक किस प्रकार अधिक किस प्रकार मुचि के क्यां किस के जान क्यां किस किस प्रकार में क्यां किस किस प्रकार में सम्पत्ति में अप्रक्ष क्यां किस क्यां किस क्यां किस क्यां किस क्यां किस क्यां किस क्यां | सम्पविका जास तथा क्यों। सम्पविका जास तथा क्यों। करलाहरी कि बढ़ किसके जान ""वर्षा प्रमास क्यों कि बढ़ किसके जान ""वर्षा प्रमास के अप्रमास के जार जान किस प्रकार से सम्पति के आप्रमास के जार वाल्य किस के जार जान किस जार के जार जान किस जार के जार जान किस जार जार के जार | सम्पविका जास तथा क्यों। सम्पविका जास तथा क्यों। करलाहरी कि बढ़ किसके जान ""वर्षा प्रमास क्यों कि बढ़ किसके जान ""वर्षा प्रमास के अप्रमास के जार जान किस प्रकार से सम्पति के आप्रमास के जार वाल्य किस के जार जान किस जार के जार जान किस जार के जार जान किस जार जार के जार | सम्पष्टिक का जान कथा क्यों स्वार्थ के जांच प्रपंत कर किस प्रकार अधिक किस प्रकार अधिक किस प्रकार मुचि के क्यां किस के जान क्यां किस किस प्रकार में क्यां किस किस प्रकार में सम्पत्ति में अप्रक्ष क्यां किस क्यां किस क्यां किस क्यां किस क्यां किस क्यां किस क्यां | सम्पष्टिक का जान कथा क्यों स्वार्थ के जांच प्रपंत कर किस प्रकार अधिक किस प्रकार अधिक किस प्रकार मुचि के क्यां किस के जान क्यां किस किस प्रकार में क्यां किस किस प्रकार में सम्पत्ति में अप्रक्ष क्यां किस क्यां किस क्यां किस क्यां किस क्यां किस क्यां किस क्यां | सम्पष्टिक का जान कथा क्यों
गृह तथा अन्य भवन भूमि ""वर्तमान मूल्य प्रांगीरा है और उसका भूमि भूम प्रांगीरा है और उसका मिर्म प्रांगीरा है और उसका नाम अप्रांगीरा है और उसका नाम अप्रांगीरा है और उसका नाम प्रांगीरा है औ | सम्पष्टिक का जान कथा क्यों
गृह तथा अन्य भवन भूमि ""वर्तमान मूल्य प्रांगीरा है और उसका भूमि भूम प्रांगीरा है और उसका मिर्म प्रांगीरा है और उसका नाम अप्रांगीरा है और उसका नाम अप्रांगीरा है और उसका नाम प्रांगीरा है औ | सम्पष्टिक का जान कथा क्यों स्वार्थ के जांच प्रपंत कर किस प्रकार अधिक किस प्रकार अधिक किस प्रकार मुचि के क्यां किस के जान क्यां किस किस प्रकार में क्यां किस किस प्रकार में सम्पत्ति में अप्रक्ष क्यां किस क्यां किस क्यां किस क्यां किस क्यां किस क्यां किस क्यां | सम्पष्टिक का जान कथा क्यों
गृह तथा अन्य भवन भूमि ""वर्तमान मूल्य प्रांगीरा है और उसका भूमि भूम प्रांगीरा है और उसका मिर्म प्रांगीरा है और उसका नाम अप्रांगीरा है और उसका नाम अप्रांगीरा है और उसका नाम प्रांगीरा है औ | सम्पष्टिक का जान कथा क्यों स्वार्थ के जांच प्रपंत कर किस प्रकार अधिक किस प्रकार अधिक किस प्रकार मुचि के क्यां किस
के जान क्यां किस किस प्रकार में क्यां किस किस प्रकार में सम्पत्ति में अप्रक्ष क्यां किस क्यां किस क्यां किस क्यां किस क्यां किस क्यां किस क्यां | सम्पष्टिक का जान कथा क्यों स्वार्थ के जांच प्रपंत कर किस प्रकार अधिक किस प्रकार अधिक किस प्रकार मुचि के क्यां किस के जान क्यां किस किस प्रकार में क्यां किस किस प्रकार में सम्पत्ति में अप्रक्ष क्यां किस क्यां किस क्यां किस क्यां किस क्यां किस क्यां किस क्यां | सम्पष्टिक का जान कथा क्यों स्वार्थ के जांच प्रपंत कर किस प्रकार अधिक किस प्रकार अधिक किस प्रकार मुचि के क्यां किस के जान क्यां किस किस प्रकार में क्यां किस किस प्रकार में सम्पत्ति में अप्रक्ष क्यां किस क्यां किस क्यां किस क्यां किस क्यां किस क्यां किस क्यां | सम्पष्टिक का जान कथा क्यों
गृह तथा अन्य भवन भूमि ""वर्तमान मूल्य प्रांगीरा है और उसका भूमि भूम प्रांगीरा है और उसका मिर्म प्रांगीरा है और उसका नाम अप्रांगीरा है और उसका नाम अप्रांगीरा है और उसका नाम प्रांगीरा है औ |
	भिरियो करता संभव त हो बहा बहेपान स्थिति है अन्दर्भ में स्वाभग मृत्य यत्ताया नाए।	प्रिंग्स्य करता संभव त को खहा बतेषान स्थिति के अन्त्र भें में सामित मृहय यतताया गाए।	। जिस्सी अस्ता संभव त हो, वहां सतेमन स्थिति के सन्दर्भ में लगभग मृत्य वतलाया जाए।	
 | | | | |
 | | | | |
 | | | |
 | | | | | |
 | | | | |
 | | | (3) (4) (5) | (5) (4) (5) |
 | (5) (4) (5) (7) | (3) (4) (5) (6) (7) | (2) (4) (5) (6) (7) | (3) (4) (5) | (5) (4) (5) (7) | ाह तथा अन्य भवत भूमि "विदेशन मृत्य प्राप्त है जोर उसते,
ब्रुद्ध, ब्रंपक, विद्यात किसो प्रमास प्राप्त है जोर उसका में द्वापाल किसो प्रकार से सम्मास से सामास से से सिक्स से सि | प्रद स्वयं के बास प्रथम विकास प्रकार के बास | सम्भाव का जात क्या क्यार
जिल्लाको के कि कि कि कि क्या अपने की ती कि क्या अपने की जात की अपने कि क्या क्या कि क्या क्या कि क्या क्या कि क्या क्या क्या कि क्या क्या क्या क्या क्या क्या क्या क्या | सम्पतिका जात क्ष्म क्ष्म स्वत्य विकास क्ष्म क्ष्म स्वत्य अपित क्षिम प्रकार अपित क्ष्मिया पार्ट स्वयं के जाम प्रपान को तो उसे क्षिम प्रकार अपित क्ष्मिक प्रकार में सम्पति है और उसका प्रपान स्वयं है सम्पति है आप अप्यंत को वार्य और क्षिम मान सम्पति है अप अप्यंत को वार्य और क्षिम मान सम्पति है अप अपित को वार्य और क्षिम मान सम्पति है अप अपित को वार्य और क्षिम मान वार्यिक आप अपित को वार्य को वार्य के सम्पति है अप अप अपित को वार्य के अप | सम्पति का जान कथा क्ष्मी क्ष्म को सम्पति के जोन प्राप्त को तिकस प्रकार अधित किया गया बतावास कि कह किसके नाम बतावास कि कह किसके नाम पर्णाति है और उसको पर्णाति है और उसको पर्णाति की जोति को ग्राहे किसको का व्यवित को ग्राहे के जाये को विकास मान प्राप्तकीय कुम्मवारी से अभी कर्म को ग्राहिक को यादिक आया प्रमा संबंध है (2) (3) (4) (5) (5) (7) | सम्पष्टिका जान कथा क्यों
गृह तोषा अन्य थवन भूमि ""कर्तमान मूल्य प्रथातित है और उसका भूमि प्रकार से सम्प्रित है और उसका भूमि प्रकार से सम्प्रित है और उसका भूमि ते या अन्य किसी प्रकार से सम्प्रित है और उसका भूमि ते या अन्य किसी प्रकार से सम्प्रित है और उसका अन्य किसी प्रकार से सम्प्रित है और वसका मान जावित को गाँउ और विदस्त मान जावित को गाँउ और विदस्त मान जावित को गाँउ और विदस्त मान ते विधा को या को अन्य को या विद्या को या को अन्य को या विद्या को या को या को अन्य को या विद्या का या विद्या के या | सम्पविका जान कथा क्यों
गृह तथा अन्य थवन भूमि ""वर्तमान मूल्य प्र थारित है और उसका भूमि प्रकार विस्ती प्रकार से सम्पति से आपारकीय कर्मावारी से तथा अन्य किसी प्रकार से सम्पति से जारकाय किसी प्रकार में तथा अन्य किसी प्रकार से सम्पति से जारकाय किसी क्यों को ग्रह हो उसका नान वार्षिक आप्र अभित को ग्रह हो उसका नान तथा सर्वध है (6) (7) | सम्पविका जान कथा क्यों
गृह तथा अन्य थवन भूमि ""वर्तमान मूल्य प्र थारित है और उसका भूमि प्रकार विस्ती प्रकार से सम्पति से आपारकीय कर्मावारी से तथा अन्य किसी प्रकार से सम्पति से जारकाय किसी प्रकार में तथा अन्य किसी प्रकार से सम्पति से जारकाय किसी क्यों को ग्रह हो उसका नान वार्षिक आप्र अभित को ग्रह हो उसका नान तथा सर्वध है (6) (7)
 | सम्पष्टिका जान कथा क्यांति क्रिक्ट के जाम प्राप्त क्रिक्ट जाम कथा | सम्पष्टिका जान कथा क्यांति क्रिक्ट के जाम प्राप्त क्रिक्ट जाम कथा | सम्पष्टिक जो जान कथा क्यों स्वर्ध के जोच प्राप्त के जोच जान क्या किया जान जान जान जान जान जान जान जान जान जा | सम्पष्टिक जो जान कथा क्यों स्वर्ध के जोच प्राप्त के जोच जान क्या किया जान जान जान जान जान जान जान जान जान जा | सम्पष्टिका जान कथा क्यांति क्रिक्ट के जाम प्राप्त क्रिक्ट जाम कथा
 | सम्पष्टिक जो जान कथा क्यों स्वर्ध के जोच प्राप्त के जोच जान क्या किया जान जान जान जान जान जान जान जान जान जा | सम्पष्टिका जान कथा क्यांति क्रिक्ट के जाम प्राप्त क्रिक्ट जाम कथा | सम्पष्टिका जान कथा क्यांति क्रिक्ट के जाम प्राप्त क्रिक्ट जाम कथा | सम्पष्टिका जान कथा क्यांति क्रिक्ट के जाम प्राप्त क्रिक्ट जाम कथा | सम्पष्टिक जो जान कथा क्यों स्वर्ध के जोच प्राप्त के जोच जान क्या किया जान जान जान जान जान जान जान जान जान जा
 |
	ग्रीएसः क्रास्ता संभव त हो, वहाँ महीयान स्थिति के अन्द्रां में सामभा मृत्य वतताया नाए।	भिरिक्ता संभव त हो, बहा बहेपान स्थिति है अन्दर्भ में साम्भा मृत्य यहतायां नाए।	भिष्णः करता संभवत हो, खहा सिसीत के सद्भा में स्वाभाग मृत्य व्यवसाया आए।	
 | | | | |
 | | | | |
 | | | |
 | | | | | |
 | | | | |
 | | (3) (4) (5) | | (3) (4) (5) | (2) (4) (5) (6) (7)
 | (5) (4) (5) (7) | (5) (4) (6) (7) | (5) (4) (6) (7) | (3) (4) (5) (6) (7) | (2) (4) (5) (6) (7) | पड़ राज अन्य पदन भूमि "वर्तमान मृत्य पर कार्या है हम के नाम
"व्यक्त कार्य मिन्न हम मिन्न कार्य कार्य कार्य कि वर्ष हम कि के नाम "व्यक्त कि कार्य कार्य कि कार्य क | पाद स्वयं के जा का जा जा का जा | सम्पाद का ज्या क्या क्या क्या क्या क्या क्या क्या क | सम्पति का जाम तथा क्यों व्यद्धि स्वयं के जांग प्राप्त जो तो तिस प्रकार अनित किया जाय
बत्तवास्त्र कि वह किसके नात ""व्यद्धित प्रप्या क्षेत्र प्रद्या के किया जाय
प्राप्त का अन्य क्यों ते अप अपन क्या किया किया के सम्पति से अप
स्पासकीय क्रमेवारी से जाम क्यों तांव और जिससे वासिक आप्र
स्पासकीय क्रमेवारी के अभित की गई हो उसका नाम
स्पासकीय क्रमेवारी तथा व्यांत | सम्परिका जान कथा कथी है. बतलाइसे कि वह किस्ते जान " " " " " " " " " " " " " " " " " " " | सम्पविका जान कथा क्यों
गृह तथा अन्य थवन भूमि ""वर्तमान मूल्य प्र थारित है और उसका अन्य किसी प्रकार से सम्पति से आपारिक जाय
प्र थारित है और उसका में से या अन्य किसी प्रकार से सम्पति से आपारिक जाय
समा सर्वण है और उसका नाम सम्पति से तथा अन्य किसी प्रकार ने वार्षिक जाय
समा सर्वण है (5) (6) (7)
 | सम्पविका जान तथा क्यों
कि तत्वारों कि वह किसके जान ""व्योद, प्रद्धां, बंधक, विरासत,
प्रकार भवत भी ""वर्तमान मूल्य प्रभात के और उसका में द्र या जन्य किसी प्रकार से
शासकीय कर्मावारी से जाग अर्जन की वार्राख और विस्ति जाय
स्वा संबंध है जिल्ला का वार्षिक आप्र
(2) (3) (4) (5) (5) (6) | सम्पविका जान तथा क्यों
कि तत्वारों कि वह किसके जान ""व्योद, प्रद्धां, बंधक, विरासत,
प्रकार भवत भी ""वर्तमान मूल्य प्रभात के और उसका में द्र या जन्य किसी प्रकार से
शासकीय कर्मावारी से जाग अर्जन की वार्राख और विस्ति जाय
स्वा संबंध है जिल्ला का वार्षिक आप्र
(2) (3) (4) (5) (5) (6) | सम्पविका जान कथा क्यों
गृह तथा अन्य थवन भूमि ""वर्तमान मूल्य प्र थारित है और उसका अन्य किसी प्रकार से सम्पति से आपारिक जाय
प्र थारित है और उसका में से या अन्य किसी प्रकार से सम्पति से आपारिक जाय
समा सर्वण है और उसका नाम सम्पति से तथा अन्य किसी प्रकार ने वार्षिक जाय
समा सर्वण है (5) (6) (7) | सम्पविका जान कथा क्यों
गृह तथा अन्य थवन भूमि ""वर्तमान मूल्य प्र थारित है और उसका अन्य किसी प्रकार से सम्पति से आपारिक जाय
प्र थारित है और उसका में से या अन्य किसी प्रकार से सम्पति से आपारिक जाय
समा सर्वण है और उसका नाम सम्पति से तथा अन्य किसी प्रकार ने वार्षिक जाय
समा सर्वण है (5) (6) (7) | सम्पविका जान कथा क्यों
गृह तथा अन्य थवन भूमि ""वर्तमान मूल्य प्र थारित है और उसका भूमि फक, विरासत, प्र थारित है और उसका भूमि प्रकार से सम्पति से जाएक और विरासत, सम्पति से जाएक और विरासत, सम्पति से जाएक और विरासत, सम्पति से जाएक और विरास मान वार्षिक आप्र प्रमासकीय कर्मावारी से जाण अपनि की वार्राख और विरास मान वार्षिक आप्र प्रमासकीय के अपनि की वार्षिक आप्र वार्षिक आप्र अपनि की वार्षिक आप्र वार्षिक आप्र (6) (7)
 | सम्पविका जान कथा क्यों
गृह तथा अन्य थवन भूमि ""वर्तमान मूल्य प्र थारित है और उसका भूमि फक, विरासत, प्र थारित है और उसका भूमि प्रकार से सम्पति से जाएक और विरासत, सम्पति से जाएक और विरासत, सम्पति से जाएक और विरासत, सम्पति से जाएक और विरास मान वार्षिक आप्र प्रमासकीय कर्मावारी से जाण अपनि की वार्राख और विरास मान वार्षिक आप्र प्रमासकीय के अपनि की वार्षिक आप्र वार्षिक आप्र अपनि की वार्षिक आप्र वार्षिक आप्र (6) (7) | सम्पविका जान कथा क्यों
गृह तथा अन्य थवन भूमि ""वर्तमान मूल्य प्र थारित है और उसका अन्य किसी प्रकार से सम्पति से आपारिक जाय
प्र थारित है और उसका में से या अन्य किसी प्रकार से सम्पति से आपारिक जाय
समा सर्वण है और उसका नाम सम्पति से तथा अन्य किसी प्रकार ने वार्षिक जाय
समा सर्वण है (5) (6) (7) | सम्पविका जान कथा क्यों
गृह तथा अन्य थवन भूमि ""वर्तमान मूल्य प्र थारित है और उसका भूमि फक, विरासत, प्र थारित है और उसका भूमि प्रकार से सम्पति से जाएक और विरासत, सम्पति से जाएक और विरासत, सम्पति से जाएक और विरासत, सम्पति से जाएक और विरास मान वार्षिक आप्र प्रमासकीय कर्मावारी से जाण अपनि की वार्राख और विरास मान वार्षिक आप्र प्रमासकीय के अपनि की वार्षिक आप्र वार्षिक आप्र अपनि की वार्षिक आप्र वार्षिक आप्र (6) (7) | सम्पविका जान कथा क्यों
गृह तथा अन्य थवन भूमि ""वर्तमान मूल्य प्र थारित है और उसका अन्य किसी प्रकार से सम्पति से आपारिक जाय
प्र थारित है और उसका में से या अन्य किसी प्रकार से सम्पति से आपारिक जाय
समा सर्वण है और उसका नाम सम्पति से तथा अन्य किसी प्रकार ने वार्षिक जाय
समा सर्वण है (5) (6) (7) | सम्पविका जान कथा क्यों
गृह तथा अन्य थवन भूमि ""वर्तमान मूल्य प्र थारित है और उसका अन्य किसी प्रकार से सम्पति से आपारिक जाय
प्र थारित है और उसका में से या अन्य किसी प्रकार से सम्पति से आपारिक जाय
समा सर्वण है और उसका नाम सम्पति से तथा अन्य किसी प्रकार ने वार्षिक जाय
समा सर्वण है (5) (6) (7)
 | सम्पविका जान कथा क्यों
गृह तथा अन्य थवन भूमि ""वर्तमान मूल्य प्र थारित है और उसका अन्य किसी प्रकार से सम्पति से आपारिक जाय
प्र थारित है और उसका में से या अन्य किसी प्रकार से सम्पति से आपारिक जाय
समा सर्वण है और उसका नाम सम्पति से तथा अन्य किसी प्रकार ने वार्षिक जाय
समा सर्वण है (5) (6) (7) | सम्पविका जान कथा क्यों
गृह तथा अन्य थवन भूमि ""वर्तमान मूल्य प्र थारित है और उसका भूमि फक, विरासत, प्र थारित है और उसका भूमि प्रकार से सम्पति से जाएक और विरासत, सम्पति से जाएक और विरासत, सम्पति से जाएक और विरासत, सम्पति से जाएक और विरास मान वार्षिक आप्र प्रमासकीय कर्मावारी से जाण अपनि की वार्राख और विरास मान वार्षिक आप्र प्रमासकीय के अपनि की वार्षिक आप्र वार्षिक आप्र अपनि की वार्षिक आप्र वार्षिक आप्र (6) (7) | | | |
| | भिष्टिया समित है। सही सहीता हिन्दा स्टब्स में दिसामित मृत्य सहताया जाए। | प्रिंग्स्स करना संभव न को खहा बतेयान स्थिति के अन्त्र भे में सगाभग मृहय जतताया जाए। | ।
प्रिंग्सि करना संभव न हो, वहां सतेमन स्थिति के सन्दर्भ में लगभग मृख्य वतलाया जाए। |
 | | | | |
 | | | | |
 | | | |
 | | | | | |
 | | | | |
 | | | (5) (4) (5) | (3) (4) (5) | (5) (4) (5)
 | (5) (4) (6) (7) | (3) (4) (5) (6) (7) | (5) (4) (5) (7) | (5) (4) (6) (7) | (5) (4) (5) (7) | पढ़ स्वयं क्ष्म करण भारत क्षिति के जान भारत का जान करण करण भारत
के जान करण करण भारत के जान करण | पाद स्वय के जाम पात क्या क्या क्या क्या क्या क्या क्या क्या | सम्पाद का ज्याद सम्पाद की जाव कर किस प्रकार अजित किसा गण्य विराम का विराम कर किसा गण्य विराम का विराम कर किसा गण्य कर किसा का किसा कर किसा के किसा किसा के कि | सम्पति का जाम तथा क्यों व्यव्हे क्यों के क्यों क्यों क्यों क्यों किया जावा करवाव्ये कि वह किसके नान ""क्यों प्रत्या के क्यों प्रत्या के किस प्रकार में सम्पति से आ शासकीय कर्नावारी से जाम ज्ञांक क्यों प्रकार से सम्पति से आपकारी से जाम ज्ञांक क्यों व्याप्त क्यों क्यां के ज्ञांक क्यों व्याप्त क्यां क्यों क्यां के ज्ञांक क्यों व्याप्त क्यां क्यां क्यां क्यों व्याप्त क्यां | सम्पतिका मान तथा क्यों हैं जा पर ने किस प्रकार अजित किस प्रकार मान क्या का नाम तथा क्या किस के नाम "" काता मुन्य पर भारित है और उसका में दे या अन्य किसी प्रकार से सम्पति से या समित का सामित का या अजित की गई हो उसका नाम मन्य प्रमासकीय कम्माजारी से नामा अजित की गई हो उसका नाम मन्य प्रमासकीय है अजित की गई हो उसका नाम नामा नामा क्या स्वर्ध है (6) (7) | सम्पणिक का जाम कथा क्यीर
गृह तथा अन्य थवन भूमि "क्वर्मम मृत्य प्र भारित है और उसका में द्र या अन्य किस्त प्रकार से सम्पणि से अप्र
सम्पणिक के और उसका में द्र या अन्य किस्त प्रकार से सम्पणिक अप्र
सम्पणिक के निर्माणिक सम्पणिक सम्पणिक अप्र
सम्पणिक के निर्माणिक सम्पणिक सम्पणिक स्था अप्र
सम्पणिक अप्र
सम्पणिक के निर्माणिक सम्पणिक सम्पणिक स्था अप्रिय की गई हो उसका माम
स्था स्वर्ण की गई हो उसका माम
सम्पणिक अप्र
सम्पणिक अप्र
सम्पणि | सम्पण्डिका जाम कथा क्यों. गृह तथा अन्य थवन भूमि ""वर्तमान मून्य पर भारित है और उसका मेंद्र या अन्य किस्ती प्रकार से सम्पण्डित आप अप | सम्पण्डिका जाम कथा क्यों. गृह तथा अन्य थवन भूमि ""वर्तमान मून्य पर भारित है और उसका मेंद्र या अन्य किस्ती प्रकार से सम्पण्डित आप अप
 | सम्पणिक का जाम कथा क्यीर
गृह तथा अन्य भवन भूमि "क्वर्मम मृत्य प्र भारित है और उसका में द्र या अन्य किस्त प्रकार से सम्पणि से अप्र
सम्पणिक के और उसका में द्र या अन्य किस्त प्रकार से सम्पणिक अप्र
सम्पणिक के निर्माणिक सम्पणिक सम्पणिक सम्पणिक अप्र
सम्पणिक के निर्माणिक सम्पणिक सम्पणिक सम्पणिक स्था अप्र
(2) (3) (4) (5) (5) (7) | सम्पणिक का जाम कथा क्यीर
गृह तथा अन्य भवन भूमि "क्वर्मम मृत्य प्र भारित है और उसका में द्र या अन्य किस्त प्रकार से सम्पणि से अप्र
सम्पणिक के और उसका में द्र या अन्य किस्त प्रकार से सम्पणिक अप्र
सम्पणिक के निर्माणिक सम्पणिक सम्पणिक सम्पणिक अप्र
सम्पणिक के निर्माणिक सम्पणिक सम्पणिक सम्पणिक स्था अप्र
(2) (3) (4) (5) (5) (7) | सम्पणिक का जास कथा क्लीर
गृह तथा अन्य भवन भूमि "क्वरंगान मूल्व पर्णारात है और उसका भेट या जन्म किस्सी प्रकार से सम्पणि से आप अप
गृह तथा अन्य भवन भूमि "क्वरंगान मूल्व पर्णारात है और उसका मेट या जन्म किसी प्रकार से सम्पणि से आप अप
गामकीय कर्माचारी से जाम अपित को गाई हो उसका नाम व्यासकाय क्षेत्र केला जाम जिल्ला जाम जिल्ला जाम जिल्ला जाम जामकाय क्षेत्र केला जाम जामकाय का जिल्ला जाम जामकाय का जाम ज्यार केला जाम जामकाय का जामक | सम्पणिक का जास कथा क्लीर
गृह तथा अन्य भवन भूमि "क्वरंगान मूल्व पर्णारात है और उसका भेट या जन्म किस्सी प्रकार से सम्पणि से आप अप
गृह तथा अन्य भवन भूमि "क्वरंगान मूल्व पर्णारात है और उसका मेट या जन्म किसी प्रकार से सम्पणि से आप अप
गामकीय कर्माचारी से जाम अपित को गाई हो उसका नाम व्यासकाय क्षेत्र केला जाम जिल्ला जाम जिल्ला जाम जिल्ला जाम जामकाय क्षेत्र केला जाम जामकाय का जिल्ला जाम जामकाय का जाम ज्यार केला जाम जामकाय का जामक | सम्पणिक का जाम कथा क्यीर
गृह तथा अन्य भवन भूमि "क्वर्मम मृत्य प्र भारित है और उसका में द्र या अन्य किस्त प्रकार से सम्पणि से अप्र
सम्पणिक के और उसका में द्र या अन्य किस्त प्रकार से सम्पणिक अप्र
सम्पणिक के निर्माणिक सम्पणिक सम्पणिक सम्पणिक अप्र
सम्पणिक के निर्माणिक सम्पणिक सम्पणिक सम्पणिक स्था अप्र
(2) (3) (4) (5) (5) (7) | सम्पणिक का जास कथा क्लीर
गृह तथा अन्य भवन भूमि "क्वरंगान मूल्व पर्णारात है और उसका भेट या जन्म किस्सी प्रकार से सम्पणि से आप अप
गृह तथा अन्य भवन भूमि "क्वरंगान मूल्व पर्णारात है और उसका मेट या जन्म किसी प्रकार से सम्पणि से आप अप
गामकीय कर्माचारी से जाम अपित को गाई हो उसका नाम व्यासकाय क्षेत्र केला जाम जिल्ला जाम जिल्ला जाम जिल्ला जाम जामकाय क्षेत्र केला जाम जामकाय का जिल्ला जाम जामकाय का जाम ज्यार केला जाम जामकाय का जामक | सम्पणिक का जाम कथा क्यीर
गृह तथा अन्य भवन भूमि "क्वर्मम मृत्य प्र भारित है और उसका में द्र या अन्य किस्त प्रकार से सम्पणि से अप्र
सम्पणिक के और उसका में द्र या अन्य किस्त प्रकार से सम्पणिक अप्र
सम्पणिक के निर्माणिक सम्पणिक सम्पणिक सम्पणिक अप्र
सम्पणिक के निर्माणिक सम्पणिक सम्पणिक सम्पणिक स्था अप्र
(2) (3) (4) (5) (5) (7)
 | सम्पणिक का जाम कथा क्यीर
गृह तथा अन्य भवन भूमि "क्वर्मम मृत्य प्र भारित है और उसका में द्र या अन्य किस्त प्रकार से सम्पणि से अप्र
सम्पणिक के और उसका में द्र या अन्य किस्त प्रकार से सम्पणिक अप्र
सम्पणिक के निर्माणिक सम्पणिक सम्पणिक सम्पणिक अप्र
सम्पणिक के निर्माणिक सम्पणिक सम्पणिक सम्पणिक स्था अप्र
(2) (3) (4) (5) (5) (7) | सम्पणिक का जाम कथा क्यीर
गृह तथा अन्य भवन भूमि "क्वर्मम मृत्य प्र भारित है और उसका में द्र या अन्य किस्त प्रकार से सम्पणि से अप्र
सम्पणिक के और उसका में द्र या अन्य किस्त प्रकार से सम्पणिक अप्र
सम्पणिक के निर्माणिक सम्पणिक सम्पणिक सम्पणिक अप्र
सम्पणिक के निर्माणिक सम्पणिक सम्पणिक सम्पणिक स्था अप्र
(2) (3) (4) (5) (5) (7) | सम्पणिक का जास कथा क्लीर
गृह तथा अन्य भवन भूमि "क्वरंगान मूल्व पर्णारात है और उसका भेट या जन्य किस्सी प्रकार से सम्पणि से आप अप
गृह तथा अन्य भवन भूमि "क्वरंगान मूल्व पर्णारात है और उसका मेट या जन्य किस्सी प्रकार से सम्पणि से आप अप
गामकीय कर्माचारी से तथा अवंग को गाई हो उसका नाम विक्र आप प्रमासकारी है । तथा अवंग को गाई हो उसका नाम जापिक आप प्रमासकारी है । तथा व्याप का विक्र आप व्याप तथा व्याप स्वर्थ है । (६) (१) (१) | | |
| | ग्रीएस करना संभव न हो, बहा महीयान निश्नीत के सन्दर्भ में स्ताभग मृत्य वहताया नाए। | भिरिक्ता समित है हो बही बहेपान स्थिति है अन्दर्भ में स्वाभग मृत्य यहताया नाए। | भिष्णः करता संभवत हो खहा सिमान स्थिति के सन्दर्भ में स्वाभ्या भूट्य व्यवस्ताया जाए। |
 | | | | |
 | | | | |
 | | | |
 | | | | | |
 | | | | |
 | | (5) (4) (5) | | (3) (4) (5) | (3) (4) (5)
 | (2) (4) (5) (6) (7) | (2) (4) (5) (7) (7) | (3) (4) (5) (6) (7) | (2) (4) (5) (7) | (5) (4) (5) (5) (7) | गृह तथा अन्य थवन भूमि "ध्वर्तान मृत्य पर भारत है। यो उस वस्त
अवार वस्ता ग्रमा
गृह तथा अन्य थवन भूमि "ध्वर्तान मृत्य पर भारत है। यो अन्य विस्ती प्रकार से सम्माति से आप अजन की वार्राय और विस्ति आप अभिया को वार्षक आप स्था संबंध है अधित को गई है। उसका मान तथा स्वंध है विस्ति को गई है। उसका मान तथा स्वंध है (६) (१) (१) | पांद स्थ्य के वाम तथा ज्ञार विकास अकार अभिते किया गया ज्ञार वाम कर्म कार अभिते किया गया ज्ञार वाम कर्म कर्म किया प्रदा, क्रफ, विरासत, माम्पति है और उसका भी कार से माम्पति है और उसका कार से ज्ञार कर्म किया अज्ञार से माम्पति है आप अज्ञार की गांप ज्ञार के माम्पति है ज्ञार कर्म की गांप ज्ञार के वामिक आया कर्म की गांप ज्ञार कार्म कार्म कार्मिक आया कार्म का | सरपाठ का जान तथा ज्यार
जातपाश्चर कि कुड़ किसके नाम
गृह तथा अन्य धवन भूमि ""मर्तमान मूल्य पर भारित है और उसका
स्था प्रकार से निस्से अन्य धवन की गाँउ अन्य मिस्से आस्तिक आय्
स्था प्रकार से नाम अन्य किसी प्रकार से सम्मिति की
सम्मितिक आय्
सम्मितिक सम्मितिक सम्म | सम्पति का जाम तथा क्योर
गृह तथा अन्य भवत भूमि ""यतंगान मूल्य पर भारित है और उसका भेट या अन्य किसी प्रकार से सम्पति से आप अन्य किसी प्रकार से समिति का सामिक आप प्रमासिकों है । अप अन्य किसी प्रकार से समिति का सिक आप प्रमासिकों है । अप अन्य सिक से गाई हो उसका नाम स्था सिक आप अपित की गई हो उसका नाम (१) (६) (७) (७) | सम्पणि का जाम तथा व्यक्ति स्वा जिल्ला हो तो हो किस प्रकार अजित किस प्रकार मान्य पर्णात है जीर हसके नान ""क्वीत, प्रद्य, वंपक, विरासत, मन्य पर्णात है जीर हसके नान मेंद्र या जन्म किसी प्रकार से सम्पति से आप अजित की तार्राय और विस्ती प्रकार से सम्पति से आप अजित की तार्राय और विस्ति आप स्वापिक आप स्वापिक आप अप समिय है । ता अजित की तार्राय की तार्राय की तार्राय की तार्राय की तार्राय की वार्षिक आप स्वापिक आप समिय है । ता जिल्ला जान हमा जातिक आप विस्ति आप अप समिय है । ता जिल्ला जान हमा जातिक आप विस्ति आप विस्ति की तार्राय की तार्य की तार्राय की तार्राय की तार्राय की तार्राय की तार्राय की तार्य की तार्राय की तार्राय की तार्राय की तार्राय की तार्राय की तार्य की तार्राय की तार्राय की तार्राय की तार्राय की तार्राय की तार्य की तार्राय की तार्राय की तार्राय की तार्राय की तार्राय की तार्य की तार्राय की तार्राय की तार्राय की तार्राय की तार्राय की तार्य की तार्राय की तार्राय की तार्राय की तार्राय की तार्राय की तार्य की तार्राय की तार्राय की तार्राय की तार्राय की तार्राय की तार्य की तार्राय की तार्राय की तार्राय की तार्राय की तार्राय की तार्य की तार्राय की तार्राय की तार्राय की तार्य की तार्राय की तार्य की तार्राय की तार्य क | सम्पणिक का जास कथा क्यों. गृह तथा अन्य भवन भूमि "क्वंतमा मुन्य पर ग्रोहो को हो किस अकार आजेत किया ग्राम सम्पण्य पर भारित हो हो हो के किस अकार में मुन्य पर भारित है और उसका में मुन्य पर भारित हो ग्राह हो वसका नाम समित आप अवस्त्र किस में ग्राह को ग्रह हो | सम्पणि का जाए तथा क्यों स्वयं के जांच प्र च हो तो उसे किस प्रकार आंजेत किया गया
कतत्तार्थ कि वह किसके नाम ""व्योद, प्रद्या, वंधक, वितासत
पर भारित है और उसका
भूमि पर भारित है और उसका
सारकाय क्रम्मं का महं हो उसका नाम
स्या संबंध है अप अज्ञेन को तार्राय और रिकास का विक आय
स्या संबंध है (5) (5) (7)
 | सम्पणि का जाए तथा क्यों स्वयं के जांच प्र च हो तो उसे किस प्रकार आंजेत किया गया
कतत्तार्थ कि वह किसके नाम ""व्योद, प्रद्या, वंधक, वितासत
पर भारित है और उसका
भूमि पर भारित है और उसका
सारकाय क्रम्मं का महं हो उसका नाम
स्या संबंध है अप अज्ञेन को तार्राय और रिकास का विक आय
स्या संबंध है (5) (5) (7) | सम्पणिक का जास कथा क्यों. गृह तथा अन्य भवन भूमि "क्वंतमा मुन्य पर ग्रोहो को हो किस अकार आजेत किया ग्राम सम्पण्य पर भारित हो हो हो के किस अकार में मुन्य पर भारित है और उसका में मुन्य पर भारित हो ग्राह हो वसका नाम समित आप अवस्त्र किस में ग्राह को ग्रह हो | सम्पणिक का जास कथा क्यों. गृह तथा अन्य भवन भूमि "क्वंतमा मुन्य पर ग्रोहो को हो किस अकार आजेत किया ग्राम सम्पण्य पर भारित हो हो हो के किस अकार में मुन्य पर भारित है और उसका में मुन्य पर भारित हो ग्राह हो वसका नाम समित आप अवस्त्र किस में ग्राह को ग्रह हो | सम्पणि का जाम तथा क्योंते. गृह तथा अन्य भवन भूमि "क्वंतमान मून्य पर भारित है और उसका मेंद्र या अन्य किस्तों प्रकार से सम्पणि के आप अपन्य किस के आप अपन्य किस के अपन्य किस किस के अपन्य किस किस किस के अपन्य किस के अपन्य किस के अपन्य किस किस किस किस के अपन्य क | सम्पणि का जाम तथा क्योंते. गृह तथा अन्य भवन भूमि "क्वंतमान मून्य पर भारित है और उसका मेंद्र या अन्य किस्तों प्रकार से सम्पणि के आप अपन्य किस के आप अपन्य किस के अपन्य किस किस के अपन्य किस किस किस के अपन्य किस के अपन्य किस के अपन्य किस किस किस किस के अपन्य क | सम्पणिक का जास कथा क्यों. गृह तथा अन्य भवन भूमि "क्वंतमा मुन्य पर ग्रोहो को हो किस अकार आजेत किया ग्राम सम्पण्य पर भारित हो हो हो के किस अकार में मुन्य पर भारित है और उसका में मुन्य पर भारित हो ग्राह हो वसका नाम समित आप अवस्त्र किस में ग्राह को ग्रह हो | सम्पणि का जाम तथा क्योंते. गृह तथा अन्य भवन भूमि "क्वंतमान मून्य पर भारित है और उसका मेंद्र या अन्य किस्तों प्रकार से सम्पणि के आप अपन्य किस के आप अपन्य किस के अपन्य किस किस के अपन्य किस किस किस के अपन्य किस के अपन्य किस के अपन्य किस किस किस किस के अपन्य क | सम्पणिक का जास कथा क्यों. गृह तथा अन्य भवन भूमि "क्वंतमा मुन्य पर ग्रोहो को हो किस अकार आजेत किया ग्राम सम्पण्य पर भारित हो हो हो के किस अकार में मुन्य पर भारित है और उसका में मुन्य पर भारित हो ग्राह हो वसका नाम समित आप अवस्त्र किस में ग्राह को ग्रह हो
 | सम्पणिक का जास कथा क्यों. गृह तथा अन्य भवन भूमि "क्वंतमा मुन्य पर ग्रोहो की हिस्सके नाम "क्वंतमा मुन्य पर भारित है और उसका में मेंद्र या अन्य किसी प्रकार से सम्पणिय आप्रास्तकार के ना अवस्य किसी प्रकार से सम्पणिय किसी प्रकार से सम्पणिय किसी प्रकार से सम्पणिय किसी प्रकार के सम्पणिय किसी प्रकार से सम्पणिय किसी प्रकार से सम्पणिय किसी प्रकार से सम्पणिय किसी प्रकार के सम्पणिय किसी प्रकार के सम्पणिय के सम्पणिय किसी प्रकार के समित किसी किसी प्रकार के समित किसी किसी किसी किसी किसी किसी किसी किसी | सम्पणिक का जास कथा क्यों. गृह तथा अन्य भवन भूमि "क्वंतमा मुन्य पर ग्रोहो की हिस्सके नाम "क्वंतमा मुन्य पर भारित है और उसका में मेंद्र या अन्य किसी प्रकार से सम्पणिय आप्रास्तकार के ना अवस्य किसी प्रकार से सम्पणिय किसी प्रकार से सम्पणिय किसी प्रकार से सम्पणिय किसी प्रकार के सम्पणिय किसी प्रकार से सम्पणिय किसी प्रकार से सम्पणिय किसी प्रकार से सम्पणिय किसी प्रकार के सम्पणिय किसी प्रकार के सम्पणिय के सम्पणिय किसी प्रकार के समित किसी किसी प्रकार के समित किसी किसी किसी किसी किसी किसी किसी किसी | सम्पणि का जाम तथा क्योंते. गृह तथा अन्य भवन भूमि "क्वंतमान मून्य पर भारित है और उसका मेंद्र या अन्य किस्तों प्रकार से सम्पणि के आप अपन्य किस के आप अपन्य किस के अपन्य किस किस के अपन्य किस किस किस के अपन्य किस के अपन्य किस के अपन्य किस किस किस किस के अपन्य क | | |
| | भिरिक्ता संभव त हो, बहा बहेपान स्थिति है अन्दर्भ में स्ताभग मृहय यहताया नाए। | भिरिक्त करता संभव त को खहा बहेपान स्थिति है अन्त्र भ में स्ताभग मृहय यहताया गाए। | भिएस करना संध्य त हो, खहा सहोत्तन स्थिति के सन्दर्भ में लगभग मृख्य यतलाया जाए। |
 | | | | |
 | | | | |
 | | | |
 | | | | | |
 | | | | |
 | | | | | (5) (4) (5)
 | (6) (6) | (2) (4) (5) (6) (7) | (2) (4) (5) (6) (7) | (2) (4) (5) (7) | (2) (4) (5) (6) (7) | ाह तथा अन्य भवन भूमि "भवंतात मृत्य का ग्रांच अर १ हा वा उस कस्त
आवा क्षित ग्रांच जिल्हा है कि कि नाम "ध्वरीद, युद्ध, वश्क विरासत, प्रांच विरास का प्रांच का कि जा का | संस्थाय की शांत तथा ज्यांत
बार्तावाय के स्वयंत के स्वयंत्र के स्वयंत | संस्था का जान तथा ज्यार व्हार के जाम अप न हो जो उसे किस प्रकार अपित किया गया कारणाया कारणाया के जिसके नाम ""किर्वाद प्रद्रा वंपक विकास में सम्मिति है और उसका में मेंद या अन्य किसी प्रकार से सम्मिति है और उसका मेंद या अन्य किसी प्रकार से सम्मिति है और उसका नाम वार्षिक आयु अपित की गई हो उसका नाम वार्षिक आयु अपित की गई हो उसका नाम वार्षिक आयु (2) (3) (4) (5) (5) | अस्पर्ध का जान तथा क्योरि
गृह तथा अन्य शक्त भूमि
गृह तथा अन्य शक्त भूमि
स्थारित है और उसका
भूमि
स्थारित है और उसका
स्थारित है और उसका
स्थारित है और उसका
स्थारित की गहें हो उसका नाम
स्थारित की गहें हो उसका नाम
(2) (4) (5) (7) | सम्पर्ध का जान तथा ज्ञां
कारताहरें कि बढ़ किसके जान ""क्वरीर, प्रद्या, वंपक, विरापत
गृह तथा अन्य भवन भूषि ""क्वरीना मूल्य एए थारित है और उसका में दे या अन्य किसी प्रकार से
सम्पर्धि है और उसका में दे या अन्य विराप्त को तार्य अर्थित को गह हो उसका नाम
स्या संबंध है अर्थित को गह हो उसका नाम
(2) (3) (4) (5) (5) | सम्पतिका नाम कथा क्योंरे
कतताहरें कि जड़ किसके नाम ""ध्योद, प्रद्य, वंधक, विज्ञात
मृह तथा अन्य थवन भूमि "वर्षना मृत्य पर भारित है और उसका मेट या अन्य किसी प्रकार से
स्पा संबंध है के अभित को गांध अपन को गांध अपन को गांध का मान
स्पा संबंध है कि को नाई को वराका नाम
स्पा संबंध है कि को नाई को वराका नाम
(2) (3) (4) (5) (5) (7)
 | सम्पतिका जान तथा क्योर
कारताहरे कि जह किसके नाम ""धर्मीट, प्रट्रा, बंधक, विरासत,
गृह तथा अन्य भवन भूमि "कर्तनान मूल्य पर भारित है और उसका भेट या अन्य किसी प्रकार से
स्पा स्पंबंध है और उसका भेट या अन्य किसी प्रकार से
स्पा संबंध है अंग अजन की वाराख और विरास
स्पा संबंध है कि (5) (5) (7) | सम्पतिका जान तथा क्योर
कारताहरे कि जह किसके नाम ""धर्मीट, प्रट्रा, बंधक, विरासत,
गृह तथा अन्य भवन भूमि "कर्तनान मूल्य पर भारित है और उसका भेट या अन्य किसी प्रकार से
स्पा स्पंबंध है और उसका भेट या अन्य किसी प्रकार से
स्पा संबंध है अंग अजन की वाराख और विरास
स्पा संबंध है कि (5) (5) (7) | सम्पतिका नाम कथा क्योंरे
कतताहरें कि जड़ किसके नाम ""ध्योद, प्रद्य, वंधक, विज्ञात
मृह तथा अन्य थवन भूमि "वर्षना मृत्य पर भारित है और उसका मेट या अन्य किसी प्रकार से
स्पा संबंध है के अभित को गांध अपन को गांध अपन को गांध का मान
स्पा संबंध है कि को नाई को वराका नाम
स्पा संबंध है कि को नाई को वराका नाम
(2) (3) (4) (5) (5) (7) | सम्पतिका नाम कथा क्योंरे
कतताहरें कि जड़ किसके नाम ""ध्योद, प्रद्य, वंधक, विज्ञात
मृह तथा अन्य थवन भूमि "वर्षना मृत्य पर भारित है और उसका मेट या अन्य किसी प्रकार से
स्पा संबंध है के अभित को गांध अपन को गांध अपन को गांध का मान
स्पा संबंध है कि को नाई को वराका नाम
स्पा संबंध है कि को नाई को वराका नाम
(2) (3) (4) (5) (5) (7) | सम्पतिका नाम कथा क्योंरे
सम्पतिका नाम कथा क्योंरे किया ग्रम
गृह तथा अन्य थवन भूमि कैयान मुल्य पर भारित है और उसका मेट या अन्य किसी प्रकार से सम्पति में अन
स्था संबंध है और उसका मेट या अन्य किसी प्रकार से सम्पति में अन
स्था संबंध है अंग अन्य की गांव और जिससे कार्यिक आप कार्यिक आप
स्था संबंध है अंग अन्य की गांव और जिससे कार्यिक आप कार्यिक कार्यिक कार्यिक कार्यिक आप कार्यिक कार्य कार्यिक कार्य क | सम्पतिका नाम कथा क्योंरे
सम्पतिका नाम कथा क्योंरे किया ग्रम
गृह तथा अन्य थवन भूमि कैयान मुल्य पर भारित है और उसका मेट या अन्य किसी प्रकार से सम्पति में अन
स्था संबंध है और उसका मेट या अन्य किसी प्रकार से सम्पति में अन
स्था संबंध है अंग अन्य की गांव और जिससे कार्यिक आप कार्यिक आप
स्था संबंध है अंग अन्य की गांव और जिससे कार्यिक आप कार्यिक कार्यिक कार्यिक कार्यिक आप कार्यिक कार्य कार्यिक कार्य क | सम्पतिका नाम कथा क्योंरे
कतताहरें कि जड़ किसके नाम ""ध्योद, प्रद्य, वंधक, विज्ञात
मृह तथा अन्य थवन भूमि "वर्षना मृत्य पर भारित है और उसका मेट या अन्य किसी प्रकार से
स्पा संबंध है के अभित को गांध अपन को
गांध अपन को गांध का मान
स्पा संबंध है कि को नाई को वराका नाम
स्पा संबंध है कि को नाई को वराका नाम
(2) (3) (4) (5) (5) (7) | सम्पतिका नाम कथा क्योंरे
सम्पतिका नाम कथा क्योंरे किया ग्रम
गृह तथा अन्य थवन भूमि कैयान मुल्य पर भारित है और उसका मेट या अन्य किसी प्रकार से सम्पति में अन
स्था संबंध है और उसका मेट या अन्य किसी प्रकार से सम्पति में अन
स्था संबंध है अंग अन्य की गांव और जिससे कार्यिक आप कार्यिक आप
स्था संबंध है अंग अन्य की गांव और जिससे कार्यिक आप कार्यिक कार्यिक कार्यिक कार्यिक आप कार्यिक कार्य कार्यिक कार्य क | सम्पतिका नाम कथा क्योंदे
सम्पतिका नाम ""ध्योद्ध पुर्वा प्रथक दिस्ता नाम ""ध्योद्ध पुर्वा प्रथक दिस्ता, मुन्नि "ध्योद्ध पित्र प्रद्या प्रथक दिस्ता, मुन्नि "ध्योद्ध प्रथमित है और उसका मेट्र या अपन्न दिस्ती प्रकार से सम्पति से आस्त्राय स्था संबंध है अपन्न सम्पति से आस्त्राय और विश्वस नाम स्था संबंध है अपन्न सम्पत्र से आस्त्राय और विश्वस नाम अपित को गई हो उसका नाम व्या संबंध है (5) (7) (7) | सम्पतिका नाम कथा क्योंदे
सम्पतिका नाम ""ध्योद्ध पुर्वा प्रथक दिस्ता नाम ""ध्योद्ध पुर्वा प्रथक दिस्ता, मुन्नि "ध्योद्ध पित्र प्रद्या प्रथक दिस्ता, मुन्नि "ध्योद्ध प्रथमित है और उसका मेट्र या अपन्न दिस्ती प्रकार से सम्पति से आस्त्राय स्था संबंध है अपन्न सम्पति से आस्त्राय और विश्वस नाम स्था संबंध है अपन्न सम्पत्र से आस्त्राय और विश्वस नाम अपित को गई हो उसका नाम व्या संबंध है (5) (7) (7) | सम्पतिका नाम कथा क्योंदे
सम्पतिका नाम ""ध्योद्ध पुर्वा प्रथक दिस्ता नाम ""ध्योद्ध पुर्वा प्रथक दिस्ता, मुन्नि "ध्योद्ध पित्र प्रद्या प्रथक दिस्ता, मुन्नि "ध्योद्ध प्रथमित है और उसका मेट्र या अपन्न दिस्ती प्रकार से सम्पति से आस्त्राय स्था संबंध है अपन्न सम्पति से आस्त्राय और विश्वस नाम स्था संबंध है अपन्न सम्पत्र से आस्त्राय और विश्वस नाम अपित को गई हो उसका नाम व्या संबंध है (5) (7) (7) | सम्पतिका नाम कथा क्योंरे
सम्पतिका नाम कथा क्योंरे किया ग्रम
गृह तथा अन्य थवन भूमि कैयान मुल्य पर भारित है और उसका मेट या अन्य किसी प्रकार से सम्पति में अन
स्था संबंध है और उसका मेट या अन्य किसी प्रकार से सम्पति में अन
स्था संबंध है अंग अन्य की गांव और जिससे कार्यिक आप कार्यिक आप
स्था संबंध है अंग अन्य की गांव और जिससे कार्यिक आप कार्यिक कार्यिक कार्यिक कार्यिक आप कार्यिक कार्य कार्यिक कार्य क |
	ग्रीएसः क्रास्ता संभव त हो, बहा घतेमान निश्नीत के सन्दर्भ में सामभा मृत्य वतताया नाए।	भिरिक्ता समित है हो बही बहेपान स्थिति है सन्दर्भ में स्तामग मृत्य यहताया नाए।	भीएस करना संभवन हो, खर्घा सत्मान स्थिति के सन्दर्भ में स्वाभ्या भूट्य व्यवत्याया जाए।	
 | | | | |
 | | | | |
 | | | |
 | | | | | |
 | | | | |
 | (3) (4) (5) | | | (3) (4) (5) | (5) (4) (6)
 | (5) (4) (6) (7) | (2) (4) (5) (6) (7) | (a) (b) (c) (c) (c) (c) (d) (d) (d) (d) (d) (d) (d) (d) (d) (d | (5) (4) (6) (7) | (2) (4) (5) (7) | गढ़ तथा अन्य भवत भूमि "वर्तमार मूल्य प्रशासित है जिस्से नाम
""व्यर्गत, प्रस्ता मुन्य प्रसास किसार मुन्य प्रसास है जीर उसका में स्थास किसार मुन्य प्रसासकीय कैमियारी से जाय अर्जन की वार्राव और किसार जाय किसार कार्य प्रसासकीय कैमियारी से अर्जन की वार्राव और किसार जाय किसार कार्य प्रसासकीय कैमियारी से अर्जन की वार्राव और किसार जाय किसार कार्यित की वार्राव और किसार जाय किसार कार्यित की वार्राव और किसार जाय किसार कार्यित की वार्राव और किसार कार्य कार्य किसार कार्य किसार कार्य किसार कार्य कार्य कार्य किसार कार्य केस किसार कार्य | पाद स्था के जान तथा जार
अत्याद स्था के जान | सार्था के जान तथा ज्यार
जारावारी के जान प्रत न हो सो उसे किस्त मान
महि तथा अन्य धवन भवन भूमि "कर्तमा मूल्य प्रथातित है और उसका
भूमि मुक्त प्रयासकाय के जारावार से सम्मिति के आ
भूमि मुक्त प्रयासकाय के जारावार से सम्मिति के आ
प्रणासकाय कर्मचार्ग से अपनि की गाँउ अपनि स्ति आयोग क्रियोग मान
सम्मिति की गाँउ विस्ति मान
तथा स्विध है (६) (१) (१) | सस्पति का जान तथा क्योर
गृह तथा अन्य धवन भूमि ""वर्तनाम्युव्य प्र भारत है और उसका मेंट या अन्य किसी प्रकार से सम्मिति से आप
गृह तथा अन्य धवन भूमि ""वर्तनाम्युव्य प्र भारत है और उसका मेंट या अन्य किसी प्रकार से सम्मिति से आप
ग्रामकीय कर्मावारी से जापा अन्य मेंदि को तार्पक और विस्ते आप
स्या संबंध है (६) (१) (१) | सम्पतिका जान तथा क्रीरि
गृह तथा अन्य ध्वन ध्वन भूमि
प्रधारित है और उसका में द्वा अन्य किसी प्रकार से
सम्पतित है और उसका में दे या अन्य किसी प्रकार से
सम्पतित है और उसका में
शासकीय क्रमंचारी से
न्या संबंध है और उसका नाम
स्या संबंध है (5) (6) (7) | सम्पतिका नाम तथा क्योंरे
सम्पतिका नाम ""ध्योद्ध प्रद्या वंधक, विश्वास
क्रावताहर कि तह किसके नाम ""ध्योद्ध प्रद्या वंधक, विश्वास
पर भारित है और उसका मेंट्र या अन्य किसी प्रकार से
सम्पतिक से या अन्य में की उसका नाम
तथा स्वयं है । उसका नाम
तथा स्वयं है । उसका नाम
सम्पतिक से या अन्य में की उसका नाम
तथा स्वयं है । उसका नाम
सम्पतिक स्वयं किसी प्रकार से
सम्पतिक अन्य किसी अन्य स्वर स्वर स्वर स्वर स्वर स्वर स्वर स्वर | सम्पणिका जान तथा ब्योर
कतताहर कि ग्रह किसके नाम ""धर्याद, प्रद्या, बंधक, विश्वास,
गृह तथा अन्य भवन भूमि "वर्तनान मूल्य पर भारित है और उसका भेट या अन्य किसी प्रकार से
गासकोय कर्मचारी से जाया अन्य की गारिक आयु
स्पा संबंध है जीर उसका मान
स्पा संबंध है और उसका मान
स्पा संबंध है जीर वसका मान
हिंदी की गह हो उसका मान
हिंदी की गह हो अन्य मान
हिंदी की गह है अन्य मान
हिंदी की गह हो अन्य मान
हिंदी की गह है अन्य मान
हिंदी की मान
हिंदी की गह है अन्य मान
हिंदी की गह है अन्य मान
हिंदी की मान | सम्पणिका जान तथा ब्योर
कतताहर कि ग्रह किसके नाम ""धर्याद, प्रद्या, बंधक, विश्वास,
गृह तथा अन्य भवन भूमि "वर्तनान मूल्य पर भारित है और उसका भेट या अन्य किसी प्रकार से
गासकोय कर्मचारी से जाया अन्य की गारिक आयु
स्पा संबंध है जीर उसका मान
स्पा संबंध है अजित की गाह हो उसका मान
तथा व्यासकीय कर्मचारी से अजित की गाह हो उसका मान
तथा व्यासकीय (६) (७) (७)
 | सम्पतिका नाम तथा क्योंरे
सम्पतिका नाम ""ध्योद्ध प्रद्या वंधक, विश्वास
क्रावताहर कि तह किसके नाम ""ध्योद्ध प्रद्या वंधक, विश्वास
पर भारित है और उसका मेंट्र या अन्य किसी प्रकार से
सम्पतिक से या अन्य में की उसका नाम
तथा स्वयं है । उसका नाम
तथा स्वयं है । उसका नाम
सम्पतिक से या अन्य में की उसका नाम
तथा स्वयं है । उसका नाम
सम्पतिक स्वयं किसी प्रकार से
सम्पतिक अन्य किसी अन्य स्वर स्वर स्वर स्वर स्वर स्वर स्वर स्वर | सम्पतिका नाम तथा क्योंरे
सम्पतिका नाम ""ध्योद्ध प्रद्या वंधक, विश्वास
क्रावताहर कि तह किसके नाम ""ध्योद्ध प्रद्या वंधक, विश्वास
पर भारित है और उसका मेंट्र या अन्य किसी प्रकार से
सम्पतिक से या अन्य में की उसका नाम
तथा स्वयं है । उसका नाम
तथा स्वयं है । उसका नाम
सम्पतिक से या अन्य में की उसका नाम
तथा स्वयं है । उसका नाम
सम्पतिक स्वयं किसी प्रकार से
सम्पतिक अन्य किसी अन्य स्वर स्वर स्वर स्वर स्वर स्वर स्वर स्वर | सम्पतिका मान कथा क्योंरि
निकास प्रकार आर्थित कि वह किसके नाम ""क्योद, वर्द्य, वंपक, विसास,
मृह तथा अन्य भवन भूमि "कर्वनान मृत्य पर आरित है और उसका में दे या अन्य किसी प्रकार से
सम्पत्ति है और उसका में दे या अन्य किसी प्रकार से
सम्पत्ति के और वसका नाम निकास कार्या क्यों कर वसका नाम कार्या कार्या कार्या क्यों कर वसका नाम कार्या क्यों कर वसका नाम कार्या कर वसका नाम कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्य कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्य कार्या कार्य कार्या कार्य कार्या कार्य | सम्पतिका मान कथा क्योंरि
निकास प्रकार आर्थित कि वह किसके नाम ""क्योद, वर्द्य, वंपक, विसास,
मृह तथा अन्य भवन भूमि "कर्वनान मृत्य पर आरित है और उसका में दे या अन्य किसी प्रकार से
सम्पत्ति है और उसका में दे या अन्य किसी प्रकार से
सम्पत्ति के और वसका नाम निकास कार्या क्यों कर वसका नाम कार्या कार्या कार्या क्यों कर वसका नाम कार्या क्यों कर वसका नाम कार्या कर वसका नाम कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्य कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्य कार्या कार्य कार्या कार्य कार्या कार्य | सम्पतिका नाम तथा क्योंरे
सम्पतिका नाम ""ध्योद्ध प्रद्या वंधक, विश्वास
क्रावताहर कि तह किसके नाम ""ध्योद्ध प्रद्या वंधक, विश्वास
पर भारित है और उसका मेंट्र या अन्य किसी प्रकार से
सम्पतिक से या अन्य में की उसका नाम
तथा स्वयं है । उसका नाम
तथा स्वयं है । उसका नाम
सम्पतिक से या अन्य में की उसका नाम
तथा स्वयं है । उसका नाम
सम्पतिक स्वयं किसी प्रकार से
सम्पतिक अन्य किसी अन्य स्वर स्वर स्वर स्वर स्वर स्वर स्वर स्वर | सम्पतिका मान कथा क्योंरि
निकास प्रकार आर्थित कि वह किसके नाम ""क्योद, वर्द्य, वंपक, विसास,
मृह तथा अन्य भवन भूमि "कर्वनान मृत्य पर आरित है और उसका में दे या अन्य किसी प्रकार से
सम्पत्ति है और उसका में दे या अन्य किसी प्रकार से
सम्पत्ति के और वसका नाम निकास कार्या क्यों कर वसका नाम कार्या कार्या कार्या क्यों कर वसका नाम कार्या क्यों कर वसका नाम कार्या कर वसका नाम कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्य कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्य कार्या कार्य कार्या कार्य कार्या कार्य | सम्पतिका नाम तथा क्योंरे
सम्पतिका नाम ""ध्योद्ध प्रद्या वंधक, विश्वास
क्रावताहर कि तह किसके नाम ""ध्योद्ध प्रद्या वंधक, विश्वास
पर भारित है और उसका मेंट्र या अन्य किसी प्रकार से
सम्पतिक से या अन्य में की उसका नाम
तथा स्वयं है । उसका नाम
तथा स्वयं है । उसका नाम
सम्पतिक से या अन्य में की उसका नाम
तथा स्वयं है । उसका नाम
सम्पतिक स्वयं किसी प्रकार से
सम्पतिक अन्य किसी अन्य स्वर स्वर स्वर स्वर स्वर स्वर स्वर स्वर | सम्पतिका नाम तथा क्योंरे
सम्पतिका नाम ""ध्योद्ध प्रद्या वंधक, विश्वास
क्रावताहर कि तह किसके नाम ""ध्योद्ध प्रद्या वंधक, विश्वास
पर भारित है और उसका मेंट्र या अन्य किसी प्रकार से
सम्पतिक से या अन्य में की उसका नाम
तथा स्वयं है । उसका नाम
तथा स्वयं है । उसका नाम
सम्पतिक से या अन्य में की उसका नाम
तथा स्वयं है । उसका नाम
सम्पतिक स्वयं किसी प्रकार से
सम्पतिक अन्य किसी अन्य स्वर स्वर स्वर स्वर स्वर स्वर स्वर स्वर | सम्पतिका नाम तथा क्योंरे
सम्पतिका नाम ""ध्योद्ध प्रद्या वंधक, विश्वास
क्रावताहर कि तह किसके नाम ""ध्योद्ध प्रद्या वंधक, विश्वास
पर भारित है और उसका मेंट्र या अन्य किसी प्रकार से
सम्पतिक से या अन्य में की उसका नाम
तथा स्वयं है । उसका नाम
तथा स्वयं है । उसका नाम
सम्पतिक से या अन्य में की उसका नाम
तथा स्वयं है । उसका नाम
सम्पतिक स्वयं किसी प्रकार से
सम्पतिक अन्य किसी अन्य स्वर स्वर स्वर स्वर स्वर स्वर स्वर स्वर
 | सम्पतिका मान कथा क्योंरि
निकास प्रकार आर्थित कि वह किसके नाम ""क्योद, वर्द्य, वंपक, विसास,
मृह तथा अन्य भवन भूमि "कर्वनान मृत्य पर आरित है और उसका में दे या अन्य किसी प्रकार से
सम्पत्ति है और उसका में दे या अन्य किसी प्रकार से
सम्पत्ति के और वसका नाम निकास कार्या क्यों कर वसका नाम कार्या कार्या कार्या क्यों कर वसका नाम कार्या क्यों कर वसका नाम कार्या कर वसका नाम कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्य कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्य कार्या कार्य कार्या कार्य कार्या कार्य |
	भिरिता करना संभव त हो बहा बहेपान स्थिति है अन्दर्भ में स्राभग मृहय वहताया नाए।	भिरिक्त करता संभव त को खहा बहेपान स्थिति है अन्द्रभ में स्ताभग मृहय अत्तायां माए।	भिष्णाः करना संभव न को खर्घ सतेमन स्थिति के सन्दर्भ में लगभग मृत्य बतलाया जाए।	
 | | | | |
 | | | | |
 | | | |
 | | | | | |
 | | | | |
 | | (9) (4) (5) | (5) (5) | | (3) (4) (5)
 | (3) (4) (5) (6) (7) | (2) (4) (5) (6) (7) | (a) (b) (c) (c) (c) (c) | (2) (4) (5) (6) (7) | (2) (4) (5) (6) (7) | गृह तथा अन्य भवत भूमि "धर्तमान मृत्य प्रभारत है और उसका भेर
प्रज्ञात क्रिया ज्ञात क्रिया ज्ञाय क्रिया क्रिय क्रिया क्रया क्रिया क्रया क्रिया | पाद स्था के जा तम तथा जार
अततात्र कि के कि | सस्पाद की जीम तथा व्याद
बिल्लाइपी कि इष्ट किमके नाम
गृह तथा अन्य पवन भूमि ** वर्तमान मूल्य पर भारित है और उसको
स्था प्रवार को तार्र और जिसको नाम
स्था प्रवार है अपि को तार्र को तार्र और जिसके आयु
स्था प्रवार है अपि को तार्र को वर्रास नाम
स्था प्रवार है (६) (७) | सम्पति का जान तथा ज्योर, बार तथा अपन प्रकार मुनि ""वर्तमान मूल्य प्र भारित है और उसको मेंट या अपन किसी प्रकार से सम्पति से अपन प्रकार किसी प्रकार से सम्पति से आप अपन प्रकार किसी प्रकार से सम्पति से आप अपन स्वार्थ है जीर उसको नाम अपन स्वार्थ है अपन अपन स्वार्थ है अपन अपन स्वार्थ है अपन स्वर्थ है अपन स्वार्थ है अपन स्वर | सम्पति का जान तथा ज्योर
बतलाइये कि इंद किसके जान
गृह तथा अन्य पवन भूमि "*वर्तमान मूल्य प्र भारित है और उसका मेट या अन्य किसी प्रकार से सम्पत्ति से अप
सासकीय कर्मचारी से जापांख और जिसके आयु
स्पा संबंध है अप तथा खाँचिक आयु
स्पा संबंध है अप तथा खाँचिक आयु
स्पा संबंध है (6) (7) | सम्पति का जान कथा क्यों
गृह तथा अन्य भवन भूमि "वर्तमान मृत्य पर भारित है और उसका में देश या अन्य किसी प्रकार से सम्पति से आ
शासकोव कर्मकारी से जाग अर्थन की तारीख और जिससे वार्षिक आय
स्या सर्वण है जिस्से की तारीख और जिससे वार्षिक आय
स्या सर्वण है जाग अर्थन की तारीख और जिससे वार्षिक आय
स्या सर्वण है जागित की गाई हो उसका नाम
(2) (3) (4) (5) (5) (7) | सम्पति का जान क्ष्म क्ष्मि प्रदे हत्व के जान प्रप न हो तो उसे किस प्रकार अजिंत किया ग्रम्
बतताहरों कि तह किसके नाम ""वर्तमान मूल्य प्र भारित है और उसका ने में द्या अन्य किसी प्रकार से सम्पति से आप अजन की तारीख और विसस स्थापिक आप स्था सर्वेष है अप अजन की तारीख और विसस स्थापिक आप स्था सर्वेष है अप अजन की तारीख और विसस स्थापिक आप स्था सर्वेष है अप अजन की तारीख और विसस स्थापिक आप स्था सर्वेष है अप अजन की तारीख और विसस स्थापिक स्था सर्वेष है अप अजन की तारीख और विसस स्थापिक स्था सर्वेष है अप अजन की तारीख और विसस मान
 | सम्पति का जान क्ष्म क्ष्मि प्रदे हत्व के जान प्रप न हो तो उसे किस प्रकार अजिंत किया ग्रम्
बतताहरों कि तह किसके नाम ""वर्तमान मूल्य प्र भारित है और उसका ने में द्या अन्य किसी प्रकार से सम्पति से आप अजन की तारीख और विसस स्थापिक आप स्था सर्वेष है अप अजन की तारीख और विसस स्थापिक आप स्था सर्वेष है अप अजन की तारीख और विसस स्थापिक आप स्था सर्वेष है अप अजन की तारीख और विसस स्थापिक आप स्था सर्वेष है अप अजन की तारीख और विसस स्थापिक स्था सर्वेष है अप अजन की तारीख और विसस स्थापिक स्था सर्वेष है अप अजन की तारीख और विसस मान | सम्पति का जान कथा क्यों
गृह तथा अन्य भवन भूमि "वर्तमान मृत्य पर भारित है और उसका में देश या अन्य किसी प्रकार से सम्पति से आ
शासकोव कर्मकारी से जाग अर्थन की तारीख और जिससे वार्षिक आय
स्या सर्वण है जिस्से की तारीख और जिससे वार्षिक आय
स्या सर्वण है जाग अर्थन की तारीख और जिससे वार्षिक आय
स्या सर्वण है जागित की गाई हो उसका नाम
(2) (3) (4) (5) (5) (7) | सम्पति का जान कथा क्यों
गृह तथा अन्य भवन भूमि "वर्तमान मृत्य पर भारित है और उसका में देश या अन्य किसी प्रकार से सम्पति से आ
शासकोव कर्मकारी से जाग अर्थन की तारीख और जिससे वार्षिक आय
स्या सर्वण है जिस्से की तारीख और जिससे वार्षिक आय
स्या सर्वण है जाग अर्थन की तारीख और जिससे वार्षिक आय
स्या सर्वण है जागित की गाई हो उसका नाम
(2) (3) (4) (5) (5) (7) | सम्पति का जान कथा क्यों
गृह तथा अन्य भवन भूमि "वर्तमान मूल्य ए भारित है और उसका मेर या अन्य किसी प्रकार से सम्पति से अ
शासकीय कर्मचारी से आप अर्जन की तारीख और जिससे बार्षिक आय
स्या सर्वण है अपित करा को तारीख और जिससे बार्षिक आय
स्या सर्वण है अपित को तारीख और जिससे बार्षिक आय
स्या सर्वण है अपित को ग्रह हो बसका नाम (77) | सम्पति का जान कथा क्यों
गृह तथा अन्य भवन भूमि "वर्तमान मूल्य ए भारित है और उसका मेर या अन्य किसी प्रकार से सम्पति से अ
शासकीय कर्मचारी से आप अर्जन की तारीख और जिससे बार्षिक आय
स्या सर्वण है अपित करा को तारीख और जिससे बार्षिक आय
स्या सर्वण है अपित को तारीख और जिससे बार्षिक आय
स्या सर्वण है अपित को ग्रह हो बसका नाम (77)
 | सम्पति का जान कथा क्यों
गृह तथा अन्य भवन भूमि "वर्तमान मृत्य पर भारित है और उसका में देश या अन्य किसी प्रकार से सम्पति से आ
शासकोव कर्मकारी से जाग अर्थन की तारीख और जिससे वार्षिक आय
स्या सर्वण है जिस्से की तारीख और जिससे वार्षिक आय
स्या सर्वण है जाग अर्थन की तारीख और जिससे वार्षिक आय
स्या सर्वण है जागित की गाई हो उसका नाम
(2) (3) (4) (5) (5) (7) | सम्पति का जान कथा क्यों
गृह तथा अन्य भवन भूमि "वर्तमान मूल्य ए भारित है और उसका मेर या अन्य किसी प्रकार से सम्पति से अ
शासकीय कर्मचारी से आप अर्जन की तारीख और जिससे बार्षिक आय
स्या सर्वण है अपित करा को तारीख और जिससे बार्षिक आय
स्या सर्वण है अपित को तारीख और जिससे बार्षिक आय
स्या सर्वण है अपित को ग्रह हो बसका नाम (77) | सम्पति का जान कथा क्यों
गृह तथा अन्य भवन भूमि "वर्तमान मृत्य पर भारित है और उसका में देश या अन्य किसी प्रकार से सम्पति से आ
शासकोव कर्मकारी से जाग अर्थन की तारीख और जिससे वार्षिक आय
स्या सर्वण है जिस्से की तारीख और जिससे वार्षिक आय
स्या सर्वण है जाग अर्थन की तारीख और जिससे वार्षिक आय
स्या सर्वण है जागित की गाई हो उसका नाम
(2) (3) (4) (5) (5) (7) | सम्पति का जान कथा क्यों
गृह तथा अन्य भवन भूमि "वर्तमान मृत्य पर भारित है और उसका में देश या अन्य किसी प्रकार से सम्पति से आ
शासकोव कर्मकारी से जाग अर्थन की तारीख और जिससे वार्षिक आय
स्या सर्वण है जिस्से की तारीख और जिससे वार्षिक आय
स्या सर्वण है जाग अर्थन की तारीख और जिससे वार्षिक आय
स्या सर्वण है जागित की गाई हो उसका नाम
(2) (3) (4) (5) (5) (7) | सम्पति का जान कथा क्यों
गृह तथा अन्य भवन भूमि "वर्तमान मृत्य पर भारित है और उसका में देश या अन्य किसी प्रकार से
सम्पति से आ
शासकोव कर्मकारी से जाग अर्थन की तारीख और जिससे वार्षिक आय
स्या सर्वण है जिस्से की तारीख और जिससे वार्षिक आय
स्या सर्वण है जाग अर्थन की तारीख और जिससे वार्षिक आय
स्या सर्वण है जागित की गाई हो उसका नाम
(2) (3) (4) (5) (5) (7) | सम्पति का जान कथा क्यों
गृह तथा अन्य भवन भूमि "वर्तमान मूल्य ए भारित है और उसका मेर या अन्य किसी प्रकार से सम्पति से अ
शासकीय कर्मचारी से आप अर्जन की तारीख और जिससे बार्षिक आय
स्या सर्वण है अपित करा को तारीख और जिससे बार्षिक आय
स्या सर्वण है अपित को तारीख और जिससे बार्षिक आय
स्या सर्वण है अपित को ग्रह हो बसका नाम (77) |
	भोएस करना संभव न हो जहां विस्पान निश्नोह के अन्द्र भी में स्ताभमा मृत्य जतताया जाए।	भिरित्यः करता संभव त हो बहा बरीमान स्थिति हे सन्दर्भ में स्राभग मृत्य वहताया नाए।	। जिस्सी स्वास्तित स्वास्तित स्वास्ता स्वास्ता आहु।	
 | | | | |
 | | | | |
 | | | |
 | | | | | |
 | | | | |
 | | | | (6) (7) | (5) (4) (7)
 | (5) (4) (5) (6) | (2) (4) (5) (7) | (3) (4) (5) (6) (7) | (3) (4) (5) (5) (7) | (2) (4) (5) (6) (7) | ्राह तथा अन्य भवन भूमि "ध्वर्तमान मृत्य प्रभारत है और उसका
""खांद प्रद्रा बेफक, विरासत, मृत्य मान्य प्रभारत है और उसका में स्प्रमान मृत्य प्रभारत है और उसका में स्प्रमान मृत्य प्रभारत है और उसका में स्प्रमान मृत्य प्रभारत है और उसका मान्य प्रभारत है और उसका मान्य अपने कर्म मान्य मान्य है मान्य प्रभारत है और विरासत मान्य प्रभारत है भी प्रभारत है और विरासत मान्य प्रभारत | सामा कहा जाने तम तथा जार
जारवाड़ने कि इंडिसके नाम ""व्योद्ध प्रदा, बंधक, विसास
प्राप्त भारत है और उसको में प्रदा, बंधक, विस्स आव
शासकोद कर्मवारी से नाम अर्जन की वार्यव और विस्स आव
स्था संबंध है अपित अपित और विस्स वार्या
स्था संबंध है अपित अपित और विस्स वार्या
स्था संबंध है (5) (5) (7) | सस्पाद की जास तथा ज्यार
बिल्लाप्त कि जुड़ किसके नाम
गृह तथा अन्य परन भूमि "कितमान मूल्य
पर भारत है और उसको मेंट या अन्य किसी प्रकार से
सासकीय कर्मचारी से नाम अर्जन की वारीख और जिससे
स्पान्तकीय कर्मचारी से नाम अर्जन की वारीख और जिससे
स्पान्तकीय कर्मचारी से नाम अर्जन की वारीख और जिससे
सासकीय कर्मचारी से नाम कर्मचारा नाम
(2) (3) (4) (5) (7) | सम्पति का जान तथा ज्योरि
बतल्याप्रेमी कि वह कि सेक जान
गृह तथा अन्य भवन भूमि " "वर्तमान मूल्य प्र भारित है और उसका मेट या अन्य किसी प्रकार से सम्पत्ति से आस्कार किमी प्रकार से आस्कार किमी प्रकार की वारोख और विस्ते आय्र
स्पा स्वंध है (2) (3) (4) (5) (5) (7) | सम्पति का जान तथा क्यों. गृह तथा अन्य भवत भूति "क्विताम मूल्य ए भारित है जीर उसका में अपूर्या, बंधका, विरासता मुल्य ए भारित है और उसका में रेट या जान्य किसी प्रकार से सम्पति से आप अर्जन की तारीख और जिससे वार्षिक आप स्था सर्वध है (2) (3) (4) (5) (5) (7) | सम्पति का जान क्ष्ण क्ष्मी
कारलाइये कि ग्रह क्रिस्ते जान "" व्यक्तान मूल्य पर भारत है जीर उसका में दे या जान्य किसी प्रकार से सम्पत्ति में आप अर्जन की वार्राख जीर जिससे जाये क्ष्मी जा अर्जन की वार्राख जीर जिससे जाये का क्षिक आय स्था संबंध है अर्जन की वार्राख जीर जिससे जाये का क्षिक आय स्था संबंध है (३) (४) (६) (७) (७)
 | सम्पति का जान तथा क्योर
वारताइये कि ग्रह किसके नाम ""विदेशन मृत्य प्र थारित है और उसका में "वार्यनान मृत्य प्र थारित है और उसका में या अन्य किसी प्रकार से सम्पति में आप अर्थन की वार्यक और किससे आप क्यों की वार्यक की वा | सम्पति का जान तथा क्योर
वारताइये कि ग्रह किसके नाम ""विदेशन मृत्य प्र थारित है और उसका में "वार्यनान मृत्य प्र थारित है और उसका में या अन्य किसी प्रकार से सम्पति में आप अर्थन की वार्यक और किससे आप क्यों की वार्यक की वा | सम्पति का जान क्ष्ण क्ष्मी
कारलाइये कि ग्रह क्रिस्ते जान "" व्यक्तान मूल्य पर भारत है जीर उसका में दे या जान्य किसी प्रकार से सम्पत्ति में आप अर्जन की वार्राख जीर जिससे जाये क्ष्मी जा अर्जन की वार्राख जीर जिससे जाये का क्षिक आय स्था संबंध है अर्जन की वार्राख जीर जिससे जाये का क्षिक आय स्था संबंध है (३) (४) (६) (७) (७) | सम्पति का जान क्ष्ण क्ष्मी
कारलाइये कि ग्रह क्रिस्ते जान "" व्यक्तान मूल्य पर भारत है जीर उसका में दे या जान्य किसी प्रकार से सम्पत्ति में आप अर्जन की वार्राख जीर जिससे जाये क्ष्मी जा अर्जन की वार्राख जीर जिससे जाये का क्षिक आय स्था संबंध है अर्जन की वार्राख जीर जिससे जाये का क्षिक आय स्था संबंध है (३) (४) (६) (७) (७) | सम्पति का जान तथा क्यों
गृह तथा अन्य भवन भूमि "वर्तमान मूल्व पर भारित है और उसका में देश या अन्य किसी प्रकार से सम्पत्ति में आप अन्य की वार्राय और कार्य की वार्राय और कार्य की वार्राय की वार्य की | सम्पति का जान तथा क्यों
गृह तथा अन्य भवन भूमि "वर्तमान मूल्व पर भारित है और उसका में देश या अन्य किसी प्रकार से सम्पत्ति में आप अन्य की वार्राय और कार्य की वार्राय और कार्य की वार्राय की वार्य की | सम्पति का जान क्ष्ण क्ष्मी
कारलाइये कि ग्रह क्रिस्ते जान "" व्यक्तान मूल्य पर भारत है जीर उसका में दे या जान्य किसी प्रकार से सम्पत्ति में आप अर्जन की वार्राख जीर जिससे जाये क्ष्मी जा अर्जन की वार्राख जीर जिससे जाये का क्षिक आय स्था संबंध है अर्जन की वार्राख जीर जिससे जाये का क्षिक आय स्था संबंध है (३) (४) (६) (७) (७) | सम्पति का जान तथा क्यों
गृह तथा अन्य भवन भूमि "वर्तमान मूल्व पर भारित है और उसका में देश या अन्य किसी प्रकार से सम्पत्ति में आप अन्य की वार्राय और कार्य की वार्राय और कार्य की वार्राय की वार्य की | सम्पति का जान क्ष्ण क्ष्मी
कारलाइये कि ग्रह क्रिस्ते जान "" व्यक्तान मूल्य पर भारत है जीर उसका में दे या जान्य किसी प्रकार से सम्पत्ति में आप अर्जन की वार्राख जीर जिससे जाये क्ष्मी जा अर्जन की वार्राख जीर जिससे जाये का क्षिक आय स्था संबंध है अर्जन की वार्राख जीर जिससे जाये का क्षिक आय स्था संबंध है (३) (४) (६) (७) (७)
 | सम्पति का जान क्ष्ण क्ष्मी
कारलाइये कि ग्रह क्रिस्ते जान "" व्यक्तान मूल्य पर भारत है जीर उसका में दे या जान्य किसी प्रकार से सम्पत्ति में आप अर्जन की वार्राख जीर जिससे जाये क्ष्मी जा अर्जन की वार्राख जीर जिससे जाये का क्षिक आय स्था संबंध है अर्जन की वार्राख जीर जिससे जाये का क्षिक आय स्था संबंध है (३) (४) (६) (७) (७) | सम्पति का जान क्ष्ण क्ष्मी
कारलाइये कि ग्रह क्रिस्ते जान "" व्यक्तान मूल्य पर भारत है जीर उसका में दे या जान्य किसी प्रकार से सम्पत्ति में आप अर्जन की वार्राख जीर जिससे जाये क्ष्मी जा अर्जन की वार्राख जीर जिससे जाये का क्षिक आय स्था संबंध है अर्जन की वार्राख जीर जिससे जाये का क्षिक आय स्था संबंध है (३) (४) (६) (७) (७) | सम्पति का जान तथा क्यों
गृह तथा अन्य भवन भूमि "वर्तमान मूल्व पर भारित है और उसका में देश या अन्य किसी प्रकार से सम्पत्ति में आप अन्य की वार्राय और कार्य की वार्राय और कार्य की वार्राय की वार्य की | | |
| | भोरण करना संभव न हो जहां महीयान स्थिति हे सन्दर्भ में सामभा मृत्य वहताया नाए। | भिरिक्त करता संभव त को बहा बरोधान स्थिति है झन्द्रम में स्राभग मृहय यहताया नाए। | भीएमा करना संभव न हो, खहा सतिमन स्थिति के सन्दर्भ में स्वाभ्या मृत्य व्यवत्याया जाए। |
 | | | | |
 | | | | |
 | | | |
 | | | | | |
 | | | | |
 | | | | (5) (4) (5) |
 | (6) (6) (7) | (2) (4) (5) (7) | (2) (4) (5) (6) (7) | (2) (4) (5) (5) (7) | (2) (4) (5) (6) (7) | पढ़ क्यां अन्य पवन भूमि "व्यतमान मृत्य पर भारति है और उसका मेर
या जन्य किया है अप | बार क्या जा क्या ज्या क्या जा का जा का का जा का क्या क्या क्या क्या का जा का का जा | सस्पाक कहा जान तथा क्यांत. बतलाध्य कि कहा किसके जान ""वितान मूल्य पर धारित है और उसके जान ""वितान मूल्य पर धारित है और उसके जान मेंद्र या करन किस प्रकार में सम्माति से अप शासकीय कर्मचारी से जान अप कर्मचारी से जान अप कर्मचारी से जान अप कर्मचारी से जान अप अप जान कर्मचारी से जान अप कर्मचारी से जान अप कर्मचारी से जान अप अप जान वासकीय क्रांत के पर कर्मचारी से जान अप जान वासकीय क्रांत के गई हो उसका नाम क्रांत के जान जान कर्मचारी से जान अप जान कर्मचारी से जान कर्मचारी से जान अप जान कर्मचारी से जान अप जान कर्मचारी से जान अप जान कर्मचारी से जान करने करने करने करने करने करने करने करन | सम्पाद का जान क्षण कारि. बतलावरी कि बंद किसके नान ""खरीर, प्रद्या कंपक, विरासत, पर्पात है और उसका मेंद्र या अन्य किसी प्रकार से सम्पति से अप्र शासकीय कर्मवारी से जान अवंत को गाँउ अप्र शासकीय क्षण कर्मवारी से जान अवंत को गाँउ अप्र शासकीय क्षण व्यासकीय क्षण व्यसकीय क्षण व्यासकीय क्षण व्यसकीय क्षण व्यासकीय क्षण व्यासकीय क्षण व्यासकीय क्षण व्यासकीय क्रासकीय क्षण व्यासकीय क्षण व्यासकी | सम्पृष्टि का जान क्षणा क्योंहे. बत्ताहरी कि बहु किसके जान ""कर्वाद, जरूरा, वंपक, विरासत, प्राप्ति है और उसका में दे या अन्य किसी प्रकार से सम्पृष्टि में अप शास्ति है और उसका में दे या अपन्य किसी प्रकार से सम्पृष्टि में आस्कीय कर्मचारी से जाप अर्जन को तारीख और जिससे वार्षिक आयु स्था संबंध है अपन्य अर्जन को तारीख और जिससे वार्षिक आयु स्था संबंध है (2) (3) (4) (5) (7) | सम्पति का जान तथा क्यों
कारणाइपे कि ग्रह किसके नाम ""वर्षमान मृत्य प्रभारत है और उसका मेट या जन्म किसी प्रकार में आपिक और विस्तान मृत्य प्रभारत है और उसका मेट या जन्म किसी प्रकार में आपिक और विस्तान मृत्य प्रभारत है और उसका मेट या जन्म किसी प्रकार में आपिक और विस्तान मान कार्यिक जान कार्या क्यों ता क्यों क्यों कार्या कार्या क्यों ता कार्या क्यों क्या क्यों क्यों कार्या क्यों क्या क्या क्या क्या क्या क्या क्या क्या | सम्पति का जान तथा क्योरि
बतताहरी कि वह किसके नाम ""वर्तमान मृत्य प्र थारित है और उसका मेंट या जन्म किसी प्रकार में आपित है और उसका मेंट या जन्म किसी प्रकार में सामित आपित है आपित कर्मचारी से नाम अजन्म की वार्ताव और जिसमें सामित आपित कर्मचारी से नाम अजन्म की वार्ताव और जिसमें सामित आपित कर्मचारी से नाम अजन्म की वार्ताव और जिसमें सामित आपित को गई हो उसका नाम तथा स्वाप है (5) (5) (7)
 | सम्पति का जान तथा क्योरि
बतताहरी कि वह किसके नाम ""वर्तमान मृत्य प्र थारित है और उसका मेंट या जन्म किसी प्रकार में आपित है और उसका मेंट या जन्म किसी प्रकार में सामित आपित है आपित कर्मचारी से नाम अजन्म की वार्ताव और जिसमें सामित आपित कर्मचारी से नाम अजन्म की वार्ताव और जिसमें सामित आपित कर्मचारी से नाम अजन्म की वार्ताव और जिसमें सामित आपित को गई हो उसका नाम तथा स्वाप है (5) (5) (7) | सम्पति का जान तथा क्यों
कारणाइपे कि ग्रह किसके नाम ""वर्षमान मृत्य प्रभारत है और उसका मेट या जन्म किसी प्रकार में आपिक और विस्तान मृत्य प्रभारत है और उसका मेट या जन्म किसी प्रकार में आपिक और विस्तान मृत्य प्रभारत है और उसका मेट या जन्म किसी प्रकार में आपिक और विस्तान मान कार्यिक जान कार्या क्यों ता क्यों क्यों कार्या कार्या क्यों ता कार्या क्यों क्या क्यों क्यों कार्या क्यों क्या क्या क्या क्या क्या क्या क्या क्या | सम्पति का जान तथा क्यों
कारणाइपे कि ग्रह किसके नाम ""वर्षमान मृत्य प्रभारत है और उसका मेट या जन्म किसी प्रकार में आपिक और विस्तान मृत्य प्रभारत है और उसका मेट या जन्म किसी प्रकार में आपिक और विस्तान मृत्य प्रभारत है और उसका मेट या जन्म किसी प्रकार में आपिक और विस्तान मान कार्यिक जान कार्या क्यों ता क्यों क्यों कार्या कार्या क्यों ता कार्या क्यों क्या क्यों क्यों कार्या क्यों क्या क्या क्या क्या क्या क्या क्या क्या | सम्पति का जान तथा क्यों
कारलाइये कि ग्रह क्रिसंक नाम ""वर्षमान मृत्य प्र थारित है और उसका में द्वा प्रकार अजिंत क्रिया ग्रम
मृह तथा अन्य भवन भूमि "वर्षमान मृत्य प्र थारित है और उसका में द्वा अन्य क्रिसंका माम
स्था संबंध है अन्य कर्मा की व्याख और जिससे कार्यिक आवंत की वार्ष के जिससे नाम
स्था संबंध है (६) (१) (१) | सम्पति का जान तथा क्यों
कारलाइये कि ग्रह क्रिसंक नाम ""वर्षमान मृत्य प्र थारित है और उसका में द्वा प्रकार अजिंत क्रिया ग्रम
मृह तथा अन्य भवन भूमि "वर्षमान मृत्य प्र थारित है और उसका में द्वा अन्य क्रिसंका माम
स्था संबंध है अन्य कर्मा की व्याख और जिससे कार्यिक आवंत की वार्ष के जिससे नाम
स्था संबंध है (६) (१) (१)
 | सम्पति का जान तथा क्यों
कारणाइपे कि ग्रह किसके नाम ""वर्षमान मृत्य प्रभारत है और उसका मेट या जन्म किसी प्रकार में आपिक और विस्तान मृत्य प्रभारत है और उसका मेट या जन्म किसी प्रकार में आपिक और विस्तान मृत्य प्रभारत है और उसका मेट या जन्म किसी प्रकार में आपिक और विस्तान मान कार्यिक जान कार्या क्यों ता क्यों क्यों कार्या कार्या क्यों ता कार्या क्यों क्या क्यों क्यों कार्या क्यों क्या क्या क्या क्या क्या क्या क्या क्या | सम्पति का जान तथा क्यों
कारलाइये कि ग्रह क्रिसंक नाम ""वर्षमान मृत्य प्र थारित है और उसका में द्वा प्रकार अजिंत क्रिया ग्रम
मृह तथा अन्य भवन भूमि "वर्षमान मृत्य प्र थारित है और उसका में द्वा अन्य क्रिसंका माम
स्था संबंध है अन्य कर्मा की व्याख और जिससे कार्यिक आवंत की वार्ष के जिससे नाम
स्था संबंध है (६) (१) (१) | सम्पति का जान तथा क्यों
कारणाइपे कि ग्रह किसके नाम ""वर्षमान मृत्य प्रभारत है और उसका मेट या जन्म किसी प्रकार में आपिक और विस्तान मृत्य प्रभारत है और उसका मेट या जन्म किसी प्रकार में आपिक और विस्तान मृत्य प्रभारत है और उसका मेट या जन्म किसी प्रकार में आपिक और विस्तान मान कार्यिक जान कार्या क्यों ता क्यों क्यों कार्या कार्या क्यों ता कार्या क्यों क्या क्यों क्यों कार्या क्यों क्या क्या क्या क्या क्या क्या क्या क्या | सम्पति का जान तथा क्यों
कारणाइपे कि ग्रह किसके नाम ""वर्षमान मृत्य प्रभारत है और उसका मेट या जन्म किसी प्रकार में आपिक और विस्तान मृत्य प्रभारत है और उसका मेट या जन्म किसी प्रकार में आपिक और विस्तान मृत्य प्रभारत है और उसका मेट या जन्म किसी प्रकार में आपिक और विस्तान मान कार्यिक जान कार्या क्यों ता क्यों क्यों कार्या कार्या क्यों ता कार्या क्यों क्या क्यों क्यों कार्या क्यों क्या क्या क्या क्या क्या क्या क्या क्या | सम्पति का जान तथा क्यों
कारणाइपे कि ग्रह किसके नाम ""वर्षमान मृत्य प्रभारत है और उसका मेट या जन्म किसी प्रकार में आपिक और विस्तान मृत्य प्रभारत है और उसका मेट या जन्म किसी प्रकार में आपिक और विस्तान मृत्य प्रभारत है और उसका मेट या जन्म किसी प्रकार में आपिक और विस्तान मान कार्यिक जान कार्या क्यों ता क्यों क्यों कार्या कार्या क्यों ता कार्या क्यों क्या क्यों क्यों कार्या क्यों क्या क्या क्या क्या क्या क्या क्या क्या | सम्पति का जान तथा क्यों
कारलाइये कि ग्रह क्रिसंक नाम ""वर्षमान मृत्य प्र थारित है और उसका में द्वा प्रकार अजिंत क्रिया ग्रम
मृह तथा अन्य भवन भूमि "वर्षमान मृत्य प्र थारित है और उसका में द्वा अन्य क्रिसंका माम
स्था संबंध है अन्य कर्मा की व्याख और जिससे कार्यिक आवंत की वार्ष के जिससे नाम
स्था संबंध है अने क्यों की व्याख्यीत कार्य क्या क्यों त
 |
	भिरिक्ता संभव त हो बहा बहेपान स्थिति है अन्दर्भ में स्राभग मृहण्य वहताया नाए।	भिरिक्त करता संभव त को खहा बहेपान स्थिति है अन्त्र में स्वाभग मृहय यहताया गाए।	भीएणः करना संध्य न हो, खहा खतेमान स्थिति के सन्दर्भ में स्वाभ्या मृख्य यतलाया जाए।	
 | | | | |
 | | | | |
 | | | |
 | | | | | |
 | | | | |
 | | | | (5) (6) (7) | (5) (4) (5)
 | (5) (4) (5) (6) | (2) (4) (6) (6) (7) | (a) (b) (c) (c) (c) (c) (d) (d) (d) (d) (d) (d) (d) (d) (d) (d | (2) (4) (5) (7) | (2) (4) (5) (6) (7) | बंदि प्रदेश के श्री के को अंतर अवत क्षेत्र क्षेत्र के का अंतर
अवत क्षेत्र क्षेत्र का अवत क्ष्मी प्रवाद प्रदेश के को का | संभाव के जान तथा ज्या | सस्पाद करा जान तथा ज्याद करा के जाम भर न हो तो उसे किस प्रकार अभित किया गया
बतलावरी कि बढ़ किसके नान ""विद्या क्ष्मक, बिरासत
गृह तथा अन्य भवन भूमि ""वर्तमान मृत्य प्रभारत है और उसका में दे या अन्य किस प्रकार से सम्मित्त से आप
शासकीय कर्मचारी से जाम अन्य क्रिया ज्ञास क्रिक आय
स्मा संबंध है अपि उसका नाम अपिक आय
स्मा संबंध है (३) (५) (१) | सम्पण्डिका जान क्षणा क्यों. गृह तथा अन्य भवन भूमि "वितेमान मून्य पर थारित है और उसका में द्वा प्रमन्त किया, ब्रांक, विरासत, मुस्यि पर थारित है और उसका में दि या अन्य किसी प्रकार से सम्पति से आप अर्जन की गाँउ की व्यास्कित आप स्था के मंचारी से जाभा अर्जन की गाँउ को व्यास्कित आप स्था है है। उसका मान तथा संबंध है की व्यास्कित की गाँउ को व्यास्कित को गाँउ की व्यास्कित आप स्था है है। उसका मान तथा स्था है है। उसका मान तथा स्था है है। उसका मान तथा संबंध है है है है है। है। है। है। है। है। है। | सम्पृष्टि का जान केषा क्यों. गृह तथा अन्य भवन भूमि "विदेमान मूल्य पर भारत है और उसका में ज्याद, प्रद्या बंधक, विरासत, मस्प्रि में अन्य स्थाप के नेपा अन्य किसी प्रकार में सम्प्रि में अन्य अन्य किसी प्रकार में सम्प्रि में अन्य अन्य किसी प्रकार में सम्प्रि में अन्य अन्य किसी ग्राप्त की | सम्पिक का जान तथा क्यों. बतलाइये कि वह किसंके जान ""खोर, प्रद्रा इंधक, विरास. गृह तथा अन्य भवन भूमि "धर्तमान मूल्य पर भारित है और उसका भेट या अन्य किसी प्रकार से सम्मिसे अभ शासकीय क्रमेवारी से जाण अर्जन की तारीख और जिससे वार्षिक आंख्र पर मासकीय क्रमेवारी से जाण अर्जन की तारीख और जिससे वार्षिक आंख्र अर्थन की तार्षिक आंख्र आंख्र अर्थन की तार्षिक अर्थन की तार्षिक आंख्र अर्थन की तार्षिक अ | सम्पिक का जान तथा क्यों. बत्ता प्राप्त के जान के | सम्पिक का जान तथा क्यों. बत्ता प्राप्त के जान के | सम्पिक का जान तथा क्यों. बतलाइये कि वह किसंके जान ""खोर, प्रद्रा इंधक, विरास. गृह तथा अन्य भवन भूमि "धर्तमान मूल्य पर भारित है और उसका भेट या अन्य किसी प्रकार से सम्मिसे अभ शासकीय क्रमेवारी से जाण अर्जन की तारीख और जिससे वार्षिक आंख्र पर मासकीय क्रमेवारी से जाण अर्जन की तारीख और जिससे वार्षिक आंख्र अर्थन की तार्षिक आंख्र आंख्र अर्थन की तार्षिक अर्थन की तार्षिक आंख्र अर्थन की तार्षिक अ |
सम्पिक का जान तथा क्यों. बतलाइये कि वह किसंके जान ""खोर, प्रद्रा क्रफ, क्रिया गया बतलाइये कि वह किसंके जान ""खोर, प्रद्रा क्रफ, क्रिया गया पर भारित है और उसका पर भारिक केर्न को गरिव को गरिव केरिया जान प्रमास्किय है अजित को गरिव केरिया जान पर भारिक का अपनित को गरिव केरिया जान पर भारिक को अपनित को गरिव केरिया जान पर भारिक को का अपनित को भारिक का अपनित को गरिव केरिय जान पर भारिक को अपनित को भारिक का अपनित को गरिव केरिय जान पर भारिक को का अपनित को अपनित को गरिव केरिय जान पर भारिक को अपनित को अपनित को अपनित को गरिव केरिय जान पर भारिक को अपनित को अपनित को अपनित को गरिव केरिय जान पर भारिक को अपनित को अपनित को अपनित को गरिव केरिय जान पर भारिक को अपनित को अपनित को अपनित को गरिव केरिय जान पर भारिक को अपनित को अपनित को अपनित को अपनित को गरिव केरिय जान पर भारिक को अपनित केरिय जान पर भारिक केरिय क | सम्पष्टिका जान कथा क्यों. बतलाइये कि वह किसंके जान ""खाद, प्रद्र्य बेफ, बिरासत, जाजीत किया जान करवाद, प्रद्र्य बेफ, बिरासत, मुस्सि में अम् सारित है और उसका में या अन्य किसी प्रकार में सम्प्रीम में अम् शासकीय कर्मचारी से जाग अर्थन की वारीख और विस्त मान यासकीय कर्मचारी से जाग अर्थन की वारीख और विस्त मान यासकीय क्रमचारी से अम् अर्थन की वारीख और विस्त मान यासकीय क्रमचारी से अम् अर्थन की वारीख और विस्त मान विस्त आयोग अर्थन की वारीख और विस्त मान विस्त की वारीख और विस्त मान तथा स्विध है (2) (5) (7) | सम्पष्टिका जान कथा क्यों. बतलाइये कि वह किसंके जान ""खाद, प्रद्र्य बेफ, बिरासत, जाजीत किया जान करवाद, प्रद्र्य बेफ, बिरासत, मुस्सि में अम् सारित है और उसका में या अन्य किसी प्रकार में सम्प्रीम में अम् शासकीय कर्मचारी से जाग अर्थन की वारीख और विस्त मान यासकीय कर्मचारी से जाग अर्थन की वारीख और विस्त मान यासकीय क्रमचारी से अम् अर्थन की वारीख और विस्त मान यासकीय क्रमचारी से अम् अर्थन की वारीख और विस्त मान विस्त आयोग अर्थन की वारीख और विस्त मान विस्त की वारीख और विस्त मान तथा स्विध है (2) (5) (7) | सम्पिक का जान तथा क्यों. बतलाइये कि वह किसंके जान ""खोर, प्रद्रा क्रफ, क्रिया गया बतलाइये कि वह किसंके जान ""खोर, प्रद्रा क्रफ, क्रिया गया पर भारित है और उसका पर भारिक केर्न को गरिव को गरिव केरिया जान प्रमास्किय है अजित को गरिव केरिया जान पर भारिक का अपनित को गरिव केरिया जान पर भारिक को अपनित को गरिव केरिया जान पर भारिक को का अपनित को भारिक का अपनित को गरिव केरिय जान पर भारिक को अपनित को भारिक का अपनित को गरिव केरिय जान पर भारिक को का अपनित को अपनित को गरिव केरिय जान पर भारिक को अपनित को अपनित को अपनित को गरिव केरिय जान पर भारिक को अपनित को अपनित को अपनित को गरिव केरिय जान पर भारिक को अपनित को अपनित को अपनित को गरिव केरिय जान पर भारिक को अपनित को अपनित को अपनित को गरिव केरिय जान पर भारिक को अपनित को अपनित को अपनित को अपनित को गरिव केरिय जान पर भारिक को अपनित केरिय जान पर भारिक केरिय क | सम्पष्टिका जान कथा क्यों. बतलाइये कि वह किसंके जान ""खाद, प्रद्र्य बेफ, बिरासत, जाजीत किया जान करवाद, प्रद्र्य बेफ, बिरासत, मुस्सि में अम् सारित है और उसका में या अन्य किसी प्रकार में सम्प्रीम में अम् शासकीय कर्मचारी से जाग अर्थन की वारीख और विस्त मान यासकीय कर्मचारी से जाग अर्थन की वारीख और विस्त मान यासकीय क्रमचारी से अम् अर्थन की वारीख और विस्त मान यासकीय क्रमचारी से अम् अर्थन की वारीख और विस्त मान विस्त आयोग अर्थन की वारीख और विस्त मान विस्त की वारीख और विस्त मान तथा स्विध है (2) (5) (7) | सम्पिक का जान तथा क्यों. बतलाइये कि वह किसंके जान ""खोर, प्रद्रा क्रफ, क्रिया गया बतलाइये कि वह किसंके जान ""खोर, प्रद्रा क्रफ, क्रिया गया पर भारित है और उसका पर भारिक केर्न को गरिव को गरिव केरिया जान प्रमास्किय है अजित को गरिव केरिया जान पर भारिक का अपनित को गरिव केरिया जान पर भारिक को अपनित को गरिव केरिया जान पर भारिक को का अपनित को भारिक का अपनित को गरिव केरिय जान पर भारिक को अपनित को भारिक का अपनित को गरिव केरिय जान पर भारिक को का अपनित को अपनित को गरिव केरिय जान पर भारिक को अपनित को अपनित को अपनित को गरिव केरिय जान पर भारिक को अपनित को अपनित को अपनित को गरिव केरिय जान पर भारिक को अपनित को अपनित को अपनित को गरिव केरिय जान पर भारिक को अपनित को अपनित को अपनित को गरिव केरिय जान पर भारिक को अपनित को अपनित को अपनित को अपनित को गरिव केरिय जान पर भारिक को अपनित केरिय जान पर भारिक केरिय क | सम्पिक का जान तथा क्यों. बतलाइये कि वह किसंके जान ""खोर, प्रद्रा क्रफ, क्रिया गया बतलाइये कि वह किसंके जान ""खोर, प्रद्रा क्रफ, क्रिया गया पर भारित है और उसका पर भारिक केर्न को गरिव को गरिव केरिया जान प्रमास्किय है अजित को गरिव केरिया जान पर भारिक का अपनित को गरिव केरिया जान पर भारिक को अपनित को गरिव केरिया जान पर भारिक को का अपनित को भारिक का अपनित को गरिव केरिय जान पर भारिक को अपनित को भारिक का अपनित को गरिव केरिय जान पर भारिक को का अपनित को अपनित को गरिव केरिय जान पर भारिक को अपनित को अपनित को अपनित को गरिव केरिय जान पर भारिक को अपनित को अपनित को अपनित को गरिव केरिय जान पर भारिक को अपनित को अपनित को अपनित को गरिव केरिय जान पर भारिक को अपनित को अपनित को अपनित को गरिव केरिय जान पर भारिक को अपनित को अपनित को अपनित को अपनित को गरिव केरिय जान पर भारिक को अपनित केरिय जान पर भारिक केरिय क | सम्पिक का जान तथा क्यों. बतलाइये कि वह किसंके जान ""खोर, प्रद्रा क्रफ, क्रिया गया बतलाइये कि वह किसंके जान ""खोर, प्रद्रा क्रफ, क्रिया गया पर भारित है और उसका पर भारिक केर्न को गरिव को गरिव केरिया जान प्रमास्किय है अजित को गरिव केरिया जान पर भारिक का अपनित को गरिव केरिया जान पर भारिक को अपनित को गरिव केरिया जान पर भारिक को का अपनित को भारिक का अपनित को गरिव केरिय जान पर भारिक को अपनित को भारिक का अपनित को गरिव केरिय जान पर भारिक को का अपनित को अपनित को गरिव
केरिय जान पर भारिक को अपनित को अपनित को अपनित को गरिव केरिय जान पर भारिक को अपनित को अपनित को अपनित को गरिव केरिय जान पर भारिक को अपनित को अपनित को अपनित को गरिव केरिय जान पर भारिक को अपनित को अपनित को अपनित को गरिव केरिय जान पर भारिक को अपनित को अपनित को अपनित को अपनित को गरिव केरिय जान पर भारिक को अपनित केरिय जान पर भारिक केरिय क | सम्पष्टिका जान कथा क्यों. बतलाइये कि वह किसंके जान ""खाद, प्रद्र्य बेफ, बिरासत, जाजीत किया जान करवाद, प्रद्र्य बेफ, बिरासत, मुस्सि में अम् सारित है और उसका में या अन्य किसी प्रकार में सम्प्रीम में अम् शासकीय कर्मचारी से जाग अर्थन की वारीख और विस्त मान यासकीय कर्मचारी से जाग अर्थन की वारीख और विस्त मान यासकीय क्रमचारी से अम् अर्थन की वारीख और विस्त मान यासकीय क्रमचारी से अम् अर्थन की वारीख और विस्त मान विस्त आयोग अर्थन की वारीख और विस्त मान विस्त की वारीख और विस्त मान तथा स्विध है (2) (5) (7) |
	भोएस करना संभव न हो जहां महोतान स्थिति के सन्दर्भ में स्ताभग मृत्य वहताया जाए।	भिरिक्ता समित है हो बही बहेपान स्थिति है झन्द्रश में स्वाभग मृहय यहताया नाए।	भीएसा करना संध्यान हो खार्च सोस्पान स्थिति के सन्दर्भ में स्वाभ्या मृत्य यवतनाया जाए।	
 | | | | |
 | | | | |
 | | | |
 | | | | | |
 | | | | |
 | | (5) (6) (7) | | | (3) (4) (5)
 | (6) (6) (7) | (5) (6) (7) | (5) (4) (6) (7) | (5) (4) (5) (7) | (5) (4) (5) (6) (7) | भाद करा करा अकार आजत किया है। तो उस किया क्ष्मा क्ष्मा
करातापूर्य किया है। विकास अकार आजत किया ग्राप्त के जीत करा किया है। विकास के जीत करा के किया के जीत | सन्भाव के व्यापत के व्याप | सस्पात के बा जान गया क्यार
गृह तथा अन्य भवन भूमि ""चर्तमान मृत्य पर धारित है और उसका मेंद्र या अन्य किसी प्रकार से सम्पति में आ
सासकीय कुर्मचारी से जापा अन्य की तार्जिक और जिस्सी मान
सासकीय कुर्मचारी से जापा अन्य की तार्जिक और जिस्सी मान
स्या संबंध है अभित की गाई हो उसका नाम
स्या संबंध है (6) (7) | सस्पाद का जान तथा क्यां क्यां है कि में नाम पर न हो नो टिस प्रकार अभित्र प्रद्या, बंधक, किरासत, प्राप्त है जीर उसका मेंट या अन्य किसी प्रकार से प्रमासिन में आप अन्य किसी प्रकार से प्रमासिन में आप अन्य किसी प्रकार से प्रमासिन का मासकीय कर्मचारी से जाप अन्य की तारीख और जिससे वासिक आप प्रमासिक आप अभित की गई हो उसका नाम हो उसका नाम हो अप अन्य की तारीख और जिससे वासिक आप प्रमासिक हो है । अप अन्य की तारीख और जिससे वासिक आप प्रमासिक हो है । अप अन्य की तारीख और जिससे वासिक आप प्रमासिक हो । (३) (४) (१) | सम्पंदि का जान केवा जान केवा जा पदि खंद के में जांच गंप ज हो तो हो हो किस प्रकार अभिनेत किया जाया कराताप्रये किया जाया कराताप्रये किया केवा जाया करायाप्रये केवा जाया करायाप्रये केवा जाया कराया केवा केवा जाया कराया केवा जाया कराया केवा केवा जाया कराया केवा जाया कराया केवा केवा जाया कराया केवा केवा केवा केवा केवा केवा केवा केव | सम्पित्र का जास तथा क्योंते. बत्ता प्राप्त के जाम कर्म कर्म कर्म कर्म कर्म कर्म कर्म कर् | सम्पिक का जास तथा क्यों. बत्ता प्रमिक के बोध आ न हो सी उसे किया गया बत्ता प्रमिक के बिरमके नाम बत्ता अपने प्रमुद्ध है अपने के बोध अपने किया गया पर भारत है और उसका भीर या अन्य किसी प्रकार से सम्मिसे अप शासकीय के निया अपने की तार्थ और विस्ते सम्मिसे के अपने की तार्थ और विस्ते सम्मिसे है अपने क्योंत की गई हो उसका नाम (2) (3) (4) (5) (5) (7)
 | सम्पिक का जास तथा क्यों. बत्ता प्रमिक के बोध आ न हो सी उसे किया गया बत्ता प्रमिक के बिरमके नाम बत्ता अपने प्रमुद्ध है अपने के बोध अपने किया गया पर भारत है और उसका भीर या अन्य किसी प्रकार से सम्मिसे अप शासकीय के निया अपने की तार्थ और विस्ते सम्मिसे के अपने की तार्थ और विस्ते सम्मिसे है अपने क्योंत की गई हो उसका नाम (2) (3) (4) (5) (5) (7) | सम्पित्र का जास तथा क्योंते. बत्ता प्राप्त के जाम कर्म कर्म कर्म कर्म कर्म कर्म कर्म कर् | सम्पित्र का जास तथा क्योंते. बत्ता प्राप्त के जाम कर्म कर्म कर्म कर्म कर्म कर्म कर्म कर् | सम्पष्टिका नाम कथा क्योंते. बत्तावाप्री कि वह किसके नाम ""खाद, प्रद्य, बंधक, विरासत, प्रदा क्यांत, वे ना जन्म किसी प्रकार, से सम्मिति से ना जन्म किसी प्रकार, ने सम्मिति से ना जन्म किसी प्रकार, से सम्मिति से ना जन्म किसी प्रकार, ने सम्मिति से ना जन्म किसी प्रकार, से समिति से समिति से समिति किसी किसी प्रकार, से समिति से समिति किसी प्रकार, निर्माण किसी किसी प्रकार, से समिति से समिति किसी किसी प्रकार, से समिति से समिति किसी प्रकार, से समिति किसी प्रकार, से समिति किसी किसी किसी किसी किसी किसी किसी किस | सम्पष्टिका नाम कथा क्योंते. बत्तावाप्री कि वह किसके नाम ""खाद, प्रद्य, बंधक, विरासत, प्रदा क्यांत, वे ना जन्म किसी प्रकार, से सम्मिति से ना जन्म किसी प्रकार, ने सम्मिति से ना जन्म किसी प्रकार, से सम्मिति से ना जन्म किसी प्रकार, ने सम्मिति से ना जन्म किसी प्रकार, से समिति से समिति से समिति किसी किसी प्रकार, से समिति से समिति किसी प्रकार, निर्माण किसी किसी प्रकार, से समिति से समिति किसी किसी प्रकार, से समिति से समिति किसी प्रकार, से समिति किसी प्रकार, से समिति किसी किसी किसी किसी किसी किसी किसी किस | सम्पित्र का जास तथा क्योंते. बत्ता प्राप्त के जाम कर्म कर्म कर्म कर्म कर्म कर्म कर्म कर्
 | सम्पष्टिका नाम कथा क्योंते. बत्तावाप्री कि वह किसके नाम ""खाद, प्रद्य, बंध्क, विरासत, प्रदासनीय कर्माचारी से न्या जन्म किसी प्रकार, से सम्मिति से आस्कान क्ष्माचारी से निया अन्य किसी प्रकार, से सम्मिति से आस्कान क्षमाचारी से निया अन्य किसी प्रकार, निया क्षमिक आप्रवास कर्माचारी से अभिया क्षित को वार्षिक आप्रवास कर्माचारी के अभिया क्षमित को वार्षिक आप्रवास कर्माचारी के अभिया क्षमित के वार्षिक आप्रवास कर्माचारी के अभिया क्षमित के वार्षिक आप्रवास कर्माचारी के अभिया क्षमित के वार्षिक आप्रवास कर्माचारी के अभिया का अप्रवास कर्माचारी के अभिया कर्माचारी कर्माचारी कर्माचारी कर्माचारी कर्माचारी कर्माचारी कर्माचारी कर्माचारी करिया कर्माचारी कर्माचारी कर्माचारी कर्माचारी कर्माचारी कर्माचारी कर्माचारी कर्माचारी करिया कर्माचारी कर्माचारी कर्माचारी करिया कर्माचारी कर्माचारी करिया कर्माचारी कर्या कर्माचारी कर्माचारी करिया कर्माचारी कर्या कर्माचारी कर्माचारी कर्माचारी कर्माचारी कर्माचारी करिया कर्या कर्माचारी करिया कर्या कर्या कर्माचारी करिया कर्या क्रा क्रा क्रा क्रा क्रा क् | सम्पित्र का जास तथा क्योंते. बत्ता प्राप्त के जाम कर्म कर्म कर्म कर्म कर्म कर्म कर्म कर् | सम्पित्र का जास तथा क्योंते. बत्ता प्राप्त के जाम कर्म कर्म कर्म कर्म कर्म कर्म कर्म कर् | सम्पित्र का जास तथा क्योंते. बत्ता प्राप्त के जाम कर्म कर्म कर्म कर्म कर्म कर्म कर्म कर् | सम्पष्टिका नाम कथा क्योंते. बत्तावाप्री कि वह किसके नाम ""खाद, प्रद्य, बंध्क, विरासत, प्रदासनीय कर्माचारी से न्या जन्म किसी प्रकार, से सम्मिति से आस्कान क्ष्माचारी से निया अन्य किसी प्रकार, से सम्मिति से आस्कान क्षमाचारी से निया अन्य किसी प्रकार, निया क्षमिक आप्रवास कर्माचारी से अभिया क्षित को वार्षिक आप्रवास कर्माचारी के अभिया क्षमित को वार्षिक आप्रवास कर्माचारी के अभिया क्षमित के वार्षिक आप्रवास कर्माचारी के अभिया क्षमित के वार्षिक आप्रवास कर्माचारी के अभिया क्षमित के वार्षिक आप्रवास कर्माचारी के अभिया का अप्रवास कर्माचारी के अभिया कर्माचारी कर्माचारी कर्माचारी कर्माचारी कर्माचारी कर्माचारी कर्माचारी कर्माचारी करिया कर्माचारी कर्माचारी कर्माचारी कर्माचारी कर्माचारी कर्माचारी कर्माचारी कर्माचारी करिया कर्माचारी कर्माचारी कर्माचारी करिया कर्माचारी कर्माचारी करिया कर्माचारी कर्या कर्माचारी कर्माचारी करिया कर्माचारी कर्या कर्माचारी कर्माचारी कर्माचारी कर्माचारी कर्माचारी करिया कर्या कर्माचारी करिया कर्या कर्या कर्माचारी करिया कर्या क्रा क्रा क्रा क्रा क्रा क् |
| | भिरिक्ता संभव त हो, बहा बरोपान स्थिति है झन्द्रण में स्राभग मृहण्य यहतायां नाए। | भिरिक्त करता संभव त हो बहा बहेपान स्थिति है झन्द्रण में स्ताभग मृहय यहताया नाए। | भीएण, करना संभेष्य त हो, खहा खतेमान स्थिति के सन्दर्भ में स्वाभग मृख्य व्यवत्ताया जाए। |
 | | | | |
 | | | | |
 | | | |
 | | | | | |
 | | | | |
 | | (5) (6) (7) | (2) (3) (5) | (5) (6) (7) | (5) (4) (5)
 | (5) (6) (6) | (2) (4) (5) (6) (7) | (5) (4) (6) (7) | (2) (4) (5) (7) | (2) (4) (5) (6) (7) | ्राह तथा अन्य भवत भूमि "वर्तमार मूल्य पर भारत है और उसके नाम
"वर्रान्त मुस्ति में अप भारत है और उसके नाम भेर या अपने किसी प्रकार से सम्मुति से आ शासकीय कर्मांगारी से तथा अपने की तार्राक्ष और विस्ति आय स्था संबंध है अपने स्थान हों वर्तका नाम अपने सम्भुति की राह हो उसका नाम अपने (5) (5) (7) | पाद स्वय के ग्रम अप स्वर्ग के ग्रम अप के ग्रम के ग्रम अप के ग्रम के | सस्भाव के को जान गया क्वांतिक के जान गया के के जान गया के किया जान के जान क | सस्पांच कहा जान तथा क्यां क्यां तथा क्यां के जांच थर न हो तो हो कि स्प्रकार अभित्र किया जाना करताहर्य कि हो किसके जान करताहर्य किया क्यां के प्रद्या, विषक् , विरासत, सम्मारित हो जार क्यां किया अभ्र कार सम्मारित हो जार क्यां क्यां के अप्र क्यां | सम्पंदि का जान तथा क्यों. गृह तथा अन्य भवन भूमि ""वर्तगार मृत्य पर भारित है और उसका भूमि अम्मिक्स अग्र पर्यास्विध है अग्र अम्मिक्स की तार्याख और जिस्सों कार्यिक आग्र पर्यास्विध है अभित की गाई हो उसका गाम तथा स्विध है (6) (7) | सम्पति का नाम तथा क्यौरे
कारताइये कि हां किसके नाम
गृह तथा अन्य भवन भूमि
पर भारति है और उसका
पर भारति है और उसका
भूद या अन्य किसी प्रकार से
शासकीय कर्मचारी से
अभित को गाँड और लिससे
व्या संबंध है (2) (3) (4) (5) (7) | सम्पष्टिका जान क्ष्म क्रमीर व्यद्ध कर्मक जान कर निकस प्रकार अजिंत क्षित्रा जाया कराताप्रये कि वह क्षित्र क्षेत्र क्षेत्र क्षित्र क्षेत्र क्षित्र क्षित्र क्षित्र क्षित्र क्षित्र क्षेत्र क्षित्र क्षेत्र क्षित्र क्षेत्र क्षित्र क्षेत्र कष्टिक क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र कष्टिक क्षेत्र क्षेत्र कष्टिक क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र कष्टिक क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र कष्टिक क्षेत्र क्षेत्र कष्टिक कष्टिक कष्टिक कष्टिक कष्टिक कष्टिक क्षेत्र कष्टिक क | सम्पष्टिका जान क्ष्म क्रमीर व्यद्ध कर्मक जान कर निकस प्रकार अजिंत क्षित्रा जाया कराताप्रये कि वह क्षित्र क्षेत्र क्षेत्र क्षित्र क्षेत्र क्षित्र क्षित्र क्षित्र क्षित्र क्षित्र क्षेत्र क्षित्र क्षेत्र क्षित्र क्षेत्र क्षित्र क्षेत्र कष्टिक क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र कष्टिक क्षेत्र क्षेत्र कष्टिक क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र कष्टिक क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र कष्टिक क्षेत्र क्षेत्र कष्टिक कष्टिक कष्टिक कष्टिक कष्टिक कष्टिक क्षेत्र कष्टिक क | सम्पति का नाम तथा क्यौरे
कारताइये कि हां किसके नाम
गृह तथा अन्य भवन भूमि
पर भारति है और उसका
पर भारति है और उसका
भूद या अन्य किसी प्रकार से
शासकीय कर्मचारी से
अभित को गाँड और लिससे
व्या संबंध है (2) (3) (4) (5) (7)
 | सम्पति का नाम तथा क्यौरे
कारताइये कि हां किसके नाम
गृह तथा अन्य भवन भूमि
पर भारति है और उसका
पर भारति है और उसका
भूद या अन्य किसी प्रकार से
शासकीय कर्मचारी से
अभित को गाँड और लिससे
व्या संबंध है (2) (3) (4) (5) (7) | सम्पति का नाम तथा क्योरे
बतत्तारूपे कि हो किसके नाम ""व्योद्ध, प्रदय, वंपक, विरासत,
गृह तथा अन्य भवन भूमि "धर्तनात मूल्य पर भारित है और उत्तक्को मेट या अन्य किसी प्रकार से
शासकीय कर्मचारी से अपा अजन की तारीख और विस्ति आयु
यया संबंध है अजित की गारीख और विस्ति नामिक आयु
यया संबंध है (६) (१) (१) | सम्पति का नाम तथा क्योरे
बतत्तारूपे कि हो किसके नाम ""व्योद्ध, प्रदय, वंपक, विरासत,
गृह तथा अन्य भवन भूमि "धर्तनात मूल्य पर भारित है और उत्तक्को मेट या अन्य किसी प्रकार से
शासकीय कर्मचारी से अपा अजन की तारीख और विस्ति आयु
यया संबंध है अजित की गारीख और विस्ति नामिक आयु
यया संबंध है (६) (१) (१) | सम्पति का नाम तथा क्यौरे
कारताइये कि हां किसके नाम
गृह तथा अन्य भवन भूमि
पर भारति है और उसका
पर भारति है और उसका
भूद या अन्य किसी प्रकार से
शासकीय कर्मचारी से
अभित को गाँड और लिससे
व्या संबंध है (2) (3) (4) (5) (7) | सम्पति का नाम तथा क्योरे
बतत्तारूपे कि हो किसके नाम ""व्योद्ध, प्रदय, वंपक, विरासत,
गृह तथा अन्य भवन भूमि "धर्तनात मूल्य पर भारित है और उत्तक्को मेट या अन्य किसी प्रकार से
शासकीय कर्मचारी से अपा अजन की तारीख और विस्ति आयु
यया संबंध है अजित की गारीख और विस्ति नामिक आयु
यया संबंध है (६) (१) (१)
 | सम्पति का नाम तथा क्यौरे
कारताइये कि हां किसके नाम
गृह तथा अन्य भवन भूमि
पर भारति है और उसका
पर भारति है और उसका
भूद या अन्य किसी प्रकार से
शासकीय कर्मचारी से
अभित को गाँड और लिससे
व्या संबंध है (2) (3) (4) (5) (7) | सम्पति का नाम तथा क्यौरे
कारताइये कि हां किसके नाम
गृह तथा अन्य भवन भूमि
पर भारति है और उसका
पर भारति है और उसका
भूद या अन्य किसी प्रकार से
शासकीय कर्मचारी से
अभित को गाँड और लिससे
व्या संबंध है (2) (3) (4) (5) (7) | सम्पति का नाम तथा क्यौरे
कारताइये कि हां किसके नाम
गृह तथा अन्य भवन भूमि
पर भारति है और उसका
पर भारति है और उसका
भूद या अन्य किसी प्रकार से
शासकीय कर्मचारी से
अभित को गाँड और लिससे
व्या संबंध है (2) (3) (4) (5) (7) | सम्पति का नाम तथा क्योरे
बतत्तारूपे कि हो किसके नाम ""व्योद्ध, प्रदय, वंपक, विरासत,
गृह तथा अन्य भवन भूमि "धर्तनात मूल्य पर भारित है और उत्तक्को मेट या अन्य किसी प्रकार से
शासकीय कर्मचारी से अपा अजन की तारीख और विस्ति आयु
यया संबंध है अजित की गारीख और विस्ति नामिक आयु
यया संबंध है (६) (१) (१) | |
| | भोएस करना संभव न हो जहां महीयान स्थिति के सन्दर्भ में स्राप्तमा मृत्य वहताया जाए। | भिरिक्त करता संभव त हो बहा बहेपान स्थिति है झन्द्रश में स्राभग मृख्य यहताया नाए। | भीएण करना संध्य न हो खहा सतित है सन्दर्भ में स्वाभ्या भाषा |
 | | | | |
 | | | | |
 | | | |
 | | | | | |
 | | | | |
 | | (5) (6) (7) | (2) (3) (4) (5) | (5) (6) (7) | (5) (4) (5)
 | (5) (4) (5) (7) | (2) (4) (5) (6) (7) | (2) (4) (5) (6) (7) | (2) (4) (5) (6) (7) | (2) (4) (5) (6) (7) | बार स्था में अप का माना वार स्था के बार क्या का माना करा कर
किया माना का | पाद स्वय के जाम अप ने हो जो उसे किस प्रकार आंजेर किया गया
बतलाइये कि च है किसके जाम किया के विरासत
गृह तथा अन्य प्रवा की प्रव की प्रवा की प्रव की प्रवा की प्रव की प्रव की प्रवा की प्रवा की प्रवा की | सम्भाव के जो मान तथा ज्याद स्वय के जाम भर न हो तो उसे किस प्रकार माना करताहर कि हो किसके नान करताहर कि हो किसके नान करताहर किसके नान मेंट या ज्यान किसी प्रकार से सम्मिति है और उसका मेंट या ज्यान किसी प्रकार से सम्मिति है और उसका मोन ज्या अवश्रित की गई हो उसका नाम ज्या स्वय है (2) (4) (5) (5) (7) | सम्भाव का जान तथा क्यों. गृह तथा अन्य थवन भूमि "विदेश मिल्य प्राप्त है और उसका में देश किस्के जान करना थाति है और उसका में देश पा अन्य किसी प्रकार से सम्मीति है और उसका में देया अन्य किसी प्रकार से सम्मीति है और उसका में देया अन्य किसी प्रकार से सम्मीति है और अन्य अन्य किसी प्रकार से सम्मीति है और अन्य अन्य किसी प्रकार के वार्थ के वार्य के वार्य के वार्थ के वार्थ के वार्थ के व | सम्पतिका नाम तथा क्योंते किया नाम विकास क्यांते क्योंते क्यांते क | सम्पत्तिका जात तथा क्योंदे विकास कर्मा कराताह्न कि वह किसके नाम ""खरीद, प्रद्धा, बेषक, विवासत कराताह्म कि वह किसके नाम ""खरीद, प्रद्धा, बेषक, विवासत में सम्पत्ति है और उसका में सम्पत्ति से भी या अन्य किसी प्रकार से सम्पत्ति से आप कार्यन किसी प्रकार से सम्पत्ति से आप करायां किसी प्रकार से सम्पत्ति से आप अप करायां कि आप करायां किसी प्रकार से सम्पत्ति आप करायां किसी प्रकार से सम्पत्ति से आप अप करायां किसी प्रकार से सम्पत्ति आप करायां किसी प्रकार के सम्पत्ति आप अप करायां किसी प्रकार से सम्पत्ति आप करायां किसी प्रकार से सम्पत्ति आप करायां किसी प्रकार से सम्पत्ति आप करायां किसी प्रकार से सम्पति आप करायां किसी | सम्पत्तिक जान तथा क्योंदे विकास अन्ति हैं जो स्पर्ध ने हो सी अन्य अन्ति किया ग्रम ने हो सी अन्य अन्ति किया ग्रम ने हो सी अन्य स्प्रम सम्पति से सम्पति समिति | सम्पत्तिक जान तथा क्योंदे विकास अन्ति हैं जो स्पर्ध ने हो सी अन्य अन्ति किया ग्रम ने हो सी अन्य अन्ति किया ग्रम ने हो सी अन्य स्प्रम सम्पति से सम्पति समिति | सम्पत्तिका जात तथा क्योंदे विकास कर्मा कराताह्न कि वह किसके नाम ""खरीद, प्रद्धा, बेषक, विवासत कराताह्म कि वह किसके नाम ""खरीद, प्रद्धा, बेषक, विवासत में सम्पत्ति है और उसका में सम्पत्ति से भी या अन्य किसी प्रकार से सम्पत्ति से आप कार्यन किसी प्रकार से सम्पत्ति से आप करायां किसी प्रकार से सम्पत्ति से आप अप करायां कि आप करायां किसी प्रकार से सम्पत्ति आप करायां किसी प्रकार से सम्पत्ति से आप अप करायां किसी प्रकार से सम्पत्ति आप करायां किसी प्रकार के सम्पत्ति आप अप करायां किसी प्रकार से सम्पत्ति आप करायां किसी प्रकार से सम्पत्ति आप करायां किसी प्रकार से सम्पत्ति आप करायां किसी प्रकार से सम्पति आप करायां किसी | सम्पत्तिका जात तथा क्योंदे विकास कर्मा कराताह्न कि वह किसके नाम ""खरीद, प्रद्धा, बेषक, विवासत कराताह्म कि वह किसके नाम ""खरीद, प्रद्धा, बेषक, विवासत में सम्पत्ति है और उसका में सम्पत्ति से भी या अन्य किसी प्रकार से सम्पत्ति से आप कार्यन किसी प्रकार से सम्पत्ति से आप करायां किसी प्रकार से सम्पत्ति से आप अप करायां कि आप करायां किसी प्रकार से सम्पत्ति आप करायां किसी प्रकार से सम्पत्ति से आप अप करायां किसी प्रकार से सम्पत्ति आप करायां किसी प्रकार के सम्पत्ति आप अप करायां किसी प्रकार से सम्पत्ति आप करायां किसी प्रकार से सम्पत्ति आप करायां किसी प्रकार से सम्पत्ति आप करायां किसी प्रकार से सम्पति आप करायां किसी | सम्पति का नाम तथा क्योंदे
कतलाइये कि इह किसके नाम ""ध्या, प्रद्या बेफक, विसासत
मृह तथा अन्य किसी प्रकार से सम्मित्त अप
शासकीय के और उसका नाम अप
सासकीय के आप अप्रतेन की तार्ज और विससे
सामिक आप
स्या संबंध है अप अप्रतेन की तार्ज और विससे
सामिक आप
(2) (3) (4) (5) (7) | सम्पति का नाम तथा क्योंदे
कतलाइये कि इह किसके नाम ""ध्या, प्रद्या बेफक, विसासत
मृह तथा अन्य किसी प्रकार से सम्मित्त अप
शासकीय के और उसका नाम अप
सासकीय के आप अप्रतेन की तार्ज और विससे
सामिक आप
स्या संबंध है अप अप्रतेन की तार्ज और विससे
सामिक आप
(2) (3) (4) (5) (7)
 | सम्पत्तिका जात तथा क्योंदे विकास कर्मा कराताह्न कि वह किसके नाम ""खरीद, प्रद्धा, बेषक, विवासत कराताह्म कि वह किसके नाम ""खरीद, प्रद्धा, बेषक, विवासत में सम्पत्ति है और उसका में सम्पत्ति से भी या अन्य किसी प्रकार से सम्पत्ति से आप कार्यन किसी प्रकार से सम्पत्ति से आप करायां किसी प्रकार से सम्पत्ति से आप अप करायां कि आप करायां किसी प्रकार से सम्पत्ति आप करायां किसी प्रकार से सम्पत्ति से आप अप करायां किसी प्रकार से सम्पत्ति आप करायां किसी प्रकार के सम्पत्ति आप अप करायां किसी प्रकार से सम्पत्ति आप करायां किसी प्रकार से सम्पत्ति आप करायां किसी प्रकार से सम्पत्ति आप करायां किसी प्रकार से सम्पति आप करायां किसी | सम्पति का नाम तथा क्योंदे
कतलाइये कि इह किसके नाम ""ध्या, प्रद्या बेफक, विसासत
मृह तथा अन्य किसी प्रकार से सम्मित्त अप
शासकीय के और उसका नाम अप
सासकीय के आप अप्रतेन की तार्ज और विससे
सामिक आप
स्या संबंध है अप अप्रतेन की तार्ज और विससे
सामिक आप
(2) (3) (4) (5) (7) | सम्पत्तिका जात तथा क्योंदे विकास कर्मा कराताह्न कि वह किसके नाम ""खरीद, प्रद्धा, बेषक, विवासत कराताह्म कि वह किसके नाम ""खरीद, प्रद्धा, बेषक, विवासत में सम्पत्ति है और उसका में सम्पत्ति से भी या अन्य किसी प्रकार से सम्पत्ति से आप कार्यन किसी प्रकार से सम्पत्ति से आप करायां किसी प्रकार से सम्पत्ति से आप अप करायां कि आप करायां किसी प्रकार से सम्पत्ति आप करायां किसी प्रकार से सम्पत्ति से आप अप करायां किसी प्रकार से सम्पत्ति आप करायां किसी प्रकार के सम्पत्ति आप अप करायां किसी प्रकार से सम्पत्ति आप करायां किसी प्रकार से सम्पत्ति आप करायां किसी प्रकार से सम्पत्ति आप करायां किसी प्रकार से सम्पति आप करायां किसी | सम्पत्तिका जात तथा क्योंदे विकास कर्मा कराताह्न कि वह किसके नाम ""खरीद, प्रद्धा, बेषक, विवासत कराताह्म कि वह किसके नाम ""खरीद, प्रद्धा, बेषक, विवासत में सम्पत्ति है और उसका में सम्पत्ति से भी या अन्य किसी प्रकार से सम्पत्ति से आप कार्यन किसी प्रकार से सम्पत्ति से आप करायां किसी प्रकार से सम्पत्ति से आप अप करायां कि आप करायां किसी प्रकार से सम्पत्ति आप करायां किसी प्रकार से सम्पत्ति से आप अप करायां किसी प्रकार से सम्पत्ति आप करायां किसी प्रकार के सम्पत्ति आप अप करायां किसी प्रकार से सम्पत्ति आप करायां किसी प्रकार से सम्पत्ति आप करायां किसी प्रकार से सम्पत्ति आप करायां किसी प्रकार से सम्पति आप करायां किसी | सम्पत्तिका जात तथा क्योंदे विकास कर्मा कराताह्न कि वह किसके नाम ""खरीद, प्रद्धा, बेषक, विवासत कराताह्म कि वह किसके नाम ""खरीद, प्रद्धा, बेषक, विवासत में सम्पत्ति है और उसका में सम्पत्ति से भी या अन्य किसी प्रकार से सम्पत्ति से आप कार्यन किसी प्रकार से सम्पत्ति से आप करायां किसी प्रकार से सम्पत्ति से आप अप करायां कि आप करायां किसी प्रकार से सम्पत्ति आप करायां किसी प्रकार से सम्पत्ति से आप अप करायां किसी प्रकार से सम्पत्ति आप करायां किसी प्रकार के सम्पत्ति आप अप करायां किसी प्रकार से सम्पत्ति आप करायां किसी प्रकार से सम्पत्ति आप करायां किसी प्रकार से सम्पत्ति आप करायां किसी प्रकार से सम्पति आप करायां किसी | सम्पति का नाम तथा क्योंदे
कतलाइये कि इह किसके नाम ""ध्या, प्रद्या बेफक, विसासत
मृह तथा अन्य किसी प्रकार से सम्मित्त अप
शासकीय के और उसका नाम अप
सासकीय के आप अप्रतेन की तार्ज और विससे
सामिक आप
स्या संबंध है अप अप्रतेन की तार्ज और विससे
सामिक आप
(2) (3) (4) (5) (7) |
| | भिरिक्त अस्ति के स्वर्ध वर्तप्ति है सन्दर्भ में स्राप्ति काए। | भिरिक्त करता संभव त को खहा बहेपान स्थिति है अन्दर्भ में स्राभग मृहय यहताया नाए। | भीएण, करना संभेष्य त हो, खहा खतेमान स्थिति के सन्दर्भ में स्वाभग मृख्य व्यवत्ताया जाए। |
 | | | | |
 | | | | |
 | | | |
 | | | | | |
 | | | | |
 | | (5) (6) (7) | (2) (3) (5) (7) | (5) (6) (7) | (5) (4) (5)
 | (5) (6) (6) (7) | (2) (4) (5) (6) (7) | (2) (4) (5) (7) | (2) (4) (5) (7) | (2) (4) (5) (6) (7) | बार क्या कर करावाहचे कि वह किसके नाम ""क्योद, प्रदूध, बंधक,
विरामत, प्राप्त करावाहचे कि वह किसके नाम ""क्योद, प्रदूध, बंधक, विरामत, सम्मित्त करावाहचे कि वह किसके नाम प्राप्त करावाहचे कि वाधक आय सम्बंध है जीर उसका नाम सम्बंध है अधिक को गई हो उसका नाम सम्बंध है (ह) (7) | सन्भाव का असंस्था क्यांद
गृह तथा अन्य भवत भूमि ""वर्तमान मृत्य पर धारित है और उसका मेंट या अस्य दिस्ती प्रकार से सम्मृति में आ
शासकीय कर्नचारी से आप अर्थन की गाह हो उसका नाम
स्था संबंध है अधित की गाह हो उसका नाम
स्था संबंध है (६) (७) | सम्भाव का गांस तथा व्याद स्वयं के जान पर न हों तो उसे किस प्रकार अर्थित किसा गया व्याद स्वयं के जान पर न हों तो उसे किसा गया व्याद स्वयं में जारीत है और उसका मेंट या अन्य किसी प्रकार से सम्मित्ति है और उसका मेंट या अन्य किसी प्रकार से सम्मित्ति है आप अर्थन की तार्रिक और विसंस वार्षिक आय या अर्थन की तार्रिक और विसंस वार्षिक आय या समित्र हों उसका नान का या वार्षिक आय वार्षिक आय (३) (५) (६) (७) | सम्पाद्य कहा जान तथा क्यां
व्यत्ताहरों कि वह किसके जान ""व्यत्य, प्रदूध, वधक, विरासत,
प्रति के वह किसके जान ""व्यत्य, प्रदूध, वधक, विरासत,
प्राप्ति के और उसका में दिया अन्य किसी प्रकार से
शासकीय कर्नवारी से जाण अर्जन की तारीख और विससे वार्षिक आय्
प्यासकीय कर्नवारी से जाण अर्जन की तारीख और विससे वार्षिक आय्
प्यासकीय कर्नवारी से अर्जन की तारीख और विससे वार्षिक आय्
प्यासकीय कर्नवारी से अर्जन की तारीख और विससे वार्षिक आय्
प्राप्ति के विस्ति की गई को अर्जन की तारीख और विससे वार्षिक आय्
प्राप्ति के विस्ति की तार्षिक आय्
प्राप्ति के विस्ति की विस्ति की विस्ति की तार्षिक आय्
प्राप्ति की विस्ति क | सम्पतिका नाम तथा क्योंते. किया ने का पार स्वतिक के नाम अप न हो तो उसे किस प्रकार अभिते किया गया
कारत्याद्वे कि के कि कि कि किस के नाम "" (अपीय, प्रद्या, बेपक, विस्तात, मिस्सीत के भीय पर भागित है और उसका नाम में या अपने की तार्थ और विस्ते आया मामिक आया स्वाप्तिक आया अपनेत की तार्थ और विस्ते आया मामिक आया स्वाप्तिक आया स्व | सम्पत्तिका नाम तथा क्योरि
बतलाइये कि चूंड किसके नाम ""खरीद, प्रद्या, बेषक, विश्वासत
पूर्व भारति है और उसको में दिया जन्म किसी प्रकार से
सास्त्रीय कर्मचारी से जापा अर्जन की तारीख और जिससे
स्यास्त्रीय कर्मचारी से जापा अर्जन की तारीख और जिससे
स्यास्त्रीय है अपा अर्जन की तारीख और जिससे
स्यास्त्रीय है अर्जन नाम
स्यास्त्रीय है (6) (7) | सम्पष्टिक जान तथा क्योंदे स्वयं के जाय प्रापंत क्यों की तिम्स प्रकार अजित किया गया विद्यां अन्य प्रवयं भूमि "क्यंतमान मूल्य पर भारित है और उसको नाम सम्पर्दित है और उसको नाम सम्पर्दित है और उसको नाम सम्पर्दित है और उसको नाम समित का स्वयं है अप व्याप्त का मुक्त नाम त्यां समित आप व्याप्त का मुक्त नाम त्यां समित आप व्याप्त का मुक्त नाम त्यां समित का समित आप व्याप्त तथा व्याप्त का समित आप व्याप्त तथा तथा व्याप्त
का समित आप व्याप्त तथा तथा व्याप्त का समित आप व्याप्त तथा तथा विद्या व्याप्त का समित का समित तथा तथा व्याप्त तथा तथा विद्या व्याप्त तथा तथा विद्या व्याप्त तथा विद्या विद्या विद्या तथा विद्या तथा विद्या विद्या तथा विद्या तथा विद्या विद्या विद्या तथा विद्या | सम्पष्टिक जान तथा क्योंदे स्वयं के जाय प्रापंत क्यों की तिम्स प्रकार अजित किया गया विद्यां अन्य प्रवयं भूमि "क्यंमान मूल्य पर भारित है और उसको नाम मूल्य पर भारित है और उसको नाम सम्पर्धि है और उसको नाम सम्पर्धि है और उसको नाम नाम सम्पर्धि है और अप अपने की गारीख और जिससे आर्थिक आप समिक आप समा सम्पर्धि है और अप आर्थित की गारीख और जिससे आप समिक आप समा सम्पर्धि है अप स्वार्धि की गारी की गारीख और जिससे आप समिक आप समा समिक है है अप स्वार्धि की गारी की गारीख और जिससे आप समिक समिक समिक समिक समिक समिक समिक समिक | सम्पत्तिका नाम तथा क्योरि
बतलाइये कि चूंड किसके नाम ""खरीद, प्रद्या, बेषक, विश्वासत
पूर्व भारति है और उसको में दिया जन्म किसी प्रकार से
सास्त्रीय कर्मचारी से जापा अर्जन की तारीख और जिससे
स्यास्त्रीय कर्मचारी से जापा अर्जन की तारीख और जिससे
स्यास्त्रीय है अपा अर्जन की तारीख और जिससे
स्यास्त्रीय है अर्जन नाम
स्यास्त्रीय है (6) (7) | सम्पत्तिका नाम तथा क्योरि
बतलाइये कि चूंड किसके नाम ""खरीद, प्रद्या, बेषक, विश्वासत
पूर्व भारति है और उसको में दिया जन्म किसी प्रकार से
सास्त्रीय कर्मचारी से जापा अर्जन की तारीख और जिससे
स्यास्त्रीय कर्मचारी से जापा अर्जन की तारीख और जिससे
स्यास्त्रीय है अपा अर्जन की तारीख और जिससे
स्यास्त्रीय है अर्जन नाम
स्यास्त्रीय है (6) (7) | सम्पति का नात तथा क्योंदे स्वयं के नाम पर हो जो उसे किस प्रकार आर्थित किया गया कारताइये कि कुड़ किसके नाम ""खरीद्र प्रद्या डोफक, विस्ता पर शासित है और उसका नाम मेट या जन्म किसी प्रकार से सम्पत्ति से आर शासिक राय स्वास्कीय कर्मचारी से जाप अर्थन की तारीख और विस्ते या बार्सिक राय या स्वयं है डो उसका नाम नाम कारता को गई हो उसका नाम तथा (६) (६) (७) | सम्पति का नात तथा क्योंदे स्वयं के नाम पर हो जो उसे किस प्रकार आर्थित किया गया कारताइये कि कुड़ किसके नाम ""खरीद्र प्रद्या डोफक, विस्ता पर शासित है और उसका नाम मेट या जन्म किसी प्रकार से सम्पत्ति से आर शासिक राय स्वास्कीय कर्मचारी से जाप अर्थन की तारीख और विस्ते या बार्सिक राय या स्वयं है डो उसका नाम नाम कारता को गई हो उसका नाम तथा (६) (६) (७)
 | सम्पत्तिका नाम तथा क्योरि
बतलाइये कि चूंड किसके नाम ""खरीद, प्रद्या, बेषक, विश्वासत
पूर्व भारति है और उसको में दिया जन्म किसी प्रकार से
सास्त्रीय कर्मचारी से जापा अर्जन की तारीख और जिससे
स्यास्त्रीय कर्मचारी से जापा अर्जन की तारीख और जिससे
स्यास्त्रीय है अपा अर्जन की तारीख और जिससे
स्यास्त्रीय है अर्जन नाम
स्यास्त्रीय है (6) (7) | सम्पति का नात तथा क्योंदे स्वयं के नाम पर हो जो उसे किस प्रकार आर्थित किया गया कारताइये कि कुड़ किसके नाम ""खरीद्र प्रद्या डोफक, विस्ता पर शासित है और उसका नाम मेट या जन्म किसी प्रकार से सम्पत्ति से आर शासिक राय स्वास्कीय कर्मचारी से जाप अर्थन की तारीख और विस्ते या बार्सिक राय या स्वयं है डो उसका नाम नाम कारता को गई हो उसका नाम तथा (६) (६) (७) | सम्पत्तिका नाम तथा क्योरि
बतलाइये कि चूंड किसके नाम ""खरीद, प्रद्या, बेषक, विश्वासत
पूर्व भारति है और उसको में दिया जन्म किसी प्रकार से
सास्त्रीय कर्मचारी से जापा अर्जन की तारीख और जिससे
स्यास्त्रीय कर्मचारी से जापा अर्जन की तारीख और जिससे
स्यास्त्रीय है अपा अर्जन की तारीख और जिससे
स्यास्त्रीय है अर्जन नाम
स्यास्त्रीय है (6) (7) | सम्पत्तिका नाम तथा क्योरि
बतलाइये कि चूंड किसके नाम ""खरीद, प्रद्या, बेषक, विश्वासत
पूर्व भारति है और उसको में दिया जन्म किसी प्रकार से
सास्त्रीय कर्मचारी से जापा अर्जन की तारीख और जिससे
स्यास्त्रीय कर्मचारी से जापा अर्जन की तारीख और जिससे
स्यास्त्रीय है अपा अर्जन की तारीख और जिससे
स्यास्त्रीय है अर्जन नाम
स्यास्त्रीय है (6) (7) | सम्पत्तिका नाम तथा क्योरि
बतलाइये कि चूंड किसके नाम ""खरीद, प्रद्या, बेषक, विश्वासत
पूर्व भारति है और उसको में दिया जन्म किसी प्रकार से
सास्त्रीय कर्मचारी से जापा अर्जन की तारीख और जिससे
स्यास्त्रीय कर्मचारी से जापा अर्जन की तारीख और जिससे
स्यास्त्रीय है अपा अर्जन की तारीख और जिससे
स्यास्त्रीय है अर्जन नाम
स्यास्त्रीय है (6) (7)
 | सम्पति का नात तथा क्योंदे स्वयं के नाम पर हो जो उसे किस प्रकार आर्थित किया गया कारताइये कि कुड़ किसके नाम ""खरीद्र प्रद्या डोफक, विस्ता पर शासित है और उसका नाम मेट या जन्म किसी प्रकार से सम्पत्ति से आर शासिक राय स्वास्कीय कर्मचारी से जाप अर्थन की तारीख और विस्ते या बार्सिक राय या स्वयं है डो उसका नाम नाम कारता को गई हो उसका नाम तथा (६) (६) (७) |
	भोएस करना संभव न हो, बहा महोपान सिशोद के सन्दर्भ में सामभा मृत्य वहताया जाए।	भिरिक्त करना संभव न हो बहा बहीयान स्थिति है सन्दर्भ में स्राभग मृख्य यहताया नाए।	भीएण करना संभव न हो, वहां वर्तमान स्थिति के सन्दर्भ में लगभग मृत्य वतलाया जाए।	
 | | | | |
 | | | | |
 | | | |
 | | | | | |
 | | | | |
 | (3) (4) (5) | (5) (6) (7) | (3) (4) (5) (7) | (5) (6) (7) | (5) (4) (5)
 | (5) (4) (5) (6) | (2) (4) (5) (6) (7) | (2) (4) (5) (6) (7) | (2) (4) (5) (6) (7) | (2) (4) (5) (6) (7) | बत्ताहरी कि चहि के चित्र में च | सन्भाव की असंस्था क्यांत स्थाद
स्थ्य के जाम प्रयं ने हो तो उसी किस गमा अन्य क्यांत प्रयं क्ष्म गमा अस्य क्यां क्ष्म क्यां क्यांत की स्थाद किसके जाम क्यांत की स्थाद क्यांत की स्थाद की सम्माम क्यांत की स्थाद की सम्माम क्यांत की स्थाद की सम्माम क्यांत की स्थाद की सम्भाम की स्थाद की सम्भाम की सम्भा | सम्भाव का नाम तथा व्याद स्वयं के नाम भर न हों तो उसे किसा गया
बतत्ताप्रये कि वह किसके नाम ""व्योद, प्रद्यां बंधक, विरासत,
गृह तथा अन्य भवन भूमि "वर्तमान मृत्य पर भारित है और उसका में राज्या अन्य किसी प्रकार से साम्मिसे अभ
शासकीय कर्मांगारी से तथा अर्जन की तार्पाय और विससे वार्षिक आय्
स्यासकीय कर्मांगारी से तथा अर्जन की तार्पाय और विससे वार्षिक आय्
स्यासकीय है अभिज्ञात नाम तथा है अर्जन की तार्पाय और विससे वार्षिक आय् | सम्पाद का जाम केषा क्यां
कारताहरों कि वह किसके नाम ""व्योद, प्रट्टा बंधक, विरासत,
प्रथातित है और उसका में ट या जन्म किसी प्रकार से सम्मित्त में
यासकीय कर्मचारी से जाया अर्जन की तार्ष्य और जिससे वार्षिक आय
स्मासकीय कर्मचारी से जाया अर्जन की तार्ष्य और जिससे
समासकीय कर्मचारी से जायां को गई हो उसका नाम
(2) (3) (4) (5) (5) (6) | सम्पतिका जान कथा क्योरि
बतताइये कि जुढ़ किसके जान
ब्रह्मीय क्रम्म थवन
पूर्वि क्रम्म भवन
पूर्वि क्रम्म जुर्वि क्रम जुर्वि क्रम्म जुर्वि क्रम जुर्वि क्रम्म जुर्व क्रम्म जुर्वि क्रम्म जुर्व क्रम जुर्व क्रम जुर्व क्रम जुर्व क | सम्पष्टिका जान तथा क्योंदे स्थ्य के जाय प्राप जहीं की किस प्रकार अर्थित क्रिया ज्या करना करना क्या करना करना करना करना करना करना करना करन | सम्पष्टिका जान लग व्योर
गृह तथा अन्य थवन भूमि "वितान मूल्य पर थारित है और उसका में रिया अन्य किसी प्रकार से सम्पत्ति से अभ
गृह तथा अन्य थवन भूमि "वितान मूल्य पर थारित है और उसका में रिया अन्य किसी प्रकार से सम्पत्ति से आपका में रिया अन्य की तार्पाद्ध और जिससे कार्यिक आपका में स्था स्वथ है अभित की गाह हो उसका नाम तथा स्वथ है (६) (७) (७) | सम्पष्टिका जान लग व्योर
गृह तथा अन्य थवन भूमि "वितान मूल्य पर थारित है और उसका में रिया अन्य किसी प्रकार से सम्पत्ति से अभ
गृह तथा अन्य थवन भूमि "वितान मूल्य पर थारित है और उसका में रिया अन्य किसी प्रकार से सम्पत्ति से आपका में रिया अन्य की तार्पाद्ध और जिससे कार्यिक आपका में स्था स्वथ है अभित की गाह हो उसका नाम तथा स्वथ है (६) (७) (७)
 | सम्पष्टिका जान तथा क्योंदे स्थ्य के जाय प्राप जहीं की किस प्रकार अर्थित क्रिया ज्या करना करना क्या करना करना करना करना करना करना करना करन | सम्पष्टिका जान तथा क्योंदे स्थ्य के जाय प्राप जहीं की किस प्रकार अर्थित क्रिया ज्या करना करना क्या करना करना करना करना करना करना करना करन | सम्पष्टिका जाम तथा क्योंके वर्ष के जाय थर नहीं तो उसे किस प्रकार अर्थित किया गया
ब्राह्म विध्य अन्य थवन भूमि के विभाग मृत्य पर भारित है और उसका मेंट या अन्य किसी प्रकार से सम्पत्ति से आपनिक आप
शासकीय कर्म जारी अर्थन को तार्याख और विभास आपिक आप
स्या सर्वाय है और उसका नाम
स्या सर्वाय है अभित को गई को उसका नाम
स्या सर्वाय है अभित को गई को उसका नाम
तथा स्वाय (६) (६) (७) | सम्पष्टिका जाम तथा क्योंके वर्ष के जाय थर नहीं तो उसे किस प्रकार अर्थित किया गया
ब्राह्म विध्य अन्य थवन भूमि के विभाग मृत्य पर भारित है और उसका मेंट या अन्य किसी प्रकार से सम्पत्ति से आपनिक आप
शासकीय कर्म जारी अर्थन को तार्याख और विभास आपिक आप
स्या सर्वाय है और उसका नाम
स्या सर्वाय है अभित को गई को उसका नाम
स्या सर्वाय है अभित को गई को उसका नाम
तथा स्वाय (६) (६) (७) | सम्पष्टिका जान तथा क्योंदे स्थ्य के जाय प्राप जहीं की किस प्रकार अर्थित क्रिया ज्या करना करना क्या करना करना करना करना करना करना करना करन
 | सम्पष्टिका जाम तथा क्योंके वर्ष के जाय थर नहीं तो उसे किस प्रकार अर्थित किया गया
ब्राह्म विध्य अन्य थवन भूमि के विभाग मृत्य पर भारित है और उसका मेंट या अन्य किसी प्रकार से सम्पत्ति से आपनिक आप
शासकीय कर्म जारी अर्थन को तार्याख और विभास आपिक आप
स्या सर्वाय है और उसका नाम
स्या सर्वाय है अभित को गई को उसका नाम
स्या सर्वाय है अभित को गई को उसका नाम
तथा स्वाय (६) (६) (७) | सम्पष्टिका जान तथा क्योंदे स्थ्य के जाय प्राप जहीं की किस प्रकार अर्थित क्रिया ज्या करना करना क्या करना करना करना करना करना करना करना करन | सम्पष्टिका जान तथा क्योंदे स्थ्य के जाय प्राप जहीं की किस प्रकार अर्थित क्रिया ज्या करना करना क्या करना करना करना करना करना करना करना करन | सम्पतिका जात क्या क्योंदे स्थ्य के जाय प्राप जहीं की क्या प्रकार अर्थित क्रिया ज्ञाय कार्यात क्या क्या क्या क्या क्या क्या क्या क्या
 | सम्पष्टिका जाम तथा क्योंके वर्ष के जाय थर नहीं तो उसे किस प्रकार अर्थित किया गया
ब्राह्म विध्य अन्य थवन भूमि के विभाग मृत्य पर भारित है और उसका मेंट या अन्य किसी प्रकार से सम्पत्ति से आपनिक आप
शासकीय कर्म जारी अर्थन को तार्याख और विभास आपिक आप
स्या सर्वाय है और उसका नाम
स्या सर्वाय है अभित को गई को उसका नाम
स्या सर्वाय है अभित को गई को उसका नाम
तथा स्वाय (६) (६) (७) |
	भिरिता करना संभव त हो बहा बहामा स्थिति है सन्दर्भ में स्राभग मृहण्य वहताया जाए।	भिरिक्त करता संभव त को खहा बहेपान स्थिति है अन्दर्भ में स्राभग मृहय अत्ताया नाए।	भीएण करना संभेष्य न हो, खहा खतेमान स्थिति के सन्दर्भ में स्वाभग मृत्य व्यवत्ताया जाए।	
 | | | | |
 | | | | |
 | | | |
 | | | | | |
 | | | | |
 | (2) | (5) (6) (7) | (3) (4) (5) | (5) (6) (7) | (5) (4) (5)
 | (5) (6) (6) (6) | (2) (4) (5) (6) (7) | (2) (4) (5) (7) | (2) (4) (5) (7) | (2) (4) (5) (6) (7) | भारत है जीर उसके नाम ""कितमान मृत्य पर भारत है जीर उसके नाम
"""अवीर, प्रद्य, केषक, विरास्त सम्मिति से अप्र सामिति है जीर उसके नाम पर अपर किसके नाम पर भारत है जीर उसके नाम पर अपर किसी प्रकार से सम्मिति से आप्र सामिति भारत है जीर उसके नी तारोख और जिससे आप्र सम्मिति से अपर स्वांति की गई हो उसका नाम तमा स्वांति है जीर (६) (१) (१) (१) | पाल के जान तथा ज्याद क्या के जान तथा के जान प्रपाद की का जान तथा के जान तथा के जान तथा के जान तथा के जान क | सम्भाव का जाम तथा ब्यार
बतत्ताइये कि इह किसके नाम "" बतीत, युद्ध, बंधक, विरासत
पर भारित है और उसका मेंट या अपन्न किसी प्रकार से
सासकीय कर्मचारी से जाम अर्थन की गाँउ और जिसका नाम
स्या संबंध है अधित को गाँड हो उसका नाम
स्या संबंध है (6) (7) | सस्पति का जान तथा क्योरि
कारताइये कि वह किसके जान
कारताइये कि वह किसके जान
पर भारति है और उसका में देया अन्य किसी प्रकार से
सासकीय कर्मचारी से आयेख और जिससे
स्या संबंध है अजिंति की गई हो उसका जान
तथा संबंध है (6) (7) | सम्पति का जान तथा क्यों
बारणाइये कि यह कि मिक नाम "" व्याप्त मिक मिक नाम मिक माम मिक मिक मिक मिक मिक मिक मिक मिक मिक मि | सम्पण्णिका जाना तथा क्योंदे
गृह तथा अन्य भवन भूमि "वर्तमान मूल्य पर थारित है और उसके ना स्टिया अन्य किसी प्रकार से सम्प्रति में अभ
गृह तथा अन्य भवन भूमि "वर्तमान मूल्य पर थारित है और उसके ना सेट या अन्य किसी प्रकार से सम्प्रति में अभ
शासकीय कर्मचारी से आपांख और जिसते वा व्यक्ति आपांख और जिसते ।
स्या संबंध है अधित की गाई हो उसका नाम तथा है । (१)
 | सम्पष्टिका जान तथा क्योंरे
गृह तथा अन्य भवन भूमि ""वर्तमान मूल्य प्राधारित है और उसके ना ""जिर्पाद प्रद्य, बंधक, विरामत, प्राधारित है और उसके ना मेट या अन्य किसो प्रकार से सम्प्रति से आपातित है और उसके को वार्तिक आपाति आपाति और जिर्मा का मिक आपाति है। वसका नाम नाम नाम तथा है । वसका नाम तथा लिए है। वसका नाम तथा है । वसका नाम तथा है । वसका नाम तथा लिए है। वसका नाम | सम्पष्टिका जान तथा क्योंरे
गृह तथा अन्य भवन भूमि ""वर्तमान मूल्य प्राधारित है और उसके ना ""जिर्पाद प्रद्य, बंधक, विरामत, प्राधारित है और उसके ना मेट या अन्य किसो प्रकार से सम्प्रति से आपातित है और उसके को वार्तिक आपाति आपाति और जिर्मा का मिक आपाति है। वसका नाम नाम नाम तथा है । वसका नाम तथा लिए है। वसका नाम तथा है । वसका नाम तथा है । वसका नाम तथा लिए है। वसका नाम | सम्पण्णिका जाना तथा क्योंदे
गृह तथा अन्य भवन भूमि "वर्तमान मूल्य पर थारित है और उसके ना स्टिया अन्य किसी प्रकार से सम्प्रति में अभ
गृह तथा अन्य भवन भूमि "वर्तमान मूल्य पर थारित है और उसके ना सेट या अन्य किसी प्रकार से सम्प्रति में अभ
शासकीय कर्मचारी से आपांख और जिसते वा व्यक्ति आपांख और जिसते ।
स्या संबंध है अधित की गाई हो उसका नाम तथा है । (१) | सम्पण्णिका जाना तथा क्योंदे
गृह तथा अन्य भवन भूमि "वर्तमान मूल्य पर थारित है और उसके ना स्टिया अन्य किसी प्रकार से सम्प्रति में अभ
गृह तथा अन्य भवन भूमि "वर्तमान मूल्य पर थारित है और उसके ना सेट या अन्य किसी प्रकार से सम्प्रति में अभ
शासकीय कर्मचारी से आपांख और जिसते वा व्यक्ति आपांख और जिसते ।
स्या संबंध है अधित की गाई हो उसका नाम तथा है । (१) | सम्पष्टिका जाम तथा क्योंरे
गृह तथा अन्य भवन भूमि "वित्तान मूल्य पर धारेत हैं और उसका मेंट या अन्य किसी प्रकार से सम्प्रीत हैं
गृह तथा अन्य भवन भूमि "वित्तान मूल्य पर धारेत हैं और उसका मेंट या अन्य किसी प्रकार से सम्प्रीत हैं
शासकीय कर्मचारी से जागा अर्जन की ताराख और विस्तान वार्षिक आय
स्मा संबंध हैं अर्जित की गाई हो उसका नाम
(2) (4) (5) (7) | सम्पष्टिका जाम तथा क्योंरे
गृह तथा अन्य भवन भूमि "वित्तान मूल्य पर धारेत हैं और उसका मेंट या अन्य किसी प्रकार से सम्प्रीत हैं
गृह तथा अन्य भवन भूमि "वित्तान मूल्य पर धारेत हैं और उसका मेंट या अन्य किसी प्रकार से सम्प्रीत हैं
शासकीय कर्मचारी से जागा अर्जन की ताराख और विस्तान वार्षिक आय
स्मा संबंध हैं अर्जित की गाई हो उसका नाम
(2) (4) (5) (7) | सम्पण्णिका जाना तथा क्योंदे
गृह तथा अन्य भवन भूमि "वर्तमान मूल्य पर थारित है और उसके ना स्टिया अन्य किसी प्रकार से सम्प्रति में अभ
गृह तथा अन्य भवन भूमि "वर्तमान मूल्य पर
थारित है और उसके ना सेट या अन्य किसी प्रकार से सम्प्रति में अभ
शासकीय कर्मचारी से आपांख और जिसते वा व्यक्ति आपांख और जिसते ।
स्या संबंध है अधित की गाई हो उसका नाम तथा है । (१) | सम्पष्टिका जाम तथा क्योंरे
गृह तथा अन्य भवन भूमि "वित्तान मूल्य पर धारेत हैं और उसका मेंट या अन्य किसी प्रकार से सम्प्रीत हैं
गृह तथा अन्य भवन भूमि "वित्तान मूल्य पर धारेत हैं और उसका मेंट या अन्य किसी प्रकार से सम्प्रीत हैं
शासकीय कर्मचारी से जागा अर्जन की ताराख और विस्तान वार्षिक आय
स्मा संबंध हैं अर्जित की गाई हो उसका नाम
(2) (4) (5) (7) | सम्पण्णिका जाना तथा क्योंदे
गृह तथा अन्य भवन भूमि "वर्तमान मूल्य पर थारित है और उसके ना स्टिया अन्य किसी प्रकार से सम्प्रति में अभ
गृह तथा अन्य भवन भूमि "वर्तमान मूल्य पर थारित है और उसके ना सेट या अन्य किसी प्रकार से सम्प्रति में अभ
शासकीय कर्मचारी से आपांख और जिसते वा व्यक्ति आपांख और जिसते ।
स्या संबंध है अधित की गाई हो उसका नाम तथा है । (१) | सम्पण्णिका जाना तथा क्योंदे
गृह तथा अन्य भवन भूमि "वर्तमान मूल्य पर थारित है और उसके ना स्टिया अन्य किसी प्रकार से सम्प्रति में अभ
गृह तथा अन्य भवन भूमि "वर्तमान मूल्य पर थारित है और उसके ना सेट या अन्य किसी प्रकार से सम्प्रति में अभ
शासकीय कर्मचारी से आपांख और जिसते वा व्यक्ति आपांख और जिसते ।
स्या संबंध है अधित की गाई हो उसका नाम तथा है । (१) | सम्पण्णिका जाना तथा क्योंदे
गृह तथा अन्य भवन भूमि "वर्तमान मूल्य पर थारित है और उसके ना स्टिया अन्य किसी प्रकार से सम्प्रति में अभ
गृह तथा अन्य भवन भूमि "वर्तमान मूल्य पर थारित है और उसके ना सेट या अन्य किसी प्रकार से सम्प्रति में अभ
शासकीय कर्मचारी से आपांख और जिसते वा व्यक्ति आपांख और जिसते ।
स्या संबंध है अधित की गाई हो उसका नाम तथा है । (१)
 | सम्पष्टिका जाम तथा क्योंरे
गृह तथा अन्य भवन भूमि "वित्तान मूल्य पर धारेत हैं और उसका मेंट या अन्य किसी प्रकार से सम्प्रीत हैं
गृह तथा अन्य भवन भूमि "वित्तान मूल्य पर धारेत हैं और उसका मेंट या अन्य किसी प्रकार से सम्प्रीत हैं
शासकीय कर्मचारी से जागा अर्जन की ताराख और विस्तान वार्षिक आय
स्मा संबंध हैं अर्जित की गाई हो उसका नाम
(2) (4) (5) (7) |
	भोएस करना संभव न हो जहां महीयान स्थिति के सन्दर्भ में स्राप्तमा मृत्य वहताया जाए।	भिरिक्त करता संभव त हो बहा बहेपान स्थिति है झन्द्रण में स्राभग मृहय यहताया नाए।	भीएण करना संभव न हो, यहां सरोगन स्थिति के सन्दर्भ में लगभग मृत्य वतलाया जाए।	
 | | | | |
 | | | | |
 | | | |
 | | | | | |
 | | | | |
 | (2) (4) (5) | (5) (6) (7) | (2) (3) (5) (7) | (5) (6) (7) | (5) (4) (5)
 | (5) (4) (5) (6) | (2) (4) (5) (6) (7) | (2) (4) (5) (6) (7) | (2) (4) (5) (6) (7) | (2) (4) (5) (6) (7) | भाद स्था के त्या अपन भाव में क्षा के स्था के स्था के स्था के कि
स्था के स्था | संभाव का जान तथा क्यांत
कतलास्यें कि सह किसके नाम ""विद्या क्ष्मक, विरासत,
मृह तथा अन्य भवन भूमि ""वर्तमान मूल्य पर भारित है और उसका में जान अन्य किसी प्रकार से सम्माति से अम्
शासकीय कर्मचारी से जान अज्ञेतन की गारीख और जिससे कार्मिक आव्रु
यमा समिय है जान अज्ञेतन की गारीख और जिससे कार्मिक आव्रु
यमा समिय है जान व्या ज्ञेतन की गारीख और जिससे कार्मिक आव्रु | सम्भाव का जाम तथा क्यार
बतलाहरों कि बहु किसके जाम "" खरीद प्रद्या वंपक, विरासत,
गृह तथा अन्य भवन भूमि " वर्तमान मूल्य पर भारित है, और उसका में जा अज्ञ समित के आंध्र
सम्भावनीय कर्मचारी से जाम अज्ञन की तारीख और जिससे व्यासिक आंध्र
सम्भावनीय कर्मचारी से जाम अज्ञन की तारीख और जिससे व्यासिक आंध्र
सम्भावनीय कर्मचारी से तथा कर्मचारी से तथा व्यासिक आंध्र
सम्भावनीय कर्मचारी से तथा | सस्पांक का जाम क्ष्म क्ष्मी क्ष्म क्ष्मी क्ष्म का जाम क्ष्म क्ष्म क्ष्मी क्ष्म का जाम क्ष्म क्ष्म का जाम क्ष्म का जाम क्ष्म क्ष्म का जाम क्ष्म का जाम जाम का जाम का जाम का जाम जाम जाम का जाम का जाम का जाम जाम जाम जाम जाम जाम जाम जाम जाम जा | सम्पति का जम तथा क्यों
बतताइये कि वह किसके नाम ""व्योद्ध प्रयु. वंधक, विरासत
पर भारित है और उसका में उसका से
शासकीय कर्मवारी से जान अर्जन की तारित और विससे
समासिक आयु
समासिक आयु
समासिक आयु
समासिक आयु
तथा अर्जन की तारित और विससे
तथा अर्जन की तारित और विससे | सस्पति का जान क्षण क्योरें
गृह तथा अन्य भवन भूमि **वर्तमान मुस्य के जाय अर उसको निस्से जाय अर विस्ता मुस्य के जाय अर विस्ता मुस्य पर थारित है और उसको में उप अन्य किसी प्रकार से अप्रमित्त में जाय अर्जन की गाँउ और जिससे वासिक आय समास्वाय है अर्जित की गाँड हो उसका नाम तथा स्वाय है अर व्याप व्याप (2) (3) (4) (5) (5) (6) (7) | सम्पष्टि का जाम क्या क्योंदे
कारणाइये कि बहु किसके नाम """वर्रा, बंधक, विरासत
पर भारत है और उसका
पर भारतीय है और उसका
परमा संबंध है अधित की गई हो बसका नाम
(2) (3) (4) (5) (5) (6) | सम्पष्टि का जाम क्या क्योंदे
कारणाइये कि बहु किसके नाम """वर्रा, बंधक, विरासत
पर भारत है और उसका
पर भारतीय है और उसका
परमा संबंध है अधित की गई हो बसका नाम
(2) (3) (4) (5) (5) (6)
 | सस्पति का जान क्षण क्योरें
गृह तथा अन्य भवन भूमि **वर्तमान मुस्य के जाय अर उसको निस्से जाय अर विस्ता मुस्य के जाय अर विस्ता मुस्य पर थारित है और उसको में उप अन्य किसी प्रकार से अप्रमित्त में जाय अर्जन की गाँउ और जिससे वासिक आय समास्वाय है अर्जित की गाँड हो उसका नाम तथा स्वाय है अर व्याप व्याप (2) (3) (4) (5) (5) (6) (7) | सस्पति का जान क्षण क्योरें
गृह तथा अन्य भवन भूमि **वर्तमान मुस्य के जाय अर उसको निस्से जाय अर विस्ता मुस्य के जाय अर विस्ता मुस्य पर थारित है और उसको में उप अन्य किसी प्रकार से अप्रमित्त में जाय अर्जन की गाँउ और जिससे वासिक आय समास्वाय है अर्जित की गाँड हो उसका नाम तथा स्वाय है अर व्याप व्याप (2) (3) (4) (5) (5) (6) (7) | सस्पतिका नाम तथा व्योधि क्या प्राप्त न हो सो उसी किस प्रकार आखित क्षिक, क्षिया ग्रम् कारा हो से क्या है स्वयोधि क्या ग्रम क्या है से क्या क्या है स्वयोधि क्या क्या है से व्या अपने की वादी क्या क्या क्या क्या क्या क्या क्या क्या | सस्पतिका नाम तथा व्योधि क्या प्राप्त न हो सो उसी किस प्रकार आखित क्षिक, क्षिया ग्रम् कारा हो से क्या है स्वयोधि क्या ग्रम क्या है से क्या क्या है स्वयोधि क्या क्या है से व्या अपने की वादी क्या क्या क्या क्या क्या क्या क्या क्या | सस्पति का जान क्षण क्योरें
गृह तथा अन्य भवन भूमि **वर्तमान मुस्य के जाय अर उसको निस्से जाय अर विस्ता मुस्य के जाय अर विस्ता मुस्य पर थारित है और उसको में उप अन्य किसी प्रकार से अप्रमित्त में जाय अर्जन की गाँउ और जिससे वासिक आय समास्वाय है अर्जित की
गाँड हो उसका नाम तथा स्वाय है अर व्याप व्याप (2) (3) (4) (5) (5) (6) (7) | सस्पतिका नाम तथा व्योधि क्या प्राप्त न हो सो उसी किस प्रकार आखित क्षिक, क्षिया ग्रम् कारा हो से क्या है स्वयोधि क्या ग्रम क्या है से क्या क्या है स्वयोधि क्या क्या है से व्या अपने की वादी क्या क्या क्या क्या क्या क्या क्या क्या | सस्पति का जान क्षण क्योरें
गृह तथा अन्य भवन भूमि **वर्तमान मुस्य के जाय अर उसको निस्से जाय अर विस्ता मुस्य के जाय अर विस्ता मुस्य पर थारित है और उसको में उप अन्य किसी प्रकार से अप्रमित्त में जाय अर्जन की गाँउ और जिससे वासिक आय समास्वाय है अर्जित की गाँड हो उसका नाम तथा स्वाय है अर व्याप व्याप (2) (3) (4) (5) (5) (6) (7) | सस्पति का जान क्षण क्योरें
गृह तथा अन्य भवन भूमि **वर्तमान मुस्य के जाय अर उसको निस्से जाय अर विस्ता मुस्य के जाय अर विस्ता मुस्य पर थारित है और उसको में राण अर्जन की गाँह हो उसका नाम समास्वंध है अर्जन की गाँह हो उसका नाम तथा स्वंध है अर व्याप व्याप का व्याप विस्का नाम तथा स्वंध है (6) (7) | सस्पति का जान क्षण क्योरें
गृह तथा अन्य भवन भूमि **वर्तमान मुस्य के जाय अर उसको निस्से जाय अर विस्ता मुस्य के जाय अर विस्ता मुस्य पर थारित है और उसको में राण अर्जन की गाँह हो उसका नाम समास्वंध है अर्जन की गाँह हो उसका नाम तथा स्वंध है अर व्याप व्याप का व्याप विस्का नाम तथा स्वंध है (6) (7)
 | सस्पतिका नाम तथा व्योधि क्या प्राप्त न हो सो उसी किस प्रकार आखित क्षिक, क्षिया ग्रम् कारा हो से क्या है स्वयोधि क्या ग्रम क्या है से क्या क्या है स्वयोधि क्या क्या है से व्या अपने की वादी क्या क्या क्या क्या क्या क्या क्या क्या |
	भारण करना संभव त हो बहा बरोपान स्थिति है सन्दर्भ में स्राप्तमा मृत्य यहताया नाए।	भिरिक्त करता संभव त को बहा बहेपान स्थिति है झन्द्रभ में स्वाभग मृहस्य यहताया नाए।	भीएण करना संधेष्य न हो, खहा खेतेमन स्थिति के सन्दर्भ में स्वाध्या आए।	
 | | | | |
 | | | | |
 | | | |
 | | | | | |
 | | | | | (5) (6)
 | (2) | (5) (6) (7) | (5) (4) (5) | (5) (4) (5) | (5) (4) (5)
 | (5) (4) (6) (7) | (2) (4) (5) (6) (7) | (2) (4) (5) (7) | (2) (4) (5) (7) | (2) (4) (5) (6) (7) | गृह तथा अन्य थवन भूमि ** मैदीमान मूल्य पर भारत है और उसका भूमि
के अव्हार्ज प्रकार में स्वार्मित में अन्य शिक्त के मिर्ट या ज्यन किसी प्रकार से सम्मित में अन्य शिक्त की वार्य जी शिक्स के माय अन्य किसी प्रकार से सम्मित में अन्य शिक्स की वार्य जी शिक्स की या विकार भी सार्य के माय का प्रवास की वार्य के माय का माय का माय किस्त आप के माय का माय की वार्य की वार्य के माय का माय की वार्य की वार्य के माय का माय की वार्य की | सम्भाव का जान अपन क्यां स्वयं के जाम पर ने हो सो जिस के किसो प्रकार अभित किसा जाना कराना है। किसो अपन भवन भूमि कराने मिला पर भारित है। जीर उसका में जान की वार्षिक आप सामिक आप सामिक आप समामिक समामि | सम्भाव का जाम तथा क्यांत. सम्भाव का जाम तथा क्यांत. बतलाइये कि लंक के जाम भर न हो लो क्यांत क्रिया जा कर्मा क्यांत क्यांत प्रतिरासत. प्राप्त कर्मा स्थात है और उसका में सम्मासिस अभ में तथा अलंग की तार्थ और जिस्सी में क्यांय मार्थ कर्मा स्था है जिसका मार्म कर्म कर्म कर्म कर्म कर्म कर्म कर्म क | सम्पाद का जमार क्षण क्यों. बहु किमके जान भाग क्षण क्यों के का का किम प्रकार अर्थित क्षिक, विरासत, बहु किमके जान भाग का का किसके जाय का किसी प्रकार से सम्मानि से अप सामिक आय का किसी प्रकार से सम्मानि से आय सामिक आय का किसी प्रकार से सम्मानि से आय सामिक आय का किसी प्रकार से सम्मानि से आय सामिक आय का | सम्पादि का जाम तथा क्योरि
क्रिक्स के जान प्राप्त के जीर उसको जिस्स प्रकार की स्ताप्त के जीर उसको जा क्यां क्यां क्यां क्यां क्यां का सम्पत्ति से अप्र
प्राप्त के जीर उसको जी जाने के जीर जान की तारोख जीर जिससे आय
स्याप्त का संबंध है जीर उसको जान
स्याप्त का संबंध है जीर जाने की तारोख जीर जिससे जाविक आय
स्याप्त का मुन्ति का जीर जीर का जीर जीर की जी | सम्पर्ति का नाम तथा क्योंते. बिक्त कर किस प्रकार अजित किसा गणा कर किस किसा गणा कर किस किसा गणा कर किस किसा कर किस | सम्पति का जान तथा क्यों. बतलावर कि जोर जर के किस प्रकार अजित किया गया बतलावर कि जोर जर के किस प्रकार के किस प्रक के किस प्रकार के किस प्रकार के किस प्रकार के किस प्रकार के किस के किस प्रकार के किस के किस प्रकार के किस के कि | सम्पति का जान तथा क्यों. बतलावर कि जोर जर के किस प्रकार अजित किया गया बतलावर कि जोर जर के किस प्रकार के किस प्रक के किस प्रकार के किस प्रकार के किस प्रकार के किस प्रकार के किस के किस प्रकार के किस के किस प्रकार के किस के कि | सम्पर्ति का नाम तथा क्योंते. बिक्त कर किस प्रकार अजित किसा गणा कर किस किसा गणा कर किस किसा गणा कर किस किसा कर किस | सम्पर्ति का नाम तथा क्योंते. बिक्त कर किस प्रकार अजित किसा गणा कर किस किसा गणा कर किस किसा गणा कर किस किसा कर किस
 | सम्पर्तिः का जान तथा क्योंते. बिक्त के जिस्स प्रकार आर्थितं किया जा का किस्त प्रकार आर्थितं किया गया बिक्त के जिस्स प्रकार अर्थितं के प्रकार के जिस्स प्रकार के जिस्स प्रकार के जिस्स प्रकार के जाय का किस्त प्रकार के जाय का किस्त जाय के जाय का किस्त जाय का का किस्त जाय का का किस्त जाय का | सम्पर्तिः का जान तथा क्योंते. बिक्त के जिस्स प्रकार आर्थितं किया जा का किस्त प्रकार आर्थितं किया गया बिक्त के जिस्स प्रकार अर्थितं के प्रकार के जिस्स प्रकार के जिस्स प्रकार के जिस्स प्रकार के जाय का किस्त प्रकार के जाय का किस्त जाय के जाय का किस्त जाय का का किस्त जाय का का किस्त जाय का | सम्पर्ति का नाम तथा क्योंते. बिक्त कर किस प्रकार अजित किसा गणा कर किस किसा गणा कर किस किसा गणा कर किस किसा कर किस | सम्पर्तिः का जान तथा क्योंते. बिक्त के जिस्स प्रकार आर्थितं किया जा का किस्त प्रकार आर्थितं किया गया बिक्त के जिस्स प्रकार अर्थितं के प्रकार के जिस्स प्रकार के जिस्स प्रकार के जिस्स प्रकार के जाय का किस्त प्रकार के जाय का किस्त जाय के जाय का किस्त जाय का का किस्त जाय का का किस्त जाय का | सम्पर्ति का नाम तथा क्योंते. बिक्त कर किस प्रकार अजित किसा गणा कर किस किसा गणा कर किस किसा गणा कर किस किसा कर किस
 | सम्पर्ति का नाम तथा क्योंते. बिक्त कर किस प्रकार अजित किसा गणा कर किस किसा गणा कर किस किसा गणा कर किस किसा कर किस | सम्पर्ति का नाम तथा क्योंते. बिक्त कर किस प्रकार अजित किसा गणा कर किस किसा गणा कर किस किसा गणा कर किस किसा कर किस | सम्पर्तिः का जान तथा क्योंते. बिक्त के जिस्स प्रकार आर्थितं किया जा का किस्त प्रकार आर्थितं किया गया बिक्त के जिस्स प्रकार अर्थितं के प्रकार के जिस्स प्रकार के जिस्स प्रकार के जिस्स प्रकार के जाय का किस्त प्रकार के जाय का किस्त जाय के जाय का किस्त जाय का का किस्त जाय का का किस्त जाय का | | |
| | भिरिक्त असी समित है से स्वर्ध महिल्ला है सन्दर्भ में स्वरभग भृष्ट्य यहतायाँ माए। | भिरिक्त अस्ता संभव त को खहा बहेपान स्थिति है अस्त्र भ में स्राभग भृत्य यहताया गाए। | भीएए। करना संध्य न हो, खहा सरोतान स्थिति के सन्दर्भ में स्वाध्या आए। |
 | | | | |
 | | | | |
 | | | |
 | | | | | |
 | | | | |
 | (5) (6) (7) | (5) (6) (7) | (3) (4) (5) | (5) (6) (7) | (5) (4) (5) (7)
 | (5) (4) (5) (6) (7) | (2) (4) (5) (6) (7) | (2) (4) (5) (6) (7) | (2) (4) (5) (6) (7) | (2) (4) (5) (6) (7) | पड़ स्था के नाम भार ने हो तो उस किस मिल क्या गया बितलाइमें किस
के किस के नाम भार ने क्या क्या के किसी मिल | सारा करना भार कार सारा अधित कि वह किसके नाम अप न हो सो उस कि मिन प्रमार न स्वासी कि वह किसके नाम कर्म किसी प्रमार में समिति में अप भारत है और उसका मेंट या अन्य किसी प्रकार से समिति में अप शासकीय कर्मचारी से तथा अर्जन की तार्राख और जिससे आयि स्वासिक आयि स्वासिक आयि कार्मचारी है। अर्जन की तार्राख और जिससे आयि स्वासिक आयि स्वासिक आयि कार्मचारी है। अर्जन की तार्राख और जिससे मान स्वासिक आयि स्वासिक आयि स्वासिक से अर्जन की तार्राख और जिससे मान स्वासिक आयि स्वासिक आये तथा स्वीसि की गई हो। उसका नाम तथा स्वासिक से (२) (६) (८) | सम्भाव का जाम तथा ब्लार
कारलाइपे कि लड़ किमके नाम भर न हो तो उसके, विदासत,
कारलाइपे कि लड़ किमके नाम के किसी प्रकार से सम्मासिसे अप
पर भारित है और उसका में राजन्य किसी प्रकार से सम्मासिसे अप
शासकीय कर्मचारी से आवाज और जिससे वार्षिक आय
प्यात्मवंध है अजित को गाई हो उसका नाम
(2) (3) (4) (5) (5) | सम्परिकश नाम तथा क्योर
कारणाइचे कि खंड किसके नाम """वर्गाद, पट्टा बंधक, विरामत,
गृह तथा अन्य भवन भूमि ""वर्गान मूल्य पर थारित है और उसका भेट या अन्य किसी प्रकार से सम्मित्त के अभ
शासकीय कर्मचारी से आयोख और जिससे कार्यिक आयो
क्या संबंध है अधित की गांह हो उसका नाम
क्या संबंध है अधित की गांह हो उसका नाम
(2) (3) (4) (5) (7) | सम्पर्धिका नाम तथा व्यक्ति क्रियों के नाम भर न हो तो उसे किस प्रकार अजिंत किया गया विद्या के कर निर्मा कर
 | सम्पति का नाम तथा ज्योरे
गृह तथा अन्य थवन भूमि ** कैंदिमान मूल्य पर भारित है और उसको निस्ते काम सेट या अन्य किसी प्रकार से सम्पति में अभ
शासकीय कर्मचारी से जापां अर्जन की तारीख और जिससे वार्षिक आधु
समा संबंध है अर्जन की तारीख और जिससे वार्षिक आधु
समा संबंध है अर्जन की तारीख और जिससे वार्षिक आधु
समा संबंध है (5) (4) (5) (7) | सम्पष्टि का जान तथा क्यों. बत्ताप्त कि यह किसके नाम ""विदार प्रद्य क्षक, विदासत, प्रदासत, व्यापिक आय्र प्रपादित है और उत्तक में द्या अन्य कि ती प्रकार से सम्पत्ति से आपिक आय्र प्रपादिक आय्र प्रपादिक क्षां के प्रचार संबंध है जिया व्यापत की तारी के और जिसस का नाम त्यापत की तारी को व्यापत की तारी के जिया व्यापत की तारी की | सम्पष्टि का जान तथा क्यों. बत्ताप्त कि यह किसके नाम ""विदार प्रद्य क्षक, विदासत, प्रदासत, व्यापिक आय्र प्रपादित है और उत्तक में द्या अन्य कि ती प्रकार से सम्पत्ति से आपिक आय्र प्रपादिक आय्र प्रपादिक क्षां के प्रचार संबंध है जिया व्यापत की तारी के और जिसस का नाम त्यापत की तारी को व्यापत की तारी के जिया व्यापत की तारी की | सम्पति का नाम तथा ज्योरे
गृह तथा अन्य थवन भूमि ** कैंदिमान मूल्य पर भारित है और उसको निस्ते काम सेट या अन्य किसी प्रकार से सम्पति में अभ
शासकीय कर्मचारी से जापां अर्जन की तारीख और जिससे वार्षिक आधु
समा संबंध है अर्जन की तारीख और जिससे वार्षिक आधु
समा संबंध है अर्जन की तारीख और जिससे वार्षिक आधु
समा संबंध है (5) (4) (5) (7) | सम्पति का नाम तथा ज्योरे
गृह तथा अन्य थवन भूमि ** कैंदिमान मूल्य पर भारित है और उसको निस्ते काम सेट या अन्य किसी प्रकार से सम्पति में अभ
शासकीय कर्मचारी से जापां अर्जन की तारीख और जिससे वार्षिक आधु
समा संबंध है अर्जन की तारीख और जिससे वार्षिक आधु
समा संबंध है अर्जन की तारीख और जिससे वार्षिक आधु
समा संबंध है (5) (4) (5) (7) | सम्पति का नाम तथा चौरे
गृह तथा अन्य थवन भूमि ** वितान मूल्य पर थारित है और उसको नाम अन्य किसी प्रका, विरासत,
गृह तथा अन्य थवन भूमि ** वितान मूल्य पर थारित है और उसको मेंट या अन्य किसी प्रकार से सम्मिति से आधिक आधु
शासकौय कर्मचारी से जारीख और जिससे वार्थिक आधु
स्था संबंध है अप अपित की गई हो बसका मान (2) (3) (4) (5) (5) (7) | सम्पति का नाम तथा चौरे
गृह तथा अन्य थवन भूमि ** वितान मूल्य पर थारित है और उसको नाम अन्य किसी प्रका, विरासत,
गृह तथा अन्य थवन भूमि ** वितान मूल्य पर थारित है और उसको मेंट या अन्य किसी प्रकार से सम्मिति से आधिक आधु
शासकौय कर्मचारी से जारीख और जिससे वार्थिक आधु
स्था संबंध है अप अपित की गई हो बसका मान (2) (3)
(4) (5) (5) (7) | सम्पति का नाम तथा ज्योरे
गृह तथा अन्य थवन भूमि ** कैंदिमान मूल्य पर भारित है और उसको निस्ते काम सेट या अन्य किसी प्रकार से सम्पति में अभ
शासकीय कर्मचारी से जापां अर्जन की तारीख और जिससे वार्षिक आधु
समा संबंध है अर्जन की तारीख और जिससे वार्षिक आधु
समा संबंध है अर्जन की तारीख और जिससे वार्षिक आधु
समा संबंध है (5) (4) (5) (7) | सम्पति का नाम तथा चौरे
गृह तथा अन्य थवन भूमि ** वितान मूल्य पर थारित है और उसको नाम अन्य किसी प्रका, विरासत,
गृह तथा अन्य थवन भूमि ** वितान मूल्य पर थारित है और उसको मेंट या अन्य किसी प्रकार से सम्मिति से आधिक आधु
शासकौय कर्मचारी से जारीख और जिससे वार्थिक आधु
स्था संबंध है अप अपित की गई हो बसका मान (2) (3) (4) (5) (5) (7) | सम्पति का नाम तथा ज्योरे
गृह तथा अन्य थवन भूमि ** कैंदिमान मूल्य पर भारित है और उसको निस्ते काम सेट या अन्य किसी प्रकार से सम्पति में अभ
शासकीय कर्मचारी से जापां अर्जन की तारीख और जिससे वार्षिक आधु
समा संबंध है अर्जन की तारीख और जिससे वार्षिक आधु
समा संबंध है अर्जन की तारीख और जिससे वार्षिक आधु
समा संबंध है (5) (4) (5) (7) | सम्पति का नाम तथा ज्योरे
गृह तथा अन्य थवन भूमि ** कैंदिमान मूल्य पर भारित है और उसको निस्ते काम सेट या अन्य किसी प्रकार से सम्पति में अभ
शासकीय कर्मचारी से जापां अर्जन की तारीख और जिससे वार्षिक आधु
समा संबंध है अर्जन की तारीख और जिससे वार्षिक आधु
समा संबंध है अर्जन की तारीख और जिससे वार्षिक आधु
समा संबंध है (5) (4) (5) (7)
 | सम्पति का नाम तथा ज्योरे
गृह तथा अन्य थवन भूमि ** कैंदिमान मूल्य पर भारित है और उसको निस्ते काम सेट या अन्य किसी प्रकार से सम्पति में अभ
शासकीय कर्मचारी से जापां अर्जन की तारीख और जिससे वार्षिक आधु
समा संबंध है अर्जन की तारीख और जिससे वार्षिक आधु
समा संबंध है अर्जन की तारीख और जिससे वार्षिक आधु
समा संबंध है (5) (4) (5) (7) | सम्पति का नाम तथा चौरे
गृह तथा अन्य थवन भूमि ** वितान मूल्य पर थारित है और उसको नाम अन्य किसी प्रका, विरासत,
गृह तथा अन्य थवन भूमि ** वितान मूल्य पर थारित है और उसको मेंट या अन्य किसी प्रकार से सम्मिति से आधिक आधु
शासकौय कर्मचारी से जारीख और जिससे वार्थिक आधु
स्था संबंध है अप अपित की गई हो बसका मान (2) (3) (4) (5) (5) (7) | | | |
| | भिरिता स्थाप में हो, यहाँ वरिमान स्थिति है सन्दर्भ में स्वापमा मृत्य यहताया नाष्ट्र। | भिरिक्षा स्टिना संभव त हो, बहा बरोमान स्थिति है अन्य भं में साममा मृहस्य यहतावायां जाए। | भीएण करना संभित्य न हो, खहा खतेमान स्थिति के सन्दर्भ में स्वाभग मृख्य जवलाया जाए। |
 | | | | |
 | | | | |
 | | | |
 | | | | | |
 | | | | |
 | (3) (4) (5) | (5) (6) (7) | (5) (4) (5) | (5) (4) (5) | (5) (6) (7)
 | (5) (4) (5) (6) (7) | (2) (4) (5) (6) (7) | (5) (4) (5) (7) | (2) (4) (5) (7) | (2) (4) (5) (6) (7) | ाह तथा अन्य भवत भूमि "क्वर्तमान मूल्य पर भारित हैं और उसका मेंट
या अन्य किसी प्रकार से सम्मासि से अभ्रासकार से सम्मासिक से सम्मासिक से सम्मासिक से अभ्रासकार से सम्मासिक से समासिक से समासिक से सम्मासिक से समासिक से समासि | साधकका ग्रम तथा क्यार
बतलाइये कि सह किसके नाम "" व्यतमान मृत्य पर भारित है और उसका मेंट या अन्य किसी प्रकार से सम्मित्त में अप्र
शासकीय कर्मचारी से निया अर्जन की वाराख और जिससे वासिक आय
स्या संबंध है अपित की गर्द हो उसका नाम
स्या संबंध है अर्जन की वाराख और जिससे वासिक आय
तथा व्या व्या व्या व्या व्या व्या व्या व्य | सम्भाव का नाम तथा ब्यार स्वयं के नाम पर न हो तो उसे किस प्रकार अर्थित किया गवा
बतत्वाहर्य कि वह किसके नाम ""कर्तमान मृत्य पर भारित है और उसका मेट या अन्य किसी प्रकार से सम्मिति है और उसका मेट या अन्य किसी प्रकार से सम्मिति है और उसका मेट या अन्य किसी प्रकार से सम्मिति है और उसका मिर्फ आया स्वांत की गई हो उसका नाम तथा स्वंव है अर्थित की गई हो उसका नाम तथा स्वंव है (६) (७) (७) | अस्पींड का जान तथा क्यों.
गृह तथा अन्य भवत भूमि ""मर्तमान मृत्य पर भारित है और उसका मेट या अन्य किसी प्रकार से सम्मिति अभ
शासकीय कर्मचारी से तथा अर्जन की गारीख और जिससे वार्षिक आग्र
स्या संबंध है जीर उसका नाम अर्जन की गारीख और जिससे वार्षिक आग्र
स्या संबंध है अर्जन की गारीख और जिससे वार्षिक आग्र
स्या संबंध है अर्जन की गारीख और जिससे वार्षिक आग्र
स्या संबंध है (६) (७) (७) | सम्परिका नाम तथा क्योरे । इस्ते के नाम पर नहें तो उसे किस प्रकार आर्थि किया गया विकास प्रकार में विपक्त, दिरासत, मेंट या अन्य दिरासत, मार्थिक आर्थिय के मंगारी के नाम अभिक आर्थिय के मंगारी के गई हो उसका नाम अभिक आर्थिय के नाम तिरास के गई हो उसका नाम तिरास के गई हो उसका नाम तिरास आर्थिय के नाम तिरास के गई हो उसका नाम तिरास आर्थिय के गई हो उसका नाम तिरास के गई हो जा तिरास के गई हो हो हो जा तिरास के गई है जो जा | सम्पति का जाम तथा च्योरे
जतलाश्चरे कि जह किसके नाम क्रिक्ट प्रद्या, बंधक, विरासत,
गृह तथा अन्य भवन भूमि कि विरासत,
गृह तथा अन्य भवन भूमि कर्मां ते तथा अर्जन को तारीख और जिससे
शासकीय कर्मां संबंध है अर्जित को गई हो उसका नाम
स्या संबंध है अर्जित को गई हो उसका नाम
(2) (3) (4) (5) (7) | सस्पित का जाम तथा चौरें
बतलाप्टरी कि जह किसके नाम ""बद्दान प्रिक्त के विकास अकार अजिंत किया गया
गृह तथा अन्य पवन भूमि ""बर्दमान मूल्य पर भारित है और उसका
शासकीय कर्मचारी से तथा अर्जन की तारिख और जिससे
स्या संबंध है अजिंत की गई हो उसका नाम
(2) (3) (4) (5) (7)
 | सस्पित का जाम तथा चौरें
बतलाप्टरी कि जह किसके नाम ""बद्दान प्रिक्त के विकास अकार अजिंत किया गया
गृह तथा अन्य पवन भूमि ""बर्दमान मूल्य पर भारित है और उसका
शासकीय कर्मचारी से तथा अर्जन की तारिख और जिससे
स्या संबंध है अजिंत की गई हो उसका नाम
(2) (3) (4) (5) (7) | सम्पति का जाम तथा च्योरे
जतलाश्चरे कि जह किसके नाम क्रिक्ट प्रद्या, बंधक, विरासत,
गृह तथा अन्य भवन भूमि कि विरासत,
गृह तथा अन्य भवन भूमि कर्मां ते तथा अर्जन को तारीख और जिससे
शासकीय कर्मां संबंध है अर्जित को गई हो उसका नाम
स्या संबंध है अर्जित को गई हो उसका नाम
(2) (3) (4) (5) (7) | सम्पति का जाम तथा च्योरे
जतलाश्चरे कि जह किसके नाम क्रिक्ट प्रियासता
गृह तथा अन्य भवन भूमि कि विकास किसके नाम स्थाप कर्म जाते किसके नाम समित कांचा कर्म कर्म जाते क | सम्पति का नाम तथा चौरे
गृह तथा अन्य भवन भूमि ** वर्तमान मूल्य पर भारित है और उसका मिट्या अपक, विरासत, सम्मिसे अभ
गृह तथा अन्य भवन भूमि ** वर्तमान मूल्य पर भारित है और उसका से सम्मिसे अभ
शासकीय कर्मचारी से तथा अर्जन की तारीख और जिससे वार्यिक आय्
स्या संबंध है अर्जित की गई हो उसका नाम
(2) (3) (4) (5) (7) | सम्पति का नाम तथा चौरे
गृह तथा अन्य भवन भूमि ** वर्तमान मूल्य पर भारित है और उसका मिट्या अपक, विरासत, सम्मिसे अभ
गृह तथा अन्य भवन भूमि ** वर्तमान मूल्य पर भारित है और उसका से सम्मिसे अभ
शासकीय कर्मचारी से तथा अर्जन की तारीख और जिससे वार्यिक आय्
स्या संबंध है अर्जित की गई हो उसका नाम
(2) (3) (4) (5) (7) | सम्पति का जाम तथा च्योरे
जतलाश्चरे कि जह किसके नाम क्रिक्ट प्रियासता
गृह तथा
अन्य भवन भूमि कि विकास किसके नाम स्थाप कर्म जाते किसके नाम समित कांचा कर्म कर्म जाते क | सम्पति का नाम तथा चौरे
गृह तथा अन्य भवन भूमि ** वर्तमान मूल्य पर भारित है और उसका मिट्या अपक, विरासत, सम्मिसे अभ
गृह तथा अन्य भवन भूमि ** वर्तमान मूल्य पर भारित है और उसका से सम्मिसे अभ
शासकीय कर्मचारी से तथा अर्जन की तारीख और जिससे वार्यिक आय्
स्या संबंध है अर्जित की गई हो उसका नाम
(2) (3) (4) (5) (7) | सम्पति का जाम तथा च्योरे
जतलाश्चरे कि जह किसके नाम क्रिक्ट प्रियासता
गृह तथा अन्य भवन भूमि कि विकास किसके नाम स्थाप कर्म जाते किसके नाम समित कांचा कर्म कर्म जाते क | सम्पति का जाम तथा च्योरे
जतलाश्चरे कि जह किसके नाम क्रिक्ट प्रियासता
गृह तथा अन्य भवन भूमि कि विकास किसके नाम स्थाप कर्म जाते किसके नाम समित कांचा कर्म कर्म जाते क | सम्पति का जाम तथा च्योरे
जतलाश्चरे कि जह किसके नाम क्रिक्ट प्रियासता
गृह तथा अन्य भवन भूमि कि विकास किसके नाम स्थाप कर्म जाते किसके नाम समित कांचा कर्म कर्म जाते क | सम्पति का नाम तथा चौरे
गृह तथा अन्य भवन भूमि ** वर्तमान मूल्य पर भारित है और उसका मिट्या अपक, विरासत, सम्मिसे अभ
गृह तथा अन्य भवन भूमि ** वर्तमान मूल्य पर भारित है और उसका से सम्मिसे अभ
शासकीय कर्मचारी से तथा अर्जन की तारीख और जिससे वार्यिक आय्
स्या संबंध है अर्जित की गई हो उसका नाम
(2) (3) (4) (5) (7) |
	भिरिक्षा सरका संभव में हो, बहा विसेनान स्थिति है अन्दर्भ में स्वाभग मृहस्य यहतावायां जाए।	भिरिक्षा करता संभव त हो, बहा बरोमान स्थिति के अन्य भं में साप्तमा मृहस्य यहतायां जाए।	भीरण, करना संश्व न हो, बढ़ विसंमान स्थिति के सन्तर्भ में दराभिग मृत्य वतलाया जाए।	
 | | | | |
 | | | | |
 | | | |
 | | | | | |
 | | | | | (5) (6) (7)
 | (5) (6) (7) | (5) (6) (7) | (a) (b) (c) (c) (c) (c) | (5) (4) (6) (7) | (5) (4) (5) (7)
 | (5) (4) (5) (6) (7) | (5) (4) (5) (5) (7) | (2) (4) (5) (6) (7) | (2) (4) (5) (6) (7) | (2) (4) (5) (6) (7) | गृह तथा अन्य भवन भूमि "वर्तमान मूल्य पर भारित हैं और उसका में
"वर्तमान मूल्य पर भारित हैं और उसका में दिया अन्य किसी प्रकार से अम्प्राप्त हैं और उसका में या अन्य किसी प्रकार से अम्प्राप्त से अम्प्राप्त से अम्प्राप्त से अम्प्राप्त से अम्प्राप्त से अम्प्रप्त से अम्प्य से अम्प्रप्त से अम्प्रप | सामाध्यक्त जान क्ष्मा ज्याद अवस्त के जाम पर अवस्त किस्को के नाम प्रकार अभिन्न किस्मा ज्याम कारा क्ष्मा के क्षिक किस्मा ज्याम कारा क्ष्मा के क्ष्मा कारा किसी प्रकार से सम्मासि के आया सामान कारा कारा कारा कारा कारा कारा कारा का | सम्भाव का जाम तथा क्यार. सम्भाव का जाम तथा क्यार. ब्राह्म सिंह के जाम भर न हो तो उस किस मिना ग्राह्म के जालाइपे कि खह किसके नाम ""विद्या क्षक, विदासत, सम्मित्त के जालाइपे किसके नाम मेट या जन्म किसी प्रकार से सम्मित्त के आप अपने की तारोख और जिससे आप सामिक आप स्या संबंध है जीर उस की तारोख और जिससे आप सामिक आप स्या संबंध है जीर जा अपने की तारोख और जिससे आप सामिक आप स्या संबंध है जिसका नाम ति (३) (५) (१) | सम्पाद का जान तथा क्यों पट्ट स्वर्ग के जान पर न हो तो उसे किस प्रकार आजेत किया गया गृह तथा अन्य भवन भूमि "वितेमान मूल्य पर थारित है और उसका मेट या अन्य किसी प्रकार से सम्पत्ति से आप अन्य किसी ग्रह हो उसका नाम प्रमाःसंबंध है अभितंत की गई हो उसका नाम तम | सम्पत्तिका नाम तथा क्योरे । अस्ति स्वर्ण के नाम पर न हो तो उसी किस प्रकार आर्थित किया गया विकार प्रतास प्रकार में सम्पत्ति से अस्ति किया स्वर्ण किया किया किया किया किया किया किया किया | सम्पति का तास तथा क्योरें
गृह तथा अन्य भवत भूमि "कर्तमान मृत्य पर भारित है और उसका भेट या अन्य किसी प्रकार से सम्मित्त अन्य
शासकीय कर्मचारी से नामा अर्जन की तारीख और विससे
स्था संबंध है जाज को गई हो उसका नाम
स्था संबंध है (5) (7)
 | सम्पति का जाम तथा क्योरे
गृह तथा अन्य थवन भूमि "कर्तमार मृत्य पर भारित है और उसका मेंट या अन्य किसी प्रकार से सम्मति से अप्र
शासकीय कर्मचारी से जाणा अर्जन की तारीख और जिससे कार्यिक आय
य्या संबंध है जीत कार्या कार्य कार्या कार्य कार्या कार्य कार्या कार्या कार्या कार्य कार्या कार्या कार्या कार्य | सम्पति का जाम तथा क्योरे
गृह तथा अन्य थवन भूमि "कर्तमार मृत्य पर भारित है और उसका मेंट या अन्य किसी प्रकार से सम्मति से अप्र
शासकीय कर्मचारी से जाणा अर्जन की तारीख और जिससे कार्यिक आय
य्या संबंध है जीत कार्या कार्य कार्या कार्य कार्या कार्य कार्या कार्या कार्या कार्य कार्या कार्या कार्या कार्य | सम्पति का तास तथा क्योरें
गृह तथा अन्य भवत भूमि "कर्तमान मृत्य पर भारित है और उसका भेट या अन्य किसी प्रकार से सम्मित्त अन्य
शासकीय कर्मचारी से नामा अर्जन की तारीख और विससे
स्था संबंध है जाज को गई हो उसका नाम
स्था संबंध है (5) (7) | सम्पति का तास तथा क्योरें
गृह तथा अन्य भवत भूमि "कर्तमान मृत्य पर भारित है और उसका भेट या अन्य किसी प्रकार से सम्मित्त अन्य
शासकीय कर्मचारी से नामा अर्जन की तारीख और विससे
स्था संबंध है जाज को गई हो उसका नाम
स्था संबंध है (5) (7) | सम्पष्टिं का तान तथा क्योंरे
गृह तथा अन्य भवत भूमि **वर्तमान मृत्य पर भारित है और उसका भेट या अपन्य किसी प्रकार से सम्मित्त अप
शासकीय कर्नचारी से तथा अर्जन की तारीख और विस्ते
भारा अर्जन की तारीख और विस्ते
प्यात्मंबंध है तथा अर्जन की तारीख और विस्ते | सम्पष्टिं का तान तथा क्योंरे
गृह तथा अन्य भवत भूमि **वर्तमान मृत्य पर भारित है और उसका भेट या अपन्य किसी प्रकार से सम्मित्त अप
शासकीय कर्नचारी से तथा अर्जन की तारीख और विस्ते
भारा अर्जन की तारीख और विस्ते
प्यात्मंबंध है तथा अर्जन की तारीख और विस्ते | सम्पति का तास तथा क्योरें
गृह तथा अन्य भवत भूमि "कर्तमान मृत्य पर भारित है और उसका भेट या अन्य किसी प्रकार से सम्मित्त
अन्य
शासकीय कर्मचारी से नामा अर्जन की तारीख और विससे
स्था संबंध है जाज को गई हो उसका नाम
स्था संबंध है (5) (7) | सम्पष्टिं का तान तथा क्योंरे
गृह तथा अन्य भवत भूमि **वर्तमान मृत्य पर भारित है और उसका भेट या अपन्य किसी प्रकार से सम्मित्त अप
शासकीय कर्नचारी से तथा अर्जन की तारीख और विस्ते
भारा अर्जन की तारीख और विस्ते
प्यात्मंबंध है तथा अर्जन की तारीख और विस्ते | सम्पति का तास तथा क्योरें
गृह तथा अन्य भवत भूमि "कर्तमान मृत्य पर भारित है और उसका भेट या अन्य किसी प्रकार से सम्मित्त अन्य
शासकीय कर्मचारी से नामा अर्जन की तारीख और विससे
स्था संबंध है जाज को गई हो उसका नाम
स्था संबंध है (5) (7) | सम्पति का तास तथा क्योरें
गृह तथा अन्य भवत भूमि "कर्तमान मृत्य पर भारित है और उसका भेट या अन्य किसी प्रकार से सम्मित्त अन्य
शासकीय कर्मचारी से नामा अर्जन की तारीख और विससे
स्था संबंध है जाज को गई हो उसका नाम
स्था संबंध है (5) (7) | सम्पति का तास तथा क्योरें
गृह तथा अन्य भवत भूमि "कर्तमान मृत्य पर भारित है और उसका भेट या अन्य किसी प्रकार से सम्मित्त अन्य
शासकीय कर्मचारी से नामा अर्जन की तारीख और विससे
स्था संबंध है जाज को गई हो उसका नाम
स्था संबंध है (5) (7)
 | सम्पष्टिं का तान तथा क्योंरे
गृह तथा अन्य भवत भूमि **वर्तमान मृत्य पर भारित है और उसका भेट या अपन्य किसी प्रकार से सम्मित्त अप
शासकीय कर्नचारी से तथा अर्जन की तारीख और विस्ते
भारा अर्जन की तारीख और विस्ते
प्यात्मंबंध है तथा अर्जन की तारीख और विस्ते |
	भिरिक्त अस्ता संभव न हो। बहा बहेगान स्थिति के अन्दर्भ में स्ताम्मा भृत्य वहताहता जाए।	भिक्ति स्ता संभव न हो, बहा बरीमान स्थिति के सन्दर्भ में साम्मा मृख्य यहताहता जाए।	भीएकः करना संश्व न हो, बढा वितेमान स्थिति के सन्तर्भ में देशाभा मृत्य यतलाशा आए।	
 | | | | |
 | | | | |
 | | | |
 | | | | | |
 | | | | | (5) (6)
 | (3) (4) (5) | (5) (6) (7) | (3) (4) (5) (7) | (5) (4) (5) | (2) (4) (5) (6) (7)
 | (5) (4) (6) (6) (7) | (2) (4) (5) (6) (7) | (2) (4) (5) (7) | (2) (4) (5) (6) (7) | (2) (4) (5) (6) (7) | बत्ताहरी किसके नाम "" बद्दाना मूल्य पर भारित है और उसका भेट या
अपने किसी प्रकार से सम्मासि से अभ गढ़ित हों। अपने किसी प्रकार से सम्मासि से अभ गासकीय कर्मचारी से तथा अजैन की गार्थ और जिससे बार्षिक आय समासकीय कर्मचारी से अभोजित की गार्थ हो उसका नाम समासकीय है अभिज्ञान के अभोजित की गार्थ हो उसका नाम (2) (3) (4) (5) (7) | भाग के। जान तथा न्यांत्र
बिह्न तथा के जान तथा के जाम पर ने हो जो क्यांत्र कि जो है जोर उसका मेट या जन्म किसी प्रकार से सम्मानि से जायं अर्जन की तार्राख और जिससे आर्थिक आर्थ सम्मानि से अणित की गाँह हो उसका नाम तथा स्वर्थ है अणित की गाँह हो उसका नाम तथा स्वर्थ है अणित की गाँह हो उसका नाम तथा स्वर्थ है अणित की गाँह हो उसका नाम तथा स्वर्थ है अणित की गाँह हो उसका नाम तथा स्वर्थ है (5) (7) | सम्भाष का जाम तथा ब्यार
बतत्ताइये कि जुड़ किसके नाम ""ब्योद, प्रट्य, बंधक, विरासत
गृह तथा अन्य भवन भूमि "वर्तमान मूल्य पर भारित है और उसका मेंट या अन्य किसी प्रकार से
सासकीय कर्मजारी से जाया अर्जन की वार्राय और जिससी
स्या संबंध है अर्जन की वार्राय और जिससी
स्या संबंध है अर्जित की गृह हो उसका नाम
(2) (3) (4) (5) (5) | सम्पाद का जान तथा क्यों. बतलाइये कि चढ़ किसके नाम ""वित्तान मूल्य पर भारित है और उसको मेंट या अन्य किसी प्रकार से सम्माप्ति से आप अर्जन की तारिख और जिससे आप समाप्ति से आप अर्जन की तारिख और जिससे आप समाप्ति से आप अर्जन की तारिख और जिससे आप समाप्ति से आप अर्जन की तारिख और जिससे आप समाप्ति से आप अर्जन की तारिख और जिससे कार्यिक आप समाप्ति से अर्जन की तारिख और जिससे कार्यिक आप समाप्ति है और उसका नाम समाप्ति है और उसका नाम ति (5) (5) (7) | सम्पविका जाम तथा क्यों. बतलाइये कि यह किसके नाम ""वर्तमान मूल्य पर भारित है और उसको में ""वर्गा, बंधक, विरासत, मस्मित्र में भारकोद पर या जन्म किसी प्रकार से मस्मित्र में भारकोत की गाँउ जान किसी प्रकार से मस्मित्र में भारकोत की गाँउ जान किसी प्रकार से मस्मित्र भाष भारकोत की गाँउ जारको माम स्पारकोय कर्मचारी से भारकोत की गाँउ जारको माम स्पारकोय कर्मचारी है अपित्र की गाँउ जारको माम स्पारकोय कर्मचारी है अपित्र की गाँउ जारको माम स्पारकोत कर्मचारी है (5) (7)
 | सम्पष्टिका जाम तथा क्योंदे
जिल्लाइये कि मह किसके नाम ""खरीद प्रद्या, बंधक, विरासत,
मह तथा अन्य भवन भूमि ""वर्तमान मूल्य पर भारित है और उसका में दिरास की तार्रिक आयु
शासकीय कर्मचारी से तथा अन्य की तार्रिक आयु
स्या संबंध है जिल्लाइये की तथा अन्य की तार्रिक आयु
स्या संबंध है तथा व्यात | सम्पष्टि का जाम तथा क्योंर
जिल्लाइये कि सह किसके नाम ""व्यीद प्रद्य, बंधक, विदासत,
पर भारित है और उसका मेट या अन्य किसी प्रकार से सम्प्रतिसे आ
शासकीय कर्मवारी से तथा अजैन की तार्राख और जिससे
स्या संबंध है अजिंत की गई हो उसका नाम
(2) (3) (4) (5) (5) | सम्पष्टि का जाम तथा क्योंर
जिल्लाइये कि सह किसके नाम ""व्यीद प्रद्य, बंधक, विदासत,
पर भारित है और उसका मेट या अन्य किसी प्रकार से सम्प्रतिसे आ
शासकीय कर्मवारी से तथा अजैन की तार्राख और जिससे
स्या संबंध है अजिंत की गई हो उसका नाम
(2) (3) (4) (5) (5) | सम्पष्टिका जाम तथा क्योंदे
जिल्लाइये कि मह किसके नाम ""खरीद प्रद्या, बंधक, विरासत,
मह तथा अन्य भवन भूमि ""वर्तमान मूल्य पर भारित है और उसका में दिरास की तार्रिक आयु
शासकीय कर्मचारी से तथा अन्य की तार्रिक आयु
स्या संबंध है जिल्लाइये की तथा अन्य की तार्रिक आयु
स्या संबंध है तथा व्यात | सम्पष्टिका जाम तथा क्योंदे
जिल्लाइये कि मह किसके नाम ""खरीद प्रद्या, बंधक, विरासत,
मह तथा अन्य भवन भूमि ""वर्तमान मूल्य पर भारित है और उसका में दिरास की तार्रिक आयु
शासकीय कर्मचारी से तथा अन्य की तार्रिक आयु
स्या संबंध है जिल्लाइये की तथा अन्य की तार्रिक आयु
स्या संबंध है तथा व्यात
 | सम्पष्टिका जाम तथा क्योंते. गृह तथा अन्य भवन भूमि "क्वंतमान मूल्य पर भारित है और उसका मेंट या अन्य किसी प्रकार से सम्प्रित में आसिक आय् सासकीय कर्नाचारी से तथा अन्य की तारिख और जिस्सी सार्थिक आय् सासकीय कर्नाचारी से तथा अन्य की तारिख और जिस्सी सार्थिक आय् सासकीय कर्नाचारी से तथा अन्य की तारिख और जिस्सी सार्थिक आय् सासकीय कर्नाचारी से तथा अन्य की तारिख और जिस्सी सार्थिक आय् सामकीय कर्नाचारी से तथा अन्य की तारिख और जिस्सी सार्थिक आय् सामकीय कर्नाचारी से तथा अन्य की तार्थिक आय् तथा सामकीय कर्नाचारी से तथा अन्य की तार्थिक आय् तथा सामकीय कर्नाचारी से तथा अन्य की तार्थिक आय् तथा सामकीय कर्नाचारी से तथा अन्य की तार्थिक आय् तथा सामकीय कर्नाचारी से तथा अन्य का सामकीय कर्नाचारी से तथा अन्य का सामकीय कर्नाचारी से तथा अन्य का सामकीय कर्नाचारी से तथा अन्य की तर्थिक आय् तथा सामकीय कर्नाचारी से तथा अन्य का सामकीय कर्माचारी से तथा अन्य का सामकीय कर्माचारी से तथा अन्य का सामकीय कर्माचारी से तथा अन्य कर्माचारी से तथा कर्याचारी से तथा कर्य कर्माचारी से तथा कर्माचारी से तथा कर्माचारी से तथा कर्माचारी से तथा कर्य क्याचारी से तथा कर्माचारी से तथा कर्य कर्माचारी से तथा कर्य करा तथा कर्य कर्य करा तथा करा तथा करा तथा करा तथा करा तथा करा तथा तथा तथा तथा तथा तथा तथा तथा तथा तथ | सम्पष्टिका जाम तथा क्योंते. गृह तथा अन्य भवन भूमि "क्वंतमान मूल्य पर भारित है और उसका मेंट या अन्य किसी प्रकार से सम्प्रित में आसिक आय् सासकीय कर्नाचारी से तथा अन्य की तारिख और जिस्सी सार्थिक आय् सासकीय कर्नाचारी से तथा अन्य की तारिख और जिस्सी सार्थिक आय् सासकीय कर्नाचारी से तथा अन्य की तारिख और जिस्सी सार्थिक आय् सासकीय कर्नाचारी से तथा अन्य की तारिख और जिस्सी सार्थिक आय् सामकीय कर्नाचारी से तथा अन्य की तारिख और जिस्सी सार्थिक आय् सामकीय कर्नाचारी से तथा अन्य की तार्थिक आय् तथा सामकीय कर्नाचारी से तथा अन्य की तार्थिक आय् तथा सामकीय कर्नाचारी से तथा अन्य की तार्थिक आय् तथा सामकीय कर्नाचारी से तथा अन्य की तार्थिक आय् तथा सामकीय कर्नाचारी से तथा अन्य का सामकीय कर्नाचारी से तथा अन्य का सामकीय कर्नाचारी से तथा अन्य का सामकीय कर्नाचारी से तथा अन्य की तर्थिक आय् तथा सामकीय कर्नाचारी से तथा अन्य का सामकीय कर्माचारी से तथा अन्य का सामकीय कर्माचारी से तथा अन्य का सामकीय कर्माचारी से तथा अन्य कर्माचारी से तथा कर्याचारी से तथा कर्य कर्माचारी से तथा कर्माचारी से तथा कर्माचारी से तथा कर्माचारी से तथा कर्य क्याचारी से तथा कर्माचारी से तथा कर्य कर्माचारी से तथा कर्य करा तथा कर्य कर्य करा तथा करा तथा करा तथा करा तथा करा तथा करा तथा तथा तथा तथा तथा तथा तथा तथा तथा तथ | सम्पष्टिका जाम तथा क्योंदे
जिल्लाइये कि मह किसके नाम ""खरीद प्रद्या, बंधक, विरासत,
मह तथा अन्य भवन भूमि ""वर्तमान मूल्य पर भारित है और उसका में दिरास की तार्रिक आयु
शासकीय कर्मचारी से तथा अन्य की तार्रिक आयु
स्या संबंध है जिल्लाइये की तथा अन्य की तार्रिक आयु
स्या संबंध है तथा व्यात | सम्पष्टिका जाम तथा क्योंते. गृह तथा अन्य भवन भूमि "क्वंतमान मूल्य पर भारित है और उसका मेंट या अन्य किसी प्रकार से सम्प्रित में आसिक आय् सासकीय कर्नाचारी से तथा अन्य की तारिख और जिस्सी सार्थिक आय् सासकीय कर्नाचारी से तथा अन्य की तारिख और जिस्सी सार्थिक आय् सासकीय कर्नाचारी से तथा अन्य की तारिख और जिस्सी सार्थिक आय् सासकीय कर्नाचारी से तथा अन्य की तारिख और जिस्सी सार्थिक आय् सामकीय कर्नाचारी से तथा अन्य की तारिख और जिस्सी सार्थिक आय् सामकीय कर्नाचारी से तथा अन्य की तार्थिक आय् तथा सामकीय कर्नाचारी से तथा अन्य की तार्थिक आय् तथा सामकीय कर्नाचारी से तथा अन्य की तार्थिक आय् तथा सामकीय कर्नाचारी से तथा अन्य की तार्थिक आय् तथा सामकीय कर्नाचारी से तथा अन्य का सामकीय कर्नाचारी से तथा अन्य का सामकीय कर्नाचारी से तथा अन्य का सामकीय कर्नाचारी से तथा अन्य की तर्थिक आय् तथा सामकीय कर्नाचारी से तथा अन्य का सामकीय कर्माचारी से तथा अन्य का सामकीय कर्माचारी से तथा अन्य का सामकीय कर्माचारी से तथा अन्य कर्माचारी से तथा कर्याचारी से तथा कर्य कर्माचारी से तथा कर्माचारी से तथा कर्माचारी से तथा कर्माचारी से तथा कर्य क्याचारी से तथा कर्माचारी से तथा कर्य कर्माचारी से तथा कर्य करा तथा कर्य कर्य करा तथा करा तथा करा तथा करा तथा करा तथा करा तथा तथा तथा तथा तथा तथा तथा तथा तथा तथ | सम्पष्टिका जाम तथा क्योंदे
जिल्लाइये कि मह किसके नाम ""खरीद प्रद्या, बंधक, विरासत,
मह तथा अन्य भवन भूमि ""वर्तमान मूल्य पर भारित है और उसका में दिरास की तार्रिक आयु
शासकीय कर्मचारी से तथा अन्य की तार्रिक आयु
स्या संबंध है जिल्लाइये की तथा अन्य की तार्रिक आयु
स्या संबंध है तथा व्यात | सम्पष्टिका जाम तथा क्योंदे
जिल्लाइये कि मह किसके नाम ""खरीद प्रद्या, बंधक, विरासत,
मह तथा अन्य भवन भूमि ""वर्तमान मूल्य पर भारित है और उसका में दिरास की तार्रिक आयु
शासकीय कर्मचारी से तथा अन्य की तार्रिक आयु
स्या संबंध है जिल्लाइये की तथा अन्य की तार्रिक आयु
स्या संबंध है तथा व्यात
 | सम्पष्टिका जाम तथा क्योंदे
जिल्लाइये कि मह किसके नाम ""खरीद प्रद्या, बंधक, विरासत,
मह तथा अन्य भवन भूमि ""वर्तमान मूल्य पर भारित है और उसका में दिरास की तार्रिक आयु
शासकीय कर्मचारी से तथा अन्य की तार्रिक आयु
स्या संबंध है जिल्लाइये की तथा अन्य की तार्रिक आयु
स्या संबंध है तथा व्यात | सम्पष्टिका जाम तथा क्योंते. गृह तथा अन्य भवन भूमि "क्वंतमान मूल्य पर भारित है और उसका मेंट या अन्य किसी प्रकार से सम्प्रित में आसिक आय् सासकीय कर्नाचारी से तथा अन्य की तारिख और जिस्सी सार्थिक आय् सासकीय कर्नाचारी से तथा अन्य की तारिख और जिस्सी सार्थिक आय् सासकीय कर्नाचारी से तथा अन्य की तारिख और जिस्सी सार्थिक आय् सासकीय कर्नाचारी से तथा अन्य की तारिख और जिस्सी सार्थिक आय् सामकीय कर्नाचारी से तथा अन्य की तारिख और जिस्सी सार्थिक आय् सामकीय कर्नाचारी से तथा अन्य की तार्थिक आय् तथा सामकीय कर्नाचारी से तथा अन्य की तार्थिक आय् तथा सामकीय कर्नाचारी से तथा अन्य की तार्थिक आय् तथा सामकीय कर्नाचारी से तथा अन्य की तार्थिक आय् तथा सामकीय कर्नाचारी से तथा अन्य का सामकीय कर्नाचारी से तथा अन्य का सामकीय कर्नाचारी से तथा अन्य का सामकीय कर्नाचारी से तथा अन्य की तर्थिक आय् तथा सामकीय कर्नाचारी से तथा अन्य का सामकीय कर्माचारी से तथा अन्य का सामकीय कर्माचारी से तथा अन्य का सामकीय कर्माचारी से तथा अन्य कर्माचारी से तथा कर्याचारी से तथा कर्य कर्माचारी से तथा कर्माचारी से तथा कर्माचारी से तथा कर्माचारी से तथा कर्य क्याचारी से तथा कर्माचारी से तथा कर्य कर्माचारी से तथा कर्य करा तथा कर्य कर्य करा तथा करा तथा करा तथा करा तथा करा तथा करा तथा तथा तथा तथा तथा तथा तथा तथा तथा तथ | | | |
| | भिरिक्ष करता संभव न हो, बहा बहेगान स्थिति के अन्दर्भ में सामग भृत्य यहताहता जाए। | भिक्तिः सत्ता संभव न हो, बहा बरीमान स्थिति के सन्दर्भ में साप्त्रण मृख्य वहलाया जाए। | भीएण, करना संभव त हो, वहा ससिमात स्थिति के सन्दर्भ में दशाभा मृत्य यतलाया आए। |
 | | | | |
 | | | | |
 | | | |
 | | | | | |
 | | | | | (5) (6) (7)
 | (5) (6) (7) | (3) (4) (5) | (3) (4) (5) (7) | (5) (6) (7) | (2) (4) (5) (7)
 | (5) (4) (5) (6) (7) | (2) (4) (5) (7) | (2) (4) (5) (6) (7) | (2) (4) (5) (6) (7) | (2) (4) (5) (6) (7) | ब्रह्म भवन भूमि "वर्षमान मूल्य पर भारित है और उसका भेट या जन्य
किसी प्रकार से सम्मान्ति से आरासकीय कर्मचारी से तथा अर्जन की वारीख और जिसका नाम सम्मान्ति से सम्मान्ति सम्मा | बार स्थाप का जान तथा क्यांत क्यांत व्याद स्थाप के जाम पर ज हा जो उसी किसा प्रकार क्यांत किसा जाता के त्यांत क्यांत किसा क्यांत के जीर उसका मेंट या उसन्य किसी प्रकार से सम्मति से सम्मति से सम्मति से सम्मति से तथा अजन की तारीख और जिससे वार्षिक आप्र स्था स्था संबंध है जीर उसका नी वार्षिक आप्र स्था संबंध है अर्थित की गई हो उसका नीम क्यांत की गई हो उसका नीम तथा स्था स्था है (६) (८) (८) | सम्भाष का जाम तथा क्यार व्हार क्या के जाम भर न हो सो उसे किसा माना का वार्य किसा माना का वार्य किसा माना का क्या क्या क्या क्या क्या क्या क्या | सम्पत्तिका जाति क्षा जाति क्षा जाति क्षा कार्याक कार्याक क्षा क्षा क्षा कार्याक कार्याक क्षित्र क्षा क्षा कार्याक कार | सम्पत्तिका जान तथा व्योरि
बतत्ताहर्ष कि यह किसके नाम
गृह तथा अन्य भवन
भूमि
शासकीय कर्मचारी से तथा अर्जन की तारीख और जिससे
स्मार्सकंथ है
(2) (3) (4) (5) (7) | सम्पष्टिका जान तथा क्योंदे
गृह तथा अन्य भवन भूमि "व्यत्मान मूल्य पर धारित है और उसका भेट या अन्य किसी प्रकार से सम्पत्ति से आ
शासकीय कर्नचारी से जागा अर्जन की तारीख और जिससे वार्षिक आय
स्मान्तिक क्रमंचारी से अभित की गाई हो उसका नाम
स्मान्तिक क्रमंचारी से अभित की गाई हो उसका नाम
समान्तिक आय | सम्पष्टिका जाम तथा क्योर. ब्राह्म के जाम प्रमा कर्ना कर्ना कर्ना कर्म कर्म कर्म कर्म कर्म कर्म कर्म कर्म
 | सम्पष्टिका जाम तथा क्योर. ब्राह्म के जाम प्रमा कर्ना कर्ना कर्ना कर्म कर्म कर्म कर्म कर्म कर्म कर्म कर्म | सम्पष्टिका जान तथा क्योंदे
गृह तथा अन्य भवन भूमि "व्यत्मान मूल्य पर धारित है और उसका भेट या अन्य किसी प्रकार से सम्पत्ति से आ
शासकीय कर्नचारी से जागा अर्जन की तारीख और जिससे वार्षिक आय
स्मान्तिक क्रमंचारी से अभित की गाई हो उसका नाम
स्मान्तिक क्रमंचारी से अभित की गाई हो उसका नाम
समान्तिक आय | सम्पष्टिका जान तथा क्योंदे
गृह तथा अन्य भवन भूमि "व्यत्मान मूल्य पर धारित है और उसका भेट या अन्य किसी प्रकार से सम्पत्ति से आ
शासकीय कर्नचारी से जागा अर्जन की तारीख और जिससे वार्षिक आय
स्मान्तिक क्रमंचारी से अभित की गाई हो उसका नाम
स्मान्तिक क्रमंचारी से अभित की गाई हो उसका नाम
समान्तिक आय | सम्पष्टिका जाम तथा क्योंदे
बतत्ताहर्ष कि सह किसके नाम "" "वर्तात् प्रद्य, बंपक, विरासत
प्रधारित है और उसका भेट या अन्य किसी प्रकार से सम्पत्ति से आ
शासकीय कर्मचारी से तथा अन्य किसी प्रकार से सम्पत्ति से आ
सासकीय कर्मचारी से तथा अन्य की तारीख और जिससे वार्षिक आय
स्मा संबंध है अभित की गई हो उसका नाम
(2) (3) (4) (5) (7) | सम्पष्टिका जाम तथा क्योंदे
बतत्ताहर्ष कि सह किसके नाम "" "वर्तात् प्रद्य, बंपक, विरासत
प्रधारित है और उसका भेट या अन्य किसी प्रकार से सम्पत्ति से आ
शासकीय कर्मचारी से तथा अन्य किसी प्रकार से सम्पत्ति से आ
सासकीय कर्मचारी से तथा अन्य की तारीख और जिससे वार्षिक आय
स्मा संबंध है अभित की गई हो उसका नाम
(2) (3) (4) (5) (7)
 | सम्पष्टिका जान तथा क्योरि
ब्रह्म किसंके नाम भा के विरासत
पर भारित है और उसका भेट या जन्म किसी प्रकार से सम्पत्ति से आ
शासकीय कर्मचारी से जागा अर्जन की तारीख और जिससे
स्मासकीय कर्मचारी से जागा अर्जन की तारीख और जिससे
स्मासकीय कर्मचारी से जागा अर्जन की तारीख और जिससे
सम्मासकीय कर्मचारी से जागा की गई हो उसका नाम
समासकीय कर्मचारी से अर्जन की तारीख और जिससे
सम्मासकीय कर्मचारी से अर्जन की तारीख और जिससे का माम
सम्मासक अर्जन का निवास कर्मचारी से अर्जन की तारीख और जिससे का माम
सम्मासक अर्जन का निवास कर्मचारी से अर्जन का निवास का माम
सम्मासक अर्जन का निवास कर्मचारी से अर्जन का निवास का माम कर्मचारी से अर्जन का निवास कर्मचारी सम्मासक अर्जन का निवास कर्मचारी स्मासकीय कर्मचारी से अर्जन का निवास कर्मचारी स्मासकीय स्मा | सम्पष्टिका जाम तथा क्योंदे
बतत्ताहर्ष कि सह किसके नाम "" "वर्तात् प्रद्य, बंपक, विरासत
प्रधारित है और उसका भेट या अन्य किसी प्रकार से सम्पत्ति से आ
शासकीय कर्मचारी से तथा अन्य किसी प्रकार से सम्पत्ति से आ
सासकीय कर्मचारी से तथा अन्य की तारीख और जिससे वार्षिक आय
स्मा संबंध है अभित की गई हो उसका नाम
(2) (3) (4) (5) (7) | सम्पष्टिका जान तथा क्योरि
ब्रह्म किसंके नाम भा के विरासत
पर भारित है और उसका भेट या जन्म किसी प्रकार से सम्पत्ति से आ
शासकीय कर्मचारी से जागा अर्जन की तारीख और जिससे
स्मासकीय कर्मचारी से जागा अर्जन की तारीख और जिससे
स्मासकीय कर्मचारी से जागा अर्जन की तारीख और जिससे
सम्मासकीय कर्मचारी से जागा की गई हो उसका नाम
समासकीय कर्मचारी से अर्जन की तारीख और जिससे
सम्मासकीय कर्मचारी से अर्जन की तारीख और जिससे का माम
सम्मासक अर्जन का निवास कर्मचारी से अर्जन की तारीख और जिससे का माम
सम्मासक अर्जन का निवास कर्मचारी से अर्जन का निवास का माम
सम्मासक अर्जन का निवास कर्मचारी से अर्जन का निवास का माम कर्मचारी से अर्जन का निवास कर्मचारी सम्मासक अर्जन का निवास कर्मचारी स्मासकीय कर्मचारी से अर्जन का निवास कर्मचारी स्मासकीय स्मा | सम्पष्टिका जान तथा क्योरि
ब्रह्म किसंके नाम भा के विरासत
पर भारित है और उसका भेट या जन्म किसी प्रकार से सम्पत्ति से आ
शासकीय कर्मचारी से जागा अर्जन की तारीख और जिससे
स्मासकीय कर्मचारी से जागा अर्जन की तारीख और जिससे
स्मासकीय कर्मचारी से जागा अर्जन की तारीख और जिससे
सम्मासकीय कर्मचारी से जागा की गई हो उसका नाम
समासकीय कर्मचारी से अर्जन की तारीख और जिससे
सम्मासकीय कर्मचारी से अर्जन की तारीख और जिससे का माम
सम्मासक अर्जन का निवास कर्मचारी से अर्जन की तारीख और जिससे का माम
सम्मासक अर्जन का निवास कर्मचारी से अर्जन का निवास का माम
सम्मासक अर्जन का निवास कर्मचारी से अर्जन का निवास का माम कर्मचारी से अर्जन का निवास कर्मचारी सम्मासक अर्जन का निवास कर्मचारी स्मासकीय कर्मचारी से अर्जन का निवास कर्मचारी स्मासकीय स्मा | सम्पष्टिका जान तथा क्योरि
ब्रह्म किसंके नाम भा के विरासत
पर भारित है और उसका भेट या जन्म किसी प्रकार से सम्पत्ति से आ
शासकीय कर्मचारी से जागा अर्जन की तारीख और जिससे
स्मासकीय कर्मचारी से जागा अर्जन की तारीख और जिससे
स्मासकीय कर्मचारी से जागा अर्जन की तारीख और जिससे
सम्मासकीय कर्मचारी से जागा की गई हो उसका नाम
समासकीय कर्मचारी से अर्जन की तारीख और जिससे
सम्मासकीय कर्मचारी से अर्जन की तारीख और जिससे का माम
सम्मासक अर्जन का निवास कर्मचारी से अर्जन की तारीख और जिससे का माम
सम्मासक अर्जन का निवास कर्मचारी से अर्जन का निवास का माम
सम्मासक अर्जन का निवास कर्मचारी से अर्जन का निवास का माम कर्मचारी से अर्जन का निवास कर्मचारी सम्मासक अर्जन का निवास कर्मचारी स्मासकीय कर्मचारी से अर्जन का निवास कर्मचारी स्मासकीय स्मा | सम्पष्टिका जाम तथा क्योंदे
बतत्ताहर्ष कि सह किसके नाम "" "वर्तात् प्रद्य, बंपक, विरासत
प्रधारित है और उसका भेट या अन्य किसी प्रकार से सम्पत्ति से आ
शासकीय कर्मचारी से तथा अन्य किसी प्रकार से सम्पत्ति से आ
सासकीय कर्मचारी से तथा अन्य की तारीख और जिससे वार्षिक आय
स्मा संबंध है अभित की गई हो उसका नाम
(2) (3) (4) (5) (7) |
| | भारिका अस्ता संभिष्य त हो खहा वर्तमान स्थिति है अन्त्रभं में स्तापमा भट्टम व्यवसाया जाए। | भिक्तिः सत्ता संभव न हो। बहा वर्तमान स्थिति के अन्तर्भ में साम्मा भृत्य यहताहता जाए। | भीएण, केस्ता संभव त हो, वहा वसीमात स्थिति के सन्दर्भ में दगाभग मृत्य वतलायां आए। |
 | | | | |
 | | | | |
 | | | |
 | | | | | |
 | | | | (c) (d) (d) (d) (d) (d) (d) (d) (d) (d) (d | (3) (4) (5)
 | (3) (4) (5) | (5) (6) (7) | (3) (4) (5) (7) | (5) (4) (6) | (2) (4) (5) (6) (7)
 | (5) (4) (6) (6) | (2) (4) (5) (6) (7) | (2) (4) (5) (7) | (2) (4) (5) (6) (7) | (2) (4) (5) (6) (7) | बत्ताहरी कि सह किसके नाम "" बर्गासनी क्या क्या क्या क्या क्या
क्या क्या क्या | बार स्था के जान तथा न्यार
बारताइये कि चढ़ किसके नाम ""च्यांद्र प्रद्य, बंधक, विरासत
गृह तथा अन्य भवन भूमि ""चर्तमान मूल्य पर धारित है और उसका में मेंट या ज्यन्य किसी प्रकार से
शासकीय कर्मचारी से तथा अर्जन की तारीख और जिससे
स्या संबंध है अंजित की गई हो बसका नाम
(2) (3) (4) (5) (7) | सम्भाष का नाम तथा ब्यार
बतलाइये कि बढ़ किसके नाम ""ब्बरीद, प्रद्य, बंधक, विरासत
गृह तथा अन्य भवन भूमि ""वर्तमान मूल्य पर भारित है. और उसका में न्या अन्य किसी प्रकार से सम्मासि से अम्
शासकीय कर्मचारी से तथा अर्जन की तारीख और जिससे
समासकीय कर्मचारी से तथा अर्जन की तारीख और जिससे
समासकीय क्रमंचारी से तथा खोता को गाई हो बसका नाम
तथा व्योग
(2) (3) (4) (5) (7) | सम्भाव का नाम तथा क्योरि
बतत्वाहर्ष कि यह किसके नाम "*"व्यर्ग, वंपक, विरासत
गृह तथा अन्य भवन भूमि ""वर्तमान मूल्य पर भारित है और उत्तका मेंट या ज्यन्य किसी प्रकार से सम्मात्ति से अभ
शासकीय कर्मचारी से जागा ज्यांत की गाई हो उसका नाम
स्मान्तिक केर्मचारी से अभित्य की गाई हो उसका नाम
स्मान्तिक अग्रेत की गाई हो उसका नाम
(2) (3) (4) (5) (7) | सम्पत्तिका जान तथा व्योरि
बतत्ताक्ष्ये कि सह किसके नाम "* "व्योद् पर्द्य, वंपक, विरासत
गृह तथा अन्य भवन भूमि "विद्यानमूच्च पर भारित है और उसका भेट या अन्य किसी प्रकार से सम्पत्ति से अ
शासकीय कर्मचारी से जाग अर्जन की वार्ष और जिससे व्याधिक आय्
स्मान्तिक कर्मचारी से अधित की गई हो उसका नाम
स्मान्तिक केर्गचारी से अधित की गई हो उसका नाम
(2) (3) (4) (5) (7)
 | सम्पष्टिका जान तथा क्योर
बतत्ताहर्य कि वह किसके नाम "" बत्त प्रद्य, बंधक, विरासत
गृह तथा अन्य भवन भूमि "वर्तमान मूल्य पर भारित है और उसका भेट या अन्य किसी प्रकार से सम्मति से
शासकीय कर्मचारी से जाया अर्जन की वार्राख और जिससे
स्पा संबंध है अधित की नाई हो उसका नाम
स्पा संबंध है (5) (7) | सम्मिक जाम तथा ज्योर
बतत्ताइये कि वह किसके नाम
गृह तथा अन्य भवन भूमि "वर्तमान मूल्य पर भारित है और उसका भेट या अन्य किसी प्रकार से सम्मिस से
शासकीय कर्मचारी से नाथा अर्जन की वार्राख और जिस्से
स्पा संबंध है अधित की वार्राख और जिस्से
स्पा संबंध है अधित की गई हो उसका नाम
(2) (3) (4) (5) (7) | सम्मिक जाम तथा ज्योर
बतत्ताइये कि बहु किसके नाम
गृह तथा अन्य भवन भूमि "वर्तमान मूल्य पर भारित है और उसका भेट या अन्य किसी प्रकार से सम्मिस से
शासकीय कर्मचारी से नाथा अर्जन की वार्राख और जिस्से
स्पा संबंध है अधित की वार्राख और जिस्से
स्पा संबंध है अधित की गई हो उसका नाम
(2) (3) (4) (5) (7) | सम्पष्टिका जान तथा क्योर
बतत्ताहर्य कि वह किसके नाम "" बत्त प्रद्य, बंधक, विरासत
गृह तथा अन्य भवन भूमि "वर्तमान मूल्य पर भारित है और उसका भेट या अन्य किसी प्रकार से सम्मति से
शासकीय कर्मचारी से जाया अर्जन की वार्राख और जिससे
स्पा संबंध है अधित की नाई हो उसका नाम
स्पा संबंध है (5) (7) | सम्पष्टिका जान तथा क्योर
बतत्ताहर्य कि वह किसके नाम "" बत्त प्रद्य, बंधक, विरासत
गृह तथा अन्य भवन भूमि "वर्तमान मूल्य पर भारित है और उसका भेट या अन्य किसी प्रकार से सम्मति से
शासकीय कर्मचारी से जाया अर्जन की वार्राख और जिससे
स्पा संबंध है अधित की नाई हो उसका नाम
स्पा संबंध है (5) (7)
 | सम्पष्टिका जाम तथा क्योरित के जाम पर न हो तो उसे किस प्रकार आजेरित किया जाना
बतत्ताहर्ष कि वह किसके नाम """वर्षाद्र प्रद्या चंपक, विरासत
पर भारित है और उसका भेट या जन्म किसी प्रकार से सम्मासि से
शासकीय कर्मचारी से तथा अर्जन की वाराख और जिससे वार्षिक आय
स्पा संबंध है अधित की गई हो उसका नाम
(2) (3) (4) (5) (7) | सम्पष्टिका जाम तथा क्योरित के जाम पर न हो तो उसे किस प्रकार आजेरित किया जाना
बतत्ताहर्ष कि वह किसके नाम """वर्षाद्र प्रद्या चंपक, विरासत
पर भारित है और उसका भेट या जन्म किसी प्रकार से सम्मासि से
शासकीय कर्मचारी से तथा अर्जन की वाराख और जिससे वार्षिक आय
स्पा संबंध है अधित की गई हो उसका नाम
(2) (3) (4) (5) (7) | सम्पष्टिका जान तथा क्योर
बतत्ताहर्य कि वह किसके नाम "" बत्त प्रद्य, बंधक, विरासत
गृह तथा अन्य भवन भूमि "वर्तमान मूल्य पर भारित है और उसका भेट या अन्य किसी प्रकार से सम्मति से
शासकीय कर्मचारी से जाया अर्जन की वार्राख और जिससे
स्पा संबंध है अधित की नाई हो उसका नाम
स्पा संबंध है (5) (7) | सम्पष्टिका जाम तथा क्योरित के जाम पर न हो तो उसे किस प्रकार आजेरित किया जाना
बतत्ताहर्ष कि वह किसके नाम """वर्षाद्र प्रद्या चंपक, विरासत
पर भारित है और उसका भेट या जन्म किसी प्रकार से सम्मासि से
शासकीय कर्मचारी से तथा अर्जन की वाराख और जिससे वार्षिक आय
स्पा संबंध है अधित की गई हो उसका नाम
(2) (3) (4) (5) (7) | सम्पष्टिका जान तथा क्योर
बतत्ताहर्य कि वह किसके नाम "" बत्त प्रद्य, बंधक, विरासत
गृह तथा अन्य भवन भूमि "वर्तमान मूल्य पर भारित है और उसका भेट या अन्य किसी प्रकार से सम्मति से
शासकीय कर्मचारी से जाया अर्जन की वार्राख और जिससे
स्पा संबंध है अधित की नाई हो उसका नाम
स्पा संबंध है (5) (7)
 | सम्पष्टिका जान तथा क्योर
बतत्ताहर्य कि वह किसके नाम "" बत्त प्रद्य, बंधक, विरासत
गृह तथा अन्य भवन भूमि "वर्तमान मूल्य पर भारित है और उसका भेट या अन्य किसी प्रकार से सम्मति से
शासकीय कर्मचारी से जाया अर्जन की वार्राख और जिससे
स्पा संबंध है अधित की नाई हो उसका नाम
स्पा संबंध है (5) (7) | सम्पष्टिका जान तथा क्योर
बतत्ताहर्य कि वह किसके नाम "" बत्त प्रद्य, बंधक, विरासत
गृह तथा अन्य भवन भूमि "वर्तमान मूल्य पर भारित है और उसका भेट या अन्य किसी प्रकार से सम्मति से
शासकीय कर्मचारी से जाया अर्जन की वार्राख और जिससे
स्पा संबंध है अधित की नाई हो उसका नाम
स्पा संबंध है (5) (7) | सम्पष्टिका जाम तथा क्योरित के जाम पर न हो तो उसे किस प्रकार आजेरित किया जाना
बतत्ताहर्ष कि वह किसके नाम """वर्षाद्र प्रद्या चंपक, विरासत
पर भारित है और उसका भेट या जन्म किसी प्रकार से सम्मासि से
शासकीय कर्मचारी से तथा अर्जन की वाराख और जिससे वार्षिक आय
स्पा संबंध है अधित की गई हो उसका नाम
(2) (3) (4) (5) (7) |
| | (5) (4) (5) (5) (6) (7) (9) (9) (9) (9) (9) (9) (9) (9) (9) (9 | (6) (6) (7) (6) (7) (7) (6) (7) (7) (10 (10 (10 (10 (10 (10 (10 (10 (10 (10 | (3) (4) (5) (7) (7) |
 | | | | (c) (d) (d) (d) (d) (d) (d) (d) (d) (d) (d | (a) (b) (c) (c) (c)
 | (3) (4) (5) (7) | (3) (4) (5) (5) (7) | (3) (4) (5) (5) (7) | (2) (4) (5) (6) (7) | (2) (3) (4) (5) (5) (7)
 | (2) (4) (5) (6) (7) | (2) (4) (5) (6) (7) | (2) (3) (4) (5) (5) (7) | (2) (4) (5) (6) (6)
 | (5) (6) (6) (7) | (2) (3) (4) (5) (5) (7) | (5) (4) (5) (6) (7) | (2) (4) (5) (6) (6) | (2) (4) (5) (6) | (2) (4) (5) (5)
 | | | | |
 | | | | |
 | | | | | | ्यां स्था क्या जाता ज्या जाता जाता जाता जाता जाता जाता जाता जा
 | सम्भाग का जान तथा क्यांत
बतलाइये कि सह किसके नाम """खरीद, प्ट्य, बंधक, विरासत
गृह तथा अन्य भवन भूमि "वर्तमान मूल्य पर भारित है और उसका भेट या अन्य किसी प्रकार से सम्मति से
शासकीय कर्मचारी से तथा अर्जन की वार्राख और जिसके आय | सम्भाद का जाम तथा ब्यार व्हार स्वयं के जाम भर न हो तो हमें किसा प्रकार आजेत किया गया विकास मान विकास मान विकास मान विकास मान विकास मान विकास मान किया के प्रकार मान किया के प्रकार मान किया मान मान मान मान मान मान मान मान मान मा | सम्पत्तिका नाम तथा क्योरे विकास प्रकार भाग विकास प्रकार आजेत किया गया विकास प्रकार आजेत किया गया विकास प्रकार म
बतलाइये कियोके नाम ""क्वतमान मूल्य पर भारित हैं और उसका मेंट या अन्य किसी प्रकार से सम्मति से अन | सम्पत्तिका नाम तथा क्योरे विकास प्रकार मान परि स्वयं के नाम पर न हो तो उसे किसम प्रकार आजेत किया गया विकासत, व
गृह तथा अन्य भवन भूमि ""वर्तमान मूल्य पर् भारित है. और उसका मेंट या अन्य किसी प्रकार से सम्मत्ति से आसिकोय कर्मचारी से तथा अर्जन की तारीख और जिससे वार्षिक आय
 | सम्मिक्त जान तथा ज्यौरे
बतलाइये कि बहु किसके नाम """खरीद, पट्टा, बंधक, विरासत,
गृह तथा अन्य भवन भूमि ""वर्तमान मूल्य पर भारित है. और उसका मेंट या अन्य किसी प्रकार से सम्मात्ति से अन | सम्पष्ति का जाम तथा क्यौरे
बतलाइये कि बहु किसके नाम ""क्यौद, पट्टा, बंधक, विरासत,
गृह तथा अन्य भवन भूमि ""वर्तमान मूल्य पर भारित है और उसका मेंट या अन्य किसी प्रकार से सम्मत्ति से अन | सम्पष्ति का जाम तथा क्यौरे
बतलाइये कि बहु किसके नाम ""क्यौद, पट्टा, बंधक, विरासत,
गृह तथा अन्य भवन भूमि ""वर्तमान मूल्य पर भारित है और उसका मेंट या अन्य किसी प्रकार से सम्मत्ति से अन | सम्मिक्त जान तथा ज्यौरे
बतलाइये कि बहु किसके नाम """खरीद, पट्टा, बंधक, विरासत,
गृह तथा अन्य भवन भूमि ""वर्तमान मूल्य पर भारित है. और उसका मेंट या अन्य किसी प्रकार से सम्मात्ति से अन | सम्मिक्त जान तथा ज्यौरे
बतलाइये कि बहु किसके नाम """खरीद, पट्टा, बंधक, विरासत,
गृह तथा अन्य भवन भूमि ""वर्तमान मूल्य पर भारित है. और उसका मेंट या अन्य किसी प्रकार से सम्मात्ति से अन
 | सम्मिक्त जान तथा ज्यौरे
बतलाइये कि वह किसके नाम """खरीद, प्ट्य, बंधक, विरासत,
गृह तथा अन्य भवन भूमि ""वर्तमान मूल्य पर भारित है. और उसका मेंट या अन्य किसी प्रकार से सम्मित्ति से
शासकीय कर्मचारी से तथा अर्जन की तारीख और जिससे खांधंक आय | सम्मिक्त जान तथा ज्यौरे
बतलाइये कि वह किसके नाम """खरीद, प्ट्य, बंधक, विरासत,
गृह तथा अन्य भवन भूमि ""वर्तमान मूल्य पर भारित है. और उसका मेंट या अन्य किसी प्रकार से सम्मित्ति से
शासकीय कर्मचारी से तथा अर्जन की तारीख और जिससे खांधंक आय | सम्मिक्त जान तथा ज्यौरे
बतलाइये कि बहु किसके नाम """खरीद, पट्टा, बंधक, विरासत,
गृह तथा अन्य भवन भूमि ""वर्तमान मूल्य पर भारित है. और उसका मेंट या अन्य किसी प्रकार से सम्मात्ति से अन | सम्मिक्त जान तथा ज्यौरे
बतलाइये कि वह किसके नाम """खरीद, प्ट्य, बंधक, विरासत,
गृह तथा अन्य भवन भूमि ""वर्तमान मूल्य पर भारित है. और उसका मेंट या अन्य किसी प्रकार से सम्मित्ति से
शासकीय कर्मचारी से तथा अर्जन की तारीख और जिससे खांधंक आय | सम्मिक्त जान तथा ज्यौरे
बतलाइये कि बहु किसके नाम """खरीद, पट्टा, बंधक, विरासत,
गृह तथा अन्य भवन भूमि ""वर्तमान मूल्य पर भारित है. और उसका मेंट या अन्य किसी प्रकार से सम्मात्ति से अन
 | सम्मिक्त जान तथा ज्यौरे
बतलाइये कि बहु किसके नाम """खरीद, पट्टा, बंधक, विरासत,
गृह तथा अन्य भवन भूमि ""वर्तमान मूल्य पर भारित है. और उसका मेंट या अन्य किसी प्रकार से सम्मात्ति से अन | सम्मिक्त जान तथा ज्यौरे
बतलाइये कि बहु किसके नाम """खरीद, पट्टा, बंधक, विरासत,
गृह तथा अन्य भवन भूमि ""वर्तमान मूल्य पर भारित है. और उसका मेंट या अन्य किसी प्रकार से सम्मात्ति से अन | सम्मिक्त जान तथा ज्यौरे
बतलाइये कि वह किसके नाम """खरीद, प्ट्य, बंधक, विरासत,
गृह तथा अन्य भवन भूमि ""वर्तमान मूल्य पर भारित है. और उसका मेंट या अन्य किसी प्रकार से सम्मित्ति से
शासकीय कर्मचारी से तथा अर्जन की तारीख और जिससे खांधंक आय |
| | (5) (4) (6) (7) (7) (9) (9) (9) (9) (9) (9) (9) (9) (9) (9 | (5) (4) (5) (6) (7) (7) (9) (9) (1) (1) (1) (1) (1) (1) (1) (1) (1) (1 | (3) (4) (5) (6) (7) (6) (7) (9) (9) (9) (9) (9) (9) (9) (9) (9) (9 |
 | | | | (3) (4) (5) (5) (7) (6) (1) (6) (1) (6) (1) (6) (1) (1) (1) (1) (1) (1) (1) (1) (1) (1 | (5) (4) (5) (6) (7) (6) (7)
 | (2) (5) (6) (7) (6) (7) | (3) (5) (7) (8) (7) (8) (7) | (5) (4) (5) (7) | (2) (4) (5) (6) (7) | प्राथमिय है। विश्व कि प्राप्त कि | (2) (4) (5) (6) (7)
 | (2) (4) (5) (6) (7) | (2) (3) (4) (5) (6) (7) | (2) (4) (5) (6) (7) | प्या फ्रम्प १ जाणत का पह जी तम प्राप्त का पह जी जा जाणत का पह जी जाण
 | प्या प्रमाय है । इंडी ब्हिकी नीम
तथा ब्लीत
(2) (3) (4) (5) | (2) (4) (5) (6) (7) | प्राप्त का नहिंचा क्षा नाम
तथा ब्योत
(2) (4) (5) (5) | प्रांतिक विशेष का नाम त्या का नाम त्य का नाम त्या का | प्या प्रमृत व व्यापत के 18 है। बसका नाम
तथा खोत | त्या प्रमृत्य के प्राप्त के प्रमृत्य के प् | |
 | | | | |
 | | | | |
 | | | ्यां स्था मा | सम्भाग का जान तथा क्यांत
बतत्ताइये कि बढ़ किसके नाम """क्यीर, प्रट्य, बंधक, विरासत,
गृह तथा अन्य भवन भूमि ""वर्तमान मूल्य पर भारित है और उसका भेट या अन्य किसी प्रकार से सम्मति से आ | सम्भाद का जाम तथा क्यार व्हार स्वयं के जाम भर न हो तो हम किया जाता व्हार सम्भाद का जाता व्हार स्वयं प्रदेश के का विद्या का कार्य किया का जाता व्हार स्वयं का कार्य कार्य का का कार्य का का कार्य का का कार्य का का का कार्य का कार्य का कार्य का कार्य का कार्य का कार्य का कार् | सम्पत्तिका नाम तथा क्योरि
बतलाइये कि यह किसके नाम ***खरीद, पट्टा, बंधक, विरासत,
गृह तथा अन्य भवन भूमि **वर्तमान मूल्य पर भारित है और उसका मेंट या अन्य किसी प्रकार से सम्पत्ति से अन | सम्पष्टिका नाम तथा क्योरे विकास प्रकार आजेत किया गया विकास प्रकार आजेत किया गया विकास प्रकार मिला किया प्रकार मिला किया किया किया किया किया किया किया किय
 | सम्पष्ति का जाम तथा क्यौर विद्या के वाम पर न हो तो उसे किस प्रकार आजेत किया गया करता करता करता करता करता करता करता करत | सम्पष्ति का नाम तथा क्यौरे विद्या के नाम पर न हो तो उसे किस प्रकार आंजीत किया गया करताहथे कि यह किसके नाम ***करीद, पर्द्य, बंधक, विरासत, प्राप्ति के और उसका भेट या अन्य किसी प्रकार से सम्पत्ति से आंधिक आंध | सम्पष्ति का नाम तथा क्यौरे विद्या के नाम पर न हो तो उसे किस प्रकार आंजीत किया गया करताहथे कि यह किसके नाम ***करीद, पर्द्य, बंधक, विरासत, प्राप्ति के और उसका भेट या अन्य किसी प्रकार से सम्पत्ति से आंधिक आंध | सम्पष्ति का जाम तथा क्यौर विद्या के वाम पर न हो तो उसे किस प्रकार आजेत किया गया करता करता करता करता करता करता करता करत | सम्पष्ति का जाम तथा क्यौर विद्या के वाम पर न हो तो उसे किस प्रकार आजेत किया गया करता करता करता करता करता करता करता करत
 | सम्मिक जाम तथा ज्योरे
बतलाइये कि खंड किसके नाम """खरीद, पर्या, बेफक, विरासत,
गृह तथा अन्य भवन भूमि ""वर्तमान मृल्य पर भारित है और उसका भेट या अन्य किसी प्रकार से सम्मासि से
शासकीय कर्मचारी से तथा अर्जन की वारीख और जिससे व्यासंक आय | सम्मिक जाम तथा ज्योरे
बतलाइये कि खंड किसके नाम """खरीद, पर्या, बेफक, विरासत,
गृह तथा अन्य भवन भूमि ""वर्तमान मृल्य पर भारित है और उसका भेट या अन्य किसी प्रकार से सम्मासि से
शासकीय कर्मचारी से तथा अर्जन की वारीख और जिससे व्यासंक आय | सम्पष्ति का जाम तथा क्यौर विद्या के वाम पर न हो तो उसे किस प्रकार आजेत किया गया करता करता करता करता करता करता करता करत | सम्मिक जाम तथा ज्योरे
बतलाइये कि खंड किसके नाम """खरीद, पर्या, बेफक, विरासत,
गृह तथा अन्य भवन भूमि ""वर्तमान मृल्य पर भारित है और उसका भेट या अन्य किसी प्रकार से सम्मासि से
शासकीय कर्मचारी से तथा अर्जन की वारीख और जिससे व्यासंक आय | सम्पष्ति का जाम तथा क्यौर विद्या के वाम पर न हो तो उसे किस प्रकार आजेत किया गया करता करता करता करता करता करता करता करत
 | सम्पष्ति का जाम तथा क्यौर विद्या के वाम पर न हो तो उसे किस प्रकार आजेत किया गया करता करता करता करता करता करता करता करत | सम्पष्ति का जाम तथा क्यौर विद्या के वाम पर न हो तो उसे किस प्रकार आजेत किया गया करता करता करता करता करता करता करता करत | सम्मिक जाम तथा ज्योरे
बतलाइये कि खंड किसके नाम """खरीद, पर्या, बेफक, विरासत,
गृह तथा अन्य भवन भूमि ""वर्तमान मृल्य पर भारित है और उसका भेट या अन्य किसी प्रकार से सम्मासि से
शासकीय कर्मचारी से तथा अर्जन की वारीख और जिससे व्यासंक आय |
| अर्थाणंत की गांहे हो बस्तका मान्य
तथा व्यात | (4) (4) (5) (6) (7) (5) (6) (7) (6) (7) (9) (10) (10) (10) (10) (10) (10) (10) (10 | (a) (b) (d) (d) (d) (d) (d) (d) (d) (d) (d) (d | (4) (4) (5) (6) (7) (7) (7) (7) (8) बर्च बस्तात स्थित के सन्दर्भ में सामग्रा मृहय बत्ताता जाए। | अर्थाणंत की गांहे हो बस्तका मान
(ह)
 | अर्थाणंत की गांहे हो बस्तका मान
उत्तर्भा व्योता
(६) | अर्थित की गर्ह हो बस्तका मान
जुणा व्योत | अर्थाणंत की गाहे हो बस्तका मान | (2) (4) (4) (5) (7) | (2) (3) (4) (5) (6) (7)
 | (2) (4) (5) (6) (7) | (2) (3) (4) (5) (6) (7) | स्या संग्वेष हैं स्थाज की गाह हो उसका माम
तथा व्याप
(5) (5) (7) | स्या सम्बंध हैं | प्या समिष हैं सो उसका माम
तथा व्यात
(5) (6) (7)
 | स्या सम्बंध है | प्या सम्बंध हैं अर्थित की गाह हो उसका नाम
तथा स्वीत
(5) (6) (7) | स्या संग्येष हैं आंजा की गाह हो उसका नाम
तथा व्योत
(5) (5) (7) | स्या सम्बंध है
 | न्या सम्बंध हैं । अपनेत को गाह हो उसका नाम
तथा व्योत
(3) (4) (5) (6) | प्यात्सिक्ध है आंजंत की गाह हो उसका नाम
तथा व्यात
(2) (4) (5) (5) | प्या सम्बंध हैं आजंत की गह हो उसका नाम
तथा व्योत
(2) (4) (5) (5) | स्या सम्बंध हैं आजंत की गाह हो उसका नाम
तथा व्योत
(2) (4) (5) (7) | स्या सम्बंध है आजंत को गाह हो उसका नाम
तथा व्योत
(2) (4) (5) (6) | न्या सम्बंध है
 | प्यास्तिष्यं है स्थाजन की गाह हो उसका नाम
तथा स्वीत | स्ता संबंध है | है प्रकार सम्बद्ध | |
 | | | | |
 | | | | | | गृह तथा अन्य भवन भूमि "भवतमान मूल्य पर भारित है और उसका भेट या
अन्य किसी प्रकार से सम्मति से अम | सम्भाग का नाम तथा क्यार
बतत्ताइये कि यह किसके नाम """बतीत, प्रदूध, बंधक, विरासत,
गृह तथा अन्य भवन भूमि ""वर्तमान मूल्य पर भारित है. और उसका मेंट या अन्य किसी प्रकार से सम्मति से अन | सम्भाद का जाम तथा क्यार
बतलाइये कि यह किसके नाम """खरीद, पट्टा, बंधक, विरासत,
गृह तथा अन्य भवन भूमि ""वर्तमान मूल्य पर भारित है. और उसका मेंट या अन्य किसी प्रकार से सम्मति से अन | सम्पत्तिका नाम तथा क्योरि विद्या के नाम पर हो तो उसे किस प्रकार आश्रेत किया गया बतलाइये कियह किसके नाम ***खरीय, पर्द्य, बंधक, विरासत, गृह तथा अन्य भवन भूमि ***वर्तमान मूल्य पर धारित है और उसका मेंट या अन्य किसी प्रकार से सम्मत्ति से अभ | सम्पत्तिका नाम तथा क्योरे व्यद्धित स्वयं के नाम पर न हो तो उसे किस प्रकार आजेत किया गया बतलाहर्य कि यह किसके नाम ***खरीष, पर्द्य, बंधक, विरासत, गृह तथा अन्य भवन भूमि ***वर्तमान मूल्य पर भारित है और उसका मेंट या अन्य किसी प्रकार से सम्मत्ति से आ
 | सम्मिक जानाम तथा ज्योरि
बतत्याहर्ष कि सह किसके नाम """वतीय, पट्टा, बंधक, विरासत
गृह तथा अन्य भवन भूमि ""वर्तमान मूल्य पर भारित है और उसका भेट या अन्य किसी प्रकार से सम्मिस अभ
शासकीय कर्मचारी से तथा अर्जन की तारीख और जिससे आविक आय | सम्मिति का नाम तथा क्योरि व्यद्ध स्थित के नाम पर न हो तो उसे किस प्रकार अजित किया गया बतलाइये कि यह किसके नाम *** खरीब, पर्ट्य, बंधक, विरासत, गृह तथा अन्य भवन भूमि ** वर्तमान मूल्य पर शारित है और उसका भेट या अन्य किसी प्रकार से सम्मिति है आ अन्य किसी प्रकार से सम्मिति है। | सम्मिति का नाम तथा क्योरि व्यद्ध स्थित के नाम पर न हो तो उसे किस प्रकार अजित किया गया बतलाइये कि यह किसके नाम *** खरीब, पर्ट्य, बंधक, विरासत, गृह तथा अन्य भवन भूमि ** वर्तमान मूल्य पर शारित है और उसका भेट या अन्य किसी प्रकार से सम्मिति है आ अन्य किसी प्रकार से सम्मिति है। | सम्मिक जानाम तथा ज्योरि
बतत्याहर्ष कि सह किसके नाम """वतीय, पट्टा, बंधक, विरासत
गृह तथा अन्य भवन भूमि ""वर्तमान मूल्य पर भारित है और उसका भेट या अन्य किसी प्रकार से सम्मिस अभ
शासकीय कर्मचारी से तथा अर्जन की तारीख और जिससे आविक आय | सम्मिक जानाम तथा ज्योरि
बतत्याहर्ष कि सह किसके नाम """वतीय, पट्टा, बंधक, विरासत
गृह तथा अन्य भवन भूमि ""वर्तमान मूल्य पर भारित है और उसका भेट या अन्य किसी प्रकार से सम्मिस अभ
शासकीय कर्मचारी से तथा अर्जन की तारीख और जिससे आविक आय
 | सम्पष्टिका नाम तथा क्योरि
बतत्वाइथे कि यह किसके नाम """वर्शन, बंधक, विरासत
गृह तथा अन्य भवन भूमि ""वर्तमान मूल्य पर भारित है और उसका भेट या अन्य किसी प्रकार से सम्मत्ति से अभ
शासकीय कर्मचारी से तथा अर्जन की हारीख और जिससे आविक आय | सम्पष्टिका नाम तथा क्योरि
बतत्वाइथे कि यह किसके नाम """वर्शन, बंधक, विरासत
गृह तथा अन्य भवन भूमि ""वर्तमान मूल्य पर भारित है और उसका भेट या अन्य किसी प्रकार से सम्मत्ति से अभ
शासकीय कर्मचारी से तथा अर्जन की हारीख और जिससे आविक आय | सम्मिक जानाम तथा ज्योरि
बतत्याहर्ष कि सह किसके नाम """वतीय, पट्टा, बंधक, विरासत
गृह तथा अन्य भवन भूमि ""वर्तमान मूल्य पर भारित है और उसका भेट या अन्य किसी प्रकार से सम्मिस अभ
शासकीय कर्मचारी से तथा अर्जन की तारीख और जिससे आविक आय | सम्पष्टिका नाम तथा क्योरि
बतत्वाइथे कि यह किसके नाम """वर्शन, बंधक, विरासत
गृह तथा अन्य भवन भूमि ""वर्तमान मूल्य पर भारित है और उसका भेट या अन्य किसी प्रकार से सम्मत्ति से अभ
शासकीय कर्मचारी से तथा अर्जन की हारीख और जिससे आविक आय | सम्मिक जानाम तथा ज्योरि
बतत्याहर्ष कि सह किसके नाम """वतीय, पट्टा, बंधक, विरासत
गृह तथा अन्य भवन भूमि ""वर्तमान मूल्य पर भारित है और उसका भेट या अन्य किसी प्रकार से सम्मिस अभ
शासकीय कर्मचारी से तथा अर्जन की तारीख और जिससे आविक आय
 | सम्मिक जानाम तथा ज्योरि
बतत्याहर्ष कि सह किसके नाम """वतीय, पट्टा, बंधक, विरासत
गृह तथा अन्य भवन भूमि ""वर्तमान मूल्य पर भारित है और उसका भेट या अन्य किसी प्रकार से सम्मिस अभ
शासकीय कर्मचारी से तथा अर्जन की तारीख और जिससे आविक आय | सम्मिक जानाम तथा ज्योरि
बतत्याहर्ष कि सह किसके नाम """वतीय, पट्टा, बंधक, विरासत
गृह तथा अन्य भवन भूमि ""वर्तमान मूल्य पर भारित है और उसका भेट या अन्य किसी प्रकार से सम्मिस अभ
शासकीय कर्मचारी से तथा अर्जन की तारीख और जिससे आविक आय | सम्पष्टिका नाम तथा क्योरि
बतत्वाइथे कि यह किसके नाम """वर्शन, बंधक, विरासत
गृह तथा अन्य भवन भूमि ""वर्तमान मूल्य पर भारित है और उसका भेट या अन्य किसी प्रकार से सम्मत्ति से अभ
शासकीय कर्मचारी से तथा अर्जन की हारीख और जिससे आविक आय |
| अर्थित की गाँ हो उसका गाँस
(ह) | (5) (4) (5) (7) (7) (7) (7) (10) करना संघव न हो, बहा बहेता हिस्सी के संच्या में साथ जाया | (3) (4) (5) (7) (7) (7) (7) (10) स्था में | (6) (4) (5) (6) (7) (7) (7) (6) (7) (7) (6) (7) (7) (7) (7) (7) (7) (7) (7) (7) (7 | अर्थित की गाँ हो बसका गाँस
तथा ज्यात
(६)
 | अर्थित की गाँ को वसका गाँस
(ह) | अर्थित की गाँ हो बसका गाँम
तथा व्याप
(६) | अर्थित की गाँ औं वसका गाँस
(ह) | (3) (4) (5) (6) (7) | (2) (3) (4) (5) (5) (7)
 | (2) (3) (4) (5) (7) | (2) (3) (4) (5) (5) (7) | प्या संबंध है अजित को गाई हो जसका नाम
तथा व्याप
(६) (६) (७) | प्या संबंध है अधित की गांह हो। बसका नाम
तथा व्यात
(5) (5) (7) | प्या संबंध है अजिंत की गाई हो उसका नाम
तथा व्योत
(5) (5) (7)
 | पमा संबंध है अजिंत की गांह हो। बसका नाम
तथा व्याप
(2) (3) (4) (5) (6) | प्या संबंध है अजिंत की गांह हो। बसका नाम
तथा व्यात
(5) (5) (7) | पमा संबंध है अजिंत की गाई हो उसका नाम
तथा व्योत
(3) (4) (5) (6) | पमा संबंध है अजिंत की गांह हो। बसका नाम
तथा व्याप
(2) (3) (4) (5) (6)
 | प्या संबंध है अजिंत की गई हो बसका नाम
तथा व्योत
(3) (4) (5) (6) | प्या संबंध है अजिंत की गई हो बसका नाम
तथा व्यात
(2) (3) (4) (5) (5) | पमा संबंध है अजिंत की गाई हो। बसका नाम
तथा व्योत
(2) (3) (4) (5) (5) | पमा संबंध है अजित की गाई हो उसका नाम
तथा व्याप
(2) (4) (5) (7) | प्या संबंध है अजिंत की गई हो बसका नाम
तथा व्यात
(2) (4) (5) (6) | प्या संबंध है अजिंत की गई हो बसका नाम
तथा व्यात
(2) (4) (5)
 | प्या संबंध है अजिसका नाम
तथा स्वीत | मिना सिबंध है | | |
 | | | | |
 | | | | | | गृह तथा अन्य भवन भूमि "वर्तमान मूल्य पर भारित हैं और उसका मेंद्र या अन्य किसी प्रकार से सम्मत्ति से
आ | सम्भाग का नाम तथा क्यार
बतलाइये कि बढ़ किसके नाम """खरीद, पट्टा, बंधक, विरासत,
गृह तथा अन्य भवन भूमि ""वर्तमान मूल्य पर भारित है और उसका मेंट या अन्य किसी प्रकार से सम्मत्ति से अभ | सम्भाव का जाम तथा ब्यार
बतलाइये कि यह किसके नाम ***खरीय, पट्टा, बंभक, विरासत,
गृह तथा अन्य भवन भूमि **वर्तमान मृत्य पर भारित है और उसका भेट या अन्य किसी प्रकार से सम्मासिसे अन | सम्पत्तिका नाम तथा क्योरे विकास प्रकार आजेति किया गया विकास प्रकार आजेति किया गया विकास प्रकार आजेति किया गया विकास प्रकार मिल्ये किया किया किया किया किया किया किया किया | सम्पत्तिका नाम तथा व्योरे व्याप्त पदि स्वयं के नाम पर न हो तो उसे किस प्रकार आजेत किया गया व्याप्त स्वयं कि सह किसके नाम """व्योद, पट्टा, वंपक, विरासत, मृष्म ""वर्तमान मृत्य पर शारित है और उसका भेट या जन्म किसी प्रकार से सम्मत्ति से आसित है और उसका विषय अर्जन की तारित और जिससे व्याप्तिक स्थाप्त
 | सम्मिक जान तथा ज्योरे
बतलाइये कि यह किसके नाम """खरीय, पट्टा, बंधक, विरासत
गृह तथा अन्य भवन भूमि ""वर्तमान मूल्य पर भारित है और उसका भेट या अन्य किसी प्रकार से सम्मिस से
शासकीय कर्मचारी से तथा अर्जन की तारीख और जिससे खांडिक आग | सम्मिक का जाम तथा क्योंरे. बतत्ताइये कि वह किसके नाम """खरीद, पट्टा, बंधक, विरासत, गृह तथा अन्य भवन भूमि ""वर्तमान मूल्य पर भारित है और उसका भेट या अन्य किसी प्रकार से सम्मित्ति अ | सम्मिक का जाम तथा क्योंरे. बतत्ताइये कि वह किसके नाम """खरीद, पट्टा, बंधक, विरासत, गृह तथा अन्य भवन भूमि ""वर्तमान मूल्य पर भारित है और उसका भेट या अन्य किसी प्रकार से सम्मित्ति अ | सम्मिक जान तथा ज्योरे
बतलाइये कि यह किसके नाम """खरीय, पट्टा, बंधक, विरासत
गृह तथा अन्य भवन भूमि ""वर्तमान मूल्य पर भारित है और उसका भेट या अन्य किसी प्रकार से सम्मिस से
शासकीय कर्मचारी से तथा अर्जन की तारीख और जिससे खांडिक आग | सम्मिक जान तथा ज्योरे
बतलाइये कि यह किसके नाम """खरीय, पट्टा, बंधक, विरासत
गृह तथा अन्य भवन भूमि ""वर्तमान मूल्य पर भारित है और उसका भेट या अन्य किसी प्रकार से सम्मिस से
शासकीय कर्मचारी से तथा अर्जन की तारीख और जिससे खांडिक आग
 | सम्पष्टिका नाम तथा क्योरे
बतरताइये कि यह किसंके नाम """खरीय, पट्टा, बंधक, विरासत,
गृह तथा अन्य भवन भूमि ""वर्तमान मूल्य पर भारित है और उसका भेट या अन्य किसी प्रकार से सम्मसि से
शासकीय कर्मचारी से तथा अर्जन की तारीख और जिससे खांडिक आग | सम्पष्टिका नाम तथा क्योरे
बतरताइये कि यह किसंके नाम """खरीय, पट्टा, बंधक, विरासत,
गृह तथा अन्य भवन भूमि ""वर्तमान मूल्य पर भारित है और उसका भेट या अन्य किसी प्रकार से सम्मसि से
शासकीय कर्मचारी से तथा अर्जन की तारीख और जिससे खांडिक आग | सम्मिक जान तथा ज्योरे
बतलाइये कि यह किसके नाम """खरीय, पट्टा, बंधक, विरासत
गृह तथा अन्य भवन भूमि ""वर्तमान मूल्य पर भारित है और उसका भेट या अन्य किसी प्रकार से सम्मिस से
शासकीय कर्मचारी से तथा अर्जन की तारीख और जिससे खांडिक आग | सम्पष्टिका नाम तथा क्योरे
बतरताइये कि यह किसंके नाम """खरीय, पट्टा, बंधक, विरासत,
गृह तथा अन्य भवन भूमि ""वर्तमान मूल्य पर भारित है और उसका भेट या अन्य किसी प्रकार से सम्मसि से
शासकीय कर्मचारी से तथा अर्जन की तारीख और जिससे खांडिक आग | सम्मिक जान तथा ज्योरे
बतलाइये कि यह किसके नाम """खरीय, पट्टा, बंधक, विरासत
गृह तथा अन्य भवन भूमि ""वर्तमान मूल्य पर भारित है और उसका भेट या अन्य किसी प्रकार से सम्मिस से
शासकीय कर्मचारी से तथा अर्जन की तारीख और जिससे खांडिक आग
 | सम्मिक जान तथा ज्योरे
बतलाइये कि यह किसके नाम """खरीय, पट्टा, बंधक, विरासत
गृह तथा अन्य भवन भूमि ""वर्तमान मूल्य पर भारित है और उसका भेट या अन्य किसी प्रकार से सम्मिस से
शासकीय कर्मचारी से तथा अर्जन की तारीख और जिससे खांडिक आग | सम्मिक जान तथा ज्योरे
बतलाइये कि यह किसके नाम """खरीय, पट्टा, बंधक, विरासत
गृह तथा अन्य भवन भूमि ""वर्तमान मूल्य पर भारित है और उसका भेट या अन्य किसी प्रकार से सम्मिस से
शासकीय कर्मचारी से तथा अर्जन की तारीख और जिससे खांडिक आग | सम्पष्टिका नाम तथा क्योरे
बतरताइये कि यह किसंके नाम """खरीय, पट्टा, बंधक, विरासत,
गृह तथा अन्य भवन भूमि ""वर्तमान मूल्य पर भारित है और उसका भेट या अन्य किसी प्रकार से सम्मसि से
शासकीय कर्मचारी से तथा अर्जन की तारीख और जिससे खांडिक आग |
| अभित को गई हो बसका गान
तथा व्योत | (5) (4) (5) (5) (7) (7) (9) (10) (10) (10) (10) (10) (10) (10) (10 | (5) (4) (5) (5) (7) (7) (9) (9) (10) (10) (10) (10) (10) (10) (10) (10 | (5) (4) (5) (7) (7) (7) (7) (7) (7) (7) (7) (7) (7 | अभिनेत को गई हो ब्यस्का गान
उपा व्योत
(६)
 | अभिनेत को गई हो ब्यस्का मान
तथा व्यापा
(६) | अभित की गई हो ब्यस्का मान
तथा व्याप
(6) | अभिनेत को गई हो बसका गान
तथा व्योत | (2) (3) (4) (5) (7) | (3) (4) (5) (5) (7)
 | (3) (4) (5) (6) (7) | (2) (3) (4) (5) (6) (7) | स्या संगंध है अधित की गई हो उसका नाम
तथा स्वीत
(5) (6) (7) | (2) (3) (4) (5) (6) (6) | स्या संगंध है अधित की गई हो उसका नाम
तथा ख्वीत
(5) (5) (7)
 | प्यान्तमंष है अभित को गई हो उसका नाम
तथा व्यौत
(5) (5) (7) | प्यान्तवंध है अजिंत की गई हो उसका नाम
तथा व्यीत
(3) (4) (5) (6) | स्या संबंध है अधित की गई हो उसका नाम
तथा स्वीत
(2) (3) (4) (5) (5) | प्यान्सम्बंध है अभिंत को गह हो उसका नाम
तथा व्यौत
(3) (4) (5) (5)
 | प्याःसंबंध है अजिंत की गई हो उसका नाम
तथाः व्यात
(2) (3) (4) (5) (6) | स्या संबंध है अधित की गई हो उसका नाम
तथा स्वीत
(2) (3) (4) (5) (5) | स्या संबंध है अजिंत की गई हो उसका नाम
तथा स्योत
(2) (3) (4) (5) (5) | स्या संबंध है अजिंत की गई हो बसका नाम
तथा व्योत
(2) (4) (5) (5) | प्यान्सम्बंध है अभिंत को गई हो उसका नाम
तथा स्वीत
(2) (3) (4) (5) (6) | प्यान्सम्बंध है अभिता की गई हो उसका नाम
तथा त्यात
(2) (3) (4) (5)
 | प्या संबंध है अजिंत की गई हो उसका नाम
तथा व्योत | प्या संबंध है अधित की गई हो उसका नाम
तथा व्योत | पया संबंध है अजित की गई हो उसका माम
तथा व्योत | अजिंत की गई हो दसका नाम
तथा व्योत | अजित की गई हो बसका नाम
तथा व्योत
 | अजित की गई हो दसका नाम
तथा व्योत | अजित की गई हो दसका नाम
तथा व्योत | अर्थित की गई हो उसका नाम | अजित की गई हो उसका नाम | अजित की गई हो उसका नाम
 | अजिंत की गई हो उसका नाम | अभित की गई हो उसका नाम | अधित की गई को उसका माम | | | गार करा करा करा करा करा करा करा करा करा क
 | सम्भाग का नाम गया च्यार
बतलाइये कि यह किसके नाम ***खरीद, पट्टा, बंभक, विरासत
गृह तथा अन्य भवन भूमि ***वर्तमान मृत्य पर भारत है और उसका भेट या अन्य किसी प्रकार से सम्मति से अ | सम्पाद का जाम तथा क्यार
बतलाइये कि मह किसके जाम "*"खरीद, पट्टा, वंपक, विरासत
गृह तथा अन्य भवन भूमि ""वर्तमान मूल्य पर भारत है और उसका भेट या अन्य किसी प्रकार से सम्मति से
शासकीय अमंग्री में जाय कर्म की मानिक और तिकारी जासकीय अमंग्री से | सम्पत्तिका नाम तथा क्योरे विकास में नाम भर नहीं तो उसे किस प्रकार आजेत किया गया विकास में कारणाइये किस के नाम """वर्गित, पट्टा, वंपक, विरासत, मूम ""वर्गमान मूल्य पर भारत है और उसका भेट या अन्य किसी प्रकार से सम्मति से आस्कीय कर्मचारी में नाम अन्य अन्य किसी प्रकार से सम्मति से आसकीय कर्मचारी में नाम अन्य कर्म भारत है। मानिक और जिल्ला मानिक आसकीय कर्मचारी में | सम्पत्तिका नाम तथा क्योरे व्यद्भ स्वयं के नाम पर न हो तो उसे किस प्रकार आजेत किया गया व्यद्ध स्वयं के नाम करिया प्रदा, बंधक, विरासत, व्यद्धा, व्यद्धा, बंधक, विरासत, व्यद्धा, व्यद्धा, व्यद्धा, व्यद्धा, व्यद्धा, व्यद्धा अन्य अन्य विरासत, सामानि से अन्य अन्य विरास से सम्मति से अन्य अन्य विरास के नाम कर्म प्रवास के नाम अन्य अन्य किया अन्य क्या प्रवास के नाम क्या अन्य क्या आपकोष्ठ कर्म जाते से नाम अन्य अन्य क्या नाम अन्य अन्य क्या नाम क्या अन्य क्या नाम क्या अन्य क्या नाम क्या अन्य क्या क्या क्या क्या अन्य क्या क्या क्या क्या क्या क्या क्या क्
 | सम्मिक का जान तथा क्योंरे. बतत्ताइये कि वह किसके नाम """खरीद, प्रद्य, बंधक, विरासत, गृह तथा अन्य भवन भूमि ""मर्तमान मृत्य पर भारित है और उसका भेट या अन्य किसी प्रकार से सम्मित से आसकीय कर्मकारी से नण अन्य किसी प्रकार से सम्मित से | सम्मित्त का जाम तथा क्योंरे विश्व के जाम पर न हो तो उसे किस प्रकार आजेत किसा गया विश्व कर करा माने के विश्व के किसके जाम """खरीद, पट्टा, बंधक, विश्व कर जाम """ खरीस से सम्मित से अप्रकार से सम्मित से आसकीय कर्मकारी से जाम अपने कर्म प्रकार से सम्मित से आसकीय कर्मकारी से जाम अपने कर्म कर्म गर्मिक जान कर | सम्मित्त का जाम तथा क्योंरे विश्व के जाम पर न हो तो उसे किस प्रकार आजेत किसा गया विश्व कर करा माने के विश्व के किसके जाम """खरीद, पट्टा, बंधक, विश्व कर मित्र के जान करा किसा के जान करा किसा के का अपन करा किसा के जान करा किसा के जान करा किसा के जान कर | सम्मिक का जान तथा क्योंरे. बतत्ताइये कि वह किसके नाम """खरीद, प्रद्य, बंधक, विरासत, गृह तथा अन्य भवन भूमि ""मर्तमान मृत्य पर भारित है और उसका भेट या अन्य किसी प्रकार से सम्मित से आसकीय कर्मकारी से नण अन्य किसी प्रकार से सम्मित से | सम्मिक का जान तथा क्योंरे. बतत्ताइये कि वह किसके नाम """खरीद, प्रद्य, बंधक, विरासत, गृह तथा अन्य भवन भूमि ""मर्तमान मृत्य पर भारित है और उसका भेट या अन्य किसी प्रकार से सम्मित से आसकीय कर्मकारी से नण अन्य किसी प्रकार से सम्मित से
 | सम्मिक जाना तथा ज्योरे. बतलाइये कि वह किसके नाम """खरीद, प्ट्य, बंधक, विरासत, गृह तथा अन्य भवन भूमि ""वर्तमान मूल्य पर थारित है और उसका भेट या अन्य किसी प्रकार से सम्मित से आसकीय कर्मकारी से नण अन्य किसी प्रकार से सम्मित से | सम्मिक जाना तथा ज्योरे. बतताइये कि वह किसके नाम """खरीद, प्ट्य, बंधक, विरासत, गृह तथा अन्य भवन भूमि ""वर्तमान मूल्य पर थारित है और उसका भेट या अन्य किसी प्रकार से सम्मित से आसकीय कर्मकारी से नण अन्य किसी प्रकार से सम्मित से | सम्मिक का जान तथा क्योंरे. बतत्ताइये कि वह किसके नाम """खरीद, प्रद्य, बंधक, विरासत, गृह तथा अन्य भवन भूमि ""मर्तमान मृत्य पर भारित है और उसका भेट या अन्य किसी प्रकार से सम्मित से आसकीय कर्मकारी से नण अन्य किसी प्रकार से सम्मित से | सम्मिक जाना तथा ज्योरे. बतताइये कि वह किसके नाम """खरीद, प्ट्य, बंधक, विरासत, गृह तथा अन्य भवन भूमि ""वर्तमान मूल्य पर थारित है और उसका भेट या अन्य किसी प्रकार से सम्मित से आसकीय कर्मकारी से नण अन्य किसी प्रकार से सम्मित से | सम्मिक का जान तथा क्योंरे. बतत्ताइये कि वह किसके नाम """खरीद, प्रद्य, बंधक, विरासत, गृह तथा अन्य भवन भूमि ""मर्तमान मृत्य पर भारित है और उसका भेट या अन्य किसी प्रकार से सम्मित से आसकीय कर्मकारी से नण अन्य किसी प्रकार से सम्मित से
 | सम्मिक का जान तथा क्योंरे. बतत्ताइये कि वह किसके नाम """खरीद, प्रद्य, बंधक, विरासत, गृह तथा अन्य भवन भूमि ""मर्तमान मृत्य पर भारित है और उसका भेट या अन्य किसी प्रकार से सम्मित से आसकीय कर्मकारी से नण अन्य किसी प्रकार से सम्मित से | सम्मिक का जान तथा क्योंरे. बतत्ताइये कि वह किसके नाम """खरीद, प्रद्य, बंधक, विरासत, गृह तथा अन्य भवन भूमि ""मर्तमान मृत्य पर भारित है और उसका भेट या अन्य किसी प्रकार से सम्मित से आसकीय कर्मकारी से नण अन्य किसी प्रकार से सम्मित से | सम्मिक जाना तथा ज्योरे. बतताइये कि वह किसके नाम """खरीद, प्ट्य, बंधक, विरासत, गृह तथा अन्य भवन भूमि ""वर्तमान मूल्य पर थारित है और उसका भेट या अन्य किसी प्रकार से सम्मित से आसकीय कर्मकारी से नण अन्य किसी प्रकार से सम्मित से |
| (2) (3) (4) (5) (6) (7) | स्वा स्ववंध है अपित को विश्व के सहयों में सामण मूच्य करनाया जाए। | ्(3) (4) (5) (5) (5) (7) हर की मुल्या हो है। उसका नाम क्या संस्था है हाभण मूख्य करनाया जाए। | स्था प्रकाश है। असका गाम
तथा है। असका गाम
(६) (६) (१)
हिस्सीया ।
हिस्सीया । | प्यास्तवंश है अभिते को गाह है। असका नाम प्यास्तवंश है अभिते को गाह है। असका नाम प्राप्त प्रति (5) (5) (7) (6) (7) (7) (7) (7) (7) (8) (8) (8) (8) (8) (8) (8) (8) (8) (8
 | (2) (3) (4) (5) (6) (7) | (3) (4) (5) (6) (6) (7) | (2) (3) (4) (5) (6) (7) | (2) (3) (4) (5) (5) (7) | (6) (4) (4) (5) (7)
 | (2) (4) (4) (5) (6) (7) | (2) (3) (4) (5) (7) | स्या स्वष्प है अभित की गई हो उसका नाम
तथा स्वीता
(2) (4) (5) (7) | स्पा संबंध है अभिंत की गई हो उसका नाम
हम व्यक्ति
(2) (4) (5) (5) | स्पाःसंग्रं है अभिंत की गई हो उसका नाम
तृथा व्योत
(3) (4) (5) (6)
 | स्पाःस्विध है अभिति की गाई हो। उसका नाम
तथा व्योति
(3) (4) (5) (7) | स्पाःसंग्रं है अभिंत की गई.हो.बसका नाम
तथा व्याता
(2) (4) (5) (5) | स्मा समिष है अभिंत की गई हो उसका नाम
तथा व्योत
(2) (4) (5) (7) | स्या समिष है अभिंत की गई हो उसका नाम
तथा व्योत
(3) (4) (5) (7)
 | स्पाःसंबंध है अभिंत की गई.हो.बसका नाम
तथा व्याता
(2) (4) (5) (7) | स्पाःसंग्रं हो उसका नाम
तथा स्पार्थात
तथा स्पार्था | स्पाःसंबंध है अभिंत की गई हो उसका नाम
तभा व्योत
(2) (4) (5) (7) | स्या समिष है अभिंत की गई हो उसका नाम
हम व्योत
(2) (4) (5) (5) | स्या संबंध है अभित की गई हो उसका नाम
तथा व्याप
(2) (3) (4) (5) (6) | स्पाःसंबंध है अभिंत की गई हो उसका नाम
हमा स्योत
(2) (4) (5)
 | स्मा समिष है अभित की गई हो उसका नाम
तभा स्वीत | स्या संबंध है
अजिंत की गई हो उसका नाम
तथा ध्याँत | प्ता संबंध है अर्थित की गई.हो. उसका नाम
तथा व्योत | क्या संबंध है अभिंत की गई हो उसका नाम
तथा व्योत | प्या संबंध है अभिंत की गई हो उसका नाम
तथा स्वार
 | प्पा संबंध है अधित की गई हो उसका नाम
तथा स्वार | स्या संबंध है अंजित की गई हो उसका नाम
तथा व्या | प्ना संबंध है अभित की गई हो उसका नाम | यया सबध है अभित की गई हो उसका नाम | स्या संबंध है
 | स्या संबंध है | प्ता संबंध है | | 2277.27.27.37.34. 12. 12. 12. 12. 12. 12. 12. 12. 12. 12 | | ्यांद्र स्त्रपंत का ता विकास अकार क्षा क्षा क्षा का
 | सम्भाग का नाम गया च्यार स्वयं के नाम पर ने हो तो उसे किया गया चित्रा गया चित्रा गया चित्रा गया चित्रा गया चित्रा भी के विभाग मूल्य पर भारत है और उसका भेट या जन्म किसी प्रकार से सम्माति से अन | सम्भाव का जाम तथा ब्यार
बतलाइथे कि बढ़ किसके जाम """खरीद, पट्टा, बंधक, विरासत
गृह तथा अन्य भवन भूमि ""वर्तमान मूल्य पर भारित है और उसका भेट या अन्य किसी प्रकार से सम्माति से अन | सम्माद्यका नाम तथा क्योरे विकास प्रकार आजेत किया गया विकास प्रकार आजेत किया गया विकास प्रकार आजेत किया गया विकास प्रकार मुस्सि के महिल्ला स्थे कि यह किसके नाम """कार्तमान मूल्य पर धारित है और उसका भेट या अन्य किसी प्रकार से सम्मासि से अन | सम्पत्तिका नाम तथा क्योरे विद्या है त्या के नाम पर न हो तो उसे किसम प्रकार आजेत किया गया विद्या है किसके नाम """खरीद, पट्टा, बंधक, विदासत, जा का जा गृह तथा अन्य भवन भूमि "" वर्तमान मूल्य पर धारित है और उसका मेंट या अन्य किसी प्रकार से सम्मति से अन
 | सम्मिक का जाम तथा क्योंरे
बतलाइये कि बढ़ किसके नाम ***खरीद, प्रदूध, बंधक, बिरासत,
गृह तथा अन्य थवन भूमि **वर्तमान मूल्य पर धारित है. और उसका भेंट या अन्य किसी प्रकार से सम्मिसि से अ | सम्पष्टिका जाम तथा क्योरि
बतलाइये कि बढ़ किसके नाम ***खरीद, प्रदूरा, बंधक, बिरासत,
गृह तथा अन्य भवन भूमि **वर्तमान मूल्य पर थारित है. और उसका भेंट या अन्य किसी प्रकार से सम्मति से अ | सम्पष्टिका जाम तथा क्योरि
बतलाइये कि बढ़ किसके नाम ***खरीद, प्रदूरा, बंधक, बिरासत,
गृह तथा अन्य भवन भूमि **वर्तमान मूल्य पर थारित है. और उसका भेंट या अन्य किसी प्रकार से सम्मति से अ | सम्मिक का जाम तथा क्योंरे
बतलाइये कि बढ़ किसके नाम ***खरीद, प्रदूध, बंधक, बिरासत,
गृह तथा अन्य थवन भूमि **वर्तमान मूल्य पर धारित है. और उसका भेंट या अन्य किसी प्रकार से सम्मिसि से अ | सम्मिक का जाम तथा क्योंरे
बतलाइये कि बढ़ किसके नाम ***खरीद, प्रदूध, बंधक, बिरासत,
गृह तथा अन्य थवन भूमि **वर्तमान मूल्य पर धारित है. और उसका भेंट या अन्य किसी प्रकार से सम्मिसि से अ
 | सम्मिक का जान तथा क्योंरे. बतताइये कि बढ़ किसके नाम """खरीद, प्रद्य, बंधक, विरासत, गृह तथा अन्य थवन भूमि ""वर्तमान मूल्य पर धारित है. और उसका मेंट या अन्य किसी प्रकार से सम्मिसि से अन | सम्मिक का जान तथा क्योंरे. बतताइये कि बढ़ किसके नाम """खरीद, प्रद्य, बंधक, विरासत, गृह तथा अन्य थवन भूमि ""वर्तमान मूल्य पर धारित है. और उसका मेंट या अन्य किसी प्रकार से सम्मिसि से अन | सम्मिक का जाम तथा क्योंरे
बतलाइये कि बढ़ किसके नाम ***खरीद, प्रदूध, बंधक, बिरासत,
गृह तथा अन्य थवन भूमि **वर्तमान मूल्य पर धारित है. और उसका भेंट या अन्य किसी प्रकार से सम्मिसि से अ | सम्मिक का जान तथा क्योंरे. बतताइये कि बढ़ किसके नाम """खरीद, प्रद्य, बंधक, विरासत, गृह तथा अन्य थवन भूमि ""वर्तमान मूल्य पर धारित है. और उसका मेंट या अन्य किसी प्रकार से सम्मिसि से अन | सम्मिक का जाम तथा क्योंरे
बतलाइये कि बढ़ किसके नाम ""खरीद, प्रदूध, बंधक, बिरासत,
गृह तथा अन्य थवन भूमि ""वर्तमान मूल्य पर धारित है. और उसका मेंट या अन्य किसी प्रकार से सम्मिसि से अब
 | सम्मिक का जाम तथा क्योंरे
बतलाइये कि बढ़ किसके नाम ""खरीद, प्रदूध, बंधक, बिरासत,
गृह तथा अन्य थवन भूमि ""वर्तमान मूल्य पर धारित है. और उसका मेंट या अन्य किसी प्रकार से सम्मिसि से अब | सम्मिक का जाम तथा क्योंरे
बतलाइये कि बढ़ किसके नाम ""खरीद, प्रदूध, बंधक, बिरासत,
गृह तथा अन्य थवन भूमि ""वर्तमान मूल्य पर धारित है. और उसका मेंट या अन्य किसी प्रकार से सम्मिसि से अब | सम्मिक का जान तथा क्योंरे. बतताइये कि बढ़ किसके नाम """खरीद, प्रद्य, बंधक, विरासत, गृह तथा अन्य थवन भूमि ""वर्तमान मूल्य पर धारित है. और उसका मेंट या अन्य किसी प्रकार से सम्मिसि से अन |
| (2) (4) (4) (5) (6) (7) | स्पारमधंभ है जीजित को गांध के अपना मान्य स्पारमधंभ है जीजित को गांध के अपना मान्य स्पारमधंभ है जिल्ला मान्य स्पारमधंभ है जिल्ला मान्य स्पारमधंभ है जिल्ला मान्य स्पारमधंभ है जिल्ला मान्य स्पारम् स्पारमधंभ मान्य स्पारम् स्प | प्या संबंध है जीजित की गाँव हो अस्ति का मान्या क्या संबंध है जिल्ला हो है। जा क्या का मान्या जा का | स्था सम्बंध है जीजित की गाँव है जिसका माना
कर जीवियां । (3) (4) (5) (6) (7)
कर जीवियां । (4) (5) (6) (7) | प्रणासम्बंध है ज्याजित का प्रणासम्बंध के ज्याजित का प्रणासम्बंध के ज्याज्ञ का ज्य | प्रणा प्रविध है जिन्दित को गाँह हो उद्योग नाम प्रणा प्रविध है जिन्दित को गाँह हो उद्योग नाम प्रणा प्रणा जाता है है जिन्दित को गाँह हो उद्योग नाम प्रणा जाता है है जिन्दित को गाँह हो उद्योग नाम जाता है है जिन्दित को गाँह है जिन्दित के जिन | (2) (4) (4) (5) (6) (7) | (2) (4) (4) (5) (6) (7)
 | (2) (3) (4) (5) (6) (7) | (a) (b) (c) (c) (c) (d) (d) (d) (d) (d) (d) (d) (d) (d) (d | (3) (4) (5) (6) (7) | (2) (4) (5) (7) | स्याःसंबंध है अभितं की गाई हो जसका नाम
तथा संबंध है अभितं की गाई हो जसका नाम
तथा स्वीत
 | स्याःसंबंध है अभितं की गई है। उसका नाम
तृथा व्योता
(2) (4) (5) (7) | स्या:संबंध है अजित की गाई हो उसका नाम
तथा संबंध है अजित की गाई हो उसका नाम
तथा स्वीत (६) (7) | स्मा संबंध है अजित की गहि है। उसका नाम
तथा व्यक्ति की जिल्ला जात | स्याःसंबंध है अभितं की गाई हो उसका नाम
तथा संबंध है अभितं की गाई हो उसका नाम
तथा स्वीता
(5) (5) (7)
 | स्याःसंबंध है अभितं की गाई हो उसका नाम
तथा संबंध है अभितं की गाई हो उसका नाम
तथा व्याप्ति
(4) (5) (7) | स्मा संबंध है अजित की गहि हो। उसका नाम
तथा संबंध है (हे) (3) (4) (5) (5) | स्याःसंबंध है अभितं की गाई हो उसका नाम
तथा संबंध है अभितं की गाई हो उसका नाम
तथा स्वांत | स्याःसंबंध है अभित की गाई हो उसका नाम
तथा संबंध है अभित की गाई हो उसका नाम
तथा स्वीत | स्याःसंबंध है अधित की गहि हो उसका नाम
तथा व्याप्ति की गहि हो उसका नाम
तथा व्याप्ति
(3) (4) (5) (7) | स्मा संबंध है अजित की गहि हो उसका नाम
तथा व्याप क्यों त
(3) (4) (5) (7)
 | स्या संबंध है अजित की गाई हो। उसका नाम
तथा संबंध है अजित की गाई हो। उसका नाम
तथा स्योत | स्पा संबंध है अधित की गई हो उसका नाम
तथा संबंध है (2) (4) (5) | स्यात्संबंध है अधित की गाई हो उसका नाम
हाथा व्यात | स्या संबंध है अजित की गहु हो उसका नाम
तथा संबंध है | स्या संबंध है अधित की गई हो उसका नाम
तथा संबंध है अधित की गई हो उसका नाम
 | स्या संबंध है अजित की गई हो उसका नाम
उस व्यास | स्या संबंध है अर्थित की गई है। उसका नाम
तथा स्वंध है | स्या संबंध है अर्थित को गई हो उसका नाम
उसे व्या | प्या संबंध है अधित की गई हो उसका नाम | स्या संबंध है अधित की गहे हो बसका नाम
 | स्या संबंध है | स्या संबंध है अर्थित की गई है। उसकी नाम | प्यासिक्षे हैं अधित की गई हो उसका माम | समा सम्भाव माने विशेष के अधित की गाँउ के अधित की शिष्त की गाँउ के अधित की गाँउ के अधित की गाँउ के अधित की गाँउ | THE LIBERT THE DESIGN |
 | The second secon | गृह तथा अन्य भवन भूमि "वर्तमान मृत्य पर भारित है और उसका भेट या अन्य किसी प्रकार से सम्मासि से अ | सम्भाग का जान तथा च्यार
बतलाइये कि सके जाम """खरीद, प्रट्य, बंधक, विरासत,
गृह तथा अन्य भवन भूमि "वर्तमान मूल्य पर भारित है और उसका भेट या अन्य किसी प्रकार से सम्मति से अ | सम्भाद का जाम तथा ब्यार
बतत्ताइये कि बढ़ किसके नाम ""बढ़ोद, प्रट्य, बंधक, विरासत,
गृह तथा अन्य भवन भूमि "कितमान मूल्य पर भारित है और उसका भेट या अन्य किसी प्रकार से सम्मति से अन | सम्पत्तिका नाम तथा क्योरे
बतलाइये कि वह किसके नाम """खरीद, पट्टा, बंधक, विरासत,
गृह तथा अन्य भवन भूमि ""वर्तमान मृत्य पर भारित है और उसका मेंट या अन्य किसी प्रकार से सम्मत्ति से अभ | सम्पत्तिका नाम तथा क्योरे
बतलाइये कि वह किसके नाम """खरीद, प्रद्य, बंधक, किरासत,
गृह तथा अन्य भवन भूमि ""वर्तमान मृल्य पर भारित है और उसका भेंट या अन्य किसी प्रकार से सम्मत्ति से अभ
 | सम्मिक का जाम तथा क्योरि
बतलाइथे कि खंड किसके नाम ***खरीद, पर्यु, बंधक, विरासत,
गृह तथा अन्य भवन भूमि **वर्तमान मृत्य पर भारित है और उसका भेट या अन्य किसी प्रकार से सम्मासिसे अ | सम्पष्ति का नाम तथा क्यौरे
बतलाइथे कि यह किसके नाम ***खरीद, पर्युग, बंधक, विरासत,
गृह तथा अन्य भवन भूमि **वर्तमान मृत्य पर भारित है और उसका भेट या अन्य किसी प्रकार से सम्पत्ति से अ | सम्पष्ति का नाम तथा क्यौरे
बतलाइथे कि यह किसके नाम ***खरीद, पर्युग, बंधक, विरासत,
गृह तथा अन्य भवन भूमि **वर्तमान मृत्य पर भारित है और उसका भेट या अन्य किसी प्रकार से सम्पत्ति से अ | सम्मिक का जाम तथा क्योरि
बतलाइथे कि खंड किसके नाम ***खरीद, पर्यु, बंधक, विरासत,
गृह तथा अन्य भवन भूमि **वर्तमान मृत्य पर भारित है और उसका भेट या अन्य किसी प्रकार से सम्मासिसे अ | सम्मिक का जाम तथा क्योरि
बतलाइथे कि खंड किसके नाम ***खरीद, पर्यु, बंधक, विरासत,
गृह तथा अन्य भवन भूमि **वर्तमान मृत्य पर भारित है और उसका भेट या अन्य किसी प्रकार से सम्मासिसे अ
 | सम्मिक का जान तथा क्योंरे
बतलाइये कि खंड किसके नान ""खरीद, पर्य्य, बेफक, विरासत,
गृह तथा अन्य भवन भूमि ""वर्तमान मृत्य पर भारित है और उसका भेट या अन्य किसी प्रकार से सम्मासि से अन | सम्मिक का जान तथा क्योंरे
बतलाइये कि खंड किसके नान ""खरीद, पर्य्य, बेफक, विरासत,
गृह तथा अन्य भवन भूमि ""वर्तमान मृत्य पर भारित है और उसका भेट या अन्य किसी प्रकार से सम्मासि से अन | सम्मिक का जाम तथा क्योरि
बतलाइथे कि खंड किसके नाम ***खरीद, पर्यु, बंधक, विरासत,
गृह तथा अन्य भवन भूमि **वर्तमान मृत्य पर भारित है और उसका भेट या अन्य किसी प्रकार से सम्मासिसे अ | सम्मिक का जान तथा क्योंरे
बतलाइये कि खंड किसके नान ""खरीद, पर्य्य, बेफक, विरासत,
गृह तथा अन्य भवन भूमि ""वर्तमान मृत्य पर भारित है और उसका भेट या अन्य किसी प्रकार से सम्मासि से अन | सम्मिक का जाम तथा क्योरि
बतलाइथे कि खंड किसके नाम ***खरीद, पर्यु, बंधक, विरासत,
गृह तथा अन्य भवन भूमि **वर्तमान मृत्य पर भारित है और उसका भेट या अन्य किसी प्रकार से सम्मासिसे अ
 | सम्मिक का जाम तथा क्योरि
बतलाइथे कि खंड किसके नाम ***खरीद, पर्यु, बंधक, विरासत,
गृह तथा अन्य भवन भूमि **वर्तमान मृत्य पर भारित है और उसका भेट या अन्य किसी प्रकार से सम्मासिसे अ | सम्मिक का जाम तथा क्योरि
बतलाइथे कि खंड किसके नाम ***खरीद, पर्यु, बंधक, विरासत,
गृह तथा अन्य भवन भूमि **वर्तमान मृत्य पर भारित है और उसका भेट या अन्य किसी प्रकार से सम्मासिसे अ | सम्मिक का जान तथा क्योंरे
बतलाइये कि खंड किसके नान ""खरीद, पर्य्य, बेफक, विरासत,
गृह तथा अन्य भवन भूमि ""वर्तमान मृत्य पर भारित है और उसका भेट या अन्य किसी प्रकार से सम्मासि से अन |
| ्या न्यां है जिल्ला का विश्व कार जिल्ला का विश्व | प्यास्तिवं है जाप जाप कर्मा (द) (3) (4) (5) (6) (6) (7) हिंदी की महिंदी हो उसका मान हिंदी की महिंदी है महि | प्यान्तिक के निर्मा के विकास के निर्मा किया है स्था में साम में स्था में साम | प्यान्तिक के पहुँ के ब्लंक नह
स्था स्था
हिस्सीयां
हिस्सीयां
हिस्सीयां
हिस्सीयां | प्यान्तिक के व्यक्ति के प्रति के प्रति के प्रति के प्रति के प्रति के प्रति के व्यक्ति का विकास के व्यक्ति के विकास के वितास के विकास के व | (2) (4) (5) (6) (7) | (2) (4) (5) (4) (7) | ्या न्यंत्रिक आर प्रवास व्यासक आप का मान व्यसक मान व्यासक आप का मान व्यस्तक आप का मान व्यसक आप का मान व्यस्तक आप का मान व्यसक आप का मान व्य | ्या स्वेश हैं | (5) (4) (5) (5) (7)
 | (द) (4) (5) (5) (7) | प्यान्तिक के वाह्य के विकास के विद्या के विद् | स्यात्मिष है जीवा की गाई हो उसका नाम
स्यात्मिष है अभित की गाई हो उसका नाम
तथा स्वात | स्पार्तकाथ के नयात्र काराध्य काराध्य काराध्य काराध्य कार्याध्य का | स्यात्मिष्यं है अभित्र को गाई हो, वसका नाम
स्यात्मिष्यं है अभित्र को गाई हो, वसका नाम
तथा व्यात | स्पात्मिश है अभित की गई हो उसका नाम
स्पात्मिश है अभित की गई हो उसका नाम
(2) (3) (4) (5) (7)
 | स्पा स्विध है जिस्का नाम व्यापक आया स्पा स्विध है अर्जित की गई हो उसका नाम स्पा स्विध है (ह) (ह) (ह) (ह) (ह) | स्यात्मिय है अभित की गाई हो उसका नाम
स्यात्मिय है अभित की गाई हो उसका नाम
तथा व्याप्ति की गाई हो उसका नाम
(3) (4) (5) (7) | स्पात्मिश है अभित को गई हो उसका नाम
स्पात्मिश है अभित को गई हो उसका नाम
तथा व्याप | स्पा संबंध है जापा कार्या साम जापा कार्या क | स्मात्मक्षि के वाराजनार निवास आपक्ष आप
स्मात्मक्षि के अभित को गहि हो उसका नाम
तथा व्याप्ति को गहि हो उसका नाम
(3) (4) (5) (7) | स्पारमाथ के जापा कापात कापा कापा | स्पार्तकाथ के जापा कापात कापा कापा | स्पार्त्ताच के प्राप्त का प्राप्त
स्पार्त्स के अभित्र का प्राप्त का प्र का प्राप्त का प्त का प्राप्त का प्राप्त का प्राप्त का प्राप्त का प्राप्त का प्राप | स्पारमाथ के तथा कावाबक आय
स्पारमाथ है अर्जित की गई हो उसका नाम
तथा व्योत | स्या संबंध है अधित को गहु हो उसका नाम
स्या संबंध है अधित को गहु हो उसका नाम
तथा व्यात
 | सारकाय कृत्यांचा का वादाब आर.व्यसस
स्या संबंध है अभित की गई हो उसका नाम
तथा स्वार | सारकाय कृत्याचा का जाया का वादाब कार । जाया का जाया का जादाब कार । जाया का जादाब कार । जाया का जादाब कार । जाया
समा संबंध है
समा संबंध है | सारकाय कृत्या संबंध है
स्या संबंध है
सर्था संबंध है अर्थित की गई हो उसका नाम | साहित्या के जाता के जाता की गाई हो उसका नाम
स्या संबंध है
जा स्वीत | साहित्या के जाता के जाता की गाई हो। उसका नाम
स्मा संबंध है
स्मा संबंध है
 | स्या संबंध है अजित को गहुँ हो बसका नाम
स्या संबंध है अजित को गहुँ हो बसका नाम | स्यां संबंध है अर्थित की गई हो उसका नाम
स्यां संबंध है | स्या संबंध है अर्थित की गई हो उसका नाम | प्रमा संबंध है अधित की गहु हो उसका नाम | स्मात्मकाय के नियान के निया के नियान के | स्यात्स्काय के न्यांत्र के जाता की गहें को जसका मान
 | द्राह्मचार केन्या है जिस्से के प्रतिस्था के प्रतिस्था की प्रतिस्था को मार्थ सिम्बा मार्थ | | | गृह तथा अन्य भवन भूमि "कैतमान मूल्य पर भारित है और उसका भेंट या अन्य किसी प्रकार से सम्मति से अस | सम्भाग का जान तथा क्यांत
बतत्ताइये कि यह किसके नाम """खरीद, प्रदूरा, बंधक, विरासत,
गृह तथा अन्य भवन भूमि ""वर्तमान मूल्य पर भारित है और उसका भेंट या अन्य किसी प्रकार से सम्मति से अभ
 | सम्भाद का जाम तथा ब्यार
व्यत्याद स्वयं के जाम पर्देश, बंधक, विरासत,
गृह तथा अन्य भवन भूमि "वितान मूल्य पर थारित है और उसका मेंट या अन्य किसी प्रकार से सम्मति से अभ | सम्पत्तिका नाम तथा क्योरि
इस्तिक का नाम तथा क्योर्ट किसके नाम """खरीद, पर्द्य, बंधक, विरासत,
गृह तथा अन्य भवन भूमि ""वर्तमान मूल्य पर थारित है और उसका मेंट या अन्य किसी प्रकार से सम्मति से अभ | सम्पत्तिका नाम तथा क्योरे विद्या के नाम पर हो तो उसे किस प्रकार आजेत किया गया विद्या के प्रकार मिला है जोर उसके नाम कर्णां पर्द्य, बंधक, विरासत, जाह तथा अन्य भवन भूमि के विद्यान मूल्य पर धारित है और उसका मेंट या अन्य किसी प्रकार से सम्मति से अभ | सम्मिति का नाम तथा क्यौरे
बतलाइये कि मह किसके नाम *** खरीद, पट्टा, वंथक, विरासत
गृह तथा अन्य भवन भूमि ** वर्तमान मूल्य पर भारित है और उसका भेट या अन्य किसी प्रकार से सम्मित्त अ | सम्मिति का नाम तथा क्योरि
बतलाइये कि यह किसके नाम *** खरीद, पट्टा, बंधक, विरासत
गृह तथा अन्य भवन भूमि ** वर्तमान मूल्य पर भारित है और उसका भेट या अन्य किसी प्रकार से सम्मित्त अ
 | सम्मिति का नाम तथा क्योरि
बतलाइये कि यह किसके नाम *** खरीद, पट्टा, बंधक, विरासत
गृह तथा अन्य भवन भूमि ** वर्तमान मूल्य पर भारित है और उसका भेट या अन्य किसी प्रकार से सम्मित्त अ | सम्मिति का नाम तथा क्यौरे
बतलाइये कि मह किसके नाम *** खरीद, पट्टा, वंथक, विरासत
गृह तथा अन्य भवन भूमि ** वर्तमान मूल्य पर भारित है और उसका भेट या अन्य किसी प्रकार से सम्मित्त अ | सम्मिति का नाम तथा क्यौरे
बतलाइये कि मह किसके नाम *** खरीद, पट्टा, वंथक, विरासत
गृह तथा अन्य भवन भूमि ** वर्तमान मूल्य पर भारित है और उसका भेट या अन्य किसी प्रकार से सम्मित्त अ | सम्मिष्ठ का जाम तथा क्योरि
बतलाइये कि यह किसके जाम ***खरीद, पट्टा, वंधक, विरासत
गृह तथा अन्य भवन भूमि **वर्तमान मूल्य पर भारित है और उसका भेट या अन्य किसी प्रकार से सम्मिष् | सम्मिष्ठ का जाम तथा क्योरि
बतलाइये कि यह किसके जाम ***खरीद, पट्टा, वंधक, विरासत
गृह तथा अन्य भवन भूमि **वर्तमान
मूल्य पर भारित है और उसका भेट या अन्य किसी प्रकार से सम्मिष् | सम्मिति का नाम तथा क्यौरे
बतलाइये कि मह किसके नाम *** खरीद, पट्टा, वंथक, विरासत
गृह तथा अन्य भवन भूमि ** वर्तमान मूल्य पर भारित है और उसका भेट या अन्य किसी प्रकार से सम्मित्त अ | सम्मिष्ठ का जाम तथा क्योरि
बतलाइये कि यह किसके जाम ***खरीद, पट्टा, वंधक, विरासत
गृह तथा अन्य भवन भूमि **वर्तमान मूल्य पर भारित है और उसका भेट या अन्य किसी प्रकार से सम्मिष् | सम्मिति का नाम तथा क्यौरे
बतलाइये कि मह किसके नाम *** खरीद, पट्टा, वंथक, विरासत
गृह तथा अन्य भवन भूमि ** वर्तमान मूल्य पर भारित है और उसका भेट या अन्य किसी प्रकार से सम्मित्त अ | सम्मिति का नाम तथा क्यौरे
बतलाइये कि मह किसके नाम *** खरीद, पट्टा, वंथक, विरासत
गृह तथा अन्य भवन भूमि ** वर्तमान मूल्य पर भारित है और उसका भेट या अन्य किसी प्रकार से सम्मित्त अ
 | सम्मिति का नाम तथा क्यौरे
बतलाइये कि मह किसके नाम *** खरीद, पट्टा, वंथक, विरासत
गृह तथा अन्य भवन भूमि ** वर्तमान मूल्य पर भारित है और उसका भेट या अन्य किसी प्रकार से सम्मित्त अ | सम्मिष्ठ का जाम तथा क्योरि
बतलाइये कि यह किसके जाम ***खरीद, पट्टा, वंधक, विरासत
गृह तथा अन्य भवन भूमि **वर्तमान मूल्य पर भारित है और उसका भेट या अन्य किसी प्रकार से सम्मिष् |
| ्राप्तानाय क्रमाचारा सं जापां कर्ना को गांतु को गांतु को गांचु को गांतु के | स्या संबंध है जाज जा जिल्ला के जाज क्या की गांव को गांव की गा | स्या संबंध है जाज जा जिल्ला के जाज क्या कि महिल्ला का कि क्या के जाज क्या कि का जा कि जाज का जाज क्या कि जाज कि जाज क्या कि जाज क्या कि जाज क्या कि जाज क्या कि जाज कि जा | स्था संबंध है जिसके गांत करी की गांत करी की गांत करी की गांत | प्यान्तिकोष है जात जात के जात क्ष्मिया है जात के जात कि जात के जात कि जात के ज | (2) (3) (4) (5) (6) (7) | ्ट्र) (3) (4) (5) (6) व्यक्ति क्षेप्रसार स्थाप्त कार्यक्रिक आण्ये व्यक्ति क्षेप्रसार कार्यक्रिक आण्ये व्यक्ति कार्यक्रिक आण्ये कार्यक्रिक आण्ये कार्यक्रिक आण्ये कार्यक्रिक आण्ये कार्यक्रिक आण्ये कार्यक्रिक आण्ये कार्यक्रिक कार्यक्रिक आण्ये कार्यक्रिक आण्ये कार्यक्रिक आण्ये कार्यक्रिक कार्यक्रिक आण्ये कार्यक्रिक कार्यक्रिक आण्ये कार्यक्रिक आण्ये कार्यक्रिक आण्ये कार्यक्रिक कार्यक्रिक आण्ये कार्यक्रिक कार्यक्रिक आण्ये कार्यक्रिक आण्ये कार्यक्रिक आण्ये कार्यक्रिक कार्यक कार | ्राप्तान्य क्रमचार स् तथा क्रमचार स् अगोर्व कीर जिस्से जापिक आप क्षांत्र (३) (४) (४) (८) (८) (८) | ्राप्तकाय मार्चकां है जाप क्या नहीं को गई हो उसका ना क्या क्या क्या ना क्या क्या क्या क्या क्या क्या क्या क्य | ्राप्तकाप के प्राप्तकाप के वार्ष के आप करान की वार्ष के अप करान जाय करान की वार्ष के वार्ष के अप करान जाय के वार्ष के वार के वार्ष | (2) (3) (4) (5) (5) (7)
 | (6) (9) (4) (5) (7) | शासकाय कमचारा सं तथा अवंत की गांच और जिससे वार्षिक आय
स्या संबंध है अजिसका नाम
तथा व्यारा
(3) (4) (5) (7) | शासकाय कमचारा सं तथा अंतर की गाई को बससे वार्षिक आय
स्या संबंध है अजिसका नाम
तथा व्योत | सासकाय कमचारा सं तथा कार्याच और जिससे बार्षिक आय
स्या संबंध है अजिसका नाम
तथा स्याँगा
(3) (4) (5) (7) | शासकाय कमचारा सं तथा कार्या को गाई को वसासे कार्यिक आय
स्या संबंध है अभिया गाम
तथा व्यापा कार्यापा (२) (६) (८)
 | शासकाय कमचारा सं तथा अज्ञत की गाई हो उसका नाम
स्मा संबंध है अजिसका नाम
तथा व्याह्म आप व्याह्म आप है (६) | सारकाय कमचारा सं तथा अवंत की गांख और जिससे वार्षिक आय
स्या संबंध है अर्जित की गई हो उसका नाम
तथा व्यारा
(2) (4) (5) (6) | शासकाय कमचारा सं तथा अत्रांख और जिससे बार्षिक आख
स्या संबंध है अजिसका नाम
तथा व्यारा
(2) (4) (5) (7) | शासकाय कमचारा सं तथा अजंत की गाई हो उसका नाम
स्मा संबंध है अजिंत की गाई हो उसका नाम
तथा व्योध | सासकाय कमचारा सं तथा अजंग की तारांख और जिस्से बार्षिक आय
स्या संबंध है अजिंत की गई हो उसका नाम
तथा स्वांत की गई हो उसका नाम
(3) (4) (5) | शासकाय कमचारा सं तथा अवंत की गांख और जिससे वार्षिक आय
स्या संबंध है अर्जित की गई हो उसका नाम
तथा व्यारा
(2) (4) (5) (7)
 | शासकाय कमचारा सं तथा अवंत की गांख और जिससे - बार्षिक आय
स्या संबंध है - अजिंत की गई हो उसका नाम
तथा व्योत
(2) (3) (4) (5) | शासकाय कमचारा सं तथा अत्रत्व की गाई छो उसका नाम
स्या संबंध है अजिस की गाई छो उसका नाम
तथा स्वीरा (२) (4) (5) (7) | शासकाय कमचारां सं तथा अजन की गार्ध और जिससे वार्षिक आय
स्या संबंध है अजिसका नाम
तथा व्याँगा (३) (५) (८) | शासकाय कमचारा सं
स्या संबंध है अधित की गई हो उसका नाम
तथा स्वां स् | शासकाय कमचारा स्तापा अंतरा की गाराज और जिससे
स्या संबंध है अर्जित की गई हो उसका नाम
तथा व्यार
 | शासकाय कमचारा स
स्या संबंध है
अर्जित की गई हो उसका नाम
तथा व्योग | शासकाय कमचारा स
स्या संबंध है
अजिंत की गई हो उसका नाम
तथा व्याँत | शासकाय कमचारा स
स्या संबंध है
अजिंत की गई हो उसका नाम
तथा स्वाध | शासकाय कमचारा स
स्या संबंध है
संजीत की गई हो उसका नाम
तथा स्वाध | शासकाय कमचारा स
स्या संबंध है
स्या संबंध है
 | शासकाय कमचारा स् तथा अवंत की गरांख और जिससे
स्या संबंध है अर्जित की गर्ड हो उसका नाम | शासकाय कमचारा स
यमा संबंध है
सर्था संबंध है | शासकाय कमचारा स
स्या संबंध है
स्या संबंध है | शासकाय कमचारा स तथा अवन की गार्थ और जिससे प्रमा संबंध है अर्जित की गार्ड हो उसका नाम |
शासकाय कमचारा से तथा अजन की गराब और जिससे प्या संबंध है अजित की गर्ह हो उसका नाम | शासकाय केमचारा स् ाया अजन की वाराख और जिससे प् | शासकाय केमचार्या स | शासकार्य केमचार्य स | गार करा करा करा करा करा करा करा करा करा क | सम्भाग का नाम तथा क्यार
बतलाइये कि यह किसके नाम """खरीद, पट्टा, बंधक, विरासत,
गृह तथा अन्य भवन भूमि ""वर्तमान मूल्य पर भारित है और उसका भेंट या अन्य किसी प्रकार से सम्मत्ति से अभ
 | सम्भाव का नाम तथा ब्यार
बतलाइये कि यह किसके नाम ***खरीय, पट्टा, बंभक, विरासत,
गृह तथा अन्य भवन भूमि **वर्तमान मूल्य पर भारित है और उसका भेट या अन्य किसी प्रकार से सम्मास से अन | सम्पत्तिका नाम तथा क्योरे विकास मान परिस्था के नाम भर हो तो उसे किस प्रकार आजेति किया गया करिया है किस के नाम """वर्ताता मुक्त करिया है जीर उसका भेट या अन्य किसी प्रकार से सम्पत्ति अप | सम्मक्तिका नाम तथा क्योरे
बतलाइये कि यह किसके नाम """खरीद, पट्टा, बंधक, पिरासत
गृह तथा अन्य भवन भूमि ""वर्तमान मूल्य पर धारित है और उसका भेट या अन्य किसी प्रकार से सम्मसिसे अ | सम्मिष्ट का नाम तथा क्योरि
बतत्ताइये कि यह किसके नाम """खरीए, पट्टा, बंधक, विरासत,
गृह तथा अन्य भवन भूमि "अर्थनान मूल्य पर धारित है और उसका भेट या अन्य किसी प्रकार से सम्मिस अ | सम्मिक जान तथा ज्यौरे
बतत्ताइये कि यह किसके नाम """खरीय, पट्टा, बंधक, विरासत,
गृह तथा अन्य भवन भूमि "वर्षमानमूच्य पर भारित है और उसका भेट या अन्य किसी प्रकार से सम्मिस अ
 | सम्मिक जान तथा ज्यौरे
बतत्ताइये कि यह किसके नाम """खरीय, पट्टा, बंधक, विरासत,
गृह तथा अन्य भवन भूमि "वर्षमानमूच्य पर भारित है और उसका भेट या अन्य किसी प्रकार से सम्मिस अ | सम्मिष्ट का नाम तथा क्योरि
बतत्ताइये कि यह किसके नाम """खरीए, पट्टा, बंधक, विरासत,
गृह तथा अन्य भवन भूमि "अर्थनान मूल्य पर धारित है और उसका भेट या अन्य किसी प्रकार से सम्मिस अ | सम्मिष्ट का नाम तथा क्योरि
बतत्ताइये कि यह किसके नाम """खरीए, पट्टा, बंधक, विरासत,
गृह तथा अन्य भवन भूमि "अर्थनान मूल्य पर धारित है और उसका भेट या अन्य किसी प्रकार से सम्मिस अ | सम्मिष्ट का नाम तथा क्योरि
बतत्ताइथे कि यह किसके नाम """खरीय, पट्टा, वंधक, विरासत,
गृह तथा अन्य भवन भूमि ""वर्तमान मूल्य पर धारित है और उसका भेट या अन्य किसी प्रकार से सम्मिसि अभ | सम्मिष्ट का नाम तथा क्योरि
बतत्ताइथे कि यह किसके नाम """खरीय,
पट्टा, वंधक, विरासत,
गृह तथा अन्य भवन भूमि ""वर्तमान मूल्य पर धारित है और उसका भेट या अन्य किसी प्रकार से सम्मिसि अभ | सम्मिष्ट का नाम तथा क्योरि
बतत्ताइये कि यह किसके नाम """खरीए, पट्टा, बंधक, विरासत,
गृह तथा अन्य भवन भूमि "अर्थनान मूल्य पर धारित है और उसका भेट या अन्य किसी प्रकार से सम्मिस अ | सम्मिष्ट का नाम तथा क्योरि
बतत्ताइथे कि यह किसके नाम """खरीय, पट्टा, वंधक, विरासत,
गृह तथा अन्य भवन भूमि ""वर्तमान मूल्य पर धारित है और उसका भेट या अन्य किसी प्रकार से सम्मिसि अभ | सम्मिष्ट का नाम तथा क्योरि
बतत्ताइये कि यह किसके नाम """खरीए, पट्टा, बंधक, विरासत,
गृह तथा अन्य भवन भूमि "अर्थनान मूल्य पर धारित है और उसका भेट या अन्य किसी प्रकार से सम्मिस अ | सम्मिष्ट का नाम तथा क्योरि
बतत्ताइये कि यह किसके नाम """खरीए, पट्टा, बंधक, विरासत,
गृह तथा अन्य भवन भूमि "अर्थनान मूल्य पर धारित है और उसका भेट या अन्य किसी प्रकार से सम्मिस अ
 | सम्मिष्ट का नाम तथा क्योरि
बतत्ताइये कि यह किसके नाम """खरीए, पट्टा, बंधक, विरासत,
गृह तथा अन्य भवन भूमि "अर्थनान मूल्य पर धारित है और उसका भेट या अन्य किसी प्रकार से सम्मिस अ | सम्मिष्ट का नाम तथा क्योरि
बतत्ताइथे कि यह किसके नाम """खरीय, पट्टा, वंधक, विरासत,
गृह तथा अन्य भवन भूमि ""वर्तमान मूल्य पर धारित है और उसका भेट या अन्य किसी प्रकार से सम्मिसि अभ |
| बाएकनीय कर्मांचारी से जायों के जायंका मान स्था संबंध है अधित की गई को जायंका मान स्था संबंध है अधित की गई को जायंका मान स्था संबंध है जायंका मान स्था संबध संबध स्था स्था स्था स्था स्था स्था स्था स्था | स्पासकीय के जाप अंतर की गाँव | सारकोर इन्पंचा है जाए और को गारकोर का मिल्ल जाए का मिल्ल मिल्ल में सारा मुख्य कालाया जाए। | सारकोर क्रमंचा है जाप अंतर को तारक जो कि जाप कारकार का ना कारक जाप का ना कारक जाप का ना कारक जाप का | स्पासकीय के जाप कर्ना की त्रांक और विस्ति के आप है जाप कर्ना की त्रांक और विस्ति का मार्थ की जाप कर्मा का क्षा
स्पासकीय (८) (१) (१) (१) (१) (१) (१) (१) (१) (१) (१ | गासकीय के जाप कर्ना की तार्थक और कियर जाप कर्मा की उसका गान
स्था सर्वाष है अभित की गाई है उसका गान
उस स्वार्थ है (6) (7) | सारकार कर्मकारी है। जापिक आप
स्यारमंग्रेश कर्मका मान
तथा क्या व्यारा
(5) (4) (5) (7)
 | स्था स्वांध है जाप अंतर के ने जा पिक आप
स्था स्वांध है अधित को गई को व्यंका गांग
तथा स्था (६) (१) (१) | ्ट) (3) (4) (5) (6) (7) | गामकीय कुर्मचारी से जापा अर्जन की तार्री के ब्रांका माने अपा स्वीत की गाँह को ब्रांका माने अपा स्वीत की गाँह को ब्रांका माने स्वारंका माने स्वरंका माने स्वारंका माने स्व | ्ट्र) (3) (4) (5) (5) (7) | ्राप्त की प्रति की परिव और जिस्से वार्षिक आप्
स्पा संबंध है व्यक्ति की पर्ध में
राज स्पा संवध है (6) (7)
 | सासकीय कर्मचारी से जाया अर्जन की गाउं जास सिक्क आय
स्या सिक्ष है अर्जित की गाई हो उसका नाम
तथा स्वीत
(8) (8) (7) | शासकीय कर्मचारी से तथा अर्थन की गाउँ ख और जिसकी जाधिक आय
स्था संबंध है अधित की गाई हो उसका नाम
तथा स्थात
(3) (4) (5) | शासकीय कर्मचारी से तथा अर्थन की गाउँ जससे वार्षिक आय
स्या संबंध है अर्थित की गाई हो उसका नान
तथा व्यारा
(3) (4) (5) | शासकीय कर्मचारी से तथा अर्जन की गाउँ ख और जिसके आय
यया संबंध है अर्जित की गाई हो उसका नाम
तथा व्यात | शासकीय कर्मचारी से तथा अर्थन की गाउँ जससे कार्षिक आय
स्या समिष है अर्थित की गाई हो बसका नाम
तथा स्वायात
(2) (4) (5) (7)
 | शासकीय कर्मचारी से तथा अर्जन की गांत्रीख और जिससे कार्यिक आय
स्या संबंध है अर्जित की गाई हो उसका नाम
तथा व्योग व्योग (३) (५) | शासकीय कर्मचारी से तथा अर्जन की गार्धक और जिसके आय
यया संबंध है अर्जित की गार्ड हो उसका नाम
हमा स्वीत
(2) (4) (5) (6) | शासकीय कर्मचारी से तथा अर्थन की गार्ड को बसके जाय
स्या संबंध है अर्जित की गाई को बसका नाम
तथा स्वांत | शासकीय कर्मचारी से तथा अर्जन की गाउँ जससे कार्षिक आय
स्या संबंध है अर्जित की गाई को उसका नाम
तथा व्योग
(३) (4) (5) | शासकीय कर्मचारी से जाया अर्जन की गांडीख और जिससे कार्यिक आय
स्या संबंध है अर्जित की गई हो उसका नाम
तभा स्यौरा
(3) (4) (5) (5)
 | शासकीय कर्मचारी से जया अर्जन की तारीख और जिससे बार्षिक आय
स्या संबंध है अभिंत की गई हो उसका नाम
तथा व्याँत | शासकीय कर्मचारी से तथा अर्जन की तारीख और जिसके आय
यया संबंध है अजिंत की गई हो उसका नाम
तथा त्यांत (2) (4) (5) (6) | शासकीय कर्मचारी से तथा अर्थन की गार्राख और जिससे वार्षिक आय
स्या संबंध है अजिंत की गई हो उसका नाम
तथा स्वांत | शासकीय कर्मचारी से जया अर्जन की गाउँ जससे कार्यिक आय
स्या संबंध है अर्जित की गई हो उसका नाम
तभा व्यीत | शासकीय कर्मचारी से जमा अर्जन की तारीख और जिससे बार्षिक आय
स्या संबंध है अजिंत की गई हो उसका नाम
तथा व्यारा
 | शासकीय कर्मचारी से जया अर्थन की गर्दा जाधिक आय
यया संबंध है अर्थित की गर्दा हो उसका नाम
तथा व्यात | शासकीय कर्मचारी से तथा अर्थन की गाउँ ख और जिससे वार्षिक आय
पया संबंध है अर्थित की गई हो उसका नाम
तथा खाँत | शासकीय कर्मचारी से तथा अर्थन की गाउँ खना से वार्षिक आय
स्या संबंध है अर्थित की गई हो उसका नान
तथा स्यांत | शासकीय कर्मचारी से जया अर्थत की गई हो उसके नाम
स्या संबंध है अर्थित की गई हो उसका नाम
तथा स्वा | शासकीय कर्मचारी से जया अर्जन की तारीख और जिससे बार्षिक आय
स्या संबंध है अर्जित की गई हो उसका जाम
तथा व्या
 | शासकीय कर्मचारी से जाया अर्जन की तारीख और जिससे जार्मक आय
क्या संबंध है अर्जित की गई हो उसका नाम | शासकीय कर्मचारी से जना अर्जन की गारीख और जिसके
यया संबंध है अर्जित की गई हो उसका नाम | शासकीय कर्मचारी से जाय आरोख और जिससे कार्षिक आय
स्या संबंध है अजिंत की गई हो उसका नान | शासकीय कर्मचारी से जया अर्जन की तारीख और जिससे बार्षिक आय
प्या संबंध है अजिंत की गई हो उसका जान | शासकीय कर्मचारी से तथा व्यन्तिक और जिससे बार्षिक आय
यया संबंध है अर्जित की गई हो उसका नाम
 | शासकीय कर्मचारी से तथा अर्जन की ताराख और जिससे जाविक आय
स्या संबंध है अजित की गई हो उसका नाम | शासकीय कर्मचारी से तथा क्षत्रीन की गरीख और जिससे वार्षिक आय | शासकीय कर्मचारी से | ्या पर नाम प्रमास नाम निष्या प्रमास निष्या पर नाम निष्या प्रमास निष्या | सम्भाग का नाम तथा ब्यार
बतलाइये कि यह किसके नाम "*"खरीय, पट्टा, बंधक, विरासत
गृह तथा अन्य अवन भूमि ""वर्तमान मृत्य पर भारित है और उसका भेट या अन्य किसी प्रकार से सम्मानि से | सम्पाद का जाम तथा ब्यार
बतलाइथे कि सह किसके जाम
गृह तथा अन्य अवन भूमि ""मर्तमार मृत्य पर भारित है और उसका भेट या अन्य किसी प्रकार से सम्मान स | सम्पत्तिका नाम तथा क्योरे विद्या कि नाम पर न हो तो उसे किस प्रकार आजेत किया गया विद्या है। जिस्स किया किया किया किया किया किया किया किया
 | सम्पत्तिका नाम तथा क्योरे व्यदे स्वयं के नाम पर न हो तो उसे किस प्रकार आजेत किया गया व्यदेश स्वयं प्रवासत, व्यद्धा क्रिक प्रवासत, व्यद्धा क्रिक प्रवासत, व्यद्धा क्रिक प्रवासत, व्यद्धा क्रिक प्रवास क्रिक | सम्मिक का जाम तथा क्योंरे
बतलाइये कि बढ़ किसके नाम """खरीद, प्रद्या, बंधक, बिरासत,
गृह तथा अन्य थवन भूमि ""वर्तमान मुल्य पर भारित है. और उसका भेंट या अन्य किसी प्रकार से सम्मित्त अन | सम्मक्तिका जाम तथा क्योरि
बतलाइये कि वह किसके नाम
गृह तथा अन्य भवन भूमि ""वर्तमान मुल्य पर भारित है. और उसका भेट या अन्य किसी प्रकार से सम्मनि से अब | सम्मक्तिका जाम तथा क्योरि
बतलाइये कि वह किसके नाम
गृह तथा अन्य भवन भूमि ""वर्तमान मुल्य पर भारित है. और उसका भेट या अन्य किसी प्रकार से सम्मनि से अब | सम्मिक का जाम तथा क्योंरे
बतलाइये कि बढ़ किसके नाम """खरीद, प्रद्या, बंधक, बिरासत,
गृह तथा अन्य थवन भूमि ""वर्तमान मुल्य पर भारित है. और उसका भेंट या अन्य किसी प्रकार से सम्मित्त अन
 | सम्मिक का जाम तथा क्योंरे
बतलाइये कि बढ़ किसके नाम """खरीद, प्रद्या, बंधक, बिरासत,
गृह तथा अन्य थवन भूमि ""वर्तमान मुल्य पर भारित है. और उसका भेंट या अन्य किसी प्रकार से सम्मित्त अन | सम्मक्ति का जान तथा क्योंरे
बतत्ताइये कि बहु किसके नाम """खरीद, प्रद्य, बंधक, विरासत,
गृह तथा अन्य भवन भूमि ""वर्तमान मृत्य पर भारित है. और उसका भेंट या अन्य किसी प्रकार से सम्मनि से अब | सम्मक्ति का जान तथा क्योंरे
बतत्ताइये कि बहु किसके नाम """खरीद, प्रद्य, बंधक, विरासत,
गृह तथा अन्य भवन भूमि ""वर्तमान मृत्य पर भारित है. और उसका भेंट या अन्य किसी प्रकार से सम्मनि से अब | सम्मिक का जाम तथा क्योंरे
बतलाइये कि बढ़ किसके नाम """खरीद, प्रद्या, बंधक, बिरासत,
गृह तथा अन्य थवन भूमि ""वर्तमान मुल्य पर भारित है. और उसका भेंट या अन्य किसी प्रकार से सम्मित्त अन | सम्मक्ति का जान तथा क्योंरे यदि स्वयं के जाम पर न हो तो उसे किसा प्रवाद किसा गया विकास प्रवाद किसा क्या किसा क्या किसा किसा क्या किसा क्या किसा क्या किसा क्या किसा क्या किसा क्या किसा किसा क्या क्या किसा किसा किसा किसा किसा किसा किसा किस
 | सम्मिक का जाम तथा क्योंरे
बतलाइये कि बढ़ किसके नाम """खरीद, प्रट्य, बंधक, बिरासत,
गृह तथा अन्य थवन भूमि ""वर्तमान मुल्य पर धारित है. और उसका भेंट या अन्य किसी प्रकार से सम्मित्त अन | सम्मिक का जाम तथा क्योंरे
बतलाइये कि बढ़ किसके नाम """खरीद, प्रट्य, बंधक, बिरासत,
गृह तथा अन्य थवन भूमि ""वर्तमान मुल्य पर धारित है. और उसका भेंट या अन्य किसी प्रकार से सम्मित्त अन | सम्मिक का जाम तथा क्योंरे
बतलाइये कि बढ़ किसके नाम """खरीद, प्रट्य, बंधक, बिरासत,
गृह तथा अन्य थवन भूमि ""वर्तमान मुल्य पर धारित है. और उसका भेंट या अन्य किसी प्रकार से सम्मित्त अन | सम्मक्ति का जान तथा क्योंरे यदि स्वयं के जाम पर न हो तो उसे किसा प्रवाद किसा गया विकास प्रवाद किसा क्या किसा क्या किसा किसा क्या किसा क्या किसा क्या किसा क्या किसा क्या किसा क्या किसा किसा क्या क्या किसा किसा किसा किसा किसा किसा किसा किस |
| स्यात्मिय कर्मचारी से जमा अलीन को तार्थ और जिस्सी बाधिक आय
स्यात्मिय है (5) (4) (5) (6) (7) | सम्पासंबंध है अपीय और प्रिंग की गई हो बह्म विशेष अपूर्य प्रत्यां भी कि सन्त्रां में की व्यक्ति भी प्रतिक अपूर्
अपीय भी प्राप्त भी प्रतिक अपूर्य स्वाप्तिक सम्पास्य प्रत्यां में साम प्रत्य प्रत्यां जाप | गास्माय कर्मा मंत्रेण की गाँह हो जस्ता नाम जापिक आपूर्य प्रमाय हो। (3) (4) (5) (5) (5) (7) (7) (7) (7) (7) (8) (8) (8) (8) (8) (8) (8) (8) (8) (8 | स्पासकोय कर्मन की गारीज और विद्या स्थाप कर्मन की गारीज आप अपन की गारीज आप अपन की गारीज आप अपन की गारीज का गारीज
स्थाप स्थाप कि गारीज (4) (5) (6) (7)
(6) (6) (7)
(7) (7) (7) (8) (8) (8) (8) (8) (8) (8) (8) (8) (8 | प्यान्सेवं के त्या अवंत की गर्म त्या अवंत की गर्म व्याप्त विक्र आया
प्यान्सेवं के त्या आया
तथा आया
(5) (5) (6) (7)
 | स्पार्यमंत्र की गाँउ को (व) (उ) (उ) (उ) (उ) (उ) (उ) (उ) (उ) (उ) (उ | स्था संबंध है जाप अग्रंग को तांख और जिस्सी बापिक आप
स्था संबंध है जी (4) (5) (6) (7) | सारकीय कर्मचारी से जमा आप अर्थन का ताराख और जिससे बाधिक आय
स्या संयंथ है (5) (5) (7) | सारकीय कर्मचारी से जमा अलेत को तांख और जिससे व्यक्ति आप
स्था संबंध है जिसका नान
जमा क्योरा
(5) (5) (7) | ्ट्र) (३) (५) (६) (७) (१) (१) (१) (१)
 | ्ट्र) (3) (4) (5) (5) (6) | (2) (4) (5) (6) (7) | शासमीय कर्मचारी से तथा कर्जन की तारीख और जिससे वार्षिक आय
स्यात्सविध है अजिंत की गाई हो उसका नाम
तथा स्वार्धि (s) (s) (7) | शासकीय कम्पार्थ से तथा अर्जन की तारोख और जिससे वार्षिक आय
स्यान्सविष् है अर्जित की गई हो उसका नाम
तथा स्वीत
(2) (4) (5) (6) | सासमीय कर्मचारी से तथा अर्जन की तारीख और जिससे वार्थ
स्या संबंध है अर्जित की गई हो उसका नाम
तथा स्वीत
(2) (4) (5) (7)
 | शासकीय कृमंचारी से तथा क्रवीन की तारीख और जिससे वार्षिक आय
यया संबंध है अर्जित की गाई हो उसका नाम
तथा व्याहित की व्याहित आय | शासकीय कर्मचारी से तथा अर्जन की तारीख और जिससे वार्षिक आय
स्या संबंध है अधिंत की गई हो उसका जाम
तथा व्यौत
(2) (3) (4) (5) (7) | शासमीय कर्मचारी से तथा कर्जन की तारीख और जिससे वार्षिक आय
स्यात्सविध है अजिंत की गई हो उसका नाम
तथा व्यात | शासकीय कृमंचारी से तथा क्रवीन की तारीख और जिससे वार्षिक आय
यया संबंध है अर्जित की गई हो उसका नाम
तथा व्यार्थांत
(2) (3) (4) (5) (7)
 | शासकीय कर्मचारी से तथा अर्जन की तारीख और जिससे वार्षिक आय
स्या संबंध है अधिंत की गई हो बसका नाम
तथा व्योत
(2) (4) (5) (6) | शासमीय कर्मचारी से तथा अर्जन की तारीख और जिससे वार्षिक आय
स्या:संबंध है अर्जित की गई हो उसका नाम
तथा व्यौत
(३) (4) (5) (7) | शासमीय कर्मचारी से तथा कर्जन की तारीख और जिससे वार्षिक आय
स्यात्सविध है अजिंत की गई हो उसका नाम
तथा व्या | शासकीय कर्मचारी से तथा कर्बन की तारीख और जिससे वार्षिक आय
प्यात्संबंध है अर्जित की गई हो उसका नाम
तथा व्यार्थात
(2) (4) (5) (7) | शासकीय कर्मचारी से तथा क्षर्यन की तारीख और जिससे वार्षिक आय
स्यान्सक्ष्य है अजित की गई हो उसका नाम
तथा व्यार्थ (३) (५) (७) | शासकीय कर्मचारी से तथा अर्जन की तारीख और जिससे वार्षिक आय
स्या संबंध है अर्जित की गई हो उसका नाम
तथा स्वां र
 | शासमीय कर्मचारी से तथा कर्जन की तारीख और जिससे जाय
स्यात्सबंध है अञ्जित की गई हो उसका नाम
तथा स्वाँत | शासकीय कर्मचारी से तथा अर्थन की तारीख और जिससे वार्षिक आय
यया संबंध है अर्जित की गई हो उसका नाम
तथा व्यार | शासकीय कर्मचारी से जया कर्यन की तारीख और जिससे वार्षिक आय
स्या संबंध है अजिंत की गई हो उसका नाम
तथा व्यारा | शासकीय कर्मचारी से जया कार्या | शासकीय कम्मचारी से तथा अर्जन की तारीख और जिससे वार्षिक आय
स्या संबंध है अर्जित की गई हो उसका नाम
तथा स्वार | शासकीय कर्मचारी से तथा अर्जन की तारीख और जिससे वार्षिक आय
पया संबंध है अर्जित की गई हो उसका नाम
तथा व्यार
 | शासमीय कर्मचारी से तथा कर्जन की तारीख और जिससे वार्षिक आय
प्यात्संबंध है अर्जित की गई हो उसका नाम
तथा व्या | शासकीय कर्मचारी से जया कर्जन की तारीख और जिससे कार्यिक आय
स्या संबंध है अजिंत की गई हो उसका नाम | शासकीय कर्मचारी से जया अर्जन की तारीख और जिससे वार्षिक आय
प्या संबंध है अजिंत की गई हो उसका नाम | शासकीय कम्मचारी से तथा अर्जन की वारीख और जिससे वार्षिक आय
स्या संबंध है अर्जित की गई हो उसका नाम | शासमीय कर्मचारी से तथा कर्जन की तारीख और जिससे वार्षिक आय
प्यात्सविध है अर्जित की गई हो उसका नाम
 | शासकीय कर्मचारी से जया कर्यन की तारीख और जिससे कार्यिक आय
प्या संबंध है अजिंत की गई हो उसका नाम | शासकीय कर्मचारी से जया अर्जन की तारीख और जिससे वार्षिक आय | शासकीय केमचारी से तथा अर्थन की तारीख और जिससे बार्षिक आय | शासमीय कुमचारी से तथा अर्थन की तारीख और जिससे | ार स्थान करा जाता है। तो उस किस प्रकार करा करा करा करा करा है। वो उस करा प्रकार आजत करा गया
बतत्वास्थे किसके नाम """वर्षाता प्रकार करा करा करा करा करा करा है। विश्व करा करा करा करा करा करा करा है। | सम्माग का जान तथा
क्यांत्र
बतत्ताक्ष्ये कि सके नाम """खरीद, प्रट्य, बंधक, विरासत,
गह तथा अन्य अवन भीम "कर्तमान मन्य पर भारित है और उसका | सम्भाद का नाम तथा क्यार
बतलाइये कि वह किसके नाम
गह तथा अन्य भवन भीम "कर्तमान मल्य पर धारीन है और नगका के नानकान स्थान स्थान से | सम्पत्तिका नाम तथा क्योरि
बतलाइये कि यह किसके नाम ***खरीद, पर्युग, बंधक, विरासत,
गह तथा अन्य भवन भीम ***वर्तमत मल्य पर धारीत है और उसका | सम्पष्टिका नाम तथा क्योरे
बतलाइये कि जह किसके नाम ***खरीद, पर्यु, बंधक, विरासत,
गह तथा अन्य भवन भीम ***वर्तमत मल्य पर धारीत है और उसका के नाम सन्तर से | सम्पष्टिका जाम तथा क्यौरे
बतलाइये कि यह किसके नाम *** खरीद, पट्टा, बंधक, विरासत
गह तथा अन्य भवन भीम ** वर्षमान मन्य पर भारित है और उसका के नाम सन्य ने
 | सम्पष्ति का नाम तथा क्यौरे
बतलाइये कि यह किसके नाम *** खरीद, पट्टा, बंधक, विरासत
गह तथा अन्य अवन भीम ** वर्तमान मन्य पर धारिन है और उसका के नाम सन्य ने | सम्पष्ति का नाम तथा क्यौरे
बतलाइये कि यह किसके नाम *** खरीद, पट्टा, बंधक, विरासत
गह तथा अन्य अवन भीम ** वर्तमान मन्य पर धारिन है और उसका के नाम सन्य ने | सम्पष्टिका जाम तथा क्यौरे
बतलाइये कि यह किसके नाम *** खरीद, पट्टा, बंधक, विरासत
गह तथा अन्य भवन भीम ** वर्षमान मन्य पर भारित है और उसका के नाम सन्य ने | सम्पष्टिका जाम तथा क्यौरे
बतलाइये कि यह किसके नाम *** खरीद, पट्टा, बंधक, विरासत
गह तथा अन्य भवन भीम ** वर्षमान मन्य पर भारित है और उसका के नाम सन्य ने | सम्पष्टिका जाम तथा क्योरि
बतलाइये कि यह किसके नाम
गह तथा अन्य भवन भीम "कर्तमान मल्य पर शारित है और उसका के नाम सन्य ने नाम्यन सिन्धी सन्य ने
 | सम्पष्टिका जाम तथा क्योरि
बतलाइये कि यह किसके नाम
गह तथा अन्य भवन भीम "कर्तमान मल्य पर शारित है और उसका के नाम सन्य ने नाम्यन सिन्धी सन्य ने | सम्पष्टिका जाम तथा क्यौरे
बतलाइये कि यह किसके नाम *** खरीद, पट्टा, बंधक, विरासत
गह तथा अन्य भवन भीम ** वर्षमान मन्य पर धारित है और उसका के नाम सन्य ने | सम्पष्टिका जाम तथा क्योरि
बतलाइये कि यह किसके नाम
गह तथा अन्य भवन भीम "कर्तमान मल्य पर शारित है और उसका के नाम सन्य ने नाम्यन सिन्धी सन्य ने | सम्पष्टिका जाम तथा क्यौरे
बतलाइये कि यह किसके नाम *** खरीद, पट्टा, बंधक, विरासत
गह तथा अन्य भवन भीम ** वर्षमान मन्य पर धारित है और उसका के नाम सन्य ने | सम्पष्टिका जाम तथा क्यौरे
बतलाइये कि यह किसके नाम *** खरीद, पट्टा, बंधक, विरासत
गह तथा अन्य भवन भीम ** वर्षमान मन्य पर धारित है और उसका के नाम सन्य ने
 | सम्पष्टिका जाम तथा क्यौरे
बतलाइये कि यह किसके नाम *** खरीद, पट्टा, बंधक, विरासत
गह तथा अन्य भवन भीम ** वर्षमान मन्य पर धारित है और उसका के नाम सन्य ने | सम्पष्टिका जाम तथा क्योरि
बतलाइये कि यह किसके नाम
गह तथा अन्य भवन भीम "कर्तमान मल्य पर शारित है और उसका के नाम सन्य ने नाम्यन सिन्धी सन्य ने |
| (2) (4) (4) (5) (6) तथा अज़न की वार्षक आगु
प्यान्तवंश है जाज़ जान प्यान्तवंश है जाज़ जान जान जा व्याप्त
तथा व्याप्त | ्ट) (3) (4) (5) (5) (6) (7) प्यासमाय के महिला मा जापिक आप जाप की कि महिला मा जाप जाप की की महिला मा जाप जाप जाप जाप जाप जाप जाप जाप जाप जा | स्था स्था से की गाई हो बराका ना कार्यिक आय
स्था संबंध है जिसका ना विश्व की गाई हो बराका ना विश्व की गाई हो बराका ना
तथा क्यों हो अर्थ के से बहु बरीना दिखि के सदर्भ में साभग मूच्य कालाय आए। | सामित के पांच अर्थन की पांच क्यां क्यां क्यां की क्यां की प्राप्त की पांच की | स्पासकीय क्रमां से तथा अर्थन की वर्षक नाम क्रमां के तथा अर्थन की वर्षक नाम क्रमां के तथा की वर्षक नाम क्रमां के तथा की वर्षक नाम क्रमां की वर्षक नाम क्रमां की वर्षक नाम क्रमां की वर्षक नाम का का का के तथा की का | प्राप्तमार्थ के प्रापंतिक और विकास व्यासिक आप अपने को पाई है। अपने भी पाई है। | ्या स्वरंग से वार्ष को वार्ष | प्यान्संबंध है जाग अज़न की गाँउ और जिस्से वार्षिक आग्र
प्यान्संबंध है जाजित की गाँउ हो जंदका गाम
जया प्यांत
 | (2) (4) (5) (6) (7) | (2) (3) (4) (5) (6) (7) | स्था स्वध् है अपंत को गाँव और किस्से जािंक आप अपंत को गाँव और किस्से जािंक आप अपंत को गाँव और किस्से जािंक आप अपंत को गाँव के गाँव को गाँव के गाँव को गाँव को गाँव के | स्वास्तविष् है ज्यानिक आप्ता में ज्या अव्योग की गाँउ को गाँउ के गाँउ को गाँउ के गाँउ | शासकीय कर्मचारी से तथा अजन की तारीख और जिससे वार्षिक आय
स्या संबंध है सजित को गांह हो उसका नाम
(2) (4) (5) (7) | शासकीय कर्मचारी से तथा अजन की तारीख और जिस्से कार्मिक आया
स्या संबंध है अजित की गई हो बसका नाम
तथा व्यारा
| शासकीय कर्मचारी से तथा अर्जन की तारीख और जिससे कार्षिक आय
स्या संबंध है सजित की गई हो उसका नाम
तथा व्यारा
(2) (3) (4) (5) | शासकीय कर्मचारी से तथा अजन की तारीख और जिससे कार्मिक आय
स्था संबंध है अजित की गाई हो उसका नाम
तथा व्यार | शासकीय कर्मचारी से तथा अजन की तारीख और जिस्से वार्षिक आय्
स्या संबंध है अजित की गांति और सम्बंध मान
तथा व्याद्ध (३) (४) (६) | शासकीय कर्मचारी से तथा अर्जन की तारीख और जिससे कार्मिक आय
स्या संगंध है सजित की गई हो उसका नाम
तथा व्यारा
(2) (3) (4) (5) (7) | शासकीय कर्मचारी से तथा अजन की तारीख और जिससे कार्मिक आय
स्था संबंध है अजित की गाई हो उसका नाम
तथा व्यार
 | शासकीय कर्मचारी से जया अजन की तारीख और जिससे वार्षिक आय
स्या संबंध है अजित को गई हो उसका नाम
तथा व्यात | शासकीय कर्मचारी से तथा अजन की तार्राख और जिससे कार्यिक आय
स्या संबंध है अजित को गई हो उसका नाम
तथा व्यारा
(2) (4) (5) (7) | शासकीय कर्मचारी से तथा अर्जन की तारीख और जिससे कार्मिक आय
स्या संबंध है सजित की गई हो उसका नाम
(2) (3) (4) (5) | शासकीय कर्मचारी से तथा अजन की तारीख और जिससे वार्षिक आय
स्था संबंध है अधित की गाई हो बसका नाम
(2) (4) (5) (7) | शासकीय कर्मचारी से तथा अजन की तारीख और जिससे कार्मिक आय
स्या संबंध है अजित की गई हो बसका नाम
तथा व्यात
(2) (3) (4) (5) | शासकीय कर्मचारी से जया अजन की तारीख और जिससे वार्षिक आय
स्या संबंध है अजित को गई हो उसका नाम
तथा ब्याँत
 | शासकीय कर्मचारी से तथा अजन की तारीख और जिससे कार्षिक आय
स्या संबंध है अजित की गई हो उसका नाम
तथा व्यारा | शासकीय कर्मचारी से तथा अजन की तारीख और जिससे कार्मिक आय
स्या संबंध है अजित की गई हो बसका नाम
तथा व्यारा | शासकीय कर्मचारी से जया अजन की तारीख और जिससे कार्यिक आय
पया संबंध है अजिंत की गई हो बसका नाम
तथा व्यार | शासकीय कर्मचारी से जया अजन की तारीख और जिससे वार्षिक आय
प्या संबंध है अजिंत की गई हो उसका नाम
तथा व्यारा | शासकीय कर्मचारी से तथा अन्य क्षेत्र की गाई हो उसका नाम
पया संबंध है अजिंत की गई हो उसका नाम
तथा स्वार
 | शासकीय कर्मचारी से तथा क्षेत्रन की तारीख और जिसक्ते आय
स्या संबंध है अजिंत की गई हो उसका नाम
तथा स्वार | शासकीय कर्मचारी से तथा अर्जन की तारीख और जिससे वार्षिक आय
स्या संबंध है अजित की गई हो उसका नाम | शासकीय कर्मचारी से जया अजन की तारीख और जिससे कार्मिक आय
स्या संबंध है अजित की गई हो उसका नाम | शासकीय कर्मचारी से जया क्वन की तारीख और जिससे वार्षिक आय
यया संबंध है अजित की गई हो उसका नाम | शासकीय कर्मचारी से जिया क्रवन की तारीख और जिसक्ते आय
समा संबंध है अजित की गई हो उसका नाम
 | शासकीय कर्मचारी से तथा अवन की तारीख और जिससे जार्षिक आय
स्या संबंध है अजिंत की गई हो उसका नाम | शासकीय कर्मचारी से तथा अजन की तारीख और जिससे जार्थिक आय | शासकीय कर्मचारी से जया अजन की वारीख और जिससे जार्षिक आय | यासकीय कर्मचारी से जिया अवन की तारीख और बिसासे
जातिक के मार्थिक आय | शासकाय कर्मचारी से तथा अजन की वारीख और जिससे
 | मार क्या सम्बद्धा है । तो उस कि यह कि सके नाम "" खरीद, प्रद्य, बंधक, विरासत, | सम्माग का नाम तथा क्यांत
कारताइये कि यह किसके नाम """खरीद, प्रदूश, बंधक, विरासत, | सम्भाद का जाम तथा ब्यार
जनसम्बद्ध के जाम के जाम के जिल्ला के कि जह किसके नाम के जिल्ला के जिल्ल | सम्पत्तिका नाम तथा क्योरे
स्टब्स्क नाम क्या प्रदेश के प्रदेशिक प्रदेशिक प्रदेशिक नाम क्या विद्या प्रदेश, विभक्त, विदासत, | सम्पत्तिका नाम तथा क्योरे
बतलाइये कि यह किसके नाम ***खरीद, पट्टा, वंभक, दिरासत, | सम्पष्ति का नाम तथा क्योरे
जन्म क्या सम्मार का मा करात्याक्ष्ये कि महे किमके नाम ""खरीद, प्रद्य, बेधक, विरासत,
 | सम्पष्टिका नाम तथा क्योरे
जन्म क्या सम्मार क्या क्या क्या क्या क्या क्या क्या क्या | सम्पष्टिका नाम तथा क्योरे
जन्म क्या सम्मार क्या क्या क्या क्या क्या क्या क्या क्या | सम्पष्ति का नाम तथा क्योरे
जन्म क्या सम्मार का मा करात्याक्ष्ये कि महे किमके नाम ""खरीद, प्रद्य, बेधक, विरासत, | सम्पष्ति का नाम तथा क्योरे
जन्म क्या सम्मार का मा करात्याक्ष्ये कि महे किमके नाम ""खरीद, प्रद्य, बेधक, विरासत, | सम्पष्टि का नाम तथा ब्योरे
जनसम्बर्धित के नाम तथा ब्योर्ट क्योर्ट मुद्दा, बेधक, विरासत,
 | सम्पष्टि का नाम तथा ब्योरे
जनसम्बर्धित के नाम तथा ब्योर्ट क्योर्ट मुद्दा, बेधक, विरासत, | सम्पष्ति का नाम तथा क्योरे
जन्म क्या सम्मार का मा करात्याक्ष्ये कि महे किमके नाम ""खरीद, प्रद्य, बेधक, विरासत, | सम्पष्टि का नाम तथा ब्योरे
जनसम्बर्धित के नाम तथा ब्योर्ट क्योर्ट मुद्दा, बेधक, विरासत, | सम्पष्ति का नाम तथा क्योरे
जन्म क्या सम्मार का मा करात्याक्ष्ये कि महे किमके नाम ""खरीद, प्रद्य, बेधक, विरासत, | सम्पष्ति का नाम तथा क्योरे
जन्म क्या सम्मार का मा करात्याक्ष्ये कि महे किमके नाम ""खरीद, प्रद्य, बेधक, विरासत,
 | सम्पष्ति का नाम तथा क्योरे
जन्म क्या सम्मार का मा करात्याक्ष्ये कि महे किमके नाम ""खरीद, प्रद्य, बेधक, विरासत, | सम्पष्टि का नाम तथा ब्योरे
जनसम्बर्धित के नाम तथा ब्योर्ट क्योर्ट मुद्दा, बेधक, विरासत, |
| (2) (4) (4) (5) (6) (7) | ्रा प्राप्ता के क्या प्राप्त के क्या क्या क्या के क्या क्या क्या के क्या क्या के क्या क्या के क्या क्या क्या क्या के क्या क्या क्या क्या क्या क्या क्या क्या | प्राप्त कर्मा कर्म कर्मा कर्म कर्मा कर्म कर्मा कर्मा कर्मा कर्मा कर्मा कर्मा कर्मा कर्म कर्मा कर्म कर्म कर्म कर्म कर्म कर्म कर्म कर्म | (2) (3) (4) (5) (5) (6) (6) (7) | (6) (7) (3) (4) (4) (5) (5) (6) (6) (6) (7) (7) (8) व्यक्ति मान समाप्त स्वाप्त के मान समाप्त स्वाप्त के मान समाप्त स्वप्त के मान समाप्त समाप् | (2) (3) (4) (5) (6) (7) | (2) (3) (4) (5) (6) (6)
 | (2) (3) (4) (5) (5) (6) विकास माने समाप्रमा माने समाप्रम माने समाप्रमा माने समाप्रम माने सम | (2) (3) (4) (5) (5) (7) | ्ट्र के जा कर | (2) (3) (4) (5) (5) (6) (6) (7) | (2) (3) (4) (5) (5) | ्राप्त पर भारत है जार क्यां में अप अप क्यां के माल स समात स
रामकाय कर्माणों से तेपा क्रवंन की तारीख और जिस्सों
स्या संबंध है अजित को गई हो उसका नाम
(2) (4) (5) (7)
 | ्राप्त पर भारत है और अपना पर माह्म से अपना पर माह्म से अपना से अपन | (2) (3) (4) (5) (5) (6) समास्त स्थाप्त कर्मा अभित के प्राप्त कर्मा अभित के प्राप्त कर्मा अभित के प्राप्त कर्मा समास्त क्षा सिक्त आय | ्राप्त पर भारत है आर असता स्मान स्म | (2) (3) (4) (5) (6) समास्ति कार्य केशा अन्य किसा प्रकार स्व समास्त्र स्व समास्त्र स्व समास्त्र स्व समास्त्र स्
सासकीय केर्मचारी से तथा खात की गई हो उसका नाम
स्या संबंध है अजित की गई हो उसका नाम
(5) (6) (7) | क्षापान पर पा अपन पर पा अपन कसा प्रकार स्व समास्य अपन क्षापा अपन कसा प्रकार स्व समास्य अपन क्षाप्त अपन क्षाप्त अपन क्षाप्त क्षाप्त अपन समास्य क्षाप्त | ्राप्त पर भारत है जार कसी प्रकार से झमात स
रामकीय कर्मचारी से तथा खनेन की तार्ष और जिससे जार्षिक आय
यया संबंध है अजिंत की गई हो उसका नाम
(2) (3) (4) (5) | ्राप्त पर भारत है और अपने क्या अपने | क्ष भाग भाग भाग भाग भाग भाग कर्ना अप समास्त्र के अप | ्राप्त करा प्राप्त में समास्त के अंदिक करा प्रकार स्व समास्त के अंदिक कराय कराय के अंदिक कराय के अंदिक कराय के अंदिक कराय कराय कराय कराय कराय कराय कराय करा
 | ्राप्त पर पाउन करा प्रमास में अप अप करा प्रमास में अप अप करा प्रमास में अप अप अप करा प्रमास में अप अप आसकीय कर्माचारी से तथा अप | ्राप्त पर भारत है आर कसा प्रकार स्व समास्त स्व अप्त अप्त अप्त अप्त अप्त अप्त अप्त अप्त | ्राप्त करा प्रमास स्राप्त करा करा अपना स्राप्त करा | क्षणाच्या प्रमास स्थाप क्षणाच्या स्थाप क्षणाच्या स्थाप क्षणाच्या क् | ्राच्याच्याच्याच्याच्याच्याच्याच्याच्याच्य | . अ. चा
 | क्षण्याच्याच्याच्याच्याच्याच्याच्याच्याच्याच | . अ. जान नवा का क्षेत्रांत स्था समास्तास्य का अप्रतास्य का अप्रतास्य का अप्रतास्य का अप्रतास्य का अप्रतास्य का जा का | . अ. जा पण करा प्रमास स्मास स | क्षण्याच्याच्याच्याच्याच्याच्याच्याच्याच्याच | ्राच्याच्याच्याच्याच्याच्याच्याच्याच्याच्य | . अ.च.च.च.च.च.च.च.च.च.च.च.च.च.च.च.च.च.च.
 | . अ. च. च. च.च. कसा प्रकार स
सासकीय केमंचारी से तथा कर्जन की तारीख और जिससे बार्षिक आय
स्या संबंध है अधित की गई हो वसका नाम | १९ ५७ ५ च जन न प्राप्त स्था समासास अप
शासकीय कर्मचारी से तथा अजन की पारीख और जिससे वार्षिक आय
यया संबंध है अजिस की गई हो उसका नाम | १९ ५५ ५५ अन्य न प्राप्त में सम्मात स्राप्त के प्राप्त को प्राप्त की प्राप्त | ्राच्याच्याच्याच्याच्याच्याच्याच्याच्याच्य | १९८५ जन प्रतास में समास में अप | १९ ४५ च जन न न महासास स्टब्स महासास स्टब्स के सामास स्टब्स के सामास स्टब्स के सामास स्टब्स के अपने की तारीख और जिससे वार्षिक आय
 | भार स्थान कर्ता विस्तित है। तो विस्ति स्थान कर्ता कर्ता कर्ता कर्ता कर्ता कर्ता कर्ता है। तो विस्ति स्थान कर्ता कर्ता कर्ता कर्ता कर्ता है। ते कर्ता कर्ता कर्ता कर्ता कर्ता कर्ता कर्ता कर्ता करें के स्थान कर्ता करें के स्थान करने करें के स्थान करने के स्थान करें के स्थान करें के स्थान करने करने के स्थान करने के स्था करने के स्थान करने के स्थान करने के स्थान करने के स्थान करने करने के स्थान करने के स्था करने के स्थान करने के स्थान करने करने के स्थान करने के स्थान करने करने के स्थान करने करने के स्थान करने करने करने करने के स्थान | याद स्वय के जाम पर जहां जिसे प्रकार आजेत किया जाया
बतलाइये कि वह किसके जाम """ खरीद, प्रद्य, बंधक, विरासत, | सम्पाद्य का नाम क्या ब्यार
बतलाइये कि वह किसके नाम """ खरीद, प्रद्य, वंधक, विरासत, | सम्पत्तिका नाम तथा क्योरि
कतलाइये कि यह किसके नाम *** खरीद, पट्टा, बंधक, विरासत, | सम्मक्तिका नाम तथा क्योरे
बतलाइये कि वह किसके नाम *** खरीद, प्रद्य, बंधक, विरासत, | सम्पष्टि का जाम तथा क्योरे
बतलाइये कि वह किसके जाम *** खरीद, प्रद्य, बंधक, विरासत,
 | सम्पष्टिका नाम तथा क्योरे
कतलाइये कि वह किसके नाम *** खरीद, प्रद्य, बंधक, विरासत, | सम्पष्टिका नाम तथा क्योरे
कतलाइये कि वह किसके नाम *** खरीद, प्रद्य, बंधक, विरासत, | सम्पष्टि का जाम तथा क्योरे
बतलाइये कि वह किसके जाम *** खरीद, प्रद्य, बंधक, विरासत, | सम्पष्टि का जाम तथा क्योरे
बतलाइये कि वह किसके जाम *** खरीद, प्रद्य, बंधक, विरासत, | सम्पष्टिका जाम तथा क्योरे
बतलाइये कि वह किसके नाम "** खरीद, प्रद्य, बंधक, विरासत,
 | सम्पष्टिका जाम तथा क्योरे
बतलाइये कि वह किसके नाम "** खरीद, प्रद्य, बंधक, विरासत, | सम्पष्टि का जाम तथा क्योरे
बतलाइये कि वह किसके जाम *** खरीद, प्रद्य, बंधक, विरासत, | सम्पष्टिका जाम तथा क्योरे
बतलाइये कि वह किसके नाम "** खरीद, प्रद्य, बंधक, विरासत, | सम्पष्टि का जाम तथा क्योरे
बतलाइये कि वह किसके जाम *** खरीद, प्रद्य, बंधक, विरासत,
 | सम्पष्टि का जाम तथा क्योरे
बतलाइये कि वह किसके जाम *** खरीद, प्रद्य, बंधक, विरासत, | सम्पष्टि का जाम तथा क्योरे
बतलाइये कि वह किसके जाम *** खरीद, प्रद्य, बंधक, विरासत, | सम्पष्टिका जाम तथा क्योरे
बतलाइये कि वह किसके नाम "** खरीद, प्रद्य, बंधक, विरासत, |
| ीह तथा अन्य भवन भीम "जतमान मृत्य पर भागित हैं और उसका भेट या जनन की तार्थ और जिस्सी का कि आय
रामनान कुम्में को अप अपने की तार्थ और जिस्सी का कि आय
स्था संबंध है अपन अपने को तार्थ और जिस्सी का कि आय
तथा व्याप की व्याप की तथा तथा तथा की तथा | पढ़ि तथा अन्य भवत भूम "क्तमान मृत्य पर भारित हैं और उसका में दें या जन्य किसी प्रकार में सम्मित्य हैं जा जन्य किसी कि अप अपीत की तार्रिक आप अपीय जा का मार्गिक अपीत कि अपना में स्वापा मृत्य जानाया भूम जानाया का मार्थ का वामान किसी के अपना में सार्गा मृत्य जानाया जा का मार्गिक आप अपीत का वामान किसी के अपना में सार्गा मृत्य जानाया जा वामान किसी के अपना में सार्गा मृत्य जानाया जा वामान किसी के अपना में सार्गा मृत्य जानाया जा वामान किसी के अपना में सार्गा मृत्य जानाया जा वामान किसी के अपना में सार्गा मृत्य जानाया जा वामान किसी के अपना में सार्गा मृत्य जानाया जा वामान किसी के अपना में सार्गा मृत्य जानाया जा वामान किसी के अपना में सार्गा मृत्य जानाया जा वामान किसी के अपना में सार्गा मृत्य जानाया जा वामान किसी के अपना में सार्गा मृत्य जानाया जा वामान किसी के अपना में सार्गा मृत्य जानाया जा वामान किसी के अपना में सार्गा मुद्य जानाया जा वामान किसी के अपना में सार्गा मुद्य जानाया जा वामान किसी के अपना मुद्य जानाया जा वामान किसी कि अपना | पढ़ि तथा अंतर भाष में करतना मृत्य पर भारत हैं और उसकी मृत्य पर भारत हैं और उसकी मृत्य पर भारत हैं जिसकी प्रकार में वार्षिक आग्र सम्मानिक की तार्रिक और जिसकी मान कार्यक की तार्रिक अग्र कार्यक की तार्रिक कार्यक मान कार्यक कार्यक की तार्रिक आग्र कार्यक कार्यक कार्यक की कार्यक की कार्यक कार्यक कार्यक की कार्यक की की कार्यक कार्यक की कार्यक की की कार्यक की | ांह तथा अंग्य भवन भाग चलना मृत्य संभागित हैं और अगर अपने के सम्मानिकी अग
भारकीय क्रमायोत अगर अपने के सार्विक अगर
स्थायोवी के अग्र अपने के स्थायोती
(2) (3) (4) (5) (5) (7)
(6) (7) | ाह जाप अंग्य भवन भीम चनमान महत्त्व पर भागित है और उसका में सम्मानि से अप
स्थान मंत्रण है जाप अंग्य को सिंक आप
स्थान मंत्रण है जाप अंग्येत को सिंक आप
(2) (3) (4) (5) (6) (7) | ्राह तथा अंग्य भवन भीम चलमा मृत्य सर भारित है और अस्त अस्त किसी प्रकार से सम्मित्त के अस्त अस्त मित्र के अस्त अस्त अस्त अस्त अस्त अस्त अस्त अस्त | ्राष्ट्र तथा अन्य भवन भाग करमान मुल्य पर भागित हैं और उसका मेंद्र या जनन किसी प्रकार से सम्मति में अग
रामकान कर्मकारी से तथा अजन की गांख और क्रिसमें
स्था संबंध हैं जांख और क्रिसमें का क्रिक आय
तथा संवंध हैं जांख और क्रिसमें
तथा अजन की गांख की प्रकार की प्रकार की गांख की प्रकार की गांख की प्रकार की गांख की प्रकार की प्रक्त की प्रकार की प्रा | ीह तथा अन्य भवन भीम जिल्लाम मृत्य पर भागित हैं और उसका मेंद्र या जनन की तार्थ और जिल्ला में सम्मित्र अन्य अपन की तार्थ और जिल्ला में सम्मित्र अपन की तार्थ और जिल्ला में सम्मित्र अपन की तार्थ और जिल्ला में सम्मित्र अपन स्थाप संबंध है अपन स्थाप की तार्थ और जिल्ला मान की तार्थ की तार्थ और जिल्ला मान की तार्थ की तार्थ और जिल्ला मान की तार्थ की
ता | ाह तथा अन्य भवन भाग "जतमान मुल्य पर भागित हैं और उसका भेट या जनन की जांच और विमाने अन्
समितिय के मंत्र अन्त की गाँड को ब्यांच अप
स्वान्तवंध हैं अपन जोंच को गाँड को अपन जांच
(2) (4) (5) (6) (7) | गृह तथा अन्य भवन भीम "बताना मृत्य पर भारत हैं और उसका में इस्माति हैं। अब अन्य किस की वार्तक जाय का किस आप अन्य की वार्तक जाय का किस आप अन्य की वार्तक जाय का किस आप अन्य का किस आप अन्य में किस की वार्तक जाय का किस आप अन्य का किस अ | गृह तथा अन्य भवन भीम "बताना मृत्य पर थाहित हैं। अन्य अन्य हिन्सी प्रकार से मुम्पति हो मां प्रकार की व्यक्ति अन्य अन्य किता है। अन्य अन्य की व्यक्ति अन्य अन्य की व्यक्ति अन्य अन्य की व्यक्ति की व्यक्ति अन्य अन्य की व्यक्ति अन्य अन्य की व्यक्ति अन्य अन्य स्थार की व्यक्ति अन्य अन्य स्थार से मान्य की व्यक्ति की व्यक्ति की व्यक्ति की व्यक्ति अन्य अन्य स्थार से मान्य की व्यक्ति की व्यक्त | ाह तथा अन्य भवत भूमि विकास महत्व पर थारित हैं और उसका में सम्प्रीक से महत्तिक आप अपने भवति को ग्रांचिक आप आप अपने से महत्तिक आप अपने से स्वास्तिक आप अपने से से महिक आप अपने से | ्राह तथा अन्य भवत भूमि सम्प्य पर भारत है और उसका भेट या अन्य किसी प्रकार से सम्मित अ
शासकीय कर्मचारी से तथा अज्ञन की तारीख और जिससे बाविक आय
स्या संबंध है अज्ञित की गई हो उसका नाम
(2) (3) (4) (5) | ्राह तथा अन्य भवत भूमि सम्प्य पर भारत है और उसका मेंट या अन्य किसी प्रकार से सम्पत्ति से आप अन्य किसी प्रकार से सम्पत्ति से आप अन्य की वार्षिक आप सार्थिक की वार्षिक आप स्वाप्ति की गई हो उसका नाम स्वाप्ति की गई हो उसका नाम (2) (4) (5) (6) | ्राह तथा अन्य भवत भूमि सम्प्य पर भारत है और उसका भेट या अन्य किसी प्रकार से सम्पत्ति से आपित अन्य किसी प्रकार से सम्पत्ति से आपित और विस्ति कार्यिक आप्य प्राप्त संबंध है अजित की गई हो उसका नाम तथा संबंध है अजित की गई हो उसका नाम तथा संबंध है अजित की गई हो उसका नाम
तथा (2) (3) (4) (5) | ्राह तथा अन्य पवन भूमि सम्प्रा पर भारत है और उसका मेंट या अन्य किसी प्रकार से सम्पत्ति से आ
शासकीय कर्मचारी से तथा अजन की तारीख और जिससे बार्मिक आय
स्या संबंध है अजित की गई हो उसका नाम
तथा व्याप | ्राह तथा अन्य भवत भूमि कामान मृत्य पर भारत है और उसका मेंट या अन्य किसी प्रकार से सम्मति से अन्य भवत की वार्षिक आप्र
शासकीय कर्मचारी से तथा अजन की वार्षिक आप्र
स्या संबंध है अधित की गाई हो उसका नाम
(2) (4) (5) (7) | ्राह तथा अन्य भवत भूमि सम्प्य पर थारित है और उसका भेट या अन्य किसी प्रकार से सम्मित्त अन्
शासकीय कर्मचारी से तथा अजन की तारीख और जिससे बाविक आय
यया संबंध है अजित की गई हो उसका नाम
(2) (4) (5) | ्राह तथा अन्य भवत भूमि सम्पर्धा पर भारत है. और उसका मेंट या अन्य किसी प्रकार से सम्मति से अन्य सिक आय सामिक आय समित की तारी को तारी को तारी को नाम समित आय समित को गई हो उसका नाम तथा सिक हो किस को गई हो उसका नाम तथा (5) (6) (7) | ्राह तथा अन्य भवत
भूमि क्यांत है और उसका मेंट या अन्य किसी प्रकार से सम्मित्त आ
शासकीय कर्मचारी से तथा अर्जन की तार्विक और जिससे बार्थिक आव
प्या संबंध है अधित की गई हो बसका नाम
(2) (4) (5) | ्राह तथा अन्य भवत भूमि क्याना मृत्य पर भारत है और उसका भेट या अन्य किसी प्रकार से सम्मित्त अन्
शासकीय कर्मचारी से तथा अज्ञन की तारीख और जिससे बार्षिक आय
प्या संबंध है अजित की गई हो बसका नाम
(2) (3) (4) (5) | ्राह तथा अन्य भवत भूमि क्यान मृत्य पर भारत है और उसका मेंट या अन्य किसी प्रकार से सम्मति से आ
शासकीय कर्मचारी से तथा अजन की तारीख और जिससे बार्षिक आय
यया संबंध है अजित की गई हो उसका नाम
(2) (3) (4) (5) | ्राह तथा अन्य भवत भूमि क्यान मृत्य पर भारत है. और उसका मेंट या अन्य किसी प्रकार से सम्मति से आ
रासकीय कर्मचारी से तथा अजैन की तारीख और जिससे बार्षिक आय
यया संबंध है अजिंत की गई हो उसका नाम
(2) (4) (5) (5) | ्राह तथा अन्य भवत भूमि कितमान मृत्य पर भारत है. और उसका मेंट या अन्य किसी प्रकार से सम्मति से आ
शासकीय कर्मचारी से तथा अलंग की तारीख और जिससे आर्थिक आय
स्या संबंध है अजित की गाई हो उसका नाम
(2) (3) (4) (5) | ्राह तथा अन्य घवन भूमि क्रांसमान मृत्य पर भारत है और उसका मेंट या अन्य किसी प्रकार से सम्मति से अन्य भारत कर्मा क्रांसकीय कर्माचारी से तथा अजन की वार्षिक और जिस्से वार्षिक आय मार्थिक है अधित की गई हो उसका नाम प्रमा संबंध है अधित की गई हो उसका नाम (2) (2) (3)
 | ्राह तथा अन्य भवत भूमि सम्पर्य पर भारत है और उसका भेट या अन्य किसी प्रकार से सम्मति से
शासकीय कर्मचारी से तथा अजन की तारीख और जिससे बार्षिक आय
प्या संबंध है अजित की गई हो उसका नाम | ्राह तथा अन्य भवत भूमि सम्पर्य पर थारित है. और उसका मेंट या अन्य किसी प्रकार से सम्मति से
शासकीय कर्मचारी से तथा अजन की तारीय और जिससे जार्मिक आय
यया संबंध है अजित की गई हो उसका नाम | ्राह तथा अन्य भवन भूमि क्याना मृत्य पर थाति है. और उसका मेंट या अन्य किसी प्रकार से सम्मति से
शासकीय कर्मचारी से तथा अजन की तारीख और जिससे
समा संबंध है अजित की गई हो उसका नाम | ्राह तथा अन्य घवन भूमि इसमान मृत्य पर भारत है, और उसका मेंट या अन्य किसी प्रकार से झम्पति से
शासकीय कर्मचारी से तथा अजन की तारीख और जिससे बार्षिक आय
पया संबंध है अजित की गई हो उसका नाम | ्राह तथा अन्य घवन भूमि इसमान मृत्य पर थारित है और उसका भेट या अन्य किसी प्रकार से सम्मति से
शासकीय कर्मचारी से तथा अजन की तारीख और जिससे बार्षिक आय
स्या संबंध है अधित की गई हो वसका नाम
 | ्राह तथा अन्य भवत भूमि कामान मृत्य पर भारत है और उसका भेट या अन्य किसी प्रकार से सम्मति से
शासकीय कर्मचारी से तथा अजन की तारीख और जिससे बार्षिक आय
प्या संबंध है अजित की गई हो उसका नाम | गृह तथा अन्य भवत भूमि कामान मृत्य पर भारत है और उसका मेंट या अन्य किसी प्रकार से सम्मति से अन्
शासकीय कर्मचारी से तथा अन्य की तारीख और जिससे बार्षिक आय
प्या संबंध है अजिंत की गई हो उसका नान | ्राह तथा अन्य भवत भूमि सम्पर्य पर भारत है. और उसका मेंट या अन्य किसी प्रकार से सम्मति से अन्य कि जाय है। जा अवित की तारी के और जिससे जारिक आय समित है। सिंस है। अन्य कार्य का | ्राह तथा अन्य घवन भूमि इस्मान मृत्य पर भारत है, और उसका भेट या अन्य किसी प्रकार से हामसि हो आ
शासकीय कर्मचारी से तथा अर्जन की तारीख और जिससे बार्मिक आय
स्या संबंध है अधित की गई हो उसका नाम | ्राह तथा अन्य घवन भूमि इसमान मृत्य पर भारत है और उसका भेट या अन्य किसी प्रकार से सम्मति से आ
शासकीय कर्मचारी से तथा अजन की वारिक और जिससे बार्षिक आय
पया संबंध है अजित की गई हो उसका नाम | ्राह तथा अन्य भवत भूमि "बतमान मृत्य पर भारत है और उसका भेट या अन्य किसी प्रकार से सम्मति से
शासकीय कर्मचारी से तथा अजन की तारीख और जिससे बार्षिक आय
यया संबंध है अजिंत की गई हो उसका नाम
 | ्राह तथा अन्य भवन भूमि सम्पत्ति मृत्य पर भारत है. और उसका मेंट या अन्य किसी प्रकार से सम्पत्ति से अन्य अन्य कि
शासकीय कर्मचारी से तथा अवन की तारीख और जिससे जार्षिक आय
यसा संबंध है अजित की गई हो उसका नाम | ्राह तथा अन्य भवन भूमि कार्यात मृत्य पर भारत है और उसका मेंट या अन्य किसी प्रकार से सम्मति से
शासकीय कर्मचारी से तथा अर्जन की तारीख और जिससे वार्षिक आय
यया संबंध है अजित की गई को उसका नाम | ्राह तथा अन्य घवन भूमि इसमित मृत्य पर थारित है और उसका भेट या अन्य किसी प्रकार से हामसि से आ
शासकीय कर्मचारी से तथा अजन की तारीख और जिससे बार्षिक आय | गृह तथा अन्य भवत भूमि सम्पान मृत्य पर भारत है और उसका भेट या अन्य किसी प्रकार से सम्पति से अन्य सिंह के सम्पति से सम्पति से अन्य किस के सम्पति से जा सिंह आय | ार रहत के जात रहत जा है। जा जा जात है जात रहत के जात रहत है। जा जा जात है जात है जात है। जा जा जात जात जात जात
जात होते कि स्रोह के जात | भागत का नाम गया
क्यांत्र
बतलाइये कि यह किसके नाम | सम्पाद का नाम तथा ब्यार. | सम्पत्तिका नाम तथा क्योरे
कतत्वाहपे कि वह किसके नाम | सम्पष्टिका नाम नेपा क्योरे
कतलाइये कि यह किसके नाम | सम्पष्टिका नाम तथा ब्योरे
 | सम्पति का नाम तथा ब्योरि
बतलाइये कि यह किसके नाम | सम्पति का नाम तथा ब्योरि
बतलाइये कि यह किसके नाम | सम्पष्टिका नाम तथा ब्योरे | सम्पष्टिका नाम तथा ब्योरे | सम्पष्टिका नाम तथा ब्योरि
कतत्वाहर्य कि यह किसके नाम
 | सम्पष्टिका नाम तथा ब्योरि
कतत्वाहर्य कि यह किसके नाम | सम्पष्टिका नाम तथा ब्योरे | सम्पष्टिका नाम तथा ब्योरि
कतत्वाहर्य कि यह किसके नाम | सम्पष्टिका नाम तथा ब्योरे | सम्पष्टिका नाम तथा ब्योरे
 | सम्पष्टिका नाम तथा ब्योरे | सम्पष्टिका नाम तथा ब्योरि
कतत्वाहर्य कि यह किसके नाम |
| गृह तथा अन्य भवत भूमि "कर्तमान मृत्यू पर्ष भारित है और उसका में दे यो अन्य किसी केनार से सम्मान से मार्गक में मार्गक में मार्गक में मार्गक में मार्गक में मार्गक में मार्गक मार् | ाढ़ तथा अन्य भवत भूमि "अविनाम मून्य पर चारित है और उसका में सम्मानि मुन्य बरहाया आप | ाढ़ तथा अन्य भवत भूमि "ज्ञादोना मूच्य पर भारित है और उसका में सम्मानि में अपनि तथा अन्य की गरिव को स्विक्त का वार्षिक आप व्यास्व के विद्या अपनि की गरिव को स्विक्त का वार्षिक आप वार्षिक आप विद्या की गरिव को स्विक्त का वार्षिक आप वार्षिक आप विद्या की गरिव को स्वक्त मान वार्षिक आप वार्य वार्षिक आप वार्षिक आप वार्षिक आप वार्य वार्षिक आप वार्षिक आप वार्य वार्षिक आप वार्य वा | ाह तथा अन्य धवन भूमि "अवंता मूच्य पर धारित है और उसका में दे या उन्हों किसी प्रकार से मामित है। अप अवंत की वार्षक आप वार्षिक आप वार्षक आप वार्यक आप वार्षक आप वार्षक आप वार्यक आप वार्षक आप वार्षक आप वार्यक आप वार्षक आप वार्षक आप वार्षक आप वार्यक | ाह तथा अन्य भवन भूमि "क्वांमा मृत्य पर प्राहित है और उसका मेंद्र मा अन्य किसी प्रकार से हम्मित है अप
स्मान्तियों कुम्पित है मार्थित के मार्थित को मार्थित को मार्थित को मार्थित को मार्थित का व्याव्यक्ति का व्यव्यक्ति का व्यव्यक्ति का व्यव्यक्ति का व्यव्यक्ति का व्यव्यक्ति का व्यव्यक्ति का व्यवक्ति का व्यवक् | गृह तथा अन्य भवन भूमि "क्विमा मृत्य पर धाहित है और उसका मेंट या अन्य हिम्सी प्रकार से हम्मित है अप
स्मान्तियों के मिल्ले को क्विक आय
स्मान्तियों के मिल्ले को मिल्ले आय
स्मान्तियों के मिल्ले को मिल्ले आय
स्मान्तियों के मिल्ले को क्विक आय
समान्तियों के मिल्ले को क्विक आय
तथा व्यक्ति
तथा व्यक्ति
समान्तियां के मिल्ले का क्विक आय
कार्यायां के मिल्ले को समान्तियां के क्विक आये
कार्यायां के कार्यायां के क्विक आये
कार्यायां के कार्यायां के कार्यायां के कार्यायां
कार्यायां के कार्यायां के क | गृह तथा अन्य भवन भूमि "क्विमा मृत्य पर प्राहित है और उसका मेट या अन्य किसी प्रकार से समिति है। प्राह्मिया कुमा अन्य पर प्राह्मिया कुमा समित कुमा किसी प्रकार के व्यक्ति की प्रकार के व्यक्ति की प्रकार के व्यक्ति आप कुमा किसी प्रकार के व्यक्ति की प्रकार के व्यक्ति के | गृह तथा अन्य भवत भूमि "विदेशना मृत्यू पर भारित है और उसका मेंद्र यो अन्य किसी प्रकार में सम्माधि से आपासिक आग्र
समासिक आंत्र को तथा अन्य को तारी को तथा मान
समासिक अंत्र को तथा को तथा को तथा मान
(2) (4) (5) (6) (7) | गृह तथा अन्य भवत भूमि "विदेशना मृत्यू पर्ष भारित है और उसका मेंद या अन्य दिस्ती प्रकार से सम्माधि से आप अन्य में बोर्ग व्योग विद्या वार्थिक आग्र समित में बार्ग के मेंद समित में बार्ग के मेंद समित में बार्ग के मेंद समित मार मेंद समित मे | गृह तथा अन्य भवत भूमि "वर्तमा मृत्यु पर भादित है और उसका भेद म जन्य हिन्दी प्रकार से मुम्मीर से अप सामित अप अपने को गाँव और जिस्सी नाम प्यास्कीय के मिला को गाँव और जिस्सी नाम प्यास्कीय है अपीजी को गाँव के गाँव के गाँव के गाँव के गाँव के गाँव को गाँव के गाँव के गाँव को गाँव के गाँव के | गृह तथा अन्य भवत भूमि "वर्षनाम मूल्य पर भारित है और उसका मेंदि मां जन्म किसी प्रकार से सम्पति से भारित अप अपने की तार्थित अप वार्षिक आप स्थापिक अप अपने की तार्थित की तार्थिक आप वार्षिक आप स्थाप्तिक अप अपने की तार्थित की वार्षिक आप वार्षिक आप स्थाप्तिक अप वार्षिक आप वार्षिक आप स्थाप्तिक अप वार्षिक आप वार्षिक आप स्थाप्तिक आप स्थापितिक आप स्था | गृह तथा अन्य पदन भूमि "क्वतंमा मूल्य पर भारित है और उसका भेट या जंजन किसी प्रकार से हान्यति हो आप अप आप कर्यन की तार्रिक अप वार्षिक अप स्था स्वर्ध है जाई की उसका गान स्था स्वर्ध है जाई की उसका गान स्था स्वर्ध है जाई की उसका गान स्था स्था है जाई की उसका गान स्था स्था है जाई की उसका गान है जाई की उसका गान स्था स्था है जाई की उसका गान है जाई की उसका गान स्था स्था स्था स्था स्था है जाई की उसका गान स्था स्था स्था स्था स्था स्था स्था स्था | गृह तथा अन्य भवत भूमि **कर्तमान मृत्य पर भारित है और उसका मेंट या अन्य किसी प्रकार से सम्मति से अम्
सासकीय कर्मचारी से तथा अजीन की तारिक और जिससे बार्षिक आय
यया संबंध है अजित की गई हो उसका नाम
(2) (3) (4) (5) (7)
 | गृह तथा अन्य भवन भूमि ""बर्तमान मृत्य पर भारित है और उसका मेंट या अन्य किसी प्रकार से प्रामान से अम्
राप्तकीय कर्मचारी से तथा अज़न की तारीख और जिससे बार्षिक आय
स्या संबंध है अजित की गई हो बसका नाम
(2) (4) (5) (7) | गृह तथा अन्य भवन भूमि **कर्तमान मृत्य पर भारित है और उसका मेंट या अन्य किसी प्रकार से सम्मति से आ
शासकीय कर्मचारी से तथा अलीन की गाँ। खेसिक आय
यया संबंध है अजिंत की गाँ। की उसका नाम
(2) (4) (5) (7) | गृह तथा अन्य भवन भूमि **कर्तमान मूल्य पर भारित है और उसका भेंट या अन्य किसी प्रकार से सम्मत्ति से आर्थिक आये सासकीय कर्मचारी से तथा अर्जन की तारीख और जिससे व्यक्तिक आये समाम स्था से सिंध है अर्जित की गाँह हो उसका नाम तथा सिंध है अर्जित की गाँह हो उसका नाम तथा सिंध है (5) (5) (7) | गृह तथा अन्य भवन भूमि ""बर्तमात मृत्य पर भारित है और उसका मेंट या अन्य किसी प्रकार से सम्मति से आ
रासकीय कर्मचारी से तथा अजैन की तारीख और जिससे बार्षिक आय
स्या संबंध है अजित की गई हो उसका नाम
(2) (3) (4) (5) (7) | गृह तथा अन्य भवन भूमि **कर्तमान मूल्य पर भारित है और उसका मेंट या अन्य किसी प्रकार से सम्मति से अम्
शासकीय कर्मचारी से तथा अलीन की तार्रिक और जिससे जार्थिक आय
यया संबंध है अजिंत की गई हो उसका
नाम
(2) (3) (4) (5) (7) | गृह तथा अन्य भवन भूमि **कर्तमान मूल्य पर भारित है और उसका मेंट या अन्य किसी प्रकार से सम्मत्ति से आधिक आय
शासकीय कर्मचारी से तथा अर्जन की तारीख और जिससे वार्षिक आय
स्या संबंध है अजित की गई हो उसका नाम
(2) (3) (4) (5) (7) | गृह तथा अन्य भवन भूमि **वर्तमान मृत्य पर भारित है और उसका मेंट या अन्य किसी प्रकार से प्रामान से अम्पति से सम्मति से आस्कार सार्थक आये सार्थिक आये स्पार्थक कर्मचारी से अभित की गई हो उसका नाम स्पार्थक है अभित की गई हो उसका नाम तथा (5) (6) (7) | गृह तथा अन्य भवन भूमि **कर्तमान मृत्य पर भारित है और उसका मेंट या अन्य किसी प्रकार से सम्मति से अन्र सामिक आय
सासकीय कर्मचारी से तथा अलीन की तारीख और जिससे बार्षिक आय
यया संबंध है अजिंत की गई हो उसका नाम
(2) (3) (4) (5) | गृह तथा अन्य भवन भूमि **कर्तमान मूल्य पर भारित है और उसका मेंट या अन्य किसी प्रकार से सम्मत्ति से अम
शासकीय कर्मचारी से तथा अजन की तारीख और जिससे बार्षिक आय
यया संबंध है अजिंत की गई हो उसका नाम
(2) (3) (4) (5) (5) | गृह तथा अन्य भवन भूमि **कर्तमान मूल्य पर भारित है और उसका मेंट या अन्य किसी प्रकार से सम्मत्ति से अम्
शासकीय कर्मचारी से तथा अजन की तारीख और जिससे कार्यिक आय
यया संबंध है अजित की गह हो उसका नाम
(2) (4) (5) (7)
 | गृह तथा अन्य भवन भूमि **कर्तमान मूल्य पर भारित है और उसका मेंट या अन्य किसी प्रकार से सम्मात्ति से आर्थित की तारीख और जिससे वार्षिक आय
सासकीय कर्मचारी से तथा अर्जन की तारीख और जिससे वार्षिक आय
स्या संबंध है अजित की गांह हो उसका नाम
(2) (3) (4) (5) | गृह तथा अन्य भवन भूमि "कितमान मृत्य पर भारित है और उसका मेंट या अन्य किसी प्रकार से प्रामानि से आ
शासकीय कर्मचारी से तथा अजंन की तारीख और जिससे बार्षिक आय
स्या संबंध है अजित की गई हो उसका नाम
(2) (3) (4) (5) | गृह तथा अन्य भवन भूमि कैंचर्तमान मृत्य पर भारित है और उसका मेंट या अन्य किसी प्रकार से सम्मत्ति से आस्काय कर्मचारी से तथा अजन की तारीख और जिससे जार्षिक आय
यया संबंध है अजिंत की गई हो उसका नाम | गृह तथा अन्य भवन भूमि **कर्तमान मूल्य पर भारित है और उसका भेंट या अन्य किसी प्रकार से सम्मत्ति से आधिक आय
शासकीय कर्मचारी से तथा अजन की तारीख और जिससे वार्षिक आय
पया संबंध है अजित की गई हो उसका नाम | गृह तथा अन्य भवन भूमि **कर्तमान मूल्य पर भारित है और उसका भेंट या अन्य किसी प्रकार से सम्मत्ति से आप
शासकीय कर्मचारी से तथा अर्जन की तारीख और जिससे बार्धिक आय
प्या संबंध है अधित की गई हो उसका नाम
तथा व्यार
 | गृह तथा अन्य भवन भूमि **कर्तमान मृत्य पर भारित है और उसका भेंट या अन्य किसी प्रकार से सम्मत्ति से आप
शासकीय कर्मचारी से तथा अर्जन की तारीख और जिससे वार्षिक आप
प्या संबंध है अजित की गई हो उसका नाम | गृह तथा अन्य भवन भूमि "कितमान मृत्य पर भारित है और उसका मेंट या अन्य किसी प्रकार से प्रामानि से
शासकीय कर्मचारी से तथा अज़न की तारीख और जिससे बार्षिक आय
पया संबंध है अजित की गई हो बसका नाम | गृह तथा अन्य भवन भूमि "कितमान मृत्य पर भारित है और उसका मेंट या अन्य किसी प्रकार से सम्मति से
शासकीय कर्मचारी से तथा अर्जन की तारीख और जिससे बार्षिक आय
प्या संबंध है अजिंत की गई हो उसका नाम | गृह तथा अन्य भवन भूमि **कर्तमान मूल्य पर भारित है और उसका मेंट या अन्य किसी प्रकार से सम्मत्ति से
शासकीय कर्मचारी से तथा अजन की तारीख और जिससे जार्षिक आय
पया संबंध है अजिंत की गई हो उसका नाम | गृह तथा अन्य भवन भूमि "कितमान मूल्य पर भारित है और उसका मेंट या अन्य किसी प्रकार से सम्मत्ति से आधिक आय
शासकीय कर्मचारी से तथा अर्जन की तारीख और जिससे वार्षिक आय
प्या संबंध है अजित की गई हो वसका नाम
 | गृह तथा अन्य भवन भूमि "कर्तमान मृत्य पर भारित है और उसका भेट या अन्य किसी प्रकार से सम्मत्ति से आ
शासकीय कर्मचारी से तथा अन्यन की तारीख और जिससे वार्षिक आय
प्या संबंध है अजित की गई हो उसका नाम | गृह तथा अन्य भवन भूमि "कितमान मृत्य पर भारित है और उसका मेंट या अन्य किसी प्रकार से प्रामानि से
शासकीय कर्मचारी से तथा अज़न की तारीख और जिससे बार्षिक आय
पया संबंध है अजिंत की गई हो उसका नाम | गृह तथा अन्य भवन भूमि "कितमान मूल्य पर भारित है और उसका भेंट या अन्य किसी प्रकार से सम्मति से
शासकीय कर्मचारी से तथा अजन की तारीख और जिससे जार्षिक आय
यया संबंध है अजिंत की गई हो उसका नान | गृह तथा अन्य भवन भूमि "क्वतमान मूल्य पर भारित है और उसका मेंट या अन्य किसी प्रकार से सम्मत्ति से
शासकीय कर्मचारी से तथा अर्जन की तारीख और जिससे वार्षिक आय
पया संबंध है अजित की गई हो उसका नाम | गृह तथा अन्य भवन भूमि "कितमान मृत्य पर भारित है और उसका मेंट या अन्य किसी प्रकार से सम्मत्ति से आ
शासकीय कर्मचारी से तथा अन्तन की तारीख और जिससे वार्षिक आय
यया संबंध है अजित की गई को उसका नाम
 | गृह तथा अन्य भवन भूमि "कितमान मृत्य पर भारित है और उसका भेंट या अन्य किसी प्रकार से सम्मानि से
शासकीय कर्मचारी से तथा अजन की तारीख और जिसके जार्थिक आय | गृह तथा अन्य भवन भूमि "कितमान मृत्य पर भारित है और उसका मेंट या अन्य किसी प्रकार से सम्मति से
शासकीय कर्मचारी से तथा अलैन की तारीख और जिससे जार्षिक आय | ्रात के जान का जा जाता का ज | याद स्थय के जाम पर ज हो ता
कतलाइये कि वह किसके नाम | सम्पति का नाम पर न हो तो
बतलाइये कि वह किसके नाम | सम्पत्तिका नाम नेपा क्योरे
बतलाइमें कि वह किसके नाम
 | सम्पष्टिका नाम नेपा क्योरे | सम्पति का नाम तथा ब्योरि | सम्पत्ति का नाम तथा ब्योरि | सम्पत्ति का नाम तथा ब्योरि | सम्पति का नाम तथा ब्योरि
 | सम्पति का नाम तथा ब्योरि | सम्पति का नाम तथा ब्योरि | सम्पति का नाम तथा ब्योरि | सम्पति का नाम तथा ब्योरि | सम्पति का नाम तथा ब्योरि
 | सम्पति का नाम तथा ब्योरि | सम्पति का नाम तथा ब्योरि | सम्पति का नाम तथा ब्योरि | सम्पति का नाम तथा ब्योरि |
| गृह त्राचा अन्य पदन भूमि **वर्तमा मून्य पर धारित है और उसका मेंट या अन्य किसी प्रकार से सम्मारित से सामित से स | गृह तथा अनम भवन भूमि "गर्वनाम मूल्य पर्णाहा है और उसका में द्वाना मूल पर्णाहा है और जान कर्न किसी प्रकार में जानिक आग्र मां अवित को गर्भ हो उसका मां मां कि आपिक आग्र मां कि अपिक साम मां साम अपिक आग्र मां साम आग्र मां मां साम अपिक साम मां कि अपिक साम मां साम अपिक साम भाग साम अपिक अपिक साम भाग साम अपिक साम अप | गृह तथा अनम भवन भूमि "वर्तमान मूल्य पर्ण धारा है और उसका में द्वान प्रकार से सम्पति से आप अपन को गोर को उसका नाम वासिक आप अपा सर्वाध है अधित को गोर हो उसका नाम वासिक आप अपा सर्वाध है अधित को गोर हो उसका नाम वासिक आप अपा सर्वाध है अधित को गोर हो उसका नाम वासिक आप अपा सर्वाध है अधित को गोर हो उसका से प्रकार को वासिक सर्वाध से साम गोर हम अपना प्रकार वासिक सर्वाध साम गाय प्रकार वासिक सर्वाध से साम गोर हम अपना प्रकार वासिक सर्वाध से साम गोर हम अपना गाय प्रकार वासिक सर्वाध से साम गोर हम अपना गाय स्वाध स्वाध गोर हम अपना गाय स्वाध स्वाध गोर हम अपना गाय स्वाध सरवाध गोर हम अपना गोर हम | गृह तथा अन्य भवत भूमि "वर्तमा मूल्य पं भारित है और उसका में सम्मित्त में समित आप अन्य भवत की तार्रिक आप अन्य भवत की तार्रिक आप अन्य की उसका मान अप अन्य की अप | गृह तथा अन्य भवत भूमि "वर्षनात मूल्य पर धारित है जीर उसका मेंट या जन्म किसी प्रजार से प्रमाणियों के माध्येत की गोह हो उसका माम क्या स्वाप की की गोह हो उसका माम क्या स्वाप है जी ज्ञा की गोह हो उसका माम क्या स्वाप है जी जा जा की गोह हो अपने हैं अपने जा ज्ञा की गोह हो जा | गृह तथा अन्य भवत भूमि "वर्तमात मृत्य भारित है और उसका में प्रमाणियों अप प्रमाणियों अप अप अप अप भी भार में प्रमाणियों अप अप अप भी भार में अप अप अप भी | गृह तथा अन्य भवत भूमि "व्हर्णना मूल्य भं थारित है और उसका मेट मार्गनित में प्रवार में क्रियों क्रियों है जाय अपित में ग्राहे क्रियों | गृह त्रेषा अन्य पदन भूमि **वर्तमा मून्य पर धारित है और उसका मेंट या अन्य किसी प्रकार से सम्मारित में व्याप्त से सम्मारित से सम्मारित के स्वीप्त को गाँउ और तिससे वार्षिक आप्र प्रमार संबंध है अधित को गाँउ अधित को ग | गृह त्रणा अन्य पदन भूमि वैश्वति होता होता होता होता होता होता होता होता | गृह त्रणा अन्य भवत भूमि वैश्वति है और उसका मेंट्र या अन्य किसी प्रकार से सम्मारिय में बारिक आप्र प्रणासियों है जो अन्य सियों है और उसका नान व्यासिक श्री है है जिस्सी में से स्वासिक अप्र अप्रासिक और विस्ता नान विषय है है जिसा अप्र प्रणासिय है है जिसा अप्र प्र प्रणासिय है जिसा अप्र
प्र प्रणासिय है जिसा अप्र प्र प्र प्र प्र प्र प्र प्र प्र प्र | गृह तथा अन्य भवत भूमि **वर्तमान मूल्य पर भारित है और उसका मेर मान्यत्व से प्रमासित से आपित आप्र सामित से आपित आप्र सामित से सामित आप्र समासित आप्र समासित आप्र समासित आप्र समासित आप्र समासित से समासित आप्र समासित आप्र समासित आप्र समासित आप्र समासित आप्र समास्तित समास्तित समासित समा | गृह तथा अन्य भवत भूमि **वर्तमात मूल्य पर भारित है और उसका भेर या ज्वन्य हिस्सी प्रकार से प्रमासित से आसंकार के जाम अज्ञेत की तार्रिक आय वार्षिक आय ज्वान में तार्रिक आय वार्षिक आय वार्षिक आय वार्षिक आय ज्वान में तार्रिक आय वार्षिक आय वार्षिक आय ज्वान में तार्रिक आय वार्षिक आय वार्ष्ठ आय वार्षिक आय वार्ष्ठ आय वार्य आय वार्ष्ठ आय वार्ष्ठ आय वार्ष्ठ आय वार्ष्ठ आय वार्ष्ठ आय वार्य आय वार्ष्ठ आय वार्ष्ठ आय वार्ष्ठ आय वार्ष्ठ आय वार्ष्ठ आय वार्य आय वार्ष्ठ आय वार्ष्ठ आय वार्ष्ठ आय वार्ष्ठ आय वार्ष्ठ आय वार्य आय वार्ष्ठ आय वार्ष्ठ आय वार्य आय वार्य आय वार्य आय वार्य आय वार्य आय वार्य आय वार्ष्ठ आय वार्य आय वार्य आय वार्य आय वार्य आय व | ाढ़ तथा अन्य भवन भूमि "भवर्तमान मृत्य पर भारित है और उसका भेट या अन्य किसी प्रकार से सम्मानि से आर्थ शासकीय कर्मचारी से तथा अर्जन की तारीख और जिससे वार्षिक आय् समानि से स्था स्थित की गांह हो उसका नाम स्था स्थित की गांह हो उसका नाम (2) (3) (4) (5) (7) | ाह तथा अन्य भवन भूमि "क्वर्तमान मृत्य पर भारित है और उसका भेट या अन्य किसी प्रकार से सम्मासि से आरक्कि आय्र अप अर्थन की वार्रिक आय्र कार्यिक आय्र स्था संबंध है अधित की गई हो बसका नाम स्था संबंध है अधित की गई हो बसका नाम (2) (3) (4) (5) | ाह तथा अन्य भवन भूमि ""वर्तमान मृत्य पर भारित है और उसका भेट या अन्य किसी प्रकार से सम्मान्ति से आसिक आय सासिक आय स्या संबंध है अजित को गांह हो उसका नाम तया संबंध है अजित को गांह हो उसका नाम तया संबंध है अजित को गांह हो उसका नाम तया संबंध है अजित को गांह हो उसका नाम तया संबंध है (2) (5) (7) | ाह तथा अन्य भवन भूमि "क्वर्तमान मृत्य पर भारित है और उसका भेट या अन्य किसी प्रकार से सम्मासि से आप अर्थन की वार्रिक और जिस्सि बार्षिक आप्र
सासकीय कर्मचारी से अधित की वार्रिक और जिस्सि वार्मिक आप्र
प्या संबंध है अधित की गई हो उसका नाम
(2) (3) (4) (5) (7)
 | ाह तथा अन्य भवन भूमि "भवतमान मूल्य पर भारित है और उसका भेट या अन्य किसी प्रकार से सम्मासि से आंसिक आय
सासकीय कर्मचारी से तथा अजन की तार्पक और जिससे बार्फिक आय
यया संबंध है अजिंत की गई हो उसका नान
तथा व्यास | ाह तथा अन्य भवन भूमि ""वर्तमान मृत्य पर भारित है और उसका भेट या अन्य किसी प्रकार से सम्मान्ति से आर्थित की तथा अर्जन की तार्री जससे वार्षिक आय् सासकीय कर्मचारी से तथा अर्जन की तार्री जससे वार्षिक आय् स्या संबंध है अजित की गह हो उसका नाम तथा संबंध है अजित की गह हो उसका नाम तथा स्वंध है अजित की गह हो उसका नाम तथा स्वंध है अजित की गह हो उसका नाम तथा स्वंध है (5) (7) | ाह तथा अन्य भवन भूमि "क्वंमान मृत्य पर भारित है और उसका भेट या अन्य किसी प्रकार से सम्मासि से आपति के सम्भासि से तथा अर्जन की तारीख और जिससे वार्षिक आप्र प्रमासिक आप्र प्रमासिक आप्र प्रमासिक हो अर्जन की तार्र खेरी उसका नाम प्रमासिक आप्र समिक आप्र तथा स्वीत की गई हो उसका नाम तथा (३) (५) (१) | ाह तथा अन्य पवन भूमि "कर्तमान मूल्य पर्णारित है और उसका भेट या अन्य किसी प्रकार से सम्मात्ति से आप शांति की वार्षिक आप शांतिक शांति की वार्षिक आप वार्षिक आप प्रमान्तिक हो। अभिन्न की वार्षिक आप वार्षिक आप प्रमान्तिक हो। अभिन्न की वार्षिक आप वार्ष्क आप वार्षिक आप वार्ष्य वार्य वार्ष्य वार्ष्य वार्य वार् | ाह तथा अन्य भवन भूमि ""वर्तमान मूल्य पर भारित है और उसका भेट या अन्य किसी प्रकार से सम्मासि से सम्मासि से सम्मासि से सम्मासि से सम्मासि आधिक आय
समासिक अभ्या अभित की गाई हो उसका नाम
समा संबंध है अभित की गाई हो उसका नाम
(2) (3) (4) (5) (7) | ाढ़ तथा अन्य भवन भूमि ""वर्तमान मृत्य पर भारित है और उसका भेट या अन्य किसी प्रकार से सम्मान्ति से आर्थ आर्थ और जिससे वार्षिक आय्
सासकीय कर्मचारी से तथा अर्जन की तारीज और जिससे वार्षिक आय्
स्या संबंध है अजित की गांह हो उसका नाम
(2) (3) (4) (5) (7)
 | ाह तथा अन्य भवन भूमि ""वर्तमान मृत्य पर भारित है और उसका भेट या अन्य किसी प्रकार से सम्मासि से आप्ता शासकीय कर्मचारी से तथा अर्जन की तारीख और जिससे बार्सिक आय
स्था संबंध है अधित की गाँह हो उसका नाम
(2) (4) (5) (7) | ाह तथा अन्य भवन भूमि "क्वंमान मूल्य पर भारित है और उसका भेट या अन्य किसी प्रकार से सम्मासि से आ
शासकीय कर्मचारी से तथा अर्जन की तारीख और जिससे वार्षिक आय
स्या संबंध है अजिंत की गई हो उसका नाम
(2) (3) (4) (5) | ाह तथा अन्य पवन भूमि "कर्तमान मृत्य पर्णारित है और उसका भेट या अन्य किसी प्रकार से सम्मासि से आया शासकीय कर्मचारी से तथा अर्जन की तारीख और जिससे बार्षिक आया प्रमान्तिक क्षाप्त कर्मचारी से अर्जित की गई हो उसका नाम स्थान्तिक हो अर्जित की गई हो उसका नाम तथा संबंध है अर्जित की गई हो उसका नाम तथा स्थान्तिक हो अर्जित की गई हो उसका नाम तथा स्थान्तिक हो अर्जित की गई हो उसका नाम तथा स्थानिक हो अर्जित की गई हो उसका नाम तथा स्थानिक हो अर्जित की गई हो उसका नाम तथा स्थानिक हो अर्जित की गई हो उसका नाम तथा स्थानिक हो अर्जित की गई हो उसका नाम तथा स्थानिक हो अर्जित की गई हो उसका नाम तथा स्थानिक आया स्था | ाढ़ तथा अन्य भवन भूमि "भवतमान मूल्य पर भारित है और उसका भेट या अन्य किसी प्रकार से सम्मान्ति से तथा अवन की तारीख और जिससे व्यार्थक आय
सासकीय कर्मचारी से तथा अवन की तारीख और जिससे व्यार्थक आय
स्यां संबंध है अजित की गई हो उसका नाम | ाृढ तथा अन्य भवन भूमि "कर्तमान मुल्य पर भारित है और उसका भेट या अन्य किसी प्रकार से सम्मासि से
शासकीय कर्मचारी से तथा अर्जन की तारीख और जिससे वार्षिक आय
पया संबंध है अजिंत की गई हो उसका नाम | ाृह तथा अन्य भवन भूमि "कर्तमान मूल्य पर भारित है और उसका भेट या अन्य किसी प्रकार से सम्मासि से
शासकीय कर्मचारी से तथा अजन की वारीख और जिससे बार्षिक आय
पया संबंध है अजित की गई हो उसका नाम
स्या संबंध है
 | ाृढ तथा अन्य भवन भूमि "कर्तमान मूल्य पर भारित है और उसका भेट या अन्य किसी प्रकार से सम्मात्ति से आय
शासकीय कर्मचारी से तथा अन्य की तारीख और जिससे बार्षिक आय
प्या संबंध है अनित की गई हो उसका नाम
तथा व्याप | ाृढ तथा अन्य भवन भूमि "कर्तमान मूल्य पर भारित है और उसका भेट या अन्य किसी प्रकार से सम्मति से आय
शासकीय कर्मचारी से तथा अर्जन की तारीख और जिससे बार्षिक आय
यया संबंध है अजिंत की गई हो उसका नाम
तथा खाँत | गृह तथा अन्य भवन भूमि "कर्तमान मूल्य पर भारित है और उसका भेट या अन्य किसी प्रकार से सम्मति से आय
शासकीय कर्मचारी से तथा अनित की गाँउ और जिसक्ते आय
स्या संबंध है अजित की गाँउ हो उसका नाम
तथा स्वांत | ाढ़ तथा अन्य भवन भूमि "कर्तमान मूल्य पर भारित है और उसका भेट या अन्य किसी प्रकार से सम्मान्ति से आप
शासकीय कर्मचारी से तथा अर्जन की तारीख और जिससे व्यार्थक आय
स्याः संबंध है अजिंत की गई हो उसका नाम | गृह तथा अन्य भवन भूमि "कर्तमान मूल्य पर भारित है और उसका भेट या अन्य किसी प्रकार से सम्मासि से
शासकीय कर्मचारी से तथा अर्जन की तारीख और जिससे वार्षिक आय
स्या संबंध है अजित की गई हो उसका नाम
 | ाृढ तथा अन्य पवन भूमि "कर्तमान मूल्य पर्णारित हैं और उसका भेट या अन्य किसी प्रकार से सम्मात्ति से आप
शासकीय कर्मचारी से तथा अजन की तारीख और जिससे बार्सिक आय
यया संबंध है अजिंत की गई हो उसका नाम | गृह तथा अन्य भवन भूमि "कर्तमान मूल्य पर भारित हैं और उसका भेट या अन्य किसी प्रकार से सम्मति से आ
शासकीय कर्मचारी से तथा अवन की तारीख और जिससे बार्षिक आय
पया संबंध है अजित की गई हो उसका नाम | ाृढ तथा अन्य भवन भूमि "कर्तमान मूल्य पर भारित है और उसका भेट या अन्य किसी प्रकार से सम्मान्ति स
शासकीय कर्मचारी से तथा अजन की तारीख और जिससे बार्षिक आय
यया संबंध है अजिंत की गई हो उसका नाम | ाृढ तथा अन्य भवन भूमि ""वर्तमान मृत्य पर भारित है और उसका भेट या अन्य किसी प्रकार से सम्मानि से
शासकीय कर्मचारी से तथा अर्जन की तारीख और जिससे वार्षिक आय
पमा संबंध है अजित की गई हो बसका नाम | ाृह तथा अन्य भवन भूमि "कर्तमान मूल्य पर्णारित है और उसका भेट या अन्य किसी प्रकार से सम्मासि से
शासकीय कर्मचारी से तथा अजन की वारीख और जिससे वार्षिक आय
यया संबंध है अजित की गई को उसका नस
 | गृह तथा अन्य भवन भूमि "कर्तमान मूल्य पर भारित है और उसका भेट या अन्य किसी प्रकार से सम्मति से
शासकीय कर्मचारी से तथा अवन की तारीख और जिससे वार्षिक आय | गृह तथा अन्य भवन भूमि "कर्तमान मृत्य पर भारित है और उसका मेंट या अन्य किसी प्रकार से सम्मति से
शासकीय कर्मचारी से तथा अनेन की तारीख और जिससे वार्षिक आय | | त्याद स्थय के जाम प्रति ज हो ता | सम्पति का नाम तथा ब्याह
 | सम्पत्तिका नाम तथा क्योरि
बननार कि यह कि प्रम | सम्पत्तिका नाम तथा क्योरे | सम्पत्तिका जाम तथा क्योरि
बनसारये कि यह कि यह | सम्पत्तिका जाम तथा क्योरे
बनलास्ये कि यह कि यह | सम्पत्तिका जाम तथा क्योरे
बनलास्ये कि यह कि यह
 | सम्पत्तिका जाम तथा क्योरि
बनसारये कि यह कि यह | सम्पत्तिका जाम तथा क्योरि
बनसारये कि यह कि यह | यदि खप के जाम पर हो तो | यदि खप के जाम पर हो तो | सम्पत्तिका जाम तथा क्योरि
बनसारये कि यह कि यह
 | यदि खप के जाम पर हो तो | सम्पत्तिका जाम तथा क्योरि
बनसारये कि यह कि यह | सम्पत्तिका जाम तथा क्योरि
बनसारये कि यह कि यह | सम्पत्तिका जाम तथा क्योरि
बनसारये कि यह कि यह | यदि खप के जाम पर हो तो
 |
| गृह तथा अन्य भवत भीमें "चर्तमा मृत्य पर भारत हैं और उसका निर्मा अन्य भिक्त प्रिकार में सम्मित्त में मार अपने की ताराख और निरम्भ जा विक् आय अपने की ताराख और निरम्भ जा विक् आय अपने की ताराख और निरम्भ ने व्याप्त की ताराख की ताराख और निरम्भ ने व्याप्त की ताराख की | गृह तथा अन्य भवन भूगि "वर्तमा मृत्य पर धारेत हैं, और उसका मेंट या अन्य किसी प्रकार में मानगि से आपिक आपि किसी प्रकार में आपिक आपिक आपिक आपिक आपिक आपिक आपिक आपिक | गृह तथा अन्य भवन भूमि "वर्तमा मूल्य पर भारत है, और उसका में मानािस का वार्यक अपर की वार्यक और जिस्सी में मानािस का वार्यक और जिस्सी मान वार्यक और जिस्सी में मानािस का वार्यक जा का वार्यक वार्यक वार्यक का वार्यक वार्यक का वार्यक वार्यक का वार्यक वार्यक वार्यक का वार्यक वार्यक का वार्यक वार्यक वार्यक का वार्यक वार् | गृह तथा जन्म भवन भूगि "वर्तमा मूल्य पर धारेत हैं और उसका मेंद्र या जन्म किसी प्रकार से मामित से जा जाव और जिस्सी के वार्यक और जिस्सी का वार्यक और जिस्सी का वार्यक जाय जीवा के वार्यक जाय के वार्यक जाय के वार्यक जाय के वार्यक जाय के वार्यक के वार्यक वार्यक वार्यक के वार्यक वा | गृह तथा अन्य भवन भूमि "वर्तमान मूल्य पर धारेत हैं, और उसका मेंद्र या अन्य किसी प्रकार से मम्मति से जा प्राप्त के प्राप्त | गृह तथा करन्य भवन भूमि "वर्तमान मूल्य पर धारित हैं, और उसका मेंद्र या जनन्य किसी प्रकार से मन्माति से जा अपन्य किसी प्रकार को गांव और जिस्सी वार्यिक आपन्य जान को गांव और वर्षण्या गान निर्मा क्यों हैं के वर्षण्या गान निर्मा को गांव को वर्षण्या गान निर्मा क्यों हैं के वर्षण्या गान निर्मा को गांव को वर्षण्या गान निर्मा क्यों हैं के वर्षण्या गान निर्मा को गांव के वर्षण्या गान निर्मा का गांव के वर्षण्या गान निर्मा का गांव के वर्षण्या गांव के वर्य वर्षण्या गांव के वर्षण्या गांव के वर्षण्या गांव के वर्य | गृह तथा अन्य भवत भीमें "चर्तामा मूल्य पर भारत है, और उसका में सम्प्रीत में सम्प्री | गृह तथा अन्य भवत भीमें "चर्तमा मृत्य पर भारत है, और उसका में दें या अपने किसी प्रकार में सम्मित्त में सारकीय के सम्मित्त में तारा अपने की तारा खंगा कि आये आये का विक्र आये अपने की तारा खंगा का विक्र आये अपने की यह का मन | गृह तथा अन्य भवत भूमि "वर्तमा मृत्य पर भारित है और उसका भेट या जन्म किसी प्रकार के जन्म किसी प्रकार के जाय जन्म किसी प्रकार का जन्म किसी प्रकार के जाय जन्म किसी जाय जन्म किसी जाय जन्म किसी प्रकार के जाय जन्म किसी जाय जन्म किसी जाय जन्म किसी जाय जन्म किसी किसी जाय जन्म किसी जन्म किसी जाय जन्म किसी जाय जन्म किसी जाय जन्म किसी जन्म | गृह तथा अन्य भवत भूमि "वर्तना मुल्य पर भारति है और उसका भेट या जन्य किया है। (2) (4) (5) (5) (7) (5) (6) (7) | गृह तथा अन्य भवत भूमि "वर्तमा मृह्य पर भारित है और उसका भेट या जन्य किसी प्रकार से जन्मित होता जिस्सी वासिक आय
समा स्वयं है अप अपीत को गाई हो उसका नाम जासिक आय
समा स्वयं है (6) (7)
 | गृह तथा अन्य पवन भूमि "भारतमान मूल्य पर भारित है और उसका भेट या जन्म किसी प्रकार से सम्माति से वारतमान मूल्य पर भारतमान कुमंचारी से जाय अजन को तारीख और जिस्सी बार्षिक आय प्रमान्सिक्य है जाय अजन को तारीख और जिस्सी बार्षिक आय प्रमान्सिक्य है जाय अजन को तार्थ को गई हो उसका नान के ना व्योत है हो उसका नान के ना व्योत है हो उसका नान के ना व्योत है हो उसका नान किस व्योत है हो अजन व्योत है हो जिसका नान के ना व्योत है हो अजन व्योत है हो जिसका नाम के ना व्योत के ना व्योत है हो अजन व्योत का ना व्याप के ना व्योत के ना व्याप के | गृह तथा अन्य भवन भूमि ""वर्तमान मूल्य पर भारित है और उसका मेंट या अपने किसी प्रकार से सम्मति से आ
शासकीय कर्मचारी से तथा अजन की तारीख और जिससे वार्षिक आय
स्मा संबंध है अधित की गई हो उसका नाम
(2) (3) (4) (5) (7) | गृह तथा अन्य भवत भूमि ""वर्तमान मूल्य पर भारित हैं और उसका मेंट या अन्य किसी प्रकार से सम्मासि से आय
शासकीय कर्मवारी से तथा अर्जन की तारीख और जिससे ज्ञांच
स्मा संबंध है अजिंत की गई हो बसका नाम
तथा व्यार | गृह तथा अन्य भवन भूमि ""वर्तमान मूल्य पर भारित है और उसका मेंट या अन्य किसी प्रकार से सम्पति से अप
शासकीय कर्मचारी से तथा अजन की तारीख और जिससे वार्षिक आय्
स्मा संबंध है अजित की गई हो उसका नाम
(2) (3) (4) (5) (5) | गृह तथा अन्य भवन भूमि ""वर्तमान मूल्य पर भारित हैं और उसका मेंट या अन्य किसी प्रकार से सम्मति से आय
शासकीय कर्मचारी से तथा अर्जन की तारीख और जिससे बार्षिक आय
स्मा संबंध है अजिंत की गई हो बसका नाम
(2) (3) (4) (5) (7) | गृह तथा अन्य भवत भूमि
**वर्तमान मूल्य पर भारित है. और उसका मेंट या अन्य किसी प्रकार से सम्माति से आय
शासकीय कर्मचारी से तथा अर्जन की तारीख और जिससे बार्षिक आय
स्या संबंध है अजिंत की गई हो उसका नाम
तथा व्यात | गृह तथा अन्य भवन भूमि ""वर्तमान मूल्य पर भारित है और उसका मेंट या अन्य किसी प्रकार से सम्पति से आ
शासकीय कर्मचारी से तथा अजन की तारीख और जिससे वार्षिक आय्
स्मा संबंध है अजित की गई हो उसका नाम
(2) (3) (4) (5) (7) | गृह तथा अन्य भवन भूमि ""वर्तमान मूल्य पर भारित हैं और उसका मेंट या अन्य किसी प्रकार से सम्मति से आय
शासकीय कर्मचारी से तथा अर्जन की तारीख और जिससे बार्षिक आय
स्मा संबंध है अजिंत की गई हो उसका नाम
(2) (3) (4) (5) (7) | गृह तथा अन्य भवन भूमि ""वर्तमान मूल्य पर भारित है. और उसका मेंट या अन्य किसी प्रकार से सम्मासि से आ
शासकीय कर्मचारी से तथा अर्जन की तारीख और जिससे बार्षिक आय
स्मा संबंध है अजिंत की गई हो उसका नाम
तथा व्योत | गृह तथा अन्य भवन भूमि ** वर्तमान मृत्य पर भारित है और उसका मेंट या अन्य किसी प्रकार से सम्मात्ति से अभ
शासकीय कर्नचारी से तथा अर्जन की तार्र हो बसका नाम
स्मा संबंध है अर्जित की गई हो बसका नाम
(2) (3) (4) (5) | गृह तथा अन्य भवन भूमि ""वर्तमान मूल्य पर भारित है और उसका मेंट या अन्य किसी प्रकार से सम्मति से आ
शासकीय कर्मचारी से तथा अर्जन की तारीख और जिससे बार्षिक आय
स्मा संबंध है अजिंत की गई हो उसका नाम
(2) (3) (4) (5)
 | गृह तथा अन्य भवन भूमि ""वर्तमान मूल्य पर भारित है और उसका मेंट या अपने किसी प्रकार से सम्मति से आ
शासकीय कर्मचारी से तथा अर्जन की तारीख और जिससे बार्षिक आय
स्या संबंध है अर्जित की गई हो उसका नाम
(2) (3) (4) (5) (7) | गृह तथा अन्य भवन भूमि ""वर्तमान मूल्य पर भारित हैं और उसका मेंट या अन्य किसी प्रकार से सम्मति से आय
शासकीय कर्मचारी से तथा अर्जन की तारीख और जिससे बार्षिक आय
प्या संबंध है अजिंत की गई हो उसका नाम
(2) (4) (5) (7) | गृह तथा अन्य भवन भूमि ""वर्तमान मूल्य पर भारित है. और उसका मेंट या अन्य किसी प्रकार से सम्मति से अ
शासकीय कर्मचारी से तथा अर्जन की तारीख और जिससे बार्षिक आय
स्या संबंध है अजिंत की गई हो उसका नाम
(2) (4) (5) | गृह तथा अन्य भवन भूमि "वर्तमान मूल्य पर भारित है और उसका मेंट या अन्य किसी प्रकार से सम्मत्ति से आ
शासकीय कर्मचारी से तथा अर्जन की वर्ताख और जिससे वार्षिक आय
म्मा संबंध है अर्जित की गई हो वसका नाम | गृह तथा अन्य भवन भूमि ""वर्तमान मूल्य पर भारित है. और उसका भेंट या अन्य किसी प्रकार से सम्मति से आय
शासकीय कर्मचारी से तथा अर्जन की तारीख और जिससे बार्षिक आय
स्या संबंध है अर्जित की गई हो उसका नाम
 | गृह तथा अन्य भवन भूमि ""वर्तमान मूल्य पर भारित है. और उसका मेंट या अन्य किसी प्रकार से सम्मति से
शासकीय कर्मचारी से तथा अर्जन की तारीख और जिससे जार्थिक आय
प्या संबंध है अजिंत की गई हो उसका नाम
तथा व्यार | गृह तथा अन्य भवन भूमि ""वर्तमान मूल्य पर भारित है. और उसका मेंट या अन्य किसी प्रकार से सम्मति से अ
शासकीय कर्मचारी से तथा अर्जन की तारीख और जिससे बार्षिक आय
स्या संबंध है अजिंत की गई हो उसका नाम
हथा ब्यांत | गृह तथा अन्य भवन भूमि "क्विमान मूल्य पर भारित हैं और उसका मेंट या अन्य किसी प्रकार से सम्मत्ति से अ
शासकीय कर्मचारी से तथा अर्जन की गई हो उससे वार्षिक आय
स्या संबंध है अर्जित की गई हो उसका नाम | गृह तथा अन्य भवन भूमि "क्विमान मूल्य पर भारित है और उसका मेंट या अन्य किसी प्रकार से सम्मत्ति से अ
शासकीय कर्मचारी से तथा अर्जन की तारीख और जिससे व्याधिक आय
स्या संबंध है अर्जित की गई हो उसका नाम | गृह तथा अन्य भवन भूमि "वर्तमान मृत्य पर भारित है और उसका मेंट या अन्य किसी प्रकार से सम्मत्ति से आ
शासकीय कमंत्राते से तथा अर्जन की तारीख और जिससे वार्षिक आय
स्या संबंध है अर्जित की गई हो उसका नाम
 | गृह तथा अन्य भवन भूमि ""वर्तमान मूल्य पर भारित है और उसका मेंट या अन्य किसी प्रकार से सम्मति से आ
शासकीय कर्मचारी से तथा अर्जन की तारीख और जिससे वार्षिक आय
स्या संबंध है अर्जित की गई हो उसका नाम | गृह तथा अन्य भवन भूमि ""वर्तमान मूल्य पर भारित है. और उसका मेंट या अन्य किसी प्रकार से सम्मति से अ
शासकीय कर्मचारी से तथा अर्जन की तारीख और जिससे बार्षिक आय
यया संबंध है अजिंत की गई हो उसका नाम | गृह तथा अन्य भवन भूमि "क्विमान मूल्य पर भारित है और उसका मेंट या अन्य किसी प्रकार से सम्मत्ति से अ
शासकीय कर्मचारी से तथा अर्जन की तारीख और जिससे व्यार्थिक आय
स्या संबंध है अर्जित की गई हो उसका नाम | गृह तथा अन्य भवन भूमि "वर्तमान मृत्य पर भारित है और उसका भेंद्र या अन्य किसी प्रकार से सम्मत्ति से आ
शासकीय कर्मचारी से तथा अर्जन की वारीख और जिससे वार्षिक आय
स्मा संबंध है अर्जित की गई हो उसका नाम | गृह तथा अन्य भवन भूमि ""वर्तमान मूल्य पर धारित है और उसका मेंट या अन्य किसी प्रकार से सम्मति से आ
शासकीय कर्मचारी से तथा अर्जन की तारीख और जिससे बार्षिक आय
प्या संबंध है अर्जित की गई हो उसका नाम
 | गृह तथा अन्य भवन भूमि ""वर्तमान मूल्य पर भारित है और उसका मेंट या अन्य किसी प्रकार से सम्मति से आ
शासकीय कर्मचारी से तथा अर्जन की तारीख और जिससे बार्षिक आय
प्रमा संबंध है अजिंत की गई हो उसका नाम | गृह तथा अन्य भवन भूमि "क्विमान मृत्य पर भारित है और उसका मेंट या अन्य किसी प्रकार से सम्माति से अन्य सम्माति से आया शासकीय कर्मचारी से तथा अर्जन की तारीख और जिससे व्यक्तिक आय | गृह तथा अन्य भवन भूमि "वर्तमान मूल्य पर भारित है और उसका भेंट या अन्य किसी प्रकार से सम्मत्ति से आर अपनि से आर विस्ते वार्षिक आय | | संस्थात का नाम तथा क्यांत
 | सम्पाद को नाम तथा ब्यार | सम्पत्तिका नाम तथा क्योरे | सम्पत्तिका नाम नेपा क्योरे | सम्पष्टिका नाम तथा ब्योरे | सम्पष्टिका नाम तथा ब्योरे
 | सम्पष्टिका नाम तथा ब्योरे | सम्पष्टिका नाम तथा ब्योरे | सम्पष्टिका नाम तथा ब्योरे | सम्पष्टिका जाम कथा क्योरे | सम्पष्टिका जाम कथा क्योरे
 | सम्पष्टिका नाम तथा ब्योरे | सम्पष्टिका जाम कथा क्योरे | सम्पष्टिका नाम तथा ब्योरे | सम्पष्टिका नाम तथा ब्योरे | सम्पष्टिका नाम तथा ब्योरे
 | सम्पष्टिका जाम कथा क्योरे |
| पृष्ठ तथा अन्य भवन भूमि "विद्या प्राप्त के व्याप अपना भी प्राप्त के व्याप अपना की प्राप्त के व्याप अपना की व्याप अपना की व्याप के व्यप के व्याप के | पृष्ठ तथा अन्य भवत भूमि ""वर्तमात सूच्य पार्था है जिस्सा अन्य क्यों करा में हैं व्यक्त त्रामित से व्यक्ति कराय में व्यक्ति कराय कराय कराय कराय कराय कराय कराय कराय | पृष्ठ तथा अन्य थवन भूमि "वर्तमान मूच्य पार्था है को स्वरंत निर्मा क्यां में दिन स्वरंत को गांव और कार्य में वार्मिक आया कार्य को गांव और कार्य मान कार्य का | पृष्ठ तथा अन्य थवन भूमि "वर्तमान मूच्य प्राप्त के का | ाह तथा अन्य थवन भूमि "कर्तमान मूच्य प्रधारित है जा जान की गाँच के व्यक्त की मान की जा जा की जा जा की जा जा जा जा जा जा जा जा | ्राव तेषा अन्य पथन भूमि "श्वतंमान मूच्य प्राप्ता हैं और उसकान में द्या अन्य दिवती प्रकार से प्रमाणि से अपन्य पणन भूमि स्थानिया हैं और उसका मान स्था अन्य हैं भी राज्य भी प्रकार से व्याप्तिक आया अन्य से ग्राहकों हैं भी राज्य भी प्रकार से मान स्था स्था है से उसका मान स्था स्था है हैं उसका मान स्था है हैं उसका मान स्था स्था स्था स्था है हैं उसका मान स्था स्था है हैं उसका मान स्था स्था स्था है हैं उसका मान स्था स्था है हैं उसका मान स्था स्था है हैं उसका मान स्था स्था स्था स्था स्था स्था स्था स्था | पढ़ राषा अन्य भवत भूमि ""वर्तमा मूल्य पर भारि है जीर उसका नान में द्या जवन किसी प्रकार मान मिन्द्र अपन का विकार अपन मान मिन्द्र अपन मान मिन्द्र अपन मान मिन्द्र अपन मान मान मान मान मान मान मान मान मान मा | पृष्ठ तथा अन्य भवन भूमि क्षाप्त क्षाप | ्राह तथा अन्य भवत भूमि ""वर्ताम मूल्य पर्णात है और उत्तर क्षेत्र अपका विकास में में में मान किया के किया में
 | गृह तथा अन्य थवन भूमि "क्वमान मृत्य प्राह्म हैं और उतका में या जन कियों प्रकार में सामित हैं और उतका में सामित हैं और उतका में सामित हैं जो सामित हैं और उतका में सामित हैं जो सामित है। जो सामित हैं जो सामित हैं जो सामित हैं जो सामित हैं जो सामित है। जो सामित हैं ज | गृह तथा अन्य प्रवस भूमि ""वर्तमान मृत्य प्रांत हैं और उसका ना मेंद्र या जन्म किसी प्रवाह से सम्मित्त का मित्र अप भूमि वर्ग जन्म किसी प्रवाह से सम्मित्त का मित्र अप भूमि किसी प्रवाह से मित्र जिस्सी प्रवाह से मित्र जिस्सी प्रवाह से मित्र जिस्सी प्रवाह से मित्र जिस्सी प्रवाह से मित्र अप मित्र जिस्सी प्रवाह मित्र अप मित्र अप मित्र जिस्सी प्रवाह मित्र जिस्सी मित्र जिस्सी प्रवाह मित्र जिस्सी मित्र जित्र जिस्सी मित्र जिस्स | पृथ् तेथा अन्य पदन भूमि ""वर्तमान मृत्य पर्णात है और उसका मेंद्र भा अन्य दिन्धी प्रकार से प्रमासिक्ष में साम्योतिक अप्राप्त के मेंद्र में मेंद्र में मेंद्र | गृह तथा अन्य भवन भूमि "भवतमान मूल्य पर शासित है और उसका मेंट या अन्य किसी प्रकार से सम्मति से अन्य शिक्त को वार्षिक आप्र सासकीय कर्मजारी से तथा अजन की तार्राख और जिससे बार्षिक आप्र स्था संबंध है अजित की गई हो उसका नाम तथा संबंध है अजित की गई हो उसका नाम तथा संवंध है अजित की गई हो उसका नाम तथा संवंध है (5) (6) (7) | गृह तथा अन्य भवन भूमि "वर्तमान मूल्य पर भारित है और उसका भेट या अन्य किसी प्रकार से सम्मात्ति से आ
शासकीय कर्मचारी से तथा अर्जन की ताराख और जिससे व्यार्थिक आय
स्पा संबंध है अधित की गई हो उसका नाम
तथा व्यार्थित की गई हो उसका नाम
(2) (3) (4) (5) | गृह तथा अन्य भवन भूमि "भवतमान मूल्य पर भारित है और उसका में ट या अन्य किसी प्रकार से सम्मति से अन्य भिक्त को व्यक्ति को वार्रिक आय् सांसक्ति को सम्भित्ति को नाई हो वसका नाम तथा संबंध है अभित्र को नाई हो वसका नाम तथा संबंध है अभित्र को नाम तथा स्वंध के स्वंध को नाम तथा स्वंध के स्वाध को नाम तथा स्वाध के स्वाध को नाम तथा स्वाध के स्वध को नाम तथा स्वाध के स्वाध के स्वाध के स्वाध को नाम तथा स्वाध के स्वाध के स्वाध के स्वाध को नाम तथा स्वाध के स्वाध के स्वाध को स्वाध के स्वध के स्वाध के स्वाध के स्वाध के स्वाध के स्वाध के स्वाध के स्वध के स्वाध के स्वाध के स्वाध के स्वाध के स्वध के स्वाध के स्वाध के स्वध के स्वध के स्वाध के स्वाध के स्वध के स्वध के स्वाध के स्वध के स्व | गृह तथा अन्य भवन भूमि "वर्तमान मूल्य पर भारित है और उसका भेट या जन्य किसी प्रकार से सम्मासि से आ
शासकीय कर्मचारी से तथा अर्जन की तारीख और जिससे व्याधिक आय
स्मा संबंध है अजिंत की गई हो उसका नाम
तथा व्योग
(5) (6) (7) | गृह तथा अन्य भवन भूमि "वर्तमान मूल्य पर भारित है और उसका भेट या अन्य किसी प्रकार से सम्मति से अ
शासकीय कर्मचारी से तथा अर्जन की वार्राख और जिससे वार्षिक आय
स्मा संबंध है अधित की गई हो उसका नाम
(2) (3) (4) (5) (7)
 | गृह तथा अन्य भवन भूमि "भवतमान मूल्य पर भारित है और उसका भेट या अन्य किसी प्रकार से सम्मति से आ
शासकीय कर्मचारी से तथा अजंग की तारीख और जिससे बार्षिक आय
स्या संबंध है अजिंत की गई हो उसका नाम
(2) (3) (4) (5) (5) | गृह तथा अन्य भवन भूमि "अर्वमान मूल्य पर भारित है और उसका भेट या अन्य किसी प्रकार से सम्मानि से आ
शासकीय कर्मचारी से तथा अर्जन की तार्व और जिससे व्याधिक आय
समा संबंध है अजित की गई हो उसका नाम
(2) (4) (5) (7) | गृह तथा अन्य भवन भूमि ैमर्तमन मूल्य पर भारित है और उसका भेट या अन्य किसी प्रकार से सम्मति से अ
शासकीय कर्मचारी से तथा अर्जन की तार्व और जिससे कार्यिक आय
स्मा संबंध है अधित की गई हो उसका नाम
(2) (3) (4) (5) | गृह तथा अन्य भवन भूमि "भवतमान मूल्य पर शासित है और उसका भेट या अन्य किसी प्रकार से सम्मति से अन्य शासकीय कर्मचारी से तथा अर्जन की तारीख और जिससे वार्षिक आय् समा संबंध है अधित की गई हो उसका नाम तथा संबंध है अधित की गई हो उसका नाम तथा स्वंध है अधित की गई हो उसका नाम तथा स्वंध है (5) | गृह तथा अन्य भवन भूमि ""वर्तमान मूल्य पर थारित है और उसका भेट या अन्य किसी प्रकार से सम्मति से अन्य शिक्त को वार्त को वार्ष के आय समा संबंध है अजिन को गाँव को वार्ष के अपन मान तथा स्वंध है अजिन को गाँव को वार्ष को वार् | गृह तथा अन्य भवन भूमि "कितमान मूल्य पर धारित है और उसका मेंट या अन्य किसी प्रकार से सम्मति से अन्
शासकीय कर्मवारी से तथा अर्जन की तार्ज और जिससे वार्षिक आय
प्या संबंध है अजित की गई हो वसका नाम
(2) (3) (4) (5) (7)
 | गृह तथा अन्य भवन भूमि "अर्वमान मूल्य पर भारित है और उसका भेट या अन्य किसी प्रकार से सम्मानि से आ
शासकीय कर्मचारी से तथा अर्जन की तारीख और जिससे व्याधिक आय
स्मा संबंध है अजिंत की गई हो उसका नाम
(2) (4) (5) (7) | गृह तथा अन्य भवन भूमि "वर्तमान मूल्य पर भारित है और उसका भेट या अन्य किसी प्रकार से सम्मति से अ
शासकीय कर्मचारी से तथा अर्जन की ताराख और जिससे वार्षिक आय
स्या संबंध है अधित की गई हो उसका नाम
(2) (5) | गृह तथा अन्य भवन भूमि "भवतमान मूल्य पर शाहित है और उसका भेट या अन्य किसी प्रकार से सम्मति से आ
शाहित कर्मणारी से तथा अजन की तारीख और जिससे बार्षिक आय
स्मा संबंध है अजित की गई हो उसका नाम | गृह तथा अन्य भवन भूमि "क्तमान मूल्य पर भारित हैं और उसका भेट या अन्य किसी प्रकार से सम्मति से अन्य भवन भिन्न पर भारकार से सम्मति से आधिक आय विश्व किसी प्रकार से सम्मति से आधिक आय स्था संबंध है अजित की तांत्र और जिससे बार्षिक आय | गृह तथा अन्य भवन भूमि "अर्वमान मृत्य पर भारित है और उसका भेट या अन्य किसी प्रकार से सम्मानि से आ
शासकीय कर्मचारी से तथा अर्जन की तारीख और जिससे बार्षिक आय
स्मा संबंध है अर्जित की गई हो उसका नाम
तथा व्या
 | गृह तथा अन्य भवन भूमि "वर्तमान मृत्य पर भारित है और उसका भेट या अन्य किसी प्रकार से सम्मात्ति से आर्थ अप भारत है और उसका भेट या अन्य किसी प्रकार से सम्मात्ति से आर्थ सम्भाति है। तथा अर्जन की तारीख और जिससे वार्षिक आय स्मा संबंध है अर्जित की गई हो उसका नाम हथा स्वार्थ है अर्जित की गई हो उसका नाम | गृह तथा अन्य भवन भूमि "भवतमान मूल्य पर भारित है और उसका भेट या अन्य किसी प्रकार से सम्मति से अन्य भार भार कांचिक आय
शासकीय कर्मचारी से तथा अर्जन की तार्राख और जिससे वार्षिक आय
स्मा संबंध है अर्जित की गई हो उसका नाम | गृह तथा अन्य भवन भूमि "भवतमान मूल्य पर भारित है और उसका भेट या अन्य किसी प्रकार से सम्मति से आ
शासकीय कर्मचारी से तथा अर्जन की वारिख और जिससे बार्यिक आय
स्या संबंध है अर्जित की गई हो उसका नाम | गृह तथा अन्य भवन भूमि "भवतमान मृत्य पर भारित है और उसका में या अन्य किसी प्रकार से सम्पत्ति से अन्य सिक आय शासकीय कर्मचारी से तथा अजन की तारीख और जिससे बाविक आय प्या संबंध है अजित की गई हो उसका नाम तथा स्वांध है | गृह तथा अन्य भवन भूमि "क्तमान मूल्य पर भारित हैं और उसका मेंट या अन्य किसी प्रकार से सम्मति से अन्
शासकीय कर्मचारी से तथा अर्जन की तारीख और जिससे बार्षिक आय
स्पा संबंध है अर्जित की गई हो उसका नाम
 | गृह तथा अन्य भवन भूमि "वर्तमान मृत्य पर भारित है और उसका भेट या अन्य किसी प्रकार से सम्मासि से आ
शासकीय कर्मचारी से तथा अर्जन की तारीख और जिससे बार्षिक आय
स्या संबंध है अजिंत की गई हो उसका नाम | गृह तथा अन्य भवन भूमि "भवतमान मृत्य पर भारित है और उसका भेट या अन्य किसी प्रकार से सम्मति से आ
शासकीय कर्मचारी से तथा अर्जन की वारिख और जिससे बार्षिक आय
स्या संबंध है अर्जित की वारिख और जिससे | गृह तथा अन्य भवन भूमि "भवतमान मूल्य पर भारित है और उसका भेट या अन्य किसी प्रकार से सम्पत्ति से अन्य सिकार से सम्पत्ति से आप अन्य की वारी खे और जिससे बार्षिक आप प्रणा संबंध है अजिंत की गई हो उसका नाम | गृह तथा अन्य भवन भूमि "क्तमान मृत्य पर भारित हैं और उसका मेंद्र या अन्य किसी प्रकार से सम्मति से अन्य सिकार से सम्मति से अन्य किसी प्रकार से सम्मति से अन्य अन्य किसी प्रकार से सम्मति से अन्य किसी कारिक आय स्वास्कीय कर्मचारी से तथा अर्जन की तारीख़ और जिससे बार्षिक आय स्वास्थिय है अर्जित की गई हो उसका नाम | गृह तथा अन्य भवन भूमि ""वर्तमान मृत्य पर भारित है. और उसका में द या अन्य किसी प्रकार से सम्मात्ति से अन्य स्था
शासकीय कर्मचारी से तथा अर्जन की तारीख और जिससे वार्षिक आय
 | गृह तथा अन्य भवन भूमि "वर्तमान मृत्य पर भारित है और उसका भेट या अन्य किसी प्रकार से सम्मति से आरित है और उसका भेट या अन्य किसी प्रकार से सम्मति से आरिकार के शासकीय कर्मचारी से तथा अर्जन की तारीख और जिससे वार्षिक आय | गृह तथा अन्य भवन भूमि "भवतमान मृत्य पर भारत है और उसका भेट या अन्य किसी प्रकार से सम्पत्ति से
शासकीय कर्मचारी से तथा अजैन की तारोख और जिससे बाधिक आय | | मार्थित की नाम तथा ज्यार | सम्पाद का नाम तथा ब्याह | सम्पत्तिका नाम नेपा क्योरे
 | सम्पति का जाम तथा क्योरे | सम्पत्ति का नाम तथा ब्योरि | सम्पत्तिका नाम तथा ब्योरे | सम्पत्तिका नाम तथा ब्योरे
 | सम्पत्ति का नाम तथा ब्योरि | सम्पत्ति का नाम तथा ब्योरि | सम्मतिका नाम तथा ब्योरि | सम्मतिका नाम तथा ब्योरि | सम्पत्ति का नाम तथा ब्योरि
 | सम्मतिका नाम तथा ब्योरि | सम्पत्ति का नाम तथा ब्योरि | सम्पत्ति का नाम तथा ब्योरि | सम्पत्ति का नाम तथा ब्योरि | सम्मतिका नाम तथा ब्योरि
 |
| गृह तथा अन्य पवन भूमि "वर्तमा मूल्य पर भारत है, और उसका भर मान्य किसी प्रकार में सम्मित्र में अपना मिल्य अपना किसी प्रकार में सम्मित्र में अपना मे | ाह तथा अन्य भवन भूमि "वर्तना मूल्य पर धारत हैं और दसका में द पा अन्य किसी प्रकार में सम्माति से व्याप्त के में द पा अन्य किसी प्रकार में सम्माति से व्याप्त के में स्वाप्त के सम्माति से व्याप्त के सम्माति से व्याप्त के सम्माति से व्याप्त के सम्माति से व्याप्त का सम्माति से व्याप्त का सम्माति से व्याप्त का से व्याप्त का से व्याप्त सिमी के सन्द में द लाभा मूल्य बत्ताया जार। | ाह तथा अन्य भवन भूमि "वर्तना मूल्य प्राप्त कि के क्ष्र कि क्षा कि मान मूल्य कि तामा म | गृह तथा अन्य भवन भूमि "वर्तमान मूल्य पर धारित हैं और उसका ने सम्माति से आप अन्य भवन भवन भूमि "वर्तमान मूल्य पर धार्मित हैं और उसका निर्मा अन्य सिक्त मिल्य ने मिल्य को मिल्य ने स्था न | गृह तथा अन्य भवन भूमि ""वर्तमान मूल्व पर भारत हैं और उसका निर्मा के मान्तिक आप मान्तिक आप मान्तिक आप अन्य भवन भूमि मान्तिक आप अन्य निर्मा भवन निर्मा की निर्मा अन्य निरम् मान्तिक आप अन्य निरम् मान्तिक अन्य निरम्भ भाविक अन्य निरम्भ मान्तिक अन्य निरम्भ भाविक अन्य निरम्भ मान्य निरम भाविक अन्य न | गृह तथा अन्य भवन भूमि "वर्तमान मूल्य प्रभाव है और उसका में द या अन्य किन्दी प्रकार से सम्मापि से साम्कापि कर्मा अपने कर्मा कर्म कर्मा कर्म कर्मा कर्म कर्मा कर्म कर्म कर्म कर्म कर्म कर्म कर्म कर्म | गृह तथा अन्य भवन भूमि "वर्षमान मृत्य पर धारत हैं, और उसका में सम्मामि से सम्मामि स | गृह तथा अन्य भवत भूमि "वर्ताम मृत्य पर भारत है, और उसका मेर पा अपन्य किसी प्रकार में सम्मिति में अप भारत है, जी उसका मेर पा अपने किसी प्रकार में सम्मिति में अप अपने किसी प्रकार में सम्मिति में अपने अपने अपने किसी प्रकार में सम्मिति में अपने अपने किसी प्रकार में सम्मिति में अपने अपने किसी प्रकार में सम्मिति में अपने अपने अपने किसी प्रकार में सम्मिति में अपने अपने अपने अपने अपने अपने अपने अपने | गृह तथा अन्य भवत भूमि "वर्तामा मूच्य पर भारत है, जीर उसका में कर्ता प्रदर्श, बेफक, बिरासत सम्मित्त अन्य मंत्र कर्म कर्ता प्रकार में सम्मित्त में मार्थिक और जिया है। वर्ष में तो ते त्र जी मार्थिक आप कर्म कर्म कर्म कर्म कर्म कर्म कर्म कर्म | ज़ तथा अन्य भवन भूमि "वर्षमान मृत्य पर भारत हैं और उसको में दे यो अन्य किसके, विसासत में पर भारत हैं और उसको में दे यो अन्य किसी प्रकार है सम्मित्त में तथा अन्य किसी प्रकार है तथा अन्य किस
 | जुह तथा अन्य भवन भूमि "धर्मान मृत्य पर भारत है और उसको में दे यो अन्य किन्दी किमी स्वार् है और असको में दे यो अन्य किमी स्वार हो सम्मित्त में सारकोय किमी स्वार अने में तारीख और विस्त हो समित आप अने में तारीख और विस्त मान वार्षिक आप क्या स्वेषण है अप अने में हो उसका मान वार्षिक आप त्या स्वेषण है अप व्याप्त मान वार्षिक आप त्या स्वेषण है अप वार्षिक आप वार्ष्क आप वार्षिक आप वार्ष्क आप वार्षिक आप वार्ष्य वार्ष्य वार्षिक आप वार्ष्य वार्ष्य व | गृह तथा अन्य भवत भूमि " चर्तमान मृत्य पर भारत हैं और उसकी भेद या अन्य किसी के मार मार किसी के मार मार किसी के मार किसी की उसकी मान किसी किसी किसी किसी किसी किसी किसी किसी | गृह तथा अन्य भवन भूमि "वर्तमान मृत्य पर भारित हैं और उसका मेंट या अन्य किसी प्रकार से सम्मासि से अम्मासि से सम्मासि स्मासिक आयो स्मासिक आयो समासिक आयो (३) (३) (३) (३) (१) | गृह तथा अन्य भवन भूमि "कर्तमान मृत्य पर भारित है और उसका भेट या अन्य किसी प्रकार से सम्मासि से आर्था अप भारित है और उसका भेट या अन्य किसी प्रकार से सम्मासि से आर्था अप भारित की वार्ष के सम्भासि से सम्मासि से अप शासिक आप सामिक आप समा संबंध है अप समा संबंध है अप स्पार की वार्ष की वार्ष की वार्ष की वार्ष की वार्ष के आप समिक आप समा संबंध है अप स्पार की वार्ष की वार्ष की वार्ष की वार्ष की वार्ष के आप समिक आप समा संबंध है अप स्पार की वार्ष की वार्ष की वार्ष की वार्ष की वार्ष के अप समा समिक आप समा समिक समिक आप समा समिक समिक समिक समिक आप समिक समिक समिक समिक समिक समिक समिक समिक | गृह तथा अन्य भवन भूमि "वित्मान मृत्य पर भारित है. जीर उसका मेंट या अन्य किसी प्रकार से सम्मास से अम्मास से सम्मास सांस्कीय कर्मचारी से तथा अर्जन की गारी ज सांस्क आय समा संकाय है अजिंत की गाई हो उसका नाम तथा स्वाय है अजिंत की गाई हो उसका नाम तथा स्वाय है अजिंत की गाई हो उसका नाम तथा स्वाय से सिंग है हो (६) (७) (७) | गृह तथा अन्य भवन भूमि "भवतमान मृत्य पर भारित है और उसका भेट या अन्य किसी प्रकार से सम्मासि अज
सासकीय कर्मजारी से तथा अर्जन की वारीख और जिससे
स्मा संबंध है अर्जन की वारीख और जिससे
स्मा संबंध है अर्जन की वारीख और जिससे
स्मा संबंध है अर्जन की वारीख आप | गृह तथा अन्य भवन भूमि "वर्तमान मूल्य पर भारित हैं, जीर उसका मेंट या ज्यन्य किसी प्रकार से सम्मासि से अभ
शासकीय कर्मचारी से तथा अर्जन की तारीख और
जिस्से
स्मा संबंध है अर्जित की गांध और जिस्से बार्षिक आय्
स्मा संबंध है अर्जित की गांध हो उसका नाम
(2) (4) (5) (7) | गृह तथा अन्य भवन भूमि "वर्तमान मृत्य पर भारित हैं और उसका मेंट या अन्य किसी प्रकार से सम्मासि से अम्र सम्मासि से सम्मासि से सम्मासि से सम्मासि से सम्मासि सम्मासि अम्र या अर्जन की गारीख और जिससे वार्षिक आय समासिक आयो समासिक समासिक आयो समासिक समासिक आयो समासिक समासिक आयो समासिक समासिक समासिक आयो समासिक समासिक समासिक समासिक आयो समासिक समा | गृह तथा अन्य भवन भूमि "भवतमान मूल्य पर भारित है और उसका भेट या अन्य किसी प्रकार से सम्मासि स
सासकौय कर्मजारी से तथा अर्जन की वारीख और जिससे सार्किक आय
स्मा संबंध है अर्जित की गाँह हो उसका नाम
(2) (3) (4) (5) (7) | गृह तथा अन्य भवन भूमि "वर्तमान मूल्य पर भारित है. जीर उसका मेंट या ज्यन्य किसी प्रकार से सम्मासि से अम
शासकीय कर्मचारी से तथा अज्ञन की तारीख और जिससे बार्सिक आय
प्या संबंध है अजिंत की गई हो उसका नाम
(2) (3) (4) (5) (7) | गृह तथा अन्य भवन भूमि "वर्तमान मूल्य पर भारित है. जीर उसका मेंट या अपन्य किसी प्रकार से सम्मासि से अभ
शासकीय अनंवादी से तथा अज्ञ किसी प्रकार से सम्मासि से
सासकीय अनंवादी से तथा अर्जन की तारीख और जिससे
समा संबंध है अजिंत की गई हो उसका नाम
(2) (3) (4) (5) (7) | गृह तथा अन्य भवन भूमि ""वर्तमान मृत्य पर भारित है, और उसका मेंट या अन्य किसी प्रकार से सम्मात्ति से अभ
शासकीय कर्मचारी से तया अर्जन की तारीख और जिससे वार्षिक आय
स्मा संबंध है अजिंत की गई हो उसका नाम
(2) (3) (4) (5) | गृह तथा अन्य भवन भूमि "भवतमान मृत्य पर भारित है और उसका भेट या अन्य किसी प्रकार से सम्मान्ति से अभ
शासकीय कर्मचारी से तथा अर्जन की वारीख और जिससे
स्मा संबंध है अधित की गाँह हो उसका नाम
स्मा संबंध है अधित की गाँह हो उसका नाम
(2) (3) (4) (5)
 | गृह तथा अन्य भवन भूमि "कर्तमान मूल्य पर भारित है और उसका भेट या अन्य किसी प्रकार से सम्मासि से अप्र
शासकीय कर्मचारी से तथा अर्जन की तार्राख और जिससे वार्षिक आय
स्मा संबंध है अर्जित की गाँह हो उसका नाम
(2) (3) (4) (5) (7) | गृह तथा अन्य भवन भूमि "कर्तमान मूल्य पर भारित है और उसका भेट या अन्य किसी प्रकार से सम्मति से आप शासकीय कर्मचारी से तथा अजन की तारीख और जिससी वार्षिक आप सार्थिक है। अभिक आप स्मार्थिक से अजित की गई हो उसका नाम समिक आप स्मार्थिक है। अजित की गई हो उसका नाम तथा संबंध है अजित की गई हो उसका नाम तथा संबंध है (६) | गृह तथा अन्य भवन भूमि "वर्तमान मृत्य पर भारित है. और उसका मेंट या अन्य किसी प्रकार से सम्मासि से अभ
शासकीय कर्मचारी से तथा अर्जन की तारीख और जिससे बार्षिक आय
स्मा संबंध है अजिंत की गई हो उसका नाम | गृह तथा अन्य भवन भूमि "भवतमान मृत्य पर भारित है और उसका भेट या अन्य किसी प्रकार से सम्मान्ति स
शासकौय कर्मचारी से तथा अर्जन की तारीख और जिससे आध्र
समा संबंध है अर्जित की गई उसका नाम | गृह तथा अन्य भवन भूमि "वर्तमान मूल्य पर भारित है और उसका भेट या अन्य किसी प्रकार से सम्मासि से आप
शासकीय कर्मचारी से तथा अर्जन की वारिख और जिससे आप
स्या संबंध है अर्जित की गई हो उसका नाम
 | बतलाइय कि सके नाम *** खरीद, पट्टा, बंपक, विरासत
गृह तथा अन्य फिसी प्रकार से सम्मास स
शासकीय कर्मचारी से तथा अर्जन की तारीख और जिससे वार्षिक आय
स्मा संबंध है अजिंत की गई हो उसका नाम | बतलाइय कि सके नाम *** खरीद, पट्टा, बंपक, विरासत
गृह तथा अन्य किसी प्रकार से सम्पत्ति से
शासकीय कर्मचारी से तथा अर्जन की तारीख और जिससे बार्षिक आय
स्या संबंध है अजिंत की गई हो उसका नाम
तथा स्यांस | गृह तथा अन्य भवन भूमि "वर्तमान मृत्य पर भारित है. जीर उसका मेंट या अन्य किसी प्रकार से सम्मासि से अन
शासकीय कर्मचारी से तथा अर्जन की तारीख और जिससे
स्या संबंध है अजिंत की गई हो उसका नाम | गृह तथा अन्य भवन भूमि "वर्तमान मृत्य पर भारित है. और उसका भेंट या अन्य किसी प्रकार से सम्मासि से अभ
शासकीय कर्मचारी से तथा अर्जन की तारीख और जिससे वार्षिक आय
स्या संबंध है अजिंत की गई हो उसका नाम | गृह तथा अन्य भवन भूमि "भवतमान मृत्य पर भारित है और उसका भेट या अन्य किसी प्रकार से सम्मासि से
शासकीय कर्मचारी से तथा अर्जन की तारीख और जिससे जार्थ
समा संबंध है अर्जित की गई हो बसका नाम
 | बृह तथा अन्य भवन भूमि "वितेमान मूल्य पर भारित है और उसका भेट या अन्य किसी प्रकार से सम्मति से आर्थिक आय
शासकीय कर्मचारी से तथा अर्जन की तारीख और जिससे बार्षिक आय
स्मा संबंध है अर्जित की गई हो उसका नाम | गृह तथा अन्य भवन भूमि "मैदमान मूल्य पर भारित है और उसका भेट या अन्य किसी प्रकार से सम्मति से आ
शासकीय कर्मचारी से तथा अर्जन की तारीख और जिससे कार्षिक आय
स्मा संबंध है अधित की गई हो उसका नाम | गृह तथा अन्य भवन भूमि "वर्षमान मृत्य पर भारित है. और उसका भेंट या अन्य किसी प्रकार से सम्मासि से अभ
शासकीय कर्मचारी से तथा अर्जन की तारीख और जिससे वार्षिक आय
समा संबंध है अजित की गई हो उसका नान | बतलाइय किसके नाम ***बरीत, पट्टा, बंधक, विरासत
गृह तथा अन्य भवन भूमि **वर्तमान मृत्य पर भारत है और उसका भेट या अन्य किसी प्रकार से सम्मान्ति से
शासकीय कर्मजारी से तथा अर्जन की वारीख और जिससे वार्षिक आय
समा संबंध है अर्जित की गई हो उसका नाम | बतलाइय कि सके नाम *** बतीद, पट्टा, बंपक, विरासत
गृह तथा अन्य फिसी प्रकार से सम्मास से
शासकीय कर्मचारी से तथा अर्जन की वारीख और जिससे वार्षिक आय
स्या संबंध है अजिंत की गई हो उसका नाम
 | गृह तथा अन्य भवन भूमि "कर्तमान मूल्य पर भारित है और उसका भेट या अन्य किसी प्रकार से सम्मासि से अन
शासकीय कर्मचारी से जया अर्जन की तारीख और जिससे कार्यिक आय | बतलाइय किसके नाम ***बरीद, पट्टा, बंधक, विरासत,
गृह तथा अन्य भवन भूमि **वर्तमान मृत्य पर भारित है. और उसका भेंट या अन्य किसी प्रकार से सम्मासि से
शासकीय कर्मचारी से तथा अर्जन की तारीख और जिससे बार्षिक आय | | नार्वा का नाम वस्ता क्यार | सम्भाव की जान तथा ब्याह
 | | सम्पति का जान तथा भीते | सम्पत्तिका जाम तथा क्योरि | सम्पत्तिका नाम नेपा क्योरे | सम्पत्तिका नाम नेपा क्योरे
 | सम्पत्तिका नाम तथा क्योरि | सम्पत्तिका नाम तथा क्योरि | सम्मिक्त नाम तथा म्योरे | सम्मिक्त नाम तथा म्योरे | सम्पत्तिका नाम तथा क्योरि
 | सम्मिक्त नाम तथा म्योरे | सम्पत्तिका नाम तथा क्योरि | सम्पत्तिका नाम तथा क्योरि | सम्पत्तिका नाम तथा क्योरि | सम्मिक्त नाम तथा म्योरे
 |
| गृह तथा अन्य भवन भूमि "कहानिम मूल्य प्रभारित हैं और उसको मेर या ज्यन किसी प्रकार ने सामित आप अन्य भवन किसी प्रकार ने सामित आप अन्य भवन की ग्रांक और किसमे मार्थ का अन्य की ग्रांक और का अन्य की | गृह तथा अन्य पदन भूमि "वर्तमा मृत्य पर भारित हैं और उसका मेंट या अन्य किसी मृत्य मुन्द मिला मृत्य पर भारित हैं और उसका मेंट या अन्य किसी मृत्य मुन्द मिला मृत्य अन्य किसी मृत्य मुन्द मिला मृत्य किसी मृत्य किसामा किसामा मृत्य किसामा म | गृह तथा अन्य थवन भूमि "वर्तमा मृत्य मुभाव है और उत्तक में द्या अन्य किसी मृत्य मुभाव है जोर उत्तक में द्या अन्य किसी मृत्य मुभाव है और उत्तक में द्या अन्य किसी मृत्य किसी मृत्य किसी किसी है जाय अन्य किसी किसी है मृत्य किसी है मृत्य किसी किसी है मृत्य केसी हो को | गृह तथा अन्य पदन भूमि "चर्तना मृत्य पं भूमि हैं हैं। तेरकां में देयां अन्य किसी प्रकार में स्मिति हैं और उसकां में देयां अन्य किसी प्रकार में साधिक आयों असि किसी प्रकार में साधिक आयों असि किसी प्रकार में साधिक आयों असि किसी हैं। (7) (4) (5) (5) (6) (7) (7) | गृह तथा अन्य थवन भूमि ""व्हामि मूच्य पर धारित हैं और उसका में दे या अन्य किस्सों में अप मित्र हैं और उसका में दे या अन्य किसी प्रकार से सम्मित्र हैं और उसका में दे या अन्य किसी प्रकार से सामित्र अप स्मित्र के भी वार्य अपीर किसी में में वार्य किसी प्रकार में वार्य किसी प्रकार में वार्य किसी प्रकार में वार्य किसी किसी में वार्य में वार्य किसी किसी किसी में वार्य में वार्य में वार्य में वार्य में वार्य में वार्य किसी किसी किसी किसी में वार्य में वार्य में वार्य में वार्य में वार्य किसी किसी किसी किसी में वार्य में वार्य में वार्य किसी किसी किसी किसी में वार्य में वार्य में वार्य में वार्य किसी किसी किसी किसी किसी में वार्य में वार्य में वार्य में वार्य किसी किसी किसी किसी किसी किसी में वार्य में वार्य में वार्य में वार्य किसी किसी किसी किसी किसी किसी में वार्य में वार्य में वार्य में वार्य में वार्य में वार्य किसी में वार्य मे | ्राह तथा अन्य थवन भूमि "कार्का कि का कि का किस्के नम "उपोर, प्रट्या, चंपक, विरास, समिति है और उसको भी कार से समिति है आ अन्य किसी प्रकार से समिति है आ अन्य किसी कार से कार्का कार्य क | ्राह तथा अन्य थवन भूमि "कतमान मूच्य पर भारित हैं और उसको मेरिट मा जन्म किसी प्रकार से प्रमानि से अप
पर भारकोय क्रमचारी से जाग अनेत की गांवत और जिससी जासिक आय
पर्या संबंध है जाग अनेत की गांवत और जिससी जासिक आय
पर्या संबंध है (5) (5) (6) (7) | ाह तथा अन्य पवन भूमि "वितास कि वह किसके नाम "चैताद प्रद्या में कर वितास में समिति में अन्य प्रवास में स्वितास में समिति में अन्य अन्य किसी प्रवास में समिति में अन्य अन्य किसी प्रवास में समिति में अन्य अन्य किसी प्रवास में समिति अन्य अन्य अन्य अन्य अन्य अन्य अन्य अन्य | ाह तथा अन्य पवन भूमि "वितास कि वह किसके नाम "'कर्ताए प्रदा, बंधक, विरासत, सम्मित के आ
प्राथम अन्य पवन भूमि के विरास कर्मा के कि कि कि कि कि कि कि कि कि आ
प्राथम के कि कि कि कि कि कि कि कि आ
प्राथम के कि
 | ाह तथा अन्य भवत भूमि "कतिगामूच्य प्रभावित है और वसका में प्रथा जनवा किसी प्रकार ने सम्मानि से अन्य जनवा किसी प्रकार ने सम्मानि सम्मानि के आप अर्थन की गोवित और जिसमे व्यास्कार के आप अर्थन की गोवित और जिसमे व्यास्कार में अर्थन की गोवित और जिसमे वार्थित आप ज्यार की गोवित और जिसमे वार्थित आप ज्यार की गोवित और जिसमे वार्थित आप ज्यार (3) (4) (5) (5) (7) | गृह तथा अन्य थवन भूमि ** कामान मृत्यु पर धोति हैं और उसका में पर भा अन्य किन्त किन्य किन् | गृह तथा अन्य भवत भूमि "" विमान मृत्यु पर भारित है और उसका में व्याप्त पर भारित है और उसका में व्याप्त में व्याप में व्याप्त में व्याप में व्याप में व्याप में व्याप में व्याप में व्याप म | गृह तथा अन्य भवन भूमि "" वर्तमान मूल्य पर भारित है और उसका मेंट या ज्यन्य किसी प्रकार से सम्मित से आ
शासकीय कर्मचारी से तथा अर्जन की तारीख और जिस्सी
स्मा संबंध है अधित की गई हो उसका नाम
स्या संबंध है अधित की गई हो उसका नाम
(2) (3) (4) (5) (7) | गृह तथा अन्य भवत भूमि ""वर्तमान मूल्य पर भारित हैं. और उसका मेंट या अन्य विस्ती प्रकार से सम्मात्ति से आप सारिक आप सारिक आप समारिक आप स | गृह तथा अन्य भवन भूमि "क्तिमान मूल्य पर भारित है और उसका मेंट या अन्य किसी प्रकार से सम्माप्ति से आ
शासकीय कर्मजारी से तथा अजन की तारीख और जिससे वार्षिक आय्
स्पा संबंध है अजित की गाँ के उसका नाम
स्पा संबंध है अजित की गाँ हो उसका नाम
(2) (3) (4) (5) (5) | गृह तथा अन्य भवन भूमि ""वर्तमान मूल्य पर भारित हैं. और उसका मेंट या अन्य किसी प्रकार से सम्मति से आय
शासकीय कर्मचारी से तथा अर्जन की तारीख और जिससे बार्षिक आय
स्मा संबंध है अंजित की गई हो उसका नाम
स्या संबंध है (6) (7)
 | गृह तथा अन्य भवत भूमि ""वर्तमान मूल्य पर भारित हैं और उसका मेंट या ज्यन्य विस्ती प्रकार से सम्मात्ति से आ
शासकीय अनंबारी से तथा ज्यंत की गई हो उसका नाम
स्या संबंध है अजित की गई हो उसका नाम
तथा व्या (६) (१) | गृह तथा अन्य भवन भूमि "" वर्तमान मूल्य पर भारित है और उसका मेंट या अन्य विस्ती प्रकार में सम्पति से आप भारिक आप सामिक आ | गृह तथा अन्य भवन भूमि ""वर्तमान मूल्य पर भारित हैं.और उसका मेंट या अन्य विस्ती प्रकार से सम्मिति से आप सारित हैं.और उसका मेंट या अन्य विस्ती प्रकार से सम्मिति सार्थिक आप सारिक आप सार्थिक हैं। अभित्य और जिस्सित सार्थिक आप स्मार्थिक से अभित्य की गई हो उसका माम स्मार्थिक से अभित्य की गई हो उसका माम स्मार्थिक से (६) (१) | गृह तथा अन्य भवन भूमि "क्विमान मूल्य पर भारित हैं और उसका मेंट या ज्यन विभाग से सम्मात्ति से आप सारित हैं और उसका मेंट या ज्यन विभाग से सम्मात्ति से आप सारिक आप सारिक आप स्थान्ति के निर्माण से सम्भाति से अप सारिक आप स्थान्ति के निर्माण से अपित की गाई हो उसका नाम स्थान्ति के निर्माण से अपित की गाई हो उसका नाम तथा संबंध हैं अपित की गाई हो उसका नाम तथा संबंध हैं (६) (१) | गृह तथा अन्य भवन भूमि "वर्षमान मूल्य पर भारित हैं और उसका मेंट या अन्य किसी प्रकार से सम्मात्ति में अभ सम्मात्ति में भीर या अन्य किसी प्रकार से सम्मात्ति में अभ सासकीय कर्मचारी से तथा अर्जन की वारीख और जिससे वार्षिक आय स्मार्थ है अधित की गई हो उसका नाम तथा संबंध है अधित की गई हो उसका नाम तथा संबंध है (5) (5) | गृह तथा अन्य भवन भूमि "क्वितान मूल्य पर भारित है और उसका मेंट या अन्य किसी प्रकार से सम्माप्ति से अ
शासकीय कर्मचारी से तथा अर्जन की तारीख और जिससे वार्षिक आय्
स्मार संबंध है अजित की गई हो उसका नाम
स्मार संबंध है अजित की गई हो उसका नाम
(2) (3) (4) (5)
 | गृह तथा अन्य भवन भूमि ""वर्तमान मूल्य पर भारित है और उसका मेंट या अन्य किसी प्रकार से सम्मिति से अभ
शासकीय कर्मचारी से तथा अर्जन की तारीख और जिससे बार्षिक आय
स्मा संबंध है अर्जित की गई हो उसका नाम
(2) (3) (4) (5) (7) | गृह तथा अन्य भवन भूमि ""वर्तमान मूल्य पर धारित हैं और उसका मेंट या अन्य किसी प्रकार से सम्मासि से आ
शासकीय कर्मचारी से तथा अर्जन की तारीख और जिससे बार्षिक आय
प्या संबंध है अजिंत की गई हो उसका नाम
(2) (3) (4) (5) (7) | गृह तथा अन्य भवन भूमि "क्विमान मूल्य पर भारित हैं और उसका मेंट या अन्य किसी प्रकार से सम्मात्ति से आय
शासकीय अनंबारी से तथा अर्जन की तारीख और जिससे कार्यिक आय
स्मान्तिक अनंबारी से अभिंत की गई हो उसका नाम
स्मान्तिक हैं। (३) (४) | गृह तथा अन्य भवन भूमि "वर्तमानमूल्य पर भारित है और उसका भेट या अन्य किसी प्रकार से सम्मासि से आराजन की तारीख और जिससे मार्थिक आय
शासकीय कर्मचारी से तथा अर्जन की तारीख और जिससे मार्थिक आय
स्मा संबंध है अर्जित की गई हो उसका नाम | गृह तथा अन्य भवन भूमि ""वर्तमान मूल्य पर भारित है. और उसका मेंट या अन्य किसी प्रकार से सम्मति से आ
शासकीय कर्मचारी से तथा अर्जन की तारीख और जिससे वार्षिक आय
स्मा संबंध है अजिंत की गई हो उसका नाम
 | गृह तथा अन्य भवन भूमि ""वर्तमान मूल्य पर भारित है. और उसका मेंट या अन्य किसी प्रकार से सम्मत्ति से अन
शासकीय कर्मचारी से तथा अर्जन की तारीख और जिससे ज्ञांय
प्या संबंध है अजिंत की गई हो उसका नाम
तथा व्यांत | गृह तथा अन्य भवन भूमि "क्वरमान मूल्य पर भारित हैं और उसका मेंट या अन्य किसी प्रकार से सम्मत्ति से अभ
शासकीय अनंबाती से तथा अर्जन की तारीख और जिससे कार्यिक आय
स्मा संबंध है अजिंत की गई हो उसका नाम
स्मा संबंध है अजिंत की गई हो उसका नाम | गृह तथा अन्य भवन भूमि "वर्तमान मूल्य पर भारित हैं और उसका मेंट या अन्य किसी प्रकार से सम्मत्ति से आ
शासकीय कर्मचारी से तथा अर्जन की तारीख और जिससे व्यार्थिक आय
स्मा संबंध हैं अर्जित की गई हो उसका नाम | गृह तथा अन्य भवन भूमि "वर्तमान मूल्य पर भारित हैं और उसका भेंट या अन्य किसी प्रकार से सम्मास से अम
शासकीय कर्मचारी से तथा अर्जन की वर्ताख और जिससे वार्षिक आय
समा संबंध हैं अधित की गई हो उसका नाम | गृह तथा अन्य भवन भूमि "भवतमान मूल्य पर भारित हैं और उसका भेट या अन्य किसी प्रकार से सम्मान से
शासकीय कर्मचारी से तथा अर्जन की वारिख और जिससे वार्षिक आय
स्मा संबंध है अजित की गई हो उसका नाम
 | गृह तथा अन्य भवन भूमि ""वर्तमान मूल्य पर भारित है. और उसका मेंट या अन्य किसी प्रकार से सम्मति से आ
शासकीय कर्मचारी से तथा अर्जन की तारीख और जिससे वार्षिक आय
स्मा संबंध है अजिंत की गई हो उसका नाम | गृह तथा अन्य भवन भूमि "क्वरमान मूल्य पर भारित हैं और उसका मेंट या अन्य विस्ती प्रकार से सम्मत्ति से अभ
शासकीय कर्मचारी से तथा अर्जन की तारीख और जिससे बार्षिक आय
स्या संबंध है अजिंत की गई हो उसका नाम | गृह तथा अन्य भवन भूमि "वर्षमान मूल्य पर भारित है और उसका भेट या अन्य किसी प्रकार से सम्मास से अम
शासकीय कर्मचारी से तथा अर्जन की वाराख और जिससे बार्षिक आय
स्मा संबंध है अधित की वाराख और जिससे | गृह तथा अन्य भवन भूमि "भवतमान मूल्य पर भारित है और उसका भेट या अन्य किसी प्रकार से सम्मास से
शासकीय कर्मचारी से तथा अर्जन की वारिख और जिससे बार्षिक आय
स्मा संबंध है अजित की गई हो उसका नाम | गृह तथा अन्य भवन भूमि "क्तिमान मूल्य पर भारित है और उसका मेंट या अन्य किसी प्रकार से सम्मति से अम
शासकीय कर्मचारी से तथा अर्जन की तारीख और जिससे वार्षिक आय
स्थासकीय कर्मचारी से तथा अर्जन की तारीख और जिससे वार्षिक आय
 | गृह तथा अन्य भवन भूमि ""वर्तमान मूल्य पर भारित है. और उसका मेंट या अन्य किसी प्रकार से सम्मति से अभ
शासकीय कर्मचारी से तथा अज्ञन की तारीख और जिससे बार्षिक आय
समा संबंध है अजिंत की गई हो उसका नाम | गृह तथा अन्य भवन भूमि "वर्षमान मूल्य पर भारित है और उसका मेंट या अन्य किसी प्रकार से सम्मत्ति से आय | गृह तथा अन्य भवन भूमि "भवतमान मूल्य पर धारित है और उसका भेट या अन्य किसी प्रकार से सम्मास से
शासकीय कर्मचारी से तथा अजन की तारीख और जिससे बार्षिक आय | | | या जात मान
 | | | मिल माम के मिल के म | निर्मात प्राप्त के मिन
 | निर्मात प्राप्त के मिन | मिल का प्राप्त के किया थी | मिल का प्राप्त के किया थी | मिल का प्राप्त की किया थी है . | मिल का प्राप्त की किया थी है .
 | मिल का प्राप्त के किया थी | मिल का प्राप्त की किया थी है . | मिल का प्राप्त के किया थी | मिल का प्राप्त के किया थी | मिल का प्राप्त के किया थी
 | मिल का प्राप्त की किया थी है . |
| गृह तथा अन्य भवत भूमि **वर्तमान मून्य पर भारत है, और उसका मेट या ज्या हिन्स में प्रवाद से प्राप्ति है, और उसका मेट या ज्या हिन्द आप ज्या में हैं के वरका नाम जातिक आप ज्या मार्थिक आप ज्या में हैं के वरका नाम जातिक आप ज्या है है। (4) (5) (5) (6) (7) | ाह तथा अन्य शक्त भूमि "कर्तना मून्य पर धारीस है और उसका मून्य पर धारीस है और उसका किसी प्रकार से जारिक आप मार्थिक क्षेत्र क्षेत्र का मार्थिक आप मार्थिक क्षेत्र का मार्थिक आप स्वाप्त के क्षेत्र का मार्थिक आप स्वाप्त के क्षेत्र का मार्थिक आप स्वाप्त का मार्थिक आप स्वाप्त का मार्थिक आप स्वाप्त का मार्थिक आप स्वाप्त का का मार्थिक आप स्वाप्त का स्वाप्त का मार्थिक आप स्वाप्त का मार्थिक स्वाप्त का मार्थिक का मार्य का मार्थिक का मार्थिक का मार्थिक का मार्थिक का मार्थिक का मार्थिक का मार्य का मार्थिक का मार्थिक का मार्य का मार्य का मार्थिक क | ाह तथा अन्य शक्त भूमि "कर्वनात मूच्च पर धारित है और उसका में दे या अन्य किस्तो प्रकार से मार्थिक आप में या अन्य किस्तो प्रकार से मार्थिक आप में या अन्य किस्तो प्रकार से मार्थिक आप स्वार्थ है और उसका में या अन्य किस्तो प्रकार से मार्थिक आप स्वार्थ है अपर अपर धार्थ है। व्यक्त किस्तो मार्थ किस्तो किस्ता क्षा मूल्य स्वताय गरा। | ाह तथा अन्य शक्त भूमि "कर्वनात मून्य पर धार्रा है और उसका मून्य पर धार्रा है और उसका मिन्य में दा या अन्य किस्सी प्रकार से ज्ञासिक आप अपने भी वार्षिक आप स्वार्थ है और अपने भी वार्षिक आप स्वार्थ है जी उसका मान ज्ञासिक आप अपने भी वार्षिक आप स्वार्थ है जाय अपने को वार्षिक आप स्वार्थ है जाय अपने हैं जिसका मान ज्ञासिक आप स्वार्थ है जाय अपने हैं जाय स्वार्थ है जाय स्वार्थ हैं | ाह तथा अन्य भवन भूमि "कर्वनान मूच्च पर चारित के होर उसकी भाग भी द पा अन्य किसती प्रकार से सम्माहित्त मान पर चारित के होर उसकी भाग अन्य भी किसती भाग हो वा विके आप स्थाप है और उसकी भाग अन्य स्थाप के प्रकार से ना अन्य स्थाप है जो स्थाप के प्रकार से ना अन्य स्थाप है जो स्थाप के प्रकार से ना अन्य स्थाप है जो स्थाप के प्रकार से सामा स्थाप के स्वाप के स्थाप मुख्य बरहाया आप । | गृह तथा अन्य थवन भूमि ""वर्तमान मूच्च पर भारित हैं और उसका मिन्न प्रकार में सम्पत्ति से अपि हैं और उसका किसी प्रकार में सम्पत्ति से अपि हैं और उसका मिन्न अपि अपि हैं और उसका मिन्न अपि अपि हैं और उसका मान अपि अपि अपि से भी उसका मान अपि अपि अपि से भी उसका मान अपि | गृह तथा अन्य भवत भूमि **धर्तमा मूल्य पर भारत है और उसका मेट या ज्या हिन्ती प्रजार से सम्मित्ती से माराविक आप अन्य भवत हिन्ती प्रजार से सम्मित्ती से नाम ज्ञान हिन्दी प्रजार से नाम ज्ञान हिन्दी प्रजार से नाम ज्ञान हिन्दी ज्ञान समाराविक ज्ञान ज्ञान कि से हो ज्ञान ज्ञान कि ज् | गृह तथा अन्य भवत भूमि ""वर्तनात मूल्य पर धारित है, और उसका में दें भा अन्य किसी प्रकार में सम्पत्ति से आपता कि भा अन्य भवत किसी प्रकार में सम्पत्ति से अभा अन्य में तार्पक और तिरस्ते व्याप्ति से अभा अन्य में तार्पक और तिरस्ते व्याप्ति अभा अन्य में तार्पक अभा अन्य मे | गृह तथा अन्य पवन भूमि "कर्तमान मूल्य पर भारित हैं और उसका मेंट या अन्य किसी प्रकार से सम्माधि से आप अर्थन को गाँउ और विस्ता वार्षिक आप अर्थन को गाँउ और विस्ता मा वार्षिक आप अर्थन को गाँउ और वार्षिक आप अर्थन के गाँउ और वार्षिक आप अर्थन का गाँउ और वार्ष्य मा वार्ष्य का गाँउ और वार्य का गाँ
 | गृह तथा अन्य पवन भूमि "कर्तनात मूल्य पर भारत है और उसका में दे भीर उसका में दे भा ज्यन किसी प्रकार से सम्मित्त का आंत्रकार के ना अपन की तारीख और विस्ति आंत्रक आंत | गृह तथा अन्य पदन भूमि ""वर्तनात मूल्य प्र धारित हैं, और उसका में या अन्य दिस्ती प्रकार से सम्मति से वासकीय कर्मानारी से जाप अंगर विकास में वासकीय कर्मानारी से जाप अंगर विकास में वासकीय अन्य स्वांश है जीर जाप आप अंगर विकास मान | गृह तथा अन्य थवन भूमि "भर्तनार मूल्य पर धारित है और उसका मेंद्र या जन्म किसा कार्य किसा में सम्पत्ति में अप सारित है और उसका मेंद्र या जन्म किसा में सम्पत्ति में सम्पत्ति में सम्पत्ति में सम्पत्ति में सम्पत्ति में सम्पति में अप समित किसा मान जनित की गर्ति को उसका मान जनित को गर्दि हो उसका मान जन्म मंत्रिक में है हो अप स्वीत स्वाप समित समित में समित समित समित समित समित समित समित समित | गृह तथा अन्य भवन भूमि "भवतमान मूल्य पर भारित हैं और उसका भेट या अन्य किसी प्रकार से सम्मति से आर शासकीय कर्मजारी से तथा अजन की तारीख और जिससे बार्षिक आय स्या संबंध है अजित की गई हो उसका नाम तथा संबंध है अजित की गई हो उसका नाम तथा संबंध है अजित की गई हो उसका नाम तथा संवंध है (6) (7) | गृह तथा अन्य भवन भूमि "भवंतान मूल्य पर भारित है और उसका भेट या जन्य किसी प्रकार से सम्मान्ति स
शासकीय कर्नचारी से तथा अर्जन की वारीख और जिससे व्यार्थिक आय्
स्मान्तिक कर्नचारी से अधित की गई हो उसका नाम
स्मान्तिक है अधित की गई हो उसका नाम
(2) (3) (4) (5) | गृह तथा अन्य भवन भूमि "भवतमान मूल्य पर भारित है और उसका भेट या अन्य किसी प्रकार से सम्मति से आया शासकीय कर्मजारी से तथा अर्जन की तारीख और जिससे वार्षिक आया सार्वाय है अधित की गई हो उसका नाम तथा संबंध है अधित की गई हो उसका नाम तथा संबंध है अधित की गई हो उसका नाम तथा संबंध है अधित की गई हो उसका नाम तथा संबंध है अधित की गई हो उसका नाम तथा संबंध है अधित की गई हो उसका नाम तथा स्वंध है अधित की गई हो उसका नाम तथा संबंध है अधित की गई हो उसका नाम तथा संबंध है अधित की गई हो उसका नाम तथा स्वंध है अधित की गई हो उसका नाम तथा स्वंध है अधित की गई हो उसका नाम तथा स्वंध है अधित की गई हो उसका नाम तथा स्वंध है अधित की गई हो उसका नाम तथा स्वंध है अधित की गई हो अधित की गई है अधित की गई हो अधित की गई है अधित की गई | गृह तथा अन्य भवन भूमि ""वर्तमान मूल्य पर धारित है और उसका भेट या जन्य किसी प्रकार से सम्मान्ति आ सामान्ति आ सामान्ति कार्यका को तार्व और जिससे वार्षिक आय समान्त्र कर्मचारी से जागा-अर्जन को तार्व और जिससे वार्षिक आय समान्त्र कर्मचारी से जागान्त्र कर्मचारी के अर्जित की गाई हो उसका नाम तथा संबंध है अर्जित की गाई हो उसका नाम तथा संबंध है (६) (१) (१)
 | गृह तथा अन्य भवन भूमि "भवर्तमान मूल्य पर भारित है और उसका भेट या अन्य किसी प्रकार से सम्मति से आर्था सामिक आय्
सासकीय कर्मचारी से तथा अर्जन की वार्राख और जिससे वार्षिक आय्
प्या संबंध है अधित की वार्राख और जिससे वार्षिक आय् | गृह तथा अन्य भवन भूमि ""वर्तमान मूल्य पर भारित हैं और उसका भेट या अन्य किसी प्रकार से सम्मति से आ
शासकीय कर्मचारी से तथा अजन की तारीख और जिससे बार्षिक आय्
स्मा संबंध है अजित की गई हो बसका नाम
तथा व्यौरा | गृह तथा अन्य भवन भूमि "कर्ताहमें कि वह किसके नाम "" खरीत, पट्टा, बंपक, विरासत
पर भारत है, और उसका भेट या अन्य किसी प्रकार से सम्पत्ति से
शासकीय कर्मचारी से तथा अर्जन की तारीख और जिससे
स्मान्संबंध है अजिंत की गई हो बसका नाम
(2) (3) (4) (5) (7) | गृह तथा अन्य भवन भूमि "भवरंमान मूल्य पर भारित है और उसका भेट या अन्य किसी प्रकार से सम्मात्ति से आर अभिकार से सम्मात्ति से आरक्ति की वार्य और जिससे कार्यिक आय प्रमान्ति के मिला की वार्य और जिससे कार्यिक आय प्रमान्ति के मिला की वार्य और जिससे कार्यिक आय प्रमान्तिक के मिला की वार्य के विस्ता नाम तथा संबंध है अधित की गांचित का नाम तथा स्वंध है (5) (5) (7) | गृह तथा अन्य भवन भूमि "भवतमान मूल्य पर भारित है और उसका भेट या अन्य किसी प्रकार से सम्मति से आ
शासकीय कर्मजारी से तथा अर्जन की तारीख और जिससे वार्षिक आय्
प्या संबंध है अर्जित की गाँउ वसका नाम
(2) (3) (4) (5) (7) | गृह तथा अन्य भवन भूमि ""मर्तमान मूल्य पर भारित है और उसका भेट या अन्य किसी प्रकार से सम्मति से आ
शासकीय कर्मचारी से तथा अन्य की तारीख और जिससे बार्षिक आय
प्या संबंध है अजित की गई हो उसका नाम
(2) (3) (4) (5) (6)
 | गृह तथा अन्य भवन भूमि "" वर्तमान मूल्य पर भारित हैं और उसका भेट या ज्यन्य किसी प्रकार से सम्माति से अभ
शासकीय कर्मचारी से तथा अर्जन की तारीख और जिससे बार्षिक आय
यमा संबंध है अजित की गाई इसका नाम
(2) (3) (4) (5) (7) | गृह तथा अन्य भवन भूमि "कर्ताहमें कि वह किसंके नाम "" खरीत, पट्टा, बंपक, विरासत
पर भारत है और उसका भेट या अन्य किसी प्रकार से सम्पत्ति से
शासकीय कर्मचारी से तथा अर्जन की तारीख और जिससे वार्षिक आय
स्मा संबंध है अजिंत की गई हो बसका नाम
(2) (3) (4) (5) (7) | गृह तथा अन्य भवन भूमि "वर्षमान मूल्य पर भारित है और उसका भेट या अन्य किसी प्रकार से सम्मात्ति से आर्थ भिट या अन्य किसी प्रकार से सम्मात्ति से शासकीय कर्मचारी से तथा अर्जन की वारीख और जिससे वार्षिक आय् स्मार्थ है अर्थित की गई हो उसका नाम तथा संबंध है अर्थित की गई हो उसका नाम तथा संबंध है (६) | गृह तथा अन्य भवन भूमि ""मर्तमान मूल्य पर भारित है और उसका भेट या अन्य किसी प्रकार से सम्मति से आर्थात कर्मणा से तथा अजन की तारीख और जिससे बार्थिक आय्
सासकीय कर्मणारी से तथा अजन की तारीख और जिससे बार्थिक आय्
स्या संबंध है अजित की गई हो उसका नाम | गृह तथा अन्य भवन भूमि ""म्रतमान मूल्य पर भारित है. और उसका मेंट या अन्य किसी प्रकार से सम्मति से आ
शासकीय कर्मचारी से तथा अर्जन की शारिक और जिससे बार्षिक आय
स्या संबंध है अजित की गई हो उसका नाम
 | गृह तथा अन्य भवन भूमि "भवतेमान मूल्य पर धारित है और उसका भेट या अन्य किसी प्रकार से सम्पत्ति से आ
शासकीय कर्मचारी से तथा अर्जन की तारीख और जिससे वार्षिक आय
स्मा संबंध है अजिंत की गई हो बसका नाम
तथा व्या | गृह तथा अन्य भवन भूमि "भवर्तमार मूल्य पर भारित है और उसका भेट या अन्य किसी प्रकार से सम्मान्ति अ
शासकीय कर्मचारी से तथा अर्जन की वारीख और जिससे बार्धिक आय
स्या संबंध है अधित की गई हो उसका नाम
हास संबंध है | गृह तथा अन्य भवन भूमि "भवर्तमान मूल्य पर भारित है और उसका भेट या अन्य किसी प्रकार से सम्मति से आर्था सामिक आय्
शासकीय कर्मचारी से तथा अर्जन की तार्राख और जिससे वार्षिक आय्
प्या संबंध है अधित की गई हो उसका नाम तथा स्वंध है | गृह तथा अन्य भवन भूमि "भवतमान मूल्य पर शासित है और उसका भेट या अन्य किसी प्रकार से सम्मति से आ
शासकीय कर्मचारी से तथा अर्जन की तारीख और जिससे वार्षिक आय
प्या संबंध है अर्जित की गई हो उसका नाम | गृह तथा अन्य भवन भूमि "भवतमार मूल्य पर भारित है और उसका भेट या अन्य किसी प्रकार से सम्पत्ति से आया सांसकाय कर्मचारी से तथा अजन की तारीख और जिससे बार्षिक आय
समासकीय कर्मचारी से तथा अजन की तारीख और जिससे बार्षिक आय
प्या संबंध है अजित की गई हो उसका नाम
 | गृह तथा अन्य भवन भूमि ""वर्तमान मूल्य पर भारित है. और उसका मेंट या अन्य किसी प्रकार से सम्मासि से आप
शासकीय कर्मचारी से तथा अर्जन की तारीख और जिससे वार्षिक आय
स्मा संबंध है अधित की गाँह हो उसका नाम | गृह तथा अन्य भवन भूमि "भवतेमान मूल्य पर भारित है और उसका भेट या अन्य किसी प्रकार से सम्मान्ति अ
शासकीय कर्मचारी से तथा अर्जन की तारीख और जिससे व्यार्थिक आय
स्था संबंध है अजिंत की गई हो उसका नाम | गृह तथा अन्य भवन भूमि "भवतमान मूल्य पर भारित है और उसका भेट या अन्य किसी प्रकार से सम्मति से
शासकीय कर्मचारी से तथा अर्जन की तारीख और जिससे वार्षिक आय
स्या संबंध है अधित की तारीख और जिससे | गृह तथा अन्य भवन भूमि "भैवर्तमान मूल्य पर भारित है और उसका भेट या अन्य किसी प्रकार से सम्पत्ति से आपि आपि स्थारित है और उसका भेट या अन्य किसी प्रकार से सम्पत्ति से आपि शासकीय कर्मचारी से तथा अजैन की तारीख और जिससे बार्षिक आय प्या संबंध है अजिंत की गई हो उसका नाम | गृह तथा अन्य भवन भूमि ""वर्तमान मूल्य पर भारित है. और उसका मेंट या अन्य किसी प्रकार से सम्मित्ति अन
शासकीय कर्मचारी से तथा अर्जन की तारीख और जिससे वार्षिक आय
स्मान्सवंध है अधित की गई हो उसका नाम
 | गृह तथा अन्य भवन भूमि "कैवरिमान मृत्य पर भारित हैं, और उसका मेंट या अज्ञ किसी प्रकार से सम्मात्ति से आधिक आधि
शासकीय कर्मचारी से तथा अर्जन की तारीख और जिससे वार्षिक आध | गृह तथा अन्य भवन भूमि "वर्षमान मूल्य पर भारित है और उसका भेट या अन्य किसी प्रकार से सम्मासि से
शासकीय कर्मचारी से तथा अर्जन की वारीख और जिससे बार्षिक आय | गृह तथा अन्य भवन भूमि "भवतमार मूल्य पर भारित है और उसका भेट या अन्य किसी प्रकार से सम्पत्ति से
शासकीय कर्मचारी से तथा अजन की तारीख और जिससे बार्षिक आय | |
 | | 14 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 | | |
 | | | | |
 | | | | |
 | |
| गृह तथा अन्य भवन भूमि "वर्तमा मृत्य पर भारत हैं, और उसका में महामी में अन्य निवास के महामी में अन्य निवास मान अधित को गई हो वसका मान अधित के महामी में अन्य निवास मान अधित को गई हो वसका मान अधित के महामी में अन्य निवास मान | ाह तथा अन्य भवन भूमि "व्होंगान मून्य पर भारत है और उसका मार ""व्होंगा प्रया है की प्रतास मार | ाह तथा अन्य भवन भूमि "वर्तमान मूल्य प्राप्ता है और उसका मार्जा मुक्त क्या मिल्य के मार्जा के मा | ाह तथा अन्य भवन भूमि "व्हीनार मूल्य पर प्राप्ति हैं और उसका निकास प्राप्ति के | गृह तथा अन्य भवन भूमि "वर्तनार मूल्य प्राप्ता है और उत्तका मान्य ना "" व्याप्त है और उत्यक्त निक्ता मान्य ना म | गृह तथा अन्य भवत भूमि "वर्तमान मूल्य प्राथमित हैं और उत्पन्न निकास प्राप्त में अपन्न विकास में अपने अपने विकास में अपने विकास में अपने विकास में अपने विकास में अपने | गृह तथा अन्य भवन भूमि "वर्तमान मूल्य पर भारत है, और उत्तका में "क्योर, जयन्य किसी प्रकार में सम्मति से जा पर भारत है, और उत्तका में दें या अन्य किसी प्रकार में नाम अर्थन को गार्रव और जिस्सी मान वार्यका में मान अर्थन को गार्रव और जिस्सी मान वार्यका मान वार्यका में के मान्य में को गार्रव और जिस्सी मान वार्यका मान वार्यका मान वार्यका में के मान्य मान वार्यका मान वार | गृह तथा अन्य भवन भूमि "वर्तमान मूल्य पर भारत है, और उसका में पर भारत है, और उसका में निर्मार में मानिस में अपन मिला में मानिस मानेस में मानिस मानेस में मानिस मानेस मानेस में मानिस मानेस | गृह तथा इस्त्य भवत भूमि "वर्तमात मूल्य पर भारत है, और उसका भर या अन्य कि हा, विराज्ञ मार भर या अन्य कि हा, विराज्ञ मार भर या अन्य कि हो हो, विराज्ञ मार मार भर या अन्य कि हो, विराज्ञ मार मार भर या अन्य कि हो, विराज्ञ को पर कि क्या का कि क्या का कि क्या का कि क्या का | गृह तथा अन्य भवत भूमि "चर्तामा मृत्य पर भारत हैं और उसकी मान ""चर्ताम मृत्य पर भारत हैं और उसकी मान सम्मिस आप भारत में हो जान सम्मिस आप भारत में हो हो हो है | गृह तथा अन्य भवन भीमें "वर्तमात्र मूल्य पर भारत हैं और उसकी पर या ज्यन किसी प्रकार में सम्मित मूल पर भारत हैं और उसकी पर या ज्यन किसी प्रकार में सम्मित मूल पर भारत हैं और उसकी मान ज्या अर्जन की तारीख और विस्ते आया आया अर्जन की तारीख और विस्ते आया अर्जन की तारीख अर्जन की तारीख आया अर्जन की तारीख आया अर्जन की तारीख अर्जन की तारीख आया अर्जन की तारीख अर्जन की तारीख आया अर्जन की तारीख अ | गृह तथा उत्तम पवन भूमि "वर्तमान मृह्य प्रशासिक का अंदि मान्य अंदित का व्याप्त का अंदित का अं | बतलाइये कि खंड किसके नाम ""बर्तमान मूल्य पर धारित है, और उसका मेंट या ज्यन्य किसी प्रकार से सम्मात्ति से आधिक आय
शासकीय कर्मचारी से तथा अर्जन की तारीख और जिससे बार्षिक आय
समा संबंध है अंजित की गई हो उसका नाम
तथा व्योग
(2) (3) (4) (5) (5)
 | गृह तथा अन्य भवन भूमि "क्वितान मूल्य पर धारित है और उसका मेंट या ज्यन्य किसी प्रकार से सम्माप्त से आप अंति विश्व किसके नाम मेंट या ज्यन्य किसी प्रकार से सम्माप्त से आप अंति को गाँउ जिस्सी सार्थिक आप सार्थिक है अधिक हो वसका नाम स्वाप है असी की गाँउ वसका नाम तथा स्वाप है असी की गाँउ वसका नाम तथा स्वाप है (६) (१) | गृह तथा अन्य भवन भूमि "क्विमान मूल्य पर धारित हैं, और उसका में प्राप्त के की प्राप्त के भक्त किसके नाम भेंद्र प्राप्त के किसके नाम मेंद्र या अन्य किसके विराध के सम्माति से सम्माति से सम्माति से तथा अर्जन की तार्राख और जिससे वार्षिक आय प्राप्त संबंध है अभित को गांद्र के बसका नाम तथा संबंध है अभित को गांद्र हो उसका नाम तथा स्वंध है अभित को गांद्र हो उसका नाम तथा स्वंध है अभित को गांद्र हो उसका नाम तथा स्वंध है अभित को गांद्र हो उसका नाम तथा स्वंध है अभित को गांद्र हो उसका नाम तथा स्वंध है अभित को गांद्र हो कर्म व्योग स्वंध है अभित कर्म विराध स्वंध है अभित कर्म स्वंध है अभित कर्म स्वंध | गृह तथा अन्य भवन भूमि "क्विमान मूल्य पर भारित हैं और उसका भेंद्र प्रट्टा, बंधक, विरासत, सम्मित्त समित्त | गृह तथा अन्य भवन भूमि ""वर्तमान मूल्य पर धारित है और उसका में न्यान्यन्य किसके नाम ""वर्त्वाद प्रद्धा, बंधक, विरासत, सम्मिति से अभ
शासकाय कर्मचारी से तथा अन्यन्य किसी प्रकार से सम्मिति से
स्या संबंध है जाजित की गाँउ जे उसका नाम
स्या संबंध है अजित की गाँउ जे उसका नाम
(2) (3) (4) (5) (7) | गृह तथा अन्य भवन भूमि ""वर्तमान मूल्य पर भारित हैं, और उसका में द्र्या अवन्य किसी प्रकार से सम्मात्ति से आधिक आय
शासकीय कर्मचारी से तथा अर्जन की तार्राख और जिससे आर्थिक आय
समा संबंध है अंजित की गाँह हो उसका नाम
(2) (3) (4) (5) (5) | गृह तथा अन्य भवन भूमि "वर्तमान मूल्य पर भारित हैं और उसका मेंद्र या अपन्य किसी प्रकार से सम्मात्ति से आधि सम्मात्ति से सम्मात्ति से सम्मात्ति से सम्मात्ति | गृह तथा अन्य भवन भूमि "क्वितमान मूल्य पर धारित है और उसका मिर या ज्यन्य किसके, बिरासत, सम्माति से अभ
शासकीय कर्मचारी से तथा अजन की तारीख और जिससे बार्षिक आय
स्या संबंध है अजित की गई हो उसका नाम
(2) (3) (4) (5) (7)
 | गृह तथा अन्य भवन भूमि ""वर्तमान मूल्य पर धारित है. और उसका में प्राप्त किस्कि माम ""वर्त्ता प्रद्धा, बंधक, विरासत, सम्माति से अभ
शासकीय कर्मचारी से तथा अन्य किसी प्रकार से सम्माति से
सासकीय कर्मचारी से तथा अन्य की तार्राख और जिससे बाधिक आय
स्मा संबंध है अजित की गांह हो बसका नाम
(2) (3) (4) (5) (7) | गृह तथा अन्य भवन भूमि ""वर्तमान मूल्य पर भारित हैं, और उसका मेंट या अन्य विस्ती प्रकार से सम्मति से अभ
शासकीय कर्मचारी से तथा अर्जन की तारीख और जिससे बार्षिक आय
स्या संबंध है अजित की गाँध और जिससे वार्षिक आय
स्या संबंध है अजित की गाँध वेसका नाम
(2) (3) (4) (5) | गृह तथा अन्य भवन भूमि "वर्षमान मूल्य पर भारित है और उसका मेंद्र या अपन्य विस्ती प्रकार से सम्मात्ति से आधिक आय
शासकीय कर्मचारी से तथा अपने की तारीख और जिससे वार्षिक आय
स्या संबंध है अजिंत की गई हो उसका नाम
स्या संबंध है अजिंत की गई हो उसका नाम
(2) (3) (4) (5) (7) | गृह तथा अन्य भवन भूमि "वर्तमान मृत्य पर भारित है और उसका मेंद्र या अन्य किसी प्रकार से सम्मासि से अम्रासकीय कर्मचारी से तथा अर्जन की वर्राख और जिससी मान मिल सांसकीय कर्मचारी से तथा अर्जन की वर्राख और जिससी मान मान समा संकंप है अर्जन की वर्राख और जिससी मान मान समा संकंप है अर्जन की वर्राख और जिससी मान समा संकंप है अर्जन की वर्राख मान तथा स्वांस का मान समा संकंप है अर्जन की वर्राख मान समा संकंप है (5) (6) (7) | गृह तथा अन्य भवन भूमि "कर्तमान मूल्य पर धारित है और उसका मेंद्र पर्द्ध, बंधक, विरासत, सम्मति से अन्र शासकीय कर्मचारी से तथा अजन की तारीख और जिस्सी स्वाप्त से सम्मति से आप सांसक आप सांसकीय कर्मचारी से तथा अजन की तारीख और जिस्सी सांसक आप स्पा संबंध है अधि की गई हो उसका नाम तथा संबंध है अधि की गई हो उसका नाम तथा संबंध है अधि का नाम तथा स्वाप्त से सांसक आप सांसक आप सांसक है अधि की गई हो उसका नाम तथा स्वाप्त से तथा ब्योर | गृह तथा अन्य भवन भूमि ""वर्तमान मृत्य पर भारित है. और उसका मेंट या अन्य विस्ती प्रकार से सम्मात्ति से सामात्ति से तथा अज्ञेन की तार्राख और जिस्सी से आप स्मात्ति से मांसिक आय
 | बत्ताहये कि वह किसके नाम ""बर्तपान मूल्य पर भारित है और उसका मेंट या अन्य किसी प्रकार से सम्मात्ति से आधिक आय
शासकीय कर्मचारी से तया अर्जन की तारीख और जिससे वार्षिक आय
स्मा संबंध है अधित की गई हो उसका नाम | बतलाइये कि यह किसके नाम ***खरीद, पट्टा, बंधक, विरासत, प्राम्त के कांचित की प्राप्त के कांचित की ताई हो उसका नाम सम्पत्ति के सम्पत्ति से सम्पत्ति सम्पति सम्पत्ति सम्पति सम्पत्ति सम्पत्ति सम्पति सम्प | गृह तथा अन्य भवन भूमि "कर्तमान मूल्य पर भारित हैं और उसका भेंट या अन्य किसी प्रकार से सम्मति से आर्थ भिन्न किसी प्रकार से सम्मति से आर्थ भारकीय कर्मचारी से तथा अर्जन की तार्थिय और जिस्से वार्थिक आय् स्मान्य कर्मचारी से अर्थन की तार्थिय और जिस्से वार्थिक आय | बतलाइये कि बहु किसके नाम ""क्यीद, प्रदूध, बंधक, विरासत, प्राम क्यांद्र प्रदूध, बंधक, विरासत, प्राम के क्यांद्र प्रदूध, बंधक, विरासत, प्राम के क्यांद्र प्रदूध, बंधक, विरासत, प्राम के क्यांद्र क्यांद्य क्यांद्र क्यांद्र क्यांद्र क्यांद्र क्यांद्र क्यांद्र क्यांद्र | बतलाइये कि चंह किसके नाम ***खरीद, पट्टा, बंधक, विरासत, प्रांसि में अप के प्रांसि में अप का प्रांसि में अप का प्रांसि में अप का प्रांसिक आप कर्मचारी से तथा अपने की तार्ख और जिससे बाधिक आप स्मार्सिक मान स्मार्सिक क्षेत्रिक के प्रांसिक | बतलाइये कि खंड किसके नाम ""बर्तमात मूल्य पर धारित है. और उसका मेंट या अन्य किसी प्रकार से सम्मति से अन्य सितान मूल्य पर धारित है. और उसका मेंट या अन्य किसी प्रकार से सम्मति से सामित आय सासकीय कर्मचारी से तथा अर्जन की तारीख और जिससे बार्षिक आय स्मा संबंध है अंजित की गई हो उसका नाम तथा स्वंध है | बत्ताहर् कि वह किसके नाम ***खरीद, पट्टा, बंधक, विरासत, सम्मासिस, पट्टा, बंधक, विरासत, सम्मासिस, सम्मासिस, सम्मासिस, सम्मासिस, अभ्रासकीय कर्मचारी से तथा अर्जन की वारीख और जिससे कार्यिक आय
 | बत्ताहर्य कि.संके नाम *** खरीद, पट्टा, बंधक, विरासत, मह्त्व पर भारित है और उसका भेट या अन्य किसी प्रकार से सम्मास से शासकीय कर्मचारी से तथा अर्जन की तारीख और जिससे बार्षिक आय स्मार संबंध है अजिंद की गई हो उसका नाम | बतलाइये कि बढ़ किसके नाम ""क्यीद, प्रद्य, बंधक, विरासत, प्राम क्यांत प्रद्य, बंधक, विरासत, प्राम क्यांत प्राप्त के मार्थात के मार्थीत के मार्थात के मार्थात के मार्थीत के मार्थ | बतलाइये कि खंड किसके नाम ***खरीद, पट्टा, बंधक, विरासत, सम्मानिसे अन्ति विद्या अन्य किसी प्रकार से सम्मानिसे अन
शासकीय कर्मचारी से तथा अर्जन की तारीख और जिससे बार्षिक आय | बत्ताहर्य किसके नाम ***बरीद, पट्टा, बंधक, विरासत, सम्मानिसे अभ
गृह तथा अन्य भवन भूमि **वर्तमान मृत्य पर भारित है. और उसका मेंट या अन्य किसी प्रकार से सम्मानिसे अभ
शासकीय कर्मचारी से तथा अर्जन की तारीख और जिससे वार्षिक आय | बतलाइये कि यह किसके नाम *** खरीद, पट्टा, बंधक, विरासत, मन्त्य पर भारत है और उसका भेट या अन्य किसी प्रकार से सम्मास से आसकीय कर्मचारी से तथा अर्जन की तारीख और जिससे वार्षिक आय | गृह तथा अन्य भवन भूमि "कर्तमान मूल्य पर भारित है और उसका भेट या अन्य किसी प्रकार से सम्मति से आसकीय कर्मचारी से तथा अन्य किसी प्रकार से सम्मति से आसकीय कर्मचारी से तथा अन्य की तारीख और जिससे बार्षिक आय | बतलाइये कि खंड किसके नाम ***खरीद, प्रदुरा, बंधक, विरासत, सम्प्रीत के बतिमान मूल्च पर धारित है. और उसका मेंट या अन्य किसी प्रकार से सम्पत्ति से शासकीय कर्मचारी से तथा अर्जन की तार्थ और जिससे बार्धिक आय
 | | | | |
 | | | |
 | | | | |
 | | | | |
| सम्मार्ग का जान तथा ज्योरि के जोन प्रांत हो जो वा देश किन्य प्रकार अभित की का | सम्पति का जान तथा कर्मीर प्रिक्त कर्मा क्ष्मीर व्यक्ति क्ष्मा क्ष्मिर क्ष्मा क्ष्मिर क्ष्मा क्षमिर क्षम् क्षिम् प्रकार जीवित क्षिम् क्षम् व्यक्ति क्षम् क्षम् व्यक्ति क्षम् क्षम् व्यक्ति क्षम् कष्म कर्मा क्षम् क्षम् कर्मा क्षम् क्षम् क्षम् कर्मा क्षम् क्षम् कर्मा कर्मा कर्मा कर्मा कर्मा कर्मा कर्मा क्षम् कर्मा | सम्पति का जान तथा कर्मी
गृह तथा अन्य भवन भूमि "वर्तनान मूल्य के जान गरा न हो जो दाने किसा ग्रनार भोता क्षित क्षिता ग्रना
गृह तथा अन्य भवन भूमि "वर्तनान मूल्य स्वाताय क्षित क्षत क्षित क्ष्य क्षित क्ष्य क्षित | सम्पति का जान थया व्यक्ति क्या हिस्से क्या स्थाप कि का हिस्से क्या स्थाप कि का स्थाप कि का हिस्से क्या स्थाप कि का हिस्से क्या स्थाप कि का हिस्से क्या स्थाप कि का स्थाप कि का स्थाप कि का स्थाप के स्थाप कि का स्थाप के स्याप के स्थाप क | सम्पतिक का जान जेपण क्यों () गृह तथा अन्य भवन भूमि के विकास कि विकास कि का स्थाप के का मान भाग के विकास प्रकास अपित कि विकास कि वि विकास कि वि विकास कि वि | सम्पति का जान जेपण क्योंति व्यक्ति के प्राप्त के क्यांत प्राप्त के क्यांत क्ष्मिक जान व्यक्ति क्षम्य ज्ञान क्ष्मिक ज्ञान क्षम् विकास क्षम्य कष्मम्य विष्य कष्मम्य विष्य कष्मम्य विष्य कष्मम्य विष्य कष्मम्य विष्य | सम्मीत का जान तथा क्योंदि स्वतं के जान भर न हो जी दरी किन्त प्रकार अलित किन्य प्रकार अलित किन्य प्रकार न पूर्णि के बहु किसके नाम ""व्याद प्रकार किन्य किन् | सम्मारी का जान तथा ज्योर के जान प्रत न हैं जान प्रत न हैं जान प्रत न हैं जोन हैं जोन जान जन हैं जोने हैं जोन जान जन हैं जोने हैं जोने जान जन हैं जोने जान | सम्मार्ग का जान तथा ज्योर के जान प्राप्त के जान प्राप्त के को का | सम्पति का जान तथा क्रीरि
बत्ताको कि वह क्रिक्ति जान ""वर्तान मूल्य पर जारी है और उसका मेर या ज्याद क्रीरी प्रकार में अपन क्राय क्रिक्टि जान क्रिक् | सम्पति का जान तथा क्रिक्त क्रिक्त क्रिक्त क्रिक्त जान क्रिक्ट जान क्रिक्त जान क्रिक्ट जान | सम्पति का जान तथा क्रिक्त कर्मा क्रिक्त कर्मा क्रिक्त कर्मा कर्म कर्मा कर्म कर्मा कर्मा कर्मा कर्म कर्म कर्म कर्म कर्म कर्म कर्म कर्म | सम्पष्टिका जान तथा क्योरे
बतलाइये कि यह किसके नाम "**बतीमा मुल्य पर धारित हैं और उसका में देया अन्य किसी प्रकार से सम्मात्ति से आया
शासकीय कर्मवारी से तथा अर्जन की तारीख और जिससे आया
स्मार्गकोय कर्मवारी से तथा अर्जन की तारीख और जिससे वार्षिक आया
स्मार्गकोय है अर्जन की तारीख और जिससे वार्षिक आया
स्मार्गकोय है अर्जन की नाई हो उसका नाम
(2) (3) (4) (5) (7)
 | सम्पष्टिका जात तथा च्योर व व व व व व व व व व व व व व व व व व व | सम्पण्डिका जाम तथा क्योरे
बतत्ताहर्स कि वह किसंके नाम """खरीय, प्रट्य, बंपक, विरासत
गृह तथा अन्य भवन भूमि " वर्तमान मूल्य पर भारित है और उसका भेट या अन्य किसी प्रकार से सम्मण्टि से
शासकीय कर्मजारी से तथा अर्जन की तार्राख और जिससे वार्षिक आय्
स्पा संबंध है अंगि की गई हो उसका नाम
स्पा संबंध है अंगि की गई हो उसका नाम
(2) (3) (4) (5) (7) | सम्पत्तिका जान तथा व्योरि
बतलाइये कि सह किसके नाम "* "व्योद्ध मुद्ध , वंपक, विरासत
गृह तथा अन्य भवन भूमि ""वर्तमान मूल्य पर भारित है और उसका भेट या अन्य किसी प्रकार से सम्मासि से अभ
शासकीय कर्मचारी से तथा अन्य किसी प्रकार से सम्मासि से अभ
सासकीय कर्मचारी से तथा अन्य की गाई हो उसका नाम
स्या संबंध है अजित की गाई हो उसका नाम
(2) (4) (5) (7) | सम्पत्तिका नाम तथा च्योरे विकास प्रकार आजेत किया गया विकास प्रकार आजेत किया गया विकास प्रकार में प्रदेश में प्रकार में प्रदेश में प | सम्पत्ति का नाम तथा क्योरे
बतत्ताहर्भ कि वह किसंके नाम """वर्गद्ध, बंधक, विरासत,
मृह तथा अन्य भवन भूमि ""वर्गमान मृत्य पर शास्तित है और उसका भेट या अन्य किसी प्रकार से सम्मति से
शासकीय कर्मनार्भ से तथा अर्जन की तार्राख और जिससे वार्षिक आय्
स्या संबंध है अधित की गई हो उसका नाम
स्या संबंध है अधित की गई हो उसका नाम
(2) (3) (4) (5) (7) | सम्पत्तिका जान तथा व्योरि
बतलाइये कि यह किसके नाम "*"व्योद, पट्टा, बंधक, विरासत
गृह तथा अन्य भवन भूमि ""वर्तमान मूल्य पर भारित है और उसका भेट या अन्य किसी प्रकार से सम्मासि से अभ
शासकीय कर्मचारी से तथा अर्जन की तारीख और जिससे
स्मासकीय कर्मचारी से तथा अर्जन की तारीख और जिससे
स्मासकीय कर्मचारी से तथा को गई हो उसका नाम
समासकीय कर्मचारी से तथा व्योदा
 | सम्पण्डिका नाम तथा च्योरे
बतत्ताक्ष्ये कि सह किसके नाम """वर्शन प्रपक्ष, विरासत,
गृह तथा अन्य भवन भूमि ""वर्तमान मूल्य पर भारित है और उसका भेट या अन्य किसी प्रकार से सम्मानि से
शासकीय कर्मचारी से तथा अर्जन की वाराख और जिससे वार्षिक आय
स्पा संबंध है अपि अर्जन की वाराख और जिससे
स्पा संबंध है अर्जन की वाराख और जिससे
सम्मानि से अर्जन की वाराख और जिससे कार्यिक आय
(2) (3) (4) (5) (7) | सम्पत्तिका नाम तथा क्योरे
गृह तथा अन्य भवन भूमि "वर्तमान मूल्य पर भारित है और उसका भेट या अन्य किसी प्रकार से सम्मति से
शासकीय कर्मचारी से तथा अर्जन की तार्राख और जिससे वार्षिक आय्
स्पा संबंध है अपि का का मूल्य का नाम
स्पा संबंध है अपि का ग्रह हो वसका नाम
(2) (3) (4) (5) (7) | सम्पत्ति का नाम तथा क्योरे. बतत्ताहर्भ कि नह कि नेके नाम पर न हो तो विक्त प्रकार आजेर किया गया. बतत्ताहर्भ कि नह किसके नाम "" बतिनान मूल्य पर धारित है और उसका मेंट या अन्य किसी प्रकार से सम्मित्ति अभ शासकीय कर्मनारी से निया अन्य किसी प्रकार से सम्मित्ति अभ शासकीय कर्मनारी से निया अन्य किसी प्रकार से सम्मित्ति अभ शासकीय कर्मनारी से निया अन्य किसी प्रकार से सम्मित्ति स्था सांक्र अभिक्र आये सामिक आये सामिक आये ते। (३) (५) (१) | सम्मिक जान तथा ब्योरि
कतलाइये कि यह किसके नाम """वर्तास्त्र कि यह किसके नाम """वर्तास्त्र सम्मिस्
गृह तथा अन्य भवन भूमि ""वर्तमान मूल्य पर भारित है और उसका मेंट या अन्य किसी प्रकार से सम्मिस् अभ
शासकीय कर्मवारी से तथा अर्जन की तारीख और जिससे वार्षिक आय
स्मा संबंध है अजित की गई हो उसका नाम
स्मा संबंध है अजित की गई हो उसका नाम
(2) (4) (5) (7) | सम्पत्तिका नाम तथा ब्योरि
कतलाइये कि यह किसके नाम "*"व्यतिम् मूल्य पर धारित है और उसका भेट या अन्य किसी प्रकार से सम्पत्ति से अभ
गृह तथा अन्य भवन भूमि ""वर्तमान मूल्य पर धारित है और उसका भेट या अन्य किसी प्रकार से सम्मत्ति से अभ
सासकीय कर्मचारी से नाम कार्यिक आय्
स्मासकीय कर्मचारी से नाम हो। उसका नाम कार्यक्र आय्
स्मासकीय कर्मचारी से नाम हो। उसका नाम तथा संबंध है अभित की गई हो। उसका नाम तथा स्वंध है (5) (7)
 | सम्पत्तिका नाम तथा च्योरे
बतत्ताक्ष्ये कि सह किसके नाम """व्यीद, पट्टा, बंधक, विरासत
गृह तथा अन्य भवन भूमि ""वर्तमान मूल्य पर भारित है और उसका भेट या अन्य किसी प्रकार से सम्पत्ति से आय
शासकीय कर्मचारी से तथा अर्जन की वाराख और जिससे व्यार्थिक आय
स्पा संबंध है अपित की गई हो बसका नाम
(2) (3) (4) (5) | सम्पण्डिका नाम तथा क्योरे
बतत्ताक्ष्यं कि नह किसंके नाम """खरीद, पट्टा, बंधक, विरासत,
गृह तथा अन्य भवन भूमि ""वर्तमान मूल्य पर शासिकोय कर्मनारी से तथा अन्य किसी प्रकार से सम्मति से
शासकीय कर्मनारी से तथा अन्य की तारीख और जिससे व्यासिक आय्
स्मा संबंध है अधित की गई हो उसका नाम | सम्पत्तिका नाम तथा व्योरे
बतलाइये कि यह किसके नाम """वर्तमान मूल्य पर धारित है और उसका मेंट या अन्य किसी प्रकार से सम्मत्ति से अ
गाह तथा अन्य भवन भूमि ""वर्तमान मूल्य पर धारित है और उसका मेंट या अन्य किसी प्रकार से सम्मत्ति से आय
शासकीय कर्मचारी से तथा अर्जन की गाई हो उसका नाम प्या संबंध है अंजित की गई हो उसका नाम | सम्पत्तिका नाम तथा च्योरे व्याद स्वयं के नाम पर न हो तो उसे किसक, विरासत
बतलाइये किसके नाम """वर्तमान मूल्य पर धारित है और उसका भेट या अन्य किसी प्रकार से सम्मत्ति से आ
शासकीय कर्मचारी से तथा अर्जन की तारीख और जिससे व्यार्थिक आय
स्यार्थिक है अजिंत की गई हो उसका नाम | सम्पष्टिका नाम तथा च्योर व्यदे स्वयं के नाम पर न हो तो उसे किस प्रकार आजेत किया गया करात्वाहर्य कि यह किसके नाम """वरीद, पट्टा, वंपक, विरासत, प्राम्ति से सम्पत्ति से सम्पत्ति से अप आरंत है और उसका भेट या अन्य किसी प्रकार से सम्पत्ति से आया सासकीय कर्मचारी से नाम अर्जन की तारीख और जिससे व्यक्तिक आया स्था संबंध है अंजित की गई हो उसका नाम तथा संबंध है अंजित की गई हो उसका नाम तथा संबंध है
 | सम्पण्डिका नाम तथा च्योर व्हार्थ कि नाम पर न हो तो उसे किस प्रकार आजेत किया गया कराताहर्य कि नाम पर न हो तो ""वर्ताम """वर्ताम मृत्य पर भारित है और उसका भेट या जन्म किसी प्रकार से सम्मासि से अग्रिय अग्रिय और जिस से नाम निम्न जाया स्वंध है अग्रिय की गई हो उसका नाम तथा स्वंध है अग्रिय की गई हो उसका नाम तथा स्वंध है | सम्पण्डिका नाम तथा क्योर विद्या है स्वयं के नाम पर न हो तो उसे किस प्रकार आजेत किया गया करायाहर्य कि यह किसके नाम """खरीय, प्रट्य, बंधक, विरासत
गृह तथा अन्य भवन भूमि ""वर्तमान मूल्य पर थारित है और उसका भेट या अन्य किसी प्रकार से सम्मति से आया शासकीय कर्मचारी से तथा अर्जन की तारिख और जिससे वार्षिक आया स्वां है अर्जन की तारिख और जिससे वार्षिक आया | सम्पत्ति का नाम तथा क्योरे
बतत्ताइये कि नह किसके नाम """वर्ग, प्रद्य, बंधक, विरासत,
गृह तथा अन्य भवन भूमि ""पर्तमान मृत्य पर भारित है और उसका भेट या अन्य किसी प्रकार से सम्पत्ति से
शासकीय कर्मनारी से तथा अर्जन की तार्ग और जिससे वार्षिक आय
प्या संबंध है अर्जित की गई हो उसका नाम | सम्मिक्त नाम तथा च्योरे विश्व स्वयं के नाम पर न हो तो उसे किस प्रकार आजेत किया गया बतलाह्ये कि यह किसके नाम """वर्तमान मूल्य पर धारित है और उसका मेंट या अन्य किसी प्रकार से सम्मित्ति अभ आस्कीय कर्मचारी से तथा अर्जन की तारीख और जिससे वार्षिक आय प्रमा संबंध है अजिंत की गई हो उसका नाम | सम्पत्तिका नाम तथा च्योरे व्यदे स्वयं के नाम पर न हो तो उसे किस प्रकार आजेत किया गया करताहित स्वयं कि सह किसके नाम """व्यदीद, पट्टा, वंपक, विरासत सम्पत्ति सम्पत्ति मृत्य पर धारित है और उसका भेट या अन्य किसी प्रकार से सम्पत्ति से आया शासकीय कर्मचारी से तथा अर्जन की तारीख और जिससे व्यव्सिक आय
 | सम्पण्डिका नाम तथा क्योरे व्हार्थ कि नाम पर न हो तो उसे किस प्रकार आजेत किया गया कराताहरी कि नह किसके नाम """व्हार्य, पट्टा, बंधक, विरासत, मूम ""वर्तमान मूल्य पर थारित है और उसका भेट या जन्म किसी प्रकार से सम्माति से आप अर्जन की वार्राख और जिससे वार्षिक आप सामिक आप | सम्पत्ति का नाम तथा क्योरे व्यद्ध स्वयं के नाम पर न हो तो उसे किस प्रकार आजेत किया गया विद्यासता, बतत्ताहरों कि यह किसके नाम """व्यद्धा, प्रद्धा, बंधक, विदासता, प्रामि में अप्रकार भवन भूमि ""मर्तमान मृत्य पर भारित है और उसका भेट या अपन किसी प्रकार से सम्पत्ति से आया शासकीय कर्मनारी से तथा अजैन की तारीख और जिससे वासिक आय प्रणा संबंध है अधित की गई हो उसका नाम | सम्पष्टिका नाम तथा क्योरे व्यव के नाम पर न हो तो उसे किस प्रकार आजेर किया गया विद्या है किस के नाम """ खरीद, पट्टा, बंधक, विदासत, प्रामि से ज्ञा का | सम्पत्ति का नाम तथा क्योरे विश्व में नाम पर न हो तो उसे किस प्रकार आजेत किया गया करताहित प्रदेश, वंपक, विरासत, जिल्लाहर्य कि यह किसके नाम क्या पर प्राप्ति हैं और उसका मेंट या अन्य किसी प्रकार से सम्मत्ति से आया शासकीय कर्मचारी से तथा अर्जन की वारीख और जिल्लाहरें वार्षिक आया प्रमा संबंध है अर्जित की गई हो उसका नाम | सम्पष्टिका नाम तथा च्योरे विकास प्रकार आजेत किया गया विकास प्रकार आजेत किया गया विकास प्रकार आजेत किया गया विकास प्रकार मिला के किसके नाम "" खरीद, पट्टा, वंपक, विरासत मुस्य पर भारत है और उसका भेट या जन्म किसी प्रकार से सम्पत्ति से आया शासकीय कर्मचारी से तथा अर्जन की वाराख और जिससे वार्षिक आय | सम्पत्ति का नाम तथा क्योरे
बतलाइये कि वह किसके नाम
गृह तथा अन्य भवन भूमि "म्वर्तमान मूल्य पर भारित है और उसका भेट या अन्य किसी प्रकार से सम्पत्ति से
शासकीय कर्मचारी से तथा अर्जन की तारेख और जिससे बार्धिक आय
 | | | | |
 | | | |
 | | | | |
 | | | | |
| सम्पतिक का नाम तथा व्यक्ति क्या क्रिया है जो पर नहीं सी हम क्रिया हम व्यक्ति क्या हम स्वाप्ति के जो क्या क्या क्या क्या क्या क्या क्या क्या | सम्पति का जान कथा क्योंक्षि किया जाता
जुह तथा कान भाव क्या भाव क्या क्या क्या क्या क्या क्या क्या क्या | सम्पति का नाम तथा कर्मीर विकास क्षेत्र कर्मा क्षेत्र | सम्पति का जान कथा क्योंहिं. पूर संदर्भ के जान भर न हो नी उन्हें किस प्रकार अंति किया गया बत्तावारी कि वह किस प्रकार अंति किया गया पर चारित है और उसका में ने अपन्य किया किया में कि व्यक्त किया गया पर चारित है और उसका में ने अपन्य क्या किया में कि व्यक्त में किया मे | सम्पति का जान क्षण क्यों है. प्राप्त के क्षण क्षण क्या क्षण क्यों क्षण क्षण क्षण क्षण क्षण क्षण क्षण क्षण | सम्पति का जान कथा क्योंके किया जाता
जित्तावर्ष कि जह किस किया जाता
मृह तथा अन्य भवन भूमि "वर्तना मूल्य प्रमाशित है और तस्ता में जाता अन्य किया में मिल्या जाता
प्रमाशित है और तस्ता में मिल्या जाता कि जाता कि जाता क्या अन्य किया मान
सम्पति (2) (3) (4) (5) (6) (6) (7) | सम्पतिक का जान तथा व्यक्ति के जान थर न हो सी उसे किस्त प्रकार अभित किसा प्रकार अभित की किसा प्रकार अभित की किसा प्रकार किसा के जान थर न किसा किसा किसा किसा किसा किसा किसा किसा
 | सम्पतिक का जान तथा व्यक्ति क्या क्रिया प्रविक्ति के जान थर न हो सी क्या ज्ञान व्यक्ति क्रिया ज्ञान व्यक्ति क्या व्यक्ति क्या व्यक्ति व्यक्ति क्या व्यक्ति विवक्ति व | सम्पतिक का जान तथा व्यक्ति क्या प्रवास कि वह किस्ते जान व्यक्ति क्या ज्या का व्यक्ति क्या का व्यक्ति क्या का व्यक्ति क्या का व्यक्ति क्या का व्यक्ति का व्यक्ति क्या का व्यक्ति का व्यक्ति क्या का व्यक्ति का | मस्पृतिक को नाम तथा क्षीर व्हाह कि के नाम तथा को ति कि का नाम तथा को ति कि का नाम तथा को ति का नाम तथा को तह की कि का नाम तथा को तथा के तथा को तथा के तथा को तथा को तथा के तथा को तथा के तथा को तथा को तथा के तथा को तथा के तथा को तथा त | मस्पृष्टिक जा नाम तथा क्षीर व्यक्ति के जान पर न हो तो उसे किसक प्रकार आर्थि किया ग्राप्य जाराव्याप्य किया जाराव्याप्य क्षाप्य किया जाराव्याप्य जाराव्याप्य क्षाप्य किया जाराव्याप्य जाराव्याप्य क्षाप्य किया जाराव्याप्य क्षाप्य क्षा | मस्पतिक को जान तथा क्षीते. जह तथा के कि के कि के कि के कि कि के कि | सम्मिक का जाम तथा क्योंरे
बतत्ताइये कि वह किसके नाम भाग ने के जी प्रद्धा, बंधक, विरासत
गृह तथा अन्य भवन भूमि "कर्तमान मूल्य पर धारित है और उसका मेंट या अन्य किसी प्रकार से सम्मिस अभ
शासकाय कर्मचारों से तथा अन्य की तार्राख और जिससे वार्षिक आय
स्मा संबंध है अजित की गांह हो उसका नाम
स्मा संबंध है अजित की गांह हो उसका नाम
(2) (3) (4) (5) (5) | सम्पष्टिका जाम तथा क्योर
बतत्ताइये कि बहु किसके नाम
गृह तथा अन्य भवन
गृह तथा अन्य भवन
भूमि
शासकीय कर्मचारी से जाग अर्जन की वारीख और जिससे
समाप्ति के नाह हो उसका नाम
स्पा संबंध है अधि की गई हो उसका नाम
(2) (3) (4) (5) (7) | सम्मिक जाम तथा न्योंदे
बतत्ताइये कि वह किसके नाम ""व्योद, प्रट्य, बंधक, विरासत
गृह तथा अन्य भवन भूमि ""वर्तमान मूल्य पर धारित है और उसका मेंट या अन्य किसी प्रकार से सम्मिस से
शासकीय कर्मचारी से तथा अन्य की तारीख और जिससे वार्षिक आय
स्मा संबंध है अजिंत की गई हो उसका नाम
स्पा संबंध है अजिंत की गई हो उसका नाम
(2) (3) (4) (5) (7)
 | सम्पष्टिका जाम तथा क्योरि
बतत्ताहर्ष कि वह किसंके नाम "" खरीय, प्रट्य, बंपक, विरासत
मृह तथा अन्य भवन भूमि " वर्षमान मृत्य पर भारित है और उसका भेट या अन्य किसी प्रकार से सम्मानि से आ
शासकीय कर्मचारी से जागा अर्जन की तारीख और जिससे व्याधिक आय
स्मान संबंध है अभित की गई हो उसका नाम
(2) (3) (4) (5) (7) | सम्मिक जाम तथा ज्योरि
बतत्ताइये कि बहु किसके नाम
गृह तथा अन्य भवन
शुक्ति को अन्य भवन
शुक्ति को व्याद्धि अपि अपि अपि अपि अपि अपि अपि अपि अपि अप | सम्मित्त का जाम तथा क्योंरे. बतताइये कि बहु किसके नाम भर न हो जो उसे किसा ग्रका करता स्वाप्त कर करा करा कर | सम्पष्टिका जान तथा क्योर. बतत्ताहरी कि वह किसंके नाम """वर्गेत, पट्टा, वंपक, विरासत. ब्रह्माहरी कि वह किसंके नाम """वर्गेत, पट्टा, वंपक, विरासत. पर भारत है और उसका भेट या जन्म किसी प्रकार से सम्मानित्त आविक आय सास्कीय कर्मचारी से जागा अर्जन की तारीख और जिससे वार्षिक आय स्मान्तिक कर्मचारी से अभित की गई हो वसका नाम तथा संबंध है अधित की गई हो वसका नाम तथा स्वंध है (6) (7) | सम्मिक जाम तथा न्योरे. बतत्ताइये कि बहु किसके नाम """वर्गेद प्रद्य, बंफ्क, बिरासत, सम्मिक्त आवि कर्मवाद कर्य कर्मवाद | सम्मिक जाम तथा न्योरि
बतत्ताइये कि बहु किसके नाम """कर्तात प्रद्या, बंधक, विरासत
गृह तथा अन्य भवन भूमि ""कर्तमान मूल्य पर थारित है और उसका में द्या अन्य किसी प्रकार से सम्मिस से
शासकीय कर्मचारी से तथा अन्य की तारीख और जिससे वार्षिक आय
प्या संबंध है अपि अन्य की तारीख और जिससे वार्षिक आय
प्या संबंध है अधि को गई हो उसका नाम
तथा स्वंध है अधि को गई हो उसका नाम | सम्मित्त का जाम तथा क्योंदे
बतलाइये कि वह किसके नाम """ खरीद, प्रट्टा, बंधक, विरासत, प्राप्त के बाल संबंध के का
 | सम्मिष्ठ का जाम तथा क्योंदे
बतलाइये कि वह किसके नाम भर न हो तो उसे किस प्रकार आजित किसा गया
बतलाइये कि वह किसके नाम """ खरीद, पर्द्य, बंधक, विरासत,
गृह तथा अन्य भवन सुमि "" वर्तमान मूल्य पर धारित है. और उसका में ने नाम अवस्ति की गई हो उसका नाम समासकीय कर्मचारी से आजित की गई हो उसका नाम तथा संबंध है अजित की गई हो उसका नाम तथा संबंध है अजित की गई हो उसका नाम तथा संबंध है अजित की गई हो उसका नाम तथा स्वंध है (5) (6) (7) | सम्मिक न जान तथा ज्योर
बतत्ताहर्य कि वह किसके नाम "" खरीद, प्रट्य, बंधक, विरासत
गृह तथा अन्य भवन भूमि "वर्षमान मूल्य पर भारित है और उसका भेट या अन्य किसी प्रकार से सम्मित्ति आ
शासकीय कर्मचारी से जामा अर्जन की तार्ष और जिससे व्याधिक आय
स्मान्यक्ष है अधित की गई हो बसका नाम
(2) (3) (4) (5) (7) | सम्मिक्त जान तथा न्योरे. बतत्ताइये कि बहु किसके नाम "" बतीद प्रद्य, बंफ, विरासत, प्रमिस अभि के वाप अर्थन भवन भूमि " विर्मान मूल्य पर भारित है और उसका भेट या अन्य किसी प्रकार से सम्मिस के आय सामिक आय समित है। वाप अर्थन की तार्व और जिससे वार्षिक आय समामिक समामि | सम्मित्त का जाम तथा क्योंरे. बतताइये कि बढ़ किसके नाम भर न हो तो उसे किस प्रकार आजेत किसा गया बतताइये कि बढ़ किसके नाम "" खतीद, प्रद्ध, बंधक, विरासत, प्रामित्त के मार्गित है और उसका मेंट या ज्यन्य किसी प्रकार से सम्मित्त से सम्मित्त से सम्मित्त से नामिक आय | सम्मित्त का जाम तथा क्योरि
बतलाइये कि खंड किसके नाम
गृह तथा अन्य भवन
भूमि
शासकीय कर्मचारी से
समासकीय कर्मचारी से | सम्पष्टिका जाम तथा क्योरे
बतरताइये कि वह किसके नाम "" खरीय, पट्टा, बंधक, विरासत
गृह तथा अन्य भवन भूमि "वर्तमान मूल्य पर भारित है और उसका भेट या अन्य किसी प्रकार से सम्मान्ति स
शासकीय कर्मचारी से तथा अर्जन की तारीख और जिससे व्यार्थिक
आय
स्मान्तिक कर्मचारी से अर्जित की गई हो उसका नाम स्मान्तिक के विशेष की गई हो उसका नाम तथा संबंध है | सम्मिक का जाम तथा क्योंरे
बतलाइये कि वह किसके नाम
गृह तथा अन्य भवन
भूमि "वर्तमान मूल्य पर भारित है और उसका भेट या अन्य किसी प्रकार से सम्मित्ति अ
शासकीय कर्मचारी से तथा अर्जन की तारीख और जिससे
समासकीय कर्मचारी से तथा अर्जन की तारीख और जिससे | सम्मिक्त जाम तथा ज्योरे वित्यं के जाम पर न हो तो उसे किसा मना ज्यात कर कर्मा क्रिया के जाम पर न के तो तो कर | सम्मित्तका जाम तथा क्योंरे विश्व के जाम पर न हो तो उसे किस प्रकार आजेत किसा गया विश्व के विश | सम्मिष्ठ का जाम तथा क्योंरे
बतलाइये कि बढ़ किसके नाम """ खरीद, प्रद्या, बंधक, विरासत,
गृह तथा अन्य थवन भूमि "" वर्तमान मूल्य पर धारित है. और उसका मेंट या अन्य किसी प्रकार से सम्मिस से
शासकीय कर्मचारी से तथा अर्जन की तार्ज और जिससे बार्षिक आय
स्मा संबंध है अजित की गई हो उसका नाम | सम्मित्त का जाम तथा क्योरि बतलाइये कि खंड किसके नाम *** खरीद, पट्टा, बंधक, विरासत, गृह तथा अन्य भवन भूमि ** वर्तमान मूल्य पर भारित है और उसका मेंट या अन्य किसी प्रकार से सम्मित्त से सम्मित्त अन्य किसी प्रकार से सम्मित्त से सम्मित्त के अन्य अन्य अन्य क्यों विराय अर्थन की तारीख और जिससे वार्षिक आय समा संबंध है अर्थित की गई हो उसका नाम
 | सम्मिक का जाम तथा ज्योरे. बतत्ताइये कि वह किसके नाम """ खरीय, पट्टा, बंधक, विरासत, गृह तथा अन्य भवन भूमि "वर्षमान मूल्य पर भारित है और उसका भेट या अन्य किसी प्रकार से सम्मित्त अन्य शिरा का विराध और जिस्से आय सासकीय कर्मचारी से तथा अर्जन की तारीख और जिससे व्यार्थक आय स्था संबंध है अधित की गई हो, वसका नाम | सम्मिक नाम तथा न्योरे
बतत्ताइये कि बहु किसके नाम """खरीद, प्रद्य, बंधक, विरासत,
गृह तथा अन्य भवन भूमि "" वर्तमान मूल्य पर थारित है और उसका भेट या अन्य किसी प्रकार से सम्मिस से
शासकीय कर्मचारी से तथा अर्जन की वार्षिय और जिससे वार्षिक आय
प्या संबंध है । तथा अर्जन की वार्षिय सिससे | सम्मित्त का जाम तथा क्योंरे. बतताइये कि बढ़ किसके नाम """खरीद, प्रद्य, बंधक, विरासत, प्राम """वर्तात के बार्चा के बार्चा के सम्मित्त के आप अभ प्राप्त के मार्गा के बार्चा के ब | सम्पष्ति का नाम तथा ब्योरि बतलाइये कि बहु किसके नाम """ खरीद, पट्टा, बंधक, विरासत, गृह तथा अन्य भवन भूमि "" वर्तमान मूल्य पर भारित है और उसका मेंट या अन्य किसी प्रकार से सम्मत्ति से आधिक आय | सम्मित्त का नाम तथा क्योरि बतलाइथे कि जह किसके नाम ***बरीद, पट्टा, बंधक, विरासत, गृह तथा अन्य भवन भूमि **वर्तमान मृत्य पर भारित है और उसका भेट या अन्य किसी प्रकार से सम्मासि से आधिक आधि सम्मित्त का शिक आधिक आधिक अधिक को वार्षिक आधिक आधिक सम्मासिक व्याधिक अधिक को वार्षिक आधिक आधिक आधिक अधिक को वार्षिक आधिक आधिक आधिक आधिक के मैं जारी की वार्षिक आधिक आधिक आधिक आधिक आधिक आधिक आधिक आध | सम्मिक का जाम तथा क्योंरे
बतलाइये कि वह किसके नाम
गृह तथा अन्य भवन
भूमि "वर्तमान मूल्य पर भारित है और उसका भेट या अन्य किसी प्रकार से सम्मित्ति अ
शासकीय कर्मचारी से तथा अर्जन की तारीख और जिससे वार्षिक आय | सम्मित्त का जाम तथा क्योरि
बतलाइये कि वह किसके नाम
गृह तथा अन्य भवन भूमि ""वर्तमान मूल्य पर भारित है. और उसका भेंट या अन्य किसी प्रकार से सम्मित्त अन
शासकीय कर्मचारी से तथा अजैन की तारीख और जिससे बार्षिक आय
 | | | | |
 | | (A) こうしょう かいかい かいかい かいかい かいかい かいかい かいかい かいかい かい | |
 | | | | |
 | | | | |
| सम्पतिक का नाम तथा व्यक्ति क्या क्रिया है जो पर नहीं सी हम क्रिया हम व्यक्ति क्या हम स्वाप्ति के जो क्या क्या क्या क्या क्या क्या क्या क्या | सम्पति का जान कथा क्योंक्षि किया जाता
जुह तथा कान भाव क्या भाव क्या क्या क्या क्या क्या क्या क्या क्या | सम्पति का नाम तथा कर्मीर विकास क्षेत्र कर्मा क्षेत्र | सम्पति का जान कथा क्योंहिं. पूर संदर्भ के जान भर न हो नी उन्हें किस प्रकार अंति किया गया बत्तावारी कि वह किस प्रकार अंति किया गया पर चारित है और उसका में ने अपन्य किया किया में कि व्यक्त किया गया पर चारित है और उसका में ने अपन्य क्या किया में कि व्यक्त में किया मे | सम्पति का जान क्षण क्यों है. प्राप्त के क्षण क्षण क्या क्षण क्यों क्षण क्षण क्षण क्षण क्षण क्षण क्षण क्षण | सम्पति का जान कथा क्योंके किया जाता
जित्तावर्ष कि जह किस किया जाता
मृह तथा अन्य भवन भूमि "वर्तना मूल्य प्रमाशित है और तस्ता में जाता अन्य किया में मिल्या जाता
प्रमाशित है और तस्ता में मिल्या जाता कि जाता कि जाता क्या अन्य किया मान
सम्पति (2) (3) (4) (5) (6) (6) (7) | सम्पतिक का जान तथा व्यक्ति के जान थर न हो सी उसे किस्त प्रकार अभित किसा प्रकार अभित की किसा प्रकार अभित की किसा प्रकार किसा के जान थर न किसा किसा किसा किसा किसा किसा किसा किसा
 | सम्पतिक का जान तथा व्यक्ति क्या क्रिया प्रविक्ति के जान थर न हो सी क्या ज्ञान व्यक्ति क्रिया ज्ञान व्यक्ति क्या व्यक्ति क्या व्यक्ति व्यक्ति क्या व्यक्ति विवक्ति व | सम्पतिक का जान तथा व्यक्ति क्या प्रवास कि वह किस्ते जान व्यक्ति क्या ज्या का व्यक्ति क्या का व्यक्ति क्या का व्यक्ति क्या का व्यक्ति क्या का व्यक्ति का व्यक्ति क्या का व्यक्ति का व्यक्ति क्या का व्यक्ति का | मस्पृतिक को नाम तथा क्षीर व्हाह कि के नाम तथा को ति कि का नाम तथा को ति कि का नाम तथा को ति का नाम तथा को तह की कि का नाम तथा को तथा के तथा को तथा के तथा को तथा को तथा के तथा को तथा के तथा को तथा को तथा के तथा को तथा के तथा को तथा त | मस्पृष्टिक जा नाम तथा क्षीर व्यक्ति के जान पर न हो तो उसे किसक प्रकार आर्थि किया ग्राप्य जाराव्याप्य किया जाराव्याप्य क्षाप्य किया जाराव्याप्य जाराव्याप्य क्षाप्य किया जाराव्याप्य जाराव्याप्य क्षाप्य किया जाराव्याप्य क्षाप्य क्षा | मस्पतिक को जान तथा क्षीते. जह तथा के कि के कि के कि के कि कि के कि | सम्मिक का जाम तथा क्योंरे
बतत्ताइये कि वह किसके नाम भाग ने के जी प्रद्धा, बंधक, विरासत
गृह तथा अन्य भवन भूमि "कर्तमान मूल्य पर धारित है और उसका मेंट या अन्य किसी प्रकार से सम्मिस अभ
शासकाय कर्मचारों से तथा अन्य की तार्राख और जिससे वार्षिक आय
स्मा संबंध है अजित की गांह हो उसका नाम
स्मा संबंध है अजित की गांह हो उसका नाम
(2) (3) (4) (5) (5) | सम्पष्टिका जाम तथा क्योर
बतत्ताइये कि बहु किसके नाम
गृह तथा अन्य भवन
गृह तथा अन्य भवन
भूमि
शासकीय कर्मचारी से जाग अर्जन की वारीख और जिससे
समाप्ति के नाह हो उसका नाम
स्पा संबंध है अधि की गई हो उसका नाम
(2) (3) (4) (5) (7) | सम्मिक जाम तथा न्योंदे
बतत्ताइये कि बहु किसके नाम "" बजीद, प्रट्य, बंधक, विरासत
गृह तथा अन्य भवन भूमि "" वर्तमान मूल्य पर थारित है और उसका मेंट या अन्य किसी प्रकार से सम्मिस से
शासकीय कर्मचारी से तथा अन्य की तारीख और जिससे वार्षिक आय
स्मा संबंध है अधित की गई हो उसका नाम
स्मा संबंध है अधित की गई हो उसका नाम
(2) (3) (4) (5) (7)
 | सम्पष्टिका जाम तथा क्योरि
बतत्ताहर्ष कि वह किसंके नाम "" खरीय, प्रट्य, बंपक, विरासत
मृह तथा अन्य भवन भूमि " वर्षमान मृत्य पर भारित है और उसका भेट या अन्य किसी प्रकार से सम्मानि से आ
शासकीय कर्मचारी से जागा अर्जन की तारीख और जिससे व्याधिक आय
स्मान संबंध है अभित की गई हो उसका नाम
(2) (3) (4) (5) (7) | सम्मिक जाम तथा ज्योरि
बतत्ताइये कि बहु किसके नाम
गृह तथा अन्य भवन
शुक्ति को अन्य भवन
शुक्ति को व्याद्धि अपि अपि अपि अपि अपि अपि अपि अपि अपि अप | सम्मित्त का जाम तथा क्योंरे. बतताइये कि बहु किसके नाम भर न हो जो उसे किसा ग्रका करता स्वाप्त कर करा करा कर | सम्पष्टिका जान तथा क्योर. बतत्ताहरी कि वह किसंके नाम """वर्गेत, पट्टा, वंपक, विरासत. ब्रह्माहरी कि वह किसंके नाम """वर्गेत, पट्टा, वंपक, विरासत. पर भारत है और उसका भेट या जन्म किसी प्रकार से सम्मानित्त आविक आय सास्कीय कर्मचारी से जागा अर्जन की तारीख और जिससे वार्षिक आय स्मान्तिक कर्मचारी से अभित की गई हो वसका नाम तथा संबंध है अधित की गई हो वसका नाम तथा स्वंध है (6) (7) | सम्मिक जाम तथा न्योरे. बतत्ताइये कि बहु किसके नाम """वर्गेद प्रद्य, बंफ्क, बिरासत, सम्मिक्त आवि कर्मवाद कर्य कर्मवाद | सम्मिक जाम तथा न्योरि
बतत्ताइये कि बहु किसके नाम """कर्तात प्रद्या, बंधक, विरासत
गृह तथा अन्य भवन भूमि ""कर्तमान मूल्य पर थारित है और उसका में द्या अन्य किसी प्रकार से सम्मिस से
शासकीय कर्मचारी से तथा अन्य की तारीख और जिससे वार्षिक आय
प्या संबंध है अपि अन्य की तारीख और जिससे वार्षिक आय
प्या संबंध है अधि को गई हो उसका नाम
तथा स्वंध है अधि को गई हो उसका नाम | सम्मित्त का जाम तथा क्योंदे
बतलाइये कि वह किसके नाम """ खरीद, प्रट्टा, बंधक, विरासत, प्राप्त के बाल संबंध के का
 | सम्मिष्ठ का जाम तथा क्योंदे
बतलाइये कि वह किसके नाम भर न हो तो उसे किस प्रकार आजित किसा गया
बतलाइये कि वह किसके नाम """ खरीद, पर्द्य, बंधक, विरासत,
गृह तथा अन्य भवन सुमि "" वर्तमान मूल्य पर धारित है. और उसका में ने नाम अवस्ति की गई हो उसका नाम समासकीय कर्मचारी से आजित की गई हो उसका नाम तथा संबंध है अजित की गई हो उसका नाम तथा संबंध है अजित की गई हो उसका नाम तथा संबंध है अजित की गई हो उसका नाम तथा स्वंध है (5) (6) (7) | सम्मिक न जान तथा ज्योर
बतत्ताहर्य कि वह किसके नाम "" खरीद, प्रट्य, बंधक, विरासत
गृह तथा अन्य भवन भूमि "वर्षमान मूल्य पर भारित है और उसका भेट या अन्य किसी प्रकार से सम्मित्ति आ
शासकीय कर्मचारी से जामा अर्जन की तार्ष और जिससे व्याधिक आय
स्मान्यक्ष है अधित की गई हो बसका नाम
(2) (3) (4) (5) (7) | सम्मिक्त जान तथा न्योरे. बतत्ताइये कि बहु किसके नाम "" बतीद प्रद्य, बंफ, विरासत, प्रमिस अभि के वाप अर्थन भवन भूमि " विर्मान मूल्य पर भारित है और उसका भेट या अन्य किसी प्रकार से सम्मिस के आय सामिक आय समित है। वाप अर्थन की तार्व और जिससे वार्षिक आय समामिक समामि | सम्मित्त का जाम तथा क्योंरे. बतताइये कि बढ़ किसके नाम भर न हो तो उसे किस प्रकार आजेत किसा गया बतताइये कि बढ़ किसके नाम "" खतीद, प्रद्ध, बंधक, विरासत, प्रामित्त के मार्गित है और उसका मेंट या ज्यन्य किसी प्रकार से सम्मित्त से सम्मित्त से सम्मित्त से नामिक आय | सम्मित्त का जाम तथा क्योरि
बतलाइये कि खंड किसके नाम
गृह तथा अन्य भवन
भूमि
शासकीय कर्मचारी से
समासकीय कर्मचारी से | सम्पष्टिका जाम तथा क्योरे
बतरताइये कि वह किसके नाम "" खरीय, पट्टा, बंधक, विरासत
गृह तथा अन्य भवन भूमि "वर्तमान मूल्य पर भारित है और उसका भेट या अन्य किसी प्रकार से सम्मान्ति स
शासकीय कर्मचारी से तथा अर्जन की तारीख और जिससे व्यार्थिक
आय
स्मान्तिक कर्मचारी से अर्जित की गई हो उसका नाम स्मान्तिक के विशेष की गई हो उसका नाम तथा संबंध है | सम्मिक का जाम तथा क्योंरे
बतलाइये कि वह किसके नाम
गृह तथा अन्य भवन
भूमि "वर्तमान मूल्य पर भारित है और उसका भेट या अन्य किसी प्रकार से सम्मित्ति अ
शासकीय कर्मचारी से तथा अर्जन की तारीख और जिससे
समासकीय कर्मचारी से तथा अर्जन की तारीख और जिससे | सम्मिक्त जाम तथा ज्योरे वित्यं के जाम पर न हो तो उसे किसा मना ज्यात कर कर्मा क्रिया के जाम पर न के तो तो कर | सम्मित्तका जाम तथा क्योंरे विश्व के जाम पर न हो तो उसे किस प्रकार आजेत किसा गया विश्व के विश | सम्मिष्ठ का जाम तथा क्योंरे
बतलाइये कि बढ़ किसके नाम """ खरीद, प्रद्या, बंधक, विरासत,
गृह तथा अन्य थवन भूमि "" वर्तमान मूल्य पर धारित है. और उसका मेंट या अन्य किसी प्रकार से सम्मिस से
शासकीय कर्मचारी से तथा अर्जन की तार्ज और जिससे बार्षिक आय
स्मा संबंध है अजित की गई हो उसका नाम | सम्मित्त का जाम तथा क्योरि बतलाइये कि खंड किसके नाम *** खरीद, पट्टा, बंधक, विरासत, गृह तथा अन्य भवन भूमि ** वर्तमान मूल्य पर भारित है और उसका मेंट या अन्य किसी प्रकार से सम्मित्त से सम्मित्त अन्य किसी प्रकार से सम्मित्त से सम्मित्त के अन्य अन्य अन्य क्यों विराय अर्थन की तारीख और जिससे वार्षिक आय समा संबंध है अर्थित की गई हो उसका नाम
 | सम्मिक का जाम तथा ज्योरे. बतत्ताइये कि वह किसके नाम """ खरीय, पट्टा, बंधक, विरासत, गृह तथा अन्य भवन भूमि "वर्षमान मूल्य पर भारित है और उसका भेट या अन्य किसी प्रकार से सम्मित्त अन्य शिरा का विराध और जिस्से आय सासकीय कर्मचारी से तथा अर्जन की तारीख और जिससे व्यार्थक आय स्था संबंध है अधित की गई हो, वसका नाम | सम्मिक नाम तथा न्योरे
बतत्ताइये कि बहु किसके नाम """खरीद, प्रद्य, बंधक, विरासत,
गृह तथा अन्य भवन भूमि "" वर्तमान मूल्य पर थारित है और उसका भेट या अन्य किसी प्रकार से सम्मिस से
शासकीय कर्मचारी से तथा अर्जन की वार्षिय और जिससे वार्षिक आय
प्या संबंध है । तथा अर्जन की वार्षिय सिससे | सम्मित्त का जाम तथा क्योंरे. बतताइये कि बढ़ किसके नाम """खरीद, प्रद्य, बंधक, विरासत, प्राम """वर्तात के बार्चा के बार्चा के सम्मित्त के आप अभ प्राप्त के मार्गा के बार्चा के ब | सम्पष्ति का नाम तथा ब्योरि बतलाइये कि बहु किसके नाम """ खरीद, पट्टा, बंधक, विरासत, गृह तथा अन्य भवन भूमि "" वर्तमान मूल्य पर भारित है और उसका मेंट या अन्य किसी प्रकार से सम्मत्ति से आधिक आय | सम्मित्त का नाम तथा क्योरि बतलाइथे कि जह किसके नाम ***बरीद, पट्टा, बंधक, विरासत, गृह तथा अन्य भवन भूमि **वर्तमान मृत्य पर भारित है और उसका भेट या अन्य किसी प्रकार से सम्मासि से आधिक आधि सम्मित्त का शिक आधिक आधिक अधिक को वार्षिक आधिक आधिक सम्मासिक व्याधिक अधिक को वार्षिक आधिक आधिक आधिक अधिक को वार्षिक आधिक आधिक आधिक आधिक के मैं जारी की वार्षिक आधिक आधिक आधिक आधिक आधिक आधिक आधिक आध | सम्मिक का जाम तथा क्योंरे
बतलाइये कि वह किसके नाम
गृह तथा अन्य भवन
भूमि "वर्तमान मूल्य पर भारित है और उसका भेट या अन्य किसी प्रकार से सम्मित्ति अ
शासकीय कर्मचारी से तथा अर्जन की तारीख और जिससे वार्षिक आय | सम्मित्त का जाम तथा क्योरि
बतलाइये कि वह किसके नाम
गृह तथा अन्य भवन भूमि ""वर्तमान मूल्य पर भारित है. और उसका भेंट या अन्य किसी प्रकार से सम्मित्त अन
शासकीय कर्मचारी से तथा अजैन की तारीख और जिससे बार्षिक आय
 | | | | |
 | | (A) こうしょう かいかい かいかい かいかい かいかい かいかい かいかい かいかい かい | |
 | | | | |
 | | | | |
| सम्पतिक का नाम तथा व्यक्ति क्या क्रिया है जो पर नहीं सी हम क्रिया हम व्यक्ति क्या हम स्वाप्ति के जो क्या क्या क्या क्या क्या क्या क्या क्या | सम्पति का जान कथा क्योंक्षि किया जाता
जुह तथा कान भाव क्या भाव क्या क्या क्या क्या क्या क्या क्या क्या | सम्पति का नाम तथा कर्मीर विकास क्षेत्र कर्मा क्षेत्र | सम्पति का जान कथा क्योंहिं. पूर संदर्भ के जान भर न हो नी उन्हें किस प्रकार अंति किया गया बत्तावारी कि वह किस प्रकार अंति किया गया पर चारित है और उसका में ने अपन्य किया किया में कि व्यक्त किया गया पर चारित है और उसका में ने अपन्य क्या किया में कि व्यक्त में किया मे | सम्पति का जान क्षण क्यों है. प्राप्त के क्षण क्षण क्या क्षण क्यों क्षण क्षण क्षण क्षण क्षण क्षण क्षण क्षण | सम्पति का जान कथा क्योंके किया जाता
जित्तावर्ष कि जह किस किया जाता
मृह तथा अन्य भवन भूमि "वर्तना मूल्य प्रमाशित है और तस्ता में जाता अन्य किया में मिल्या जाता
प्रमाशित है और तस्ता में मिल्या जाता कि जाता कि जाता क्या अन्य किया मान
सम्पति (2) (3) (4) (5) (6) (6) (7) | सम्पतिक का जान तथा व्यक्ति के जान थर न हो सी उसे किस्त प्रकार अभित किसा प्रकार अभित की किसा प्रकार अभित की किसा प्रकार किसा के जान थर न किसा किसा किसा किसा किसा किसा किसा किसा
 | सम्पतिक का जान तथा व्यक्ति क्या क्रिया प्रविक्ति के जान थर न हो सी क्या ज्ञान व्यक्ति क्रिया ज्ञान व्यक्ति क्या व्यक्ति क्या व्यक्ति व्यक्ति क्या व्यक्ति विवक्ति व | सम्पतिक का जान तथा व्यक्ति क्या प्रवास कि वह किस्ते जान व्यक्ति क्या ज्या का व्यक्ति क्या का व्यक्ति क्या का व्यक्ति क्या का व्यक्ति क्या का व्यक्ति का व्यक्ति क्या का व्यक्ति का व्यक्ति क्या का व्यक्ति का | मस्पृतिक को नाम तथा क्षीर व्हाह कि के नाम तथा को ति कि का नाम तथा को ति कि का नाम तथा को ति का नाम तथा को तह की कि का नाम तथा को तथा के तथा को तथा के तथा को तथा को तथा के तथा को तथा के तथा को तथा को तथा के तथा को तथा के तथा को तथा त | मस्पृष्टिक जा नाम तथा क्षीर व्यक्ति के जान पर न हो तो उसे किसक प्रकार आर्थि किया ग्राप्य जाराव्याप्य किया जाराव्याप्य क्षाप्य किया जाराव्याप्य जाराव्याप्य क्षाप्य किया जाराव्याप्य जाराव्याप्य क्षाप्य किया जाराव्याप्य क्षाप्य क्षा | मस्पतिक को जान तथा क्षीते. जह तथा के कि के कि के कि के कि कि के कि | सम्मिक का जाम तथा क्योंरे
बतत्ताइये कि वह किसके नाम भाग ने के जी प्रद्धा, बंधक, विरासत
गृह तथा अन्य भवन भूमि "कर्तमान मूल्य पर धारित है और उसका मेंट या अन्य किसी प्रकार से सम्मिस अभ
शासकाय कर्मचारों से तथा अन्य की तार्राख और जिससे वार्षिक आय
स्मा संबंध है अजित की गांह हो उसका नाम
स्मा संबंध है अजित की गांह हो उसका नाम
(2) (3) (4) (5) (5) | सम्पष्टिका जाम तथा क्योर
बतत्ताइये कि बहु किसके नाम
गृह तथा अन्य भवन
गृह तथा अन्य भवन
भूमि
शासकीय कर्मचारी से जाग अर्जन की वारीख और जिससे
समाप्ति के नाह हो उसका नाम
स्पा संबंध है अधि की गई हो उसका नाम
(2) (3) (4) (5) (7) | सम्मिक जाम तथा न्योंदे
बतत्ताइये कि बहु किसके नाम "" बजीद, प्रट्य, बंधक, विरासत
गृह तथा अन्य भवन भूमि "" वर्तमान मूल्य पर थारित है और उसका मेंट या अन्य किसी प्रकार से सम्मिस से
शासकीय कर्मचारी से तथा अन्य की तारीख और जिससे वार्षिक आय
स्मा संबंध है अधित की गई हो उसका नाम
स्मा संबंध है अधित की गई हो उसका नाम
(2) (3) (4) (5) (7)
 | सम्पष्टिका जाम तथा क्योरि
बतत्ताहर्ष कि वह किसंके नाम "" खरीय, प्रट्य, बंपक, विरासत
मृह तथा अन्य भवन भूमि " वर्षमान मृत्य पर भारित है और उसका भेट या अन्य किसी प्रकार से सम्मानि से आ
शासकीय कर्मचारी से जागा अर्जन की तारीख और जिससे व्याधिक आय
स्मान संबंध है अभित की गई हो उसका नाम
(2) (3) (4) (5) (7) | सम्मिक जाम तथा ज्यौर विकास करान अभि कि सह कि सके जाम पर न हों तो उसे किसा जावा विकास प्रकार मिला कि सह किसके जाम """ खरीद प्रद्य, बंफ्क, बिरासत, मिला कि सह किसके जाम मिला पर थारित है और उसका में द या अपन किसी प्रकार से सम्मिस से आसामित कांचारी से जाम अजैन की तारीख और जिससे वार्षिक आय समा संबंध है अधि कांचारी कांचार | सम्मित्त का जाम तथा क्योंरे. बतताइये कि बहु किसके नाम भर न हो जो उसे किसा ग्रका करता स्वाप्त कर करा करा कर | सम्पष्टिका जान तथा क्योर. बतत्ताहरी कि वह किसंके नाम """वर्गेत, पट्टा, वंपक, विरासत. ब्रह्माहरी कि वह किसंके नाम """वर्गेत, पट्टा, वंपक, विरासत. पर भारत है और उसका भेट या जन्म किसी प्रकार से सम्मानित्त आविक आय सास्कीय कर्मचारी से जागा अर्जन की तारीख और जिससे वार्षिक आय स्मान्तिक कर्मचारी से अभित की गई हो वसका नाम तथा संबंध है अधित की गई हो वसका नाम तथा स्वंध है (6) (7) | सम्मिक जाम तथा न्योरे. बतत्ताइये कि बहु किसके नाम """वर्गेद प्रद्य, बंफ्क, बिरासत, सम्मिक्त आवि कर्मवाद कर्य कर्मवाद | सम्मिक जाम तथा न्योरि
बतत्ताइये कि बहु किसके नाम """कर्तात प्रद्या, बंधक, विरासत
गृह तथा अन्य भवन भूमि ""कर्तमान मूल्य पर थारित है और उसका में द्या अन्य किसी प्रकार से सम्मिस से
शासकीय कर्मचारी से तथा अन्य की तारीख और जिससे वार्षिक आय
प्या संबंध है अपि अन्य की तारीख और जिससे वार्षिक आय
प्या संबंध है अधि को गई हो उसका नाम
तथा स्वंध है अधि को गई हो उसका नाम | सम्मित्त का जाम तथा क्योंदे
बतलाइये कि वह किसके नाम """ खरीद, प्रट्टा, बंधक, विरासत, प्राप्त के बाल संबंध के का
 | सम्मिष्ठ का जाम तथा क्योंदे
बतलाइये कि वह किसके नाम भर न हो तो उसे किस प्रकार आजित किसा गया
बतलाइये कि वह किसके नाम """ खरीद, पर्द्य, बंधक, विरासत,
गृह तथा अन्य भवन सुमि "" वर्तमान मूल्य पर धारित है. और उसका में ने नाम अवस्ति की गई हो उसका नाम समासकीय कर्मचारी से आजित की गई हो उसका नाम तथा संबंध है अजित की गई हो उसका नाम तथा संबंध है अजित की गई हो उसका नाम तथा संबंध है अजित की गई हो उसका नाम तथा स्वंध है (5) (6) (7) | सम्मिक न जान तथा ज्योर
बतत्ताहर्य कि वह किसके नाम "" खरीद, प्रट्य, बंधक, विरासत
गृह तथा अन्य भवन भूमि "वर्षमान मूल्य पर भारित है और उसका भेट या अन्य किसी प्रकार से सम्मित्ति आ
शासकीय कर्मचारी से जामा अर्जन की तार्ष और जिससे व्याधिक आय
स्मान्यक्ष है अधित की गई हो बसका नाम
(2) (3) (4) (5) (7) | सम्मिक्त जान तथा न्योरे. बतत्ताइये कि बहु किसके नाम "" बतीद प्रद्य, बंफ, विरासत, प्रमिस अभि के वाप अर्थन भवन भूमि " विर्मान मूल्य पर भारित है और उसका भेट या अन्य किसी प्रकार से सम्मिस के आय सामिक आय समित है। वाप अर्थन की तार्व और जिससे वार्षिक आय समामिक समामि | सम्मित्त का जाम तथा क्योंरे. बतताइये कि बढ़ किसके नाम भर न हो तो उसे किस प्रकार आजेत किसा गया बतताइये कि बढ़ किसके नाम "" खतीद, प्रद्ध, बंधक, विरासत, प्रामित्त के मार्गित है और उसका मेंट या ज्यन्य किसी प्रकार से सम्मित्त से सम्मित्त से सम्मित्त से नामिक आय | सम्मित्त का जाम तथा क्योरि
बतलाइये कि खंड किसके नाम
गृह तथा अन्य भवन
भूमि
शासकीय कर्मचारी से
समासकीय कर्मचारी से | सम्पष्टिका जाम तथा क्योरे
बतरताइये कि वह किसके नाम "" खरीय, पट्टा, बंधक, विरासत
गृह तथा अन्य भवन भूमि "वर्तमान मूल्य पर भारित है और उसका भेट या अन्य किसी प्रकार से सम्मान्ति स
शासकीय कर्मचारी से तथा अर्जन की तारीख और जिससे व्यार्थिक आय
स्मान्तिक कर्मचारी से अर्जित की गई हो उसका नाम स्मान्तिक के विशेष की गई हो उसका नाम तथा संबंध है
 | सम्मिक का जाम तथा क्योंरे
बतलाइये कि वह किसके नाम
गृह तथा अन्य भवन
भूमि "वर्तमान मूल्य पर भारित है और उसका भेट या अन्य किसी प्रकार से सम्मित्ति अ
शासकीय कर्मचारी से तथा अर्जन की तारीख और जिससे
समासकीय कर्मचारी से तथा अर्जन की तारीख और जिससे | सम्मिक्त जाम तथा ज्योरे वित्यं के जाम पर न हो तो उसे किसा मना ज्यात कर कर्मा क्रिया के जाम पर न के तो तो कर | सम्मित्तका जाम तथा क्योंरे विश्व के जाम पर न हो तो उसे किस प्रकार आजेत किसा गया विश्व के विश | सम्मिष्ठ का जाम तथा क्योंरे
बतलाइये कि बढ़ किसके नाम """ खरीद, प्रद्या, बंधक, विरासत,
गृह तथा अन्य थवन भूमि "" वर्तमान मूल्य पर धारित है. और उसका मेंट या अन्य किसी प्रकार से सम्मिस से
शासकीय कर्मचारी से तथा अर्जन की तार्ज और जिससे बार्षिक आय
स्मा संबंध है अजित की गई हो उसका नाम | सम्मित्त का जाम तथा क्योरि बतलाइये कि खंड किसके नाम *** खरीद, पट्टा, बंधक, विरासत, गृह तथा अन्य भवन भूमि ** वर्तमान मूल्य पर भारित है और उसका मेंट या अन्य किसी प्रकार से सम्मित्त से सम्मित्त अन्य किसी प्रकार से सम्मित्त से सम्मित्त के अन्य अन्य अन्य क्यों विराय अर्थन की तारीख और जिससे वार्षिक आय समा संबंध है अर्थित की गई हो उसका नाम | सम्मिक का जाम तथा ज्योरे. बतत्ताइये कि वह किसके नाम """ खरीय, पट्टा, बंधक, विरासत, गृह तथा अन्य भवन भूमि "वर्षमान मूल्य पर भारित है और उसका भेट या अन्य किसी प्रकार से सम्मित्त अन्य शिरा का विराध और जिस्से आय सासकीय कर्मचारी से तथा अर्जन की तारीख और जिससे व्यार्थक आय स्था संबंध है अधित की गई हो, वसका नाम
 | सम्मिक नाम तथा न्योरे
बतत्ताइये कि बहु किसके नाम """खरीद, प्रद्य, बंधक, विरासत,
गृह तथा अन्य भवन भूमि "" वर्तमान मूल्य पर थारित है और उसका भेट या अन्य किसी प्रकार से सम्मिस से
शासकीय कर्मचारी से तथा अर्जन की वार्षिय और जिससे वार्षिक आय
प्या संबंध है । तथा अर्जन की वार्षिय सिससे | सम्मित्त का जाम तथा क्योंरे. बतताइये कि बढ़ किसके नाम """खरीद, प्रद्य, बंधक, विरासत, प्राम """वर्तात के बार्चा के बार्चा के सम्मित्त के आप अभ प्राप्त के मार्गा के बार्चा के ब | सम्पष्ति का नाम तथा ब्योरि बतलाइये कि बहु किसके नाम """ खरीद, पट्टा, बंधक, विरासत, गृह तथा अन्य भवन भूमि "" वर्तमान मूल्य पर भारित है और उसका मेंट या अन्य किसी प्रकार से सम्मत्ति से आधिक आय | सम्मित्त का नाम तथा क्योरि बतलाइथे कि जह किसके नाम ***बरीद, पट्टा, बंधक, विरासत, गृह तथा अन्य भवन भूमि **वर्तमान मृत्य पर भारित है और उसका भेट या अन्य किसी प्रकार से सम्मासि से आधिक आधि सम्मित्त का शिक आधिक आधिक अधिक को वार्षिक आधिक आधिक सम्मासिक व्याधिक अधिक को वार्षिक आधिक आधिक आधिक अधिक को वार्षिक आधिक आधिक आधिक आधिक के मैं जारी की वार्षिक आधिक आधिक आधिक आधिक आधिक आधिक आधिक आध | सम्मिक का जाम तथा क्योंरे
बतलाइये कि वह किसके नाम
गृह तथा अन्य भवन
भूमि "वर्तमान मूल्य पर भारित है और उसका भेट या अन्य किसी प्रकार से सम्मित्ति अ
शासकीय कर्मचारी से तथा अर्जन की तारीख और जिससे वार्षिक आय | सम्मित्त का जाम तथा क्योरि
बतलाइये कि वह किसके नाम
गृह तथा अन्य भवन भूमि ""वर्तमान मूल्य पर भारित है. और उसका भेंट या अन्य किसी प्रकार से सम्मित्त अन
शासकीय कर्मचारी से तथा अजैन की तारीख और जिससे बार्षिक आय |
 | | | | |
 | (A) こうしょう かいかい かいかい かいかい かいかい かいかい かいかい かいかい かい | | |
 | | | | |
 | | | |
| सम्पतिक का नाम तथा व्यक्ति क्या क्रिया है जो पर नहीं सी हम क्रिया हम व्यक्ति क्या हम स्वाप्ति के जो क्या क्या क्या क्या क्या क्या क्या क्या | सम्पति का जान कथा क्योंक्षि किया जाता
जुह तथा कान भाव क्या भाव क्या क्या क्या क्या क्या क्या क्या क्या | सम्पति का नाम तथा कर्मीर विकास क्षेत्र कर्मा क्षेत्र | सम्पति का जान कथा क्योंहिं. पूर संदर्भ के जान भर न हो नी उन्हें किस प्रकार अंति किया गया बत्तावारी कि वह किस प्रकार अंति किया गया पर चारित है और उसका में ने अपन्य किया किया में कि व्यक्त किया गया पर चारित है और उसका में ने अपन्य क्या किया में कि व्यक्त में किया मे | सम्पति का जान क्षण क्यों है. प्राप्त के क्षण क्षण क्या क्षण क्यों क्षण क्षण क्षण क्षण क्षण क्षण क्षण क्षण | सम्पति का जान कथा क्योंके क्या जान कथा क्योंके किया जान क्यान क्या क्या क्या क्या क्या क्या क्या क्या | सम्पतिक का जान तथा व्यक्ति के जान थर न हो सी उसे किस्त प्रकार अभित किसा प्रकार अभित की किसा प्रकार अभित की किसा प्रकार किसा के जान थर न किसा किसा किसा किसा किसा किसा किसा किसा
 | सम्पतिक का जान तथा व्यक्ति क्या क्रिया प्रविक्ति के जान थर न हो सी क्या ज्ञान व्यक्ति क्रिया ज्ञान व्यक्ति क्या व्यक्ति क्या व्यक्ति व्यक्ति क्या व्यक्ति विवक्ति व | सम्पतिक का जान तथा व्यक्ति क्या प्रवास कि वह किस्ते जान व्यक्ति क्या ज्या का व्यक्ति क्या का व्यक्ति क्या का व्यक्ति क्या का व्यक्ति क्या का व्यक्ति का व्यक्ति क्या का व्यक्ति का व्यक्ति क्या का व्यक्ति का | मस्पृतिक को नाम तथा क्षीर व्हाह कि के नाम तथा को ति कि का नाम तथा को ति कि का नाम तथा को ति का नाम तथा को तह की कि का नाम तथा को तथा के तथा को तथा के तथा को तथा को तथा के तथा को तथा के तथा को तथा को तथा के तथा को तथा के तथा को तथा त | मस्पृष्टिक जा नाम तथा क्षीर व्यक्ति के जान पर न हो तो उसे किसक प्रकार आर्थि किया ग्राप्य जाराव्याप्य किया जाराव्याप्य क्षाप्य किया जाराव्याप्य जाराव्याप्य क्षाप्य किया जाराव्याप्य जाराव्याप्य क्षाप्य किया जाराव्याप्य क्षाप्य क्षा | मस्पतिक को जान तथा क्षीते. जह तथा के कि के कि के कि के कि कि के कि | सम्मिक का जाम तथा क्योंरे
बतत्ताइये कि वह किसके नाम भाग ने के जी प्रद्धा, बंधक, विरासत
गृह तथा अन्य भवन भूमि "कर्तमान मूल्य पर धारित है और उसका मेंट या अन्य किसी प्रकार से सम्मिस अभ
शासकाय कर्मचारों से तथा अन्य की तार्राख और जिससे वार्षिक आय
स्मा संबंध है अजित की गांह हो उसका नाम
स्मा संबंध है अजित की गांह हो उसका नाम
(2) (3) (4) (5) (5) | सम्पष्टिका जाम तथा क्योर
बतत्ताइये कि बहु किसके नाम
गृह तथा अन्य भवन
गृह तथा अन्य भवन
भूमि
शासकीय कर्मचारी से जाग अर्जन की वारीख और जिससे
समाप्ति के नाह हो उसका नाम
स्पा संबंध है अधि की गई हो उसका नाम
(2) (3) (4) (5) (7) | सम्मिक जाम तथा न्योंदे
बतत्ताइये कि बहु किसके नाम "" बजीद, प्रट्य, बंधक, विरासत
गृह तथा अन्य भवन भूमि "" वर्तमान मूल्य पर थारित है और उसका मेंट या अन्य किसी प्रकार से सम्मिस से
शासकीय कर्मचारी से तथा अन्य की तारीख और जिससे वार्षिक आय
स्मा संबंध है अधित की गई हो उसका नाम
स्मा संबंध है अधित की गई हो उसका नाम
(2) (3) (4) (5) (7)
 | सम्पष्टिका जाम तथा क्योरि
बतत्ताहर्ष कि वह किसंके नाम "" खरीय, प्रट्य, बंपक, विरासत
मृह तथा अन्य भवन भूमि " वर्षमान मृत्य पर भारित है और उसका भेट या अन्य किसी प्रकार से सम्मानि से आ
शासकीय कर्मचारी से जागा अर्जन की तारीख और जिससे व्याधिक आय
स्मान संबंध है अभित की गई हो उसका नाम
(2) (3) (4) (5) (7) | सम्मिक जाम तथा ज्यौर विकास करान अभि कि सह कि सके जाम पर न हों तो उसे किसा जावा विकास प्रकार मिला कि सह किसके जाम """ खरीद प्रद्य, बंफ्क, बिरासत, मिला कि सह किसके जाम मिला पर थारित है और उसका में द या अपन किसी प्रकार से सम्मिस से आसामित कांचारी से जाम अजैन की तारीख और जिससे वार्षिक आय समा संबंध है अधि कांचारी कांचार | सम्मित्त का जाम तथा क्योंरे. बतताइये कि बह किसके नाम भर न हो जो उसे किसा ग्रका करता हो किसा ग्रका करता है और बह किसके नाम में ब्याद्ध प्रद्धा, बंधक, विरासत, सम्मित्त के आया सांस्क आया सांस्क आया सांस्क हो वसका नाम कर्माना है अधिक आया सांस्क आया सांस्क हो करा को गई हो बसका नाम हमा सांस्क आया है आया हो बसका नाम हमा सांस्क है आया हो बसका नाम हमा सांस्क है आया हो वसका नाम हमा सांस्क है आया हो वसका नाम हमा सांस्क है आया हो वसका नाम हमा हो बसका नाम हमा सांस्क है आया है आया है हो बसका नाम हमा हमा है हो हमा हमा है हो बसका नाम हमा हमा हमा हमा हमा हमा हमा हमा हमा ह | सम्पष्टिका जान तथा क्योर. बतत्ताहरी कि वह किसंके नाम """वर्गेत, पट्टा, वंपक, विरासत. ब्रह्माहरी कि वह किसंके नाम """वर्गेत, पट्टा, वंपक, विरासत. पर भारत है और उसका भेट या जन्म किसी प्रकार से सम्मानित्त आविक आय सास्कीय कर्मचारी से जागा अर्जन की तारीख और जिससे वार्षिक आय स्मान्तिक कर्मचारी से अभित की गई हो वसका नाम तथा संबंध है अधित की गई हो वसका नाम तथा स्वंध है (6) (7) | सम्मिक जाम तथा न्योरे. बतत्ताइये कि बहु किसके नाम """वर्गेद प्रद्य, बंफ्क, बिरासत, सम्मिक्त आवि कर्मवाद कर्य कर्मवाद | सम्मिक जाम तथा न्योरि
बतत्ताइये कि बहु किसके नाम """कर्तात प्रद्या, बंधक, विरासत
गृह तथा अन्य भवन भूमि ""कर्तमान मूल्य पर थारित है और उसका में द्या अन्य किसी प्रकार से सम्मिस से
शासकीय कर्मचारी से तथा अन्य की तारीख और जिससे वार्षिक आय
प्या संबंध है अपि अन्य की तारीख और जिससे वार्षिक आय
प्या संबंध है अधि को गई हो उसका नाम
तथा स्वंध है अधि को गई हो उसका नाम | सम्मित्त का जाम तथा क्योंदे
बतलाइये कि वह किसके नाम """ खरीद, प्रट्टा, बंधक, विरासत, प्राप्त के बाल संबंध के का
 | सम्मिष्ठ का जाम तथा क्योंदे
बतलाइये कि वह किसके नाम भर न हो तो उसे किस प्रकार आजित किसा गया
बतलाइये कि वह किसके नाम """ खरीद, पर्द्य, बंधक, विरासत,
गृह तथा अन्य भवन सुमि "" वर्तमान मूल्य पर धारित है. और उसका में ने नाम अवस्ति की गई हो उसका नाम समासकीय कर्मचारी से आजित की गई हो उसका नाम तथा संबंध है अजित की गई हो उसका नाम तथा संबंध है अजित की गई हो उसका नाम तथा संबंध है अजित की गई हो उसका नाम तथा स्वंध है (5) (6) (7) | सम्मिक न जान तथा ज्योर
बतत्ताहर्य कि वह किसके नाम "" खरीद, प्रट्य, बंधक, विरासत
गृह तथा अन्य भवन भूमि "वर्षमान मूल्य पर भारित है और उसका भेट या अन्य किसी प्रकार से सम्मित्ति आ
शासकीय कर्मचारी से जामा अर्जन की तार्ष और जिससे व्याधिक आय
स्मान्यक्ष है अधित की गई हो बसका नाम
(2) (3) (4) (5) (7) | सम्मिक्त जान तथा न्योरे. बतत्ताइये कि बहु किसके नाम "" बतीद प्रद्य, बंफ, विरासत, प्रमिस अभि के वाप अर्थन भवन भूमि " विर्मान मूल्य पर भारित है और उसका भेट या अन्य किसी प्रकार से सम्मिस के आय सामिक आय समित है। वाप अर्थन की तार्व और जिससे वार्षिक आय समामिक समामि | सम्मित्त का जाम तथा क्योंरे. बतताइये कि बढ़ किसके नाम भर न हो तो उसे किस प्रकार आजेत किसा गया बतताइये कि बढ़ किसके नाम "" खतीद, प्रद्ध, बंधक, विरासत, प्रामित्त के मार्गित है और उसका मेंट या ज्यन्य किसी प्रकार से सम्मित्त से सम्मित्त से सम्मित्त से नामिक आय | सम्मित्त का जाम तथा क्योरि
बतलाइये कि खंड किसके नाम
गृह तथा अन्य भवन
भूमि
शासकीय कर्मचारी से
समासकीय कर्मचारी से | सम्पष्टिका जाम तथा क्योरे
बतरताइये कि वह किसके नाम "" खरीय, पट्टा, बंधक, विरासत
गृह तथा अन्य भवन भूमि "वर्तमान मूल्य पर भारित है और उसका भेट या अन्य किसी प्रकार से सम्मान्ति स
शासकीय कर्मचारी से तथा अर्जन की तारीख और जिससे व्यार्थिक आय
स्मान्तिक कर्मचारी से अर्जित की गई हो उसका नाम स्मान्तिक के विशेष की गई हो उसका नाम तथा संबंध है
 | सम्मिक का जाम तथा क्योंरे
बतलाइये कि वह किसके नाम
गृह तथा अन्य भवन
भूमि "वर्तमान मूल्य पर भारित है और उसका भेट या अन्य किसी प्रकार से सम्मित्ति अ
शासकीय कर्मचारी से तथा अर्जन की तारीख और जिससे
समासकीय कर्मचारी से तथा अर्जन की तारीख और जिससे | सम्मिक्त जाम तथा ज्योरे वित्यं के जाम पर न हो तो उसे किसा मना ज्यात कर कर्मा क्रिया के जाम पर न के तो तो कर | सम्मित्तका जाम तथा क्योंरे विश्व के जाम पर न हो तो उसे किस प्रकार आजेत किसा गया विश्व के विश | सम्मिष्ठ का जाम तथा क्योंरे
बतलाइये कि बढ़ किसके नाम """ खरीद, प्रद्या, बंधक, विरासत,
गृह तथा अन्य थवन भूमि "" वर्तमान मूल्य पर धारित है. और उसका मेंट या अन्य किसी प्रकार से सम्मिस से
शासकीय कर्मचारी से तथा अर्जन की तार्ज और जिससे बार्षिक आय
स्मा संबंध है अजित की गई हो उसका नाम | सम्मित्त का जाम तथा क्योरि बतलाइये कि खंड किसके नाम *** खरीद, पट्टा, बंधक, विरासत, गृह तथा अन्य भवन भूमि ** वर्तमान मूल्य पर भारित है और उसका मेंट या अन्य किसी प्रकार से सम्मित्त से सम्मित्त अन्य किसी प्रकार से सम्मित्त से सम्मित्त के अन्य अन्य अन्य क्यों विराय अर्थन की तारीख और जिससे वार्षिक आय समा संबंध है अर्थित की गई हो उसका नाम | सम्मिक का जाम तथा ज्योरे. बतत्ताइये कि वह किसके नाम """ खरीय, पट्टा, बंधक, विरासत, गृह तथा अन्य भवन भूमि "वर्षमान मूल्य पर भारित है और उसका भेट या अन्य किसी प्रकार से सम्मित्त अन्य शिरा का विराध और जिस्से आय सासकीय कर्मचारी से तथा अर्जन की तारीख और जिससे व्यार्थक आय स्था संबंध है अधित की गई हो, वसका नाम
 | सम्मिक नाम तथा न्योरे
बतत्ताइये कि बहु किसके नाम """खरीद, प्रद्य, बंधक, विरासत,
गृह तथा अन्य भवन भूमि "" वर्तमान मूल्य पर थारित है और उसका भेट या अन्य किसी प्रकार से सम्मिस से
शासकीय कर्मचारी से तथा अर्जन की वार्षिय और जिससे वार्षिक आय
प्या संबंध है । तथा अर्जन की वार्षिय सिससे | सम्मित्त का जाम तथा क्योंरे. बतताइये कि बढ़ किसके नाम """खरीद, प्रद्य, बंधक, विरासत, प्राम """वर्तात के बार्चा के बार्चा के सम्मित्त के आप अभ प्राप्त के मार्गा के बार्चा के ब | सम्पष्ति का नाम तथा ब्योरि बतलाइये कि बहु किसके नाम """ खरीद, पट्टा, बंधक, विरासत, गृह तथा अन्य भवन भूमि "" वर्तमान मूल्य पर भारित है और उसका मेंट या अन्य किसी प्रकार से सम्मत्ति से आधिक आय | सम्मित्त का नाम तथा क्योरि बतलाइथे कि जह किसके नाम ***बरीद, पट्टा, बंधक, विरासत, गृह तथा अन्य भवन भूमि **वर्तमान मृत्य पर भारित है और उसका भेट या अन्य किसी प्रकार से सम्मासि से आधिक आधि सम्मित्त का शिक आधिक आधिक अधिक को वार्षिक आधिक आधिक सम्मासिक व्याधिक अधिक को वार्षिक आधिक आधिक आधिक अधिक को वार्षिक आधिक आधिक आधिक आधिक के मैं जारी की वार्षिक आधिक आधिक आधिक आधिक आधिक आधिक आधिक आध | सम्मिक का जाम तथा क्योंरे
बतलाइये कि वह किसके नाम
गृह तथा अन्य भवन
भूमि "वर्तमान मूल्य पर भारित है और उसका भेट या अन्य किसी प्रकार से सम्मित्ति अ
शासकीय कर्मचारी से तथा अर्जन की तारीख और जिससे वार्षिक आय | सम्मित्त का जाम तथा क्योरि
बतलाइये कि वह किसके नाम
गृह तथा अन्य भवन भूमि ""वर्तमान मूल्य पर भारित है. और उसका भेंट या अन्य किसी प्रकार से सम्मित्त अन
शासकीय कर्मचारी से तथा अजैन की तारीख और जिससे बार्षिक आय |
 | | | | |
 | | | |
 | | | | |
 | | | |
| क्षी किस प्रकार अजित किया गया
भेट या जरना किसी प्रकार से सम्प्रमि से अ
भेट या जरना किसी प्रकार से सम्प्रमि से
तथा अर्जन की गाई हो उसका मान
अजित की गाई हो उसका मान
(6) (7) | सम्पति का जान क्षण क्रांति किया जान क्षण क्रांति क्षण क्रांति क्षण क्षण क्षण क्षण क्षण क्षण क्षण क्षण | सम्पति का जान क्षण क्यों हैं | सम्पणि का जान क्षण काहि, विकास क्षण काहि क्षण के जान क्षण काहि क्षण काहि क्षण जान क्षण काहि क्षण जान क्षण काहि क्षण काहि क्षण काहि काहि क्षण काहि काहि काहि काहि काहि काहि काहि काहि | सम्पतिक का जान क्षण क्यों है. गृह तथा अन्य भवन भूमि "व्हर्मान मूल्य के जान भर न हो जो दिन किस प्रकार अनिक किया गया गृह तथा अन्य भवन भूमि "व्हर्मान मूल्य स्थाता है और देसका ना ""विद्या अन्य निवास क्या किया जान किया जा | सम्पति का जान क्षण काहि का जान क्षण काहि काहि के काहि काहि जिस्सा जान स्वात की काहि के काहि का | सम्पति को जान रुपा कर्मी, पर्यंद स्टब्ल के जान पर न हो सी उसे किस प्रकार अस्ति किसा ग्रम्म कराताम् किस्स किस्म जान ""वितास किस्म प्रमास किस्म किस | सम्पति का जान क्ष्म क्ष्मी क्ष्मी के जान क्ष्म न हो सी हम क्षिमक जान जनवासी कि जह किसके जान ""वर्षान पूर्व के क्ष्मी क्ष्मिक विकास जान जनवासी के जान जनवासी जान
 | सम्पतिक को जान क्षण कर्मीर पुरं क्लंग के जान थर न हो सी ट्रम् किस्स किया गुण विकास कर्म क्षण क्रिया क्लंग किस्स किस किस्स किस किस्स किस किस किस किस किस किस किस किस किस कि | सम्पतिक को जान तथा क्रीर
करावास्त्री कि कहा किसके जान
करावास्त्री कि कहा किसके जान
करावास्त्री के क्रीर उसका
पर भारत है, और उसका
पर भारती के क्रीर कराव
पर भारती के क्रीर कराव
पर भारती के क्रीर कराव
करावास्त्री के क्रीर कराव
करावास्त्री के क्रीर क्रिया जान
करावास्त्री के क्रीर क्रिया जान
करावस्त्री के क्रिया जान
करावस्त्री के क्रिया जान
करावस्त्री के क्रिया जान
करावस्त्री के क्रिया जान
करावस्त्री क्रिया जान
करावस्त्री के क्रिया जान
करावस्त्री के क्रिया जान
करावस्त्री के क्रिया जान
करावस्त्री क्रिया जान
करावस्त्री के क्रिया जान
करावस्त्री क्रिया जान
करावस्त्री के क्रिया जान
करावस्त्री के क्रिया जान
करावस्त्री के क्रिया जान
करावस्त्री के क्रिया जान
करावस्त्री क्रिया जान
करावस्त्री के क्रिय जान
करावस्त्री के क्रि | मस्पिति को नाम तथा क्रीर
जिल्लाप्रे कि कहा किसके नाम
जिल्लाप्रे कि कहा किसके नाम
पर भारत है, और उसका
पर भारत है, और अपका
पर भारत है, अपका
पर भारत | मस्पिति को जान तथा क्यों हैं जान शरा न हो तो उदी किसा प्रकार अजित किया जाय
जातवाध्ये कि कह किसके जान ""कर्तनात मूल्य प्रभार है और उसका निर्मा प्रकार में जाय और किसी प्रकार में जायकि और क्रियों हो जायकि और क्षित में जायिक और क्षित मान वासिक आयों प्रमान में हो वसका नान क्या क्यों ते हो वसका नान क्या क्या क्यों ते हो वसका नान क्या क्या क्यों ते हो वसका नान क्या क्यों ते हो क्या क्यों ते हो क्या क्या क्यों ते हो क्या क्या क्यों ते हो क्या क्या क्या क्या क्या क्या क्या क्या | सम्मिक न जान तथा ज्योर
बतत्ताइये कि बहु किसके नाम
गृह तथा अन्य भवन
भूमि "कर्तमान मूल्य पर धारित है और उसका मेंट या अन्य किसी प्रकार से सम्मिस से
शासकीय कर्मचारी से तथा अन्य की तारिख और जिससे
समा संबंध है अजित की गांह हो उसका नाम
समा संबंध है अजित की गांह हो उसका नाम
(2) (3) (4) (5) (5) | सम्पष्टिका जान तथा क्योंदे
बतत्ताहरी कि वह किसंके नाम """ खरीद, पट्टा, बंधक, विरासत
गृह तथा अन्य भवन भूमि " वर्तमान मूल्य पर भारित है और उसका भेट या अन्य किसी प्रकार से सम्मात्ति से
शासकीय कर्मचारी से तथा अर्जन की तारीख और जिससे वार्षिक आय
स्पान्संबंध है अधित की गई हो उसका नाम
(2) (3) (4) (5) (7) | सम्मिक जान तथा ज्योरे
बतत्ताइये कि वह किसके गाम """ खरीद प्रद्य, बंफ, विरासत
गृह तथा अन्य भवन भूमि "" वर्तमान मूल्य पर थारित है और उसका भेट या अन्य किसी प्रकार से सम्मित से
शासकीय कर्मचारी से तथा अन्य किसी प्रकार से सम्मित से
स्या संबंध है अपि उसका भीन वार्षिक आय
स्या संबंध है अपि अन्य की तार्राख और जिससे वार्षिक आय
स्या संबंध है अपि को गई हो बसका भीन
(2) (3) (4) (5) (7)
 | सम्पष्टिका जान तथा क्योंदे
गृह तथा अन्य भवन भूमि "अर्वनान मूल्य पर भारित है और उसका भेट या अन्य किसी प्रकार से सम्पत्ति से अप्र
शासकीय कर्मचारी से जागा अर्जन की तार्व और जिससे व्यासिक आय
स्मान्तिक कर्मचारी से अभित की गाई हो उसका नाम
स्मान्तिक कर्मचारी से अभित की गाई हो उसका नाम
(2) (3) (4) (5) (7) | सम्पष्टिका जान तथा क्योंदे
बतत्ताइये कि वह किसके नाम
गृह तथा अन्य भवन
गृह तथा अन्य भवन
भूमि
शासकीय कर्मचारी से जाग अर्जन की तार्राख और जिससे
समासिक्ष के अर्थाय और विससे
समासिक्ष के अर्थाय और विससे
समासिक्ष के अर्थित की तार्राख और जिससे
समासिक्ष के अर्थित की तार्राख और जिससे
समासिक्ष है अर्थित की नाई हो वसका नाम
(2) (3) (4) (5) (7) | सम्मिक न जान तथा न्योरे. बतत्ताइये कि बहु किसके नाम ""व्योद्ध प्रद्य, बंधक, विरासत, प्राप्त के वापा अन्य किसी प्रकार से सम्मिस के आधिक आप सारकीय कर्मचारी से तथा अन्य किसी प्रकार से सम्मिस के आधिक आप सारकीय कर्मचारी से तथा अन्य किसी प्रकार से सम्मिस से आधिक आप सारकीय कर्मचारी से तथा अन्य किसी प्रकार से सम्मिस से आधिक आप सारकीय कर्मचारी से तथा अन्य किस को गई हो बसका नाम तथा संबंध है अजित को गई हो बसका नाम तथा स्वंध है अजित को गई हो बसका नाम तथा स्वंध है अजित को गई हो बसका नाम तथा स्वंध है अजित को गई हो बसका नाम तथा स्वंध है अजित को गई हो बसका नाम तथा स्वंध है अजित को गई हो बसका नाम तथा स्वंध है अजित को गई हो बसका नाम तथा स्वंध है अजित को गई हो बसका नाम तथा स्वंध है अजित को गई हो बसका नाम तथा स्वंध है अजित को गई हो अजित को नाम स्वंध है अजित को गई हो अजित को गई हम अजित को गई हो अजित को जिल्हा है अजित के अजित को जिल्हा है अजित के अजित को जिल्हा है अजित को जिल्हा है अजित के अजित को जिल्हा है अजित के अजित के अजित को जिल्हा है अजित को जिल्हा है अजित को जिल्हा है अजित के अजित के अजित को जिल्हा है अजित के अजित के अजित को जिल्हा है अजित के अजित के अजित के अजित के अजित के | सम्पष्टिका जान तथा क्योंदे
गृह तथा अन्य भवन भूमि "कर्तनाइये कि वह किसंके नाम """व्यीद, पट्टा, वंपक, विरासत
पर भारति है और उसका भेट या अन्य किसी प्रकार से सम्पत्ति से आ
शासकीय कर्मचारी से जागा अर्जन की तारीख और जिससे व्याधिक आय
स्मान्सकंघ है अजित की गई हो बसका नाम
स्मान्सकंघ है अजित की गई हो बसका नाम
(2) (4) (5) (7) | सम्पष्टिका जान तथा क्योंदे
बतलाइये कि वह किसके नाम
गृह तथा अन्य भवन
गृह तथा अन्य भवन
भूमि "वर्तमान मूल्य पर भारित है और उसका भेट या अन्य किसी प्रकार से सम्मति से
शासकीय कर्मचारी से निया अन्य किसी प्रकार से सम्मति से
शासकीय कर्मचारी से निया अन्य किसी प्रकार से सम्मति से
शासकीय कर्मचारी से निया अन्य किसी प्रकार में
सम्पा संबंध है अधित को गाई हो वसका नाम
तथा व्यारा
 | सम्मिक न जान तथा न्योरे. बतत्ताइदे कि वह किसके नाम भा न हो तो उसे किसा गया बतत्ताइदे कि वह किसके नाम न न क्या दिया ज्या कर्या, बंधक, विदासत, सम्मित्त के आया पर भारित है और उसका में देया ज्यान किसी प्रकार से सम्मित्त के आया सासकीय कर्मांगरी से निया ज्यान किसी प्रकार से सम्मित्त से आया सासकीय कर्मांगरी से निया ज्यान किसी प्रकार से सम्मित्त से आया सासकीय कर्मांगरी से निया ज्यान किसा माम न निया स्वाप है अधिक सका माम तथा संबंध है अधिक क्यांत की गई हो उसका माम तथा स्वाप है अधिक क्यांत की गई हो उसका माम तथा स्वाप है अधिक क्यांत की हो हो क्यांत की तथा क्यांत की तथा क्यांत किसा क्यांत किसा क्यांत किसा क्यांत किसा क्यांत किसा क्यांत किसा किसा क्यांत किसा किसा किसा किसा किसा किसा किसा किसा | सम्मिक्त जान तथा न्योरे. बतत्ताइये कि बह किसके नाम भा न्यां क्ष्मक, क्षिता क्षमा नवा विकास प्रकार आजित कि का नाम क्ष्मिक जान कर्मा कि का नाम कर्मा का का नाम कर्मा का का नाम कर्मा का का नाम कर्मा का नाम कर्मा का का नाम कर्मा का नाम कर्मा का नाम कर्मा का नाम का नाम कर्मा नाम कर्मा का नाम कर्मा कर्मा का नाम कर्मा का नाम कर्मा का नाम कर्मा करना करना करना करना करना करना करना करन | सम्मिक जाम तथा न्योरि
बतलाइये कि वह किसके नाम """खरीद, प्रद्धा, बंधक, विरासत,
गृह तथा अन्य भवन भूमि ""वर्तमान मूल्य पर धारित है. और उसका में द्या अन्य किसी प्रकार से
शासकीय कर्मचारी से तथा अर्जन की तार्ग अंतर को संकि आय
स्या संबंध है अजित की गई हो उसका नाम
स्या संबंध है अजित की गई हो उसका नाम
(2) (3) (4) (5) (7) | सम्मिक्त जान तथा ज्योरे. बतत्वाहर्ष कि वह किसंके नाम """व्वरीष, पट्टा, बंधक, विरासत, प्राप्त के तथा अन्य भवन भूमि ""वर्षमान मूल्य पर धारित है और उसका भेट या अन्य किसी प्रकार से सम्मित्त अप्र सासकीय कर्मचारी से तथा अर्जन की तारीख और जिससे व्यक्तिक आय स्मान्तिक अर्थन की तारीख और जिससे व्यक्तिक आय स्मान्तिक अर्थन की तारीख और जिससे व्यक्तिक आय स्मान्तिक अर्थन की तार्व हो वसका नाम तथा संबंध है अर्थन की तार्व की वसका नाम तथा संबंध है (5) (6) (7) | सम्पष्टिका जान तथा क्योंदे
बतत्ताहर्य कि वह किसके नाम "" खरीद, प्रद्य, बंधक, विरासत
गृह तथा अन्य भवन भूमि "वर्तमान मूल्य पर भारित है और उसका भेट या अन्य किसी प्रकार से सम्मति से
शासकीय कर्मचारी से तथा अर्जन की वर्ताख और जिससे कार्यिक आय
स्पा संबंध है अर्थन की वर्ताख और जिससे कार्यिक आय
स्पा संबंध है अर्थन की वर्ताख जोर जिससे कार्यिक आय
स्पा संबंध है अर्थन की वर्ताख जोर जिससे कार्यिक अर्थन की वर्ताख जाता | सम्मिक्त जान तथा ज्यौरें
बतत्ताइये कि बढ़ किसके नाम """ खरीद क्रिक्त के नाम पर प्रदेश, बंधक, विरासत,
गृह तथा अन्य भवन भूमि "" वर्तमान मूल्य पर धारित है और उसका मेंट या अन्य किसी प्रकार से सम्मिस से
शासकीय कर्मनारी से नेपा अनेन की तार्ख और जिससे वार्षिक आय
प्या संबंध है अजिंत की गई हो उसका नाम
 | सम्मिक का जाम तथा ज्योरि
बतलाइये कि वह किसके नाम """ खरीद, प्रट्य, बेथक, विरासत,
गृह तथा अन्य भवन भूमि "" वर्तमान मूल्य पर भारित है. और उसका मेंट या अन्य किसी प्रकार से
शासकीय कर्मचारी से तथा अर्जन की तारीख और जिससे वार्षिक आय
स्पा संबंध है अजिंत की गई हो उसका नाम | सम्पष्टिका जान तथा क्योरे
बतत्ताइये कि वह किसंके नाम """खरीय, पट्टा, वंपक, विरासत,
गृह तथा अन्य भवन भूमि ""वर्तमान मूल्य पर धारित है और उसका भेट या अन्य किसी प्रकार से सम्पत्ति से
शासकीय कर्मचारी से तथा अर्जन की तारीख और जिससे व्याधिक आय
स्मा संबंध है अजिंत की गई हो उसका नाम | सम्पष्टिका जान तथा क्योरे
बतत्ताइये कि वह किसंके नाम """ खरीय, पट्टा, बंधक, विरासत
गृह तथा अन्य भवन भूमि "वर्षमान मूल्य पर भारित है और उसका भेट या अन्य किसी प्रकार से सम्मानि से
शासकीय कर्मचारी से तथा अर्जन की तारीख और जिससे व्यार्थिक आय
स्पा संबंध है अधित की गई हो उसका नाम
हासकीय कर्मचारी से अधित की गई हो उसका नाम | सम्मिक नाम तथा ज्योर
बतलाइये कि वह किसके नाम
गृह तथा अन्य भवन
गृह तथा अन्य भवन
भूमि "भवेमान मूल्य पर भारित है और उसका भेट या अन्य किसी प्रकार से सम्मित्त अ
शासकीय कर्मचारी से नाथा अर्जन की तार्राख और जिससे वार्षिक आय
पमा संबंध है अधित की तार्राख और जिससे | सम्मिक्त जान तथा ज्योरे. बतत्ताइये कि वह किसके नाम """करीद, प्रट्य, बंधक, विरासत, प्रामि के वाय अन्य भवन भूमि ""करीमान मूल्य पर शारित है और उसका भेट या अन्य किसी प्रकार से सम्मित के आय शारकीय कर्मचारी से तथा अर्जन की तारीख और जिससे वार्षिक आय स्पा संबंध है अर्जित की गई हो उसका नाम तथा संबंध है अर्जित की गई हो उसका नाम
 | सम्मिष्ठ का जाम तथा क्योंरे. बतत्ताइये कि बढ़ किसके नाम """खरीद, प्रट्टा, बंधक, विरासत, प्रामि में अस्ति कि बढ़ किसके नाम """खरीद, प्रट्टा, बंधक, विरासत, प्रामि में अस्ति कि बढ़ किसके नाम मेंट या अन्य किसी प्रकार से सम्मिष्ट आय | सम्मिष्क जाम तथा ज्योरि
बतलाइये कि बढ़ किसके नाम """ खरीद, प्रदूरा, बेथक, विरासत,
गृह तथा अन्य भवन भूमि "" वर्तमान मूल्य पर भारित है और उसका मेंट या अन्य किसी प्रकार से सम्मित्ति से
शासकीय कर्मचारी से तथा अर्जन की तारीख और जिससे वार्षिक आय
स्मा संबंध है अर्जित की गाई हो उसका नाम | सम्पष्टिका जान तथा क्योरे. बतत्ताक्ष्ये कि वह किसंके नाम """वर्गेत, पट्टा, बंधक, विरासत, गृह तथा अन्य भवन भूमि ""वर्तमान मूल्य पर भारित है और उसका भेट या अन्य किसी प्रकार से सम्मानि स
शासकौय कर्मचारी से तथा अर्जन की तारीख और जिससे व्यार्थिक आय | सम्मिक न जान तथा ज्योरे. बतताइये कि वह किसके नाम """करीट, पट्टा, बंधक, विरासत, गृह तथा अन्य भवन भूमि ""करीमान मूल्य पर शारित है और उसका भेट या अन्य किसी प्रकार से सम्मिस से आप शारकीय कर्मचारी से तथा अर्जन की तारिख और जिससे वार्षिक आप समाय कर्मचारी से अर्जन की तारिख और जिससे वार्षिक आप | सम्मिक्त जान तथा न्योरे. बतत्ताइये कि बह किसके नाम """ खतेद, प्रट्टा, बंधक, विरासत, प्राम "" कर्तमान मृत्य पर धारित है और उसका मेंट या अन्य किसी प्रकार से सम्मिस अभ शासकीय कर्मचारी से तथा अजन की तारीख और जिससे बार्षिक आय स्था स्था से अपिक स्था से सम्मिस अप
 | सम्मिक जाम तथा ज्यौर विकास कर किस के जाम पर न हो तो उसे किस प्रकार आजेत किया गया विकास प्रकार आजेत किया गया विकास के जाता है। जो जाता के जार कर किस के जार कर के की त्रांत के जार कर के की तारों के और जिस से व्यांसिक आप का समास के जार कर के की तारों के जीर के का जास के जार के की जारे के की जार के का जाम कर्म कर के जार के किया के की की को जार के किया जाम कर्म कर के किया की जो के किया जास कर के किया की जो किया जास कर के किया किया किया किया किया किया किया किया | सम्मिक जाम तथा ज्यौर विद्या के नाम पर न हो तो उसे किस प्रकार आजेत किया गया कराया किया गया कराया | सम्पष्टि का जान तथा क्योंरे. बतत्ताइये कि वह किसके नाम "" खरीय, पट्टा, बंधक, विरासत, गृह तथा अन्य भवन भूमि "वर्तमान मूल्य पर भारित है और उसका भेट या अन्य किसी प्रकार से सम्मात्ति से शासकीय कर्मचारी से तथा अर्जन की तारीख और जिससे वार्षिक आय | सम्मिक्त जान तथा ज्यौरे
बतताइये कि बढ़ किसके नाम
गृह तथा अन्य भवन भूमि "क्तिमान मूल्य पर भारित है और उसका में दे या अन्य किसी प्रकार से सम्मिस अ
शासकीय कर्मचारी से तथा अजैन की तारेख और जिससे बार्षिक आय | | |
 | | | | |
 | | | |
 | | | | |
 | |
| सम्पतिक का नाम तथा व्यक्ति क्या क्रिया है जो पर नहीं सी हम क्रिया हम व्यक्ति क्या हम स्वाप्ति के जो क्या क्या क्या क्या क्या क्या क्या क्या | सम्पति का जान कथा क्योंक्षि किया जाता
जुह तथा कान भाव क्या भाव क्या क्या क्या क्या क्या क्या क्या क्या | सम्पति का नाम तथा कर्मीर विकास क्षेत्र कर्मा क्षेत्र | सम्पति का जान कथा क्योंहिं. पूर संदर्भ के जान भर न हो नी उन्हें किस प्रकार अंति किया गया बत्तावारी कि वह किस प्रकार अंति किया गया पर चारित है और उसका में ने अपन्य किया किया में कि व्यक्त किया गया पर चारित है और उसका में ने अपन्य क्या किया में कि व्यक्त में किया मे | सम्पति का जान क्षण क्यों है. प्राप्त के क्षण क्षण क्या क्षण क्यों क्षण क्षण क्षण क्षण क्षण क्षण क्षण क्षण | सम्पति का जान कथा क्योंके क्या जान कथा क्योंके किया जान क्यान क्या क्या क्या क्या क्या क्या क्या क्या | सम्पतिक का जान तथा व्यक्ति के जान थर न हो सी उसे किस्त प्रकार अभित किसा प्रकार अभित की किसा प्रकार अभित की किसा प्रकार किसा के जान थर न किसा किसा किसा किसा किसा किसा किसा किसा
 | सम्पतिक का जान तथा व्यक्ति क्या क्रिया प्रविक्ति के जान थर न हो सी क्या ज्ञान व्यक्ति क्रिया ज्ञान व्यक्ति क्या व्यक्ति क्या व्यक्ति व्यक्ति क्या व्यक्ति विवक्ति व | सम्पतिक का जान तथा व्यक्ति क्या प्रवास कि वह किस्ते जान व्यक्ति क्या ज्या का व्यक्ति क्या का व्यक्ति क्या का व्यक्ति क्या का व्यक्ति क्या का व्यक्ति का व्यक्ति क्या का व्यक्ति का व्यक्ति क्या का व्यक्ति का | मस्पृतिक को नाम तथा क्षीर व्हाह कि के नाम तथा को ति कि का नाम तथा को ति कि का नाम तथा को ति का नाम तथा को तह की कि का नाम तथा को तथा के तथा को तथा के तथा को तथा को तथा के तथा को तथा के तथा को तथा को तथा के तथा को तथा के तथा को तथा त | मस्पृष्टिक जा नाम तथा क्षीर व्यक्ति के जान पर न हो तो उसे किसक प्रकार आर्थि किया ग्राप्य जाराव्याप्य किया जाराव्याप्य क्षाप्य किया जाराव्याप्य जाराव्याप्य क्षाप्य किया जाराव्याप्य जाराव्याप्य क्षाप्य किया जाराव्याप्य क्षाप्य क्षा | मस्पतिक को जान तथा क्षीते. जह तथा के कि के कि के कि के कि कि के कि | सम्मिक का जाम तथा क्योंरे
बतत्ताइये कि वह किसके नाम भाग ने के जी प्रद्धा, बंधक, विरासत
गृह तथा अन्य भवन भूमि "कर्तमान मूल्य पर धारित है और उसका मेंट या अन्य किसी प्रकार से सम्मिस अभ
शासकाय कर्मचारों से तथा अन्य की तार्राख और जिससे वार्षिक आय
स्मा संबंध है अजित की गांह हो उसका नाम
स्मा संबंध है अजित की गांह हो उसका नाम
(2) (3) (4) (5) (5) | सम्पष्टिका जाम तथा क्योर
बतत्ताइये कि बहु किसके नाम
गृह तथा अन्य भवन
गृह तथा अन्य भवन
भूमि
शासकीय कर्मचारी से जाग अर्जन की वारीख और जिससे
समासि से
समासि से
स | सम्मिक जाम तथा न्योंदे
बतत्ताइये कि बहु किसके नाम "" बजीद, प्रट्य, बंधक, विरासत
गृह तथा अन्य भवन भूमि "" वर्तमान मूल्य पर थारित है और उसका मेंट या अन्य किसी प्रकार से सम्मिस से
शासकीय कर्मचारी से तथा अन्य की तारीख और जिससे वार्षिक आय
स्मा संबंध है अधित की गई हो उसका नाम
स्मा संबंध है अधित की गई हो उसका नाम
(2) (3) (4) (5) (7) | सम्पष्टिका जाम तथा क्योरि
बतत्ताहर्ष कि वह किसंके नाम "" खरीय, प्रट्य, बंपक, विरासत
मृह तथा अन्य भवन भूमि " वर्षमान मृत्य पर भारित है और उसका भेट या अन्य किसी प्रकार से सम्मानि से आ
शासकीय कर्मचारी से जागा अर्जन की तारीख और जिससे व्याधिक आय
स्मान संबंध है अभित की गई हो उसका नाम
(2) (3) (4) (5) (7)
 | सम्मिक जाम तथा ज्यौर विकास करान अभि कि सह कि सके जाम पर न हों तो उसे किसा जावा विकास प्रकार मिला कि सह किसके जाम """ खरीद प्रद्य, बंफ्क, बिरासत, मिला कि सह किसके जाम मिला पर थारित है और उसका में द या अपन किसी प्रकार से सम्मिस से आसामित कांचारी से जाम अजैन की तारीख और जिससे वार्षिक आय समा संबंध है अधि कांचारी कांचार | सम्मित्त का जाम तथा क्योंरे. बतताइये कि बह किसके नाम भर न हो जो उसे किसा ग्रका करता हो किसा ग्रका करता है और बह किसके नाम में ब्याद्ध प्रद्धा, बंधक, विरासत, सम्मित्त के आया सांस्क आया सांस्क आया सांस्क हो वसका नाम कर्माना है अधिक आया सांस्क आया सांस्क हो करा को गई हो बसका नाम हमा सांस्क आया है आया हो बसका नाम हमा सांस्क है आया हो बसका नाम हमा सांस्क है आया हो वसका नाम हमा सांस्क है आया हो वसका नाम हमा सांस्क है आया हो वसका नाम हमा हो बसका नाम हमा सांस्क है आया है आया है हो बसका नाम हमा हमा है हो हमा हमा है हो बसका नाम हमा हमा हमा हमा हमा हमा हमा हमा हमा ह | सम्पष्टिका जान तथा क्योर. बतत्ताहरी कि वह किसंके नाम """वर्गेत, पट्टा, वंपक, विरासत. ब्रह्माहरी कि वह किसंके नाम """वर्गेत, पट्टा, वंपक, विरासत. पर भारत है और उसका भेट या जन्म किसी प्रकार से सम्मानित्त आविक आय सास्कीय कर्मचारी से जागा अर्जन की तारीख और जिससे वार्षिक आय स्मान्तिक कर्मचारी से अभित की गई हो वसका नाम तथा संबंध है अधित की गई हो वसका नाम तथा स्वंध है (6) (7) | सम्मिक जाम तथा न्योरे. बतत्ताइये कि बहु किसके नाम """वर्गेद प्रद्य, बंफ्क, बिरासत, सम्मिक्त आवि कर्मवाद कर्य कर्मवाद | सम्मिक जाम तथा न्योरि
बतत्ताइये कि बहु किसके नाम """कर्तात प्रद्या, बंधक, विरासत
गृह तथा अन्य भवन भूमि ""कर्तमान मूल्य पर थारित है और उसका में द्या अन्य किसी प्रकार से सम्मिस से
शासकीय कर्मचारी से तथा अन्य की तारीख और जिससे वार्षिक आय
प्या संबंध है अपि अन्य की तारीख और जिससे वार्षिक आय
प्या संबंध है अधि को गई हो उसका नाम
तथा स्वंध है अधि को गई हो उसका नाम | सम्मित्त का जाम तथा क्योंदे
बतलाइये कि वह किसके नाम """ खरीद, प्रट्टा, बंधक, विरासत, प्राप्त के बाल संबंध के का | सम्मिष्ठ का जाम तथा क्योंदे
बतलाइये कि वह किसके नाम भर न हो तो उसे किस प्रकार आजित किसा गया
बतलाइये कि वह किसके नाम """ खरीद, पर्द्य, बंधक, विरासत,
गृह तथा अन्य भवन सुमि "" वर्तमान मूल्य पर धारित है. और उसका में ने नाम अवस्ति की गई हो उसका नाम समासकीय कर्मचारी से आजित की गई हो उसका नाम तथा संबंध है अजित की गई हो उसका नाम तथा संबंध है अजित की गई हो उसका नाम तथा संबंध है अजित की गई हो उसका नाम तथा स्वंध है (5) (6) (7) | सम्मिक न जान तथा ज्योर
बतत्ताहर्य कि वह किसके नाम "" खरीद, प्रट्य, बंधक, विरासत
गृह तथा अन्य भवन भूमि "वर्षमान
मूल्य पर भारित है और उसका भेट या अन्य किसी प्रकार से सम्मित्ति आ
शासकीय कर्मचारी से जामा अर्जन की तार्ष और जिससे व्याधिक आय
स्मान्यक्ष है अधित की गई हो बसका नाम
(2) (3) (4) (5) (7) | सम्मिक्त जान तथा न्योरे. बतत्ताइये कि बहु किसके नाम "" बतीद प्रद्य, बंफ, विरासत, प्रमिस अभि के वाप अर्थन भवन भूमि " विर्मान मूल्य पर भारित है और उसका भेट या अन्य किसी प्रकार से सम्मिस के आय सामिक आय समित है। वाप अर्थन की तार्व और जिससे वार्षिक आय समामिक समामि | सम्मित्त का जाम तथा क्योंरे. बतताइये कि बढ़ किसके नाम भर न हो तो उसे किस प्रकार आजेत किसा गया बतताइये कि बढ़ किसके नाम "" खतीद, प्रद्ध, बंधक, विरासत, प्रामित्त के मार्गित है और उसका मेंट या ज्यन्य किसी प्रकार से सम्मित्त से सम्मित्त से सम्मित्त से नामिक आय | सम्मित्त का जाम तथा क्योरि
बतलाइये कि खंड किसके नाम
गृह तथा अन्य भवन
भूमि
शासकीय कर्मचारी से
समासकीय कर्मचारी से | सम्पष्टिका जाम तथा क्योरे
बतरताइये कि वह किसके नाम "" खरीय, पट्टा, बंधक, विरासत
गृह तथा अन्य भवन भूमि "वर्तमान मूल्य पर भारित है और उसका भेट या अन्य किसी प्रकार से सम्मान्ति स
शासकीय कर्मचारी से तथा अर्जन की तारीख और जिससे व्यार्थिक आय
स्मान्तिक कर्मचारी से अर्जित की गई हो उसका नाम स्मान्तिक के विशेष की गई हो उसका नाम तथा संबंध है | सम्मिक का जाम तथा क्योंरे
बतलाइये कि वह किसके नाम
गृह तथा अन्य भवन
भूमि "वर्तमान मूल्य पर भारित है और उसका भेट या अन्य किसी प्रकार से सम्मित्ति अ
शासकीय कर्मचारी से तथा अर्जन की तारीख और जिससे
समासकीय कर्मचारी से तथा अर्जन की तारीख और जिससे | सम्मिक्त जाम तथा ज्योरे वित्यं के जाम पर न हो तो उसे किसा मना ज्यात कर कर्मा क्रिया के जाम पर न
के तो तो कर | सम्मित्तका जाम तथा क्योंरे वित्वाहर कि वह किसके नाम """करीद, पट्टा, बंधक, विरासत, प्राम """कर्तमान मूल्य पर धारित है और उसका भेट या अन्य किसी प्रकार से सम्मित्त अन्य शिक्ष के नाम अन्य किसी प्रकार से सम्मित्त स्थारित है और उसका भेट या अन्य किसी प्रकार से सम्मित्त से आय शासकीय कर्मचारी से तथा अन्य की तारीख और जिससे वार्षिक आय स्थार संबंध है अधित की गई हो उसका नाम तथा संबंध है अधित की गई हो उसका नाम तथा संबंध है | सम्मिष्ठ का जाम तथा क्योंरे
बतलाइये कि बढ़ किसके नाम """ खरीद, प्रद्या, बंधक, विरासत,
गृह तथा अन्य थवन भूमि "" वर्तमान मूल्य पर धारित है. और उसका मेंट या अन्य किसी प्रकार से सम्मिस से
शासकीय कर्मचारी से तथा अर्जन की तार्ज और जिससे बार्षिक आय
स्मा संबंध है अजित की गई हो उसका नाम | सम्मित्त का जाम तथा क्योरि बतलाइये कि खंड किसके नाम *** खरीद, पट्टा, बंधक, विरासत, गृह तथा अन्य भवन भूमि ** वर्तमान मूल्य पर भारित है और उसका मेंट या अन्य किसी प्रकार से सम्मित्त से सम्मित्त अन्य किसी प्रकार से सम्मित्त से सम्मित्त अन्य किसी प्रकार से सम्मित्त से सम्मित्त अन्य अन्य अन्य कार्यक आय | सम्मिक का जाम तथा ज्योरे. बतत्ताइये कि वह किसके नाम """ खरीय, पट्टा, बंधक, विरासत, गृह तथा अन्य भवन भूमि "वर्षमान मूल्य पर भारित है और उसका भेट या अन्य किसी प्रकार से सम्मित्त अन्य शिरा का विराध और जिस्से आय सासकीय कर्मचारी से तथा अर्जन की तारीख और जिससे व्यार्थक आय स्था संबंध है अधित की गई हो, वसका नाम
 | सम्मिक नाम तथा न्योरे
बतत्ताइये कि बहु किसके नाम """खरीद, प्रद्य, बंधक, विरासत,
गृह तथा अन्य भवन भूमि "" वर्तमान मूल्य पर थारित है और उसका भेट या अन्य किसी प्रकार से सम्मिस से
शासकीय कर्मचारी से तथा अर्जन की वार्षिय और जिससे वार्षिक आय
प्या संबंध है । तथा अर्जन की वार्षिय सिससे | सम्मित्त का जाम तथा क्योंरे. बतताइये कि बढ़ किसके नाम """खरीद, पट्टा, बंधक, विरासत, प्राम """वर्तात के बार्चा के ब | सम्पष्ति का नाम तथा ब्योरि बतलाइये कि बहु किसके नाम """ खरीद, पट्टा, बंधक, विरासत, गृह तथा अन्य भवन भूमि "" वर्तमान मूल्य पर भारित है और उसका मेंट या अन्य किसी प्रकार से सम्मत्ति से आधिक आय | सम्मित्त का नाम तथा क्योरि बतलाइथे कि बह किसके नाम ***बरीद, पट्टा, बंभक, विरासत, गृह तथा अन्य भवन भूमि **वर्तमान मृत्य पर भारित है और उसका भेट या अन्य किसी प्रकार से सम्मासि से आधिक आधि सम्मित्त का शिक आधिक आधिक अधिक को वार्षिक आधिक आधिक सम्मासिक व्याधिक अधिक को वार्षिक आधिक आधिक आधिक अधिक को वार्षिक आधिक आधिक आधिक आधिक के मैं आधिक के किस की वार्षिक आधिक भीम | सम्मिक का जाम तथा क्योंरे
बतलाइये कि वह किसके नाम
गृह तथा अन्य भवन
भूमि "वर्तमान मूल्य पर भारित है और उसका भेट या अन्य किसी प्रकार से सम्मित्ति अ
शासकीय कर्मचारी से तथा अर्जन की तारीख और जिससे वार्षिक आय | सम्मित्त का जाम तथा क्योरि
बतलाइये कि वह किसके नाम
गृह तथा अन्य भवन भूमि ""वर्तमान मूल्य पर भारित है. और उसका भेंट या अन्य किसी प्रकार से सम्मित्त अन
शासकीय कर्मचारी से तथा अजैन की तारीख और जिससे बार्षिक आय |
 | | | | |
 | | | |
 | | | | |
 | | | |
| सम्पति को जान क्षेप क्ष्मी के बाह कर के जान क्ष्य न हो जी हो क्षिम क्षेप्र कि वह कि क्ष्म क्षेप्र के क्ष्म क्षिम क्ष्म के क्ष्म क्षिम क्ष्म के क्ष्म कि वह कि क्षम के क्ष्म कि वह कि के क्षम के के क्षम के क् | सम्पति का जान तथा क्यों दि
यह तथा अन्य भवन भूमि "व्हर्तमान मूल्य के जान भर ज हो को दि किस प्रकार अभिक्ष माना ""क्यों दि की प्रकार को का का माना किसी के अन्य माना का स्थान माना का स्थान की का का का का का को का का माना किसी के अन्य में देश का का माना का स्थान का का का का का को का का को का का को का का को का | सम्मीति का जान तथा काहित क्षेत्र जान तथा काहित काहित का जान तथा जाने हैं जिस्से प्रकार अभित क्षिता गया जाने होता होता है और दश्व का जाने तथा जाने हैं जान तथा जाने हैं जाने जाने होता होता होता होता होता होता होता होता | सम्पति का जान क्षण कार्मी
गृह तथा अन्य भवन भूमि "वर्तनान मूल्य के जान भर न हो जो दाने क्षित मूल्य विकास मूल्य क्षण क्षण क्षण क्षण क्षण क्षण क्षण क्षण | सम्पति का जान क्ष्म क्षा जान क्ष्म क्षा का क्षम क्षम का क्ष | सम्मीत का जान क्षण काहि. गृह तथा अन्य भवन भूमि "क्रवंनान मूल्य के जान भर ज हो नी दसे किस प्रकार अजित किया गया गृह तथा अन्य भवन भूमि "क्रवंनान मूल्य सम्भाव के अप्रकार के अप्रित्त के अप्रकार के अप्रवाद के अप्रकार के अप्रकार के अप्रकार के अप्रकार के अप्रकार के अप् | सम्पति को जान तथा क्यों है, जान अर न हो जी हाने हिन्स के जान अर न हो जी हाने हिन्स अन्त भूमि के जान अर न हो जी हाने हिन्स के जिस्के नाम ""व्यक्ति प्रद्य, बेज्य, हिन्स हो महानी हाने जान जान जाने हो जाने है जाने हो जाने हो जाने हैं जान | सम्पति को जान क्षेप क्ष्मी , व्यदे स्टब्ल के जान प्राप जो सी हा क्षेप के जान प्राप जा का जान क्ष्मि के जान क्ष्मि के जान क्ष्मि के जान क्ष्मि के जान जान जान क्ष्मि के जान क्षमि के जान क् | सम्पति को जान क्षण क्रमीर पुरि के जान प्राप जो सी हम किस प्रकार अपित किया जान जनवार में जान प्राप जो हम किस के जान क्षण जान करना किस किस के जान जान जनवार की व्याप करना किस किस के जान जान जनवार की व्याप करना की व्याप करना की व्याप करना किस के जान जान जनवार की व्याप करना की व्याप करना किस के जान | सम्परिक को जास तथा करिं।
कारतावादी कि वह किसके जान ""कारीद प्रद्या केफ, किरामत
कारतावादी कि वह किसके जान ""कारीद प्रद्या केफ, किरामत
पर भारत है और उसका में अपने कार्या कि विकास जान कार्या | सम्पतिक को जान तथा करिया करिया करिया करिया करिया जाय विद्या करिया जाय जाय करिया जाय जाय जाय जाय जाय जाय जाय जाय जाय ज
 | मस्पति का जास तथा क्रीर
जतताहर्ष कि कह किसके जान
जह तथा अंजन भवन भीम
प्राप्त क्षेत्र जात करना करना करना करना करना करना करना करना | सम्पष्टिका जाम तथा क्योंते. बतत्वाहर्ष कि सह किसंके नाम """व्यति प्रद्य, बंपक, विरासत, सम्मास से अप्र पारित है और उसका मेंद्र या ज्यन्य किसी प्रकार से सम्मास से अप्र या अप्र या ज्यन्य किसी प्रकार से सम्मास से अप्र या अप् | सम्पष्टिका जान तथा क्योंदे
बतरताहर्ष कि वह किसंके नाम """वर्गेद, पट्टा, वंपक, विरासत
मृह तथा अन्य भवन भूमि "वर्षमान मूल्य पर भारित है और उसका भेट या अन्य किसी प्रकार से सम्मानि से आ
शासकीय कर्मचारी से जाग अर्जन की वाराख और जिससे व्याधिक आय
स्पान्सक्ष है अधित की गई हो उसका नाम
(2) (3) (4) (5) (7) | सम्पष्टि का जान तथा क्योंदे
बतत्ताइये कि वह किसके गान
गृह तथा अन्य भवन
गृह तथा अन्य भवन
भूमि "भविमान मूल्य पर भारित है और उसका भेट या अन्य किसी प्रकार से सम्मति से
शासकीय कर्मचारी से जिया अन्य किसी प्रकार से सम्मति से
शासकीय कर्मचारी से जिया अन्य का नाम
स्या संबंध है अधिक का नाम
स्या संबंध है अधिक का नाम
(2) (3) (4) (5) (7) | सम्पष्टिका नाम तथा क्योरि
बतत्ताहर्ष कि सह किसके नाम """व्यति, पट्टा, बंपक, विरासत
पर भारित है और उसका भेट या जन्म किसी प्रकार से सम्पत्ति से अ
शासकीय कर्मचारी से जागा अर्जन की तारीख और जिससे
समासकीय कर्मचारी से जागा अर्जन की तारीख और जिससे
समासकीय कर्मचारी से अंजित की गई हो बसका नाम
(2) (3) (4) (5) (7) | सम्पष्टिका नाम तथा क्योरेत
बतत्ताहर्ष कि वह किसंके नाम
गृह तथा अन्य भवन
गृह तथा अन्य भवन
भूमि "वर्तमान मूल्य पर भारित है और उसका भेट या अन्य किसी प्रकार से सम्मति से
शासकीय कर्मचारी से नाम अर्जन की तार्राख और जिससे
समासिक आय
समा संबंध है अधित की तार्राख और जिससे
समा संबंध है अधित की तार्राख और जिससे
(2) (3) (4) (5) (7)
 | सम्मिक न जान तथा ज्योरे. बतत्ताइर्स कि वह किसके नाम भा न हो तो उसे किस प्रकार आजेरे किसा गया बतत्ताइर्स कि वह किसके नाम किया ज्यात्र प्रद्य, बंधक, विरासत, सम्मिस से अप्रकार भीम किया ज्यात्र किसी प्रकार से सम्मिस से आस्तिक आय शासकीय कर्मचारी से तथा अजंग की तारीख और जिससे वासिक आय स्मा संबंध है अजिसका नाम तथा स्वंध है अजिसका नाम तथा है अजिसका नाम तथा स्वंध है अजिसका नाम तथा है अजिसका नाम | सम्पष्टिका नाम तथा क्योरि
गृह तथा अन्य भवन भूमि "वित्मान मूल्य पर भारित है और उसका भेट या अन्य किसी प्रकार से सम्पत्ति से आ
शासकीय कर्मचारी से नाम ग्राहे हो उसका नाम
स्मान्तिकार है और उसका नाम नाम क्रांस्कीय कर्मचारी से नाम हो। उसका नाम हो। इसका ना | सम्पष्टिका नाम तथा क्योरे. बतत्ताहर्स कि वह किसंके नाम भार नहीं से उद्या बंधक, विरासत गृह तथा अन्य भवन भूमि "वर्तमान मूल्य पर भारित है और उसका भेट या अन्य किसी प्रकार से सम्मति से आराजीय कर्मचारी से नाम अर्जन की ताराख और जिससे वार्षिक आय स्मान से सम्मति से आराजीय कर्मचारी से नाम अर्जन की ताराख और जिससे वार्षिक आय समान से सम्मति से नाम स्मान क्यों व्यक्ति की गृह हो उसका नाम तथा संबंध है अराजीय का नाम तथा स्वंध है (5) (5) (7) | सम्मिक नाम तथा ज्योरे. बतत्ताहर्य कि वह किसके नाम भर न हो तो उसे किस प्रकार अजित किया नाम किया कर कर कर किस के नाम भर न कर | सम्मिक न जान तथा ज्योरे. बतत्ताइर्प कि बहु किसके नाम पर न हो तो उसे किसा गया बतत्ताइर्प कि बहु किसके नाम गृह तथा अन्य भवन भूमि "कितमान मूल्य पर धारित है और उसका में प्राप्त असेर किसा असेर की तार्च और जिससे वासिक आय स्मा संबंध है अजित को गई हो उसका नाम समा संबंध है अजित को गई हो उसका नाम त्या संबंध है अजित को गई हो उसका नाम त्या संबंध है अजित को गई हो उसका नाम ति (5) (6) (7) | सम्पष्टिका नाम तथा क्योरि
कतलाइये कि सह किसके नाम """वर्शन, वंपक, विरासत
मृह तथा अन्य भवन भूमि ""वर्शमान मूल्य पर भारित है और उसका मेंट या अन्य किसी प्रकार से सम्मास से आय
शासकीय कर्मचारी से तथा अर्जन की तारीख और जिससे वार्षिक आय
स्मा संबंध है अंगित की गई हो उसका नाम
स्मा संबंध है अर्जन की गर्म व्याप्त | सम्पष्टिका नाम तथा क्योरि
ब्रह्म के नाम पर को सी कि सह किसंके नाम """व्यीद, पट्टा, बंपक, विरासत,
पर धारित है और उसका भेट या अन्य किसी प्रकार से सम्पत्ति से आ
शासकीय कर्मचारी से नाम क्या कार्यक्र को तारीख और जिससे व्याधिक आय
स्मान्तिक कर्मचारी से अजित की गई हो बसका नाम
स्मान्तिक कर्मचारी से अजित की गई हो बसका नाम
(2) (4) (5) (7)
 | सम्पष्टिका नाम तथा क्योरि
बतरताहर्ष कि वह किसंके नाम """वर्गेत, मुप्प सम्प्रिक्त के बार्ग के बार के बार्ग के | सम्मिक्त जान तथा ज्योरे
बतत्ताइये कि बहु किसके नाम """करीमान मूल्य पर धारित है और उसका मेंट या अन्य किसी प्रकार से सम्मिस से
शासकीय कर्मचारी से तथा अजन की तारिख और जिससे बार्षिक आय
स्मा संबंध है अजित की गई हो उसका नाम | सम्पष्टिका नाम तथा क्योरि
बतलाइये कि सह किसके नाम """वर्शन मूल्य पर भारित है और उसका मेंट या अन्य किसी प्रकार से सम्मास से अभ
गृह तथा अन्य भवन भूमि ""वर्तमान मूल्य पर भारित है और उसका मेंट या अर्जन की तारीख और जिससे आय | सम्पष्टिका नाम तथा क्योरि
बतत्ताइथे कि नह किसके नाम """व्यीद, पट्टा, वंपक, विरासत
गृह तथा अन्य भवन भूमि ""वर्तमान मूल्य पर धारित है और उसका भेट या अन्य किसी प्रकार से सम्पत्ति से
शासकीय कर्मचारी से तथा अर्जन की तारीख और जिससे व्यार्थिक आय
स्मा संबंध है अजिंत की गई हो उसका नाम
तथा व्योरा | सम्पष्टिका नाम तथा क्योरे
बतत्ताक्ष्ये कि नह किसंके नाम """खरीय, प्रट्य, चंपक, विरासत,
गृह तथा अन्य भवन भूमि ""वर्तमान मूल्य पर भारित है और उसका भेट या अन्य किसी प्रकार से सम्मानि से
शासकीय कर्मचारी से तथा अर्जन की तारीख और जिससे व्यार्थिक आय
स्मान्सक्ष है अधित की गई हो उसका नाम | सम्पष्टिका नाम तथा क्योरे. बतत्ताहरों कि वह किसंके नाम """वरीद, पट्टा, बंधक, विरासत, गृह तथा अन्य भवन भूमि ""वर्तमान मूल्य पर भारित है और उसका भेट या अन्य किसी प्रकार से सम्मति से आरात है और उसका भेट या अन्य किसी प्रकार से सम्मति से आरात है और उसका ने
 | सम्मिक जान तथा ज्योरे. बतत्ताइये कि वह किसके नाम """खरीद, प्रट्य, बंधक, विरासत, बतत्ताइये कि वह किसके नाम """खरीद, प्रट्य, बंधक, विरासत, मह तथा अन्य भवन भूमि ""वर्तमान मूल्य पर शासकीय कर्मचारी से तथा अर्जन की तारीख और जिससे वार्षिक आय पना संबंध है अधित की गई हो वसका नाम तथा स्वंध है | सम्मिक्त जान तथा ज्योरे. बतत्ताइये कि बहु किसके नाम """ खरीद, पट्टा, बंधक, विरासत, प्राम "" करीमान मूल्य पर धारित है और उसका मेंट या अन्य किसी प्रकार से सम्मिस से आप शासकीय कर्मचारी से तथा अज्ञेन की तारीख और जिससे वार्षिक आय समासिक्र आय स्मा संबंध है अजिंद की तारीख और जिससे वार्षिक आय | सम्मिष्ठ का जान तथा क्योंरे
बतलाइये कि वह किसके नाम """खरीद, प्रदूध, बेथक, विरासत,
गृह तथा अन्य भवन भूमि ""वर्तमान मूल्य पर भारित है और उसका मेंट या अन्य किसी प्रकार से सम्मित्त से
शासकीय कर्मचारी से तथा अर्जन की तार्राख और जिससे वार्षिक आय
स्मा संबंध है अर्जित की गई हो उसका नाम | सम्पष्टिका नाम तथा क्योरे
बतत्ताक्ष्ये कि नह किसंके नाम """खरीय, पट्टा, बंधक, विरासत,
गृह तथा अन्य भवन भूमि ""वर्तमान मूल्य पर भारित है और उसका भेट या अन्य किसी प्रकार से सम्पत्ति से
शासकौय कर्मचारी से तथा अर्जन की तारीख और जिससे व्यार्थिक आय | सम्पष्टिका नाम तथा क्योरे. बतत्ताइये कि वह किसके नाम """खरीद, पट्टा, बंधक, विरासत, बतत्ताइये कि वह किसके नाम ""खरीद, पट्टा, बंधक, विरासत, बह तथा अन्य भवन भूमि ""मर्तमान मूल्य पर शासकीय कर्मचारी से तथा अर्जन की तारीख और जिससे मार्थक आय
 | सम्मिक जान तथा ज्योरे. यदे स्वयं के नाम पर न हो ती उसे किस प्रकार आजेत किसा गया बतताइये किस के नाम पर न हैं। तो गृह तथा अन्य भवन भूमि "कितमान मूल्य पर भारति हैं और उसका में दे या अन्य किसी प्रकार से सम्मिस से शासकीय कर्मचारी से तथा अर्जन की तार्राख और जिससे वासिक आय प्या संबंध है अधि का गई हो उसका नाम | सम्मिक्त जान तथा ज्योरे. बतलाइये कि बढ़ किसके नाम """खरीद, प्रद्य, बंधक, बिरासत, प्रामि से ज्या ज्या ज्या ज्या किसी प्रकार, से सम्मिस अभ सम्मिक्त ज्या ज्या ज्या किसी प्रकार, से सम्मिस अभ सासकीय कर्मचारी से तथा अर्जन की तारीख और जिससे वार्षिक आय ज्या स्वाप के मंचारी से अर्जन की तारीख और जिससे वार्षिक आय | सम्पष्टिका नाम तथा क्योरि
बतत्वाइये कि यह किसके नाम """वर्शन क्रिया क्ष्म विद्या प्रदेश, बंधक, विरासत
गृह तथा अन्य भवन भूमि ""वर्तमान मूल्य पर भारित है और उसका भेट या अन्य किसी प्रकार से सम्मासि से अभ
शासकीय कर्मचारी से तथा अर्जन की तारीख और जिससे बार्षिक आय | सम्पष्टि का नाम तथा क्योरे. बतत्ताक्ष्ये कि वह किसंके नाम "" खरीय, पट्टा, बंधक, विरासत, गृह तथा अन्य भवन भूमि "वर्षमान मूल्य पर भारित है और उसका भेट या अन्य किसी प्रकार से सम्मासि से आसकीय कर्मचारी से तथा अर्जन की वारीख और जिससे वार्षिक आय | सम्मिक जान तथा ज्योरे
बतताइये कि वह किसके नाम
गृह तथा अन्य भवन भूमि "कितमान मूल्य पर भारित है और उसका भेट या अन्य किसी प्रकार से सम्मिस से
शासकीय कर्मचारी से तथा अजन की तारेख और जिससे बार्षिक आय
 | | | | |
 | | | | |
 | | | | |
 | | | |
| सम्पति को जान क्षेप क्ष्मी के बाह कर के जान क्ष्य न हो जी हो क्षिम क्षेप्र कि वह कि क्ष्म क्षेप्र के क्ष्म क्षिम क्ष्म के क्ष्म क्षिम क्ष्म के क्ष्म कि वह कि क्षम के क्ष्म कि वह कि के क्षम के के क्षम के क् | सम्पति का जान तथा क्यों दि
यह तथा अन्य भवन भूमि "व्हर्तमान मूल्य के जान भर ज हो को दि किस प्रकार अभिक्ष माना ""क्यों दि की प्रकार को का का माना किसी के अन्य माना का स्थान माना का स्थान की का का का का का को का का माना किसी के अन्य में देश का का माना का स्थान का का का का का को का का को का का को का का को का | सम्मीति का जान तथा काहित क्षेत्र जान तथा काहित काहित का जान तथा जाने हैं जिस्से प्रकार अभित क्षिता गया जाने होता होता है और दश्व का जाने तथा जाने हैं जान तथा जाने हैं जाने जाने होता होता होता होता होता होता होता होता | सम्पति का जान क्षण कार्मी
गृह तथा अन्य भवन भूमि "वर्तनान मूल्य के जान भर न हो जो दाने क्षित मूल्य विकास मूल्य क्षण क्षण क्षण क्षण क्षण क्षण क्षण क्षण | सम्पति का जान क्ष्म क्षा जान क्ष्म क्षा का क्षम क्षम का क्ष | सम्मीत का जान क्षण काहि. गृह तथा अन्य भवन भूमि "क्रवंनान मूल्य के जान भर ज हो नी दसे किस प्रकार अजित किया गया गृह तथा अन्य भवन भूमि "क्रवंनान मूल्य सम्भाव के अप्रकार के अप्रित्त के अप्रकार के अप्रवाद के अप्रकार के अप्रकार के अप्रकार के अप्रकार के अप्रकार के अप् | सम्पति को जान तथा क्यों है, जान अर न हो जी हाने हिन्स के जान अर न हो जी हाने हिन्स अन्त भूमि के जान अर न हो जी हाने हिन्स के जिस्के नाम ""व्यक्ति प्रद्य, बेज्य, हिन्स हो महानी हाने जान जान जाने हो जाने है जाने हो जाने हो जाने हैं जान | सम्पति को जान क्षेप क्ष्मी , व्यदे स्टब्ल के जान प्राप जो सी हा क्षेप के जान प्राप जा का जान क्ष्मि के जान क्ष्मि के जान क्ष्मि के जान क्ष्मि के जान जान जान क्ष्मि के जान क्षमि के जान क् | सम्पति को जान क्षण क्रमीर पुरि के जान प्राप जो सी हम किस प्रकार अपित किया जान जनवार में जान प्राप जो हम किस के जान क्षण जान करना किस किस के जान जान जनवार की व्याप करना किस किस के जान जान जनवार की व्याप करना की व्याप करना की व्याप करना किस के जान जान जनवार की व्याप करना की व्याप करना किस के जान | सम्परिक को जास तथा करिं।
कारतावादी कि वह किसके जान ""कारीद प्रद्या केफ, किरामत
कारतावादी कि वह किसके जान ""कारीद प्रद्या केफ, किरामत
पर भारत है और उसका में अपने कार्या कि विकास जान कार्या | सम्पतिक को जान तथा करिया करिया करिया करिया करिया जाय विद्या करिया जाय जाय करिया जाय जाय जाय जाय जाय जाय जाय जाय जाय ज
 | मस्पति का जास तथा क्रीर
जतताहर्ष कि कह किसके जान
जह तथा अंजन भवन भीम
प्राप्त क्षेत्र जात करना करना करना करना करना करना करना करना | सम्पष्टिका जाम तथा क्योंते. बतत्वाहर्ष कि सह किसंके नाम """व्यति प्रद्य, बंपक, विरासत, सम्मास से अप्र पारित है और उसका मेंद्र या ज्यन्य किसी प्रकार से सम्मास से अप्र या अप्र या ज्यन्य किसी प्रकार से सम्मास से अप्र या अप् | सम्पष्टिका जान तथा क्योंदे
बतरताहर्ष कि वह किसंके नाम """वर्गेद, पट्टा, वंपक, विरासत
मृह तथा अन्य भवन भूमि "वर्षमान मूल्य पर भारित है और उसका भेट या अन्य किसी प्रकार से सम्मानि से आ
शासकीय कर्मचारी से जाग अर्जन की वाराख और जिससे व्याधिक आय
स्पान्सक्ष है अधित की गई हो उसका नाम
(2) (3) (4) (5) (7) | सम्पष्टि का जान तथा क्योंदे
बतत्ताइये कि वह किसके गान
गृह तथा अन्य भवन
गृह तथा अन्य भवन
भूमि "भविमान मूल्य पर भारित है और उसका भेट या अन्य किसी प्रकार से सम्मति से
शासकीय कर्मचारी से जिया अन्य किसी प्रकार से सम्मति से
शासकीय कर्मचारी से जिया अन्य का नाम
स्या संबंध है अधिक का नाम
स्या संबंध है अधिक का नाम
(2) (3) (4) (5) (7) | सम्पष्टिका नाम तथा क्योरि
बतत्ताहर्ष कि सह किसके नाम """व्यति, पट्टा, बंपक, विरासत
पर भारित है और उसका भेट या जन्म किसी प्रकार से सम्पत्ति से अ
शासकीय कर्मचारी से जागा अर्जन की तारीख और जिससे
समासकीय कर्मचारी से जागा अर्जन की तारीख और जिससे
समासकीय कर्मचारी से अंजित की गई हो बसका नाम
(2) (3) (4) (5) (7) | सम्पष्टिका नाम तथा क्योरेत
बतत्ताहर्ष कि वह किसंके नाम
गृह तथा अन्य भवन
गृह तथा अन्य भवन
भूमि "वर्तमान मूल्य पर भारित है और उसका भेट या अन्य किसी प्रकार से सम्मति से
शासकीय कर्मचारी से नाम अर्जन की तार्राख और जिससे
समासिक आय
समा संबंध है अधित की तार्राख और जिससे
समा संबंध है अधित की तार्राख और जिससे
(2) (3) (4) (5) (7)
 | सम्मिक न जान तथा ज्योरे. बतत्ताइर्स कि वह किसके नाम भा न हो तो उसे किस प्रकार आजेरे किसा गया बतत्ताइर्स कि वह किसके नाम किया ज्यात्र प्रद्य, बंधक, विरासत, सम्मिस से अप्रकार भीम किया ज्यात्र किसी प्रकार से सम्मिस से आस्तिक आय शासकीय कर्मचारी से तथा अजंग की तारीख और जिससे वासिक आय स्मा संबंध है अजिसका नाम तथा स्वंध है अजिसका नाम तथा है अजिसका नाम तथा स्वंध है अजिसका नाम तथा है अजिसका नाम | सम्पष्टिका नाम तथा क्योरि
गृह तथा अन्य भवन भूमि "वित्मान मूल्य पर भारित है और उसका भेट या अन्य किसी प्रकार से सम्पत्ति से आ
शासकीय कर्मचारी से नाम ग्राहे हो उसका नाम
स्मान्तिकार है और उसका नाम नाम क्रांस्कीय कर्मचारी से नाम हो। उसका नाम हो। इसका ना | सम्पष्टिका नाम तथा क्योरे. बतत्ताहर्स कि वह किसंके नाम भार नहीं से उद्या बंधक, विरासत गृह तथा अन्य भवन भूमि "वर्तमान मूल्य पर भारित है और उसका भेट या अन्य किसी प्रकार से सम्मति से आराजीय कर्मचारी से नाम अर्जन की ताराख और जिससे वार्षिक आय स्मान से सम्मति से आराजीय कर्मचारी से नाम अर्जन की ताराख और जिससे वार्षिक आय समान से सम्मति से नाम स्मान क्यों व्यक्ति की गृह हो उसका नाम तथा संबंध है अराजीय का नाम तथा स्वंध है (5) (5) (7) | सम्मिक नाम तथा ज्योरे. बतत्ताहर्य कि वह किसके नाम भर न हो तो उसे किस प्रकार अजित किया नाम किया कर कर कर किस के नाम भर न कर | सम्मिक न जान तथा न्योरे. बतत्ताइर्प कि बहु किसके नाम पर न हो तो उसे किसा गया बतत्ताइर्प कि बहु किसके नाम गृह तथा अन्य भवन भूमि "कितमान मूल्य पर धारित है और उसका में प्राप्त असेर किसा असेर की तार्च और जिससे वासिक आय स्मा संबंध है अजित को गई हो उसका नाम समा संबंध है अजित को गई हो उसका नाम त्या संबंध है अजित को गई हो उसका नाम त्या संबंध है अजित को गई हो उसका नाम ति (5) (6) (7) | सम्पष्टिका नाम तथा क्योरि
कतलाइये कि सह किसके नाम """वर्शन, वंपक, विरासत
मृह तथा अन्य भवन भूमि ""वर्शमान मूल्य पर भारित है और उसका मेंट या अन्य किसी प्रकार से सम्मास से आय
शासकीय कर्मचारी से तथा अर्जन की तारीख और जिससे वार्षिक आय
स्मा संबंध है अंगित की गई हो उसका नाम
स्मा संबंध है अर्जन की गर्म व्याप्त | सम्पष्टिका नाम तथा क्योरि
ब्रह्म के नाम पर को सी कि सह किसंके नाम """व्यीद, पट्टा, बंपक, विरासत,
पर धारित है और उसका भेट या अन्य किसी प्रकार से सम्पत्ति से आ
शासकीय कर्मचारी से नाम क्या कार्यक्र को तारीख और जिससे व्याधिक आय
स्मान्तिक कर्मचारी से अजित की गई हो बसका नाम
स्मान्तिक कर्मचारी से अजित की गई हो बसका नाम
(2) (4) (5) (7)
 | सम्पष्टिका नाम तथा क्योरि
बतरताहर्ष कि वह किसंके नाम """वर्गेत, मुप्प सम्प्रिक्त के बार्ग के बार के बार्ग के | सम्मिक्त जान तथा ज्योरे
बतत्ताइये कि बहु किसके नाम """करीमान मूल्य पर धारित है और उसका मेंट या अन्य किसी प्रकार से सम्मिस से
शासकीय कर्मचारी से तथा अजन की तारिख और जिससे बार्षिक आय
स्मा संबंध है अजित की गई हो उसका नाम | सम्पष्टिका नाम तथा क्योरि
बतलाइये कि सह किसके नाम """वर्शन मूल्य पर भारित है और उसका मेंट या अन्य किसी प्रकार से सम्मास से अभ
गृह तथा अन्य भवन भूमि ""वर्तमान मूल्य पर भारित है और उसका मेंट या अर्जन की तारीख और जिससे आय | सम्पष्टिका नाम तथा क्योरि
बतत्ताइथे कि नह किसके नाम """व्यीद, पट्टा, वंपक, विरासत
गृह तथा अन्य भवन भूमि ""वर्तमान मूल्य पर धारित है और उसका भेट या अन्य किसी प्रकार से सम्पत्ति से
शासकीय कर्मचारी से तथा अर्जन की तारीख और जिससे व्यार्थिक आय
स्मा संबंध है अजिंत की गई हो उसका नाम
तथा व्योरा | सम्पष्टिका नाम तथा क्योरे
बतत्ताक्ष्ये कि नह किसंके नाम """खरीय, प्रट्य, चंपक, विरासत,
गृह तथा अन्य भवन भूमि ""वर्तमान मूल्य पर भारित है और उसका भेट या अन्य किसी प्रकार से सम्मानि से
शासकीय कर्मचारी से तथा अर्जन की तारीख और जिससे व्यार्थिक आय
स्मान्सक्ष है अधित की गई हो उसका नाम | सम्पष्टिका नाम तथा क्योरे. बतत्ताहरों कि वह किसंके नाम """वरीद, पट्टा, बंधक, विरासत, गृह तथा अन्य भवन भूमि ""वर्तमान मूल्य पर भारित है और उसका भेट या अन्य किसी प्रकार से सम्मति से आरात है और उसका भेट या अन्य किसी प्रकार से सम्मति से आरात है और उसका ने
 | सम्मिक जान तथा ज्योरे. बतत्ताइये कि वह किसके नाम """खरीद, प्रट्य, बंधक, विरासत, बतत्ताइये कि वह किसके नाम """खरीद, प्रट्य, बंधक, विरासत, मह तथा अन्य भवन भूमि ""वर्तमान मूल्य पर शासकीय कर्मचारी से तथा अर्जन की तारीख और जिससे वार्षिक आय पना संबंध है अधित की गई हो वसका नाम तथा स्वंध है | सम्मिक्त जान तथा ज्योरे. बतत्ताइये कि बहु किसके नाम """ खरीद, पट्टा, बंधक, विरासत, प्राम "" करीमान मूल्य पर धारित है और उसका मेंट या अन्य किसी प्रकार से सम्मिस से आप शासकीय कर्मचारी से तथा अज्ञेन की तारीख और जिससे वार्षिक आय समासिक्र आय स्मा संबंध है अजिंद की तारीख और जिससे वार्षिक आय | सम्मिष्ठ का जान तथा क्योंरे
बतलाइये कि वह किसके नाम """खरीद, प्रदूध, बेथक, विरासत,
गृह तथा अन्य भवन भूमि ""वर्तमान मूल्य पर भारित है और उसका मेंट या अन्य किसी प्रकार से सम्मित्त से
शासकीय कर्मचारी से तथा अर्जन की तार्राख और जिससे वार्षिक आय
स्मा संबंध है अर्जित की गई हो उसका नाम | सम्पष्टिका नाम तथा क्योरे
बतत्ताक्ष्ये कि नह किसंके नाम """खरीय, पट्टा, बंधक, विरासत,
गृह तथा अन्य भवन भूमि ""वर्तमान मूल्य पर भारित है और उसका भेट या अन्य किसी प्रकार से सम्पत्ति से
शासकौय कर्मचारी से तथा अर्जन की तारीख और जिससे व्यार्थिक आय | सम्पष्टिका नाम तथा क्योरे. बतत्ताइये कि वह किसके नाम """खरीद, पट्टा, बंधक, विरासत, बतत्ताइये कि वह किसके नाम ""खरीद, पट्टा, बंधक, विरासत, बह तथा अन्य भवन भूमि ""मर्तमान मूल्य पर शासकीय कर्मचारी से तथा अर्जन की तारीख और जिससे मार्थक आय
 | सम्मिक जान तथा ज्योरे. यदे स्वयं के नाम पर न हो ती उसे किस प्रकार आजेत किसा गया बतताइये किस के नाम पर न हैं। तो गृह तथा अन्य भवन भूमि "कितमान मूल्य पर भारति हैं और उसका में दे या अन्य किसी प्रकार से सम्मिस से शासकीय कर्मचारी से तथा अर्जन की तार्राख और जिससे वासिक आय प्या संबंध है अधि का गई हो उसका नाम | सम्मिक्त जान तथा ज्योरे. बतलाइये कि बढ़ किसके नाम """खरीद, प्रद्य, बंधक, बिरासत, प्रामि से ज्या ज्या ज्या ज्या किसी प्रकार, से सम्मिस अभ सम्मिक्त ज्या ज्या ज्या किसी प्रकार, से सम्मिस अभ सासकीय कर्मचारी से तथा अर्जन की तारीख और जिससे वार्षिक आय ज्या स्वाप के मंचारी से अर्जन की तारीख और जिससे वार्षिक आय | सम्पष्टिका नाम तथा क्योरि
बतत्वाइये कि यह किसके नाम """वर्शन क्रिया क्ष्म विद्या प्रदेश, बंधक, विरासत
गृह तथा अन्य भवन भूमि ""वर्तमान मूल्य पर भारित है और उसका भेट या अन्य किसी प्रकार से सम्मासि से अभ
शासकीय कर्मचारी से तथा अर्जन की तारीख और जिससे बार्षिक आय | सम्पष्टि का नाम तथा क्योरे. बतत्ताक्ष्ये कि वह किसंके नाम "" खरीय, पट्टा, बंधक, विरासत, गृह तथा अन्य भवन भूमि "वर्षमान मूल्य पर भारित है और उसका भेट या अन्य किसी प्रकार से सम्मासि से आसकीय कर्मचारी से तथा अर्जन की वारीख और जिससे वार्षिक आय | सम्मिक जान तथा ज्योरे
बतताइये कि वह किसके नाम
गृह तथा अन्य भवन भूमि "कितमान मूल्य पर भारित है और उसका भेट या अन्य किसी प्रकार से सम्मिस से
शासकीय कर्मचारी से तथा अजन की तारेख और जिससे बार्षिक आय
 | | | | |
 | | | | |
 | | | | |
 | | | |
| सम्पति को जान क्षेप क्ष्मी के बाह कर के जान क्ष्य न हो जी हो क्षिम क्षेप्र कि वह कि क्ष्म क्षेप्र के क्ष्म क्षिम क्ष्म के क्ष्म क्षिम क्ष्म के क्ष्म कि वह कि क्षम के क्ष्म कि वह कि के क्षम के के क्षम के क् | सम्पति का जान तथा क्यों दि
यह तथा अन्य भवन भूमि "व्हर्तमान मूल्य के जान भर ज हो को दि किस प्रकार अभिक्ष माना ""क्यों दि की प्रकार को का का माना किसी के अन्य माना का स्थान माना का स्थान की का का का का का को का का माना किसी के अन्य में देश का का माना का स्थान का का का का का को का का को का का को का का को का | सम्मीति का जान तथा काहित क्षेत्र जान तथा काहित काहित का जान तथा जाने हैं जिस्से प्रकार अभित क्षिता गया जाने होता होता है और दश्व का जाने तथा जाने हैं जान तथा जाने हैं जाने जाने होता होता होता होता होता होता होता होता | सम्पति का जान क्षण कार्मी
गृह तथा अन्य भवन भूमि "वर्तनान मूल्य के जान भर न हो जो दाने क्षित मूल्य विकास मूल्य क्षण क्षण क्षण क्षण क्षण क्षण क्षण क्षण | सम्पति का जान क्ष्म क्षा जान क्ष्म क्षा का क्षम क्षम का क्ष | सम्मीत का जान क्षण काहि. गृह तथा अन्य भवन भूमि "क्रवंनान मूल्य के जान भर ज हो नी दसे किस प्रकार अजित किया गया गृह तथा अन्य भवन भूमि "क्रवंनान मूल्य सम्भाव के अप्रकार के अप्रित्त के अप्रकार के अप्रवाद के अप्रकार के अप्रकार के अप्रकार के अप्रकार के अप्रकार के अप् | सम्पति को जान तथा क्यों है, जान अर न हो जी हाने हिन्स के जान अर न हो जी हाने हिन्स अन्त भूमि के जान अर न हो जी हाने हिन्स के जिस्के नाम ""व्यक्ति प्रद्य, बेज्य, हिन्स हो महानी हाने जान जान जाने हो जाने है जाने हो जाने हो जाने हैं जान | सम्पति को जान क्षेप क्ष्मी , व्यदे स्टब्ल के जान प्राप जो सी हा क्षेप के जान प्राप जा का जान क्ष्मि के जान क्ष्मि के जान क्ष्मि के जान क्ष्मि के जान जान जान क्ष्मि के जान क्षमि के जान क् | सम्पति को जान क्षण क्रमीर पुरि के जान प्राप जो सी हम किस प्रकार अपित किया जान जनवार में जान प्राप जो हम किस के जान क्षण जान करना किस किस के जान जान जनवार की व्याप करना किस किस के जान जान जनवार की व्याप करना की व्याप करना की व्याप करना किस के जान जान जनवार की व्याप करना की व्याप करना किस के जान | सम्परिक को जास तथा करिं।
कारतावादी कि वह किसके जान ""कारीद प्रद्या केफ, किरामत
कारतावादी कि वह किसके जान ""कारीद प्रद्या केफ, किरामत
पर भारत है और उसका में अपने कार्या कि विकास जान कार्या | सम्पतिक को जान तथा करिया करिया करिया करिया करिया जाय विद्या करिया जाय जाय करिया जाय जाय जाय जाय जाय जाय जाय जाय जाय ज
 | मस्पति का जास तथा क्रीर
जतताहर्ष कि कह किसके जान
जह तथा अंजन भवन भीम
प्राप्त क्षेत्र जात करना करना करना करना करना करना करना करना | सम्पष्टिका जाम तथा क्योंते. बतत्वाहर्ष कि सह किसंके नाम """व्यति प्रद्य, बंपक, विरासत, सम्मास से अप्र पारित है और उसका मेंद्र या ज्यन्य किसी प्रकार से सम्मास से अप्र या अप्र या ज्यन्य किसी प्रकार से सम्मास से अप्र या अप् | सम्पष्टिका जान तथा क्योंदे
बतरताहर्ष कि वह किसंके नाम """वर्गेद, पट्टा, वंपक, विरासत
मृह तथा अन्य भवन भूमि "वर्षमान मूल्य पर भारित है और उसका भेट या अन्य किसी प्रकार से सम्मानि से आ
शासकीय कर्मचारी से जाग अर्जन की वाराख और जिससे व्याधिक आय
स्पान्सक्ष है अधित की गई हो उसका नाम
(2) (3) (4) (5) (7) | सम्पष्टि का जान तथा क्योंदे
बतत्ताइये कि वह किसके गान
गृह तथा अन्य भवन
गृह तथा अन्य भवन
भूमि "भविमान मूल्य पर भारित है और उसका भेट या अन्य किसी प्रकार से सम्मति से
शासकीय कर्मचारी से जिया अन्य किसी प्रकार से सम्मति से
शासकीय कर्मचारी से जिया अन्य का नाम
स्या संबंध है अधिक का नाम
स्या संबंध है अधिक का नाम
(2) (3) (4) (5) (7) | सम्पष्टिका नाम तथा क्योरि
बतत्ताहर्ष कि सह किसके नाम """व्यति, पट्टा, बंपक, विरासत
पर भारित है और उसका भेट या जन्म किसी प्रकार से सम्पत्ति से अ
शासकीय कर्मचारी से जागा अर्जन की तारीख और जिससे
समासकीय कर्मचारी से जागा अर्जन की तारीख और जिससे
समासकीय कर्मचारी से अंजित की गई हो बसका नाम
(2) (3) (4) (5) (7) | सम्पष्टिका नाम तथा क्योरेत
बतत्ताहर्ष कि वह किसंके नाम
गृह तथा अन्य भवन
गृह तथा अन्य भवन
भूमि "वर्तमान मूल्य पर भारित है और उसका भेट या अन्य किसी प्रकार से सम्मति से
शासकीय कर्मचारी से नाम अर्जन की तार्राख और जिससे
समासिक आय
समा संबंध है अधित की तार्राख और जिससे
समा संबंध है अधित की तार्राख और जिससे
(2) (3) (4) (5) (7)
 | सम्मिक न जान तथा ज्योरे. बतत्ताइर्स कि वह किसके नाम भा न हो तो उसे किस प्रकार आजेरे किसा गया बतत्ताइर्स कि वह किसके नाम किया ज्यात्र प्रद्य, बंधक, विरासत, सम्मिस से अप्रकार भीम किया ज्यात्र किसी प्रकार से सम्मिस से आस्तिक आय शासकीय कर्मचारी से तथा अजंग की तारीख और जिससे वासिक आय स्मा संबंध है अजिसका नाम तथा स्वंध है अजिसका नाम तथा है अजिसका नाम तथा स्वंध है अजिसका नाम तथा है अजिसका नाम | सम्पष्टिका नाम तथा क्योरि
गृह तथा अन्य भवन भूमि "वित्मान मूल्य पर भारित है और उसका भेट या अन्य किसी प्रकार से सम्पत्ति से आ
शासकीय कर्मचारी से नाम ग्राहे हो उसका नाम
स्मान्तिकार है और उसका नाम नाम क्रांस्कीय कर्मचारी से नाम हो। उसका नाम हो। इसका ना | सम्पष्टिका नाम तथा क्योरे. बतत्ताहर्स कि वह किसंके नाम भार नहीं से उद्या बंधक, विरासत गृह तथा अन्य भवन भूमि "वर्तमान मूल्य पर भारित है और उसका भेट या अन्य किसी प्रकार से सम्मति से आराजीय कर्मचारी से नाम अर्जन की ताराख और जिससे वार्षिक आय स्मान से सम्मति से आराजीय कर्मचारी से नाम अर्जन की ताराख और जिससे वार्षिक आय समान से सम्मति से नाम स्मान क्यों व्यक्ति की गृह हो उसका नाम तथा संबंध है अराजीय का नाम तथा स्वंध है (5) (5) (7) | सम्मिक नाम तथा ज्योरे. बतत्ताहर्य कि वह किसके नाम भर न हो तो उसे किस प्रकार अजित किया नाम किया कर कर कर किस के नाम भर न कर | सम्मिक न जान तथा न्योरे. बतत्ताइर्प कि बहु किसके नाम पर न हो तो उसे किसा गया बतत्ताइर्प कि बहु किसके नाम गृह तथा अन्य भवन भूमि "कितमान मूल्य पर धारित है और उसका में प्राप्त असेर किसा असेर की तार्च और जिससे वासिक आय स्मा संबंध है अजित को गई हो उसका नाम समा संबंध है अजित को गई हो उसका नाम त्या संबंध है अजित को गई हो उसका नाम त्या संबंध है अजित को गई हो उसका नाम ति (5) (6) (7) | सम्पष्टिका नाम तथा क्योरि
कतलाइये कि सह किसके नाम """वर्शन, वंपक, विरासत
मृह तथा अन्य भवन भूमि ""वर्शमान मूल्य पर भारित है और उसका मेंट या अन्य किसी प्रकार से सम्मास से आय
शासकीय कर्मचारी से तथा अर्जन की तारीख और जिससे वार्षिक आय
स्मा संबंध है अंगित की गई हो उसका नाम
स्मा संबंध है अर्जन की गर्म व्याप्त | सम्पष्टिका नाम तथा क्योरि
ब्रह्म के नाम पर को सी कि सह किसंके नाम """व्यीद, पट्टा, बंपक, विरासत,
पर धारित है और उसका भेट या अन्य किसी प्रकार से सम्पत्ति से आ
शासकीय कर्मचारी से नाम क्या कार्यक्र को तारीख और जिससे व्याधिक आय
स्मान्तिक कर्मचारी से अजित की गई हो बसका नाम
स्मान्तिक कर्मचारी से अजित की गई हो बसका नाम
(2) (4) (5) (7)
 | सम्पष्टिका नाम तथा क्योरि
बतरताहर्ष कि वह किसंके नाम """वर्गेत, मुप्प सम्प्रिक्त के बार्ग के बार के बार्ग के | सम्मिक्त जान तथा ज्योरे
बतत्ताइये कि बहु किसके नाम """करीमान मूल्य पर धारित है और उसका मेंट या अन्य किसी प्रकार से सम्मिस से
शासकीय कर्मचारी से तथा अजन की तारिख और जिससे बार्षिक आय
स्मा संबंध है अजित की गई हो उसका नाम | सम्पष्टिका नाम तथा क्योरि
बतलाइये कि सह किसके नाम """वर्शन मूल्य पर भारित है और उसका मेंट या अन्य किसी प्रकार से सम्मास से अभ
गृह तथा अन्य भवन भूमि ""वर्तमान मूल्य पर भारित है और उसका मेंट या अर्जन की तारीख और जिससे आय | सम्पष्टिका नाम तथा क्योरि
बतत्ताइथे कि नह किसके नाम """व्यीद, पट्टा, वंपक, विरासत
गृह तथा अन्य भवन भूमि ""वर्तमान मूल्य पर धारित है और उसका भेट या अन्य किसी प्रकार से सम्पत्ति से
शासकीय कर्मचारी से तथा अर्जन की तारीख और जिससे व्यार्थिक आय
स्मा संबंध है अजिंत की गई हो उसका नाम
तथा व्योरा | सम्पष्टिका नाम तथा क्योरे
बतत्ताक्ष्ये कि नह किसंके नाम """खरीय, प्रट्य, चंपक, विरासत,
गृह तथा अन्य भवन भूमि ""वर्तमान मूल्य पर भारित है और उसका भेट या अन्य किसी प्रकार से सम्मानि से
शासकीय कर्मचारी से तथा अर्जन की तारीख और जिससे व्यार्थिक आय
स्मान्सक्ष है अधित की गई हो उसका नाम | सम्पष्टिका नाम तथा क्योरे. बतत्ताहरों कि वह किसंके नाम """वरीद, पट्टा, बंधक, विरासत, गृह तथा अन्य भवन भूमि ""वर्तमान मूल्य पर भारित है और उसका भेट या अन्य किसी प्रकार से सम्मति से आरात है और उसका भेट या अन्य किसी प्रकार से सम्मति से आरात है और उसका ने
 | सम्मिक जान तथा ज्योरे. बतत्ताइये कि वह किसके नाम """खरीद, प्रट्य, बंधक, विरासत, बतत्ताइये कि वह किसके नाम """खरीद, प्रट्य, बंधक, विरासत, मह तथा अन्य भवन भूमि ""वर्तमान मूल्य पर शासकीय कर्मचारी से तथा अर्जन की तारीख और जिससे वार्षिक आय पना संबंध है अधित की गई हो वसका नाम तथा स्वंध है | सम्मिक्त जान तथा ज्योरे. बतत्ताइये कि बहु किसके नाम """ खरीद, पट्टा, बंधक, विरासत, प्राम "" करीमान मूल्य पर धारित है और उसका मेंट या अन्य किसी प्रकार से सम्मिस से आप शासकीय कर्मचारी से तथा अज्ञेन की तारीख और जिससे वार्षिक आय समासिक्र आय स्मा संबंध है अजिंद की तारीख और जिससे वार्षिक आय | सम्मिष्ठ का जान तथा क्योंरे
बतलाइये कि वह किसके नाम """खरीद, प्रदूध, बेथक, विरासत,
गृह तथा अन्य भवन भूमि ""वर्तमान मूल्य पर भारित है और उसका मेंट या अन्य किसी प्रकार से सम्मित्त से
शासकीय कर्मचारी से तथा अर्जन की तार्राख और जिससे वार्षिक आय
स्मा संबंध है अर्जित की गई हो उसका नाम | सम्पष्टिका नाम तथा क्योरे
बतत्ताक्ष्ये कि नह किसंके नाम """खरीय, पट्टा, बंधक, विरासत,
गृह तथा अन्य भवन भूमि ""वर्तमान मूल्य पर भारित है और उसका भेट या अन्य किसी प्रकार से सम्पत्ति से
शासकौय कर्मचारी से तथा अर्जन की तारीख और जिससे व्यार्थिक आय | सम्पष्टिका नाम तथा क्योरे. बतत्ताइये कि वह किसके नाम """खरीद, पट्टा, बंधक, विरासत, बतत्ताइये कि वह किसके नाम ""खरीद, पट्टा, बंधक, विरासत, बह तथा अन्य भवन भूमि ""मर्तमान मूल्य पर शासकीय कर्मचारी से तथा अर्जन की तारीख और जिससे मार्थक आय
 | सम्मिक जान तथा ज्योरे. यदे स्वयं के नाम पर न हो ती उसे किस प्रकार आजेत किसा गया बतताइये किस के नाम पर न हैं। तो गृह तथा अन्य भवन भूमि "कितमान मूल्य पर भारति हैं और उसका में दे या अन्य किसी प्रकार से सम्मिस से शासकीय कर्मचारी से तथा अर्जन की तार्राख और जिससे वासिक आय प्या संबंध है अधि का गई हो उसका नाम | सम्मिक्त जान तथा ज्योरे. बतलाइये कि बढ़ किसके नाम """खरीद, प्रद्य, बंधक, बिरासत, प्रामि से ज्या ज्या ज्या ज्या किसी प्रकार, से सम्मिस अभ सम्मिक्त ज्या ज्या ज्या किसी प्रकार, से सम्मिस अभ सासकीय कर्मचारी से तथा अर्जन की तारीख और जिससे वार्षिक आय ज्या स्वाप के मंचारी से अर्जन की तारीख और जिससे वार्षिक आय | सम्पष्टिका नाम तथा क्योरि
बतत्वाइये कि यह किसके नाम """वर्शन क्रिया क्ष्म विद्या प्रदेश, बंधक, विरासत
गृह तथा अन्य भवन भूमि ""वर्तमान मूल्य पर भारित है और उसका भेट या अन्य किसी प्रकार से सम्मासि से अभ
शासकीय कर्मचारी से तथा अर्जन की तारीख और जिससे बार्षिक आय | सम्पष्टि का नाम तथा क्योरे. बतत्ताक्ष्ये कि वह किसंके नाम "" खरीय, पट्टा, बंधक, विरासत, गृह तथा अन्य भवन भूमि "वर्षमान मूल्य पर भारित है और उसका भेट या अन्य किसी प्रकार से सम्मासि से आसकीय कर्मचारी से तथा अर्जन की वारीख और जिससे वार्षिक आय | सम्मिक जान तथा ज्योरे
बतताइये कि वह किसके नाम
गृह तथा अन्य भवन भूमि "कितमान मूल्य पर भारित है और उसका भेट या अन्य किसी प्रकार से सम्मिस से
शासकीय कर्मचारी से तथा अजन की तारेख और जिससे बार्षिक आय
 | | | | |
 | | | | |
 | | | | |
 | | | |
| सम्पति को जान क्षेप क्ष्मी के बाह कर के जान क्ष्य न हो जी हो क्षिम क्षेप्र कि वह कि क्ष्म क्षेप्र के क्ष्म क्षिम क्ष्म के क्ष्म क्षिम क्ष्म के क्ष्म कि वह कि क्षम के क्ष्म कि वह कि के क्षम के के क्षम के क् | सम्पति का जान तथा क्यों दि
यह तथा अन्य भवन भूमि "व्हर्तमान मूल्य के जान भर ज हो को दि किस प्रकार अभिक्ष माना ""क्यों दि की प्रकार को का का माना किसी के अन्य माना का स्थान माना का स्थान की का का का का का को का का माना किसी के अन्य में देश का का माना का स्थान का का का का का को का का को का का को का का को का | सम्मीति का जान तथा काहित क्षेत्र जान तथा काहित काहित का जान तथा जाने हैं जिस्से प्रकार अभित क्षिता गया जाने होता होता है और दश्व का जाने तथा जाने हैं जान तथा जाने हैं जाने जाने होता होता होता होता होता होता होता होता | सम्पति का जान क्षण कार्मी
गृह तथा अन्य भवन भूमि "वर्तनान मूल्य के जान भर न हो जो दाने क्षित मूल्य विकास मूल्य क्षण क्षण क्षण क्षण क्षण क्षण क्षण क्षण | सम्पति का जान क्ष्म क्षा जान क्ष्म क्षा का क्षम क्षम का क्ष | सम्मीत का जान क्षण काहि. गृह तथा अन्य भवन भूमि "क्रवंनान मूल्य के जान भर ज हो नी दसे किस प्रकार अजित किया गया गृह तथा अन्य भवन भूमि "क्रवंनान मूल्य सम्भाव के अप्रकार के अप्रित्त के अप्रकार के अप्रवाद के अप्रकार के अप्रकार के अप्रकार के अप्रकार के अप्रकार के अप् | सम्पति को जान तथा क्यों है, जान अर न हो जी हाने हिन्स के जान अर न हो जी हाने हिन्स अन्त भूमि के जान अर न हो जी हाने हिन्स के जिस्के नाम ""व्यक्ति प्रद्य, बेज्य, हिन्स हो महानी हाने जान जान जाने हो जाने है जाने हो जाने हो जाने हैं जान | सम्पति को जान क्षेप क्ष्मी , व्यदे स्टब्ल के जान प्राप जो सी हा क्षेप के जान प्राप जा का जान क्ष्मि के जान क्ष्मि के जान क्ष्मि के जान क्ष्मि के जान जान जान क्ष्मि के जान क्षमि के जान क् | सम्पति को जान क्षण क्रमीर पुरि के जान प्राप जो सी हम किस प्रकार अपित किया जान जनवार में जान प्राप जो हम किस के जान क्षण जान करना किस किस के जान जान जनवार की व्याप करना किस किस के जान जान जनवार की व्याप करना की व्याप करना की व्याप करना किस के जान जान जनवार की व्याप करना की व्याप करना किस के जान | सम्परिक को जास तथा करिं।
कारतावादी कि वह किसके जान ""कारीद प्रद्या केफ, किरामत
कारतावादी कि वह किसके जान ""कारीद प्रद्या केफ, किरामत
पर भारत है और उसका में अपने कार्या कि विकास जान कार्या | सम्पतिक को जान तथा करिया करिया करिया करिया करिया जाय विद्या करिया जाय जाय करिया जाय जाय जाय जाय जाय जाय जाय जाय जाय ज
 | मस्पति का जास तथा क्रीर
जतताहर्ष कि कह किसके जान
जह तथा अंजन भवन भीम
प्राप्त क्षेत्र जात करना करना करना करना करना करना करना करना | सम्पष्टिका जाम तथा क्योंते. बतत्वाहर्ष कि सह किसंके नाम """व्यति प्रद्य, बंपक, विरासत, सम्मास से अप्र पारित है और उसका मेंद्र या ज्यन्य किसी प्रकार से सम्मास से अप्र या अप्र या ज्यन्य किसी प्रकार से सम्मास से अप्र या अप् | सम्पष्टिका जान तथा क्योंदे
बतरताहर्ष कि वह किसंके नाम """वर्गेद, पट्टा, वंपक, विरासत
मृह तथा अन्य भवन भूमि "वर्षमान मूल्य पर भारित है और उसका भेट या अन्य किसी प्रकार से सम्मानि से आ
शासकीय कर्मचारी से जाग अर्जन की वाराख और जिससे व्याधिक आय
स्पान्सक्ष है अधित की गई हो उसका नाम
(2) (3) (4) (5) (7) | सम्पष्टि का जान तथा क्योंदे
बतत्ताइये कि वह किसके गान
गृह तथा अन्य भवन
गृह तथा अन्य भवन
भूमि "भविमान मूल्य पर भारित है और उसका भेट या अन्य किसी प्रकार से सम्मति से
शासकीय कर्मचारी से जिया अन्य किसी प्रकार से सम्मति से
शासकीय कर्मचारी से जिया अन्य का नाम
स्या संबंध है अधिक का नाम
स्या संबंध है अधिक का नाम
(2) (3) (4) (5) (7) | सम्पष्टिका नाम तथा क्योरि
बतत्ताहर्ष कि सह किसके नाम """व्यति, पट्टा, बंपक, विरासत
पर भारित है और उसका भेट या जन्म किसी प्रकार से सम्पत्ति से अ
शासकीय कर्मचारी से जागा अर्जन की तारीख और जिससे
समासकीय कर्मचारी से जागा अर्जन की तारीख और जिससे
समासकीय कर्मचारी से अंजित की गई हो बसका नाम
(2) (3) (4) (5) (7) | सम्पष्टिका नाम तथा क्योरेत
बतत्ताहर्ष कि वह किसंके नाम
गृह तथा अन्य भवन
गृह तथा अन्य भवन
भूमि "वर्तमान मूल्य पर भारित है और उसका भेट या अन्य किसी प्रकार से सम्मति से
शासकीय कर्मचारी से नाम अर्जन की तार्राख और जिससे
समासिक आय
समा संबंध है अधित की तार्राख और जिससे
समा संबंध है अधित की तार्राख और जिससे
(2) (3) (4) (5) (7)
 | सम्मिक न जान तथा ज्योरे. बतत्ताइर्स कि वह किसके नाम भा न हो तो उसे किस प्रकार आजेरे किसा गया बतत्ताइर्स कि वह किसके नाम किया ज्यात्र प्रद्य, बंधक, विरासत, सम्मिस से अप्रकार भीम किया ज्यात्र किसी प्रकार से सम्मिस से आस्तिक आय शासकीय कर्मचारी से तथा अजंग की तारीख और जिससे वासिक आय स्मा संबंध है अजिसका नाम तथा स्वंध है अजिसका नाम तथा है अजिसका नाम तथा स्वंध है अजिसका नाम तथा है अजिसका नाम | सम्पष्टिका नाम तथा क्योरि
गृह तथा अन्य भवन भूमि "वित्मान मूल्य पर भारित है और उसका भेट या अन्य किसी प्रकार से सम्पत्ति से आ
शासकीय कर्मचारी से नाम ग्राहे हो उसका नाम
स्मान्तिकार है और उसका नाम नाम क्रांस्कीय कर्मचारी से नाम हो। उसका नाम हो। इसका ना | सम्पष्टिका नाम तथा क्योरे. बतत्ताहर्स कि वह किसंके नाम भार नहीं से उद्या बंधक, विरासत गृह तथा अन्य भवन भूमि "वर्तमान मूल्य पर भारित है और उसका भेट या अन्य किसी प्रकार से सम्मति से आराजीय कर्मचारी से नाम अर्जन की ताराख और जिससे वार्षिक आय स्मान से सम्मति से आराजीय कर्मचारी से नाम अर्जन की ताराख और जिससे वार्षिक आय समान से सम्मति से नाम स्मान क्यों व्यक्ति की गृह हो उसका नाम तथा संबंध है अराजीय का नाम तथा स्वंध है (5) (5) (7) | सम्मिक नाम तथा ज्योरे. बतत्ताहर्य कि वह किसके नाम भर न हो तो उसे किस प्रकार अजित किया नाम किया कर कर कर किस के नाम भर न कर | सम्मिक न जान तथा न्योरे. बतत्ताइर्प कि बहु किसके नाम पर न हो तो उसे किसा गया बतत्ताइर्प कि बहु किसके नाम गृह तथा अन्य भवन भूमि "कितमान मूल्य पर धारित है और उसका में प्राप्त असेर किसा असेर की तार्च और जिससे वासिक आय स्मा संबंध है अजित को गई हो उसका नाम समा संबंध है अजित को गई हो उसका नाम त्या संबंध है अजित को गई हो उसका नाम त्या संबंध है अजित को गई हो उसका नाम ति (5) (6) (7) | सम्पष्टिका नाम तथा क्योरि
कतलाइये कि सह किसके नाम """वर्शन, वंपक, विरासत
मृह तथा अन्य भवन भूमि ""वर्शमान मूल्य पर भारित है और उसका मेंट या अन्य किसी प्रकार से सम्मास से आय
शासकीय कर्मचारी से तथा अर्जन की तारीख और जिससे वार्षिक आय
स्मा संबंध है अंगित की गई हो उसका नाम
स्मा संबंध है अर्जन की गर्म व्याप्त | सम्पष्टिका नाम तथा क्योरि
ब्रह्म के नाम पर को सी कि सह किसंके नाम """व्यीद, पट्टा, बंपक, विरासत,
पर धारित है और उसका भेट या अन्य किसी प्रकार से सम्पत्ति से आ
शासकीय कर्मचारी से नाम क्या कार्यक्र को तारीख और जिससे व्याधिक आय
स्मान्तिक कर्मचारी से अजित की गई हो बसका नाम
स्मान्तिक कर्मचारी से अजित की गई हो बसका नाम
(2) (4) (5) (7)
 | सम्पष्टिका नाम तथा क्योरि
बतरताहर्ष कि वह किसंके नाम """वर्गेत, मुप्प सम्प्रिक्त के बार्ग के बार के बार्ग के | सम्मिक्त जान तथा ज्योरे
बतत्ताइये कि बहु किसके नाम """करीमान मूल्य पर धारित है और उसका मेंट या अन्य किसी प्रकार से सम्मिस से
शासकीय कर्मचारी से तथा अजन की तारिख और जिससे बार्षिक आय
स्मा संबंध है अजित की गई हो उसका नाम | सम्पष्टिका नाम तथा क्योरि
बतलाइये कि सह किसके नाम """वर्शन मूल्य पर भारित है और उसका मेंट या अन्य किसी प्रकार से सम्मास से अभ
गृह तथा अन्य भवन भूमि ""वर्तमान मूल्य पर भारित है और उसका मेंट या अर्जन की तारीख और जिससे आय | सम्पष्टिका नाम तथा क्योरि
बतत्ताइथे कि नह किसके नाम """व्यीद, पट्टा, वंपक, विरासत
गृह तथा अन्य भवन भूमि ""वर्तमान मूल्य पर धारित है और उसका भेट या अन्य किसी प्रकार से सम्पत्ति से
शासकीय कर्मचारी से तथा अर्जन की तारीख और जिससे व्यार्थिक आय
स्मा संबंध है अजिंत की गई हो उसका नाम
तथा व्योरा | सम्पष्टिका नाम तथा क्योरे
बतत्ताक्ष्ये कि नह किसंके नाम """खरीय, प्रट्य, चंपक, विरासत,
गृह तथा अन्य भवन भूमि ""वर्तमान मूल्य पर भारित है और उसका भेट या अन्य किसी प्रकार से सम्मानि से
शासकीय कर्मचारी से तथा अर्जन की तारीख और जिससे व्यार्थिक आय
स्मान्सक्ष है अधित की गई हो उसका नाम | सम्पष्टिका नाम तथा क्योरे. बतत्ताहरों कि वह किसंके नाम """वरीद, पट्टा, बंधक, विरासत, गृह तथा अन्य भवन भूमि ""वर्तमान मूल्य पर भारित है और उसका भेट या अन्य किसी प्रकार से सम्मति से आरात है और उसका भेट या अन्य किसी प्रकार से सम्मति से आरात है और उसका ने
 | सम्मिक जान तथा ज्योरे. बतत्ताइये कि वह किसके नाम """खरीद, प्रट्य, बंधक, विरासत, बतत्ताइये कि वह किसके नाम """खरीद, प्रट्य, बंधक, विरासत, मह तथा अन्य भवन भूमि ""वर्तमान मूल्य पर शासकीय कर्मचारी से तथा अर्जन की तारीख और जिससे वार्षिक आय पना संबंध है अधित की गई हो वसका नाम तथा स्वंध है | सम्मिक्त जान तथा ज्योरे. बतत्ताइये कि बहु किसके नाम """ खरीद, पट्टा, बंधक, विरासत, प्राम "" करीमान मूल्य पर धारित है और उसका मेंट या अन्य किसी प्रकार से सम्मिस से आप शासकीय कर्मचारी से तथा अज्ञेन की तारीख और जिससे बाधिक आय स्मा संबंध है अजित की गई हो उसका नाम तथा संबंध है अजित की गई हो उसका नाम तथा संबंध है | सम्मिष्ठ का जान तथा क्योंरे
बतलाइये कि वह किसके नाम """खरीद, प्रदूध, बेथक, विरासत,
गृह तथा अन्य भवन भूमि ""वर्तमान मूल्य पर भारित है और उसका मेंट या अन्य किसी प्रकार से सम्मित्त से
शासकीय कर्मचारी से तथा अर्जन की तार्राख और जिससे वार्षिक आय
स्मा संबंध है अर्जित की गई हो उसका नाम | सम्पष्टिका नाम तथा क्योरे
बतत्ताक्ष्ये कि नह किसंके नाम """खरीय, पट्टा, बंधक, विरासत,
गृह तथा अन्य भवन भूमि ""वर्तमान मूल्य पर भारित है और उसका भेट या अन्य किसी प्रकार से सम्पत्ति से
शासकौय कर्मचारी से तथा अर्जन की तारीख और जिससे व्यार्थिक आय | सम्पष्टिका नाम तथा क्योरे. बतत्ताइये कि वह किसके नाम """खरीद, पट्टा, बंधक, विरासत, बतत्ताइये कि वह किसके नाम ""खरीद, पट्टा, बंधक, विरासत, बह तथा अन्य भवन भूमि ""मर्तमान मूल्य पर शासकीय कर्मचारी से तथा अर्जन की तारीख और जिससे मार्थक आय
 | सम्मिक जान तथा ज्योरे. बतताइये कि बह किसके नाम भाने पट्टा, बंधक, विरासत, गृह तथा अन्य भवन भूमि "कितमान मूल्य पर धारित है और उसका में द या अन्य किसी प्रकार से सम्मिस से आप | सम्मिक्त जान तथा ज्योरे. बतलाइये कि बढ़ किसके नाम """खरीद, प्रद्य, बंधक, बिरासत, प्रामि से ज्या ज्या ज्या ज्या किसी प्रकार, से सम्मिस अभ सम्मिक्त ज्या ज्या ज्या किसी प्रकार, से सम्मिस अभ सासकीय कर्मचारी से तथा अर्जन की तारीख और जिससे वार्षिक आय ज्या स्वाप के मंचारी से अर्जन की तारीख और जिससे वार्षिक आय | सम्पष्टिका नाम तथा क्योरि
बतत्वाइये कि यह किसके नाम """वर्शन क्रिया क्ष्म विद्या प्रदेश, बंधक, विरासत
गृह तथा अन्य भवन भूमि ""वर्तमान मूल्य पर भारित है और उसका भेट या अन्य किसी प्रकार से सम्मासि से अभ
शासकीय कर्मचारी से तथा अर्जन की तारीख और जिससे बार्षिक आय | सम्पष्टि का नाम तथा क्योरे. बतत्ताक्ष्ये कि वह किसंके नाम "" खरीय, पट्टा, बंधक, विरासत, गृह तथा अन्य भवन भूमि "वर्षमान मूल्य पर भारित है और उसका भेट या अन्य किसी प्रकार से सम्मासि से आसकीय कर्मचारी से तथा अर्जन की वारीख और जिससे वार्षिक आय | सम्मिक जान तथा ज्योरे
बतताइये कि वह किसके नाम
गृह तथा अन्य भवन भूमि "कितमान मूल्य पर भारित है और उसका में दे या अन्य किसी प्रकार से सम्मिस से
शासकीय कर्मचारी से तथा अजैन की तारेख और जिससे बार्धिक आय
 | | | | |
 | | | | |
 | | | | |
 | | | |
| सम्पति को जान क्षेप क्ष्मी के बाह कर के जान क्ष्य न हो जी हो क्षिम क्षेप्र कि वह कि क्ष्म क्षेप्र के क्ष्म क्षिम क्ष्म के क्ष्म क्षिम क्ष्म के क्ष्म कि वह कि क्षम के क्ष्म कि वह कि के क्षम के के क्षम के क् | सम्पति का जान तथा क्यों दि
यह तथा अन्य भवन भूमि "व्हर्तमान मूल्य के जान भर ज हो को दि किस प्रकार अभिक्ष माना ""क्यों दि की प्रकार को का का माना किसी के अन्य माना का स्थान माना का स्थान की का का का का का को का का माना किसी के अन्य में देश का का माना का स्थान का का का का का को का का को का का को का का को का | सम्मीति का जान तथा काहित क्षेत्र जान तथा काहित काहित का जान तथा जाने हैं जिस्से प्रकार अभित क्षिता गया जाने होता होता है और दश्व का जाने तथा जाने हैं जान तथा जाने हैं जाने जाने होता होता होता होता होता होता होता होता | सम्पति का जान क्षण कार्मी
गृह तथा अन्य भवन भूमि "वर्तनान मूल्य के जान भर न हो जो दाने क्षित मूल्य विकास मूल्य क्षण क्षण क्षण क्षण क्षण क्षण क्षण क्षण | सम्पति का जान क्ष्म क्षा जान क्ष्म क्षा का क्षम क्षम का क्ष | सम्मीत का जान क्षण काहि. गृह तथा अन्य भवन भूमि "क्रवंनान मूल्य के जान भर ज हो नी दसे किस प्रकार अजित किया गया गृह तथा अन्य भवन भूमि "क्रवंनान मूल्य सम्भाव के अप्रकार के अप्रित्त के अप्रकार के अप्रवाद के अप्रकार के अप्रकार के अप्रकार के अप्रकार के अप्रकार के अप् | सम्पति को जान तथा क्यों है, जान अर न हो जी हाने हिन्स के जान अर न हो जी हाने हिन्स अन्त भूमि के जान अर न हो जी हाने हिन्स के जिस्के नाम ""व्यक्ति प्रद्य, बेज्य, हिन्स हो महानी हाने जान जान जाने हो जाने है जाने हो जाने हो जाने हैं जान | सम्पति को जान क्षेप क्ष्मी , व्यदे स्टब्ल के जान प्राप जो सी हा क्षेप के जान प्राप जा का जान क्ष्मि के जान क्ष्मि के जान क्ष्मि के जान क्ष्मि के जान जान जान क्ष्मि के जान क्षमि के जान क् | सम्पति को जान क्षण क्रमीर पुरि के जान प्राप जो सी हम किस प्रकार अपित किया जान जनवार में जान प्राप जो हम किस के जान क्षण जान करना किस किस के जान जान जनवार की व्याप करना किस किस के जान जान जनवार की व्याप करना की व्याप करना की व्याप करना किस के जान जान जनवार की व्याप करना की व्याप करना किस के जान | सम्परिक को जास तथा करिं।
कारतावादी कि वह किसके जान ""कारीद प्रद्या केफ, किरामत
कारतावादी कि वह किसके जान ""कारीद प्रद्या केफ, किरामत
पर भारत है और उसका में अपने कार्या कि विकास जान कार्या | सम्पतिक को जान तथा करिया करिया करिया करिया करिया जाय विद्या करिया जाय जाय करिया जाय जाय जाय जाय जाय जाय जाय जाय जाय ज
 | मस्पति का जास तथा क्रीर
जतताहर्ष कि कह किसके जान
जह तथा अंजन भवन भीम
प्राप्त क्षेत्र जात करना करना करना करना करना करना करना करना | सम्पष्टिका जाम तथा क्योंते. बतत्वाहर्ष कि सह किसंके नाम """व्यति प्रद्य, बंपक, विरासत, सम्मास से अप्र पारित है और उसका मेंद्र या ज्यन्य किसी प्रकार से सम्मास से अप्र या अप्र या ज्यन्य किसी प्रकार से सम्मास से अप्र या अप् | सम्पष्टिका जान तथा क्योंदे
बतरताहर्ष कि वह किसंके नाम """वर्गेद, पट्टा, वंपक, विरासत
मृह तथा अन्य भवन भूमि "वर्षमान मूल्य पर भारित है और उसका भेट या अन्य किसी प्रकार से सम्मानि से आ
शासकीय कर्मचारी से जाग अर्जन की वाराख और जिससे व्याधिक आय
स्पान्सक्ष है अधित की गई हो उसका नाम
(2) (3) (4) (5) (7) | सम्पष्टि का जान तथा क्योंदे
बतत्ताइये कि वह किसके नाम """ खरीद, प्रद्य, बंधक, विरासत,
गृह तथा अन्य भवन भूमि "" वर्तमान मूल्य पर थारित है और उसका भेट या अन्य किसी प्रकार से सम्मति से
शासकीय कर्मचारी से तथा अजन की तार्राख और जिससे वार्षिक आय्
प्या संबंध है जिसका नाम सम्मति से अभिक आय्
प्या संबंध है जिसका नाम तथा संबंध है अधिक का नाम तथा खरीत | सम्पष्टिका नाम तथा क्योरि
बतत्ताहर्ष कि सह किसके नाम """व्यति, पट्टा, बंपक, विरासत
पर भारित है और उसका भेट या जन्म किसी प्रकार से सम्पत्ति से अ
शासकीय कर्मचारी से जागा अर्जन की तारीख और जिससे
समासकीय कर्मचारी से जागा अर्जन की तारीख और जिससे
समासकीय कर्मचारी से अंजित की गई हो बसका नाम
(2) (3) (4) (5) (7) | सम्पष्टिका नाम तथा क्योरेत
बतत्ताहर्ष कि वह किसंके नाम
गृह तथा अन्य भवन
गृह तथा अन्य भवन
भूमि "वर्तमान मूल्य पर भारित है और उसका भेट या अन्य किसी प्रकार से सम्मति से
शासकीय कर्मचारी से नाम अर्जन की तार्राख और जिससे
समासिक आय
समा संबंध है अधित की तार्राख और जिससे
समा संबंध है अधित की तार्राख और जिससे
(2) (3) (4) (5) (7)
 | सम्मिक न जान तथा ज्योरे. बतत्ताइर्स कि वह किसके नाम भा न हो तो उसे किस प्रकार आजेरे किसा गया बतत्ताइर्स कि वह किसके नाम किया ज्यात्र प्रद्य, बंधक, विरासत, सम्मिस से अप्रकार भीम किया ज्यात्र किसी प्रकार से सम्मिस से आस्तिक आय शासकीय कर्मचारी से तथा अजंग की तारीख और जिससे वासिक आय स्मा संबंध है अजिसका नाम तथा स्वंध है अजिसका नाम तथा है अजिसका नाम तथा स्वंध है अजिसका नाम तथा है अजिसका नाम | सम्पष्टिका नाम तथा क्योरि
गृह तथा अन्य भवन भूमि "वित्मान मूल्य पर भारित है और उसका भेट या अन्य किसी प्रकार से सम्पत्ति से आ
शासकीय कर्मचारी से नाम ग्राहे हो उसका नाम
स्मान्तिकार है और उसका नाम नाम क्रांस्कीय कर्मचारी से नाम हो। उसका नाम हो। इसका ना | सम्पष्टिका नाम तथा क्योरे. बतत्ताहर्स कि वह किसंके नाम भार नहीं से उद्या बंधक, विरासत गृह तथा अन्य भवन भूमि "वर्तमान मूल्य पर भारित है और उसका भेट या अन्य किसी प्रकार से सम्मति से आराजीय कर्मचारी से नाम अर्जन की ताराख और जिससे वार्षिक आय स्मान से सम्मति से आराजीय कर्मचारी से नाम अर्जन की ताराख और जिससे वार्षिक आय समान से सम्मति से नाम स्मान क्यों व्यक्ति की गृह हो उसका नाम तथा संबंध है अराजीय का नाम तथा स्वंध है (5) (5) (7) | सम्मिक नाम तथा ज्योरे. बतत्ताहर्य कि वह किसके नाम भर न हो तो उसे किस प्रकार अजित किया नाम किया कर कर कर किस के नाम भर न कर | सम्मिक न जान तथा न्योरे. बतत्ताइर्प कि बहु किसके नाम पर न हो तो उसे किसा गया बतत्ताइर्प कि बहु किसके नाम गृह तथा अन्य भवन भूमि "कितमान मूल्य पर धारित है और उसका में प्राप्त असेर किसा असेर की तार्च और जिससे वासिक आय स्मा संबंध है अजित को गई हो उसका नाम समा संबंध है अजित को गई हो उसका नाम त्या संबंध है अजित को गई हो उसका नाम त्या संबंध है अजित को गई हो उसका नाम ति (5) (6) (7) | सम्पष्टिका नाम तथा क्योरि
कतलाइये कि सह किसके नाम """वर्शन, वंपक, विरासत
मृह तथा अन्य भवन भूमि ""वर्शमान मूल्य पर भारित है और उसका मेंट या अन्य किसी प्रकार से सम्मास से आय
शासकीय कर्मचारी से तथा अर्जन की तारीख और जिससे वार्षिक आय
स्मा संबंध है अंगित की गई हो उसका नाम
स्मा संबंध है अर्जन की गर्म व्याप्त | सम्पष्टिका नाम तथा क्योरि
ब्रह्म के नाम पर को सी कि सह किसंके नाम """व्यीद, पट्टा, बंपक, विरासत,
पर धारित है और उसका भेट या अन्य किसी प्रकार से सम्पत्ति से आ
शासकीय कर्मचारी से नाम क्या कार्यक्र को तारीख और जिससे व्याधिक आय
स्मान्तिक कर्मचारी से अजित की गई हो बसका नाम
स्मान्तिक कर्मचारी से अजित की गई हो बसका नाम
(2) (4) (5) (7)
 | सम्पष्टिका नाम तथा क्योरि
बतरताहर्ष कि वह किसंके नाम """वर्गेत, मुप्प सम्प्रिक्त के बार्ग के बार के बार्ग के | सम्मिक्त जान तथा ज्योरे
बतत्ताइये कि बहु किसके नाम """करीमान मूल्य पर धारित है और उसका मेंट या अन्य किसी प्रकार से सम्मिस से
शासकीय कर्मचारी से तथा अजन की तारिख और जिससे बार्षिक आय
स्मा संबंध है अजित की गई हो उसका नाम | सम्पष्टिका नाम तथा क्योरि
बतलाइये कि सह किसके नाम """वर्शन मूल्य पर भारित है और उसका मेंट या अन्य किसी प्रकार से सम्मास से अभ
गृह तथा अन्य भवन भूमि ""वर्तमान मूल्य पर भारित है और उसका मेंट या अर्जन की तारीख और जिससे आय | सम्पष्टिका नाम तथा क्योरि
बतत्ताइथे कि नह किसके नाम """व्यीद, पट्टा, वंपक, विरासत
गृह तथा अन्य भवन भूमि ""वर्तमान मूल्य पर धारित है और उसका भेट या अन्य किसी प्रकार से सम्पत्ति से
शासकीय कर्मचारी से तथा अर्जन की तारीख और जिससे व्यार्थिक आय
स्मा संबंध है अजिंत की गई हो उसका नाम
तथा व्योरा | सम्पष्टिका नाम तथा क्योरे
बतत्ताक्ष्ये कि नह किसंके नाम """खरीय, प्रट्य, चंपक, विरासत,
गृह तथा अन्य भवन भूमि ""वर्तमान मूल्य पर भारित है और उसका भेट या अन्य किसी प्रकार से सम्मानि से
शासकीय कर्मचारी से तथा अर्जन की तारीख और जिससे व्यार्थिक आय
स्मान्सक्ष है अधित की गई हो उसका नाम | सम्पष्टिका नाम तथा क्योरे. बतत्ताहरों कि वह किसंके नाम """वरीद, पट्टा, बंधक, विरासत, गृह तथा अन्य भवन भूमि ""वर्तमान मूल्य पर भारित है और उसका भेट या अन्य किसी प्रकार से सम्मति से आरात है और उसका भेट या अन्य किसी प्रकार से सम्मति से आरात है और उसका ने
 | सम्मिक जान तथा ज्योरे. बतत्ताइये कि वह किसके नाम """खरीद, प्रट्य, बंधक, विरासत, बतत्ताइये कि वह किसके नाम """खरीद, प्रट्य, बंधक, विरासत, मह तथा अन्य भवन भूमि ""वर्तमान मूल्य पर शासकीय कर्मचारी से तथा अर्जन की तारीख और जिससे वार्षिक आय पना संबंध है अधित की गई हो वसका नाम तथा स्वंध है | सम्मिक्त जान तथा ज्योरे. बतत्ताइये कि बहु किसके नाम """ खरीद, पट्टा, बंधक, विरासत, प्राम "" करीमान मूल्य पर धारित है और उसका मेंट या अन्य किसी प्रकार से सम्मिस से आप शासकीय कर्मचारी से तथा अज्ञेन की तारीख और जिससे बाधिक आय स्मा संबंध है अजित की गई हो उसका नाम तथा संबंध है अजित की गई हो उसका नाम तथा संबंध है | सम्मिष्ठ का जान तथा क्योंरे
बतलाइये कि वह किसके नाम """खरीद, प्रदूध, बेथक, विरासत,
गृह तथा अन्य भवन भूमि ""वर्तमान मूल्य पर भारित है और उसका मेंट या अन्य किसी प्रकार से सम्मित्त से
शासकीय कर्मचारी से तथा अर्जन की तार्राख और जिससे वार्षिक आय
स्मा संबंध है अर्जित की गई हो उसका नाम | सम्पष्टिका नाम तथा क्योरे
बतत्ताक्ष्ये कि नह किसंके नाम """खरीय, पट्टा, बंधक, विरासत,
गृह तथा अन्य भवन भूमि ""वर्तमान मूल्य पर भारित है और उसका भेट या अन्य किसी प्रकार से सम्पत्ति से
शासकौय कर्मचारी से तथा अर्जन की तारीख और जिससे व्यार्थिक आय | सम्पष्टिका नाम तथा क्योरे. बतत्ताइये कि वह किसके नाम """खरीद, पट्टा, बंधक, विरासत, बतत्ताइये कि वह किसके नाम ""खरीद, पट्टा, बंधक, विरासत, बह तथा अन्य भवन भूमि ""मर्तमान मूल्य पर शासकीय कर्मचारी से तथा अर्जन की तारीख और जिससे मार्थक आय
 | सम्मिक जान तथा ज्योरे. बतताइये कि बह किसके नाम भाने पट्टा, बंधक, विरासत, गृह तथा अन्य भवन भूमि "कितमान मूल्य पर धारित है और उसका में द या अन्य किसी प्रकार से सम्मिस से आप | सम्मिक्त जान तथा ज्योरे. बतलाइये कि बढ़ किसके नाम """खरीद, प्रद्य, बंधक, बिरासत, प्रामि से ज्या ज्या ज्या ज्या किसी प्रकार, से सम्मिस अभ सम्मिक्त ज्या ज्या ज्या किसी प्रकार, से सम्मिस अभ सासकीय कर्मचारी से तथा अर्जन की तारीख और जिससे वार्षिक आय ज्या स्वाप के मंचारी से अर्जन की तारीख और जिससे वार्षिक आय | सम्पष्टिका नाम तथा क्योरि
बतत्वाइये कि यह किसके नाम """वर्शन क्रिया क्ष्म विद्या प्रदेश, बंधक, विरासत
गृह तथा अन्य भवन भूमि ""वर्तमान मूल्य पर भारित है और उसका भेट या अन्य किसी प्रकार से सम्मासि से अभ
शासकीय कर्मचारी से तथा अर्जन की तारीख और जिससे बार्षिक आय | सम्पष्टि का नाम तथा क्योरे. बतत्ताक्ष्ये कि वह किसंके नाम "" खरीय, पट्टा, बंधक, विरासत, गृह तथा अन्य भवन भूमि "वर्षमान मूल्य पर भारित है और उसका भेट या अन्य किसी प्रकार से सम्मासि से आसकीय कर्मचारी से तथा अर्जन की वारीख और जिससे वार्षिक आय | सम्मिक जान तथा ज्योरे
बतताइये कि वह किसके नाम
गृह तथा अन्य भवन भूमि "कितमान मूल्य पर भारित है और उसका में दे या अन्य किसी प्रकार से सम्मिस से
शासकीय कर्मचारी से तथा अजैन की तारेख और जिससे बार्धिक आय
 | | | | |
 | | | | |
 | | | | |
 | | | |
| सम्पति को जान क्षेप क्ष्मी के बाह कर के जान क्ष्य न हो जी हो क्षिम क्षेप्र कि वह कि क्ष्म क्षेप्र के क्ष्म क्षिम क्ष्म के क्ष्म क्षिम क्ष्म के क्ष्म कि वह कि क्षम के क्ष्म कि वह कि के क्षम के के क्षम के क् | सम्पति का जान तथा क्यों दि
यह तथा अन्य भवन भूमि "व्हर्तमान मूल्य के जान भर ज हो को दि किस प्रकार अभिक्ष माना ""क्यों दि की प्रकार को का का माना किसी के अन्य माना का स्थान माना का स्थान की का का का का का को का का माना किसी के अन्य में देश का का माना का स्थान का का का का का को का का को का का को का का को का | सम्मीति का जान तथा काहित क्षेत्र जान तथा काहित काहित का जान तथा जाने हैं जिस्से प्रकार अभित क्षिता गया जाने होता होता है और दश्व का जाने तथा जाने हैं जान तथा जाने हैं जाने जाने होता होता होता होता होता होता होता होता | सम्पति का जान क्षण कार्मी
गृह तथा अन्य भवन भूमि "वर्तनान मूल्य के जान भर न हो जो दाने क्षित मूल्य विकास मूल्य क्षण क्षण क्षण क्षण क्षण क्षण क्षण क्षण | सम्पति का जान क्ष्म क्षा जान क्ष्म क्षा का क्षम क्षम का क्ष | सम्मीत का जान क्षण काहि. गृह तथा अन्य भवन भूमि "क्रवंनान मूल्य के जान भर ज हो नी दसे किस प्रकार अजित किया गया गृह तथा अन्य भवन भूमि "क्रवंनान मूल्य सम्भाव के अप्रकार के अप्रित्त के अप्रकार के अप्रवाद के अप्रकार के अप्रकार के अप्रकार के अप्रकार के अप्रकार के अप् | सम्पति को जान तथा क्यों है, जान अर न हो जी हाने हिन्स के जान अर न हो जी हाने हिन्स अन्त भूमि के जान अर न हो जी हाने हिन्स के जिस्के नाम ""व्यक्ति प्रद्य, बेज्य, हिन्स हो महानी हाने जान जान जाने हो जाने है जाने हो जाने हो जाने हैं जान | सम्पति का जान क्ष्ण क्ष्मीर व्यक्तिक क्ष्रा का अपन क्ष्मीर क्षिप्त क्ष्मिक जान क्ष्मिक क्ष्मिक क्ष्मिक क्ष्मिक क्ष्मिक क्ष्मिक क्ष्मिक क्षिप्त क्ष्मिक क्षिप्त क्ष्मिक क्षमिक क्ष्मिक | सम्पति को जान क्षण क्रमीर पुरि के जान प्राप जो सी हम किस प्रकार अपित किया जान जनवार में जान प्राप जो हम किस के जान क्षण जान करना किस किस के जान जान जनवार की व्याप करना किस किस के जान जान जनवार की व्याप करना की व्याप करना की व्याप करना किस के जान जान जनवार की व्याप करना की व्याप करना किस के जान | सम्परिक को जास तथा करिं।
कारतावादी कि वह किसके जान ""कारीद प्रद्या केफ, किरामत
कारतावादी कि वह किसके जान ""कारीद प्रद्या केफ, किरामत
पर भारत है और उसका में अपने कार्या कि विकास जान कार्या | सम्पतिक को जान तथा करिया करिया करिया करिया करिया जाय विद्या करिया जाय जाय करिया जाय जाय जाय जाय जाय जाय जाय जाय जाय ज
 | मस्पति का जास तथा क्रीर
जतताहर्ष कि कह किसके जान
जह तथा अंजन भवन भीम
प्राप्त क्षेत्र जात करना करना करना करना करना करना करना करना | सम्पष्टिका जाम तथा क्योंते. बतत्वाहर्ष कि सह किसंके नाम """व्यति प्रद्य, बंपक, विरासत, सम्मास से अप्र पारित है और उसका मेंद्र या ज्यन्य किसी प्रकार से सम्मास से अप्र या अप्र या ज्यन्य किसी प्रकार से सम्मास से अप्र या अप् | सम्पष्टिका जाम तथा क्योंदे
बतरताहर्ष कि वह किसंके नाम """वर्गत, प्रट्य, वंपक, विरासत
मृह तथा अन्य भवन भूमि "वर्गमान मूल्य पर भारित है और उसका भेट या अन्य किसी प्रकार से सम्पन्ति से आ
शासकौय कर्मचारी से जामा अर्जन की वाराख और जिससे व्यासिक आय
स्पान्सकंध है अधित की गई हो उसका नाम
(2) (3) (4) (5) (7) | सम्पष्टि का जान तथा क्योंदे
बतत्ताइये कि वह किसके नाम """ खरीद, प्रद्य, बंधक, विरासत,
गृह तथा अन्य भवन भूमि "" वर्तमान मूल्य पर थारित है और उसका भेट या अन्य किसी प्रकार से सम्मति से
शासकीय कर्मचारी से तथा अजन की तार्राख और जिससे वार्षिक आय्
प्या संबंध है जिसका नाम सम्मति से अभिक आय्
प्या संबंध है जिसका नाम तथा संबंध है अधिक का नाम तथा खरीत | सम्पष्टिका नाम तथा क्योरि
बतत्ताहर्ष कि सह किसके नाम """व्यति, पट्टा, बंपक, विरासत
पर भारित है और उसका भेट या जन्म किसी प्रकार से सम्पत्ति से अ
शासकीय कर्मचारी से जागा अर्जन की तारीख और जिससे
समासकीय कर्मचारी से जागा अर्जन की तारीख और जिससे
समासकीय कर्मचारी से अंजित की गई हो बसका नाम
(2) (3) (4) (5) (7) | सम्पष्टिका नाम तथा क्योरेत
बतत्ताहर्ष कि वह किसंके नाम
गृह तथा अन्य भवन
गृह तथा अन्य भवन
भूमि "वर्तमान मूल्य पर भारित है और उसका भेट या अन्य किसी प्रकार से सम्मति से
शासकीय कर्मचारी से नाम अर्जन की तार्राख और जिससे
समासिक आय
समा संबंध है अधित की तार्राख और जिससे
समा संबंध है अधित की तार्राख और जिससे
(2) (3) (4) (5) (7)
 | सम्मिक न जान तथा ज्योरे. बतत्ताइर्स कि वह किसके नाम भा न हो तो उसे किस प्रकार आजेरे किसा गया बतत्ताइर्स कि वह किसके नाम किया ज्यात्र प्रद्य, बंधक, विरासत, सम्मिस से अप्रकार भीम किया ज्यात्र किसी प्रकार से सम्मिस से आस्तिक आय शासकीय कर्मचारी से तथा अजंग की तारीख और जिससे वासिक आय स्मा संबंध है अजिसका नाम तथा स्वंध है अजिसका नाम तथा है अजिसका नाम तथा स्वंध है अजिसका नाम तथा है अजिसका नाम | सम्पष्टिका नाम तथा क्योरि
गृह तथा अन्य भवन भूमि "वित्मान मूल्य पर भारित है और उसका भेट या अन्य किसी प्रकार से सम्पत्ति से आ
शासकीय कर्मचारी से नाम ग्राहे हो उसका नाम
स्मान्तिकार है और उसका नाम नाम क्रांस्कीय कर्मचारी से नाम हो। उसका नाम हो। इसका ना | सम्पष्टिका नाम तथा क्योरे. बतत्ताहर्स कि वह किसंके नाम भार नहीं तो उसे किस्म प्रकार अजित क्रिया नाम क्रिया क्रिय क्रिया क्रय क्रिया क | सम्मिक नाम तथा ज्योरे. बतत्ताहर्य कि वह किसके नाम भर न हो तो उसे किस प्रकार अजित किया नाम किया कर कर कर किस के नाम भर न कर | सम्मिक न जान तथा न्योरे. बतत्ताइर्प कि बहु किसके नाम पर न हो तो उसे किसा गया बतत्ताइर्प कि बहु किसके नाम गृह तथा अन्य भवन भूमि "कितमान मूल्य पर धारित है और उसका में प्राप्त असेर किसा असेर की तार्च और जिससे वासिक आय स्मा संबंध है अजित को गई हो उसका नाम समा संबंध है अजित को गई हो उसका नाम त्या संबंध है अजित को गई हो उसका नाम त्या संबंध है अजित को गई हो उसका नाम ति (5) (6) (7) | सम्पष्टिका नाम तथा क्योरि
कतलाइये कि सह किसके नाम """वर्शन, वंपक, विरासत
मृह तथा अन्य भवन भूमि ""वर्शमान मूल्य पर भारित है और उसका मेंट या अन्य किसी प्रकार से सम्मास से आय
शासकीय कर्मचारी से तथा अर्जन की तारीख और जिससे वार्षिक आय
स्मा संबंध है अंगित की गई हो उसका नाम
स्मा संबंध है अर्जन की गर्म व्याप्त | सम्पष्टिका नाम तथा क्योरि
ब्रह्म के नाम पर को सी कि सह किसंके नाम """व्यीद, पट्टा, बंपक, विरासत,
पर धारित है और उसका भेट या अन्य किसी प्रकार से सम्पत्ति से आ
शासकीय कर्मचारी से नाम क्या कार्यक्र को तारीख और जिससे व्याधिक आय
स्मान्तिक कर्मचारी से अजित की गई हो बसका नाम
स्मान्तिक कर्मचारी से अजित की गई हो बसका नाम
(2) (4) (5) (7) | सम्पष्टिका नाम तथा क्योरि
बतरताहर्ष कि वह किसंके नाम """वर्गेत, मुप्प सम्प्रिक्त के बार्ग के बार के बार्ग के | सम्मिक्त जान तथा ज्योरे
बतत्ताइये कि बहु किसके नाम """करीमान मूल्य पर धारित है और उसका मेंट या अन्य किसी प्रकार से सम्मिस से
शासकीय कर्मचारी से तथा अजन की तारिख और जिससे बार्षिक आय
स्मा संबंध है अजित की गई हो उसका नाम
 | सम्पष्टिका नाम तथा क्योरि
बतलाइये कि सह किसके नाम """वर्शन मूल्य पर भारित है और उसका मेंट या अन्य किसी प्रकार से सम्मास से अभ
गृह तथा अन्य भवन भूमि ""वर्तमान मूल्य पर भारित है और उसका मेंट या अर्जन की तारीख और जिससे आय | सम्पष्टिका नाम तथा क्योरि
बतत्ताइथे कि नह किसके नाम """व्यीद, पट्टा, वंपक, विरासत
गृह तथा अन्य भवन भूमि ""वर्तमान मूल्य पर धारित है और उसका भेट या अन्य किसी प्रकार से सम्पत्ति से
शासकीय कर्मचारी से तथा अर्जन की तारीख और जिससे व्यार्थिक आय
स्मा संबंध है अजिंत की गई हो उसका नाम
तथा व्योरा | सम्पष्टिका नाम तथा क्योरे
बतत्ताक्ष्ये कि नह किसंके नाम """खरीय, पट्टा, बंधक, विरासत,
गृह तथा अन्य भवन भूमि ""वर्तमान मूल्य पर भारित है और उसका भेट या अन्य किसी प्रकार से सम्मानि से
शासकीय कर्मचारी से तथा अर्जन की तारीख और जिससे व्यार्थिक आय
स्मान्संबंध है अधित की गई हो उसका नाम | सम्पष्टिका नाम तथा क्योरे. बतत्ताहरों कि वह किसंके नाम """वरीद, पट्टा, बंधक, विरासत, गृह तथा अन्य भवन भूमि ""वर्तमान मूल्य पर भारित है और उसका भेट या अन्य किसी प्रकार से सम्मति से आरात है और उसका भेट या अन्य किसी प्रकार से सम्मति से आरात है और उसका ने | सम्मिक जान तथा ज्योरे. बतत्ताइये कि वह किसके नाम """खरीद, प्रट्य, बंधक, विरासत, बतत्ताइये कि वह किसके नाम """खरीद, प्रट्य, बंधक, विरासत, मह तथा अन्य भवन भूमि ""वर्तमान मूल्य पर शासकीय कर्मचारी से तथा अर्जन की तारीख और जिससे वार्षिक आय पना संबंध है अधित की गई हो वसका नाम तथा स्वंध है
 | सम्मिक्त जान तथा ज्योरे. बतत्ताइये कि बहु किसके नाम """ खरीद, पट्टा, बंधक, विरासत, प्राम "" करीमान मूल्य पर धारित है और उसका मेंट या अन्य किसी प्रकार से सम्मिस से आप शासकीय कर्मचारी से तथा अज्ञेन की तारीख और जिससे बाधिक आय स्मा संबंध है अजित की गई हो उसका नाम तथा संबंध है अजित की गई हो उसका नाम तथा संबंध है | सम्मिष्ठ का जान तथा क्योंरे
बतलाइये कि वह किसके नाम """खरीद, प्रदूध, बेथक, विरासत,
गृह तथा अन्य भवन भूमि ""वर्तमान मूल्य पर भारित है और उसका मेंट या अन्य किसी प्रकार से सम्मित्त से
शासकीय कर्मचारी से तथा अर्जन की तार्राख और जिससे वार्षिक आय
स्मा संबंध है अर्जित की गई हो उसका नाम | सम्पष्टिका नाम तथा क्योरे
बतत्ताक्ष्ये कि नह किसंके नाम """खरीय, पट्टा, बंधक, विरासत,
गृह तथा अन्य भवन भूमि ""वर्तमान मूल्य पर भारित है और उसका भेट या अन्य किसी प्रकार से सम्पत्ति से
शासकौय कर्मचारी से तथा अर्जन की तारीख और जिससे व्यार्थिक आय | सम्पष्टिका नाम तथा क्योरे. बतत्ताइये कि वह किसके नाम """खरीद, पट्टा, बंधक, विरासत, बतत्ताइये कि वह किसके नाम ""खरीद, पट्टा, बंधक, विरासत, बह तथा अन्य भवन भूमि ""मर्तमान मूल्य पर शासकीय कर्मचारी से तथा अर्जन की तारीख और जिससे मार्थक आय | सम्मिक जान तथा ज्योरे. बतताइये कि बह किसके नाम भाने पट्टा, बंधक, विरासत, गृह तथा अन्य भवन भूमि "कितमान मूल्य पर धारित है और उसका में द या अन्य किसी प्रकार से सम्मिस से आप
 | सम्मिक्त जान तथा ज्योरे. बतलाइये कि बढ़ किसके नाम """खरीद, प्रद्य, बंधक, बिरासत, प्रामि से ज्या ज्या ज्या ज्या किसी प्रकार, से सम्मिस अभ सम्मिक्त ज्या ज्या ज्या किसी प्रकार, से सम्मिस अभ सासकीय कर्मचारी से तथा अर्जन की तारीख और जिससे वार्षिक आय ज्या स्वाप के मंचारी से अर्जन की तारीख और जिससे वार्षिक आय | सम्पष्टिका नाम तथा क्योरि
बतत्वाइये कि यह किसके नाम """वर्शन क्रिया क्ष्म विद्या प्रदेश, बंधक, विरासत
गृह तथा अन्य भवन भूमि ""वर्तमान मूल्य पर भारित है और उसका भेट या अन्य किसी प्रकार से सम्मासि से अभ
शासकीय कर्मचारी से तथा अर्जन की तारीख और जिससे बार्षिक आय | सम्पष्टि का नाम तथा क्योरे. बतत्ताक्ष्ये कि वह किसंके नाम "" खरीय, पट्टा, बंधक, विरासत, गृह तथा अन्य भवन भूमि "वर्षमान मूल्य पर भारित है और उसका भेट या अन्य किसी प्रकार से सम्मासि से आसकीय कर्मचारी से तथा अर्जन की वारीख और जिससे वार्षिक आय | सम्मिक जान तथा ज्योरे
बतताइये कि वह किसके नाम
गृह तथा अन्य भवन भूमि "कितमान मूल्य पर भारित है और उसका में दे या अन्य किसी प्रकार से सम्मिस से
शासकीय कर्मचारी से तथा अजैन की तारेख और जिससे बार्धिक आय |
 | | | | |
 | | | | |
 | | | | |
 | | |
| सम्पर्तिक का जान तथा क्यों। यदि करने के जान पर न हो जी हा कित प्रकार अभिते किया गणा अल्लावारी कि जह किसके नाम ""व्यक्ति प्रद्या, बेच्क, विद्यास में अपित प्रदार, बेच्क, विद्यास में अपित प्राप्त है और उसका कि जह किया प्रवास के नाम अपित के और विद्यास में अपित के और विद्यास में अपित के जान अपित को गण विद्यास में अपित के नाम अपित को गण विद्यास मान अपित को गण विद्यास के जान विद्यास के जा | सम्पति का जान तथा कर्मी
जुह तथा अन्य भवन भूमि "व्हेनान मूल्य के जान प्राप्त के क्षेप क्ष्मिक जान क्षमिक क्षमिक क्षमिक जान | सम्पति का जान तथा कर्नीर विकास कर्ना पूर्वि के जान प्रपान हों जो हों के जान प्रपान के जान तथा कर्नीर क्षिता गणा जन्म क्षित क्षत क्षित क्षत क्षित क्षत क्षत क्षत क्षत क्षत क्षत क्षत क्ष | सम्मीत का जान क्ष्म क्षी जान क्ष्म क्षी का जान क्षम क्षी का जान का मुख्य कालावा जाए। | सम्पति का जान थया । "व्यक्तित के व्यक्ति के | सम्पति का जान क्ष्म क्षा जान क्ष्म क्षा जान क्ष्म क्षा जान क्षा जान क्ष्म क्षा जान क्षम क्षा जान क्षम क्षा जान क्षम जान जान क्षम जान क्षा जान क्षम जान जान जान जान जान क्षम जान जान जान क्षम जान जान क्षम जान जान जान क्षम जान जान जान क्षम जान जान क्षम जान | सम्मार्गिक का जान कथा क्यों। स्वार्थ के जान पर न हो जी हा कि क्या फ्रनार अभिते कि क्या एक जान क्या क्यां कि क्या कि क्या कि क्या कि क्या कि क्या क्यां कि क्या कि क्या कि क्या कि क्या क्यां क्यां कि क्या क्यां क्यां कि क्या क्यां क्या क्यां कि क्या क्यां कि क्या क्यां कि क्या क्यां कि क्या क्यां क्यां कि क्यां क्यां कि क्यां क्यां कि क्यां क्यां कि क्यां क्यां क्यां कि क्यां क्यां कि क्यां क्यां क्यां कि क्यां क्या | सम्पर्तिक का जान कथा ज्योरि
करतावारी कि जह किसके जान
गृह तथा अन्य भ्यन भूमि
गृह तथा अन्य भ्यन भूमि
पर भारति है, और उसता
पर भारति है, और उसता
पर भारति है, और उसता
पर भारति है, और उसता
पर भारति है, और अपन की त्यां कि जह जान
अपन की त्यां कि जह कि जान
अपन की तथा की त | सम्पर्तिक का जान तथा क्यों है. जार अर न हो जो हा कि का प्रकार अर्थित कि जा प्रकार अर्थित कि जा प्रकार अर्थित कि जार अर्थित जार कि जार अर्थित जार कि | सम्पति का जाम तथा करि
वत्तावादी कि वह किसके जाम
गृह तथा अन्य भवत भूमि
गर भारत है और उसका
पर भारत है और उसका
पर भारत है और उसका
पर भारत है और किसमे
पर भारत है और किसमे
पर भारत है और किसमे
व्याजन के किसमें के कार्य
व्याजन के किसमें के कार्य
विवाद के किसमें के व्याव
विवाद के किसमें के विवाद के विवा | सम्पर्तिक का जाम तथा क्रीरि
जिस्ताप्ति कि जह क्रिमके जाम
जुर तथा अन्य भवत
प्राप्ति क्रीर जिस्का क्रिक्त क्रिक क्रिक्त क्रिक्त क्रिक्त क्रि | सम्परिक का जास तथा क्रीर
कारतावर्ष कि वह क्रिक्त जान "" कर्तावर्ष कि वह क्रिक्त जान "" कर्तावर्ष कि वह क्रिक्त जान जान कर्म कर्म कर्म कर्म कर्म कर्म कर्म कर्म
 | सम्पत्तिका जात तथा च्योरे
बतत्ताक्ष्यं कि सह किसके नाम "* "बतीय, पट्टा, बंपक, विरासत
गृह तथा अन्य भवन भूमि " वर्तमान मूल्य पर भारित है और उसका मेंट या अन्य किसी प्रकार से सम्मासि से अम
शासकीय कर्मचारी से तथा अर्जन की तारीख और जिससे वार्षिक आय
स्मा संबंध है अंजित को गई हो उसका नाम
(2) (3) (4) (5) (7) | सम्पत्ति का जान तथा व्योरि
बतत्ताक्ष्ये कि सह किसके नाम """खरीद, पट्टा, वंपक, विरासत
पर भारित है और उसका भेट या जन्म किसी प्रकार से सम्पत्ति से अ
शासकीय कर्मचारी से जाग अर्जन की तारीख और जिससे
सासकीय कर्मचारी से अर्जित की गई हो उसका नाम
स्था संबंध है (६) (१) | सम्पत्ति का जाम तथा क्योरेत
बतत्ताहरी कि वह किसंके नाम
गृह तथा अन्य भवन
गृह तथा अन्य भवन
शुक्ति को ग्रांच अभिक्त को व्याख और जिस्से
स्पा संबंध है
स्पा संबंध है
स्पा संबंध है
अजित को गाँड वे वसका नाम
स्पा संबंध है
अजित को गाँड वे वसका नाम
स्पा संबंध है
अजित को गाँड वे वसका नाम
(2) (3) (4) (5) (7) | सम्पत्तिका नाम तथा क्योरे
गृह तथा अन्य भवन भूमि "वितार मूल्य पर भारित है और उसका भेट या अन्य किसी प्रकार से सम्पत्ति से अप्र
शासकीय कर्मचारी से तथा अन्य किसी प्रकार से सम्पत्ति से अप्र
शासकीय कर्मचारी से तथा अन्य किसी प्रकार से सम्पत्ति से अप्र
स्या संबंध है अधित की गाई हो बसका नाम
(2) (3) (4) (5) (7) | सम्पत्तिका नाम तथा क्योरित के नाम पर न हो तो उसे किस प्रकार आजेरित किया गया विद्या के प्रकार मिन्द्र में कि सह किसके नाम """खरीए,
प्रट्य, बंपक, विरासत के सम्मित्ति के भीर या जन्म किसी प्रकार से सम्मित्ति का शासकीय कर्मचारी से नाम जन्म किसी प्रकार से सम्मित्ति का शासकीय कर्मचारी से नाम जन्म किसी प्रकार से सम्मित्ति का शासकीय कर्मचारी से नाम जन्म किसी प्रकार का नाम क्यांति को गई हो उसका नाम तथा स्वंध है अधित की गई हो उसका नाम तथा स्वंध है (5) (5) (7) | सम्पत्ति का नाम तथा क्योरेत
बतत्ताहर्य कि वह किसंके नाम
मृह तथा अन्य भवन
मृह तथा अन्य भवन
भूमि "कर्तमान मूल्य पर थारित है और उसका भेट या अन्य किसी प्रकार से
सारकीय कर्मचारी से निया अन्य किसी प्रकार से सम्मिति से
सारकीय कर्मचारी से निया अन्य किसी प्रकार से सम्मिति से
स्या संबंध है अधित की गई हो बसका नाम
स्या संबंध है अधित की गई हो बसका नाम
(2) (3) (4) (5) (7) | सम्पत्तिका नाम तथा च्योरे
गृह तथा अन्य भवन भूमि "वर्तमान मूल्य पर भारित है और उसका भेट या अन्य किसी प्रकार से सम्मत्ति से आ
शासकीय कर्मचारी से तथा अन्य किसी प्रकार से सम्मत्ति से आ
सासकीय कर्मचारी से तथा अन्य किसी प्रकार से सम्मत्ति से आ
स्या संबंध है अजित की गई हो उसका नाम
स्या संबंध है अजित की गई हो उसका नाम
(2) (3) (4) (5) (7) | सम्पण्डिका नाम तथा क्योरे. बतत्ताहर्भ कि नह किसंके नाम """वर्ग, प्रद्य, वंपक, विरासत, प्रमित्त के नाम पर भारित है और उसका भेट या जन्म किसी प्रकार से सम्पत्ति से आराजीय कर्मनारी से तथा अर्जन की वार्याख और जिससे वार्षिक आय स्मान से सम्पत्ति से तथा अर्जन की वार्याख और जिससे वार्षिक आय स्मान स्मान स्मान स्मान स्मान स्मान समान समान समान समान समान समान समान स | सम्पत्तिका नाम तथा क्योरेत
बतत्ताहर्ष कि वह किसंके नाम
गृह तथा अन्य भवन
भूमि "भवतेमान मूल्य पर शासित है और उसका भेट या अन्य किसी प्रकार से सम्मति से
शासकीय कर्मचारी से तथा अर्जन की तारीख और जिससे
स्पा संबंध है अधित की गाँड हो उसका नाम
स्पा संबंध है अधित को गाँड हो उसका नाम
(2) (3) (4) (5) (7) | सम्पत्ति का नाम तथा क्योरे. बतत्ताइर्थ कि वह किसके नाम भान्य क्रफार प्रद्य, बंधक, विरासत, गृह तथा अन्य भवन भूमि "क्वतमान मूल्य पर धारित है और उसका मेट या अन्य किसी प्रकार से सम्पत्ति से आरक्षिक आय सामिक | सम्पत्तिका नाम तथा च्योरे
कतलाइये कि मह किसके नाम "*"वर्शन, वंपक, विरासत,
मह तथा अन्य भवन भूमि ""वर्शमान मूल्य पर भारित है, और उसका मेंट या अन्य किसी प्रकार से सम्मत्ति से आय
शासकीय कर्मचारी से तथा अर्जन की तारीख और जिससे वार्षिक आय
स्मा संबंध है अर्जन की तारीख और जिससे वार्षिक आय
स्मा संबंध है अर्जन की गांड हो उसका नाम
स्मा संबंध है (5) (6)
 | सम्पत्तिका नाम तथा क्योरे
गृह तथा अन्य भवन भूमि "वर्षमान मूल्य पर भारित है और उसका भेट या अन्य किसी प्रकार से सम्पत्ति से आधिक आय
सासकीय कर्मचारी से तथा अन्य किसी प्रकार से सम्पत्ति से आधिक आय
स्मासकीय कर्मचारी से तथा अन्य किसी प्रकार से सम्पत्ति से अधि
स्मासकीय कर्मचारी से तथा क्योरा को गई हो उसका नाम
स्मासकीय क्रमंचारी से अधित की गई हो उसका नाम
समासकीय क्रमंचारी से अधित की गई हो उसका नाम
(2) (4) (5) (7) | सम्पत्तिका नाम तथा क्योरे
बतत्ताक्ष्यं कि नह किसंके नाम """खरीद, प्रट्य, बंधक, विरासत,
गृह तथा अन्य भवन भूमि "वर्षमान मूल्य पर भारित है और उसका भेट या अन्य किसी प्रकार से सम्मानि से
शासकीय कर्मचारी से तथा अर्जन की वाराख और जिससे वार्षिक आय
स्मान्सवंध है अधित की गई हो बसका नाम
स्मान्सवंध है अधित की गई हो बसका नाम
(2) (5) (5) | सम्पत्ति का नाम तथा क्योरे
बतत्ताइये कि वह किसके नाम """वर्ग, पट्य, बंधक, विरासत,
गृह तथा अन्य भवन भूमि ""वर्तमान मूल्य पर थारित है और उसका भेट या अन्य किसी प्रकार से सम्मति से
शासकीय कर्मचारी से तथा अन्य की तारीख और जिससे व्यांसिक आय्
प्या संबंध है अभित की गई हो उसका नाम | सम्पत्तिका नाम तथा च्योरे
बतलाइये कि यह किसके नाम "*"वर्शन, पर्या, पर्या, वंपक, पिरासत,
गृह तथा अन्य भवन भूमि ""वर्तमान मूल्य पर भारित है. और उसका मेंट या अन्य किसी प्रकार से सम्मासि से अभ
शासकीय कर्मचारी से तथा अर्जन की तारीख और जिससे वार्षिक आय
प्या संबंध है अर्जित की गई हो उसका नाम | सम्पत्ति का नाम तथा च्योरे
बतत्ताक्ष्य कि सह किसके नाम """वरीष, पट्टा, वंपक, विरासत
गृह तथा अन्य भवन भूमि ""वर्तमान मूल्य पर भारित है और उसका भेट या अन्य किसी प्रकार से सम्पत्ति से आ
शासकीय कर्मचारी से तथा अर्जन की तारीख और जिससे व्यार्थिक आय
स्मा संबंध है अजित की गई हो उसका नाम तथा संबंध है
 | सम्पत्ति का नाम तथा च्योरे
बतत्ताक्ष्ये कि सह किसके नाम """खरीय, पट्टा, वंपक, विरासत
गृह तथा अन्य भवन भूमि ""वर्तमान मूल्य पर धारित है और उसका भेट या अन्य किसी प्रकार से सम्पत्ति से
शासकौय कर्मचारी से तथा अर्जन की तारीख और जिससे
स्मासकौय कर्मचारी से तथा अर्जन की तारीख और जिससे | सम्पत्ति का नाम तथा क्योरे
बतत्ताक्ष्ये कि नह किसंके नाम """खरीय, पट्टा, बंधक, विरासत,
गृह तथा अन्य भवन भूमि "वर्षमान मूल्य पर भारित है और उसका भेट या अन्य किसी प्रकार से सम्मति से
शासकीय कर्मचारी से नाम अर्थन की ताराख और जिससे वार्षिक आय
स्मा संबंध है अधित की गई हो उसका नाम | सम्पत्ति का नाम तथा क्योरे
बतलाइये कि नह किसंके नाम """खरीद, पट्टा, बंधक, विरासत,
गृह तथा अन्य भवन भूमि ""मर्तमान मूल्य पर भारित है और उसका भेट या अन्य किसी प्रकार से सम्मति से
शासकीय कर्मचारी से तथा अर्जन की तारिख और जिससे वार्षिक आय्
पना संबंध है अर्जित की गई हो उसका नाम | सम्पत्ति का नाम तथा क्योरे
बतत्ताइये कि वह किसके नाम """क्योद, प्रट्य, बंधक, विरासत,
गृह तथा अन्य भवन भूमि ""कर्तमान मूल्य पर धारित है और उसका में न्या अन्य किसी प्रकार से सम्माप्ति से
शासकीय कर्मचारी से निया अन्य किस किया हो। उसका नाम
स्या संबंध है अधित की गई हो। उसका नाम | सम्पत्ति का नाम तथा च्योरे विकास प्राप्त के नाम पर न हो तो उसे किस प्रकार आजेत किया गया करताह्म के क्षिक मान करताहम के क्षिक मान करने प्रतासत के क्षिक मान करने प्रतासत के क्षिक आप सम्पत्ति से नाम करने को गाँउ के उसका नाम स्था संबंध है अधित को गाँउ हो उसका नाम
 | सम्पत्ति का नाम तथा च्योरे
बतत्ताक्ष्य कि सह किसके नाम """खरीय, पट्टा, वंपक, विरासत
गृह तथा अन्य भवन भूमि ""वर्तमान मूल्य पर धारित है और उसका भेट या अन्य किसी प्रकार से सम्पत्ति से
शासकीय कर्मचारी से तथा अर्जन की तारीख और जिससे व्याधिक आय | सम्पत्ति का नाम तथा क्योरे
बतत्ताइये कि नह किसके नाम """खरीय, प्रट्य, बंधक, विरासत,
गृह तथा अन्य भवन भूमि ""वर्तमान मूल्य पर भारित है और उसका भेट या अन्य किसी प्रकार से सम्मति से
शासकीय कर्मचारी से तथा अर्जन की तारिख और जिससे वार्षिक आय
स्मा संबंध है अधित की तारिख और जिससे | सम्पत्ति का नाम तथा क्योरे. बतताइये कि वह किसके नाम """करीत, पट्टा, बंधक, विरासत, गृह तथा अन्य भवन भूमि ""मर्तमान मृत्य पर भारित है और उसका में द या अन्य किसी प्रकार से सम्मति से आया शासकीय कर्मचारी से तथा अजैन की तारीख और जिससे वार्षिक आय | सम्पष्टिका जान तथा क्योरे
बतलाइये कि वह किसके नाम """खरीद, प्रद्य, बंधक, विरासत,
गृह तथा अन्य भवन भूमि ""वर्तमान मूल्य पर भारित है. और उसका भेट या अन्य किसी प्रकार से सम्मति से
शासकीय कर्मचारी से तथा अर्जन की तारीख और जिससे वार्षिक आय
स्मा संबंध है अधित की गई हो उसका नाम | सम्पत्ति का नाम तथा च्योरे विकास प्राप्त के नाम पर न हो तो उसे किस प्रकार आजेत किया गया करिया कि महिलाहिक नाम "*"वर्तमान मूल्य पर धारित है और उसका मेंट या अन्य किसी प्रकार से सम्मत्ति से आप आराजीय कर्मचारी से तथा अर्जन की वारीख और जिससे जार्थिक आय स्था संबंध है अधित की गई हो उसका माम
 | सम्पत्ति का नाम तथा क्योरे
बतत्ताक्ष्ये कि नह किसके नाम """खरीय, पट्टा, बंधक, विरासत,
गृह तथा अन्य भवन भूमि ""वर्तमान मूल्य पर भारित है और उसका भेट या अन्य किसी प्रकार से सम्मासि से
शासकीय कर्मचारी से तथा अर्जन की तारीख और जिससे वार्षिक आय | सम्पत्ति का नाम तथा क्योरे
बतताइये कि वह किसके नाम
गृह तथा अन्य भवन भूमि "क्वितान मूल्य पर भारित है और उसका भेट या अन्य किसी प्रकार से सम्मति से
शासकीय कर्मचारी से तथा अर्जन की तारेख और जिससे व्यासिक आय | | |
 | | | | |
 | | | | |
 | | | | |
 |
| सम्मार्ग का जान तथा ज्योरि के जोन प्रांत हो जो वा देश किन्य प्रकार अभित की का | सम्पति का जान तथा कर्मीर प्रिक्त कर्मा क्ष्मीर व्यक्ति क्ष्मा क्ष्मिर क्ष्मा क्ष्मिर क्ष्मा क्षमिर क्षम् क्षिम् प्रकार जीवित क्षिम् क्षम् व्यक्ति क्षम् क्षम् व्यक्ति क्षम् क्षम् व्यक्ति क्षम् कष्म कर्मा क्षम् क्षम् कर्मा क्षम् क्षम् क्षम् कर्मा क्षम् क्षम् कर्मा कर्मा कर्मा कर्मा कर्मा कर्मा कर्मा क्षम् कर्मा | सम्पति का जान तथा कर्मी
गृह तथा अन्य भवन भूमि "वर्तनान मूल्य के जान गरा न हो जो दाने किसा ग्रनार भोता क्षित क्षिता ग्रना
गृह तथा अन्य भवन भूमि "वर्तनान मूल्य स्वाताय क्षित क्षत क्षित क्ष्य क्षित क्ष्य क्षित | सम्पति का जान थया व्यक्ति क्या हिस्से क्या स्थाप कि का हिस्से क्या स्थाप कि का स्थाप कि का हिस्से क्या स्थाप कि का हिस्से क्या स्थाप कि का हिस्से क्या स्थाप कि का स्थाप कि का स्थाप कि का स्थाप के स्थाप कि का स्थाप के स्याप के स्थाप क | सम्पतिक का जान जेपण क्यों () गृह तथा अन्य भवन भूमि के विकास कि विकास कि का स्थाप के का मान भाग के विकास प्रकास अपित कि विकास कि वि विकास कि वि विकास कि वि | सम्पति का जान जेपण क्योंति व्यक्ति के प्राप्त के क्यांत प्राप्त के क्यांत क्ष्मिक जान व्यक्ति क्षम्य ज्ञान क्ष्मिक ज्ञान क्षम् विकास क्षम्य कष्मम्य विष्य कष्मम्य विष्य कष्मम्य विष्य कष्मम्य विष्य कष्मम्य विष्य | सम्मीत का जान तथा क्योंदि स्वतं के जान भर न हो जी दरी किन्त प्रकार अलित किन्य प्रकार अलित किन्य प्रकार न पूर्णि के बहु किसके नाम ""व्याद प्रकार किन्य किन् | सम्मारी का जान तथा ज्योर के जान प्रत न हैं जान प्रत न हैं जान प्रत न हैं जोन हैं जोन जान जन हैं जोने हैं जोन जान जन हैं जोने हैं जोने जान जन हैं जोने जान | सम्मार्ग का जान तथा ज्योर के जान प्राप्त के जान प्राप्त के को का | सम्पति का जान तथा क्रीरि
बत्ताको कि वह क्रिक्ति जान ""वर्तान मूल्य पर जारी है और उसका मेर या ज्याद क्रीरी प्रकार में अपन क्राय क्रिक्टि जान क्रिक् | सम्पति का जान तथा क्रिक्त क्रिक्त क्रिक्त क्रिक्त जान क्रिक्ट जान क्रिक्त जान क्रिक्ट जान | सम्पति का जान तथा क्रिक्त कर्मा क्रिक्त कर्मा क्रिक्त कर्मा कर्म कर्मा कर्म कर्मा कर्मा कर्मा कर्म कर्म कर्म कर्म कर्म कर्म कर्म कर्म | सम्पष्टिका जान तथा क्योरे
बतलाइये कि यह किसके नाम "**बतीमा मुल्य पर धारित हैं और उसका में देया अन्य किसी प्रकार से सम्मात्ति से आया
शासकीय कर्मवारी से तथा अर्जन की तारीख और जिससे आया
स्मार्गकोय कर्मवारी से तथा अर्जन की तारीख और जिससे वार्षिक आया
स्मार्गकोय है अर्जन की तारीख और जिससे वार्षिक आया
स्मार्गकोय है अर्जन की नाई हो उसका नाम
(2) (3) (4) (5) (7)
 | सम्पष्टिका जात तथा च्योर व व व व व व व व व व व व व व व व व व व | सम्पण्डिका जाम तथा क्योरे
बतत्ताहर्स कि वह किसंके नाम """खरीय, प्रट्य, बंपक, विरासत
गृह तथा अन्य भवन भूमि " वर्तमान मूल्य पर भारित है और उसका भेट या अन्य किसी प्रकार से सम्मण्टि से
शासकीय कर्मजारी से तथा अर्जन की तार्राख और जिससे वार्षिक आय्
स्पा संबंध है अंगि की गई हो उसका नाम
स्पा संबंध है अंगि की गई हो उसका नाम
(2) (3) (4) (5) (7) | सम्पत्तिका जान तथा व्योरि
बतलाइये कि सह किसके नाम "* "व्योद्ध मुद्ध , वंपक, विरासत
गृह तथा अन्य भवन भूमि ""वर्तमान मूल्य पर भारित है और उसका भेट या अन्य किसी प्रकार से सम्मासि से अभ
शासकीय कर्मचारी से तथा अन्य किसी प्रकार से सम्मासि से अभ
सासकीय कर्मचारी से तथा अन्य की गाई हो उसका नाम
स्या संबंध है अजित की गाई हो उसका नाम
(2) (4) (5) (7) | सम्पत्तिका नाम तथा च्योरे विकास प्रकार आजेत किया गया विकास प्रकार आजेत किया गया विकास प्रकार में प्रदेश में प्रकार में प्रदेश में प | सम्पत्ति का नाम तथा क्योरे
बतत्ताहर्भ कि वह किसंके नाम """वर्गद्ध, बंधक, विरासत,
मृह तथा अन्य भवन भूमि ""वर्गमान मृत्य पर शास्तित है और उसका भेट या अन्य किसी प्रकार से सम्मति से
शासकीय कर्मनार्भ से तथा अर्जन की तार्राख और जिससे वार्षिक आय्
स्या संबंध है अधित की गई हो उसका नाम
स्या संबंध है अधित की गई हो उसका नाम
(2) (3) (4) (5) (7) | सम्पत्तिका जान तथा व्योरि
बतलाइये कि यह किसके नाम "*"व्योद, पट्टा, बंधक, विरासत
गृह तथा अन्य भवन भूमि ""वर्तमान मूल्य पर भारित है और उसका भेट या अन्य किसी प्रकार से सम्मासि से अभ
शासकीय कर्मचारी से तथा अर्जन की तारीख और जिससे
स्मासकीय कर्मचारी से तथा अर्जन की तारीख और जिससे
स्मासकीय कर्मचारी से तथा को गई हो उसका नाम
समासकीय कर्मचारी से तथा व्योदा
 | सम्पण्डिका नाम तथा च्योरे
बतत्ताक्ष्ये कि सह किसके नाम """वर्शन प्रपक्ष, विरासत,
गृह तथा अन्य भवन भूमि ""वर्तमान मूल्य पर भारित है और उसका भेट या अन्य किसी प्रकार से सम्मानि से
शासकीय कर्मचारी से तथा अर्जन की वाराख और जिससे वार्षिक आय
स्पा संबंध है अपि अर्जन की वाराख और जिससे
स्पा संबंध है अर्जन की वाराख और जिससे
सम्मानि से अर्जन की वाराख और जिससे कार्यिक आय
(2) (3) (4) (5) (7) | सम्पत्तिका नाम तथा क्योरे
गृह तथा अन्य भवन भूमि "वर्तमान मूल्य पर भारित है और उसका भेट या अन्य किसी प्रकार से सम्मति से
शासकीय कर्मचारी से तथा अर्जन की तार्राख और जिससे वार्षिक आय्
स्पा संबंध है अपि का का मूल्य का नाम
स्पा संबंध है अपि का ग्रह हो वसका नाम
(2) (3) (4) (5) (7) | सम्पत्ति का नाम तथा क्योरे. बतत्ताहर्भ कि नह कि नेके नाम पर न हो तो विक्त प्रकार आजेर किया गया. बतत्ताहर्भ कि नह किसके नाम "" बतिनान मूल्य पर धारित है और उसका मेंट या अन्य किसी प्रकार से सम्मित्ति अभ शासकीय कर्मनारी से निया अन्य किसी प्रकार से सम्मित्ति अभ शासकीय कर्मनारी से निया अन्य किसी प्रकार से सम्मित्ति अभ शासकीय कर्मनारी से निया अन्य किसी प्रकार से सम्मित्ति स्था सांक्र अभिक्र आये सामिक आये सामिक आये ते। (३) (५) (१) | सम्मिक जान तथा ब्योरि
कतलाइये कि यह किसके नाम """वर्तास्त्र कि यह किसके नाम """वर्तास्त्र सम्मिस्
गृह तथा अन्य भवन भूमि ""वर्तमान मूल्य पर भारित है और उसका मेंट या अन्य किसी प्रकार से सम्मिस् अभ
शासकीय कर्मवारी से तथा अर्जन की तारीख और जिससे वार्षिक आय
स्मा संबंध है अजित की गई हो उसका नाम
स्मा संबंध है अजित की गई हो उसका नाम
(2) (4) (5) (7) | सम्पत्तिका नाम तथा ब्योरि
कतलाइये कि यह किसके नाम "*"व्यतिम् मूल्य पर धारित है और उसका भेट या अन्य किसी प्रकार से सम्पत्ति से अभ
गृह तथा अन्य भवन भूमि ""वर्तमान मूल्य पर धारित है और उसका भेट या अन्य किसी प्रकार से सम्मत्ति से अभ
सासकीय कर्मचारी से नाम कार्यिक आय्
स्मासकीय कर्मचारी से नाम हो। उसका नाम कार्यक्र आय्
स्मासकीय कर्मचारी से नाम हो। उसका नाम तथा संबंध है अभित की गई हो। उसका नाम तथा स्वंध है (5) (7)
 | सम्पत्तिका नाम तथा च्योरे
बतत्ताक्ष्ये कि सह किसके नाम """व्यीद, पट्टा, बंधक, विरासत
गृह तथा अन्य भवन भूमि ""वर्तमान मूल्य पर भारित है और उसका भेट या अन्य किसी प्रकार से सम्पत्ति से आय
शासकीय कर्मचारी से तथा अर्जन की वाराख और जिससे व्यार्थिक आय
स्पा संबंध है अपित की गई हो बसका नाम
(2) (3) (4) (5) | सम्पण्डिका नाम तथा क्योरे
बतत्ताक्ष्यं कि नह किसंके नाम """खरीद, पट्टा, बंधक, विरासत,
गृह तथा अन्य भवन भूमि ""वर्तमान मूल्य पर शासिकोय कर्मनारी से तथा अन्य किसी प्रकार से सम्मति से
शासकीय कर्मनारी से तथा अन्य की तारीख और जिससे व्यासिक आय्
स्मा संबंध है अधित की गई हो उसका नाम | सम्पत्तिका नाम तथा व्योरे
बतलाइये कि यह किसके नाम """वर्तमान मूल्य पर धारित है और उसका मेंट या अन्य किसी प्रकार से सम्मत्ति से अ
गाह तथा अन्य भवन भूमि ""वर्तमान मूल्य पर धारित है और उसका मेंट या अन्य किसी प्रकार से सम्मत्ति से आय
शासकीय कर्मचारी से तथा अर्जन की गाई हो उसका नाम प्या संबंध है अंजित की गई हो उसका नाम | सम्पत्तिका नाम तथा च्योरे व्याद स्वयं के नाम पर न हो तो उसे किसक, विरासत
बतलाइये किसके नाम """वर्तमान मूल्य पर धारित है और उसका भेट या अन्य किसी प्रकार से सम्मत्ति से आ
शासकीय कर्मचारी से तथा अर्जन की तारीख और जिससे व्यार्थिक आय
स्यार्थिक है अजिंत की गई हो उसका नाम | सम्पष्टिका नाम तथा च्योर व्यदे स्वयं के नाम पर न हो तो उसे किस प्रकार आजेत किया गया करात्वाहर्य कि यह किसके नाम """वरीद, पट्टा, वंपक, विरासत, प्राम्ति से सम्पत्ति से सम्पत्ति से अप आरंत है और उसका भेट या अन्य किसी प्रकार से सम्पत्ति से आया सासकीय कर्मचारी से नाम अर्जन की तारीख और जिससे व्यक्तिक आया स्था संबंध है अंजित की गई हो उसका नाम तथा संबंध है अंजित की गई हो उसका नाम तथा संबंध है
 | सम्पण्डिका नाम तथा च्योर व्हार्थ कि नाम पर न हो तो उसे किस प्रकार आजेत किया गया कराताहर्य कि नाम पर न हो तो ""वर्ताम """वर्ताम मृत्य पर भारित है और उसका भेट या जन्म किसी प्रकार से सम्मासि से अग्रिय अग्रिय और जिस से नाम निम्न जाया स्वंध है अग्रिय की गई हो उसका नाम तथा स्वंध है अग्रिय की गई हो उसका नाम तथा स्वंध है | सम्पण्डिका नाम तथा क्योर विद्या है स्वयं के नाम पर न हो तो उसे किस प्रकार आजेत किया गया करायाहर्य कि यह किसके नाम """खरीय, प्रट्य, बंधक, विरासत
गृह तथा अन्य भवन भूमि ""वर्तमान मूल्य पर थारित है और उसका भेट या अन्य किसी प्रकार से सम्मति से आया शासकीय कर्मचारी से तथा अर्जन की तारिख और जिससे वार्षिक आया स्वां है अर्जन की तारिख और जिससे वार्षिक आया | सम्पत्ति का नाम तथा क्योरे
बतत्ताइये कि नह किसके नाम """वर्ग, प्रद्य, बंधक, विरासत,
गृह तथा अन्य भवन भूमि ""पर्तमान मृत्य पर भारित है और उसका भेट या अन्य किसी प्रकार से सम्पत्ति से
शासकीय कर्मनारी से तथा अर्जन की तार्ग और जिससे वार्षिक आय
प्या संबंध है अर्जित की गई हो उसका नाम | सम्मिक्त नाम तथा च्योरे विश्व स्वयं के नाम पर न हो तो उसे किस प्रकार आजेत किया गया बतलाह्ये कि यह किसके नाम """वर्तमान मूल्य पर धारित है और उसका मेंट या अन्य किसी प्रकार से सम्मित्ति अभ आस्कीय कर्मचारी से तथा अर्जन की तारीख और जिससे वार्षिक आय प्रमा संबंध है अजिंत की गई हो उसका नाम | सम्पत्तिका नाम तथा च्योरे व्यदे स्वयं के नाम पर न हो तो उसे किस प्रकार आजेत किया गया करताहित स्वयं कि सह किसके नाम """व्यदीद, पट्टा, वंपक, विरासत सम्पत्ति सम्पत्ति मृत्य पर धारित है और उसका भेट या अन्य किसी प्रकार से सम्पत्ति से आया शासकीय कर्मचारी से तथा अर्जन की तारीख और जिससे व्यव्सिक आय
 | सम्पण्डिका नाम तथा क्योरे व्हार्थ कि नाम पर न हो तो उसे किस प्रकार आजेत किया गया कराताहरी कि नह किसके नाम """व्हार्य, पट्टा, बंधक, विरासत, मूम ""वर्तमान मूल्य पर थारित है और उसका भेट या जन्म किसी प्रकार से सम्माति से आप अर्जन की वार्राख और जिससे वार्षिक आप सामिक आप | सम्पत्ति का नाम तथा क्योरे व्यद्ध स्वयं के नाम पर न हो तो उसे किस प्रकार आजेत किया गया विद्यासता, बतत्ताहरों कि यह किसके नाम """व्यद्धा, प्रद्धा, बंधक, विदासता, प्रामि में अप्रकार भवन भूमि ""मर्तमान मृत्य पर भारित है और उसका भेट या अपन किसी प्रकार से सम्पत्ति से आया शासकीय कर्मनारी से तथा अजैन की तारीख और जिससे वासिक आय प्रणा संबंध है अधित की गई हो उसका नाम | सम्पष्टिका नाम तथा क्योरे व्यव के नाम पर न हो तो उसे किस प्रकार आजेर किया गया विद्या है किस के नाम """ खरीद, पट्टा, बंधक, विदासत, प्रामि से ज्ञा का | सम्पत्ति का नाम तथा क्योरे विश्व में नाम पर न हो तो उसे किस प्रकार आजेत किया गया करताहित प्रदेश, वंपक, विरासत, जिल्लाहर्य कि यह किसके नाम क्या पर प्राप्ति हैं और उसका मेंट या अन्य किसी प्रकार से सम्मत्ति से आया शासकीय कर्मचारी से तथा अर्जन की वारीख और जिल्लाहरें वार्षिक आया प्रमा संबंध है अर्जित की गई हो उसका नाम | सम्पष्टिका नाम तथा च्योरे विकास प्रकार आजेत किया गया विकास प्रकार आजेत किया गया विकास प्रकार आजेत किया गया विकास प्रकार मिला के किसके नाम "" खरीद, पट्टा, वंपक, विरासत मुस्य पर भारत है और उसका भेट या जन्म किसी प्रकार से सम्पत्ति से आया शासकीय कर्मचारी से तथा अर्जन की वाराख और जिससे वार्षिक आय | सम्पत्ति का नाम तथा क्योरे
बतलाइये कि वह किसके नाम
गृह तथा अन्य भवन भूमि "म्वर्तमान मूल्य पर भारित है और उसका भेट या अन्य किसी प्रकार से सम्पत्ति से
शासकीय कर्मचारी से तथा अर्जन की तारेख और जिससे बार्धिक आय
 | | | | |
 | | | |
 | | | | |
 | | | | |
| सम्मार्ग के का जान कथा क्यों हैं. जान भर न हो जी उसे किस अकार अभित क्यों हैं. जान स्वार न हैं जो क्या किस हैं. क्या हैं. जान हैं किस अकार में जान स्वार न हैं जो क्या करने की साम करने किया करने की सा | सम्पति का जान जाय जाति । पति का जान जाय जाति का व्यक्तिक जान प्राप्त के जान प्राप्त के जान प्राप्त के जान प्राप्त के जान जाय के जान जाय जाय के जाय | सम्पति का जान जाय जाति । पति के को जान भर न हो जो दाने कि का प्राप्त के जान भर न हो जो दाने कि का ग्राप्त के जान भर न को जो का का को का का माने के जाय का | सम्पतिक का जान जाया कार्यी. गृह तथा अन्य भवन भूषि का व्यक्तिमान मूल्य के जाम भर न हो जो उसे किस्सा गणा का प्राप्ति का प्राप्तिक का को वहां व्यक्तिमान मूल्य कराताया ने जाया अन्य का किसी प्रकार के जामिक आप अप | सम्पतिक का जान जाय कर्योत व्यक्तिक क्ष्मित मुख्य के जान गर न हो जो उसे किस प्रकार अपित क्षिता गया व्यक्ति क्ष्मित मुख्य कराताय कि क्षा हिस्सक नाम ""व्यक्ति, प्रदुत, बंदक, विस्ता त्रा मुनि प्रकार अपित के ना का जाय कि का प्रकार ने का जाय करी प्रकार ने का मिलित को प्रकार ने का जाय करी प्रकार ने का मिलित को ना का ना मिलित को ना का जाय कि का जाय के जाय | सम्पतिक का जान जाया कर्मीर वर्ग जान को जो उसे किस प्रकार, अपित क्षिता ग्रम् वर्ग को जान किस प्रकार, अपित क्षिता ग्रम् वर्ग कर्म वर्ग के प्रमान कर्म कर्म कर्म कर्म कर्म कर्म कर्म कर्म | सम्पति का जान तथा क्यों । प्रति के जान भर न हो जी दर्श किस्क जान । प्रति विकास भवत भूमि के विकास मुख्य । प्रणादा है और उसका । प्रणादा है और उसका । प्रणादा है और उसका न । प्रणादा है और उसका न । प्रणादा है और उसका न । प्रणादा है और जिस्सी का न । अधित को हो जो वसका न न । वस्त क्यों के जा किस्क । वस्त क्या न । वस्त क्या क्या न । वस्त क्या क्या । वस्त क्या क | सम्मार्ग के का जान कथा क्यों हैं. जान भर न हो जी हरी किन्छ भ्रकार अपित किन्छ हैं. जान भर न हो जी हरी किन्छ भ्रकार में अपित हैं. जान स्वार्थ किन्छ हैं. जान स्वर्ध किन्छ किन्छ हैं. जान स्वर्ध किन्छ किन्छ हैं. जान स्वर्ध किन्छ | सम्पति का जान तथा क्यों हैं जान पर न हो जी हो ति कर प्रकार अभितेत किया एक जाता आहेत किया पर जाता हो जी हो क्या है जाता है जिया कर जाता हो जी हो जा करने की पर जाता है जी हो जाता करने की पर जाता है जाता है जाता करने की पर जाता है ज | सम्पति का जान तथा कर्मि क्या जात करवाहरी कि वह क्षिक जान ""कर्मीद प्रद्या बंधक विशासत विशासत ""कर्मीद प्रद्या बंधक विशासत महत्व पर धारीत है और उसका मेट पर पर धारीत के में करवा कर्मिक की धार्यक जोग विशास करवाह की धार्यक जोग विशास करवा की धार्यक जोग विशास करवाह की धार करवाह की धार्यक जोग विशास करवाह की धार्यक जोग विशास करवाह की धार करवाह करवाह की धार करवाह करवाह के धार करवाह की धार करवाह के धार करवाह की धार करवाह करवाह की धार करवाह करवाह के धार करवाह कर करवाह कर करवाह कर वाल करवा | सम्पति का जान तथा क्रिक्ट क्रिक क्रिक्ट क्रिक्ट क्रिक्ट क्रिक्ट क्रिक्ट क्रिक्ट क्रिक्ट क्रिक क्रिक्ट क्रिक
क्रिक्ट क्रिक्ट क्रिक्ट क्रिक्ट क्रिक्ट क्रिक क्रिक क्रिक्ट क्रिक क | सम्पति का जान तथा क्रीर
वत्तावाभी कि वह क्षिमके जान
वृह तथा अन्य भवत भूमि
पर भारति है, और उसका
पर भारति है, और उसका
पर भारति के क्षिमके जान
पर भारति के क्षिमके जान
पर भारती के क्षिमके जान
पर भारती के क्षिमके जान
व्या अन्य भवता के क्षिमके जान
(2) (3) (4) (5) (5) (7) | सम्पत्तिका नाम तथा क्योरे. बत्तवाहर्य कि जह किसके नाम ""विदास प्रकार अजित कि जान पर हो तो विद्या अकर विदासते. गृह तथा अन्य भवन भूमि ""वर्तमान मूल्य पर धारित है और उसका में ने नाम अज्ञेन की तारीख और जिससे वार्षिक आय् समासिक आय्य समासिक आय् समासिक आय्य समासिक आयासिक आयास | सम्पत्तिका जान तथा व्योरि
बतत्ताइथे कि सह किसके नाम "* "वर्शन, वर्षणास्त्र कि सह किसके नाम "* "वर्शन, वर्षणास्त्र कि सह किसके नाम "* "वर्षणास्त्र के अपर अपर प्राप्त के पर या अपन किसी प्रकार से सम्पत्ति से अपर या अपन किसी प्रकार से सम्पत्ति से अपर या अपन की गाई हो उसका नाम वर्षांस्क आय स्था संबंध है अपित की गाई हो उसका नाम तथा संबंध है (6) (7) | सम्पत्तिका नाम तथा च्योरे विकास प्रकार आर्थित कि सह किसके नाम """व्यक्ति, प्रट्य, वंपक, विरासत करिया मूल्य पर भारित है और उसका भेट या जन्म किस प्रकार से सम्मासि से आर्थित की वार्षिक आर्थ सामिक आप्र साधकीय कर्मचारी से निया जन्म किसी प्रकार से सम्मासि से आर्थित की वार्षिक और विवास का माम स्था है अपित की वार्षिक आप्र तथा क्यों का माम कर्मचारी से अभित की वार्षिक आप्र तथा क्यों का माम कर्मचारी है अपित की वार्षिक आप्र तथा क्यों का माम तथा स्था है अपित की वार्षिक आप्र तथा क्यों का स्था क्यों का स्था किस का माम तथा कर्मचारी है अपित की वार्षिक आप्र तथा क्यों का स्था किस का माम कर्मचारी है अपित का स्था का स्था का स्था कर्मचारी है अपित का स्था का स | सम्पत्तिका जान तथा व्योरि
कतलाइये कि महे किसके जान भर नहें बो डिस प्रकार अन्तिर किया गया
जिस्साहित के बीर जान कर किसी प्रकार से सम्माहित के अप
सासकीय कर्मचारी से जाग अर्जन की तारीख और जिससे
सासकीय कर्मचारी से जाग अर्जन की तारीख और जिससे
स्या संबंध है अंजित की गई हो उसका नान
स्या संबंध है (6) (7) | सम्पत्तिका नाम तथा व्योरि
बतलाइये कि सह किसके नाम """वर्ताद, पट्टा, वंपक, विरासत
पर भारित है और उसका भेट या जन्म किसी प्रकार से सम्पत्ति से आ
शासकीय कर्मचारी से तथा अर्जन की वाराख और जिससे वार्षिक आय
स्पा संवंध है अपि अर्जन की वाराख और जिससे
सम्पत्तिक है उसीर काम नाम
स्पा संवंध है अपि अर्जन की वाराख और जिससे
सम्पत्तिक है उसीर काम नाम
सम्पत्तिक है है उसीर काम नाम
सम्पत्तिक है उसीर काम नाम
सम्पत्तिक है उसीर काम नाम
सम्पत्तिक है उसीर काम नाम
सम्पत्तिक है उसीर काम नाम काम नाम
सम्पत्तिक है उसीर काम नाम काम नाम काम नाम नाम नाम नाम नाम नाम नाम नाम नाम न | सम्पत्तिका नाम तथा च्योरे विकास प्रकार भारतिका नाम पर चहे तो उसे किसके नाम """व्योद, प्रद्य, वंपक, विरासत प्रमिय क्यांत्रिक क्यांत् | सम्पत्तिका नाम तथा व्यक्ति । व्यक्ति क्रिक्ति के नाम पर हो तो व्यक्ति क्षिका नाम व्यक्ति क्षिक्ति क्ष | सम्पत्तिका नाम तथा व्योरि
बतलाइये कि सह किसके नाम """वरीद, पट्टा, बंधक, विरासत
गृह तथा अन्य भवन भूमि ""वर्तमान मूल्य पर भारित है और उसका भेट या अन्य किसी प्रकार से सम्पत्ति से आय
शासकीय कर्मचारी से
नाम अर्जन की वारीख और जिससे वार्षिक आय
स्पा संबंध है अपि को गई हो बसका नाम
(2) (3) (4) (5) (7) | सम्पत्तिका नाम तथा व्योरि
बतत्ताहर्ष कि सह किसके नाम """वर्धाद, प्रट्य, वंपक, विरासत
गृह तथा अन्य भवन भूमि "वर्षमान मूल्य पर भारित है और उसका भेट या अन्य किसी प्रकार से सम्मात्ति से
शासकीय कर्मचारी से निया अन्य किसी प्रकार से सम्मात्ति से
शासकीय कर्मचारी से निया अन्य किसी प्रकार से सम्मात्ति से
समा संवंध है जीर ज्ञा वर्षा नाम तथा स्वंध है अधि का नाम तथा नाम तथा हो वसका नाम | सम्पत्तिका नाम तथा च्योरे वि स्वपंकि नाम पर न हो तो उसे किस प्रकार आजेत किया गया वि स्वपंकि नाम पर कारताहर्भ कि यह किसके नाम """व्यर्ग्य, प्रद्य, वंपक, विरासत, प्राप्ति है और उसका मेंट या अपन किसी प्रकार से सम्मति से आरक्षिक आय शासकीय कर्मचारी से निया अपन की तारीख और जिससे वाविक आय समाय किस प्राप्ति कर्मचारी से अपन की तारीख और जिससे वाविक आय समाय क्या मान क्या स्वंध है अपन व्याप्ति का गई हो उसका नाम हिन्स प्राप्ति कर्मचारी से अपन व्याप्ति कर्मचारी से अपन व्याप्ति का गई हो उसका नाम हिन्स प्राप्ति कर्मचारी से अपन व्याप्ति कर्मचारी हो अपन व्यवस्था नाम कर्मचारी हो अपन व्याप्ति कर्मचारी हम्मचारी हम्मचारी हम्मचारी हम्मचारी हम्मचारी हम्मचारी हम्मचारी हम कर्मचारी हम्मचारी हम्य हम्मचारी हम्मच | सम्पत्तिका नाम तथा क्योरे । उ.) (4) (5) (5) (7) | सम्पत्तिका नाम तथा ब्योरि
कतलाइये कि यह किसके नाम """वर्तान मूल्य पर भारित है और उसका मेंट या अन्य किसी प्रकार से सम्मृत्ति से आय
गृह तथा अन्य भवन भूमि ""वर्तमान मूल्य पर भारित है और उसका मेंट या अन्य किसी प्रकार से सम्मृति से अम्
शासकीय अर्मचारी से नाम अर्जन की तारीख और जिससे वार्षिक आय
स्मा संबंध है अंजित की गई हो उसका नाम तथा संबंध है (5) (7) | सम्पत्तिका नाम तथा व्योरि
कतत्वाइये कि मह किसके नाम """व्योद्ध, पट्टा, वंपक, विरासत
गृह तथा अन्य भवन भूमि ""वर्तमान मूल्य पर भारित है और उसका भेट या अन्य किसी प्रकार से सम्पत्ति से आय
शासकीय कर्मचारी से नाम अर्जन की ताराख और जिससे व्याविक आय
स्पान्सवंध है अधित की गई हो उसका नाम
(2) (3) (4) (5) | सम्पत्तिका नाम तथा च्योरे
बतत्ताक्ष्यं कि नह किसके नाम """व्याद, पट्टा, बंधक, विरासत
गृह तथा अन्य भवन भूमि ""वर्तमान मूल्य पर शासकीय कर्मचारी से तथा अर्जन की तारीख और जिससे वार्षिक आप्
स्मा संबंध है अधित की गई हो उसका नाम
 | सम्पत्तिका नाम तथा क्योरे विश्व के नाम पर हो तो उसे किस प्रकार आजेत किया गया करताहर्य कि यह किसके नाम ""वितान मूल्य पर धारित है और उसका मेंट या अन्य किसी प्रकार से सम्मति से आया शासकीय कर्मचारी से तथा अर्जन की तारीख और जिससे वार्षिक आया समास का संबंध है अधित की गई हो उसका नाम स्था संबंध है | सम्पत्तिका नाम तथा व्योरि
बतलाइये कि यह किसके नाम """वर्गात्त्र कि यह किसके नाम """वरीष, पट्टा, बंधक, विरासत,
गृह तथा अन्य भवन भूमि ""वर्गान मूल्य पर भारित है और उसका में न्यान्य किसी प्रकार से सम्मासि से अभ
शासकीय कर्मचारी से नाम व्यान्य क्षेत्र की गई हो उसका नाम स्यान्य क्षेत्र की गई हो उसका नाम तथा संबंध है अजित की गई हो उसका नाम | सम्पत्तिका नाम तथा व्योरि
बतत्ताइथे कि यह किसके नाम """वरीद, पट्टा, वंधक, विरासत
गृह तथा अन्य भवन भूमि ""वर्तमान मूल्य पर भारित है और उसका भेट या अन्य किसी प्रकार से सम्पत्ति से आ
शासकीय कर्मचारी से तथा अर्जन की तारीख और जिससे व्याधिक आय
स्मा संबंध है अजिंत की गई हो उसका नाम | सम्पत्तिका नाम तथा व्योर विष्यं के नाम पर न हो तो उसे किस प्रकार आजेत किया गया करात्वाहर्य कि सह किसके नाम """वर्तात, प्रद्य, वंपक, विरासत, प्राप्त मृत्य पर भारत है और उसका भेट या जन्म किसी प्रकार से सम्मात्ति से आया शासकीय कर्मचारी से तथा अर्जन की वाराख और जिससे वार्षिक आया स्वाय है अधित की वार्षिक और वसका नाम तथा संवय है अधित की गई हो उसका नाम तथा स्वय है | सम्पत्तिका नाम तथा व्योरे
बतत्ताक्ष्ये कि यह किसके नाम """वर्गित, पट्टा, वंपक, विरासत,
गृह तथा अन्य भवन भूमि ""वर्गमान मूल्य पर भारित है और उसका भेट या अन्य किसी प्रकार से सम्मात्ति से
शासकीय कर्मचारी से तथा अर्जन की तार्गख और जिससे वार्षिक आय्
पना संबंध है अधित की गई हो उसका नाम
 | सम्पत्तिका नाम तथा क्योरे व्यद्ध स्वयं के नाम पर न हो तो उसे किस प्रकार आजेत किया गया कारताहरी कि यह किसके नाम """व्यर्ग, बंधक, विरासत, प्रामि में अप्रकार भवन भूमि ""वर्तमान मूल्य पर शासकीय कर्मनारी से तथा अजन की तारीख और जिससे वासिक आय प्राप्तकीय कर्मनारी से अजिंत की गई हो उसका नाम स्याप्तिक था प्रमान्तिक थे अजिंत की गई हो उसका नाम स्याप्तिक श्री स्वाप्तिक | सम्पत्तिका नाम तथा क्योरे व्यद्धित्वयं के नाम पर हो तो उसे किस प्रकार अजित किया गया बतलाइये कि यह किसके नाम ""वितासत, प्राप्ति हैं और उसका मेंट या अन्य किसी प्रकार से सम्पत्ति से आय साधिक आय साधिक आय स्था संबंध है अजित की गई हो उसका नाम स्था संबंध है | सम्पत्तिका नाम तथा व्योरि
बतत्ताइथे कि यह किसके नाम """वतीन मूल्य पर भारित है और उसका भेट या अन्य किसी प्रकार से सम्पत्ति से आ
शासकीय कर्मचारी से नाम अवन की तारीख और जिससे वार्षिक आय | सम्पत्तिका नाम तथा व्योरे स्वयं के नाम पर न हो तो उसे किस प्रकार आजेत किया गया व्याप्त स्वयं के स्वयं के नाम पर व्याप्त हैं और उसका भेट या जन्म किसी प्रकार से सम्मति से आरात हैं और उसका भेट या जन्म किसी प्रकार से सम्मति से आराज हैं और उसका जन्म की वार्ष जारे जाये के नां के वे वसका नाम | सम्पत्तिका नाम तथा क्योरे व्यद्ध स्वयं के नाम पर न हो तो उसे किस प्रकार आजेत किया गया कारताहर कारताहरी कि यह किसके नाम """व्यद्ध प्रद्ध, बंधक, विरासत, प्रामि में अप्रकार भवन भूमि ""वर्तमान मूल्य पर शासकीय कर्मचारी से तथा अजन की तारीख और जिससे वासिक आय समासकीय कर्मचारी से अभीजित की गई हो उसका नाम | सम्पत्तिका नाम तथा क्योरे. बतताइये कि वह किसके नाम """
खरीद, पट्टा, बंधक, विरासत, गृह तथा अन्य भवन भूमि "" वर्तमान मूल्य पर भारित है. और उसका मेंट या अन्य किसी प्रकार से सम्मिसि से आप सासकीय कर्मचारी से तथा अर्जन की तारीख और जिससे वार्षिक आय समासकीय कर्मचारी से अर्जन की तारीख और जिससे वार्षिक आय | सम्पत्तिका नाम तथा क्योरे विश्व के नाम पर हो तो उसे किस प्रकार आजेत किया गया करताहित क्या क्या करताहित के नाम कर्म पदा, बंधक, विरासत, महत्त्व पर धारित है और उसका मेंट या अन्य किसी प्रकार से सम्मत्ति से आया शासकीय कर्मचारी से तथा अर्जन की वारीख और जिससे आया स्था संबंध है अधित की गई हो उसका माम | सम्पत्तिका नाम तथा क्योरे व्यद्भिताम पर्यं के नाम पर न हो तो उसे किस प्रकार आजेत किया गया करात्वाहर्य कि सह किसके नाम """वरीत, पट्टा, बंधक, विरासत, मृष्म ""वर्तमान मृत्य पर धारित है और उसका भेट या अन्य किसी प्रकार से सम्पत्ति से आया आसकीय कर्मचारी से तथा अर्जन की वारीख और जिससे व्यासिक आय | सम्पत्तिका नाम तथा क्योरे व्यद्ध स्वयं के नाम पर न हो तो उसे किस प्रकार आजेत किया गया कारताहर कारताहर कारताहर के स्वर्ग के नाम के नाम के किस के नाम | | |
 | | | | |
 | | | |
 | | | | |
 | |
| सम्पति का जान तथा क्यों स्वार्य के जान पर न हो जो उसे किस प्रकार का क्यों के क्या क्या क्या क्या क्या क्या क्या का क्या क्य | सम्पति का जान जया कर्मित के का जान जया कर्मित के का जान प्रप्त ज के जान जया जान जिल्ला ज्ञान जान जिल्ला ज्ञान जान जिल्ला ज्ञान जान जिल्ला ज्ञान जान जिल्ला जान जान जान जान जान जान जान जान जान जा | सम्पति का जान जाय जाति । पति स्वतं के जान पर न हो तो हत्ते किया ग्राम न हो तो हिन्स प्रकार अपित किया ग्राम न हो तो हिन्स प्रकार अपित किया ग्राम न विश्वास प्रकार न विश्वास प्रकार न विश्वास प्रमास किया प्रकार न विश्वास प्रकार न विश्वास प्रमास किया प्रकार न विश्वास प्रमास किया प्रकार न विश्वास किया प्रमास किया प्रमास किया प्रकार न विश्वास किया प्रमास किया किया प्रमास किया किया प्रमास किया किया किया किया किया किया किया किया | सम्पति का जान जाय जाति । पति के का जान जाय जाति का व्यक्तिक जाय । पति का का कि का | सम्पति का जान थया कर्मित क्यां जान था कर्मित के जान प्रप न हो जो उस्ते किया गया क्यां त्रिक्त ग्राम क्यां त्रिक्त ग्राम क्यां | सम्पति का जान ज्या भी स्वर्ग के जान पर न हो जो हत्ती करने विकास प्रकार अपित किया गण जनतारी कि वह हिस्सके नाम ""जारी, प्रदुर, मंदक विभास विकास प्रमान विकास प्रमान विकास वितास विकास वितास विकास वितास विकास | सम्पति का जान तथा क्योंति किया प्रकार को जो जान प्रत को जो का अन्यति किया ग्रम का जान तथा क्यों किया जान जान जिल्हा किया जान जान जिल्हा किया जान जान जिल्हा किया जान जान जिल्हा का जान जान जिल्हा जान जान जिल्हा जान जान जिल्हा जान जान जान जान जान जान जान जान जान जा
 | सम्पति कहा जान तथा क्योरि
करतातारी कि वह किसके नाम
गृह तथा अन्य भ्यत भूषि ** वैद्यान मुन्य स्थापि कि वह किसके नाम
मंद्र पा जान कि वह किसके नाम
मंद्र पा जान कि वह किसके नाम
भूषि के जीर जान कि वह किसके नाम
भूषि के जीर कि वह किसके नाम
भूषि के जीर किस प्रकार से
माम्बीय कर्म जीर कि वह किसके नाम
भूषि के जीर कि वह काय
भूषि के जीर किसके नाम
भूषि के जीर किसके नाम
भूषि के जीर किसके नाम
अन्य स्थापि के जीर किसके नाम
अन् | सम्पति कहा जान तथा क्योरि
जिल्लापुर कि जुद्द क्रिसके नाम
गृह तथा अन्य भ्यत भूमि
महास्तित है, और उसका
सम्पति है, और अप्रविधि की स्विक्त जाम
अधिक की स्वेश उसका नाम
(5) (6) (7) | सम्पति का जान तथा क्रीर
करताहरी कि वह क्रिक्सिक नाम
करताहरी के वह क्रिक्सिक नाम
करताहरी के वह क्रिक्सिक नाम
स्थारति है और उसका
प्यास्तिय है और उसका के विकास काम
प्यास्तिय है की क्रिक्स ने की क्रिक्स नाम
कर्मास्तिय है कि क्राय
कर्मास्तिय है कि क्राय
करिक्स है क | सम्पति का जान तथा क्यों दे क्यों के जान प्रप न हो जो उस्ते किया ज्ञाय कराया है जिस्से ज्ञान कर्नात प्रदेश क्रिया क्या कर्मात क्या क्यों क्रिया क्या कर्मात क्या क्या क्या क्या क्या क्या क्या क्या | सम्पति का जान तथा क्री कि का क्रिक्श निवास प्रकार अधित क्रिया गण्य विशास क्रिक्श मान विशास क्रिया प्रदा, बंधक, विरासत क्रिया प्रदा, बंधक, विरासत क्रिया क्रया क्रिया क्रिय क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिय क्रिया क्रय क्रिया क | सम्पत्तिका नाम तथा क्योरि
बतत्ताक्ष्यं कि यह किसके नाम """खरीद, पद्दा, बंधक, विरासत
गृह तथा अन्य भवन भूमि ""वर्तमान मूल्य पर धारित हैं और उसका में ने नाथन्य किसी प्रकार से
शासकीय कर्नावारी से तथा अर्जन की तारीख और जिससे वार्षिक आय्
स्मा संबंध है अर्जन की तारीख और जिससे वार्षिक आय्
स्मा संबंध है अर्जन की तारीख और जिससे वार्षिक आय्
स्मा संबंध है अर्जन की तारीख और जिससे वार्षिक आय्
स्मा संबंध है अर्जन की तारीख और जिससे वार्षिक आय् | सम्पत्तिका नाम तथा क्योरि
बतत्ताहर्ष कि मह किसके नाम "*"व्यर्गित मुल्य पर भारित है और उसका में देया अन्य किसी प्रकार से सम्मात्ति में अभ
गृह तथा अन्य भवन भूमि ""वर्तमान मूल्य पर भारित है और उसका में देया अन्य किसी प्रकार से सम्मात्ति में अभ
शासकीय कर्मचारी से तथा अन्य किसी प्रकार से सम्मात्ति में अभ
स्मार्सकंघ है अजिंत की गई हो उसका नाम
(2) (3) (4) (5) (7)
 | सम्पत्तिका जाम तथा क्योरि
बतत्ताक्ष्ये कि सह किसके नाम """व्यीद, पट्टा, बंपक, विरासत,
पर भारित है और उसका भेट या जन्म किस सम्मासि से
सासकीय कर्मचारी से जामा अर्जन की ताराख और जिससे
समासिक्ष है अधित की गई हो वसका नाम
स्पा संबंध है अधित की गई हो वसका नाम
(2) (3) (4) (5) (7) | सम्पतिका नाम तथा क्योरि
बतलाइये कि यह किसके नाम """वर्तासत,
गृह तथा अन्य भवन भूमि ""वर्तमान मूल्य पर भारित है और उसका मेंट या अन्य दिस्ती प्रकार से सम्मित्ति अस
शासकीय कर्मचारी से तथा अर्जन की तारीख और जिससे
स्मासकीय कर्मचारी से तथा अर्जन की तारीख और जिससे
समासकीय कर्मचारी से तथा अर्जन की तारीख और जिससे
समासकीय क्रमचारी से तथा अर्जन की तारीख और जिससे
समासकीय क्रमचारी से तथा को गह हो उसका नाम
तथा व्योरत | सम्पत्तिका नाम तथा क्योरि
बतत्ताइथे कि मह किसके नाम """वरीद, पट्टा, बंधक, विरासत
गृह तथा अन्य भवन भूमि ""वर्तमान मूल्य पर धारित है और उसका भेट या अन्य किसी प्रकार से सम्पत्ति से आय
सासकीय कर्मचारी से जाया अर्जन की वारीख और जिससे व्याधिक आय
स्पा संबंध है अपित की वाई हो बसका नाम
स्पा संबंध है (६) (१) (७) | सम्भाव का नाम तथा क्योरि
कारणाइये कि खंड किसके नाम
गृह तथा अन्य भवन
भूमि **कर्तमान मूल्य पर भारित है और उसका मेंट या अन्य किसके, विरासत
शासकीय कर्मचारी से तथा अर्जन की तारीख और जिससे वसांसक आय्
स्मारमिय क्रमचारी से तथा अर्जन की तारीख और जिससे वसांसक आय्
स्मारमिय क्रमचारी से तथा अर्जन की तारीख और जिससे वसांसक आय्
स्मारमिय क्रमचारी से तथा अर्जन की तारीख और जिससे वसांसक आय् | सम्पतिका नाम तथा क्योरि
कारताइये कि यह किसके नाम "" व्याप्त है जीर उसका मेंद्र या ज्यन्य दिसी प्रकार से सम्मित्ति अस्
गृह तथा अन्य भवन भूमि "" वर्तमान मृत्य पर भारित है जीर उसका मेंद्र या ज्यन्य दिसी प्रकार से सम्मित्ति से अम्
शासकीय कर्मचारी से तथा ज्यन्य दिसी प्रकार से सम्मित्ति से अम्
स्या संबंध है अंजित की गई हो उसका नाम
स्या संबंध है अंजित की गई हो उसका नाम
(2) (4) (5) (7)
 | सम्पत्तिका नाम तथा क्योरि
बतलाइये कि मह किसके नाम """वरीद, पट्टा, बंधक, विरासत
गृह तथा अन्य भवन भूमि ""वर्तमान मूल्य पर धारित है और उसका भेट या अन्य किसी प्रकार से सम्पत्ति से आय
सासकीय कर्मचारी से तथा अर्जन की वारीख और जिससे व्याधिक आय
स्पा संबंध है अधित की गई हो बसका नाम
(2) (3) (4) (5) (7) | सम्भाव का नाम तथा क्योरे. बतत्वाहर्य कि सह किसके नाम """वर्दा, बंपक, विरासत, कारताहर्य कि सह किसके नाम """वरीद, प्रट्य, बंपक, विरासत, सम्मान से सम्मानि से सम्मानि से सम्मानि से सम्मानि से आधा अन्य भवन भूमि वर्षाक भीद या अन्य किसी प्रकार से सम्मानि से सम्मानि से सम्मानि से सम्मानि से सम्मानि से सम्मानि से नाम अर्जन की तार्राख और जिससे वार्षिक आध्र माम संबंध है अर्जन की तार्राख और जिससे नाम तथा संबंध है अर्जन की तार्राख और जिससे नाम तथा संबंध है अर्जन की तार्राख और जिससे नाम तथा संबंध है (5) (6) (7) | सम्भाव का नाम तथा क्योरि
कारणाइये कि जंह किसके नाम ""क्योद् पट्टा, बंधक, विरासत
गृह तथा अन्य भवन भूमि ""क्यंमान मूल्य पर भारित है और उसका मेंट या अन्य किसी प्रकार से
शासकीय कर्मचारी से तथा अर्जन की तारीख और जिससे वार्षिक आय्
स्मा संबंध है अप्रिंग की गई हो उसका नाम
स्मा संबंध है (5) (6) (7) | सम्भाव का नाम तथा क्योरि
कारणाइचे कि जह किसके नाम ""व्वतिमान मूल्य पर धारित है और उसका मेंट या अन्य किसी प्रकार से सम्मात्ति से अभ
गृह तथा अन्य भवन भूमि ""वर्तमान मूल्य पर धारित है और उसका मेंट या अन्य किसी प्रकार से सम्मात्ति से आय
शासकीय कर्मचारी से नाम अवित की गाई हो उसका मान वर्मा संबंध है अधित की गाई हो उसका मान तथा संबंध है (5) (6) (7) | सम्पतिका नाम तथा क्योरि
कतलाइये कि यह किसके नाम ""विरासत
गृह तथा अन्य भवन भूमि ""वर्तमान मूल्य पर भारित है और उसका मेंट या अन्य किसी प्रकार से सम्मित्ति अभ
शासकीय कर्मचारी से तथा अर्जन की तारीख और जिससे
समासकीय कर्मचारी से तथा अर्जन की तारीख और जिससे
समासकीय कर्मचारी से तथा अर्जन की तारीख और जिससे
समासकीय क्रमंचारी से तथा अर्जन की तारीख और जिससे
समासकीय क्रमंचारी से तथा क्रांतिक नी गाई हो उसका नाम
तथा व्यार | सम्पत्तिका नाम तथा क्योरि
बतत्ताइथे कि मह किसके नाम """वर्तात्ति महत्त्व पर भारित है और उसका भेट या अन्य किसी प्रकार से सम्पत्ति में आ
गृह तथा अन्य भवन भूमि ""वर्तमान मृत्य पर भारित है और उसका भेट या अन्य किसी प्रकार से सम्पत्ति में आ
शासकीय कर्मचारी से नामा अर्जन की गई हो उसका नाम
स्या संबंध है अर्जित की गई हो उसका नाम
(2) (4) (5)
 | सम्पत्तिका नाम तथा क्योरे
बतत्ताक्ष्यं कि सह किसके नाम """व्योद, पट्टा, बंधक, विरासत
गृह तथा अन्य भवन भूमि "वर्तमान मूल्य पर भारित है और उसका भेट या अन्य किसी प्रकार से सम्मति से
शासकीय कर्मचारी से तथा अर्जन की तारीख और जिससे व्यांसिक आय्
स्या संबंध है अधित की गई हो उसका नाम | सम्भाव का नाम तथा क्योरि
बतलाइये कि यह किसके नाम """वतीमान मूल्य पर धारित है. और उसका मेंट या अन्य किसी प्रकार से सम्मात्ति से अभ
गृह तथा अन्य भवन भूमि "" वर्तमान मूल्य पर धारित है. और उसका मेंट या अन्य किसी प्रकार से सम्मात्ति से आय
शासकीय कर्मचारी से तथा अर्जन की तारीख और जिससे वार्थिक आय
प्या संबंध है अजित की गई हो उसका नाम | सम्पत्तिका नाम तथा क्योरि
बतलाइये कि यह किसके नाम ***खरीय, पट्टा, बंधक, पिरासत,
गृह तथा अन्य भवन भूमि ***वर्तमान मूल्य पर भारित है. और उसका में स्थाप अन्य किसी प्रकार से सम्मासि से अन्य
शासकीय अनंयारी से तथा अर्जन की तारीख और जिससे
स्मासकीय अनंवारी से तथा अर्जन की तारीख और जिससे | सम्पत्तिका नाम तथा क्योरि
बतलाइये कि यह किसके नाम """वतीन मूल्य पर भारित है और उसका भेट या अन्य किसी प्रकार से सम्मासि से अप
शासकीय कर्मचारी से तथा अर्जन की तारीख और जिससे व्यांसिक आय
स्मासकीय कर्मचारी से तथा अर्जन की तारीख और जिससे व्यांसिक आय
स्मा संबंध है अधित की गई हो उसका नाम | सम्भाव का नाम तथा क्योरे विकास प्रकार आजेत किया गया बतत्वाहर्य कि यह किसके नाम """वर्तात, पट्टा, बंधक, विरासत, प्राप्त में पर थारित है और उसका भेट या अन्य किसी प्रकार से सम्मान से सम्मान सारकीय कर्मचारी से तथा अर्जन की वाराख और जिससे वार्षिक आय स्मान समान समान समान समान समान समान समान स
 | सम्पत्तिका नाम तथा क्योरे विकास प्रकार आजेत किया गया करिया के मिल्स प्रकार आजेत किया गया करिया करिया के प्रकार मिल्स के मिल्स किया किया किया करिया कर | सम्पत्तिका नाम तथा क्योरे विकास प्रकार आजेत किया गया विकास प्रकार आजेत किया गया विकास प्रकार आजेत किया गया विकास प्रकार मुसि "क्येतमान मूल्य पर शासकीय कर्मनारी से तथा अजन की तारीख और जिससे वासिक आय प्राप्तकीय कर्मनारी से अजिंत की गई हो उसका नाम प्राप्त के प्राप्तकीय क्रेमनारी से अजिंत की गई हो उसका नाम तथा संबंध है अजिंत की गई हो उसका नाम तथा संबंध है | सम्भाविका नाम तथा क्योरे. बतलाइये कि यह किसके नाम ""व्वतिमान मूल्य पर धारित है और उसका मेंट या अन्य किसी प्रकार से सम्मात्ति से आप अन्य भवन भूमि ""वर्तमान मूल्य पर धारित है और उसका मेंट या अन्य किसी प्रकार से सम्मात्ति से आप शासकीय कर्मचारी से तथा अर्जन की तारीख और जिससे वार्षिक आप स्थार संबंध है अजित की गई हो उसका नाम | सम्पत्तिका नाम तथा क्योरे विकास प्रकार आजेति किया गया बतत्वाहर्ष कि यह किसके नाम """वर्तात, पर्या, वंपक, विरासत, प्राप्त के वर्णक, वर्णसत, पर्याप्त है और उसका भेट या अन्य किसी प्रकार से सम्मासि से अभ शासकीय कर्मचारी से तथा अर्जन की तारीख और जिससे व्याधिक आय | सम्भाव का नाम तथा क्योरे विकास प्रकार आजेत किया गया विकास प्रकार आजेत किया गया विकास प्रकार आजेत किया गया विकास प्रकार मिला के विकास प्रकार मिला के विकास प्रकार मिला के विकास प्रकार मिला किया के विकास प्रकार मिला के विकास के वि | सम्पत्तिका नाम तथा च्योरे विकास प्रकार आजेत किया गया विकास प्रकार आजेत किया गया विकास प्रकार आजेत किया गया विकास प्रकार मुसि "क्वेतमान मूल्य पर शासकीय कर्मचारी से तथा अजन की तारीख और जिससे वासिक आय समाधिक | सम्पत्तिका नाम तथा क्योरे विकास प्रकार आजेत किया गया विकास प्रकार आजेत किया गया विकास प्रकार अप्रकार क्या कर्मा क्या क्या कर्मा क्या क्या क्या क्या क्या क्या क्या क्य
 | सम्पत्तिका नाम तथा क्योरे स्वयं के नाम भर रहे तो उसे किस प्रकार आजेत किया गया करताहित स्वयं के नाम कर खरीद, पट्टा, बंधक, विरासत, महस्य पर धारित हैं और उसका मेंट या अन्य किसी प्रकार से सम्मत्ति से आया शासकीय कर्मचारी से तथा अर्जन की वारीख और जिससे आया स्यासकीय कर्मचारी से तथा अर्जन की वारीख और जिससे जासिक आय | सम्पत्तिका नाम तथा क्योरे विकास प्रकार आजेत किया गया विकास प्रकार आजेत किया गया विकास प्रकार आजेत किया गया विकास प्रकार महिल्ला क्ये किसके नाम क्ये विद्यास क्ये किया क्ये क्ये क्ये क्ये क्ये क्ये क्ये क्ये | सम्पत्तिका नाम तथा क्योरे व्यद्धित्वयं के नाम पर न हो तो उसे किस प्रकार आजेत किया गया व्यत्पत्ति के वह किसके नाम """व्यत् प्रद्य, बंधक, विरासत, मृत्म पर थारित है और उसका भेट या अन्य किसी प्रकार से सम्मति से आपित है और उसका भेट या अन्य किसी प्रकार से सम्मति से आपित कर्मचारी से तथा अजैन की तारीख और जिससे व्यविक आय | | |
 | | | | |
 | | | |
| | | | |
 | |
| सम्पति का जान तथा क्यों स्वार्य के जान पर न हो जो उसे किस प्रकार का क्यों के क्या क्या क्या क्या क्या क्या क्या का क्या क्य | सम्पति का जान जया कर्मित के का जान जया कर्मित के का जान प्रप्त ज के जान जया जान जिल्ला ज्ञान जान जिल्ला ज्ञान जान जिल्ला ज्ञान जान जिल्ला ज्ञान जान जिल्ला जान जान जान जान जान जान जान जान जान जा | सम्पति का जान जाय जाति । पति स्वतं के जान पर न हो तो हत्ते किया ग्राम न हो तो हिन्स प्रकार अपित किया ग्राम न हो तो हिन्स प्रकार अपित किया ग्राम न विश्वास प्रकार न विश्वास प्रकार न विश्वास प्रमास किया प्रकार न विश्वास प्रकार न विश्वास प्रमास किया प्रकार न विश्वास प्रमास किया प्रकार न विश्वास किया प्रमास किया प्रमास किया प्रकार न विश्वास किया प्रमास किया किया प्रमास किया किया प्रमास किया किया किया किया किया किया किया किया | सम्पति का जान जाय जाति । पति के का जान जाय जाति का व्यक्तिक जाय । पति का का कि का | सम्पति का जान थया कर्मित क्यां जान था कर्मित के जान प्रप न हो जो उस्ते किया गया क्यां त्रिक्त ग्राम क्यां त्रिक्त ग्राम क्यां | सम्पति का जान ज्या भी स्वर्ग के जान पर न हो जो हत्ती करने विकास प्रकार अपित किया गण जनतारी कि वह हिस्सके नाम ""जारी, प्रदुर, मंदक विभास विकास प्रमान विकास प्रमान विकास वितास विकास वितास विकास वितास विकास | सम्पति का जान तथा क्योंति किया प्रकार को जो जान प्रत को जो का अन्यति किया ग्रम का जान तथा क्यों किया जान जान जिल्हा किया जान जान जिल्हा किया जान जान जिल्हा किया जान जान जिल्हा का जान जान जिल्हा जान जान जिल्हा जान जान जिल्हा जान जान जान जान जान जान जान जान जान जा
 | सम्पति कहा जान तथा क्योरि
करतातारी कि वह किसके नाम
गृह तथा अन्य भ्यत भूषि ** वैद्यान मुन्य स्थापि कि वह किसके नाम
मंद्र पा जान कि वह किसके नाम
मंद्र पा जान कि वह किसके नाम
भूषि के जीर जान कि वह किसके नाम
भूषि के जीर कि वह किसके नाम
भूषि के जीर किस प्रकार से
माम्बीय कर्म जीर कि वह किसके नाम
भूषि के जीर कि वह काय
भूषि के जीर किसके नाम
भूषि के जीर किसके नाम
भूषि के जीर किसके नाम
अन्य स्थापि के जीर किसके नाम
अन् | सम्पति कहा जान तथा क्योरि
जिल्लापुर कि जुद्द क्रिसके नाम
गृह तथा अन्य भ्यत भूमि
महास्तित है, और उसका
सम्पति है, और अप्रविधि की स्विक्त जाम
अधिक की स्वेश उसका नाम
(5) (6) (7) | सम्पति का जान तथा क्रीर
करताहरी कि वह क्रिक्सिक नाम
करताहरी के वह क्रिक्सिक नाम
करताहरी के वह क्रिक्सिक नाम
स्थारति है और उसका
प्यास्तिय है और उसका के विकास काम
प्यास्तिय है की क्रिक्स ने की क्रिक्स नाम
कर्मास्तिय है कि क्राय
कर्मास्तिय है कि क्राय
करिक्स है क | सम्पति का जान तथा क्यों दे क्यों के जान प्रप न हो जो उस्ते किया ज्ञाय कराया है जिस्से ज्ञान कर्नात प्रदेश क्रिया क्या कर्मात क्या क्यों क्रिया क्या कर्मात क्या क्या क्या क्या क्या क्या क्या क्या | सम्पति का जान तथा क्री कि का क्रिक्श निवास प्रकार अधित क्रिया गण्य विशास क्रिक्श मान विशास क्रिया प्रदा, बंधक, विरासत क्रिया प्रदा, बंधक, विरासत क्रिया क्रया क्रिया क्रिय क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिय क्रिया क्रय क्रिया क | सम्पत्तिका नाम तथा क्योरि
बतत्ताक्ष्यं कि यह किसके नाम """खरीद, पद्दा, बंधक, विरासत
गृह तथा अन्य भवन भूमि ""वर्तमान मूल्य पर धारित हैं और उसका में ने नाथन्य किसी प्रकार से
शासकीय कर्नावारी से तथा अर्जन की तारीख और जिससे वार्षिक आय्
स्मा संबंध है अर्जन की तारीख और जिससे वार्षिक आय्
स्मा संबंध है अर्जन की तारीख और जिससे वार्षिक आय्
स्मा संबंध है अर्जन की तारीख और जिससे वार्षिक आय्
स्मा संबंध है अर्जन की तारीख और जिससे वार्षिक आय् | सम्पत्तिका नाम तथा क्योरि
बतत्ताहर्ष कि मह किसके नाम "*"व्यर्गित मुल्य पर भारित है और उसका में देया अन्य किसी प्रकार से सम्मात्ति में अभ
गृह तथा अन्य भवन भूमि ""वर्तमान मूल्य पर भारित है और उसका में देया अन्य किसी प्रकार से सम्मात्ति में अभ
शासकीय कर्मचारी से तथा अन्य किसी प्रकार से सम्मात्ति में अभ
स्मार्सकंघ है अजिंत की गई हो उसका नाम
(2) (3) (4) (5) (7)
 | सम्पत्तिका जाम तथा क्योरि
बतत्ताक्ष्ये कि सह किसके नाम """व्यीद, पट्टा, बंपक, विरासत,
पर भारित है और उसका भेट या जन्म किस सम्मासि से
सासकीय कर्मचारी से जामा अर्जन की ताराख और जिससे
समासिक्ष है अधित की गई हो वसका नाम
स्पा संबंध है अधित की गई हो वसका नाम
(2) (3) (4) (5) (7) | सम्पतिका नाम तथा क्योरि
बतलाइये कि यह किसके नाम """वर्तासत,
गृह तथा अन्य भवन भूमि ""वर्तमान मूल्य पर भारित है और उसका मेंट या अन्य दिस्ती प्रकार से सम्मित्ति अस
शासकीय कर्मचारी से तथा अर्जन की तारीख और जिससे
स्मासकीय कर्मचारी से तथा अर्जन की तारीख और जिससे
समासकीय कर्मचारी से तथा अर्जन की तारीख और जिससे
समासकीय क्रमचारी से तथा अर्जन की तारीख और जिससे
समासकीय क्रमचारी से तथा को गह हो उसका नाम
तथा व्योरत | सम्पत्तिका नाम तथा क्योरि
बतत्ताइथे कि मह किसके नाम """वरीद, पट्टा, बंधक, विरासत
गृह तथा अन्य भवन भूमि ""वर्तमान मूल्य पर धारित है और उसका भेट या अन्य किसी प्रकार से सम्पत्ति से आय
सासकीय कर्मचारी से जाया अर्जन की वारीख और जिससे व्याधिक आय
स्पा संबंध है अपित की वाई हो बसका नाम
स्पा संबंध है (६) (१) (७) | सम्भाव का नाम तथा क्योरि
कारणाइये कि खंड किसके नाम
गृह तथा अन्य भवन
भूमि **कर्तमान मूल्य पर भारित है और उसका मेंट या अन्य किसके, विरासत
शासकीय कर्मचारी से तथा अर्जन की तारीख और जिससे वसांसक आय्
स्मारमिय क्रमचारी से तथा अर्जन की तारीख और जिससे वसांसक आय्
स्मारमिय क्रमचारी से तथा अर्जन की तारीख और जिससे वसांसक आय्
स्मारमिय क्रमचारी से तथा अर्जन की तारीख और जिससे वसांसक आय् | सम्पतिका नाम तथा क्योरि
कारताइये कि यह किसके नाम "" व्याप्त है जीर उसका मेंद्र या ज्यन्य दिसी प्रकार से सम्मित्ति अस्
गृह तथा अन्य भवन भूमि "" वर्तमान मृत्य पर भारित है जीर उसका मेंद्र या ज्यन्य दिसी प्रकार से सम्मित्ति से अम्
शासकीय कर्मचारी से तथा ज्यन्य दिसी प्रकार से सम्मित्ति से अम्
स्या संबंध है अंजित की गई हो उसका नाम
स्या संबंध है अंजित की गई हो उसका नाम
(2) (4) (5) (7)
 | सम्पत्तिका नाम तथा क्योरि
बतलाइये कि मह किसके नाम """वरीद, पट्टा, बंधक, विरासत
गृह तथा अन्य भवन भूमि ""वर्तमान मूल्य पर धारित है और उसका भेट या अन्य किसी प्रकार से सम्पत्ति से आय
सासकीय कर्मचारी से तथा अर्जन की वारीख और जिससे व्याधिक आय
स्पा संबंध है अधित की गई हो बसका नाम
(2) (3) (4) (5) (7) | सम्भाव का नाम तथा क्योरे. बतत्वाहर्य कि सह किसके नाम """वर्दा, बंपक, विरासत, कारताहर्य कि सह किसके नाम """वरीद, प्रट्य, बंपक, विरासत, सम्मान से सम्मानि से सम्मानि से सम्मानि से सम्मानि से आधा अन्य भवन भूमि वर्षाक भीद या अन्य किसी प्रकार से सम्मानि से सम्मानि से सम्मानि से सम्मानि से सम्मानि से सम्मानि से नाम अर्जन की तार्राख और जिससे वार्षिक आध्र माम संबंध है अर्जन की तार्राख और जिससे नाम तथा संबंध है अर्जन की तार्राख और जिससे नाम तथा संबंध है अर्जन की तार्राख और जिससे नाम तथा संबंध है (5) (6) (7) | सम्भाव का नाम तथा क्योरि
कारणाइये कि जंह किसके नाम ""क्योद् पट्टा, बंधक, विरासत
गृह तथा अन्य भवन भूमि ""क्यंमान मूल्य पर भारित है और उसका मेंट या अन्य किसी प्रकार से
शासकीय कर्मचारी से तथा अर्जन की तारीख और जिससे वार्षिक आय्
स्मा संबंध है अप्रिंग की गई हो उसका नाम
स्मा संबंध है (5) (6) (7) | सम्भाव का नाम तथा क्योरि
कारणाइचे कि जह किसके नाम ""व्वतिमान मूल्य पर धारित है और उसका मेंट या अन्य किसी प्रकार से सम्मात्ति से अभ
गृह तथा अन्य भवन भूमि ""वर्तमान मूल्य पर धारित है और उसका मेंट या अन्य किसी प्रकार से सम्मात्ति से आय
शासकीय कर्मचारी से नाम अवित की गाई हो उसका मान वर्मा संबंध है अधित की गाई हो उसका मान तथा संबंध है (5) (6) (7) | सम्पतिका नाम तथा क्योरि
कतलाइये कि यह किसके नाम ""विरासत
गृह तथा अन्य भवन भूमि ""वर्तमान मूल्य पर भारित है और उसका मेंट या अन्य किसी प्रकार से सम्मित्ति अभ
शासकीय कर्मचारी से तथा अर्जन की तारीख और जिससे
समासकीय कर्मचारी से तथा अर्जन की तारीख और जिससे
समासकीय कर्मचारी से तथा अर्जन की तारीख और जिससे
समासकीय क्रमंचारी से तथा अर्जन की तारीख और जिससे
समासकीय क्रमंचारी से तथा क्रांतिक नी गाई हो उसका नाम
तथा व्यार | सम्पत्तिका नाम तथा क्योरि
बतत्ताइथे कि मह किसके नाम """वर्तात्ति महत्त्व पर भारित है और उसका भेट या अन्य किसी प्रकार से सम्पत्ति में आ
गृह तथा अन्य भवन भूमि ""वर्तमान मृत्य पर भारित है और उसका भेट या अन्य किसी प्रकार से सम्पत्ति में आ
शासकीय कर्मचारी से नामा अर्जन की गई हो उसका नाम
स्या संबंध है अर्जित की गई हो उसका नाम
(2) (4) (5)
 | सम्पत्तिका नाम तथा क्योरे
बतत्ताक्ष्यं कि सह किसके नाम """व्योद, पट्टा, बंधक, विरासत
गृह तथा अन्य भवन भूमि "वर्तमान मूल्य पर भारित है और उसका भेट या अन्य किसी प्रकार से सम्मति से
शासकीय कर्मचारी से तथा अर्जन की तारीख और जिससे व्यांसिक आय्
स्या संबंध है अधित की गई हो उसका नाम | सम्भाव का नाम तथा क्योरि
बतलाइये कि यह किसके नाम """वतीमान मूल्य पर धारित है. और उसका मेंट या अन्य किसी प्रकार से सम्मात्ति से अभ
गृह तथा अन्य भवन भूमि "" वर्तमान मूल्य पर धारित है. और उसका मेंट या अन्य किसी प्रकार से सम्मात्ति से आय
शासकीय कर्मचारी से तथा अर्जन की तारीख और जिससे वार्थिक आय
प्या संबंध है अजित की गई हो उसका नाम | सम्पत्तिका नाम तथा क्योरि
बतलाइये कि यह किसके नाम ***खरीय, पट्टा, बंधक, पिरासत,
गृह तथा अन्य भवन भूमि ***वर्तमान मूल्य पर भारित है. और उसका में स्थाप अन्य किसी प्रकार से सम्मासि से अन्य
शासकीय अनंयारी से तथा अर्जन की तारीख और जिससे
स्मासकीय अनंवारी से तथा अर्जन की तारीख और जिससे | सम्पत्तिका नाम तथा क्योरि
बतलाइये कि यह किसके नाम """वतीन मूल्य पर भारित है और उसका भेट या अन्य किसी प्रकार से सम्मासि से अप
शासकीय कर्मचारी से तथा अर्जन की तारीख और जिससे व्यांसिक आय
स्मासकीय कर्मचारी से तथा अर्जन की तारीख और जिससे व्यांसिक आय
स्मा संबंध है अधित की गई हो उसका नाम | सम्भाव का नाम तथा क्योरे विकास प्रकार आजेत किया गया बतत्वाहर्य कि यह किसके नाम """वर्तात, पट्टा, बंधक, विरासत, प्राप्त में पर थारित है और उसका भेट या अन्य किसी प्रकार से सम्मान से सम्मान सारकीय कर्मचारी से तथा अर्जन की वाराख और जिससे वार्षिक आय स्मान समान समान समान समान समान समान समान स
 | सम्पत्तिका नाम तथा क्योरे विकास प्रकार आजेत किया गया करिया के मिल्स प्रकार आजेत किया गया करिया करिया के प्रकार मिल्स के मिल्स किया किया किया करिया कर | सम्पत्तिका नाम तथा क्योरे विकास प्रकार आजेत किया गया विकास प्रकार आजेत किया गया विकास प्रकार आजेत किया गया विकास प्रकार मुसि "क्येतमान मूल्य पर शासकीय कर्मनारी से तथा अजन की तारीख और जिससे वासिक आय प्राप्तकीय कर्मनारी से अजिंत की गई हो उसका नाम प्राप्त के प्राप्तकीय क्रेमनारी से अजिंत की गई हो उसका नाम तथा संबंध है अजिंत की गई हो उसका नाम तथा संबंध है | सम्भाविका नाम तथा क्योरे. बतलाइये कि यह किसके नाम ""व्वतिमान मूल्य पर धारित है और उसका मेंट या अन्य किसी प्रकार से सम्मात्ति से आप अन्य भवन भूमि ""वर्तमान मूल्य पर धारित है और उसका मेंट या अन्य किसी प्रकार से सम्मात्ति से आप शासकीय कर्मचारी से तथा अर्जन की तारीख और जिससे वार्षिक आप स्थार संबंध है अजित की गई हो उसका नाम | सम्पत्तिका नाम तथा क्योरे विकास प्रकार आजेति किया गया बतत्वाहर्ष कि यह किसके नाम """वर्तात, पर्या, वंपक, विरासत, प्राप्त के वर्णक, वर्णसत, पर्याप्त है और उसका भेट या अन्य किसी प्रकार से सम्मासि से अभ शासकीय कर्मचारी से तथा अर्जन की तारीख और जिससे व्याधिक आय | सम्भाव का नाम तथा क्योरे विकास प्रकार आजेत किया गया विकास प्रकार आजेत किया गया विकास प्रकार आजेत किया गया विकास प्रकार मिला के विकास प्रकार मिला के विकास प्रकार मिला के विकास प्रकार मिला किया के विकास प्रकार मिला के विकास के वि | सम्पत्तिका नाम तथा च्योरे विकास प्रकार आजेत किया गया विकास प्रकार आजेत किया गया विकास प्रकार आजेत किया गया विकास प्रकार मुसि "क्वेतमान मूल्य पर शासकीय कर्मचारी से तथा अजन की तारीख और जिससे वासिक आय समाधिक | सम्पत्तिका नाम तथा क्योरे विकास प्रकार आजेत किया गया विकास प्रकार आजेत किया गया विकास प्रकार अप्रकार क्या कर्मा क्या क्या कर्मा क्या क्या क्या क्या क्या क्या क्या क्य
 | सम्पत्तिका नाम तथा क्योरे स्वयं के नाम भर रहे तो उसे किस प्रकार आजेत किया गया करताहित स्वयं के नाम कर खरीद, पट्टा, बंधक, विरासत, महस्य पर धारित हैं और उसका मेंट या अन्य किसी प्रकार से सम्मत्ति से आया शासकीय कर्मचारी से तथा अर्जन की वारीख और जिससे आया स्यासकीय कर्मचारी से तथा अर्जन की वारीख और जिससे जासिक आय | सम्पत्तिका नाम तथा क्योरे विकास प्रकार आजेत किया गया विकास प्रकार आजेत किया गया विकास प्रकार आजेत किया गया विकास प्रकार महिल्ला क्ये किसके नाम क्ये विद्यास क्ये किया क्ये क्ये क्ये क्ये क्ये क्ये क्ये क्ये | सम्पत्तिका नाम तथा क्योरे व्यद्धित्वयं के नाम पर न हो तो उसे किस प्रकार आजेत किया गया व्यत्पत्ति के वह किसके नाम """व्यत् प्रद्य, बंधक, विरासत, मृत्म पर थारित है और उसका भेट या अन्य किसी प्रकार से सम्मति से आपित है और उसका भेट या अन्य किसी प्रकार से सम्मति से आपित कर्मचारी से तथा अजैन की तारीख और जिससे व्यविक आय | | |
 | | | | |
 | | | |
| | | | |
 | |
| सम्पति का जास तथा क्योर
जतातारी कि का किसके जान
गृह तथा अन्य भवत भूमि
स्थारित है और उसको
सम्पति के और उसको
सम्पति के और अपन्य है और अपन्य से किसी प्रकार से
सम्पति के और जिसको
सम्पति के और अपन्य के का व्यापित के जायिक के का का व्यापित के जायिक के जायिक के का का व्यापित के जायिक के जाय | सम्पात का आन जप जमीर वर्ग होता है जान गर हो तो उने किस प्रकार अजिहे किया गया वर्ग ता वर्ग होता है जो है जान गर हो तो हो हो का का के का है को का को ना है की उसका गम वर्ग वर्ग होता होता है जो हो हो उसका गम वर्ग वर्ग वर्ग होता होता होता है जो जान के का ने हैं का को ने हो का को ने ने हो का को ने हो | सम्पार्थ के जो जान पण्यां के की जान प्रपान के जो जो तो की किया गण्या जाने किया गण्या के का जाने प्रपान के जाने प्रपान के जाने प्रपान के जाने के जाने प्रपान के जाने के जाने जाने के जाने जाने जाने जाने जाने जाने जाने जान | प्राप्त के का जात कथा कर्यों. व्याप्त के का जात कथा कर्यों के का जात कथा कर्यों के का जात कथा किया जात कथा किया जात कथा किया जात कथा किया कथा किया कथा किया कथा किया कथा किया कथा किया कथा कथा कथा कथा कथा कथा कथा कथा कथा कथ | मानार का जात थया कर्मित के का जात थया के का जात प्राप्त के का जात था के की जात जात कर के का जात था का का जात कर के जात जात कर के जात जात के का जात कर के जात के का जात के जात के जात | सम्मार्थ का मां क्षण कर्मी व्यक्ति के मां क्षण कर्मा के का मां क्षण कर्मा कर् | सम्पति का जास तथा क्योंत किया ग्रम व को जो उसे किस प्रकार आपेत किया ग्रम जा जा किया जान जा जा किया जान जा किया जा जा जा किया जा | सम्पति का जास तथा क्योंति (कि.स. प्रकार) के जान प्रत न हो जी उसे किस प्रकार अर्थात, प्रताम के जान प्रत न हो जी उसे किस प्रकार के जान प्रताम के जान जान हो जा किस प्रकार के जान जान हो जा किस जान के जान के जान के जान के जान के जान | सम्पति के को जान तथा
क्योरि
करतातारी कि वह किसके नाम ""व्याद, प्रट्य, कोफ, विरामत,
पर पारित है, और उसका
पर पारित है, और उसका
मानकीय कर्नावारी से
जानकीय करानकीय करानकीय करानकीय करानकीय करानकीय | सम्परिका जान क्षेत्र क्ष्म के जान प्रप न हो तो उस्ते किस प्रकार आर्थित क्षिण जान अर्थित क्षिण जान अर्थित क्षिण क्षेत्र क्षिण जान क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र का जात क्षेत्र के जात | सम्परिका जान क्षेप क्ष्मी क्षेप क्ष्मी क्षेप क्ष्मी क्षेप्र क्ष्मिक जान क्ष्मी क्षेप्र क्ष्मिक जान क्षमिक क्ष्मिक जान क्षमिक जान क्षमिक जान क्षमिक जान जान जान क्षमिक जान | सम्परिका जात क्षेत्र कर्म के जात प्रथा को तो उस्ते किस प्रकार आहेत किया गया विद्या के क्षेत्र क्षित क्षित क्षित क्षित क्षित क्षेत्र क्षित क्षेत्र क्षित क्षेत्र कष्ट क्षेत्र कष्ट कष्ट कष्ट कष्ट कष्ट कष्ट कष्ट कष्ट | सम्पादिका जात क्या क्योरि
बतालाइये कि बहु किसके नाम ""व्योद्ध पट्टा, बंधक, विरासत
गृह तथा अन्य भवन भूमि ""वर्तमान मूल्य पर भारित है और उसका में ने ना अर्जन की तारीख और जिससे
सासकोय कर्मचारी से जाण अर्जन की तारीख और जिससे
स्मार्ग संबंध है अर्जन की तारीख और जिससे
स्मार्ग संबंध है अर्जन की तारीख और जिससे
स्मार्ग क्योरा तथा व्योरा (३) (३) (१) | सम्पाद का नाम तथा क्योरि
बतलाइये कि यह किसके नाम "**बतीय, पट्टा, बंभक, विरासत
गृह तथा अन्य भवन भूमि "*वर्तमान मूल्य पर भारित है और उसका मेंट या ज्यन्य किसी प्रकार से सम्मासि से अम्
शासकीय अन्य भवन की तारीख और विसास
स्मासकीय अनंबारी से तथा ज्यंन की तारीख और विसास
स्मासकीय अनंबारी से तथा ज्यंन की तारीख और विसास
समासकीय अनंबारी से तथा ज्यंन की गाई हो बसका नाम
तथा व्योग (६) (१) | सम्पाद का जान तथा क्योरि
बतलाइये कि यह किसके नाम ""क्वीय प्रद्य, बंफक, विरासत
गृह तथा अन्य भवन भूमि ""क्वीयान मूल्य पर भारित है और उसका मेंट या अन्य किसी प्रकार से
शासकीय कर्मजारी से जाण अर्जन की तारीख और जिससे
स्पारकीय कर्मजारी से जाण अर्जन की तारीख और जिससे
स्पारकीय कर्मजारी से जाण अर्जन की तारीख और जिससे
स्पारकीय कर्मजारी से अर्जन की तारीख और जिससे
स्पारकीय कर्मजारी से अर्जन की तारीख और जिससे
स्पारकीय कर्मजारी से अर्जन की तारीख और जिससे आय्रे | सम्पत्तिका नाम तथा क्योरि
कारणाइचे कि जह किसके नाम "" व्याप्ति पूट्य, बंधक, विरासत
गृह तथा अन्य भवन भूमि "" वर्तमान मूल्य पर भारित हैं और उसका में उसले की तारीख और जिससे आयु
सासकीय कर्मचारी से तथा अर्जन की तारीख और जिससे
स्मासकीय कर्मचारी से तथा अर्जन की तारीख और जिससे
स्मासकीय क्रमंचारी से तथा क्रांति की गई हो उसका नाम
स्मासकीय है अजिंत की गई हो उसका नाम
तथा व्यार
 | सम्पत्तिका नाम तथा क्योरि
बतलाइये कि महे किसके नाम """वर्तीम मुल्य पर धारित है और उसका भेट या अन्य किसी प्रकार से सम्पत्ति में अप्र
या भारती है और उसका भेट या अन्य किसी प्रकार से सम्पत्ति में आधिव और जिससे व्यक्ति आय
सासकीय कर्मचारी से अधित की गई हो उसका नाम
स्या संबंध है अधित की गई हो उसका नाम
(2) (4) (5) (7) | सम्पाद का जान तथा क्योरि
बतलाइये कि यह किसके नाम ""व्याद मुद्दा, बंधक, विरासत
गृह तथा अन्य भवन भूमि ""वर्तमान मूल्य पर भारित है और उसका मेंद्र या अन्य किसी प्रकार से
शासकीय कर्मचारी से तथा अर्जन की तारीख और जिससे व्याप्त स्थाप्त कर्मचारी से तथा अर्जन की तारीख और जिससे व्याप्त स्थाप्त स्थाप्त कर्मचारी से तथा अर्जन की तारीख और जिससे व्याप्त व्याप्त कर्मचारी है अर्जन की तारीख और जिससे व्याप्त व्याप्त कर्मचारी है अर्जन की तारीख और जिससे व्याप्त व्याप्त कर्मचारी है अर्जन की तारीख और जिससे आय | सम्पत्तिका नाम तथा क्योरि
कारणाइचे कि जह किसके नाम कर खरीद, पट्टा, बंधक, विरासत
गृह तथा अन्य भवन भूमि कर बितान मूल्य पर धारित है. और उसका में दे या अन्य विस्ती प्रकार से सम्मति से आय
शासकीय कर्मवारी से तथा अर्जन की तारीख और जिससे जायिक आय
स्मा संबंध है अंजित की गई हो उसका नाम
स्मा संबंध है अंजित की गई हो उसका नाम
(2) (4) (5) (7) | सम्भाव का नाम तथा क्योरि
बतलाइये कि मह किसके नाम """वतीन मूल्य पर धारित है और उसका भेट या अन्य किसी प्रकार से सम्मासि में अ
गृह तथा अन्य भवन भूमि ""वर्तमान मूल्य पर धारित है और उसका भेट या अन्य किसी प्रकार से सम्मासि में अ
शासकीय कर्मचारी से नाम अवित की गई हो उसका नाम तथा संबंध है अधित की गई हो उसका नाम तथा संबंध है (5) (7) | सम्भाव का नाम तथा क्योरि
बतत्ताइये कि मह किसके नाम """वरीद, पट्टा, बंपक, विरासत
गृह तथा अन्य भवन भूमि ""वर्तमान मूल्य पर भारित है और उसका भेट या जन्य किसी प्रकार से सम्मानि से आया
शासकीय कर्मचारी से तथा अर्जन की वार्राव और जिससे मार्मिक आया
समा संबंध है अधित की गई हो वसका नाम
(2) (3) (4) (5) (7)
 | सम्प्रकिका नाम तथा क्योरि
बतलाइये कि यह किसके नाम ""क्वीमान मूल्य पर धारित है और उसका मेंट या अन्य किसी प्रकार से सम्प्रति से अप
शासकीय कर्मचारी से तथा अर्जन की तारोख और जिससे वार्षिक आय्
स्पारकीय कर्मचारी से तथा अर्जन की तारोख और जिससे वार्षिक आय्
स्पारकीय कर्मचारी से तथा अर्जन की तारोख और जिससे वार्षिक आय्
स्पारकीय कर्मचारी से तथा ब्योरा | सम्पत्तिका नाम तथा क्योरि
कारणाइये कि जह किसके नाम ""क्योद् प्रद्यं, बंधक, विरासत
गृह तथा अन्य भवन भूमि ""क्यंतमान मूल्य पर धारित है और उसका में ने नाम अज्ञेन की तारीख और जिससे वार्षिक आय्
साराकोय कर्मचारी से तथा अज्ञेन की तारीख और जिससे वार्षिक आय्
स्मा संबंध है अज्ञेन की तारीख और जिससे वार्षिक आय्
स्मा संबंध है अज्ञेन की तारीख और जिससे वार्षिक आय्
स्मा संबंध है अज्ञेन की तारीख और जिससे | सम्भाव का नाम तथा क्योरि
कारणाइचे कि नाम भर न हो तो उसे किम्म प्रकार आजित किया मान
कारणाइचे कि नाम कर्म प्रकार किया मुद्धा के प्रकार किया मान
गाह तथा अन्य भवन भूमि के सम्भावि से नाम कर्म कर्म को गार्थ को गार्थ को नाम का मान
समा संबंध है अजित को गार्ड हो बसका नाम तथा संबंध है (5) (6) (7) | सम्भाव का नाम तथा क्योरि
बतलाइये कि यह किसके नाम "*"वतीन, मूट्य, बंधक, विरासत,
गृह तथा अन्य भवन भूमि ""वर्तमान मूल्य पर भारित है और उसका मेंट या अन्य किसी प्रकार से सम्मासि से अभ
शासकीय कर्मचारी से तथा अर्जन की ताई हो उसका नाम
स्पा संबंध है अर्जित की गई हो उसका नाम
(2) (3) (4) (5) | सम्भाव का नाम तथा क्योरे. बतत्वाइये कि सह किसके नाम """व्यत्ति पुर्टा, वंपक, विरासत, गृह तथा अन्य भवन भूमि ""वर्तमान मूल्य पर थारित है और उसका भेट या अन्य किसी प्रकार से सम्मात्ति से आध्य अभिक आध्य स्था स्था स्था संवंध है अभित की गई हो उसका नाम
 | सम्भाव का नाम तथा क्योर
बतलाइये कि यह किसके नाम ""खरीद, पट्टा, बंधक, विरासत,
गृह तथा अन्य भवन भूमि ""वर्तमान मूल्य पर थारित है. और उसका मेंट या अन्य किसी प्रकार से सम्मासि से
शासकीय कर्नांगों से तथा अर्जन की तारीख और जिससे वार्षिक आय्
प्या संबंध है अर्जित की गई हो उसका नाम | सम्भाव का नाम तथा क्योरि
बतलाइये कि यह किसके नाम """वर्तामन मूल्य पर धारित है और उसका मेंट या जन्म किसी प्रकार से सम्मात्ति से अभ
गाह तथा अन्य भवन भूमि ""वर्तमान मूल्य पर धारित है और उसका मेंट या जन्म दिसी प्रकार से सम्मात्ति से अभ
शासकीय कर्मचारी से तथा अर्जन की तारीख और जिससे वार्षिक आय
स्मा संबंध है अंजित की गई हो उसका नाम तथा संबंध है | सम्भाव का नाम तथा क्योरि
बतलाइये कि यह किसके नाम *** खरीद, पट्टा, बंधक, विरासत,
गृह तथा अन्य भवन भूमि ** वर्तमान मूल्य पर भारित है. और उसका में दा अन्य किसी प्रकार से सम्मास से
शासकीय कर्मचारी से तथा अर्जन की तार्त और जिससे व्यार्थिक आय
स्मान्तिक कर्मचारी से अर्जित की गई हो उसका नाम | सम्भाव का नाम तथा क्योरि
बतलाइये कि यह किसके नाम """वर्तात मूल्य पर भारित है और उसका भेट या अन्य किसी प्रकार से सम्मान्ति आ
शासकीय कर्मचारी से तथा अर्जन की ताराख और जिससे वार्षिक आय
स्मान्सिक के अधित की ताराख और जिससे | सम्भाव का नाम तथा क्योरे. बतत्वाहर्य कि मह किसके नाम """वर्गात मूल्य करात्वाहर्य कि मह किसके नाम """वर्गात मूल्य पर भारित है और उसका भेट या जन्म किस प्रकार से सम्मान से
 | सम्भाव का नाम तथा क्योरें
बतत्ताक्ष्ये कि यह किसके नाम """वरीत, पट्टा, बंपक, विरासत
गृह तथा अन्य भवन भूमि ""वर्तमान मूल्य पर भारित है और उसका भेट या अन्य किसी प्रकार से सम्माति से
शासकीय कर्मचारी से तथा अर्जन की तारीख और जिससे वार्षिक आय
प्या संबंध है अजिंत की गई हो उसका नाम | सम्पत्तिका नाम तथा क्योरि
बतलाइये कि यह किसके नाम ""खरीद, पट्टा, बंधक, विरासत,
गृह तथा अन्य भवन भूमि ""वर्तमान मूल्य पर थारित है. और उसका मेंट या अन्य किसी प्रकार से सम्पत्ति से
शासकीय कर्मचारी से तथा अर्जन की तारीख और जिससे वार्षिक आय्
पना संबंध है अजित की गई हो उसका नाम | सम्पत्तिका नाम तथा क्योरि
बतलाइये कि यह किसके नाम ***खरीय, पट्टा, बंधक, विरासत,
गृह तथा अन्य भवन भूमि ***वर्तमान मूल्य पर भारित है और उसका मेंट या अन्य किसी प्रकार से सम्मात्ति से अभ
शासकीय कर्मचारी से तथा अर्जन की तारीख और जिससे व्यार्थक आय | सम्भाव का नाम तथा क्योरे. बतत्वाहर्य कि मह किसके नाम """वर्तात, पट्टा, बंधक, विरासत, मूम ""वर्तमान मूल्य पर भारित है और उसका भेट या जन्म किसी प्रकार से सम्मान स्मान संबंध है जिंदा की गई हो वसका नाम | सम्पत्तिका नाम तथा क्योरे विकास प्रकार महिल्ला हुने कि सह कि तो क्या कर कि सकता तथा कि सह कि सकता का कि सकता कि सह कि सकता कर कि सकता कि सह कि सकता कि सह कि सकता कि सह का सकता के सामिक आप शासकीय कर्मकारी से तथा अर्जन की तारीख और जिससे व्यासिक आप समाधिक आप सामिक आप कर्मकारी से तथा अर्जन की तारीख और जिससे व्यासिक आप समाधिक आप समाधिक आप समाधिक कर्मकारी से अर्जिंग की गई हो उसका नाम
 | सम्पत्तिका नाम तथा क्योरि
बतलाइये कि यह किसके नाम """व्याद प्रदूर, बंधक, विरासत,
गृह तथा अन्य भवन भूमि ""वर्तमान मूल्य पर थारित है और उसका मेंट या अन्य किसी प्रकार से
शासकीय कर्मचारी से तथा अर्जन की तारोख और जिससे व्यायंक्त आय् | सम्पत्तिका नाम तथा क्योरि
कारणाइचे कि यह किसके नाम ***खरीद, पट्टा, बंधक, विरासत,
गृह तथा अन्य भवन भूमि ***वर्तमान मूल्य पर थारित है. और उसका मेंट या अन्य किसी प्रकार से सम्मति से
शासकीय कर्मचारी से तथा अर्जन की तारीख और जिससे आयं
प्रमा संबंध है अजित की गई हो उसका नाम | सम्पत्तिका नाम तथा क्योरे विकास प्रकार आजेति किया गया बतत्ताहर्य कि यह किसके नाम """वर्तात् पट्टा, बंधक, विरासत
गृह तथा अन्य भवन भूमि ""वर्तमान मृत्य पर धारित है और उसका भेट या अन्य किसी प्रकार से सम्मासिसे अप | सम्पत्तिका नाम तथा क्योरे विकास में नाम भर नहीं तो उसे किस प्रकार आश्रेत किया गया विरासत, व्यास में किस के नाम """वर्गित, पट्टा, वंपक, विरासत, मिल के किसके नाम """वर्गितान मूल्य पर शासकीय कर्मचारी से नाम अन्य किसी प्रकार से सम्मति से सम्मति से सामिक आय | |
 | | | | |
 | | | |
 | | | | |
 | | |
| सम्भाव का जास तथा क्यां अप क्यां अप का जास तथा क्यां जास का जास का जास तथा जा | सम्पति के शोग तथा अमार यदि स्त्य के जाम भर न हो जो उसे किस प्रकार को अंत्रि किसा गण्य मार का सम्पति के जाम प्रकार न हो जो असे किसा गण्य मार की जाम प्रकार की जाम किसा की जाम किसा की जाम किसा की जाम किसा की जाम की | सम्भाव के जो मान क्षेप आहे के क्षेप के मान भी के जो के मान भाग के की के को का मान मान के क्षेप के क्षेप कि कहा कि का का मान के का का को का के का के का को का के का के का के का के का के का का | पुर तथा अन्य भार का आंग भार का भार का मार स्वतान मुख्य के जान भर न हो जो उने किस प्रकार अंग्रेस किया गया अव्या भार का भा | प्रकार के जी तो क्षेप अपार स्वार्थ हैं जान अपार के जी जान के किस प्रकार अपीर किया गया अपार के जान भर के जान के जा | प्रस्पाव की गांत क्षेप अपार
क्रांताय की गांत क्षेप अपार
क्रांताय की कार्य कि कार् | सम्भाव को जास तथा क्यां तथा क्यां तथा क्यां अस्त तथा क्यां तथा क्यां जास तथा क्यां जास तथा क्यां जास तथा क्यां त्यां तथा क्यां त्यां तथा क्यां त्यां तथा क्यां त्यां तथा क्यां व्यां तथा क्यां त्यां क्यां त्यां त् | सम्पात का जाम तथा क्या स्था स्था स्था स्था स्था स्था से के जान अप न के जो कर किस प्रकार अभित किया ग्राम अप करवा प्रकार के जान स्था से क्षेत्र के किस प्रकार के जान से किस प्रकार के जान कर जो किस के जान के जान किस के जान के जान किस के जान के जान के जान किस के जान के जा | सम्भाव का जास तथा क्यां हैं, जान अप न हैं, जोन अप न हैं, जोन अप न हैं, जोन अप न जान जीत किया जान जान जान जान जीत किया जान जान जिल्ला हैं। जान जान जिल्ला जान जान जिल्ला जान जान जान जिल्ला जान जान जान जान जान जान जान जान जान जा | प्रदेश कर के जान कर का जात कर का जात कर के जान अप न को जो उसे किया जात कर का जात कर कर कर का जात कर कर का जात कर कर कर कर का जात कर | प्रदेश कर के किस प्रकार अधि किया ज्ञार कर के जान प्रप न हो जो उसे किस प्रकार अधि किया गण करताहर किया प्रदा कर के किया प्रकार में कर्नाता में कर मान्य किया प्रकार में कर मान्य के कर मान्य कर के के कर के के के कर के | सम्भाव का मान क्षेप क्यांत स्थाद कर के जान गर न हो तो उसे किस्स प्रकार कोर्यंत किस्स प्रकार न भूमि "" चतिनान मूल्य पर पार्थिय है किसके नान न "क्योद, म्यूद्रा, बंधक, बिरासत, मुम्मि स्थाद है और उसका में में या अन्य किस्स में मान का किसा में मान का किसा में मान का किसा मान का किसा मान का किसा मान का किस मान क | सम्भाष का जाम तथा ब्यार
बतलाइये कि यह किसके नाम ""ब्योद, पट्टा, बंधक, बिरासत
गृह तथा अन्य भवन भूमि ""बर्तमान मूल्य पर धारित है और उसका में मेंट या ज्यन्त किसी प्रकार से
शासकीय कर्मचारी से तथा अजन की तारोख और जिससे
स्पारकीय कर्मचारी से तथा अजन की तारोख और जिससे
स्पारकीय कर्मचारी से तथा ब्योदा | सम्भाव का नाम तथा व्यार
बतल्वाइये कि जुड़ किसके नाम """खरीद, पट्टा, बंधक, विरासत
गृह तथा अन्य भवन भूमि ""वर्तमान मूल्य पर भारित हैं. और उसका मेंट या अन्य किसी प्रकार से सम्मासि से अम
शासकीय कर्मचारी से तथा अर्जन की तारीख और जिससे
समा संबंध है अंजित की गई हो उसका नाम
तथा व्यार (६) (१)
 | सम्भाव का नाम तथा ज्यार
बतलाइये कि चंह किसके नाम ""ब्वतीय, प्रट्य, बंधक, विरासत
गृह तथा अन्य भवन भूमि ""वर्तमान मूल्य पर भारित है और उसका मेंट या अन्य किसी प्रकार से
सासकीय कर्मचारी से नाथा अर्जन की तारीख और जिससे
स्पार्सकीय कर्मचारी से नाथा अर्जन की तारीख और जिससे
स्पार्सकीय क्रमंचारी से नाथा अर्जन की तारीख और जिससे
स्पार्सकीय क्रमंचारी से नाथा खोता | सम्भाव का नाम तथा व्यार
बतलाइये कि बढ़ किसके नाम ""बदीमान मूल्य पर धारित हैं और उसका मेंट या ज्यन्य किसी प्रकार से सम्मासि से आया
शासकीय कर्मचारी से तथा ज्यंन की तारीख और जिससे वार्थिक आया
स्मा संबंध है अंगिर क्सका नाम तथा व्यार्थिक है । व्यार्थिक आया | सम्भाव का नाम तथा ब्यार
बतलाइये कि यह किसके नाम ""बदीद, पट्टा, बंधक, विरासत
गृह तथा अन्य भवन भूमि ""वर्तमान मूल्य पर भारित है और उसका मेंट या ज्यन्य किसी प्रकार से सम्मात्ति से अभ
शासकीय कर्मचारी से जागा-अर्जन की गाँह हो उसका नाम
स्मान्तिक अर्थन की गाँह हो उसका नाम
स्मान्तिक अर्थन की गाँह हो उसका नाम
समान्तिक अर्थन की गाँह हो उसका नाम
(2) (3) (4) (5) (7) | सम्भाव का नाम तथा ब्लार
बतलाइये कि बढ़ किसके नाम ""ब्लार के बिर प्रहाकिसके नाम """ब्लार के बिर प्रहाकिसके नाम मेंट या अन्य किसी प्रकार से सम्माप्ति से आप
शासकीय कर्मचारी से निया अजन की तारीख और जिससे वार्षिक आप
स्मार संबंध है अधि कर्मचारी से निया अजन की तारीख और जिससे वार्षिक आप
स्मार संबंध है अधि कर्मचारी से अधित की गई हो उसका नाम
स्मार संबंध है अधिर कर्मचारी के अधित की गई हो उसका नाम | सम्भाव का नाम तथा ब्यार
बतलाइये कि बढ़
किसके नाम ""बतीय मूल्य पर थारित है और उसका मेंट या ज्यन्य किसी प्रकार से सम्मासि से अभ
गृह तथा अन्य भवन भूमि ""बतीयान मूल्य पर थारित है और उसका मेंट या ज्यन्य किसी प्रकार से सम्मासि से आय
शासकीय कर्मचारी से नाम ज्ञांत की गई हो उसका नाम सार्थिक आय
स्मा संबंध है अंजित की गई हो उसका नाम तथा संबंध है (6) (7) | सम्भाव का नाम तथा ब्यार
बतलाइये कि यह किसके नाम ""बदीद, पट्टा, बंधक, विरासत
गृह तथा अन्य भवन भूमि ""वर्तमान मूल्य पर भारित है और उसका मेंट या ज्यन्य किसी प्रकार से सम्मात्ति से अभ
शासकीय कर्मचारी से नाम ज्यान्तिक और विस्ति को गई हो उसका नाम
स्मान्तिक के गई हो उसका नाम
(2) (3) (4) (5) (7) | सम्भाव का नाम तथा क्यार
बतलाइये कि यह किसके नाम "" खरीद, पट्टा, बंभक, विरासत,
गृह तथा अन्य भवन भूमि ""वर्तमान मूल्य पर भारित है और उसका भेट या अन्य किसी प्रकार से सम्मास्त अन्न
शासकौय कर्मचारी से नाम अर्जन की वाराख और जिससे वार्षिक आय
स्मा संबंध है अधित की गई हो उसका नाम
स्मा संबंध है अधित की गई हो उसका नाम
(2) (3) (4) (5) (7) | सम्भाव का नाम तथा ब्लार
बतलाइये कि बढ़ किसके नाम ""ब्रुवास के ब्रुवास के ब् | सम्भाद का नाम तथा ब्लाहि
बहु किसके नाम ""क्लीमान मूल्य पर भारित है और उसके नाम """क्लीमान मूल्य पर भारित है और उसके नाम मेंद्र या ज्यन्य किसी प्रकार से सम्मिति से अभ
शासकीय कर्मचारी से तथा अर्जन की तारीख और जिससे वार्षिक आय्
स्मा संबंध है अर्जन की तारीख और जिससे वार्षिक आय्
स्मा संबंध है अर्जन की तारीख और जिससे वार्षिक आय्
स्मा संबंध है अर्जन की तारीख और जिससे वार्षिक आय्
स्मा संबंध है अर्जन की तारीख और जिससे | सम्भाव का नाम तथा ब्यार
बतलाइये कि बढ़ किसके नाम ""बदीमान मूल्य पर धारित हैं और उसका मेंट या अन्य किसी प्रकार से सम्मासि से अभ
गृह तथा अन्य भवन भूमि ""बदीमान मूल्य पर धारित हैं और उसका मेंट या अन्य किसी प्रकार से सम्मासि से आय
सासकीय कर्मचारी से तथा अर्जन की तारीख और जिससे बार्षिक आय
प्या संबंध है अर्जित की गई हो उसका नाम
तथा व्योत | सम्भाव का नाम तथा ब्यार
बतलाइये कि जह किसके नाम ""बदीद, मंद्य, बंफक, विरासत
गृह तथा अन्य भवन भूमि ""वर्तमान मूल्य पर भारित है और उसका मेंट या ज्यन्य किसी प्रकार से सम्मात्ति से अभ
शासकीय कर्मचारी से नाम ज्यांत्र की गई हो उसका नाम
स्मान्तिक अग्रेत की गई हो उसका नाम
स्मान्तिक अग्रेत की गई हो उसका नाम
स्मान्तिक अग्रेत की गई हो उसका नाम
(2) (5) (5)
 | सम्भाव का नाम तथा क्यार
बतत्नाइये कि मह किसके नाम """वदीद, पट्टा, बंधक, विरासत
गृह तथा अन्य भवन भूमि ""वदेमान मूल्य पर भारित है और उसका भेट या अन्य किसी प्रकार से सम्मान्ति से
शासकीय कर्मचारी से नथा अर्जन की वार्राख और जिससे व्यार्थिक आय्
पना संबंध है अधित की गई हो वसका नाम | सम्पाद का नाम तथा ज्यार
बतलाइये कि यह किसके नाम """व्याद प्रद्य, बंफक, विरासत
गृह तथा अन्य भवन भूमि ""वर्तमान मूल्य पर भारित है और उसका मेंट या व्यन्त किसी प्रकार से सम्मति से
शासकीय कर्मचारी से तथा अर्जन की तारीख और जिससे वार्षिक आय्
स्या संबंध है व्याद की वह का नाम | सम्पाद का नाम तथा ज्यार
बतलाइये कि यह किसके नाम """खरीद, पट्टा, बंधक, विरासत,
गृह तथा अन्य भवन भूमि ""वर्तमान मूल्य पर भारित है. और उसका मेंट या अन्य किसी प्रकार से सम्मासि से
शासकीय कर्मचारी से तथा अर्जन की तारीख और जिससे
स्मा संबंध है अंजित की गई हो उसका नाम | सम्पाद का नाम तथा ज्यार
बतलाइये कि यह किसके नाम """खरीय, पट्टा, बंधक, विरासत,
गृह तथा अन्य भवन भूमि ""वर्तमान मूल्य पर धारित है और उसका मेंट या ज्यन्य किसी प्रकार से सम्मात्ति से
शासकीय अनंबारी से तथा अर्जन की तारीख और जिससे व्यार्थिक आय
स्मार्सक्ष है अजिंत की गई हो उसका नाम | सम्भाव का नाम तथा ब्यार
बतलाइये कि यह किसके नाम """खरीद, पट्टा, बंभक, विरासत
गृह तथा अन्य भवन भूमि ""वर्तमान मूल्य पर भारित है और उसका भेट या अन्य किसी प्रकार से सम्मास से
शासकीय कर्मचारी से तथा अर्जन की तारीख और जिससे व्यासिक आय
स्मा संबंध है अधित की गई हो उसका नाम
 | सम्भाव का नाम तथा क्यार
बतलाइये कि यह किसके नाम ***खरीय, पट्टा, बंधक, विरासत,
गृह तथा अन्य भवन भूमि ***वर्तमान मूल्य पर भारित है और उसका भेट या अन्य किसी प्रकार से सम्मासि से
शासकीय कर्मचारी से नाथा अर्जन की वाराख और जिससे वार्षिक आय
समा संबंध है अधित की गई हो वसका नाम | सम्भाव का नाम तथा क्यार
बतत्वाइये कि मह किसके नाम """वर्षात, पट्टा, बंधक, विरासत,
गृह तथा अन्य भवन भूमि ""वर्षमान मूल्य पर शारकीय के मैचारी से तथा अर्जन की तारीख और जिससे वार्षिक आय
समासकीय के मैचारी से तथा अर्जन की तारीख और जिससे वार्षिक आय
स्मा संबंध है अजिंत की गई हो उसका नाम | सम्पाद का नाम तथा ब्यार विकास कर्नाम पर न हो तो उसे किसा प्रकार आंजित किया गया विकास कर्मा क्रिक्स के प्रकार मिल्य स्थाप क्रिक्स के नाम क्रिक्स क्रिक | सम्पाद का नाम तथा ब्यार
बतलाइये कि यह किसके नाम ""खरीय, पर्या, बंधक, विरासत,
गृह तथा अन्य भवन भूमि ""वर्तमान मूल्य पर भारित है. और उसका मेंट या अन्य किसी प्रकार से सम्मात्ति से अभ
शासकीय अनंयाती से तथा अर्जन की तारीख और जिससे आय | सम्भाव का नाम तथा क्यार
बतलाइये कि यह किसके नाम ***खरीद, पट्टा, बंधक, विरासत,
गृह तथा अन्य भवन भूमि ***वर्तमान मूल्य पर भारित है और उसका भेट या अन्य किसी प्रकार से सम्मास अ
शासकीय कर्मचारी से नाथा अर्जन की वाराख और जिससे वार्षिक आय | सम्भाद का जाम तथा क्यार
बतत्ताइये कि यह किसके जाम "* "खरीद, पट्टा, बंधक, विरासत,
गृह तथा अन्य भवन भूमि ""वर्तमान मूल्य पर भारित है और उसका भेट या अन्य किसी प्रकार से सम्मासि से
शासकीय कर्मचारी से तथा अर्जन की तारीख और जिससे बाविक आय
स्मा संबंध है अधित की गई हो वसका नाम
 | सम्भाद का जाम तथा ब्यार व्हार स्थाप के जान पर न हो तो उसे किसा प्रकार आजित किया गया बतत्ताहर्य कि बढ़ किसके जाम """वर्तमान मूल्य पर धारित है और उसका मेंट या अन्य किसी प्रकार से सम्माप्ति से अप | सम्पाद का नाम तथा ब्यार
बतलाइये कि यह किसके नाम """खरीद, पट्टा, बंधक, विरासत,
गृह तथा अन्य भवन भूमि ""वर्तमान मूल्य पर थारित है. और उसका मेंट या अन्य किसी प्रकार से सम्मति से
शासकीय कर्मचारी से तथा अर्जन की तारीख और जिससे बार्षिक आय | सम्पाद का नाम तथा ब्यार
बतलाइये कि यह किसके नाम """खरीद, पट्टा, बंभक, दिरासत,
गृह तथा अन्य भवन भूमि ""वर्तमान मूल्य पर भारित है और उसका भेट या अन्य किसी प्रकार से सम्मासि से
शासकीय कर्मचारी से तथा अर्जन की तारीख और जिससे व्यासिक आय | सम्पाद का नाम तथा क्यार
बतत्ताइये कि यह किसके नाम "*"वरीद, पट्टा, वंपक, विरासत,
गृह तथा अन्य भवन भूमि ""वर्तमान मूल्य पर भारित है और उसका भेट या अन्य किसी प्रकार से सम्मति से
शासकीय कर्मचारी से तथा अन्य की तारीख और जिससे व्यासिक आय |
 | | | | |
 | | | | |
 | | | | |
 | | |
| प्रति क्षेत्र अस्त अस्त स्वरं के जान अप ने हो जो उसे किस प्रकार अभित किसा गण्य परि स्वरं के जान अप ने के जान अप ने किस प्रकार अभित किसा गण्य प्रति है जो उसे किस प्रकार के जान किस प्रकार के जान किस प्रकार के जान के जान किस जान के जान | सम्पत्त के को मांत क्षण क्यांत मुमी "कर्तवान मृत्य के मांच भर न हो जो उसे किस प्रकार आंक्री किया गया करात की किस प्रकार आंक्री किया गया करात की व्यास्त किस प्रकार में व्यास्त की व्यास्त की व्यास की व्यस की व्यास की व्यस की व्यास की व्यस की व्यास | सम्पत्त के को मांत क्षण क्यांत मुम् क्यांत क्षण क्यांत क्यांत क्यांत क्यांत क्यांत क्षण क्यांत क्यां | पढ़ तथा उनन भवत भीत तथा जात के को तो तथा तथा के जान भार ने हों जो उन किस भक्ता जांक की विकास मान्य जात किस के नाम भार जो देवा के की विकास की वितास की विकास | पुर तथा अन्य का आंत तथा ज्यार स्वयों के ज्ञान आंत के का जान अंत किस प्रकार आंक्री किया गया पुर तथा अन्य अवन अवन भूमी पास्कारित के व्या किसके नाम पास्कारित के व्या किसके नाम पास्कारित के विकार करका नाम तथा व्याप्त (5) (6) (7) पास्कार के विकार करका नाम पास्कार के विकार करका नाम पास्कार के विकार करका नाम पास्कार | प्रविचा अप आप आप अप | प्रति हम्प के जान तथा व्यार स्था के जान प्रवास के जान के | सम्पात का जास तथा क्यार
स्वताहाद कि खुड़ किसके जान
गृह तथा अन्य थवन
गृह तथा अन्य थवन
गृह तथा अन्य थवन
ग्राह तथा अन्य थवन
ग्राह तथा अन्य थवन
ग्राह तथा अन्य विस्ते कि खुड़ किसके जान
ग्राह तथा अन्य विस्ते कि खुड़ कि खुड़ किसके जान
ग्राह तथा अन्य विस्ते के जादिक ज | सम्पात का जास तथा क्यार
जतताहर कि खु किसके जान ""व्योद, प्रदुण, केष्क, किरासत,
पूर्णित है और उसके जान ""व्योद केष्म प्रकार से
प्रास्कीय कर्न पर्या तथा है। जो प्रकार के जाया खार के
प्रास्कीय कर्न पर्या तथा है। विश्व कर्म वाह्म केष्म प्रकार के
जाया करने को प्रांग्र केष्म प्रकार के जाया क्यांत केष्म प्रकार के जाया क्यांत का प्रकार का गान
अधित को को है। विश्व कर्म वाह्म का प्रकार का गान
जाया क्यांत का व्याव क्यांत का प्रकार का गान
जिस्म क्यांत का जाया क्यांत का प्रकार का गान
जिस्म क्यांत का गान क्यांत का गान | पढ़ तथा अस्य भवत भूमि "म्बत्मा मून्य पढ़ जाम अस्य को वो तथा के वाम अस्य का भूमि "म्बत्मा मून्य पढ़ जिसके नाम "म्बत्मा पढ़ विकास भवत किसके नाम "म्बत्मा पढ़ विकास भवत किसके नाम मन्य प्राप्त के जीर उसके मान अस्य पढ़ विकास मान मन्य प्राप्त के जीर उसके मान नाम का विकास मान विकास | सम्पाद का जान तथा ज्ञात (द) (3) (4) (4) (5) जा (5) जी जा (5) जा | सम्पाठ का गां तथा ज्याद व्यदं क्या के जां मध्य तथा व्यद् क्या के जां मध्य तथा के जां मध्य तथा व्यद् क्या के जां प्राप्त के जां के जा जां के ज | सम्भाष की जाम तथा ब्यार
बताताइये कि जोह किसके नाम "" ब्योद, प्रद्य, बंधक, विरासत
गृह तथा अन्य भवन भूमि " कितमान मूल्य पर धारित है और उसका मेंट या अन्य किसी प्रकार से
शासकीय कर्मचारी से तथा अजन की तारीख और जिससे
स्पारकीय कर्मचारी से तथा अजन की तारीख और जिससे
स्पारकीय कर्मचारी से तथा ब्योस | सम्भाष का जाम तथा ब्यार
बतलाइये कि बढ़ किसके नाम ""ब्बरीद, प्रद्य, बंधक, विरासत
गृह तथा अन्य भवन भूमि ""वर्तमान मूल्य पर थारित है. और उसका मेंट या अन्य किसी प्रकार से सम्मासि से अम
शासकीय कर्मवारी से तथा अर्जन की तारीख और जिससे
समा संबंध है अंजित की गई हो उसका नाम
तथा व्यार | सम्भाष को जाम तथा ब्यार
बतत्ताइये कि जुड़ किसके नाम ""ब्योद, प्रट्य, बंधक, विरासत,
गृह तथा अन्य भवन भूमि "क्वितान मूल्य पर भारित है और उसका मेंट या अन्य किसी प्रकार से
सासकीय कर्मजारी से जाभा अजीन की तारीख और जिससे
स्पार्सकीय कर्मजारी से जाण अजीन की तारीख और जिससे
स्पार्सकीय क्रमंजारी से अपित की गाँह हो उसका
नाम
स्पार्सकीय है अपित की गाँह हो उसका नाम
(2) (3) (4) (5) (7) | सम्भाष का जाम तथा ब्यार
बतलाइये कि यह किसके नाम ""ब्योद, पट्टा, बंधक, विरासत
गृह तथा अन्य भवन भूमि ""वर्तमान मूल्य पर भारित है. और उसका मेंट या अन्य किसी प्रकार से
शासकीय कर्मचारी से तथा अर्जन की तारीख और जिससे वार्षिक आय्
स्मा संबंध है अंजित की गई हो उसका नाम
स्मा संबंध है अंजित की गई हो उसका नाम
(2) (4) (5) (7) | सम्भाष का नाम तथा ब्यार
बतलाइये कि खंड किसके नाम ""खरीद, पट्टा, बंधक, विरासत
गृह तथा अन्य भवन भूमि ""वर्तमान मूल्य पर धारित है और उसका मेंट या ज्यन्य किसी प्रकार से सम्मासि से अभ
शासकीय कर्मचारी से नाम ज्यान्य की गई हो उसका नाम
स्मान्य के मंचारी से अभित की गई हो उसका नाम
स्मान्य के मंचारी से अभित की गई हो उसका नाम
(2) (3) (4) (5) (7) | सम्भाद का जाम तथा ब्यार
बतत्ताइये कि जुड़ किसके नाम ""ब्योद, प्रट्य, बंधक, विरासत
गृह तथा अन्य भवन भूमि ""बर्तमान मूल्य पर भारित है और उसका मेंट या अन्य किसी प्रकार से
सासकीय कर्मचारी से नाथा अर्जन की तारीख और जिससे
स्पारकीय कर्मचारी से नाथा अर्जन की तारीख और जिससे
स्पारकीय कर्मचारी से नाथा को गाँह हो उसका नाम
स्पारकीय क्रमंचारी से नाथा को गाँह हो उसका नाम
स्पारकीय कर्मचारी से नाथा को गाँह हो उसका नाम
(2) (3) (4) (5) (7) | सम्भाव का जाम तथा ब्यार
बतलाइये कि बढ़ किसके नाम ""बतीनान मूल्य पर भारित है और उसका मेंट या ज्यन्य किसी प्रकार से सम्मति से अभ
गृह तथा अन्य भवन भूमि ""बतीनान मूल्य पर भारित है और उसका मेंट या ज्यन्य किसी प्रकार से सम्मति से आय
शासकीय कर्मचारी से तथा अर्जन की तारीख और जिससे बार्षिक आय
स्मा संबंध है अर्जित की गई हो उसका नाम
स्मा संबंध है अर्जित की गई हो उसका नाम (5) (6) (7) | सम्भाव का नाम तथा क्यार
बतलाइये कि यह किसके नाम ""खरीद, पट्टा, बंधक,
विरासत
गृह तथा अन्य भवन भूमि ""वर्तमान मूल्य पर धारित है और उसका मेंट या ज्यन्य किसी प्रकार से सम्मात्ति से आय
शासकीय कर्मचारी से नाम ज्यान्तिक शासकीय कर्मचारी से नाम ज्यान्तिक नाम कार्यास्तिक आय
स्मान्तिक कर्मचारी से नाम कार्यास्तिक आय
स्मान्तिक केर्मचारी से नाम तथा स्वाप्तिक कर्मचारी से तथा व्यापित | सम्भाष का नाम तथा ब्यार
बतलाइये कि यह किसके नाम ""बदीद, पट्टा, बंफक, विरासत
गृह तथा अन्य भवन भूमि ""वर्तमान मूल्य पर भारित है और उसका भेट या अन्य किसी प्रकार से सम्मासि से अभ
शासकीय कर्मचारी से नामा अर्जन की वारीख और जिससे वार्षिक आय
स्मा संबंध है अधित की वाई हो उसका नाम
स्पा संबंध है (5) (7) | सम्भाद का जाम तथा ब्यार
बतत्ताइये कि जुड़ किसके नाम ""ब्योद, प्रट्य, बंधक, विरासत
गृह तथा अन्य भवन भूमि ""बर्तमान मूल्य पर भारित है और उसके मेंट या अन्य किसी प्रकार से
शासकीय कर्मचारी से नाम अर्जन की तारीख और जिससे वार्षिक आय
स्पार्सकाय कर्मचारी से नाम अर्जन की तारीख और जिससे वार्षिक आय
स्पार्सकाय क्रमंचारी से अर्जन की तारीख और जिससे वार्षिक आय | सम्भाद का जाम तथा ब्यार
वातलाइये कि जुड़ किसके नाम ""व्याद स्वय, विरासत
गृह तथा अन्य भवन भूमि ""वर्तमान मूल्य पर भारित है और उसका मेंट या अन्य किसी प्रकार से
शासकीय कर्मचारी से तथा अर्जन की तारोख और जिससे वार्षिक आय
स्या संबंध है अर्जन की तारोख और जिससे वार्षिक आय
स्या संबंध है अर्जन की तारोख और जिससे वार्षिक आय
स्या संबंध है अर्जन की तार्ड और जिससे | सम्भाव का जाम तथा ब्यार
बतलाइये कि बढ़ किसके नाम ""ब्बरीद, पट्टा, बंधक, बिरासत,
गृह तथा अन्य भवन भूमि ""बर्तमान मूल्य पर धारित है. और उसका मेंट या अन्य किसी प्रकार से
शासकीय कर्मचारी से तथा अर्जन की तारीख और जिससे
स्मा संबंध है अजिंत की गई हो उसका नाम
स्मा संबंध है अजिंत की गई हो उसका नाम
(2) (4) (5) (7) | सम्भाद का जाम तथा क्यार
बतलाइये कि जुड़ किसके नाम ""खरीद, मट्टा, बंधक, विरासत
गृह तथा अन्य भवन भूमि ""वर्तमान मूल्य पर धारित है और उसका मेंट या ज्यन्य किसी प्रकार से सम्मात्ति से अभ
शासकीय अनंबारी से जामा अर्जन की तार्त जीर जिससे वार्षिक आय
स्मान्यक्ष है अजिंत की गई हो उसका नाम
स्मान्यक्ष है अजिंत की गई हो उसका नाम
(2) (4) (5)
 | सम्भाद का जाम तथा ब्यार
बतत्ताइये कि बढ़ किसके नाम
गृह तथा अन्य भवन
भूमि "भवनान मूल्य पर भारित है और उसका
शासकीय कर्मचारी से जथा अर्थन की तार्राय और जिसके आय
स्मासकीय कर्मचारी से जथा क्योंत की गई हो उसका नाम | सम्भाद का जाम तथा ब्यार व्हार स्वयं के जाम भर न हो तो उसे किसा प्रकार आश्रेत किया गया व्हार स्वयं प्रकार में क्षिक किया में सम्मित्त में सम्मित्त स्वयं किया अन्य भवन भूमि के सम्मित्त स्वयं स्वयं किया अन्य भवन भूमि सम्मित्त स्वयं किया अन्य भवन स्वयं किया अन्य भवन सम्मिक आयं स्वयं हो जा अन्य की तारीख और जिससे वासिक आयं स्वयं हो अन्य की तारीख और जिससे वासिक आयं स्वयं हो अन्य की तारीख और जिससे वासिक आयं स्वयं हो अन्य की तारीख और जिससे वासिक आयं स्वयं है | सम्भाद का जाम तथा ब्यार व्हार स्वयं के जाम पर न हो तो उसे किसा प्रवास क्षिया गया व्हार स्वयं है पर्टा, बंधक, विरासत, सम्मासि से अप्रविधा अन्य भवन भूमि ""वर्तमान मूल्य पर थारित है. और उसका मेंट या अन्य किसी प्रकार से सम्मासि से आय शासकीय कर्मचारी से तथा अर्जन की तारीख और जिससे वार्षिक आय स्था संबंध है अजिंत की गई हो उसका नाम तथा संबंध है अजिंत की गई हो उसका नाम तथा संबंध है | सम्भाद का जाम तथा ब्यार
बतलाइये कि खंड किसके नाम """खरीद, पट्टा, बंधक, विरासत,
गृह तथा अन्य भवन भूमि ""वर्तमान मूल्य पर भारित है. और उसका मेंट या अन्य किसी प्रकार से सम्मासि से
शासकीय अनंबाती से जाग अर्जन की तारीख और जिससे बार्षिक आय
स्मा संबंध है अजिंत की गई हो उसका नाम | सम्भाव का जाम तथा क्यार
बतलाइये कि यह किसके नाम """खरीद, पट्टा, बंधक, विरासत,
गृह तथा अन्य भवन भूमि ""वर्तमान मूल्य पर भारित है और उसका मेंट या अन्य किसी प्रकार से सम्मात्ति से
शासकीय कर्मचारी से जमा अर्जन की तारीख और जिससे व्यासिक आय
स्मा संबंध है अपित की गई हो उसका नाम
 | सम्भाव का नाम तथा ब्यार
बतलाइये कि यह किसके नाम """खरीय, पट्टा, बंभक, विरासत,
गृह तथा अन्य भवन भूमि ""वर्तमान मूल्य पर भारित है और उसका भेट या अन्य किसी प्रकार से सम्मास में
शासकीय कर्मचारी से तथा अर्जन की ताराख और जिससे वार्षिक आय
स्मा संबंध है अधित की गई हो वसका नाम | सम्भाद का जाम तथा ब्यार व्हार स्वयं के जाम भर न हो तो उसे किसा प्रकार आजेत किया गया विद्या स्वयं किया है किसके जाम "" ब्रिश्मात, मिल्यं किया किया किया किया किया किया किया किया | सम्भाद का जाम तथा ब्यार व्हार स्वयं के जाम भर न हो तो हमें किसा प्रकार अजित किया गया व्हार स्वयं प्रकार में क्षिक, विरासत, जाह तथा अन्य भवन भूमि "" वर्तमान मूल्य पर भारित है और इसके जाम मेंट या ज्यन्य किसी प्रकार से सम्माति से आय शासकीय कर्मचारी से जाग अर्जन की तारीख और जिससे वार्षिक आय स्थार संबंध है अर्जन की तारीख और जिससे वार्षिक आय | सम्भाद का जाम तथा ब्यार
बतलाइये कि खंड किसके नाम ""खरीद, पट्टा, बंधक, विरासत,
गृह तथा अन्य भवन भूमि ""वर्तमान मूल्य पर भारित है. और उसका मेंट या अन्य किसी प्रकार से सम्माति से अभ
शासकीय अनंबाती से जिया अर्जन की तारीख और जिससे आय | सम्भाष का नाम तथा ब्यार
बतलाइये कि यह किसके नाम """खरीद, पट्टा, बंभक, विरासत,
गृह तथा अन्य भवन भूमि ""वर्तमान मूल्य पर भारित है और उसका भेट या अन्य किसी प्रकार से सम्मास में
शासकीय कर्मचारी से तथा अर्जन की वारिज और जिससे वार्षिक आय
 | सम्भाव का जाम तथा ब्यार व्हार स्वयं के जान भर न हो तो वस किया प्रकार आशित किया गया बतलाइये कि यह किसके जाम """वर्तात प्रकार प्रकार प्रकार में सम्मात्ति अप्र गांव जीया अन्य किसी प्रकार से सम्मात्ति अप्र शासकीय कर्मचारी से तथा अर्जन की तारीख और जिससे वार्षिक आय | सम्भाद का जाम तथा क्यार व्हार स्वयं के जाम भर न हो तो उसे किसा प्रकार आंजेत किया गया व्हार स्वयं है स्वयं प्रका किया है स्वयं किया के सम्पति से सम्मति से अपन के स्वयं किया के सम्भाव के स्वयं के सम्भाव के स्वयं के सम्भाव के स्वयं की स्वयं के सम्भाव के स्वयं की स्वयं की सम्भाव के सम्भाव के सम्भाव के स्वयं की स्वयं की सम्भाव के समा सम्भाव के सम्भ | सम्भाद का जाम तथा ब्यार व्हार स्थाप के जाम पर न हो तो हमें किया प्रकार आजित किया गया व्हार स्थाप के प्रकार मिल के प्रकार मिल के प्रकार मिल के प्रकार के सम्माप्ति से अप्रकार के जाप अपर्य किया अपर्य के प्रकार के सम्माप्ति से अप्रकार के तथा अपर्य के प्रकार के जाप अपर्य के जाप के प्रकार के उसका नाम | सम्भाव का जाम तथा ब्यार
बतलाइये कि यह किसके नाम ""बदीद, पट्टा, बंभक, विरासत,
गृह तथा अन्य भवन भूमि ""वर्तमान मूल्य पर भारित है और उसका मेंट या अन्य किसी प्रकार से सम्मात्ति से
शासकीय कर्मचारी से जमा अर्थन की तारीख और जिससे व्यासिक आय | सम्पाद का नाम तथा ब्यार
बतलाइये कि यह किसके नाम """खरीद, पट्टा, बंधक, विरासत,
गृह तथा अन्य भवन भूमि ""वर्तमान मूल्य पर भारित है और उसका भेट या अन्य किसी प्रकार से सम्मति से
शासकीय कर्मचारी से तथा अर्जन की तारीख और जिससे बार्षिक आय |
 | | 10 11 11 12 12 12 12 12 | | |
 | | | | |
 | | | | |
 | | |
| पुर स्था के जान तथा ब्यार
जनवाहरे कि जा किस प्रकार अपूरी
प्राथ के जा के जा के जा किस के जा
प्राथ के जा के जा किस के जा
प्राप्त के जा | प्रकार महाने का जान मार स्वार कर जान भार ने हो जो जो किस प्रकार अंत्रित किस मिल्ले जान ""क्योर, प्रद्र्य, बंपक, विरास, सम्मित्ते जान "क्योर, प्रद्र्य, बंपक, विरास, सम्मित्ते के जान जान किस मिल्ले जान जान किस मिल्ले जान जान किस मिल्ले जान जान जान किस मिल्ले जान जान जान जान किस मिल्ले जान | प्रकाश कर प्रवास कर का तार कर में हैं जो कर के का कर के का कर के का कर के कर कर के का कर के कर | प्राप्त के का मां ना ब्या ब्रांस मान मान प्राप्त के का मान कि का मान कि मान प्राप्त के का मान कि मान का मा | प्रद स्वय के जान प्रभाव का भारत व्यव कर नाम अप ने हो जो उसे किस प्रकार अपेत किसा गाम जन्म प्रभाव किस के नाम प्रभाव कर किस के जान प्रभाव किस के नाम प्रभाव कर किस के जान किस के | प्रकार का भी में स्वाप्त के का में | पढ़ तथा अन्य ब्यार
जाताहरी कि तहा किस्ते ज्या अपी
पह तथा अन्य थया भूमि
पह तथा अन्य थया प्रमास कर्मा व्यास्त्रीय के जाह हो उसका मन
प्रमास्त्रीय कर्मा कर्म कर्मा कर्म कर्मा कर्म कर्मा कर्म कर्मा कर्म कर्म कर्म कर्म कर्म कर्म कर्म कर्म | पुर स्था के जान तथा ब्यार
जिल्लाहर कि जह किसके नाम ""वर्ग त्यार स्था कि जह किसके नाम ""वर्ग त्यार पुरि के कि जिल्ला गण्या
गए जिल्ला कुन्य प्रवास मुद्ध कि जह किसके नाम ""वर्ग कुन्य किसके किसके कि जा कि | पांद स्वय के जाम क्यां (कर्मण के जाम अप न हो जो उस किस प्रकार अपंत्र क्यां करना भूषि के जाम क्यां (के जोर उसके जाम क्यां (के जोर उसके जाम क्यां (के जोर उसके को जार जोर जोर जोर जोर जोर जाम क्यां (के जाम क्यां (क | पढ़ तथा के ना तथा क्यांत पड़ तथा के ना तथा के वाम अस न हो गी हम अनत को किया गाम करवाम पूर्व पड़िक्का के ना किया के किया पड़िक्का के किया किया के किया के किया के किया के किया के किया के किया | पांद स्वय के जाम क्या व्या व्या क्या क्या क्या क्या क्या क्या क्या क
 | पुर स्वयं के जान प्रपाद कि जह कि के जिल्ला में जान प्रपाद कि के जह कि के जिल्ला में जान कि जह कि जह मार्ग में जान कि जह कि जह जान कि जान कि जह | संभाष की नाम प्रथम ब्याद
बतत्ताइये कि जह किसके नाम ""बेबरीद प्रट्य, बंधक, विरासत
गृह तथा अन्य भवन भूमि "कर्तमान मूल्य पर भारित है और उसका मेंट या अन्य किसी प्रकार से
शासकीय कर्मचारी से नाथा अर्जन की तारीख और जिससे
स्पारकीय कर्मचारी से नाथा अर्जन की तारीख और जिससे
स्पारकीय कर्मचारी से नाथा कर्मचारी से नाथा मेंट या अपन्य किसी प्रकार से समिक आय् | संभाष का जान तथा ब्यार
बतत्ताइये कि चढ़ किसके नाम ""ब्योद, प्रद्य, बंधक, विरासत
गृह तथा अन्य भवन भूमि ""वर्तमान मूल्य पर भारित है. और उसका मेंट या ज्यन्य किसी प्रकार से
सासकीय कर्मचारी से तथा अर्जन की तारीख और जिससे
स्मा संबंध है अंजित की गई हो बसका नाम
स्मा संबंध है अंजित की गई हो बसका नाम
(2) (3) (4) (5) (7) | संभाष का नाम प्रथम व्याद स्वयं के नाम पर न हो जो उसे किसा प्रकार की त्रीत किसा गण व्याद स्वयं के नाम पर न हो जो व्याद प्रद्यां बंधक, विरासत व्याद समित से सम्मति से आधि व्याद कर्मान्य कर्मान्य कर्मान्य कर्मान्य स्वयं है अधित की गई हो उसका नाम तथा स्वयं है (६) (१) (१) | संभाष का नाम प्रथम व्याद
बतत्ताइये कि चढ़ किसके नाम ""व्याद, प्रद्य, बंधक, विरासत
गृह तथा अन्य भवन भूमि ""वर्तमान मूल्य पर धारित है और उसका मेंट या ज्यन्य किसी प्रकार से
शासकीय कर्मचारी से तथा अर्जन की तारीख और जिससे
स्मा संबंध है अर्जित की गई हो उसका नाम
स्मा संबंध है अर्जित की गई हो उसका नाम
(2) (4) (5) (7) | संभाष का जान तथा ब्याद
बतलाइये कि बड़ किसके नाम ""बतीमान मूल्य पर धारित है. और उसका मेंट या ज्यन्य किसी प्रकार से सम्मात्ति से आय
शासकीय कर्मचारी से जमा अर्जन की तारीख और जिससे आय
स्या संबंध है अंजित की गई हो बसका नाम
(2) (3) (4) (5) (7)
 | संभाग का नाम गया ब्लाहर कि नाम पर न हो जो उसे किसा प्रकार कीरही किसा गया बताता है जीर उसका मान """बर्गम "" बर्गम मूल्य पर भारित है और उसका मेंट या उसन्य किसी प्रकार से सम्मति से सामिक आप्र सामिक आप्र सामिक आप्र सामिक आप्र समासिक से जारा अर्जन की वार्रिक और जिससे सामिक आप्र समासिक समासिक आप्र समासिक समासिक आप्र समासि | संभाष का नाम प्रथम ब्यार
बतत्ताइये कि चढ़ किसके नाम ""व्याद, प्रट्य, बंधक, विरासत
गृह तथा अन्य भवन भूमि ""वर्तमान मूल्य पर धारित है और उसका मेंट या ज्यन्य किसी प्रकार से सम्मासि से
शासकीय कर्मचारी से तथा अर्जन की तारीख और जिससे वार्षिक आय्
स्मार्गकीय कर्मचारी से तथा अर्जन की तारीख और जिससे
स्मार्गकीय कर्मचारी से तथा ब्योरा | सम्भाग का जान तथा ब्याद
बतलाइये कि बड़ किसके नाम """खरीद, पट्टा, बंधक, विरासत
गृह तथा अन्य भवन भूमि ""वर्तमान मूल्य पर भारित है. और उसका मेंट या अन्य किसी प्रकार से सम्मासि से अभ
शासकीय कर्मचारी से तथा अर्जन की तार्र को वसका नाम
स्या संबंध है अजिंत की गई हो बसका नाम
स्या संबंध है अजिंत की गई हो बसका नाम
(2) (3) (4) (5) (7) | संभाग का नाम तथा ब्लाहर कि नाम पर न हो जो उसे किसा प्रकार क्षित्रमा गणा व्याद स्वय के नाम पर न हो जो उसे किसा प्रकार मिला हो किसके नाम ""ब्लीट, प्रट्य, बंधक, विरासत मिला हो किसके नाम "विरास सम्मित्र के मिला का | संभाग का नाम तथा ब्लाहर कि नाम पर न हो तो उसे किसा प्रकार अजित किसा गया बतताहरे कि किसके नाम किसा पर का तो द्वार कर विरासत, महिन सम्मित्र के महिन पर आरित है और उसका मेंट या उसन्य किसी प्रकार से सम्मित्र के प्राप्त है और उसका मेंट या उसन्य किसी प्रकार से सम्मित्र के प्राप्त का | संभाष का नाम प्रथा व्याद स्वयं के नाम पर न हो तो उसे किसा प्रकार कार्यात किसा गया वर्ता करा करा करा करा करा करा करा करा करा कर
 | संभाष का नाम प्रथा व्याद स्वय के नाम पर न हो तो उसे किया प्रकार आजित किया गया
बतत्ताइये कि यह किसके नाम ""व्याद प्रद्य, बंधक, विरासत
गृह तथा अन्य भवन भूमि ""वर्तमान मूल्य पर धारित है और उसको मेंट या व्यन्य किसी प्रकार से
शासकोय कर्मनारी से तथा अर्जन की तारीख और जिससे वार्षिक आय
स्मा संबंध है अर्जित की गई हो वसका नाम
स्मा संबंध है अर्जित की गई हो वसका नाम
(2) (4) (5) (7) | सम्भाग का जान तथा ब्याद
बतलाइये कि बढ़ किसके जान """खरीद, पट्टा, बंधक, विरासत
गृह तथा अन्य भवन भूमि ""वर्तमान मूल्य पर भारित है. और उसका मेंट या अन्य किसी प्रकार से सम्मासि से अभ
शासकीय कर्मचारी से जमा अर्जन की तारीख और जिससे
स्मा संबंध है अजिंत की गई हो बसका नाम
स्मा संबंध है अजिंत की गई हो बसका नाम
(2) (4) (5) | संभाग का नाम गया व्याद स्वयं के नाम पर न हो तो उसे किसा प्रकार अभित किसा गया बतत्ताइये किसहै जिसहै जिसहै किसहै नाम गृह तथा अन्य किसी प्रकार से सम्मति से अभित की गाँह को उसका नाम सम्भा संबंध है अभित की गाँह हो उसका नाम | संभाष का नाम प्रथा व्याद स्वयं के नाम पर न हो तो उसे किया प्रकार आजित किया गया
बतत्ताइये किया है किसके नाम ""व्यास्ता मूल्य पर शारित है और उसका मेंट या अन्य किसी प्रकार से सम्माप्ति से
शासकीय कर्मचारी से तथा अर्जन की तारीख और जिससे वार्षिक आय
स्या संबंध है अर्जित की गई हो उसका नाम | संभाष के। नाम तथा ब्यार
बतत्ताइये कि यह किसके नाम ""ब्योद, पट्टा, बंधक, विरासत
गृह तथा अन्य भवन भूमि ""वर्तमान मूल्य पर भारित है. और उसका मेंट या अन्य किसी प्रकार से सम्मति से
शासकीय कर्मचारी से तथा अर्जन की तारीख और जिससे वार्षिक आय
प्या संबंध है अजिंत की गई हो उसका नाम
 | सम्भाग का जान तथा ब्याद
बतलाइये कि यह किसके जाम """व्याद्ध्य, बंधक, विरासत,
गृह तथा अन्य भवन भूमि ""वर्तमान मूल्य पर भारित है. और उसका मेंट या अन्य किसी प्रकार से सम्मासि से
शासकीय कर्मचारी से जमा अर्जन की तारीख और जिससे
स्या संबंध है अंजित की गई हो उसका नाम | सम्भाग का जान तथा ब्याद
बतलाइये कि खंड किसके नाम """खरीद, पट्टा, बंधक, विरासत
गृह तथा अन्य भवन भूमि ""वर्तमान मूल्य पर धारित है. और उसका मेंट या अन्य किसी प्रकार से सम्मात्ति से अभ
शासकीय कर्मचारी से जाग अर्जन की तारीख और जिससे व्याधिक आय
स्या संबंध है अधित की गई हो उसका नाम | सम्भाग का जान तथा ब्याद
बतलाइये कि खंड किसके नाम ""खरीद, पट्टा, बंधक, विदासत,
गृह तथा अन्य भवन भूमि ""वर्तमान मूल्य पर भारित है. और उसका मेंट या अन्य किसी प्रकार से सम्मात्ति से
शासकीय कर्मचारी से जाग अर्जन की ताराख और जिससे वार्षिक आय
स्मा संबंध है अधित की गई हो उसका नाम | संभाग का नाम गया व्याद स्वयं के नाम पर न हो तो उसे किसा प्रकार की तो स्वाह किस प्रकार मान बतत्ताहरों कि खंड किस के नाम """व्योद, प्रट्य, बंधक, विरासत, प्राप्त है और उसका मेंट या उनन्य किसी प्रकार से सम्मति से शासकीय कर्म का तथा अर्जन की तारीख और जिससे आधिक आय स्यासकीय कर्म का से अर्जन की तारीख और जिससे आप स्यासकीय कर्म का से अर्जन की तारीख और जिससे आप स्यासकीय क्षेत्र की गई हो उसका नाम स्यासकीय है अर्जित की गई हो उसका नाम | संभाष का नाम प्रथा व्याद स्वयं के नाम पर न हो तो उसे किया प्रका क्यांत किया गया व्याद स्वयं के नाम पर न हो तो उसे किया प्रथा क्यांत किया के नाम "" वर्तमान मूल्य पर भारित है और उसका मेंट या अन्य किसी प्रकार से सम्माप्ति से आया शासकीय कर्मचारी से तथा अर्जन की तारिख और जिससे वार्षिक आया स्था संबंध है अर्जित की गई हो उसका नाम
 | सम्भाग का जान तथा ब्यार
बतलाइये कि यह किसके जाम """खरीद, पट्टा, बंधक, विरासत
गृह तथा अन्य भवन भूमि ""वर्तमान मूल्य पर भारित है. और उसका मेंट या अन्य किसी प्रकार से सम्मासि से
शासकीय कर्मचारी से जमा अर्जन की तारीख और जिससे
स्या संबंध है अजिंत की गई हो उसका नाम | सम्भाग का जाम तथा ब्याद
बतलाइये कि खंड किसके नाम ""खरीद, पट्टा, बंधक, विदासत,
गृह तथा अन्य भवन भूमि ""वर्तमान मूल्य पर भारित है. और उसका मेंट या अन्य किसी प्रकार से सम्मात्ति से अभ
शासकीय कर्मचारी से जामा अर्जन की तारीख और जिससे वार्षिक आय | सम्भाग का नाम तथा ब्याद
बतलाइये कि यह किसके नाम """खरीद, पट्टा, बंभक, विरासत
गृह तथा अन्य भवन भूमि ""वर्तमान मूल्य पर भारित है और उसका भेट या अन्य किसी प्रकार से सम्मान से
शासकीय कर्मचारी से तथा अर्जन की वारिख और विससे वार्षिक आय | संस्थात का नाम तथा क्यार वाद स्वय के नाम पर न हो तो उसे किसा प्रकार कीता किसा गया विकास प्रकार किसा गया विकास प
बतत्ताहरे किसके नाम ""वर्तमान मूल्य पर शारित है और उसका भेट या उसन्य किसी प्रकार से सम्मति से आप
शासकीय कर्मचारी से तथा अर्जन की तारीख और जिससे वार्षिक आप | सम्भाग का नाम गया व्याद स्वयं के नाम पर न हो तो उसे किया प्रका क्यांत किया गया बतत्ताइये किया के निम्म प्रका क्यांत किया के निम्म प्रकास किया के निम्म प्रकास के निम्म प्रकास के निम्म क्यांत के निम्म क्यांत के निम्म का | सम्भाग का जान तथा ब्याद
बतलाइये कि बढ़ किसके नाम """खरीद, पट्टा, बंधक, विरासत
गृह तथा अन्य भवन भूमि ""वर्तमान मूल्य पर भारित है और उसका मेंट या अन्य किसी प्रकार से सम्मात्ति से अभ | सम्भाग का जाम तथा ब्याद
बतलाइये कि यह किसके जाम """खरीद, पट्टा, बंभक, विरासत
गृह तथा अन्य भवन भूमि ""वर्तमान मूल्य पर भारत है और उसका भेट या अन्य किसी प्रकार से सम्मासि से
शासकीय कर्मचारी से तथा अर्जन की ताराख और जिससे बार्थिक आय
 | | | | |
 | | | |
 | | | | |
 | | | | |
| पढ़ तथा अन्य थवत भूमि "वित्यान सूच्य पण पण हो। तथा वित्य प्रकार अभित किया गण्या । प्राथित क्षित | गृह तथा अन्य थवन भूमी "वर्तना मूल्य के मूल भूमी के क्षित के मूल मूल भूमी के क्षित के मूल के मूल भूमी के क्षित के मूल के मूल भूमी के क्षित के मूल के मूल | गृह तथा अन्य थवन भूमी "वर्तना मूल पर स्था है को दिसके मान "वर्ता, प्रद्रा, भंभक, किया ग्रम किया मूल पर भारत है जो उसका मान किया है को उसका मान किया किया है मान किया किया किया किया किया किया किया किया | गृह तथा अन्य थवन भूमि के व्हां हैं कर्म के ना अप ने हों जो उस किस प्रकार अग्रेस किया ग्राम कर्मात के व्हां जा अप कर्म कर्म कर्म कर्म कर्म कर्म कर्म कर्म | प्रह तथा अन्य प्रवास मार्ग व्यक्तिया प्रवास कर्मा अप व हो जो जिस्सी प्रवास अभित किया प्रवास प्रवास अभित किया प्रवास व विकास प्रवास अभित क्रिक्स प्रवास अभित क्रिक्स प्रवास व विकास प्रवास कर्म क्रिक्स प्रवास क्रिक्स प्रवास कर्म क्रिक्स प्रवास कर्म क्रिक्स क्रिक्स प्रवास व व व व व व व व व व व व व व व व व व | गृह तथा अन्य पवन भूमि "प्रदेशना मूच्य प्रदेश हैं जिस के नाम अन्य देश तो उस किस प्रकार अंतर किया ग्राम विकार विकार के नाम अन्य पवन भूमि "प्रदेशना मूच्य प्रदेश हैं की र उसके में हैं व्याप के नाम किस को वार्षिक आयो जात के ने की वार्षिक आयो वार्षिक आयो जात के ने की वार्षिक आयो वार्षिक आयो जात के ने की वार्षिक आयो वार्षिक आयो का नाम के नाम | पढ़ तथा अन्य थला भूमि ""तर्तमात मूच्च पण्ड का का करने किस अमार अभित किसा ग्रामा
पण्ड तथा अन्य थलन भूमि ""तर्तमात मूच्च पण्ड का किस के विद्या के विद्या का
 | पढ़ तथा अन्य थवन भूमि "वित्तान सूच्य पर स्था के वाच अर व हा वित्तान अपन का नाम तथा ज्ञान कि वाच अपन प्रमास के व्याप के व्याप के वित्यान के वित | पढ़ तथा के मान तथा क्यांत । व्यांत स्था के जाम आप की तो हैं की ता कि का किस्से जाम "खरीद पट्टा बंधक विपासता "खरीद पट्टा बंधक विपासता विपासता के व्यांत पट्टा बंधक विपासता के व्यांत के विपासता के व्यांत के विपासता के विपा | पढ़ दबय के ना गंग क्या क्यांत व्याद हवत के मुद्र हो हो हो हवत | पढ़ तथा के मान तथा क्यांत । व्यांत क्ष्म क्यांत व्यांत क्ष्म क्यांत व्यांत क्षम क्यांत क्ष्म क्यांत क्ष्म क्यांत क्ष्म क्यांत क्ष्म क्यांत क्षम क्यांत क्ष्म क्यांत क्ष्म क्यांत क्ष्म क्यांत क्ष्म क्यांत क्षम क्षांत क्षम क्यांत क्यांत क्यांत क्यांत क्यांत क्यांत क्यांत क्षम क्यांत क्यांत्र क्यांत क्यांत्र क्यांत क्यांत क्यांत क्यांत क्यांत क्यांत क्यांत क्यांत क्यांत | पुर स्वयं के नाम तथा जार विकास मिला है जो स्वयं प्रकार में के किस मिला है जो स्वयं प्रकार में के किस मिला है जो स्वयं प्रकार में के किस मिला है जो स्वयं के किस मिला है जो स्वयं के किस मिला मिला मिला है जो स्वयं के किस मिला में के किस मिला मिला मिला मिला मिला मिला मिला मिला | भाग के जान तभा ज्यार
बतत्ताद्वर्य कि नह किसके नाम ""बत्त्र प्रक्ष्य विद्या बच्च विद्या बच्च विद्या क्ष्य विद्या विद्या बच्च किसी प्रकार से सम्मति से सम्मति से सम्मति से सम्मति से सम्मति से तथा अर्जन की तार्य और जिससे वार्षिक आय्
स्पार्सकीय कर्मचारी से तथा अर्जन की तार्य और जिससे वार्षिक आय्
स्पार्सकीय कर्मचारी से अर्जन की तार्य और जिससे वार्षिक आय्
स्पार्सकीय कर्मचारी से अर्जन की तार्य अर्गित का नाम वार्षिक आय् | पार का जान तथा ज्यार
बतत्ताइये कि बहु किसके नाम """बतिमान मूल्य पर भारित है और उसका मेंट या ज्यन्य किसी प्रकार से सम्मति से आय
शासकीय कर्मचारी से तथा अर्जन की तारीख और जिससे बार्षिक आय
स्मा संबंध है अंजित की गई हो उसका नाम
(2) (3) (4) (5) (7)
 | साथ का जान तथा क्यांता वर्ष किया के जान पर न हा ता उसी किया के जान पर न हा ता उसी किया के जान पर के जान पर का जान क्यांता के जार का जान किया के जान का जान किया के जान का जान किया का जान किया का जान किया का जान जान का जान का जान जान का जान जान जान जान जान जान जान जान जान जा | साथ का जान तथा क्यांत । स्था के जान पर न हा ता उस किसा प्रकार का जान तथा के जान पर न हा ता उस किसा प्रकार के विरासत । सम्मित के जान पर का का जान जान जान जान जान जान जान जान जान जा | साथ का जात क्या ज्या क्या जात क्या का जात कर किस अकार का जात कर किस अकार का जात कर किस अकार का जात कर किस का जात कर किस का जात का किस का जात का का जात का का जात का का का जात जात जात जात जात जात जात जात जात जा | भारत का जान तथा ज्याद
बतत्ताहर्य कि सह किसके नाम ""बर्गन, बपक, विरासत
गृह तथा अन्य किसी प्रकार से सम्मासि से
शासकीय कर्मचारी से तथा अर्जन की तारीख और जिससे
स्मासकीय कर्मचारी से तथा अर्जन की तारीख और जिससे
स्मासकीय कर्मचारी से तथा अर्जन की तारीख और जिससे
समासकीय कर्मचारी से तथा अर्जन की तारीख और जिससे
समासकीय कर्मचारी से तथा अर्जन की तारीख और जिससे आयो | साथ का जान तथा क्यांत क्यांत तथा का जान प्राप्त के जाम पर न हा तो उस किसा प्रकार क्यांत किसा गाना विरासत विरासत विरासत कराना महिन्द पर जा करना किसी प्रकार से सम्मति से तथा क्यांत की तारीख और जिस्सी का वार्षिक आप स्मार्स के में जारीख और जिस्सी का वार्षिक आप स्मार्स के में जारीख और जिस्सी मान का वार्षिक आप स्मार्स के से जारीख और जिस्सी से वार्षिक आप स्मार्स के से जारीख और जिस्सी से वार्षिक आप स्मार्स के से जारीख और जिस्सी से वार्षिक आप स्मार्स के से जारीख और जिस्सी से वार्षिक आप स्मार्स के से जारीख और जिस्सी से वार्षिक आप स्मार्स के से जारीख की गाई हो वसका नाम का स्मार्थ के स्मार्थ के से वार्षिक आप से का से का स्मार्थ के से का स्मार्थ के से का स्मार्थ के से का स्मार्थ के से का | साथ का जान तथा क्यां का जान तथा का जान पर ज हा तो उस किसा प्रकार का जान तथा का जान तथा का जान का जान तथा जान तथा का जान तथा का जान तथा का जान तथा का जान तथा जान तथा का जान तथा का जान तथा का जान तथा जान तथा जान तथा जान तथा जा जान तथा | साथ का जान तथा क्यांता स्था के जान पर के जान पर ने हां तो इस फिक्स क्यांता के जान पर के जान पर ने हां तो इस किस फिक्स किया के किस के जान कर किस के जान कर किस के जान कर का जान किसी फ्रकार से सम्मानि से सम्मानि के जान कर का जान कर कर का जान कर का जान कर | साथ का जान तथा क्यांत । क्यांत किया का जान प्राप्त के जान का जान जान का जान का जान जान जान जान जान जान जान जान जान जा | पार स्थाप के जान प्रथा क्यां जात स्थाप के जाम पर न हा ता उस किसा प्रकार आंजेत किसा गाना बतत्ताहरों किसके जाम किसा प्रथाति है कीर उसका मेंट या उसन्य किसी प्रकार से सम्मति से शासकीय कर्मचारी से जाया अर्जन की तारीख और जिससे वार्षिक आंग्र मिना संबंध है अर्जन की तारीख और जिससे वार्षिक आंग्र मिना संबंध है अर्जन की तारीख और जिससे वार्षिक आंग्र मिना संबंध है अर्जन की तारीख और जिससे वार्षिक आंग्र स्था संबंध है अर्जन की तार्षिक आंग्र विकास नाम स्था संबंध है (३) (६) (८) | पार स्वयं के जाम पर जहां तो उस किसा प्रकार आजेत किसा गया
बतत्ताहर्य किसहें किसके जाम
गृह तथा अन्य भवन भूमि "कितमान मूल्य पर भारित हैं और उसका मेंट या अन्य किसी प्रकार से सम्मित्त में
शासकीय कर्मचारी से जिया अर्जन की तारीख और जिससे वार्षिक आय्
स्मा संबंध हैं अधित की गई हो उसका नाम
स्मा संबंध हैं अधित की गई हो उसका नाम
(2) (4) (5) (7) | सामा का जान तथा ज्यार
बतत्ताइये कि वह किसके नाम ""व्योग ""वर्तमान मूल्य पर भारित है और उसका मेंट या अन्य किसी प्रकार से सम्मिसे अभ
शासकीय कर्मचारी से तथा अर्जन की तारीख और जिससे आय
स्मासकीय कर्मचारी से तथा अर्जन की तारीख और जिससे बार्षिक आय
स्मासकीय क्रमचारी से तथा अर्जन की तारीख और जिससे
 | भाग का जान तथा ज्याद
बतत्ताहरों कि वह किसके नाम ""खरीद, पट्टा, बंधक, विरासत
मृह तथा अन्य भवन भूमि "वर्तमान मृत्य पर भारित है और उसका भेट या अन्य किसी प्रकार से सम्मान्ति स
शासकीय कर्मचारी से तथा अर्जन की तारीख और जिससे
स्मार संबंध है अजिंत की गई हो बसका नाम | संभाग का नाम प्राप्त क्यां नेता है ते किसके जाम पर ने हां तो है हो किस प्रकार आजेत किया है। किस जाया का नाम किया है। किस जाया किया है। किस किया किया किया किया किया किया किया किया | संभाग का जात क्या क्या का जात कर किया के त्या कर किया के क्या के क्या का जात कर किया के क्या के किया किया के | संभाग का जान तथा च्यार
बतत्ताइये कि वह किसके नाम ""बतिमान मूल्य पर भारित है और उसका मेंट या अन्य किसी प्रकार से सम्मति से
शासकीय कर्मचारी से तथा अर्जन की तारीख और जिससे आय
सासकीय कर्मचारी से तथा अर्जन की तारीख और जिससे बार्षिक आय
स्मा संबंध है अंजित की गई हो बसका नाम | सामाय का जान तथा क्यांत्र
बतत्ताइये कि यह किसके नाम """व्याद्ध प्रदूध, बंधक, विरासत,
गृह तथा अन्य भवन भूमि ""वर्तमान मूल्य पर भारित है. और उसका मेंट या अन्य किसी प्रकार से सम्मासि से
शासकीय कर्मचारी से तथा अर्जन की तारीख और जिससे व्यासिक आय
स्मान्सक्ष है अर्जित की गई हो उसका नाम | माण का जान तथा क्यांत किया पर न हा ता उस किया प्रकार आजेत किया तथा के जाम पर न हा ता उस किया पर प्रदेश, बंधक, विरासत, मिली के किसके नाम """वर्तमान मृत्य पर प्राप्तित हैं और उसका मेंट या जन्म किसी प्रकार से सम्मात्ति से आया सासकीय कर्मचारी से जमा अर्जन की तारीख और जिससे व्यासिक आया समा संबंध हैं अपित की नाई हो उसका नाम तथा संबंध हैं अपित की नाई हो उसका नाम तथा संबंध हैं
 | साथ का जान तथा क्यांता । अपने किया का जान प्राप्त के जान पर न हा ता उस किस प्रकार आजेत किया जाना । अपने का जान प्राप्त के जान पर का जान किस के जान किस का जान किसी प्रकार से सम्मानि से अपने जाय अपने की तारों को वसका नाम समानि से स्था स्थे हैं अपने की तारों को वसका नाम समानि से स्था स्थे हैं अपने तथा स्था तथा स्था है | पाद स्थय के नाम पर न हा तो उस किसा गया
बतत्ताहरों किसके नाम """बतीमान मूल्य पर शारित है और उसका भेट या उसन्य किसी प्रकार से सम्मति से
शासकीय कर्मचारी से तथा अर्जन की तारिख और जिसके आय्
स्था संबंध है अर्जित की गई हो उसका नाम | सम्भाग का मान तथा क्यांत्र
बतत्ताइये कि वह किसके नाम """बतीन मूल्य पर भारित है और उसका मेंट या अन्य किसी प्रकार से सम्मति से अन
शासकीय कर्मचारी से तथा अर्जन की तारीख और जिससे आय
स्मासकीय कर्मचारी से तथा अर्जन की तारीख और जिससे आय | पार स्थाप का जान तथा क्यांता करी किया है किसके जान """खरीद, प्रदूरा, बंधक, विरासत, प्राप्त है जीर उसके जान """खरीप प्रदूरा, बंधक, विरासत, प्राप्त है जीर उसका मेंद्र या जन्म किसी प्रकार से सम्मात्ति से आय सासकीय कर्मचारी से जमा अर्जन की तारीख और जिससे व्यासिक आय | साथ का जान तथा क्यांत्र
बतत्ताहर्य कि सह किसके नाम """बतीय, मुट्टा, बंधक, विरासत,
गृह तथा अन्य भवन भूमि ""वर्तमान मृत्य पर भारत है और उसका भेट या अन्य किसी प्रकार से सम्मान्ति स
शासकीय कर्मचारी से तथा अर्जन की तार्षिक और जिससे वार्षिक आय
 | संभाग का नाम प्राप्त का नाम प्राप्त के नाम प्राप्त का नाम प्राप्त का नाम प्राप्त का नाम प्राप्त का नाम का | संभाग का जान तथा क्यांत्र
बतत्ताइये कि बढ़ किसके नाम """बतितान मूल्य पर भारित है और उसका भेट या अन्य किसी प्रकार से सम्मति से
गृह तथा अन्य भवन भूमि ""मतिनान मूल्य पर भारित है और उसका भेट या अन्य किसी प्रकार से सम्मति से
शासकीय कर्मचारी से तथा अर्जन की तारीख और जिससे वार्षिक आय | पार स्वयं के जाम पर ज हा तो जस कि मा मान काला के काला कर कि मान काला के काला के कि कि को मान काला के काला का काला के काला का का काला का काला का काला का काला का काला का | ताना का नाम तथा क्यांत्र
बतलाइये कि खंड किसके नाम ""खरीद, पट्टा, बंभक, विरासत
गृह तथा अन्य भवन भूमि ""वर्तमान मूल्य पर भारित है और उसका भेट या अन्य किसी प्रकार से सम्मत्ति से
शासकीय कर्मचारी से तथा अर्जन की तारीख और जिससे बाविक आय | | |
 | | | |
 | | | | |
 | | | | |
 | |
| पढ़ तथा अन्य थवा । वह किस्में न्या । वह वह किस्में न्या । वह वह किस्में न्या । वह | पढ़ तथा अन्य पथन भूमि "बर्बनाम मूल्य पर्पाहत है और उसके मान ""विद्राह क्षिम्म गुन्म प्राप्त है और उसके मान में इसमित प्रेम मान पर्पाहत है और उसके मान में इसमित प्रेम मान मान पर्पाहत है और उसके मान में इसमित प्रेम मान मान मान मान मान मान मान मान मान मा | पढ़ तथा अन्य पथन भूमि "वर्तमा मृत्य पर भारत है और उसत मार अन्य किया गुम पर पर पर भारत है और उसत मार अन्य किया मुक्स मार अन्य किया मुक्स मार अन्य किया मुक्स मार अन्य किया मुक्स मार अन्य किया मार अन्य मार अन्य किया किया किया किया किया किया किया किय | गृह तथा अन्य थवन भूमि "वर्तमा मूच्य पर भारत है जो उस क्या अन्य क्या ग्राम अन्य अन्य क्या ग्राम अन्य अन्य क्या ग्राम अन्य अन्य क्या क्या क्या क्या क्या क्या क्या क् | पढ़ तथा अन्य भवन भूमि "वर्तमा मूच्य पर्ण भारत है औ देश किस मुक्त (अज़ किसा गुम प्राप्त कर्ना क्ष्म मुक्त (अज़ क्षित क्षम गुम क्षम मुक्त कर्म क्षम मुक्त (अज़ क्षम गुम क्षम मुक्त कर्म मुक्त करमा मुक्त करम | गृह तथा अन्य भवन भूमि "वर्तमा मूल्य पर वह वी दर्श क्या मूल्य ग्राम मूल्य पर वह वी दर्श क्या मूल्य ग्राम मूल्य पर थारित है की रिक्रम में स्वाप क्या कियों प्रकार में मूल्य है की प्रकार के मूल्य क्या कियों के अप मूल्य में स्वाप क्या कियों के अप मूल्य में मूल्य क्या किया मूल्य मूल्य क्या क्या किया के मूल्य मूल्य क्या क्या किया क्या किया मूल्य मूल्य क्या क्या क्या किया क्या किया मूल्य क्या क्या क्या क्या क्या क्या क्या क्
 | पढ़ि तथा अन्य प्रवा भी "तत्मान मूच्य प्रवा है। विकास आहि तथा है। विकास अन्य प्रवा प्रवा विकास अन्य प्रवा प्रवा विकास अन्य प्रवा विकास अन्य प्रवा विकास अन्य विकास अन | पढ़ तथा अन्य थवन भूमि "कर्तमान मूच्य पण में हा किस्में नम्म "कर्तमान मूच्य पण भी कहा किसमें नम्म "कर्तमान मूच्य पण भी कहा किसमें नम्म में दिया अन्य किसी किस में निर्माण के मार्थन के गाँउव और लिस में नाम अन्य की गाँउव और लिस में नाम किस में नाम अन्य की गाँउव और लिस में नाम का मिक आप अन्य की गाँउव और लिस में नाम का मिक आप अन्य की गाँउव और लिस में नाम का मिक आप अन्य की गाँउव और लिस में नाम का मिक आप अन्य की गाँउव और लिस में नाम का मिक आप अन्य में नाम का मिक अन्य में नाम में नाम का मिक अन्य में नाम का में नाम का मिक अन्य में नाम का मिक अन्य में नाम का मिक अन्य में नाम का में नाम का मिक अन्य में नाम का में नाम का में नाम का मिल अन्य में नाम का में नाम म | गृह तथा अन्य पवन भूमि "विकास मिन्य प्राप्त हैं की हैं कि है कि हैं कि है कि हैं कि है कि हैं कि है कि हैं कि है कि हैं क | पढ़ तथा अन्य भवत भूमि "व्हार्वमान मृत्य पर मार्ग हो तो वह मार्ग हो तथा अन्य भवत भूमि "विद्यान पर मार्ग हो तथा अन्य भवत भूमि "विद्यान मृत्य पर मार्ग हो तथा अन्य भवत हो तथा अन्य भवत मार्ग हो तथा अन्य भवत मार्ग हो तथा अन्य मार्ग हो तथा हो | पढ़ तथा अन्य प्रवा भार प्रव भार प्रवा भार प्रव भार प्रवा भार प्रव भार प्य भार प्रव | गृह तथा अन्य थवन भूमि ""वर्तमान मृत्य प्राप्त है और उसके नाम "क्वांत, यूद्धा, बाक्क, विरामत, मृत्य प्राप्त है और उसके नाम "क्वांत, यूद्धा, बाक्क, विरामत, मृत्य प्राप्त है और उसके प्राप्त से मृत्य प्राप्त है और उसके प्राप्त से मृत्य प्राप्त है और उसके प्राप्त से मृत्य प्राप्त है अपने मृत्य है अपने मृत्य है अपने मृत्य प्राप्त है अपने मृत्य प्राप्त है अपने मृत्य प्राप्त है अपने मृत्य मृत्य मृत्य प्राप्त है अपने मृत्य मृत | बत्ताहरी कि सह जात अपर न हा ता उस किस प्रकार कार्यात | प्राप्त कर्म करन भूमि "कर्तमान मूल्य पर भारत हैं और उसका भेट या उसन्य किसी प्रकार से सम्मति से सम्मति से सम्मति से सम्मति से निर्माण कर्म करने की वार्ष कर्म करने की वार्ष करने की वार्ष करने की वार्ष करने का वार्ष करने करने की वार्ष करने करने करने करने करने करने करने करने | बार क्या के मान मान क्या कर का त्या कर का कर किस के नाम भार न हा ता उस किस मिन किस | प्रकार का जात प्रमान ज्ञात है जिस्से के नाम भर न है। ता उस किस प्रकार का क्या के किस के नाम किस प्रकार महत्व में किस के नाम किस के किस के नाम किस के नाम किस के नाम किस के नाम किस जाय के मंजार के नाम के ना | पार क्या कर तथा कर तथा है। ता उस किस प्रकार कार कर तथा है। वा उस कर तथा कर
 | बार क्या का जात कर किस के जान पर न हा ता उस किस प्रकार का | पड़ स्वप के जान पर न हा तो उस किस प्रकार काला क्या कर किस प्रकार काला कर कर काला कर कर काला का काला कर काला कर कर काला का | पार स्वपंक जान भार काला है। ता उस किस प्रकार काला क्या कर काला है। वा उस किस प्रकार काला क्या काला है। वा उस किस के जान भी काला के सम्मासि से अप्रकार के वास काला काला काला काला काला काला काला का | पट स्वप के जान पर ने हा वा उस किस प्रकार कारणाता. बतलाइये किसके जान ""विकार किसके जान "" "विकार के सम्मान समान सम्मान समान समान समान समान समान समान समान स | बार क्या मान मान क्या कर क्या कर किस के नाम भर न हा ता उस किस मान कर क्या क्या क्या क्या क्या क्या क्या क्या | गृह तथा अन्य भाव भाव भाव भाव भाव कर किस अन्य का नाम भाव कर
 | गृह तथा अन्य भवन भूमि "वित्मान मूल्य पर भारित है और उसका भेट या उन्म किसी प्रकार से सम्मति से आपि अभिक्र भवन भूमि "वित्मान मूल्य पर भारित है और उसका भेट या उन्म किसी प्रकार से सम्मति से शासकीय कर्मचारी से तथा अर्जन की तारिख और जिससे वार्षिक आप् स्मार स्मार संबंध है अर्जित की गाँह हो उसका नाम स्मार संबंध है अर्जित की गाँह हो उसका नाम तथा संबंध है अर्जन की तारिख और जिससे वार्षिक आप् स्मार संबंध है अर्जन की तारिख और जिससे वार्षिक आप | गृह तथा अन्य भवन भूमि "कैतमान मूल्य पर भारत है और उसका भेट या अन्य किया है सम्मित्र अभिक्र किया अन्य भवन भूमि "कैतमान मूल्य पर भारित है और उसका भेट या अन्य किसी प्रकार से सम्मित्र से सामित्र आय शासकीय कर्मचारी से तथा अर्जन की तारीख और जिससे वार्षिक आय समामित्र से समामित्र से सामिक आय शासकीय कर्मचारी से तथा अर्जन की तारीख और जिससे वार्षिक आय समामित्र से समामित्र से समामित्र से समामित्र से समामित्र से तथा संबंध है अर्जित की गई हो उसका नाम तथा संबंध है अर्जित की गई हो उसका नाम तथा संबंध है (८) | गार करा जाता है। तो उस किस प्रकार कारणाहरी कि तह किस के नाम "" "बर्गित क्षिक विष्क विष्क विष्क कार्य करायां से सम्मान्ति के मार कार्य कार | भारता कर्मा मान प्राप्त कर्मा करा कर्मा करा कर्मा करा करा कर्मा करा करा करम | मार का जात क्या जात । जात कर किया के जात कर किया के किया के जात कर किया के किया किया किया किया किया किया किया किया | गार का जात क्या करा क्या जात
बतताइये कि वह किसके नाम ""ब्बरीट, पट्टा, बंधक, विरासत,
गृह तथा अन्य भवन भूमि "कितमान मूल्य पर भारित है और उसका मेंट या अन्य किसी प्रकार से सम्मासि से
शासकीय कर्मवारी से तथा अर्जन की तारीख और जिससे बार्षिक आय
स्मा संबंध है अर्जित की गई हो उसका नाम | गार का जात कर्यां कर किया है। ता उस किया है। ता उस किया कर किया के किया किया के किया के किया किया किया किया के किया किया किया किया किया किया किया किया | पार स्था के ताम पर न हा ता उस किस प्रकार काला क्या कर
 | पार स्वयं के ताम पर न है। तो उस किस प्रकार कारणाता. बतत्वाहर्य किसके नाम """वर्षाता है किसके नाम """वर्षात से सम्मास साम सम्भा से सम्मास साम सम्भा से सम्मास साम सम्भा से सम्मास समा सम्भा है अभित की गई हो वसका नाम | गार का जात क्या जात । जात कर किया के जात कर किया के जात कर किया के जात कर किया के जात कर | गार का जात क्या जात कर किया के जात पर न हा ता उस किया के क्या कर किया के क्या किया के किया किया किया किया किया किया किया किया | गार का जात क्या करा जाता है। वा उस किस प्रकार आज़त क्या क्या क्या क्या क्या क्या क्या क्या | गार का जाता है। ता उस किस प्रकार का जाता
बतलाइये कि सह किसके जान ""विकार के सम्मान में जान किसी प्रकार से सम्मान का
गृह तथा अन्य भवन भूमि "विवास मृत्य पर भारत है और उसका मेंट या अन्य किसी प्रकार से सम्मान का
शासकीय कर्मचारी से जया अर्जन की तारोख और जिससे कार्यिक आय
 | गार का जात कर्मा करा करा करा करा करा करा करा करा करा कर | करना करा जान तथा ज्यात करा करा कर किस के जान पर न हा ता उस किस प्रकार आजत करा गया
बतत्ताहरों किस के तथा जन्म करा | गृह तथा अन्य भवन भूमि "वित्तान मूल्य पर भारित हैं और उसका मेंट या अन्य किसी प्रकार से सम्मासि से अम | पार स्वप के जाम भर न हा ता उस किस प्रकार काला का का का का का जाया. बतलाइये कि सह किसके जाम """बर्जात प्रकार के कार्यात का का जाता का का कार्यात का का कार्यात का कार्यात का कार्यात क | | |
 | | | |
 | | | | |
 | | | | |
 | |
| पह तथा अन्य थवन भूमि ""ततमान मूच्य प्राथ है। विकास निवास अवार आवार विकास गर्म प्राप्त कर विकास निवास | पुढ़ तथा अन्य थवन भूमि "वर्तना मूल्य पूर्व भारत हैं और उसका में ""वर्तना मूल्य पूर्व भारत हैं और उसका में ""वर्तना मूल्य पूर्व भारत हैं और उसका में में दूर या ज्यान किसी प्रकार में सम्माध से समाध से सम्माध से सम्माध से सम्माध से सम्माध से समाध से सम्माध से समाध समाध से समाध से समाध सम | पूर क्यां अन्य थवन भूमि "वर्तना मूल्ल पर भारत है और उसका में ""वर्तना मूल्ल पर भारत है और उसका में ""वर्तना मूल्ल पर भारत है और उसका में "इंग्रेस में में हैं उसका में में इंग्रेस काम में स्मापि से जातकाय किया है और उसका में स्मापि से व्याप्तिक क्षेत्र अन्य किया है जार करने की तार्तिक आव वासिक आव अपने की तार्तिक आव वासिक आव अपने की तार्तिक आव काम में से अपने काम सिर्दिक काम मूल्य काम मूल्य काम मुख्य काम | पृष्ठ तथा अन्य थवन भूमि "वर्तना मृत्य प्रभात है और उसका में ""वर्तना गुम्य वर्तना मृत्य प्रभात है और उसका में ""वर्तना मृत्य प्रभात है और उसका में " "वर्तना मृत्य प्रभात है और उसका में | पढ़ तथा अन्य भवन भूमि "वर्तमा मूच्य पर्ण भारत है और उसका मूच्य क्रिया अन्य किया अन्य किया क्रिया मूच्य पर्ण भारत है और अपन्य भारत क्रिया क्रिया मूच्य क्रिया क्रिया मूच्य क्रिया क्रिया मूच्य क्रियाया आप | गुह तथा अन्य पथन भूमि "वर्तमान मूल्य प्राप्त है और गुरू जान (अप क्षित मूल्य) व्याप्त मुल्य प्राप्त है और जिल्ला "वर्तमान मूल्य प्राप्त है और जरका महिन्दी होता है जिल्ला मान महिन्दी है जिल्ला मान मान महिन्दी है जिल्ला मान महिन्दी है जिल्ला मान महिन्दी है जिल्ला मान मान मान मान मान मान मान मान मान मा | गृह तथा अन्य भवन भूमि "व्यतमा मूच्य प्राप्त के व्यवस्था निक्क मिन्दा निक्क अवस्था निक्क मिन्दा मुन्दा मिन्दा निक्क मिन्दा मिन्दा निक्क मिन्दा मिनदा मिन्दा मिनदा मिनद | अह वाषा अन्य थवन भूमि ""ततमान मूच्य प्रथा है हहा किस के नाम "चित्राम मूच्य प्रथा है हहा किस के नाम "चित्राम मूच्य प्रथा है हहा किस के नाम के | गृह तथा क्रम्प्य प्राप्त क्रिक्स मान मान क्रम्प्य प्राप्त क्रिक्स मान मान क्रम्प्य प्राप्त क्रम्प्य क्रम्प्य क्रम्प्य प्राप्त क्रम्प्य क्रम्य क्रम्प्य क्रम्य क्रम्प्य क्रम्य क्रम्प्य क्रम्प्य क्रम्प्य क्रम्प्य क्रम्प्य क्रम्प्य क्रम्प्य क्रम्प्य | पढ़ तथा अन्य थवन भूमि "चर्तमा मृत्य पर भारित है जो है किस्ते मान में द जा जात करने की जारित और किस्ते मान मिन्द पर भारित है जो उस्ते की जारित और किस्से व्यक्ति मान मिन्द पर भारित और जारित और किस्से व्यक्ति आप अपने की जारित और किस्से व्यक्ति आप अपने किस्ते आप अपने किस्ते भी गई हो वसका गान किस्से | पढ़ तथा अंतर पदन में मिल के प्रिक्त के नाम अंतर हो तत्त्र के क्षित हो कि के कि | गृह तथा अन्य प्रवत भूमि ""वर्तमान मृत्य पर्य होता उस क्या क्या तथा तथा । "वर्ताद्व प्रवास क्या क्या विकास मृत्य पर्य होता है की क्या क्या क्या क्या क्या क्या क्या क्या
 | बत्ताहर्ष कि सह जान प्राप्त के नाम प्राप्त के साम क्रिक्श कि सिक्स के नाम क्रिक्श के सिक्स के सिक्स कि सिक्स कि सिक्स के सिक्स क | ्राह तथा अन्य भवन भूमि "वर्तमान मूल्य पर भारित है और उसका मेंट या उन्म किसी प्रकार से सम्मति से सम्मति से सम्मति से सम्मति से तथा अर्जन की तारीख और जिस्सी में वार्षिक आप्र भारित की वर्षिक की वर्षिक सम्मति से सम्मति से सम्मति से सम्मति से सम्मति से सम्मति से तथा अर्जन की तारीख और जिस्सी मान स्पार्थिक से नाम स्पार्थिक है अर्जित की गई हो उसका नाम तथा संबंध है अर्जन की तार्थि और जिस्सी मान सम्मति से स्पार्थिक से अर्जन की तार्थि और जिस्सी समिक आप्र स्पार्थिक से अर्जन की तार्थिक आप्र समिक आप्र समिक आप्र स्पार्थिक से अर्जन की तार्थिक आप्र समिक आप्र स्पार्थिक से समिक स्पार्थिक से अर्थन की तार्थिक आप्र समिक आप्र स्पार्थिक से समिक स्पार्थिक से समिक स्पार्थिक से समिक समिक स्पार्थिक से समिक स्पार्थिक से समिक स्पार्थिक से समिक समिक से समिक समिक स्पार्थिक से समिक समिक समिक स्पार्थिक से समिक समिक समिक समिक समिक समिक समिक समिक | बार क्या के तान प्राप्त के तान के | गृह तथा अन्य भवन भूमि "वर्तमान मूल्य पर भारित है और उसका मेट या अन्य किसी प्रकार से सम्मति से आपि अभिक्र आपि अभिक्र भाष भारित है और उसका मेट या अन्य किसी प्रकार से सम्मति से सामिक आप्र भारित की ग्रांत को ग्रांत के आपित को ग्रांत के आपित को ग्रांत के अपित को ग्रांत को ग्रांत को ग्रांत के आपित को ग्रांत के श्रांत को ग्रांत के आपित को ग्रांत के श्रांत को ग्रांत के श्रांत को ग्रांत के श्रांत के श | बत्ता कर किस अवार क्या कर | बार क्या के तान प्राप्त के तान के ता | गृह तथा अन्य भवन भूमि "वर्तमान मूल्य पर भारित है और उसका मेंट या अन्य किसी प्रकार से सम्मति से आपित है और उसका मेंट या अन्य किसी प्रकार से सम्मति से शासकीय कर्मआये ने तथा अर्जन की तार्रिक और जिसका नाम स्थार संबंध है अधित की गहे हो उसका नाम तथा संबंध है अधित की गहे हो उसका नाम तथा स्थंध है अधित की गहे हो उसका नाम तथा स्थंध है अधित की गहे हो उसका नाम तथा स्थंध है अधित की गहे हो उसका नाम तथा स्थंध है अधित की गहे हो उसका नाम तथा स्थंध है अधित की गहे हो उसका नाम तथा स्थंध है अधित की गहे हो उसका नाम तथा स्थंध है अधित की गहे हो उसका नाम तथा स्थंध है अधित की गहे हो उसका नाम तथा स्थंध है अधित की गहे हो उसका नाम तथा स्थंध है अधित की गहे हो उसका नाम तथा स्थंध है अधित की गहे हो अधित की गहे हैं अधित की गहे हो अधित की गहे हो अधित की गहे हैं | बार स्था के त्राप्त के त्र के त्राप्त के त्र के त्र के त्र त्र के त्र | गृह तथा अन्य भवन भूमि "वर्तमान मूल्य पर भारित है और उसका मेंद्र या अन्य किसी प्रकार से सम्मासि से अभ
गृह तथा अन्य भवन भूमि "वर्तमान मूल्य पर भारित है और उसका मेंद्र या अन्य किसी प्रकार से सम्मासि से अभ
सासकीय अनंवारी से तथा अर्जन की तारीख और जिससे बार्षिक आय
स्या संबंध है अजिंत की गाई हो उसका नाम
(2) (3) (4) (5) (7) | बार क्या कर
 | बार स्था के तान प्राप्त के तान के ता | गृह तथा अन्य भवन भूमि "वित्रान मूल्य पर भारित है और उसका मेंट या उस किसी प्रकार से सम्मति से आपित है और उसका मेंट या उसन्य किसी प्रकार से सम्मति से शासकीय कर्मचारी से तथा अर्जन की वारिव और जिसके आप्र
स्थासकीय कर्मचारी से तथा अर्जन की वारिव और जिसके आप्र
स्था संबंध है अर्जन की वारिव और जिसके आप्र
स्था संबंध है अर्जन की वारिव और जिसके आप्र
(2) (4) (5) (7) | गृह तथा अन्य भवन भूमि "कैतमान मूल्य पर भारित हैं और उसका मेंट या अन्य किसी प्रकार से सम्मित्त अन्य स्थापित हैं और उसका मेंट या अन्य किसी प्रकार से सम्मित्त अन्य सामिक आय सामिक आय सामिक आय सम्मित्त के तथा अर्जन की तारीख और जिससे वार्षिक आय समामिक समामित्र के अर्जित की गई हो उसका नाम तमा संबंध हैं अर्जन की तारीख और जिससे वार्षिक आय समामिक समामि | गृह तथा अन्य भवन भूमि "वर्तमान मृत्य पर भारत हैं और उसका मेंद्र या अन्य किसी प्रकार से सम्मासिस अभ
शासकीय कर्मचारी से तथा अर्जन की तारीख और जिससे वार्षिक आय
स्या संबंध है अभित की गई हैं उसका नाम | बार स्था के तान पर न हा तो उस किस प्रकार आया करताहरी कि तह किस के नाम """वर्षित पर पर पर भारत है और उसका मेट या अन्य किसी प्रकार से सम्मास सम्मास सम्मास सम्मास कर्म आया सम्मास का तार्रा को वसका नाम तथा संबंध है अधित की गई हो वसका नाम तथा संबंध है | पड स्वपंक जान पर न हा तो उस किस प्रकार काला क्या कर कर कर जान पर न हा तो उस कर कर कर विरासत
मृह तथा अन्य भवन भूमि "वर्तमान मूल्य पर भारित है और उसका भेट या अन्य किसी प्रकार से सम्मति से
शासकीय कर्मचारी से तथा अर्जन की तारीख और जिससे वार्षिक आय
स्मा संबंध है अधित की गई हो उसका नाम | गृह तथा अन्य भवन भूमि "कर्तमान मूल्य पर भारित है और उसका भेट या अन्य किसी प्रकार से सम्मति से आपि शाहित है और उसका भेट या अन्य किसी प्रकार से सम्मति से शाहिक आय
रागसकीय कर्मचारी से तथा अर्जन की तारीख और जिससे बार्षिक आय
 | गृह तथा अन्य भवन भूमि "क्रितमान मूल्य पर भारत है और उसका भेट या अन्य किसी प्रकार से सम्मति से अभ
शासकीय कर्मचारी से तथा अन्य किसी प्रकार से सम्मति से आय
शासकीय कर्मचारी से तथा अर्जन की तारीख और जिससे बार्षिक आय | बार स्था कर कर मान मान कर कर कर मान मान कर कर कर मान | बार स्था कर | गृह तथा अन्य भवन भूमि "वर्तमान मूल्य पर भारित है और उसका भेट या अन्य किसी प्रकार से सम्मत्ति से आसिक आय
शासकीय कर्मचारी से तथा अर्जन की तारीख और जिसके आय | गृह तथा अन्य भवन भूमि "कैतमान मूल्य पर भारत है और उसका भेट या अन्य किसी प्रकार से सम्मति से आपि
शासकीय कर्मचारी से तथा अन्य किसी प्रकार से सम्मति से आय
 | गृह तथा अन्य भवन भूमि "क्वितमान मूल्य पर भारित हैं और उसका मेंट या अन्य किसी प्रकार से सम्मासि से अम | गढ़ तथा अन्य भवन भूमि "वर्षमान मूल्य पर भारत है. और उसका मेंद्र या अन्य किसी प्रकार से सम्मात्ति से आसिकीय कर्मचारी से तथा अर्जन की तारोख और जिससे कार्षिक आय | गृह तथा अन्य भवन भूमि "वर्षमान मूल्य पर भारित है और उसका भेट या अन्य किसी प्रकार से सम्मासि से आसिक आय | गृह तथा अन्य भवन भूमि "वर्तमान मूल्य पर भारित है और उसका मेंट या अन्य किसी प्रकार से सम्मति से आर्थिक आप
शासकीय कर्मचारी से तथा अन्य किसी प्रकार से सम्मति से आराजकीय किमी प्रकार से सम्मति से आप | गृह तथा अन्य भवन भूमि "क्विमान मूल्य पर भारित है. और उसका मेंट या अन्य किसी प्रकार से सम्मासि से आ | ्यांद्र स्त्रपंत का ता वा
 | | | | |
 | | | |
 | | 10 10 10 10 10 10 10 10 | 10 10 10 10 10 10 10 10 | | 10 10 10 10 10 10 10 10
 | | | | 10 10 10 10 10 10 10 10 |
| पह तथा अन्य भवन भूमि "वर्तमान मूल्य पर धारित है और अन्य अन्य भवन भूमि "वर्तमान मूल्य पर धारित है और उसका में भी प्राप्त है और उसका में भी व्याप्त अन्य किसी जेला है महामिस् में माराकीय अन्य भवन हिसी जेला है माराकीय अन्य भवन है भी ज्याप्त अन्य किसी ज्याप्त अन्य किस | गृह तथा अन्य भवन भूमि "वर्तनार मूल्य प्राप्त हैं और उत्यक्त किसके ना ""वर्तन प्रवाद मिल्या में अपन्य मिल्या मिल्या में अपन्य मिल्या मिल्या में अपन्य मिल्या मिल्या मिल्या में अपन्य मिल्या मिल् | पृष्ठ तथा अन्य भवन भूमि "वर्तना मृत्य प्रभाव है और उत्तक्त मिल्क मान ""वर्तना क्ष्मिक मान प्रभाव है और उत्तक्त मान ""वर्तना मृत्य प्रभाव है और उत्तक्त मान अन्य किसी प्रकार में व्याप्तकीय कर्मावारी से जाप अर्थन की वर्रावक मान व्याप्तकीय कर्मावारी से जाप अर्थन की वर्रावक मान व्याप्तकाय के वर्ग कर्मिक आप प्रभाव है और उत्तक मान विवाद कर्मावारी से वर्ग के वर्ग कर्मिक आप मृत्य क्रवाया ज्ञाव का क्ष्मिक मान के कि कर्म कर्म में वर्ग कर्म के वर्ग कर्मावारी स्थित के सन्दर्भ में हामा मृत्य क्रवाया ज्ञाव का क्ष्मिक कर्म में कर कर्म में हाम क्षमिक कर्म में हाम क्षमिक कर्म में हाम कर्म में हाम क्षमिक क | गृह तथा अन्य भवन भूमि "वर्तनान मून्य पर भारत है और उसका में ""वर्तनान मून्य पर भारत है और उसका में ""वर्तनान मून्य पर भारत है और उसका में समाधि में अपन्य किया के माह के उसका मान अपन्य किया के अपन्य किया के अपन्य किया के अपन्य क | गृह तथा अन्य थवन भूमि "वर्तनान मूच्य पर भारत हैं और उत्पन्न किसके नान ""वर्तना प्रमाण का व्याप्त की व्याप्त की का व्याप्त की की का व्याप्त की व्याप्त की व्याप्त का व्याप | गृह तथा अन्य भवन भूमि "वर्तमान मूल्य पर भारत हैं, और उसका निवास क्षित हैं। हैं और उसका में में मानि में अप पर भारत हैं, और उसका में में मानि में अप पर भारत हैं, और उसका में मानि में अप पर भारत हैं, और उसका माने मानि में मानि में | गृह तथा अन्य भवन भूमि "वर्तमान मूल्य पर धारित हैं और उसका निर्मा क्रिक्त विद्या हैं। अप अन्य भवन भूमि में स्वाप्त हैं और उसका मेंद्र पर अन्य किसी प्रकार से सम्मित्र में साराजीय क्रम्पंता है और उसका नान निर्मा क्राय क्रिक्ट आयू समित्र आयोग क्राय | पढ़ तथा अन्य पथन भूमि "वर्तमान मूल्य पर धारित हैं और उत्तक्त में भीत, पट्टा, बंधक, विद्यार में महासी में अप हैं हैं। उत्तक प्रिक्त के महासी में अप हैं हैं। उत्तक प्रिक्त के महासी में अप अप हैं हैं। उत्तक में महासी में अप अप हैं हैं। उत्तक मान ने महासी में अप अप हैं हैं। उत्तक मान ने महासी में अप अप हैं। वर्ष का मान ने महासी में अप अप हैं। वर्ष का मान ने महासी में अप अप हैं। वर्ष का महासी में अप | गृह तथा अंत्रव भवत भूमि "वर्तमात मृत्य पर भारत हैं और उसकी पर मान्य अंतर मिन्न के प्रतास करान भूमि "वर्तमात मृत्य पर भारत हैं और उसकी ना भूत करान भूमि में सम्मित में सारकीय के पर मान्य अंतर मिन्न के प्रतास करान मान व्या संक्षि हैं जिस के प्रतास | गृह तथा क्रम्प्य पथन भूमि के व्यक्तिमा मृत्य पर्यासी कि व्यक्ति मान्य प्रमास क्रम्प्य पथन भूमि के व्यक्तिमा मृत्य पर्यासी के व्यक्ति क्रम्प्य पथन भूमि के व्यक्तिमा मृत्य प्रमासि के व्यक्ति क्रम्प्य पथन भूमि के व्यक्ति क्रम्प्य पथन भूमि के व्यक्ति क्रम्प्य प्रमासि के व्यक्ति क्रम्प्य प्रमासि के व्यक्ति क्रम्प्य प्रमासि के व्यक्ति क्रम्प्य प्रमासि के व्यक्ति क्रम्प्य क्रम्य क्रम्प्य क्रम् | गृह तथा अन्य पवन भूमि "विद्याम कि वह हो होता हुंचा विद्या हुंचा प्रिक्त होता हुंचा विद्या हुंचा | गृह तथा अन्य भवत भूमि "वर्तमार मृत्य प्रथात है और उत्तर क्षांत के क्षांत क्षांत क्षांत क्षांत क्षांत क्षांत क्षांत क्षांत क्षांत के व्याप्त क्षांत क | बत्ताहरी कि यह किसके नाम ***बरीद् पट्टा, बंपक, विरासत, सम्मासि से अभ्याद्ध कि विश्व पट्टा, बंपक, विरासत, सम्मासि से अभ्याद्ध कि तथा अपन्य किसी प्रकार से सम्मासि से अभ्याद्ध कि तथा अपन्य किसी प्रकार से सम्मासि से अभ्याद्ध कि तथा अपने की तारीख और जिससे व्याद्धिक आप्रय समा स्वाप्त के तथा व्याद्ध के अभ्याद्धिक आप्रय तथा व्याद्धिक तथा व्याद्धिक आप्रय तथा व्याद्धिक आप्रय तथा व्याद्धिक आप्रय तथा व्याद्धिक आप्रय तथा व्याद्धिक तथा व्याद्धिक आप्रय तथा व्याद्धिक तथा व्याद्धिक आप्रय तथा व्याद्धिक आप्रय तथा व्याद्धिक आप्रय तथा व्याद्धिक तथा व्याद | ब्रह्म में क्ष्म भवन भूमि ""वर्तमान मूल्य पर भारित हैं और उसका भेट या ज्यन्य किसी प्रकार से सम्मति से आ
शासकीय कर्मचारों से तथा अन्त की तार्ख और जिससे वार्षिक आय्
स्या संबंध हैं अपित की गई हो उसका नाम
स्या संबंध हैं अपित की गई हो उसका नाम
(2) (3) (4) (5) (7)
 | बत्ताहरी किसके नाम ** बर्तमान मृत्य पर भारित है और उसका मेंट या ज्यन्य किसी प्रकार से सम्मात्ति से आधिक आयि कर्मचारी से तथा अर्जन की तारीख और जिस्सी प्रकार से सम्मात्ति से आधिक आयि कर्मचारी से तथा अर्जन की तारीख और जिस्सी प्रकार से सम्मात्ति से आधिक आयि कर्मचारी से तथा अर्जन की तारीख और जिस्सी प्रकार से सम्मात्ति से आधिक आयि कर्मचारी से अर्जन की तारीख और जिस्सी मान समायित से अर्जन की तारीख और जिस्सी से आधिक आयि कर्मचारी से अर्जन की तारीख और जिस्सी से आधिक आयि कर्मचारी से अर्जन की तारीख और जिस्सी मान कर्मचारी से अर्जन की तारीख और जिस्सी मान कर्मचारी से अर्जन की तारीख और जिस्सी प्रकार से अर्जन की तारीख आपित से अर्जन की तारीख आपित से अर्जन की तारीख आपित से अर्जन की तारीख अर्जन से अर्टिय से अर्जन से अर् | बत्ता अन्य भवन भूमि "भवतमान मृत्य पर भारित है और उसका भेट या अन्य किसी प्रकार से सम्मासि से अमारित है और उसका भेट या अन्य किसी प्रकार से सम्मासि से आधिक आधि किसी प्रकार की वार्य केसिक आधि से सम्मासि से अधिक आधिक आधिक आधिक आधिक आधिक आधिक आधिक केसिका नाम ते (३) (४) (१) (१) | ्राष्ट्र तथा अन्य भवन भूमि ""वर्तमान मूल्य पर धारित हैं, और उसका मेंट या अन्य विस्ती प्रकार से सम्मात्ति से आस्माय अन्य विस्ती प्रकार से सम्मात्ति से तथा अज्ञेन की तार्राख और जिससे वार्षिक आय् माम स्मार्थ हैं अभित को गई हो उसका नाम तथा संबंध हैं अल्ला को गई हो उसका नाम तथा संबंध हैं अल्ला को गई हो उसका नाम तथा संबंध हैं अल्ला को गई हो उसका नाम तथा संवंध हैं अल्ला को गई हो उसका नाम तथा संवंध हैं अल्ला को गई हो उसका नाम तथा संवंध हैं अल्ला को गई हो उसका नाम तथा संवंध हैं अल्ला को गई हो उसका नाम तथा संवंध हैं अल्ला को गई हो उसका नाम तथा संवंध हैं अल्ला को गई हो उसका नाम तथा संवंध हैं अल्ला को गई हो उसका नाम तथा संवंध हैं अल्ला को गई हो उसका नाम तथा स्वंध हैं अल्ला को गई हो उसका नाम तथा स्वंध हैं अल्ला को गई हो उसका नाम तथा स्वंध हैं अल्ला को गई हो उसका नाम तथा स्वंध हैं अल्ला को गई हो उसका नाम तथा स्वंध हैं अल्ला को गई हो अल्ला को गई है अल्ला का गई हो अल्ला को गई है अल्ला के लाज है अल्ला को गई है अल्ला के अल्ल | बत्ताहरी कि यह किसके नाम ***बर्तमान मूल्य पर भारित है और उसका मेंट या ज्यन्य किसी प्रकार से सम्मात्ति से आधिक आया सासकीय कर्मचारी से तथा अर्जन की तारीख और जिससे बार्षिक आया स्थार संबंध है अंजिर अर्जन की तारीख और जिससे वार्षिक आया स्थार संबंध है अजिर का योग का प्रवास मान स्थार संबंध है अजिर का योग साम ताम ताम ताम ताम ताम ताम ताम ताम ताम त | बत्ता अन्य भवन भूमि "भवतमान मृत्य पर भारित है और उसका भेट या अन्य किसी प्रकार से सम्मासि से अमारिक कर्माया के नियान मृत्य वितान मृत्य पर भारित है और उसका भेट या अन्य किसी प्रकार से सम्मासि से आधिक आधि कर्माया से अमारिक आधिक आधि कर्माया से अमारिक आधिक आधि कर्माया से अमारिक आधिक आधिक आधिक आधिक आधिक आधिक कर्माया से का क्षिक आधिक आधिक आधिक आधिक आधिक कर्माया से का करिया से का कर्माया से का कर्माया से का कर्माया से का कर्माया से का कराया से का कर | ्राह तथा अन्य भवन भूमि ""वर्तमान मूल्य पर धारित हैं, और उसका मेंट या अपन्य किसी प्रकार से सम्मात्ति से आधिक आय
शासकीय कर्मचारी से तथा अज्ञन की तार्राख और जिससे बाधिक आय
स्या संबंध हैं अजित की गई हो उसका नाम
(2) (3) (4) (5) (6) | बरनाइये किसके नाम ***बर्तमान मूल्य पर धारित है. जीर उसका मेंद्र पाइये, बंधक, विरासत, सम्माति से अभ
गाह तथा अन्य पवन भूमि ***बर्तमान मूल्य पर धारित है. जीर उसका मेंद्र या अन्य विरास सम्माति से अभ
शासकीय कर्मचारी से तथा अर्जन की तारीख और जिससे बार्षिक आय
प्या संबंध है अर्जित की गई हो उसका नाम
तथा व्योरा | बत्ताहरी कि यह किसके नाम ***बर्गास मुम्
बत्ताहरी कि यह किसके नाम ***बर्गास मुम्
सासनीय कर्मचारी से तथा अवन की तारीख और जिससे कार्यिक आय
स्या संबंध है अभित की गई हो बसका नाम
स्या संबंध है अभित की गई हो बसका नाम
(2) (3) (4) (5) (5)
 | ब्रह्म महत्त्र मुम् "म्वर्गमान मृत्य पर भारत है और उसका भेट या अन्य किसी प्रकार से सम्पत्ति से अम्बर्ग मिन्न अभ्याप्ति के मिन्न मिन्न पर भारत है और उसका भेट या अन्य किसी प्रकार से सम्पत्ति से आधिक आय स्था संबंध है अभिया अर्जन की वार्राख और जिससे आयि स्था से सम्पत्ति से अपित की वार्राख और जिससे आयि स्था से सम्पत्ति से अपित की वार्राख और जिससे आयि स्था सिक आय | गृह तथा अन्य भवन भूमि "भवतंमान मूल्य पर भारित है और उसका भेट या अन्य किसी प्रकार से सम्मान्ति से आधिक आधि केमीजारी से तथा अर्जन की तार्रिक आधि सम्मान्ति से सम्मान्ति स | ्राह तथा अन्य भवन भूमि "क्वतमान मृत्य पर भारत है और उसका मेंद्र पर्द्य, बंभक, विरासत, सम्मित्त अभ
गृह तथा अन्य भवन भूमि "क्वतमान मृत्य पर भारत है और उसका मेंद्र या अन्य किसी प्रकार से सम्मित्त अभ
सारकीय कर्मचारी से तथा अर्जन की ताराख और जिससे वार्षिक आय
स्या संबंध है अर्जन की ताराख और जिससे वार्षिक आय | बत्ताहरी कि यह किसके नाम ***बरीद, पट्टा, बंधक, विरासत, सम्माति है और उसका मेंट या अन्य किसी प्रकार से सम्माति से आधिक आय सम्माति से तथा अर्जन की तारोख और जिससे आधिक आय समाति से सम्माति से सम्माति से तथा अर्जन की तारोख और जिससे आधिक आय | बत्ता अन्य भवन भूमि "भवतमान मृत्य पर भारत है. और उसका भेट या अन्य किसी प्रकार से सम्मासि से आसिक आय
शासकीय कर्मजारी से तथा अर्जन की वारोख और जिससे आय
स्मा संबंध है अर्जित की गई वसका नाम | बत्तावर्ष कि सह किसके नाम """बर्गमात "म्मान स्थाप किसके नाम """बर्गन, मूपम "म्मान स्थाप क्याप किसके नाम """बर्गन, मूपम सम्मान स्थाप किसके नाम मूपम सम्मान सम्मान स्थाप किसका मान सम्मान स्थाप किमान किसा किसका नाम तथा स्थाप है अधित की गई हो उसका नाम तथा स्थाप है
 | बत्तावर्ष कि सह किसके नाम """ बतिमान मूल्य पर भारित है और उसका भेट या उनन्य किसी प्रकार से सम्मति से आर्थिक आय
शासकीय कर्मचारी से तथा अर्जन की तारीख और जिससे वार्षिक आय
स्मा संबंध है अजिंत की गई हो उसका नाम | ार र र ता इस अंगर आयो । अप अप । विश्व अप । अप । अप । विश्व अप । व | ाइ तथा अन्य भवन भूमि "क्विमान मूल्य पर भारित हैं. और उसका मेंट या अन्य किसी प्रकार से सम्मात्ति से आस्माति में अभ
गाह तथा अन्य भवन भूमि "क्विमान मूल्य पर भारित हैं. और उसका मेंट या अन्य किसी प्रकार से सम्मात्ति से आस्माति से सम्माति से तथा अर्जन की तार्थ और जिससे वार्थिक आय
प्या संबंध है अजित की गई हो उसका नाम | बत्ताहरी कि यह किसके नाम *** खरीद, पट्टा, बंधक, विरासत, सम्मानिस अभ
गृह तथा अन्य भवन भूमि ** वर्तमान मृत्य पर भारित है. और उसका मेंट या अन्य किसी प्रकार से सम्मानिस अभ
शासकीय अर्मचारी से तथा अर्जन की तारीख और जिससे बार्षिक आय
स्या संबंध है अजिंत की गई हो उसका नाम | बत्ता अन्य भवन भूमि "भवर्तमान मृत्य पर भारत है और उसका भेट या अन्य किसी प्रकार से सम्मास से अम्प्रिक आय | ्रा त्या अन्य भवन भूमि "वर्तमान मूल्य पर भारित है और उसका भेट या अन्य
किसी प्रकार से सम्मति से आर्थिक आय
शासकीय कर्मचारी से तथा अन्य किसी प्रकार से सम्मति से आर्थिक आय | ्रिक्त कर्म भवन भूमि "क्विमान मूल्य पर धारित है. और उसका मेंद्र या अन्य किसी प्रकार से सम्मति से आरक्षिक आय | बत्ताहरी कि यह किसके नाम ***बरीद, पट्टा, बंधक, विरासत, सम्माति है और उसका भेट या अन्य किसी प्रकार से सम्माति से अन्य स्थाति है और उसका भेट या अन्य किसी प्रकार से सम्माति से आप सांसकीय कर्मचारी से तथा अर्जन की तारीख और जिससे बार्षक आय स्था संबंध है अंजित की गई हो उसका नाम | बत्ता अन्य भवन भूमि "भवतमान मृत्य पर भारत है और उसका भेट या अन्य किसी प्रकार से सम्मासि से अम | बत्ता करने प्रमा "कर्तमान मूल्य पर भारित है और उसका भेट या अन्य किसी प्रकार से सम्मासि से सामिक अप
 | ब्रह्म क्रिक्स अवन भूमि "क्ष्मिन मूल्य पर भारित है और उसका भूट या अन्य किसी प्रकार से सम्मति से आप | ं त्यां अन्य भवन भूमि "क्षेतमान मृत्य पर भारित हैं. और उसका मेंट या अन्य किसी प्रकार से सम्मात्ति से अभ | | | |
 | | | | |
 | | | |
 | | | | |
 |
| गृह तथा अन्य भवन भूमि "वर्तमान मूल्य पर धारेत हैं, और उसकी हैं, जांद का में हैं में वर्तमान मूल्य पर धारेत हैं, और उसकी हैं, में प्रकार हैं में मिला है मिला है में मिला है मिला है मिला है में मिला है मिला | पृष्ठ तथा अन्य भवन भूमि "वर्तमान मून्य पर प्राप्त हैं और उत्यक्ता माना "व्यक्त क्रिया में प्राप्त क्रिया मून्य पर प्राप्त हैं और उत्यक्ता क्रिया मून्य पर प्राप्त हैं और उत्यक्ता क्रिया माना माना माना माना माना माना माना मा | गृह तथा अन्य भवन भूमि "वर्तमान मूल्य पर प्राप्ता है और उत्यक्ता मान्य प्राप्ता में द्वारा भी के प्राप्ता में स्थाप प्राप्ता है और उत्यक्ता में स्थाप प्राप्ता में स्थाप प्राप्ता में स्थाप प्राप्ता में स्थाप अप अप मान्य स्थाप में स्थाप प्राप्ता में स्थाप प्राप्ता में स्थाप प्राप्ता में स्थाप प्राप्ता में स्थाप में स्थाप में स्थाप प्राप्ता में स्थाप में स्थाप में स्थाप में स्थाप में स्थाप में स्थाप मान्य स्वताय गरा। | पृष्ठ तथा अन्य भवन भूमि "वर्तनान मूल्य पर्णाहत हैं और उत्तरका में "वर्णका निवास में वर्णका कि वह कि कि के नाम में "वर्णका में में हिस्सी प्रकार में मिल्या में मान में मिल्या मिल्या में मिल्या मिल्या में मिल्या में मिल्या में मिल्या में मिल्या मिल्या में मिल्या मिल्या में मिल्य में मिल्या में मिल्य में मिल्या में मिल्या में मिल्य में मिल्या में मिल्या में मिल्या मिल्य में मिल्य मिल | गृह तथा अन्य भवन भूमि "वर्तनार मून्य प्रभारत है और उत्स्ता भी कि तह किसके नाम ""व्यक्ति प्रकार, विकार, विकार, विकार में सम्मित्त अन्य मित्र के किसके नाम ""व्यक्ति प्रकार के सम्मित्त में सम्मित्त में सम्मित्त अन्य मित्र के व्यक्ति के मार्थ हो व्यक्ति हो विकार मार्थ व्यवस्था नाम हम्मि के मार्थ हो व्यक्ति हो विकार मार्थ व्यवस्था नाम हम्मि के मार्थ हो विकार मार्थ क्रिय हम्मि के मार्थ हो विकार मार्थ हम्मि के मार्थ हम्मि के मार्थ हो विकार मार्थ हम्मि के मार्थ हम्मित्त हम्मित्र हम्मित्य हम्मित्र ह | गृह तथा अन्य भवन भूमि "वर्तमान मूल्य पर धारेत हैं, और उत्तका में "क्योर, जन्द्र है, और जिसके मान मुक्य पर धारेत हैं, और उत्तका में "क्योर, जन्द्र है, और अन्य है, अन्य है, अन्य अन्य है, अन्य अन्य है, अन्य है, अन्य अन्य है, अन्य अन्य है, अन्य अन्य है, अन्य है, अन्य है, अन्य अन | गृह तथा अन्य भवन भूमि "वर्तमान मूल्य पर भारत है, और उत्पन्न किसके जान में स्वानित है, और उत्पन्न किसके प्रमान मूल्य पर भारत है, और उत्पन्न किसके प्रमान के मान मिल्य और जिसके मान स्वानिक अपन के वार्यक और जिसके मान स्वानिक के मान स् | गृह तथा अन्य भवन भूमि "वर्तमान मूल्य पर धारित है और उसके ना "" चारित हो प्राप्त में अपित पर होगा है। वर्तमान मूल्य पर धारित है और उसके ना भेट या अन्य किसी प्रकार से सम्मित्त में तापा अन्य ने की तार्वाय और जिससे ना विकि आप अपित को गई हो वर्त्यका नान ना स्वेश है (3) (4) (5) (6) (7) | गृह तथा अन्य भवत भूमि "चर्ताना मूल्य पर भारत है, और उसको मेंद्र भा ज्या कार्य कार्य मिल्या सम्मित्र अन्य भवत भूमि "चर्ताना मूल्य पर भारत है, और उसको मेंद्र भा ज्या कार्य कार | गृह तथा अन्य भवत भूमि "चर्तामा मृत्य पर भारत हैं और उसकी ना भें चार में के ना भें के ना भें चार में के ना भें के में के | गृह तथा अन्य भवत भीमें "कर्तमात्र मूल्य प्राप्त हैं और उसकी प्राप्त हैं और उसकी निर्मा अन्य भवत भीमें सम्प्रिय के अप अपने की तारीख और विस्ते वार्षिक आय व्यान्तिय हैं और उसकी माने वार्षिक आय अपने की तारीख और विस्ते वार्षिक आय व्यान्तिय हैं हैं अपने का माने का माने वार्षिक आय व्यान्तिय हैं हैं अपने का माने वार्षिक आय अपने की तारीख और विस्ते वार्षिक आय व्यान्तिय हैं हैं वसका माने वार्षिक आय व्यान्तिय हैं हैं वसका माने विस्ते हैं वसका माने (5) (5) (7)
 | गृह तथा अन्य पवन भूमि चंदामा मृत्य प्र भारित है और उसका निवास करा भूमि चंदामा मृत्य प्र भारित है और उसका मिन करा मिन | बत्ताहरी किसके नाम ""वर्तमान मृत्य पर धारित है, और उसका मेंट या ज्यन्य किसी प्रकार से सम्मात्ति से अम्र सम्मात्ति से तथा अर्जन की तारीख और जिस्सी स्वार्धक आय्र समात्ति से अम्र सम्मात्ति से अम्र सम्मात्ति से तथा अर्जन की तारीख और जिस्सी स्वार्धक आय्र समात्त्रिक सम्मात्ति से अम्र समात्त्रिक सम्मात्ति से अम्र समात्त्रिक आय्र समात्त्रिक समात्त्रिक समात्त्रिक समात्त्रिक समात्त्रिक समात्त्रिक समात्त्रिक समात्रिक आय्र समात्त्रिक समात्रिक समात्रिक आय्र समात्त्रिक समात्रिक स | ब्रह्मा अन्य भवन भूमि "क्षतिमान मूल्य पर धारित है और उसका भेंद्र पट्टा, बंभक, विरासत, सम्मित्त में आ शासकीय कर्मजारी से तथा अजन की तारीख और जिस्सी सामित से आप सामित से अप सामित से आप सामित कर्मजारी से तथा अजन की तारीख और जिस्सी सामित आप सामित हो। (व) (व) (व) (व) | बिराम के का क्यां के किस के किस के नाम के का किस के विरास के किस के विरास के का किस के नाम के का | बत्ताहर कि वह किसके नाम ""बर्तामत मूल्य पर भारित है और उसका मेंट या अन्य किसी प्रकार से सम्मास से अभ सम्मास से अभ सासकीय कर्मचारी से तथा अर्जन की वार्राख और जिससे वार्षिक आय स्मा संबंध है अर्जन की वार्राख और जिससे वार्षिक आय समा संबंध है अर्जन की वार्राख और जिससे वार्षिक आय समा संवंध है अर्जन की वार्राख और जिससे आयोग समा स्माय समा समा समा समा समा समा समाय समा समाय समा समाय समाय | ्राह तथा अन्य भवन भूमि ""वर्तमान मूल्य पर धारित है. और उसका भेट या ज्यन्य किसी प्रकार से सम्मति से आ
शासकीय कर्मचारी से तथा अजन की तार्राख और जिससे बाधिक आय
स्या संबंध है अजिंत की गई हो उसका नाम
(2) (3) (4) (5) (6) | बिराम के कार्य प्रति के कि से के किस्मेर नाम के कार्यात पर्यात के कार्य के | गृह तथा अन्य भवन भूमि "वर्तमान मृत्य करावाहर्य कि यह किसके नाम "" खरीद् पट्टा, बंधक, विरासत, सम्मासि से सम्मासि से सम्मासि से सम्मासि अभ सम्मासि
करावाहर्य करावाहर कर | गृह तथा अन्य भवन भूमि "क्विमान मूल्य पर धारित है और उसका अभ्याद पट्टा, बंधक, विरासत, सम्मिति से अभ्र शासकीय कर्मचारी से तथा अजन की तारीख और जिससे बार्षिक आय स्पार्ति को महिन आय तथा स्वेप है अजिसका नाम तथा है अजिसका है अजिसका नाम तथा है अजिसका नाम तथा है अजिसका नाम तथा है अजिसका | गृह तथा अन्य भवन भूमि ""वर्तमान मूल्य पर धारित है. और उसका भिन्दा, बंधक, विरासत, सम्मानि से अभ्र शासकीय कर्मचारी से तथा अज्ञन की तारीख और जिस्से बार्षिक आय स्मान्य परा संबंध है अजित की गांख और जिस्से वार्षिक आय समान्य है। अज्ञान की तारीख और जिस्से वार्षिक आय समान्य समान्य समान्य है। अज्ञान मान्य तथा व्योग्र (5) (6) (7) | गृह तथा अन्य भवन भूमि "क्षेतमान मूल्य पर भारित हैं और उसका में प्रयाज्ञ क्षेपक, विरासत, सम्मासि से अभ
शासकीय अनंवारी से तथा अन्य की तारीख और जिससे बार्षिक आय
स्याज्ञ संबंध है अजित की गाई हो उसका नाम
(2) (3) (4) (5) (5) | ब्रह्म महत्त्र महत्त्र महत्त्र क्रिक्किनाम क्रिक्स क्रिक्स महत्त्र मह | गृह तथा अन्य भवन भूमि "मैंवर्तमान मृत्य पर भारित है और उसका भेट या अन्य किसी प्रकार से सम्मासि से अभ
शासकीय कर्मचारी से तथा अर्जन की वार्राख और जिससे आय
समा संबंध है अर्जन की वार्राख और जिससे वार्षिक आय
समा संबंध है अर्जन की वार्राख और जिससे मान | गृह तथा अन्य भवन भूमि "क्विमान मूल्य पर धारित है और उसका भेट या उपन प्रभार हो सम्मित्त अन्य भिक्त कि प्रकार में सम्मित्त में अन्य विकार के सम्मित्त में अन्य अन्य किसी प्रकार से सम्मित्त में आर आर अन्य की वार्र को वसका नाम समित्र के सिंग की गई हो वसका नाम तम्मित्र आय तथा स्वीर (६) | बतलाइये कि यह किसके नाम ""वर्तमान मूल्य पर धारित है. और उसका मेंट या अन्य किसी प्रकार से सम्मात्ति से आसिक आय
शासकीय कर्मचारी से तथा अर्जन की तारिख और जिससे बार्षिक आय
स्या संबंध है अजित को गई हो उसका नाम | बत्ताहर कि यह किसके नाम ***बरीद, पट्टा, बंफक, विरासत, सम्मासि से सम्मासि अप अप तथा अपन प्राप्त के बर्गा अपन किसी प्रकार से सम्मासि अप आरत है और उसका मी तथा अपन किसी प्रकार से सम्मासि से सम्मासि अप आरत के तथा अपन की वारोख और जिससे वार्षिक आय समासिक समासिक स्था से सम्मासिक आय
 | बतलाइये कि यह किसके नाम ***खरीद, पट्टा, बंधक, विरासत
गृह तथा अन्य भवन भूमि **वर्तमान मृत्य पर भारत है और उसका भेट या अन्य किसी प्रकार से सम्मास अ
शासकीय कर्मचारी से तथा अर्जन की तारीख और जिससे वार्षिक आय
स्या संबंध है अर्जित की गई हो उसका नाम | बतलाइये कि चढ़ किसके नाम ""कर्तमान मूल्य पर धारित है और उसका भेट या अन्य किसी प्रकार से सम्मति से आर शासकीय कर्मचारी से तथा अजन की तारीख और जिस्से बार्षिक आय स्मान्तिक समान्तिक सम्मति से सम्मति से सामिक आय समान्तिक कर्मचारी से तथा अजन की तारीख और जिस्से वार्षिक आय | बतलाइये कि खंड किसके नाम ***खरीद, पट्टा, बंधक, विरासत, प्रांमि ***करीद, पट्टा, बंधक, विरासत, प्रांमि के अप्रां
गृह तथा अन्य थवन भूमि **कर्तमान मूल्य पर धारित है और उसका भेट या अन्य किसी प्रकार से सम्मति से आर्थ
शासकीय कर्मचारी से तथा अर्जन की ताराख और जिससे वार्षिक आय्
स्या संबंध है अर्जित की गई हो उसका नाम तथा स्वंध है | बतलाइये कि खंड किसके नाम ***खरीद, पट्टा, बंधक, विरासत, प्रांमि ***वर्गेद्र, पट्टा, बंधक, वरासत, प्रांमि के कारा स्थारित है. और उसका मेंट या अन्य किसी प्रकार से सम्मति से शासकीय कर्मचारी से तथा अज्ञेत की तार्ग्ध और जिससे वार्षिक आय स्थार संबंध है अजिंद की गई हो उसका नाम तथा संबंध है | बतलाइथे कि यह किसके नाम ***खरीद, पट्टा, बंधक, विरासत, प्रामी से अप प्राप्त हैं और उसका मेंट या अन्य किसी प्रकार से सम्मात्ति से अप सासकीय कर्मचारी से तथा अर्जन की तारीख और जिससे बार्षक आय स्थार संबंध है अजिंद का संबंध है अजिंद की गई हो उसका नाम स्थार संबंध है
 | बत्ताहर कि यह किसके नाम *** खरीद, पट्टा, बंधक, विरासत, सम्मासिस अप अप पर भारत है. और उसका भेट या अन्य किसी प्रकार से सम्मासिस अप सासकीय कर्मचारी से तथा अर्जन की वार्राख और जिससे आय समासिक आय समासिक आय | बत्तार के साथ अपार के प्रकार के प्रकार के प्रकार के प्रकार के स्वार्थ के प्रकार के प्रकार के सम्मासित के अपार के प्रकार के सम्मासित के सम | बतलाइये कि खंड किसके नाम ***खरीद, पट्टा, बंधक, विरासत, प्रांम के कर्तमान मूल्य पर धारित है और उसका भेट या अन्य किसी प्रकार से सम्मति से आरक्ति की तारीख और ज़िससे वार्षिक आय स्पार्थिय है अभित्र की वारीख और ज़िससे वार्षिक आय स्पार्थिय है अधित की वारीख और ज़िससे | बतनाइथे कि यह किसके नाम ""बरीद, मट्टा, बंधक, विरासत, महत्त्व पर भारित है. और उसका मेंट या अन्य किसी प्रकार से सम्मति से आसिकोय कर्मचारी से तथा अर्जन की तारीख और जिस्सी स्वासंक आय | बत्ताहर कि यह किसके नाम *** खरीद, पट्टा, बंधक, विरासत, सम्मासि से सम्मासि अप सम्मासिक अप अप सम्मासिक अप समासिक अप सम्मासिक अप सम्मास | बतनाइये कि यह किसके नाम *** खरीद, पट्टा, बंधक, विरासत, मह्त्व पर भारत है और उसका भेट या अन्य किसी प्रकार से सम्मास से आप सामिक आप रासकीय कर्मचारी से तथा अर्जन की तारिख और जिससे वार्षिक आप स्था संबंध है अर्जित की गई हो उसका नाम | बत्ता करन भवन भूमि "कर्तमान मूल्य पर भारित है और उसका भेट या उनन किसी प्रकार से सम्मति से आप
 | बतनाइथे कि यह किसके नाम ***खरीद, पट्टा, बंधक, विरासत,
गृह तथा अन्य भवन भूमि **वर्तमान मृत्य पर भारित है. और उसका मेंट या अन्य किसी प्रकार से सम्मति से
शासकीय कर्मचारी से तथा अर्जन की तारीख और जिससे बार्षिक आय | | | |
 | | | | |
 | | | | |
 | | | | |
| गृह तथा अन्य भवन भूमि "वर्तमान मूल्य पर धारेत हैं, और उसकी हैं, जांद का मिली प्रकार के मानिक का मिली प्रकार के मानिक आप का मा | पृष्ठ तथा अन्य भवन भूमि "वर्तमान मून्य पर प्राप्त हैं और उत्यक्ता माना "व्यक्त क्रिया में प्राप्त क्रिया मून्य पर प्राप्त हैं और उत्यक्ता क्रिया मून्य पर प्राप्त हैं और उत्यक्ता क्रिया माना माना माना माना माना माना माना मा | गृह तथा अन्य भवन भूमि "वर्तमान मूल्य पर प्राप्ता है और उत्यक्ता मान्य प्राप्ता में द्वारा भी के प्राप्ता में स्थाप प्राप्ता है और उत्यक्ता में स्थाप प्राप्ता में स्थाप प्राप्ता में स्थाप प्राप्ता में स्थाप अप अप मान्य स्थाप में स्थाप प्राप्ता में स्थाप प्राप्ता में स्थाप प्राप्ता में स्थाप प्राप्ता में स्थाप में स्थाप में स्थाप प्राप्ता में स्थाप में स्थाप में स्थाप में स्थाप में स्थाप में स्थाप मान्य स्वताय गरा। | पृष्ठ तथा अन्य भवन भूमि "वर्तनान मूल्य पर्णाहत हैं और उत्तरका में "वर्णका निवास में वर्णका कि वह कि कि के नाम में "वर्णका में में हिस्सी प्रकार में मिल्या में मान में मिल्या मिल्या में मिल्या मिल्या में मिल्या में मिल्या में मिल्या में मिल्या मिल्या में मिल्या मिल्या में मिल्य में मिल्या में मिल्य में मिल्या में मिल्या में मिल्य में मिल्या में मिल्या में मिल्या मिल्य में मिल्य मिल | गृह तथा अन्य भवन भूमि "वर्तनार मून्य प्रभारत है और उत्स्ता भी कि तह किसके नाम ""व्यक्ति प्रकार, विकार, विकार, विकार में सम्मित्त अन्य मित्र के किसके नाम ""व्यक्ति प्रकार के सम्मित्त में सम्मित्त में सम्मित्त अन्य मित्र के व्यक्ति के मार्थ हो व्यक्ति हो विकार मार्थ व्यवस्था नाम हम्मि के मार्थ हो व्यक्ति हो विकार मार्थ व्यवस्था नाम हम्मि के मार्थ हो विकार मार्थ क्रिय हम्मि के मार्थ हो विकार मार्थ हम्मि के मार्थ हम्मि के मार्थ हो विकार मार्थ हम्मि के मार्थ हम्मित्त हम्मित्र हम्मित्य हम्मित्र ह | गृह तथा अन्य भवन भूमि "वर्तमान मूल्य पर धारेत हैं, और उत्तका में "क्योर, जन्द्र है, और जिसके मान मुक्य पर धारेत हैं, और उत्तका में "क्योर, जन्द्र है, और अन्य है, अन्य है, अन्य अन्य है, अन्य अन्य है, अन्य है, अन्य अन्य है, अन्य अन्य है, अन्य अन्य है, अन्य है, अन्य है, अन्य अन | गृह तथा अन्य भवन भूमि "वर्तमान मूल्य पर भारत है, और उत्पन्न किसके जान में स्वानित है, और उत्पन्न किसके प्रमान मूल्य पर भारत है, और उत्पन्न किसके प्रमान के मान मिल्य और जिसके मान स्वानिक अपन के वार्यक और जिसके मान स्वानिक के मान स् | गृह तथा अन्य भवन भूमि "वर्तमान मूल्य पर धारित है और उसके ना "" चारित हो प्राप्त में अपित पर होगा है। वर्तमान मूल्य पर धारित है और उसके ना भेट या अन्य किसी प्रकार से सम्मित्त में तापा अन्य ने की तार्वाय और जिससे ना विकि आप अपित को गई हो वर्त्यका नान ना स्वेश है (3) (4) (5) (6) (7) | गृह तथा अन्य भवत भूमि "चर्ताना मूल्य पर भारत है, और उसको मेंद्र भा ज्या कार्य कार्य मिल्या सम्मित्र अन्य भवत भूमि "चर्ताना मूल्य पर भारत है, और उसको मेंद्र भा ज्या कार्य कार | गृह तथा अन्य भवत भूमि "चर्तामा मृत्य पर भारत हैं और उसकी ना भें चार में के ना भें के ना भें चार में के ना भें के में के | गृह तथा अन्य भवत भीमें "कर्तमात्र मूल्य प्राप्त हैं और उसकी प्राप्त हैं और उसकी निर्मा अन्य भवत भीमें सम्प्रिय के अप अपने की तारीख और विस्ते वार्षिक आय व्यान्तिय हैं और उसकी माने वार्षिक आय अपने की तारीख और विस्ते वार्षिक आय व्यान्तिय हैं हैं अपने का माने का माने वार्षिक आय व्यान्तिय हैं हैं अपने का माने वार्षिक आय अपने की तारीख और विस्ते वार्षिक आय व्यान्तिय हैं हैं वसका माने वार्षिक आय व्यान्तिय हैं हैं वसका माने विस्ते हैं वसका माने (5) (5) (7)
 | गृह तथा अन्य पवन भूमि चंदामा मृत्य प्र भारित है और उसका निवास करा भूमि चंदामा मृत्य प्र भारित है और उसका मिन करा मिन | बत्ताहरी किसके नाम ""वर्तमान मृत्य पर धारित है, और उसका मेंट या ज्यन्य किसी प्रकार से सम्मात्ति से अम्र सम्मात्ति से तथा अर्जन की तारीख और जिस्सी स्वार्धक आय्र समात्ति से अम्र सम्मात्ति से अम्र सम्मात्ति से तथा अर्जन की तारीख और जिस्सी स्वार्धक आय्र समात्त्रिक सम्मात्ति से अम्र समात्त्रिक सम्मात्ति से अम्र समात्त्रिक आय्र समात्त्रिक समात्त्रिक समात्त्रिक समात्त्रिक समात्त्रिक समात्त्रिक समात्त्रिक समात्रिक आय्र समात्त्रिक समात्रिक समात्रिक आय्र समात्त्रिक समात्रिक स | ब्रह्मा अन्य भवन भूमि "क्षतिमान मूल्य पर धारित है और उसका भेंद्र पट्टा, बंभक, विरासत, सम्मित्त में आ शासकीय कर्मजारी से तथा अजन की तारीख और जिस्सी सामित से आप सामित से अप सामित से आप सामित कर्मजारी से तथा अजन की तारीख और जिस्सी सामित आप सामित हो। (व) (व) (व) (व) | बिराम के का क्यां के किस के किस के नाम के का किस के विरास के किस के विरास के का किस के नाम के का | बत्ताहर कि वह किसके नाम ""बर्तामत मूल्य पर भारित है और उसका मेंट या अन्य किसी प्रकार से सम्मास से अभ सम्मास से अभ सासकीय कर्मचारी से तथा अर्जन की वार्राख और जिससे वार्षिक आय स्मा संबंध है अर्जन की वार्राख और जिससे वार्षिक आय समा संबंध है अर्जन की वार्राख और जिससे वार्षिक आय समा संवंध है अर्जन की वार्राख और जिससे आयोग समा स्माय समा समा समा समा समा समा समाय समा समाय समा समाय समाय | ्राह तथा अन्य भवन भूमि ""वर्तमान मूल्य पर धारित है. और उसका भेट या ज्यन्य किसी प्रकार से सम्मति से आ
शासकीय कर्मचारी से तथा अजन की तार्राख और जिससे बाधिक आय
स्या संबंध है अजिंत की गई हो उसका नाम
(2) (3) (4) (5) (6) | बिराम के कार्य प्रति के कि से के किस्मेर नाम के कार्यात पर्यात के कार्य के | गृह तथा अन्य भवन भूमि "वर्तमान मृत्य करावाहर्य कि यह किसके नाम "" खरीद् पट्टा, बंधक, विरासत, सम्मासि से सम्मासि से सम्मासि से सम्मासि अभ सम्मासि करावाहर्य करावाहर कर | गृह तथा अन्य भवन भूमि "क्विमान मूल्य पर धारित है और
उसका अभ्याद पट्टा, बंधक, विरासत, सम्मिति से अभ्र शासकीय कर्मचारी से तथा अजन की तारीख और जिससे बार्षिक आय स्पार्ति को महिन आय स्पार्ति को विरास की प्रार्थिक साथ स्पार्ति को महिन आय स्पार्ति को महिन आय तथा सविष्ठ हो उसका नाम तथा स्विष्ठ (5) (6) (7) | गृह तथा अन्य भवन भूमि ""वर्तमान मूल्य पर धारित है. और उसका भिन्दा, बंधक, विरासत, सम्मानि से अभ्र शासकीय कर्मचारी से तथा अज्ञन की तारीख और जिससे बार्षिक आय समासकीय कर्मचारी से अज्ञन की तारीख और जिससे बार्षिक आय समासकीय है. अजिंद की नाई हो उसका नाम तथा स्वंध है अजिंद की नाई हो उसका नाम तथा स्वंध है (5) (6) (7) | गृह तथा अन्य भवन भूमि "क्षेतमान मूल्य पर भारित हैं और उसका में प्रयाज्ञ क्षेपक, विरासत, सम्मासि से अभ
शासकीय अनंवारी से तथा अन्य की तारीख और जिससे बार्षिक आय
स्याज्ञ संबंध है अजित की गाई हो उसका नाम
(2) (3) (4) (5) (5) | ब्रह्म महत्त्र महत्त्र महत्त्र क्रिक्किनाम क्रिक्स क्रिक्स महत्त्र मह | गृह तथा अन्य भवन भूमि "मैंवर्तमान मृत्य पर भारित है और उसका भेट या अन्य किसी प्रकार से सम्मासि से अभ
शासकीय कर्मचारी से तथा अर्जन की वार्राख और जिससे आय
समा संबंध है अर्जन की वार्राख और जिससे वार्षिक आय
समा संबंध है अर्जन की वार्राख और जिससे मान | गृह तथा अन्य भवन भूमि "क्विमान मूल्य पर धारित है और उसका भेट या उपन प्रभार हो सम्मित्त अन्य भिक्त कि प्रकार में सम्मित्त में अन्य विकार के सम्मित्त में अन्य अन्य किसी प्रकार से सम्मित्त में आर आर अन्य की वार्र को वसका नाम समित्र के सिंग की गई हो वसका नाम तम्मित्र आय तथा स्वीर (६) | बतलाइये कि यह किसके नाम ""वर्तमान मूल्य पर धारित है. और उसका मेंट या अन्य किसी प्रकार से सम्मात्ति से आसिक आय
शासकीय कर्मचारी से तथा अर्जन की तारिख और जिससे बार्षिक आय
स्या संबंध है अजित को गई हो उसका नाम
 | बत्ताहर कि यह किसके नाम ***बरीद, पट्टा, बंफक, विरासत, सम्मासि से सम्मासि अप अप तथा अपन प्राप्त के बर्गा अपन किसी प्रकार से सम्मासि अप आरत है और उसका मी तथा अपन किसी प्रकार से सम्मासि से सम्मासि अप आरत के तथा अपन की वारोख और जिससे वार्षिक आय समासिक समासिक स्था से सम्मासिक आय | बतलाइये कि यह किसके नाम ***खरीद, पट्टा, बंधक, विरासत
गृह तथा अन्य भवन भूमि **वर्तमान मृत्य पर भारत है और उसका भेट या अन्य किसी प्रकार से सम्मास अ
शासकीय कर्मचारी से तथा अर्जन की तारीख और जिससे वार्षिक आय
स्या संबंध है अर्जित की गई हो उसका नाम | बतलाइये कि चढ़ किसके नाम ""कर्तमान मूल्य पर धारित है और उसका भेट या अन्य किसी प्रकार से सम्मति से आर शासकीय कर्मचारी से तथा अजन की तारीख और जिस्से बार्षिक आय स्मान्तिक समान्तिक सम्मति से सम्मति से सामिक आय समान्तिक कर्मचारी से तथा अजन की तारीख और जिस्से वार्षिक आय | बतलाइये कि खंड किसके नाम ***खरीद, पट्टा, बंधक, विरासत, प्रांमि ***करीद, पट्टा, बंधक, विरासत, प्रांमि के अप्रां
गृह तथा अन्य थवन भूमि **कर्तमान मूल्य पर धारित है और उसका भेट या अन्य किसी प्रकार से सम्मति से आर्थ
शासकीय कर्मचारी से तथा अर्जन की ताराख और जिससे वार्षिक आय्
स्या संबंध है अर्जित की गई हो उसका नाम तथा स्वंध है | बतलाइये कि खंड किसके नाम ***खरीद, पट्टा, बंधक, विरासत, प्रांमि ***वर्गेद्र, पट्टा, बंधक, वरासत, प्रांमि के कारा स्थारित है. और उसका मेंट या अन्य किसी प्रकार से सम्मति से शासकीय कर्मचारी से तथा अज्ञेत की तार्ग्ध और जिससे वार्षिक आय स्थार संबंध है अजिंद की गई हो उसका नाम तथा संबंध है
 | बतलाइथे कि यह किसके नाम ***खरीद, पट्टा, बंधक, विरासत, प्रामी से अप प्राप्त हैं और उसका मेंट या अन्य किसी प्रकार से सम्मात्ति से अप सासकीय कर्मचारी से तथा अर्जन की तारीख और जिससे बार्षक आय स्थार संबंध है अजिंद का संबंध है अजिंद की गई हो उसका नाम स्थार संबंध है | बत्ताहर कि यह किसके नाम *** खरीद, पट्टा, बंधक, विरासत, सम्मासिस अप अप पर भारत है. और उसका भेट या अन्य किसी प्रकार से सम्मासिस अप सासकीय कर्मचारी से तथा अर्जन की वार्राख और जिससे आय समासिक आय समासिक आय | बत्तार के साथ अपार के प्रकार के प्रकार के प्रकार के प्रकार के स्वार्थ के प्रकार के प्रकार के सम्मासित के अपार के प्रकार के सम्मासित के सम | बतलाइये कि खंड किसके नाम ***खरीद, पट्टा, बंधक, विरासत, प्रांम के कर्तमान मूल्य पर धारित है और उसका भेट या अन्य किसी प्रकार से सम्मति से आरक्ति की तारीख और ज़िससे वार्षिक आय स्पार्थिय है अभित्र की वारीख और ज़िससे वार्षिक आय स्पार्थिय है अधित की वारीख और ज़िससे | बतनाइथे कि यह किसके नाम ""बरीद, मट्टा, बंधक, विरासत, महत्त्व पर भारित है. और उसका मेंट या अन्य किसी प्रकार से सम्मति से आसिकोय कर्मचारी से तथा अर्जन की तारीख और जिस्सी स्वासंक आय | बत्ताहर कि यह किसके नाम *** खरीद, पट्टा, बंधक, विरासत, सम्मासि से सम्मासि अप सम्मासिक अप अप सम्मासिक अप समासिक अप सम्मासिक अप सम्मास | बतनाइये कि यह किसके नाम *** खरीद, पट्टा, बंधक, विरासत, मह्त्व पर भारत है और उसका भेट या अन्य किसी प्रकार से सम्मास से आप सामिक आप रासकीय कर्मचारी से तथा अर्जन की तारिख और जिससे वार्षिक आप स्था संबंध है अर्जित की गई हो उसका नाम
 | बत्ता करन भवन भूमि "कर्तमान मूल्य पर भारित है और उसका भेट या उनन किसी प्रकार से सम्मति से आप | बतनाइथे कि यह किसके नाम ***खरीद, पट्टा, बंधक, विरासत,
गृह तथा अन्य भवन भूमि **वर्तमान मृत्य पर भारित है. और उसका मेंट या अन्य किसी प्रकार से सम्मति से
शासकीय कर्मचारी से तथा अर्जन की तारीख और जिससे बार्षिक आय | | |
 | | | | |
 | | | | |
 | | | | |
 |
| गृह तथा अन्य भवन भूमि "वर्तमान मूल्य पर भारत है, और उत्पन्न निर्मा प्रमाण मूल्य मिनो प्रमाण में सम्मणि में अन्य समित प्रमाण में सम्मणि में अन्य समित प्रमाण में सम्मणि में सम्म | गृह तथा अन्य भवन भूमि "व्हर्णमान मृत्यं पर भारत है और उसका में दे या अन्य किसा में सामित आप अपनि भी प्राप्त के भी | मुह तथा अन्य भवत भूमि "व्होमात मृत्यं पर णाहित हैं और उसकी मान में द या अन्य किसा में सामाहित हैं और उसकी में में या अन्य किसा में सामाहित हैं और अपना मृत्यं पर णाहित हैं और उसकी मों में द या अन्य किसा में वाहिक आप्र पर णाहित के मान सिंह आप्र पर णाहित के मान सिंह आप्र पर णाहित आप्र पर णाहित के मान सिंह क | ाह तथा अन्य भवत भूमि "रहतेमान मून्य पर पारित हैं और उसकी मान "'व्यक्ति मान मन्य पर पारित हैं और उसकी मान मान मन्य पर पारित हैं और उसकी मान मन्य पर पारित हों में हैं के उसकी मान मन्य पर पारित हों में हैं के उसकी मान मन्य पर पारित हों में हैं के उसकी मान मन्य पर पारित हैं में हैं के उसकी मान मन्य पर पारित हों में हो पार पार्टित मान | गृह तथा अन्य भवत भूमि "व्हर्तमान मूल्य पर प्राप्ति हैं और उद्यक्त ना में दें पा जन्म किसी प्रकार में प्राप्ति के प्राप्ति के भी प्रकार किसी प्रकार में व्याप्ति काम के प्राप्ति के प्रकार किसी प्रकार में व्याप्ति काम के प्राप्ति काम के प्राप्ति काम के प्राप्ति काम के प्रकार किसी काम किसी के सन्दर्भ में हाम काम काम किसी के सन्दर्भ में हाम काम काम काम काम किसी के सन्दर्भ में हाम काम काम काम काम काम काम काम काम काम क | गृह तथा अन्त भवत भूमि "कविमान मूख्य पर धारित हैं, और उसका में क्यांत्र में अपके विमान मूख्य पर धारित हैं, और उसका में दिया अपन्य किसी प्रकार से मामाधि से म | गृह तथा अन्य भवत भूमि "वर्तमान मूल्य पर भारत है, और उत्तरका में "अवर्तमान मूल्य पर भारत है, और उत्तरका में अपन्य किसी प्रकार से सम्मति से मान्य सम्मति सम्मति से मान्य सम्मति सम | गृह तथा अन्य भवन भूमि "वर्षमान मूल्य पर धारेत हैं, और उसका में में प्राप्त हैं, और उसका में में प्राप्त हैं, और उसका में में में अपन्य किसी प्रकार से मामिक आप अपने को तार्वाय और किसका मामिक आप अपने को गई हो वसका मामिक आप अपने के वार्वाय और किसका मामिक आप अपने के वार्व्य के वार्व्य और किसका मामिक आप अपने के वार्व्य और किसका मामिक आप अपने के वार्व्य के वार्व्य और किसका मामिक आप अपने के वार्व्य और किसका मामिक आप अपने के वार्व्य और किसका मामिक आप अपने के वार्व्य के वार्व | गृह तथा इतन पहन भूमि "चर्तामा मूच्य पर भारत है, और उसका मूच्य पर भारत है। जिस्से मूच्य भारत है। जिस्से मूच्य पर भारत है। जिस्से मूच्य भारत है। जिस्से मूच्य पर भारत है। जित्य पर भारत है। जिस्से मूच्य पर भारत है। जिस्से मूच पर भारत है। जिससे मूच पर भारत है। | जुह तथा इतन भवत भूमि "वर्तमात मूल्य पर भारत हैं, और उसको मान भेद या उनन किसी प्रकार में सामित से अप आप अपन किसी प्रकार में ताराख और विस्त मान आप आप अपन समित हैं। अप अपन किसी प्रकार में ताराख और विस्त मान वार्षिक आप अपन संवेश हैं वर्ग मान ते ताराख और विस्त मान वार्षिक आप अपन संवेश हैं वर्ग मान ते ताराख और विस्त मान वार्षिक आप अपन संवेश हैं वर्ग मान ते ताराख और विस्त मान वार्षिक आप अपन संवेश हैं वर्ग मान ते ताराख और वर्ग मान वार्षिक आप अपन संवेश हैं वर्ग मान ते ताराख और वर्ग मान वार्षिक आप अपन संवेश हैं वर्ग मान ते ताराख और वर्ग मान ते ताराख और वर्ग मान ते ताराख कोर वर्ग मान वार्षिक आप अपन संवेश हैं वर्ग मान ते ताराख कोर वर्ग मान वार्षिक आप वार्षिक आप वार्षिक आप वार्षिक आप वार्षिक आप वार्षिक आप अपन संवेश हैं वर्ग मान ते ताराख कोर वार्षिक आप वार्ष्क मान वार्षिक आप वार्ष्क आप वार्षिक आप वार्षिक आप वार्ष्क आप वार्प आप वार्ष्क आप वार्य आप वार्ष्क आप व | गृह तथा अन्य भवत भूमि "वर्तमात्र मृत्य क्षित क् | गृह तथा उत्तव भवत भूमि "वर्तमात्र मूल्य प्राधित हैं और उसका में व्याप्त कार्य किसा के माय भवत की मार्थित कार्य के माय कार्य किसा के माय कार्य कार्य किसा कार्य का | गृह तथा अन्य भवन भूमि ""वर्तमान मूल्य पर धारित हैं, और उसका मेंट या ज्यन्य किसी प्रकार से सम्मात्ति से आधिक आय
शासकीय कर्मचारी से तथा अजीन की तार्राख और जिससे आयि
समा संबंध है अजिंत को गई हो उसका नाम
(2) (3) (4) (5) (6) | गृह तथा अन्य भवन भूमि "क्वेमान मूल्य पर भारित हैं और उसका भेट या अन्य किसी प्रकार से सम्मति से आधि शासकीय कर्मचारी से तथा अजन की तारीख और जिस्से वार्षिक आप्र
स्पाःसंबंध है अधिक मिल के बार्षिक आप्र
स्पाःसंबंध है अधिक मिल के वार्षिक आप्र
स्पाःसंबंध है अधिक की तारीख और जिस्से वार्षिक आप्र
(2) (3) (4) (5) (7)
 | गृह तथा अन्य थवन भूमि ""वर्तमान मूल्य पर धारित हैं और उसका मेंट या ज्यन्य किसी प्रकार से सम्मति से आ
शासकीय कर्मचारी से तथा अजैन की तार्राख और जिससे बाधिक आय
स्मा संबंध है अजित की गई हो उसका नाम
तथा व्यौरा | गृह तथा अन्य भवन भूमि "भवतमान मूल्य पर भारित है और उसका भेट या अन्य किसी प्रकार से सम्मति से आर्थात कि मां अने की वार्याय और विस्ति वार्षिक आय् स्मान्य के अभित की गांह हो उसका नाम समान्य के अभित की गांह हो उसका नाम तथा संबंध है अभित की गांह हो उसका नाम तथा संबंध है (6) (7) | गृह तथा अन्य भवन भूमि "किताहमें कि वह किसके नाम ""खरीद, प्रद्धा, बंधक, विरासत, सम्मित से अभ्र सारकाय कर्मचारी से तथा अन्य की तारख और जिस्से वार्षिक आप्र समा संबंध है अभिर मा अन्य की तारख और जिस्से वार्षिक आप्र समा संबंध है अभिर मा इंडो वसका नाम तथा स्वंध है अभ्र (३) (६) (१) | गृह तथा अन्य थवन भूमि "क्विमान मूल्य पर धारित हैं, और उसका मेंट या अन्य किसके, विरासत, सम्मिसे अभ
शासकीय कर्मवारी से तथा अर्जन की तार्ज और जिससे बार्षिक आय
स्मा संबंध है अजित को गई हो उसका नाम
तथा व्योग
(2) (3) (4) (5) (5) | गृह तथा अन्य भवन भूमि "वितान मूल्य पर भारित
है और उसका मेंट या अपन्य विस्ती प्रकार से सम्मात्ति से आधित को तथा अजन की तारीख और जिस्सी से आधिक आधि सम्मात्ति से सम्मात्ति से अपन्य विस्ती प्रकार से सम्मात्ति से आधिक आधि कर्मचारी से अपन्य कि का निर्मा का सिक आधि से सम्मात्ति से अपन्य सिक आधिक आधि कर्मचारी से अपन्य सिक आधिक आधिक आधिक आधिक आधिक आधिक आधिक आध | गृह तथा अन्य भवन भूमि "क्विमान मूल्य पर भारित है और उसका मेंट या ज्यन्य किसी प्रकार से सम्माप्ति से आधि शासकीय कर्मचारी से तथा अजन की तारीख और जिस्सी सार्थिक आध्य स्माप्ति से अधिक आध्य स्माप्ति से तथा अजन की तारीख और जिस्सी सार्थिक आध्य स्माप्ति से अधिक शासकीय कर्मचारी (३) (३) (१) | गृह तथा अन्य थवन भूमि ""वर्तमान मूल्य पर धारित है और उसका मेंट या ज्यन्य किसके, विरासत, सम्मति से अभ
शासकाय कर्मचारी से तथा अज्ञन की तार्राख और जिससे बाधिक आय
प्या संबंध है अजित की गई हो उसका नाम
(2) (3) (4) (5) (7) | गृह तथा अन्य भवन भूमि ""वर्तमान मूल्य पर धारित है. और उसका मेंट या अन्य विस्ती प्रकार से सम्मात्ति से आधिक आय
शासकीय कर्मचारी से तथा अर्जन की तारीख और जिससे बार्षिक आय
स्मा संबंध है अजित की गाँह हो उसका नाम
(2) (3) (4) (5) | गृह तथा अन्य भवन भूमि "क्वरिमान मूल्य पर भारित हैं, और उसका मेंट या अन्य विस्ती प्रकार से सम्मात्ति से अभ सम्माति से अभित्य और जिस्ती नाम सम्माति से सम्माति से सम्माति से सम्माति से अभित्य और जिस्ती माम सम्माति से सम्माति स | गृह तथा अन्य भवन भूमि "वर्तमान मूल्य पर भारित हैं और उसका मेंट या अन्य किसी प्रकार से सम्मात्ति से आधिक आयो सम्मात्ति से अभिकार से सम्मात्ति से आधिक आयो समायाति सम्मात्ति समायात्ति समाय | गृह तथा अन्य भवन भूमि "कर्तमान मूल्य पर भारित हैं और उसका मेंट या अन्य किसी प्रकार से सम्मति से आधिक आध्र सामकाय कर्मचारी से तथा अजन की तारीख और जिस्सी सामिक आध्र मना संबंध हैं अधिक हों उसका नाम सामिक आध्र सामिक सामि | गृह तथा अन्य थवन भूमि "क्विमान मूल्य पर धारित हैं और उसका मेंट या अन्य किसी प्रकार से सम्मति से आराभा अन्य किसी प्रकार से सम्मति से सामसि से तथा अर्जन की तार्ज और जिससे बार्षिक आय प्या संबंध है अजिंत की गई हो उसका नाम | बतलाइये कि वह किसके नाम ""बर्तमान मूल्य पर धारित है और उसका मेंट या अन्य किसी प्रकार से सम्मत्ति से आधिक आय
शासकीय कर्मचारी से तथा अर्जन की तारीख और जिससे वार्षिक आय
स्पा संबंध है अधित की गई हो उसका नाम
 | गृह तथा अन्य भवन भूमि "वर्तमान मृत्य पर भारित है और उसका भेट या अन्य किसी प्रकार से सम्मासि से आप
शासकीय कर्मचारी से तथा अर्जन की तारीख और जिससे वार्षिक आप
स्मा संबंध है अर्जित की गई हो उसका नाम | बतताइये कि वह किसके नाम ""खरीद, प्रट्य, बंधक, विरासत, प्रामी से अ
गृह तथा अन्य भवन भूमि "भवनान मूल्य पर शासकीय कर्मचारी से तथा अर्जन की तारीख और जिससे वार्षिक आय
शासकीय कर्मचारी से तथा अर्जन की तारीख और जिससे वार्षिक आय | गृह तथा अन्य भवन भूमि "कर्तमान मूल्य पर भारत है और उसका मेंट या अन्य किसी प्रकार से सम्पत्ति से आप अभ सम्पत्ति से सम्पत्ति से आप आप अभ सम्पत्ति से तथा अभिन की तारोख और जिससे वार्षिक आप स्पा संबंध है अजित की गई हो उसका नाम तथा स्वंध है | गृह तथा अन्य भवन भूमि ""वर्तमान मूल्य पर धारित है और उसको नाम भेंट या ज्यन्य किसी प्रकार से सम्मति से अन्य साधिक आय साधिक आय साधिक आय स्पा संबंध है अजित की तार खें उसका नाम तथा संबंध है अजित की गई हो उसका नाम तथा संबंध है | गृह तथा अन्य भवन भूमि "क्विमान मूल्य पर धारित है. और उसका मेंट या अन्य किसी प्रकार से सम्मात्ति से आर्थिक आय
शासकीय कर्मचारी से तथा अर्जन की तार्राख और जिससे बार्षिक आय
स्मा संबंध है अजित की गाई हो उसका नान
 | गृह तथा अन्य भवन भूमि "वर्तमान मृत्य पर भारित हैं और उसका मेंट या अन्य किसी प्रकार से सम्मात्ति से आधिक आय
शासकीय कर्मचारी से तथा अर्जन की तारीख और जिससे वार्षिक आय
स्मा संबंध हैं अर्जित की तारीख और जिससे | बतत्ताइये कि वह किसके नाम ""खरीद, प्रट्य, बंधक, विरासत, सम्मान अन्तर क्षेत्रक, विरासत, सम्मान अन्तर क्षेत्रक, विरासत, सम्मान अन्तर क्षेत्रका से सम्मान अन्तर क्षेत्रका से सम्मान अन्तर क्षेत्रका को वार्षक आय स्था संबंध है अधिक और विस्तर कार्यक्षिक आय | गृह तथा अन्य भवन भूमि "क्षिमान मूल्य पर धारित है और उसका मेंद्र या अन्य किसी प्रकार से सम्मति से आ
शासकीय कर्मचारी से तथा अजन की तारिख और जिससे बार्षिक आय
स्या संबंध है अजिसका नाम | गृह तथा अन्य भवन भूमि "क्विमान मूल्य पर धारित है. और उसका मेंट या अन्य किसी प्रकार से सम्मति से आस्मित कर्मचारी से तथा अर्जन की तार्राख और जिस्से बार्षिक आय
समासकीय कर्मचारी से तथा अर्जन की तार्राख और जिस्से बार्षिक आय | गृह तथा अन्य भवन भूमि "वर्षमान मृत्य पर भारित है और उसका मेंद्र या अपन किसी प्रकार से सम्मत्ति से आधिक आय
शासकीय कर्मचारी से तथा अर्जन की तारीख और जिससे वार्षिक आय
 | बतलाइथे कि यह किसके नाम *** खरीद, पट्टा, बंधक, विरासत, प्रामित के कार्या के सामित के सम्मानि से सम्मानि संग अलित की गर्देश वसका नाम | गृह तथा अन्य भवन भूमि "भवनान मूल्य पर शासिनीय कर्मचारी से तथा अर्जन की वारीख और जिस्सी प्रकार से सम्मति से आधिक आय | बतलाइये कि वह किसके नाम ""क्योद, पट्टा, बंधक, विरासत, मन्य प्राप्त हैं और उसका मेंट या अन्य किसी प्रकार से सम्पत्ति से शासकीय कर्मचारी से तथा अर्जन की तार्ष और जिससे बार्षिक आय | |
 | | | | |
 | | | | |
 | | | | |
 | |
| गृह तथा अन्य भवत भूषि **वर्तमा मूल्य पर पारित है, और उतस्का मेट या ज्या हिस्सी प्रकार से प्राप्ति है, और उतस्का मेट या ज्या हिस्सी प्रकार से प्राप्ति है, और उतस्का में निर्मा क्यों त्रिक और विस्ति ज्या ज्या अवित को गाँह थे। वस्ति आया ज्या विस्ति आया ज्या व्या विस्ति आया ज्या व्या विस्ति आया वि | ाह तथा अन्य भवत भूमि "वर्तमान मूच्च पर धारित है और उसका मूच्च पर धारित है और उसका मूच्च पर धारित है और उसका मूच्य पर धारित है और उसका मूच्य अपनि को कार्यक आप अपनि कार्यक मान वार्षिक आप अपनि को कार्यक मान वार्षिक आप अपनि कार्यक कार्यक मान वार्षिक आप अपनि कार्यक कार्यक मान वार्षिक कार्यक कार्यक मान वार्षिक कार्यक कार्यक मान कार्यक का | ाह तथा अन्य भवत भूमि "वर्तमान मूच्च पर धारित है और उसका मूच्च पर धारित है और उसका मूच्य पर धारित है और उसका मूच्य पर धारित है और उसका मूच्य अगर जिस्सों भू जारिक आप अगर जिस्सों मूच्य अगर जार जार जार जार जार जार जार जार जार जा | ाह तथा अन्य भ्यत भूमि "वर्तमान मूख्य पर चारित है और उसका में द पर अन्य किसते प्रकार से सम्मित्त में व्या अन्य भ्यत किसते भूमि से पर चारा है और उसका में द पर अन्य किसते के व्या अन्य अन्य विवास अन्य के व्या अन्य अन्य विवास अन्य के व्या अन्य क्ष्य विवास अन्य के व्या अन्य अन्य विवास अन्य के व्या अन्य अन्य विवास अन्य के व्या अन्य अन्य विवास अन् | गृह तथा अन्य भवत भूमि "वर्तमात मूल्य पर धारित हैं और उसकी में दें पा अन्य किसती प्रकार से सामितिक आप प्राप्त के भीर विकास से आप अन्य भवत की वार्तिक आप प्राप्त की मार्थ को वर्ता की वार्तिक आप प्रमुद्ध की वर्ता की वार्तिक आप प्रमुद्ध की वर्ता कर की वर्ता क | गृह तथा अन्य पदन भूमि ""वर्तमान मून्य पर भारत हैं. और उसका में स्वाप्त में स्वप्त में अपीर, प्रद्या, बंधक, विरासत, सम्मित्त में मान्य मान | गृह तथा अन्य भवत भूमि **वर्तमान मूख्य पर धारित है. और उसका मित्र मित्र मा स्थापित है. और उसका मित्र माया मित्र भाग मित्र माया मित्र माया मित्र भाग मित्र माया मित्र भाग मित्र माया मित्र मित | गृह तथा अन्य भवत भूमि "ज्यतमा मूल्य एर धारित है, और उदस्ता मूल्य पर धारित है, और उदस्ता मूल्य एर धारित है, और उदस्ता मूल्य एर धारित है, और उदस्ता मूल्य एर धारित है। जा अपन्य किसी प्रकार से सम्मान समान समान है। ज्या अपन्य और किस मूल मूल जा किस है। यह हो जा किस अपन सिक मूल मूल है। | गृह तथा अन्य भवत भूमि "कर्तनात मूल्य पर धारित है, और उसका में दें भा कर्त्य किसी प्रकार से सम्पति से आप अर्जन की धारी क्यों के आप अर्जन की धारी क्यों के आप अर्जन की धारी की | गृह तथा अन्य भवत भूमि ""वर्तनात मूल्य ए धारीय है, और उसका में ये भा अन्य किसी प्रकार में सम्माधि से अम्र आपित की प्रकार की धारक और विस्तार कार्यां की सम्माधि से अम्य अर्जन की धारक और विस्तार कार्यां कार्यां और विस्तार कार्यां कार्यां कार्यां कार्यां कार्यं कार्यां कार्यं का | गृह तथा अन्य थवन भूमि "चर्तनार मूल्य प्र धारित है और उसका भेट मा जन्म किसा, प्रदा, बेपक, विरासत, सम्मित्त में सम्मित्त के विरास में सम्मित्त के विरास का में सम्मित के विरास का माने वि | गृह तथा अन्य पवन भूमि " धर्मान मूल्य प् भारत है, और उसका भेट या जन्म किसी प्रकार से सम्मित्त अप्र
सास्कीय कर्मान्यों से जाया किसी प्रकार से सम्मित्त आयु
स्मान्यंभ है जाया जन्म किसी का मित जाया का जाया जाय | गृह तथा अन्य भवन भूमि "" मर्तमान मूल्य पर भारित हैं और उसका भेट या अन्य किसी प्रकार से सम्मति से आ
शासकीय कर्मचारी से तथा अजन की तारीख और जिससे बार्षिक आय
स्मा संबंध है अजित की गई हो उसका नाम
(2) (3) (4) (5) (5) | गृह तथा अन्य भवन भूमि "वर्तमान मूल्य पर भारित है और उसका भेट या ज्यन्य किसी प्रकार से सम्मात्ति से आर्थ भिट या ज्यन्य किसी प्रकार से सम्मात्ति से आर्थ जीर विश्वसने वार्षिक आय् स्मार्थ के अधित की गाँह हो उसका नाम समार्थ है अधित की गाँह हो उसका नाम तथा संबंध है (६) (१)
 | गृह तथा अन्य भवन भूमि "भवतमान मूल्य पर भारित हैं और उसका भेट या अन्य किसी प्रकार से सम्मति से आप शासकीय कर्मजारी से तथा अजन की तारीख और जिससे बार्षिक आप स्मार्थिक हैं अधिक का नाम स्मार्थिक हैं अधिक का नाम तथा स्वेध के स्वेध का नाम तथा स्वेध के स्वेध का नाम तथा स्वेध हैं अधिक का नाम तथा स्वेध के स्वेध का नाम तथा स्वेध का नाम तथा स्वेध के स्वेध का नाम तथा है। | गृह तथा अन्य भवन भूमि "भवंतान मूल्य पर भारित है और उसका भेट या जन्य किसी प्रकार से सम्मान्ति स्र अप्र
शासकीय कर्मचारी से तथा अर्जन की तारीख और जिससे व्याधिक आय
स्मान्तिक कर्मचारी से अभित की गाई हो उसका नाम
स्मान्तिक है अभित की गाई हो उसका नाम
तथा व्याप | गृह तथा अन्य भवन भूमि "भवतमान मूल्य पर भारित है और उसका भेट या अन्य किसी प्रकार से सम्मति से आ
शासकीय कर्मचारी से तथा अर्जन की वार्राख और जिससे वार्षिक आय्
पमा संबंध है अधित की वार्राख और जिससे वार्षिक आय्
(2) (3) (4) (5) (7) | गृह तथा अन्य भवन भूमि "" वर्तमान मूल्य पर भारित हैं और उसका भेट या अन्य किसी प्रकार से सम्मति से आ
शासकीय कर्मचारी से तथा अन्यन की तारीख और जिससे बाधिक आय
स्मा संबंध है अजित की गई हो उसका नाम
तथा व्यौर (5) (6) (7) | गृह तथा अन्य भवन भूमि "भवतेमान मूल्य पर भारत है और उसका भेट या जन्य किसी प्रकार से सम्मान्ति से आप सासकीय कर्मचारी से तया अर्जन की तारीख और जिससे वार्षिक आय स्मान्तिक क्षेत्र को तारीख और जिससे वार्षिक आय स्मान्तिक के अंजित की गाई हो बसका नाम तथा संबंध है अजित की गाई हो बसका नाम तथा स्वंध है (6) (7)
 | गृह तथा अन्य भवन भूमि "भवतमान मूल्य पर भारित है और उसका भेट या अन्य किसी प्रकार से सम्मति से आ
शासकीय कर्मचारी से तथा अर्जन की वार्राख और जिससे वार्षिक आय
प्या संबंध है अधित की वार्राख और जिससे वार्षिक आय
स्या संबंध है अधित की वार्ष हो उसका नाम
तथा व्यारा (६) | गृह तथा अन्य भवन भूमि "भवतमान मूल्य पर भारित है और उसका भेट या अन्य किसी प्रकार से सम्मति से आ
शासकीय कर्मचारी से तथा अर्जन की तारीख और जिससे बार्षिक आय्
स्या संबंध है अजित की गई हो उसका नाम
(2) (3) (4) (5) (7) | गृह तथा अन्य भवन भूमि "भवतमार मूल्य पर भारित है और उसका मेंट या जन्य किसी प्रकार से सम्माति से आ
शासकीय कर्मचारी से तथा अजन की तारीख और जिससे बार्षिक आय
प्या संबंध है अजित की गई हो उसका नाम
(2) (3) (4) (5) (5) | गृह तथा अन्य भवन भूमि "" वर्तमान मूल्य पर भारित है. और उसका भेट या अपन्य किसी प्रकार से सम्मति से अप
शासकीय कर्मचारी से तथा अजैन की तार्राख और जिससे बार्षिक आय
स्या संबंध है अजित की गाँ हो उसका नाम
(2) (3) (4) (5) (7) | गृह तथा अन्य भवन भूमि "भवतेमार मूल्य पर भारित है और उसका भेट या अन्य किसी प्रकार से सम्मान्ति स
सासकीय कर्मचारी से तथा अर्जन की तारीख और जिससे व्याधिक आय
स्मा संबंध है अजित की गई हो बसका नाम
(2) (3) (4) (5) (7)
 | गृह तथा अन्य भवन भूमि "वर्तमान मूल्य पर भारित है और उसका भेट या अन्य किसी प्रकार से सम्मति से आ
शासकीय कर्मचारी से तथा अर्जन की ताराख और जिससे वार्षिक आय
स्पा संबंध है अधित की गई हो उसका नाम
स्पा संबंध है अधित की गई हो उसका नाम
(2) (3) (4) (5) | गृह तथा अन्य भवन भूमि ""मर्तमान मूल्य पर भारित है और उसका भेट या अन्य किसी प्रकार से सम्मति से आ
शासकीय कर्मचारी से तथा अजन की तारीख और जिससे बार्षिक आय
प्या संबंध है अजित की गई हो उसका नाम | गृह तथा अन्य भवन भूमि ""मर्तमान मूल्य पर भारित है. और उसका मेंट या अन्य किसी प्रकार से सम्मित्त आ
शासकीय कर्मचारी से तथा अर्जन की शारिक और जिससे
स्मासकीय कर्मचारी से तथा अर्जन की शारिक और जिससे
स्मा संबंध है अर्जित की गई हो उसका नाम | गृह तथा अन्य भवन भूमि "भवेमान मूल्य पर भारित है और उसका भेट या अन्य किसी प्रकार से सम्मान्ति स
शासकीय कर्मचारी से तथा अर्जन की तारीख और जिससे व्यार्थिक आय
स्मान्तिक कर्मचारी से अर्जित की गई हो उसका नाम
स्मान्तिक है अर्जित की गई हो उसका नाम | गृह तथा अन्य भवन भूमि "भवर्तमान मूल्य पर भारित है और उसका भेट या अन्य किसी प्रकार से सम्मासि से आ
शासकीय कर्मचारी से तथा अर्जन की तारीख और जिससे बार्थिक आय
स्पा संबंध है अधित की गई हो उसका नाम
हास संबंध है | गृह तथा अन्य भवन
भूमि "वर्तमान मूल्य पर भारित है और उसका भेट या अन्य किसी प्रकार से सम्मति से आर्थ
शासकीय कर्मचारी से तथा अर्जन की तार्राख और जिससे वार्षिक आय
समा संबंध है अधित की गई हो उसका नाम | बतलाइये कि वह किसके नाम """खरीट, प्रट्य, बंधक, विरासत, सम्मति से अन्य कि वह किसके नाम भेट या अन्य किसी प्रकार से सम्मति से आराज कर्मचारी से तथा अर्जन की तारीख और जिससे बार्षिक आय स्या संबंध है अर्जित की गई हो उसका नाम तथा संबंध है | गृह तथा अन्य भवन भूमि "कर्मना मूल्य पर भारत है और उसका में या अन्य किसी प्रकार से सम्माति से अन्य भवन भूमि सम्माति से सम्भाति से सम्भाति से सम्भाति से सम्भाति सम्भायि अभिक्र आय | गृह तथा अन्य भवन भूमि ""वर्तमान मूल्य पर भारित हैं. और उसका मेंट या अन्य किसी प्रकार से सम्मात्ति से अभ
शासकीय कर्मचारी से तथा अर्जन की तारीख और जिससे वार्षिक आय
स्मा संबंध है अधित की गाँह इसका नाम | गृह तथा अन्य भवन भूमि "भवर्तमार मूल्य पर भारित है और उसका भेट या अन्य किसी प्रकार से सम्मानि से
शासकौय कर्मचारी से तथा अर्जन की तारीख और जिससे बार्धिक आय
स्या संबंध है अजिंत की गई हो उसका नाम
 | गृह तथा अन्य भवन भूमि "भवतमान मूल्य पर शासित है और उसका भेट या अन्य किसी प्रकार से सम्मति से
शासकीय कर्मचारी से तथा अर्जन की तारीख और जिससे वार्षिक आय
स्या संबंध है अधित की तारीख और जिससे | गृह तथा अन्य भवन भूमि "कैवर्तमान मूल्य पर भारित है और उसका भेट या अन्य किसी प्रकार से सम्मति से अन्य सिता सिक आय शासकीय कर्मचारी से तथा अजन की तारीख और जिससे बार्षिक आय स्मासिक्य स्मासिक्य स्मासिक्य अप | गृह तथा अन्य भवन भूमि ""वर्तमान मूल्य पर भारित है. और उसका मेंट या अन्य किसी प्रकार से सम्मात्ति से अभ
शासकीय कर्मचारी से तथा अर्जन की तारीख और जिससे वार्षिक आय
स्मान्सवंध है अधित की गई हो उसका नाम | गृह तथा अन्य भवन भूमि "कैवर्तमान मृत्य पर भारित हैं और उसका मेंट या अन्य किसी प्रकार से सम्मत्ति से आधिक आधि हैं और उसका अज्ञ की तारीख और जिससे वार्षिक आधि समिक आधि | गृह तथा अन्य भवन भूमि "वर्तमान मूल्य पर भारित है और उसका भेट या अन्य किसी प्रकार से सम्मत्ति से आराजन की तारीख और जिससे वार्षिक आय | गृह तथा अन्य भवन भूमि "कैवर्तमान मूल्य पर भारित है और उसका भेट या अन्य किसी प्रकार से सम्मति से
शासकीय कर्मचारी से तथा अजन की तारीख और जिससे बार्षिक आय
 | | | | 「サイト」とは、大きななり | することはなり
 | TO THE PARTY OF | | | 1441 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1
 | 1441 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 | TO THE PARTY OF | TO THE PARTY OF | 1441 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 | TO THE PARTY OF
 | 1441 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 | 1441 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 | 1441 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 | TO THE PARTY OF |
| गृह तथा अन्य भवत भूषि **वर्तमा मूल्य पर पारित है, और उतस्का मेट या ज्या हिस्सी प्रकार से प्राप्ति है, और उतस्का मेट या ज्या हिस्सी प्रकार से प्राप्ति है, और उतस्का में निर्मा क्यों त्रिक और विस्ति ज्या ज्या अवित को गाँह थे। वस्ति आया ज्या विस्ति आया ज्या व्या विस्ति आया ज्या व्या विस्ति आया वि | ाह तथा अन्य भवत भूमि "वर्तमान मूच्च पर धारित है और उसका मूच्च पर धारित है और उसका मूच्च पर धारित है और उसका मूच्य पर धारित है और उसका मूच्य अपनि को कार्यक आप अपनि कार्यक मान वार्षिक आप अपनि को कार्यक मान वार्षिक आप अपनि कार्यक कार्यक मान वार्षिक आप अपनि कार्यक कार्यक मान वार्षिक कार्यक कार्यक मान वार्षिक कार्यक कार्यक मान कार्यक का | ाह तथा अन्य भवत भूमि "वर्तमान मूच्च पर धारित है और उसका मूच्च पर धारित है और उसका मूच्य पर धारित है और उसका मूच्य पर धारित है और उसका मूच्य अगर जिस्सों भू जारिक आप अगर जिस्सों मूच्य अगर जार जार जार जार जार जार जार जार जार जा | ाह तथा अन्य भ्यत भूमि "वर्तमान मूख्य पर चारित है और उसका में द पर अन्य किसते प्रकार से सम्मित्त में व्या अन्य भ्यत किसते भूमि से पर चारा है और उसका में द पर अन्य किसते के व्या अन्य अन्य विवास अन्य के व्या अन्य अन्य विवास अन्य के व्या अन्य क्ष्य विवास अन्य के व्या अन्य अन्य विवास अन्य के व्या अन्य अन्य विवास अन्य के व्या अन्य अन्य विवास अन् | गृह तथा अन्य भवत भूमि "वर्तमात मूल्य पर धारित हैं और उसकी में दें पा अन्य किसती प्रकार से सामितिक आप प्राप्त के भीर विकास से आप अन्य भवत की वार्तिक आप प्राप्त की मार्थ को वर्ता की वार्तिक आप प्रमुद्ध की वर्ता की वार्तिक आप प्रमुद्ध की वर्ता कर की वर्ता क | गृह तथा अन्य पदन भूमि ""वर्तमान मून्य पर भारत हैं. और उसका में स्वाप्त में स्वप्त में अपीर, प्रद्या, बंधक, विरासत, सम्मित्त में मान्य मान | गृह तथा अन्य भवत भूमि **वर्तमान मूख्य पर धारित है. और उसका मित्र मित्र मा स्थापित है. और उसका मित्र माया मित्र भाग मित्र माया मित्र माया मित्र भाग मित्र माया मित्र भाग मित्र माया मित्र मित | गृह तथा अन्य भवत भूमि "ज्यतमा मूल्य एर धारित है, और उदस्ता मूल्य पर धारित है, और उदस्ता मूल्य एर धारित है, और उदस्ता मूल्य एर धारित है, और उदस्ता मूल्य एर धारित है। जा अपन्य किसी प्रकार से सम्मान समान समान है। ज्या अपन्य और किस मूल मूल जा किस है। यह हो जा किस अपन सिक मूल मूल है। | गृह तथा अन्य भवत भूमि "कर्तनात मूल्य पर धारित है, और उसका में दें भा कर्त्य किसी प्रकार से सम्पति से आप अर्जन की धारी क्यों के आप अर्जन की धारी क्यों के आप अर्जन की धारी की | गृह तथा अन्य भवत भूमि ""वर्तनात मूल्य ए धारीय है, और उसका में ये भा अन्य किसी प्रकार में सम्माधि से अम्र आपित की प्रकार की धारक और विस्तार कार्यां की सम्माधि से अम्य अर्जन की धारक और विस्तार कार्यां कार्यां और विस्तार कार्यां कार्यां कार्यां कार्यां कार्यं कार्यां कार्यं का | गृह तथा अन्य थवन भूमि "चर्तनार मूल्य ए धारेत हैं, और उसका भेंद्र मां जन्म किसार से सम्पत्ति से आप कार्य किसार से सम्पत्ति से आप अप समित हैं और उसका मां अप समित हैं हैं। अप अप समित के समित हैं हैं। अप अप समित के मां के किसार मां कार्य के किस | गृह तथा अन्य पवन भूमि " चर्तनार मूल्य पर भारत है, और उसका भेट मा जन्म किसी प्रकार से सम्मित्त स्वाप्त कार्य किसी प्रकार से सम्मित्त स्वाप्त कार्य कार्य किसी प्रकार से सम्मित्त स्वाप्त कार्य कार्य किसी प्रकार से सम्मित्त स्वाप्त कार्य | गृह तथा अन्य भवन भूमि "" मर्तमान मूल्य पर भारित हैं और उसका भेट या अन्य किसी प्रकार से सम्मति से आ
शासकीय कर्मचारी से तथा अजन की तारीख और जिससे बार्षिक आय
स्मा संबंध है अजित की गई हो उसका नाम
(2) (3) (4) (5) (5) | गृह तथा अन्य भवन भूमि "वर्तमान मूल्य पर भारित है और उसका भेट या ज्यन्य किसी प्रकार से सम्मात्ति से आर्थ भिट या ज्यन्य किसी प्रकार से सम्मात्ति से आर्थ जीर विश्वसने वार्षिक आय् स्मार्थ के अधित की गाँह हो उसका नाम समार्थ है अधित की गाँह हो उसका नाम तथा संबंध है (६) (१)
 | गृह तथा अन्य भवन भूमि "भवतमान मूल्य पर भारित हैं और उसका भेट या अन्य किसी प्रकार से सम्मति से आप शासकीय कर्मजारी से तथा अजन की तारीख और जिससे बार्षिक आप स्मार्थिक हैं अधिक का नाम स्मार्थिक हैं अधिक का नाम तथा स्वेध के स्वेध का नाम तथा स्वेध के स्वेध का नाम तथा स्वेध हैं अधिक का नाम तथा स्वेध के स्वेध का नाम तथा स्वेध का नाम तथा स्वेध के स्वेध का नाम तथा है। | गृह तथा अन्य भवन भूमि "भवंतान मूल्य पर भारित है और उसका भेट या जन्य किसी प्रकार से सम्मान्ति स्र अप्र
शासकीय कर्मचारी से तथा अर्जन की तारीख और जिससे व्याधिक आय
स्मान्तिक कर्मचारी से अभित की गाई हो उसका नाम
स्मान्तिक है अभित की गाई हो उसका नाम
तथा व्याप | गृह तथा अन्य भवन भूमि "भवतमान मूल्य पर भारित है और उसका भेट या अन्य किसी प्रकार से सम्मति से आ
शासकीय कर्मचारी से तथा अर्जन की वार्राख और जिससे वार्षिक आय्
पमा संबंध है अधित की वार्राख और जिससे वार्षिक आय्
(2) (3) (4) (5) (7) | गृह तथा अन्य भवन भूमि "" वर्तमान मूल्य पर भारित हैं और उसका भेट या अन्य किसी प्रकार से सम्मति से आ
शासकीय कर्मचारी से तथा अन्यन की तारीख और जिससे बाधिक आय
स्मा संबंध है अजित की गई हो उसका नाम
तथा व्यौर (5) (6) (7) | गृह तथा अन्य भवन भूमि "भवतेमान मूल्य पर भारत है और उसका भेट या जन्य किसी प्रकार से सम्मान्ति से आप सासकीय कर्मचारी से तया अर्जन की तारीख और जिससे वार्षिक आय स्मान्तिक क्षेत्र को तारीख और जिससे वार्षिक आय स्मान्तिक के अंजिर की गाई हो बसका नाम तथा संबंध है अजिर की गाई हो बसका नाम तथा स्वंध है (6) (7)
 | गृह तथा अन्य भवन भूमि "भवतमान मूल्य पर भारित है और उसका भेट या अन्य किसी प्रकार से सम्मति से आ
शासकीय कर्मचारी से तथा अर्जन की वार्राख और जिससे वार्षिक आय
प्या संबंध है अधित की वार्राख और जिससे वार्षिक आय
स्या संबंध है अधित की वार्ष हो उसका नाम
तथा व्यारा (६) | गृह तथा अन्य भवन भूमि "भवतमान मूल्य पर भारित है और उसका भेट या अन्य किसी प्रकार से सम्मति से आ
शासकीय कर्मचारी से तथा अर्जन की तारीख और जिससे बार्षिक आय्
स्या संबंध है अजित की गई हो उसका नाम
(2) (3) (4) (5) (7) | गृह तथा अन्य भवन भूमि "भवतमार मूल्य पर भारित है और उसका मेंट या जन्य किसी प्रकार से सम्माति से आ
शासकीय कर्मचारी से तथा अजन की तारीख और जिससे बार्षिक आय
प्या संबंध है अजित की गई हो उसका नाम
(2) (3) (4) (5) (5) | गृह तथा अन्य भवन भूमि "" वर्तमान मूल्य पर भारित है. और उसका भेट या अपन्य किसी प्रकार से सम्मति से अप
शासकीय कर्मचारी से तथा अजैन की तार्राख और जिससे बार्षिक आय
स्या संबंध है अजित की गाँ हो उसका नाम
(2) (3) (4) (5) (7) | गृह तथा अन्य भवन भूमि "भवतेमार मूल्य पर भारित है और उसका भेट या अन्य किसी प्रकार से सम्मान्ति स
सासकीय कर्मचारी से तथा अर्जन की तारीख और जिससे व्याधिक आय
स्मा संबंध है अजित की गई हो बसका नाम
(2) (3) (4) (5) (7)
 | गृह तथा अन्य भवन भूमि "वर्तमान मूल्य पर भारित है और उसका भेट या अन्य किसी प्रकार से सम्मति से आ
शासकीय कर्मचारी से तथा अर्जन की ताराख और जिससे वार्षिक आय
स्पा संबंध है अधित की गई हो उसका नाम
स्पा संबंध है अधित की गई हो उसका नाम
(2) (3) (4) (5) | गृह तथा अन्य भवन भूमि ""मर्तमान मूल्य पर भारित है और उसका भेट या अन्य किसी प्रकार से सम्मति से आ
शासकीय कर्मचारी से तथा अजन की तारीख और जिससे बार्षिक आय
प्या संबंध है अजित की गई हो उसका नाम | गृह तथा अन्य भवन भूमि ""मर्तमान मूल्य पर भारित है. और उसका मेंट या अन्य किसी प्रकार से सम्मित्त आ
शासकीय कर्मचारी से तथा अर्जन की शारिक और जिससे
स्मासकीय कर्मचारी से तथा अर्जन की शारिक और जिससे
स्मा संबंध है अर्जित की गई हो उसका नाम | गृह तथा अन्य भवन भूमि "भवेमान मूल्य पर भारित है और उसका भेट या अन्य किसी प्रकार से सम्मान्ति स
शासकीय कर्मचारी से तथा अर्जन की तारीख और जिससे व्यार्थिक आय
स्मान्तिक कर्मचारी से अर्जित की गई हो उसका नाम
स्मान्तिक है अर्जित की गई हो उसका नाम | गृह तथा अन्य भवन भूमि "भवर्तमान मूल्य पर भारित है और उसका भेट या अन्य किसी प्रकार से सम्मासि से आ
शासकीय कर्मचारी से तथा अर्जन की तारीख और जिससे बार्थिक आय
स्पा संबंध है अधित की गई हो उसका नाम
हास संबंध है | गृह तथा अन्य भवन भूमि "वर्तमान
मूल्य पर भारित है और उसका भेट या अन्य किसी प्रकार से सम्मति से आर्थ
शासकीय कर्मचारी से तथा अर्जन की तार्राख और जिससे वार्षिक आय
समा संबंध है अधित की गई हो उसका नाम | बतलाइये कि वह किसके नाम """खरीट, प्रट्य, बंधक, विरासत, सम्मति से अन्य कि वह किसके नाम भेट या अन्य किसी प्रकार से सम्मति से आराज कर्मचारी से तथा अर्जन की तारीख और जिससे बार्षिक आय स्या संबंध है अर्जित की गई हो उसका नाम तथा संबंध है | गृह तथा अन्य भवन भूमि "कर्मना मूल्य पर भारत है और उसका में या अन्य किसी प्रकार से सम्माति से अन्य भवन भूमि सम्माति से सम्भाति से सम्भाति से सम्भाति से सम्भाति सम्भायि अभिक्र आय | गृह तथा अन्य भवन भूमि ""वर्तमान मूल्य पर भारित हैं. और उसका मेंट या अन्य किसी प्रकार से सम्मात्ति से अभ
शासकीय कर्मचारी से तथा अर्जन की तारीख और जिससे वार्षिक आय
स्मा संबंध है अधित की गाँह इसका नाम | गृह तथा अन्य भवन भूमि "भवर्तमार मूल्य पर भारित है और उसका भेट या अन्य किसी प्रकार से सम्मानि से
शासकौय कर्मचारी से तथा अर्जन की तारीख और जिससे बार्धिक आय
स्या संबंध है अजिंत की गई हो उसका नाम
 | गृह तथा अन्य भवन भूमि "भवतमान मूल्य पर शासित है और उसका भेट या अन्य किसी प्रकार से सम्मति से
शासकीय कर्मचारी से तथा अर्जन की तारीख और जिससे वार्षिक आय
स्या संबंध है अधित की तारीख और जिससे | गृह तथा अन्य भवन भूमि "कैवर्तमान मूल्य पर भारित है और उसका भेट या अन्य किसी प्रकार से सम्मति से अन्य सिता सिक आय शासकीय कर्मचारी से तथा अजन की तारीख और जिससे बार्षिक आय स्मासिक्य स्मासिक्य स्मासिक्य अप | गृह तथा अन्य भवन भूमि ""वर्तमान मूल्य पर भारित है. और उसका मेंट या अन्य किसी प्रकार से सम्मात्ति से अभ
शासकीय कर्मचारी से तथा अर्जन की तारीख और जिससे वार्षिक आय
स्मान्सवंध है अधित की गई हो उसका नाम | गृह तथा अन्य भवन भूमि "कैवर्तमान मृत्य पर भारित हैं और उसका मेंट या अन्य किसी प्रकार से सम्मत्ति से आधिक आधि हैं और उसका अज्ञ की तारीख और जिससे वार्षिक आधि समिक आधि | गृह तथा अन्य भवन भूमि "वर्तमान मूल्य पर भारित है और उसका भेट या अन्य किसी प्रकार से सम्मत्ति से आराजन की तारीख और जिससे वार्षिक आय | गृह तथा अन्य भवन भूमि "कैवर्तमान मूल्य पर भारित है और उसका भेट या अन्य किसी प्रकार से सम्मति से
शासकीय कर्मचारी से तथा अजन की तारीख और जिससे बार्षिक आय
 | | | | 「サイト」とは、大きななり | することはなり
 | 1441 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 | | | 1441 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1
 | 1441 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 | TO THE PARTY OF | TO THE PARTY OF | 1441 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 | TO THE PARTY OF
 | 1441 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 | 1441 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 | 1441 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 | TO THE PARTY OF |
| गृह तथा अन्य भवत भूमि **धर्तमा मूख् पर भारत है, और उसका मेट या अन्य किसी प्रकार से सम्मिती से आपासकीय क्रमणारी से जाग अजन की ग्रांगुल और विवसते जाग सम्मिती से जाग अजन की ग्रांगुल और विवसते जाग सिंह आपास की पर अजित की ग्रंह के वरका गान अजित की ग्रंह के वरका गान (5) (6) (7) | ाह तथा अन्य पथन भूमि "कोनाम मूर्च पर भारित हैं और उसका में दे या अन्य किसते प्रकार से सम्मित्त में अप अन्य पथन किसते किसते में स्थापित के मार्थित के मार् | ाह तथा अन्य पथन भूमि "कोनाम मूर्च पर धारित है और उसका मेंट या अन्य किस्ती प्रकार से सम्मिति में अप
पर धारित है और उसका मेंट या अन्य किस्ती प्रकार से वार्षिक आप
प्या समित के को | ाह तथा अन्य शक्त भूमि "विद्यान मूच्च पर भारित है और उसका
भूमि विद्यान मूच्च पर भारित है और उसका
स्थान अर्थन की कार्यक से व्यानिक आप
स्थान से कार्यका मान
(2) (3) (4) (5) (5) (5) (7) | गृह तथा अन्य थवन भूमि ""इर्जमान मूल्य पर भारित है और उसका में अफ, विरासत, सम्मित्त का विकास में अपक, विरासत, सम्मित्त का विकास में अपक, विरासत, सम्मित्त का विकास में अपक, विरासत, का अपी, विकास में अपने विरासत विकास में अपने विरासत विकास में अपने विरास के अपने विरासत विकास में अपने विरासत विकास में अपने विरासत विरास में अपने विरासत विकास में अपने विरासत विकास में अपने विरासत विकास में अपने का विरासत विरासत विकास में अपने विरासत विरासत विकास में अपने का विरासत विरास विरासत व | गृह तथा अन्य पदन भूमि ""वर्तमान मूच्य पर भारित हैं और उसका में व्यान्य दिन्ती प्रकार से सम्मित्त का मित्र वा ज्यान दिन्ती प्रकार से सम्मित्त का मिर्ग वा ज्यान की ग्रेगीय और विस्त को मिर्ग विस्त को मिर्ग वा मिर | गृह तथा अन्य थवन भूमि ""वर्तमान मून्य पर भारित हैं, और उसका में स्वाप्त में स्वक्त किसी प्रकार से सम्मित्त अप
स्वाप्त हैं और उसका में स्वप्त से अपित को गाँ हो उसका मान कार्यिक आपित आपित आपित आपित आपित आपित आपित आपित | गृह तथा अन्य पवन भूमि "क्वतंमात मूल्य पर भारत हैं और उसका में दे भा जन्म की तार्रिक आप आप सम्पति से आप अप
 | गृह तथा अन्य भवन भूमि "कर्तनान मूल्य पर भारत कि शहर किसके नाम "उपरि, पर्दा, बंधक, विरासत
पर भारत के जीर कस्तान मूल्य पर भारत के जीर किस के जाय
स्मानिय कुम्पेवारी से अभ्य अर्थन को गाँउ और किस में
स्मानिय कुम्पेवारी से अर्थ अर्थन को गाँउ और किस में
स्मानिय कुम्पेवारी से अर्थ अर्थन को गाँउ और किस में
स्मानिय के अर्थन को गाँउ और किस में
समानिय के अर्थन को गाँउ और किस में
समानिय के अर्थन को गाँउ और किस में
समानिय के अर्थन को गाँउ के अर्थन को गाँउ में
समानिय के अर्थन को गाँउ के अर्थन को गाँउ में
समानिय को अर्थन को अर्थन को गाँउ में
समानिय को अर्थन को गाँउ में
समानिय को अर्थन को | गृह तथा अन्य भवत भूति "कर्तनात मूल्य पर भारत है, और उसका मेंट या ज्यन किसी प्रकार से सम्माति से आप अर्जन की तारोख और दिस्सो बार्षिक आप अपा-स्वांध है जिस्सो की गई हो उसका गान विभाव की गाई हो उसका गान विभाव की गाई हो उसका गान विभाव की तारोख और दिस्सो विभाव की तारोख की | गृह तथा अन्य पवन भूमि ""वर्तमान मूल्य पर धारित हैं, और उसका में द्वा अन्य किसा में सम्पत्ति से अप सम्पति से आ समिति हैं। अप अप समिति से मार्ग को सार्ग को को सार्ग क | गृह तथा अन्य थवन भूमि " "वर्तनार मूल्य प्र धारित है और उसका में या अन्य दिस्ती प्रकार से सम्पत्ति से व्याप्त कार्य कार्य दिस्त मान स्थारित है और उसका मान व्या-संबंध है अप अप संबंध है अप अप संबंध है अप अप संबंध है अप अप संवध मान व्याप्त कार्य के उसका मान विषय कार्य कार् | गृह तथा अन्य भवन भूमि "वर्तमान मूल्य पर भारित है और उसका मेंट या ज्यन्य किसी प्रकार से सम्मास से आय
शासकीय कर्मचारी से तथा अर्जन की तारीख और जिससे आय
स्मा संबंध है अंजित को गई हो उसका नाम
स्या संबंध है अंजित को गई हो उसका नाम
(2) (3) (4) (5) (7) | गृह तथा अन्य भवन भूमि "कर्तमान मूल्य पर धारित है और उसका भेट या जन्य किसी प्रकार से सम्मान्ति से आये सामान्ति के अपन्य जिल्ली के मांचारी से तथा अर्जन की तारीख और जिल्ला वार्षिक आय् समान्ति के समित को गई हो उसका नाम समान्ति के सिंह हो उसका नाम हमा स्थार (३) (६) (१) | गृह तथा अन्य भवन भूमि "भवंतान मूल्य पर भारित है और उसका भेट या ज्यन्य किसी प्रकार से सम्मति से आर्थार कर्मजारी से तथा अर्जन की तार्राख और जिस्से वार्षिक आय् मना संबंध है अंजिर की तार्राख और जिस्से वार्षिक आय् समासिक आय | गृह तथा अन्य भवन भूमि "भवतमान मूल्य पर भारित हैं और उसका भेट या अन्य किसी प्रकार से सम्मात्ति से आर्थ सम्भाति हैं और उसका भेट या अन्य किसी प्रकार से सम्मात्ति से आर्थ सांस्कीय कर्मचारी से तथा अन्य की गार्थ की व्यक्ति को गार्थ की वसका नाम समान तथा स्वांध है अजित को गार्थ हो उसका नाम तथा स्वंध है (६) (१) (८)
 | गृह तथा अन्य भवन भूमि "भवंतमान मूल्य पर भारित है और उसका भेट या जन्य किसी प्रकार से सम्मात्ति से आर्था सामिक आय्
शासकीय कर्मचारी से तथा अर्जन की वारीख और जिससे वार्षिक आय्
स्पा संबंध है अधित की गई हो उसका नाम
स्पा संबंध है अधित की गई हो उसका नाम
(2) (3) (4) (5) (7) | गृह तथा अन्य भवन भूमि "भवतमान मूल्य पर भारित है और उसका भेट या अन्य किसी प्रकार से सम्मति से आ
शासकीय कर्मचारी से तथा अर्जन की तारीख और जिससे बार्षिक आय्
स्या संबंध है अजिंत की गई हो बसका नाम
स्या संबंध है अजिंत की गई हो बसका नाम
(2) (3) (4) (5) (5) | गृह तथा अन्य भवत भूमि "वर्तमान मूल्य पर भारित हैं और उसका भेंद या अन्य किसी प्रकार से सम्मात्ति से आ
शासकीय कर्मचारी से तथा अर्जन की तारीख और जिससे
समासकीय कर्मचारी से तथा अर्जन की तारीख और जिससे
समासकीय कर्मचारी से अर्जित की गाई हो उसका नाम
(2) (3) (4) (5) (7) | गृह तथा अन्य भवन भूमि "भवतेमान मूल्य पर भारित है और उसका भेट या जन्य किसी प्रकार से सम्मासि से आया
शासकीय कर्मचारी से तथा अर्जन की वारीख और जिससे वार्षिक आय
स्पा संबंध है अधित की गई हो उसका नाम
तथा स्वीत की गई हो उसका नाम
(2) (3) (4) (5) (7) | गृह तथा अन्य भवन भूमि "भवर्तमान मूल्य पर भारित है और उसका भेट या अन्य किसी प्रकार से सम्मति से आ
शासकीय कर्मचारी से तथा अर्जन की तारीख और जिससे वार्षिक आय्
प्या संबंध है
अधित की गई हो उसका नाम
(2) (3) (4) (5) (7) | गृह तथा अन्य भवन भूमि "भवतमान मूल्य पर भारित है और उसका भेट या अन्य किसी प्रकार से सम्मति से आ
शासकीय कर्मचारी से तथा अजन की तारीख और जिससे बार्षिक आय
प्या संबंध है अजित की गई हो उसका नाम
(2) (3) (4) (5) (6) | गृह तथा अन्य भवन भूमि "वर्तमान मूल्य पर भारित है और उसका मेंट या अन्य किसी प्रकार से सम्मास से आप
शासकीय कर्मचारी से तथा अर्जन की तारीख और जिससे जार्थिक आय
स्मा संबंध है अंजित को गई हो उसका नाम
स्मा संबंध है अंजित को गई हो उसका नाम
(2) (3) (4) (5) | गृह तथा अन्य भवन भूमि "वर्षमान मूल्य पर भारित हैं और उसका भेट या अन्य किसी प्रकार से सम्मात्ति से आ सम्मात्ति से तथा अन्य किसी प्रकार से सम्मात्ति से आय सासकीय कर्मचारी से तथा अन्य की तारीख और जिससे वार्षिक आय समासकीय कर्मचारी से तथा स्वांधिक आय समासकीय कर्मचारी से अभित की गई हो उसका नाम तथा स्वांधि है । (६) (१) | गृह तथा अन्य भवन भूमि "भवर्तमार मूल्य पर भारित है और उसका भेट या अन्य किसी प्रकार से सम्मान्ति अ
शासकीय कर्मचारी से तथा अर्जन की वारीख और जिससे वार्षिक आय
स्मा संबंध है अधित की गई हो बसका नाम
तथा व्यांस | गृह तथा अन्य भवन भूमि "भवतमान मूल्य पर भारित है और उसका भेट या अन्य किसी प्रकार से सम्मति से आराका मेट या अन्य किसी प्रकार से सम्मति से आराका शासकीय कर्मचारी से तथा अर्जन की तारीख और जिससे बार्षिक आय स्मार्थकों अर्जन की तारीख और जिससे वार्षिक आय स्मार्थकों है। अर्जित की गई हो उसका नाम
 | गृह तथा अन्य भवन भूमि "वर्तमान मूल्य पर भारित हैं और उसका मेंट या अन्य किसी प्रकार से सम्मास से अम
शासकीय कर्मचारी से तथा अर्जन की तारीख और जिससे जार्य
स्मा संबंध है अंजित की गई हो उसका नाम | गृह तथा अन्य भवन भूमि "वर्तमान मूल्य पर धारित है और उसका भेट या अन्य किसी प्रकार से सम्मासि से आ
शासकीय कर्मचारी से तथा अर्जन की तारीख और जिससे वार्षिक आय
स्मा संबंध है अजिंत की गई हो उसका नाम
तथा व्या | गृह तथा अन्य भवन भूमि "भवतेमान मूल्य पर धारित है और उसका भेट या अन्य किसी प्रकार से सम्मान्ति अ
शासकीय कर्मचारी से तथा अर्जन की तारीख और जिससे व्यार्थिक आय
स्था संबंध है अधित की गई हो उसका नाम
हास संबंध है | गृह तथा अन्य भवन भूमि "भवर्तमान मूल्य पर भारित है और उसका भेट या अन्य किसी प्रकार से सम्मासि से आराज किसके नाम भेट या अन्य किसी प्रकार से सम्मासि से आराज किसके आया सामित किया कि सम्भासि से आया सामित किया किया किया किया किया किया नाम तथा स्वंध है अधिर किया नाम तथा स्वंध है अधिर किया नाम | गृह तथा अन्य भवन भूमि "भवतमान मूल्य पर भारित है और उसका भेट या अन्य किसी प्रकार से सम्मति से आर्थात कर्मचारी से तथा अर्जन की तार्राख और जिससे वार्षिक आय्
सासकीय कर्मचारी से तथा अर्जन की तार्राख और जिससे वार्षिक आय्
प्या संबंध है अर्जित की गई हो उसका नाम
 | गृह तथा अन्य भवन भूमि ""भवर्तमान मूल्य पर भारित है और उसका भेट या अन्य किसी प्रकार से सम्पत्ति से आप शासकीय कर्मचारी से तथा अजन की तारीख और जिससे बार्षिक आय प्या संबंध है अजित की गई हो उसका नाम तथा संबंध है | गृह तथा अन्य भवन भूमि "" वर्तमान मूल्य पर भारित है. और उसका मेंट या अन्य किसी प्रकार से सम्मति से आ
शासकीय कर्मचारी से तथा अर्जन की तारीख और जिससे वार्षिक आय
स्मा संबंध है अधित की गई हो उसका नाम | गृह तथा अन्य भवन भूमि "भवतमान मूल्य पर धारित है और उसका भेट या अन्य किसी प्रकार से सम्पत्ति से आ
शासकीय कर्मचारी से तथा अर्जन की तारीख और जिससे व्यार्थिक आय
स्था संबंध है अजिंत की गई हो उसका नाम | गृह तथा अन्य भवन भूमि "कर्तमान मूल्य पर भारित है और उसका भेट या अन्य किसी प्रकार से सम्मति से
शासकीय कर्मचारी से तथा अर्जन की वारीख और जिससे वार्षिक आय
समा संबंध है अधित की वार्राख और जिससे | गृह तथा अन्य भवन भूमि "भवतमान मूल्य पर भारित है और उसका भेट या अन्य किसी प्रकार से सम्मति से अन्य सिर्मा अन्य किसी प्रकार से सम्मति से आया शासकीय कर्मचारी से तथा अजन की तारीख और जिससे बार्षिक आय प्रणा संबंध है अजिसका नाम
 | गृह तथा अन्य भवन भूमि "" वर्तमान मूल्य पर भारित है. और उसका भेंट या अन्य किसी प्रकार से सम्मति से अन्
शासकीय कर्मचारी से तथा अर्जन की गरीख और जिससे बार्षिक आय
स्पान्सकिय है अर्जित की गई हो उसका नाम | गृह तथा अन्य भवन भूमि "वर्तमान मूल्य पर भारित है और उसका भेंट या अन्य किसी प्रकार से सम्मासि से अभ
शासकीय कर्मचारी से तथा अर्जन की हारीख और जिससे ज्ञांसिक आय
समा संबंध है अजिंत की गई हो उसका माम | गृह तथा अन्य भवन भूमि "भवर्तमान मूल्य पर भारित है और उसका भेट या अन्य किसी प्रकार से सम्मानि से आया शासकीय कर्मचारी से तथा अर्जन की वारीख और जिससे बार्षिक आय | गृह तथा अन्य भवन भूमि "भवतमान मूल्य पर भारित है और उसका भेट या अन्य किसी प्रकार से सम्पत्ति से
शासकीय कर्मचारी से तथा अजन की तारीख और जिससे बार्षिक आय | | | | |
 | | 一个作品的特別是 | | to the transfer of the second | To the transmitted and the second sec | To the transmitted and the second sec | to the transfer of the second | to the transfer of the second |
 | | to the transfer of the second | | to the transfer of the second | to the transfer of the second | to the transfer of the second | |
| गृह तथा अन्य शक्त भूमि ""वर्तमान गूल्य पर भारत है, और उसका में स्वाप्त में अपके, विरासत, सम्मति से मासका में सम्मति से मासका में सम्मति से मासका में मायकार मायक | ्राह तथा अन्य भवन भूमी ""वर्तमान मूच्य पर धाहित है और उसका में दें या अन्य किसते प्रकार ने सम्मातित के वार्य अपने भी कार्य और किसते क्षाप्त कार्य की कार्य और किसते कार्य कार्य किसते कार्य कार | ्राह तथा अन्य भवन भूमी ""व्यक्तान मूच्य पर धाहित हैं और उसका में दे या अन्य किसते प्रकार ने सम्मातित के वा वार्षिक आप विकास के सम्मातित के वार्ष अन्य भवन की वार्ष के वार्ष क | ाह तथा अन्य भवन भूमी "क्वीना मूच्य पर णाहित हैं और उसका मेंट या अन्य किस्सी प्रकार से सम्माधिसे आ विश्व कीर विस्ती प्रकार से वासिक आप विस्ती के वासिक आप विस्ती के विस्ती प्रकार माने वासिक आप विस्ती के विस्ती के विस्ती के वासिक आप विस्ती के वासिक आप विस्ती के वासिक आप विस्ती के वासिक आप पूर्ण संस्ताय वास्ता वासिक का को वासे वासिक कि वासी के वासिक का वासिक का विस्ता विस्ती के वासिक का वासिक | ाह तथा अन्य थवन भूमि "अवतंमान मूल्य पर भूमि अवस्ता कि वह कि वह कि वह कि वह कि प्राचन कि मि प्रकार से मार्गिस के वार्य कि वह कि वह का वार्य कि कि वह कि वह का वार्य कि वह कि वह का वार्य कि वह कि वह का वार्य कि वह का वार्य कि वह का वार्य कि वह कि वह का वार्य क | गृह तथा अन्य थवत भूमि ""इर्तमान मूख्य पर भूमि के वह कि कि वह कि कि वह वह कि व | ाह तथा अन्य पश्च भूमि ""वर्तमान मूल्य पर भारित है और उसका में व्यक्त किसी प्रकार से सम्मित्त अन्य पश्च (2) (3) (4) (5) (5) (6) (6) (7) | गृह तथा अन्य भवत भूमि "" बतामा मूल्य पर भारित हैं और उत्तका भेर या ज्वादा हिस्सी मेह सम्पति से अप अपन्य को वार्षक आप अपन्य स्था स्था है है अप अपन्य को वार्षक आप अपन्य से वार्षक आप अपन से वार्षक | गृह तथा अन्य भवत भूमि ""वर्तना मून्य पर भारत है, और उसका भूमि मून्य पर भारत है, और उसका मून्य पर भारत है, और उसका मून सम्मित का विक्रं आप अर्थन को वार्यक और दिस्तों के आप अर्थन को वार्यक और दिस्तों के आप अर्थन को वार्यक और दिस्तों के अर्थन को वार्यक और दिस्ता को वार्यक और दिस्ता के अर्थन को वार्यक और दिस्ता को वार्यक और दिस्ता को वार्यक और दिस्ता के अर्थन को वार्यक और दिस्ता के अर्थन को वार्यक और दिस्ता के अर्थन को वार्यक और दिस्ता को वार्यक और दिस्ता को वार्यक और दिस्ता के अर्थन को वार्यक और दिस्ता के अर्थन को वार्यक और दिस्ता के अर्थन को वार्यक और दिस्ता को वार्यक और दिस्ता के अर्थन को वार्यक और दिस्ता के अर्थन को वार्यक और दिस्ता के अर्थन के अर्थन को वार्यक और दिस्ता के अर्थन के अ | गृह तथा असन थना भूमि "म्बर्गना मूल्य पर भारत है, और उसका मूल्य पर भारत है, और उसका में दे भा जन्द किसी प्रकार से मानावित्र कार्यवार्थ है, और उसका मान ज्या अर्थन की गाँउ और किसते आप अर्थन की गाँउ और किसते आप अर्थन की गाँउ और किसते मान ज्या स्वित्र है। (3) (4) (5) (6) (7) | गृह तथा अन्य थवत भूमि "*वर्तमात मूल्य ए थारित है, और उसका भूमि भू यारित है, और उसका में या अन्य किसी प्रकार से आपनित से स्थानित है जो अन्य स्थारित है और उसका मान में या अन्य किसी प्रकार से वार्तिक आपने स्था संबंध है भी अन्य स्थात है । अन्य स्थात मान वार्तिक आपने व | गृह तथा अन्य थवत भूमि ""वर्तमान मूल्य पर धारित हैं, और उसका भूमि पर धारा हैं और उसका भूमि सम्पत्ति से सम्पति को गाँ हो उसका गांग स्वापित को गाँ हो उसका गांग हो उसका गांग हो सम्पति से सम्पति हैं सम्पति हैं सम्पति हैं सम्पति हैं सम्पति हो सम्पति हैं सम्पति | गृह तथा अन्य भवत भूमि ""वर्तमान मूल्य पर भारित हैं और उसका में उमान्यन्य विस्ती प्रकार से सम्मात्ति से आप स्थारित हैं और उसका में ने ने निर्मात को नाई हो उसका नाम स्थार संबंध है अंगर को गई हो उसका नाम तथा संबंध है (5) (6) (7) | गृह तथा अन्य भवत भूमि "वर्षमान मूल्य पर भारित हैं और उसका भेंदि पर्द्य, बंभक, विरासत सम्मान अभ सम्मान स्थापित हैं और उसका भेंदि या अन्य किसी प्रकार से सम्मान सास्कीय कर्मचारी से तथा अन्य की गाई हो उसका नाम समान समान समान समान तथा संबंध है अनियं की गाई हो उसका नाम तथा संबंध है (६) (१)
 | गृह तथा अन्य भवन भूमि "भवतमान मूल्य पर भारित है और उसका भेट या जन्य किसी प्रकार से सम्मात्ति से आर्थात है और उसका भेट या जन्य किसी प्रकार से सम्मात्ति से आर्थाय किमंत्राय और जिससे वार्थिक आप्र मार्थाय है अधित की गाँड हो वसका नाम तथा स्वंध है अधित की गाँड हो वसका नाम तथा स्वंध है (5) (7) | गृह तथा अन्य भवन भूमि "वर्षमान मूल्य पर भारित हैं और उत्तका में दाना-अन्य किसी प्रकार से सम्मात्ति से आय सासकीय अन्य नाम जन्य किसी प्रकार से सम्मात्ति से आय सासकीय अन्य नाम जन्म नाम तथा संबंध है अंजित की गई हो उसका नाम तथा संबंध है (5) (6) (7) | गृह तथा अन्य भवन भूमि "भवतमान मूल्य पर भारित हैं और उसका भेट या अन्य किसी प्रकार से सम्मान्ति अभ
शासकीय कर्मचारी से तथा अर्जन की वारीख और जिससे वार्षिक आय
स्मा संबंध हैं अधित की गई हो बसका नाम
तथा स्वंध हैं (६) (7) | गृह तथा अन्य भवन भूमि "कर्तमान मूल्य पर भारित है और उसका भेट या अन्य किसी प्रकार से सम्मांति से आर अभिक आय किमंत्राते से तथा अर्जन की तार्राख और जिससे वार्षिक आय स्मान्ति से अभिक आय स्मान्ति की गई हो वसका नाम तथा संबंध है अधिक सका नाम तथा संबंध है अधिक सका नाम तथा संबंध है अधिक सका नाम तथा संवंध है अधिक सका नाम तथा संवंध है अधिक सका नाम तथा स्वंध है अधिक सका नाम तथा सका नाम तथा स्वंध है अधिक सका नाम तथा तथा सका नाम तथा सका नाम तथा तथा सका नाम तथा तथा तथा तथा नाम तथा | गृह तथा अन्य भवन भूमि "वर्तमान मूल्य पर भारित है और उत्तका में "खरीद, पट्टा, बंभक, विरासत, सम्मास से अभित की तारी को ति की तारी को सिक आय समा संबंध है अजित की गई हो उसका नाम तथा संबंध है अजित को गई हो उसका नाम तथा संबंध है (5) (6) (7)
 | गृह तथा अन्य भवन भूमि "भवतमान मूल्य पर भारित हैं और उसका भेट या अन्य किसी प्रकार से सम्मान्ति अभ
शासकीय कर्मचारी से तथा अर्जन की वारीख और जिससे व्यार्थिक आय
स्मान्सिक क्षेत्रिक सिक्त मान
स्मान्सिक क्षेत्रिक की वारीख और जिससे
स्मान्सिक के महिक आय
स्मान्सिक के नहीं वसका नाम
(2) (3) (4) (5) (7) | गृह तथा अन्य भवन भूमि "भवतमान मूल्य पर भारित है और उसका भेट या जन्य किसी प्रकार से सम्मात्ति से आर्थात है और उसका भेट या जन्य किसी प्रकार से सम्मात्ति से आर्थाय कर्मचारी से तथा अर्जन की वार्यक्ष सार्थिक आप्र मार्थिक है अर्थित की गई हो वसका नाम तथा संबंध है अर्थित की गई हो वसका नाम तथा स्वंध है (5) (5) | गृह तथा अन्य भवन भूमि "कर्तमान मूल्य पर भारित है और उसका भेट या अन्य किसी प्रकार से सम्मति से आर्थ शासकीय कर्मचारी से तथा अर्जन की तारीख और जिससे बार्षिक आय् स्मार्थ है अधित की गई हो उसका नाम तथा स्वंध है अधित की गई हो उसका नाम तथा स्वंध है अधित की गई हो उसका नाम तथा स्वंध है (5) (6) (7) | गृह तथा अन्य भवत भूमि "*वर्तमान मूल्य पर भारित हैं और उसका मेंट या अन्य किसी प्रकार से सम्मात्ति से आ
शासकीय कर्मवारी से तथा अर्जन की तारीख और जिससे बार्षिक आय
स्मा संबंध है अजित की गई हो उसका नाम
स्मा संबंध है अजित की गई हो उसका नाम
(2) (3) (4) (5) | गृह तथा अन्य भवन भूमि "वर्तमान मूल्य पर भारित हैं और उसका मेंट या अन्य किसी प्रकार से सम्मात्ति से आय
शासकीय अनंबाती से तथा अर्जन की तारीख और जिससे
समासकीय अनंबाती से तथा अर्जन की तारीख और जिससे
समासकीय अनंबाती से तथा को गई हो उसका नाम
(2) (3) (4) (5) (7)
 | गृह तथा अन्य भवन भूमि "कर्तमान मूल्य पर भारित हैं और उसका भेट या अन्य किसी प्रकार से सम्मान्ति आ
शासकीय कर्मचारी से तथा अर्जन की वारीख और जिससे आर्थिक आय्
स्मान्तिक कर्मचारी से अधित की गई हो उसका नाम
स्मान्तिक हैं। अधित की गई हो उसका नाम
(2) (3) (4) (5) | गृह तथा अन्य भवन भूमि "कर्तमान मूल्य पर भारित है और उसका भेट या अन्य किसी प्रकार से सम्मति से आराज कर्मचारी से तथा अर्जन की तारीख और जिससे वार्षिक आय
सासकीय कर्मचारी से तथा अर्जन की तारीख और जिससे वार्षिक आय
स्या संबंध है अर्जित की गई हो उसका नाम | गृह तथा अन्य भवन भूमि "क्वरंमान मूल्य पर भारित हैं और उसका मेंट या अन्य किसी प्रकार से सम्मात्ति से अ
शासकीय कर्मवारी से तथा अर्जन की तारीख और जिससे बार्षिक आय
स्मा संबंध है अजिंत की गई हो उसका नाम | गृह तथा अन्य भवन भूमि "वर्तमान मूल्य पर भारित है और उसका मेंद या अन्य किसी प्रकार से सम्मास से अभ
शासकीय अर्मचारी से तथा अर्जन की तारीख और जिससे कार्यिक आय
स्मा संबंध है अजिंत की गई हो उसका नाम
स्मा संबंध है अजिंत की गई हो उसका नाम | गृह तथा अन्य भवन भूमि "वर्तमान मूल्य पर भारित है और उसका भेट या अन्य किसी प्रकार से सम्मास से अम
शासकीय कर्मचारी से तथा अर्जन की तारीख और जिससे वार्षिक आय
स्मा संबंध है अजिंत की गई हो उसका नाम
हास संबंध है
 | गृह तथा अन्य भवन भूमि "भवतमान मूल्य पर भारत है और उसका भेट या अन्य किसी प्रकार से सम्मत्ति स
शासकीय कर्मचारी से तथा अर्जन की वाराख और जिससे बार्षिक आय
स्पा संबंध है अधित की गई हो उसका नाम
तथा स्वांत | गृह तथा अन्य भवन भूमि "भवतमान मूल्य पर भारत है और उसका भेट या अन्य किसी प्रकार से सम्मासि से आराज की निर्देश अज्ञ अन्य किसी प्रकार से सम्मासि से शासकीय कर्मचारी से तथा अर्जन की वार्ष अर्थिर वार्षिक आय् समासि है। अर्जन की वार्ष अर्थिर वार्ष के समासि से समासिक आय | गृह तथा अन्य भवन भूमि "भवतमान मूल्य पर भारित है और उसका भेट या अन्य किसी प्रकार से सम्मति से आ
शासकीय कर्मचारी से तथा अजंग की तारोख और जिससे बार्षिक आय
प्या संबंध है अजित की गई हो उसका नाम | गृह तथा अन्य भवन भूमि "क्वरमान मूल्य पर भारित हैं और उसका मेंट या अन्य किसी प्रकार से सम्मात्ति से अभ शाहित हैं और उसका मेंट या अन्य किसी प्रकार से सम्मात्ति से तथा अन्य नाम समित हैं। वसका नाम समाय स्था संबंध हैं अजित की गई हो उसका नाम | गृह तथा अन्य भवन भूमि "वर्तमान मूल्य पर भारित हैं और उसका भेंट या अन्य किसी प्रकार से सम्मासि से अभ
शासकीय कर्मचारी से तथा अर्जन की तारीख और जिससे वार्षिक आय
समासकीय कर्मचारी से अर्जित की तारीख और जिससे
 | गृह तथा अन्य भवन भूमि "भवतमान मृत्य पर भारित है और उसका भेट या अन्य किसी प्रकार से सम्मासि से
शासकीय कर्मचारी से तथा अर्जन की वार्षय और जिससे वार्षिक आय
समा संबंध है अधित की वार्ष के वसका नाम | गृह तथा अन्य भवन भूमि ""वर्तमान मूल्य पर भारित है और उसका भेट या अन्य किसी प्रकार से सम्मति से
शासकीय कर्मचारी से तथा अर्जन की तारीख और जिससे बार्षिक आय
प्या संबंध है अजित की गई हो उसका नाम | गृह तथा अन्य भवन भूमि ""मर्तमान मूल्य पर भारित है और उसका भेट या अन्य किसी प्रकार से सम्मति से अन्
शासकीय कर्मचारी से तथा अर्जन की शारीख और जिससे बार्षिक आय
समा संबंध है अर्जित की गई हो उसका नाम | गृह तथा अन्य भवन भूमि "क्वर्तमान मूल्य पर भारित है. और उसका मेंट या अन्य किसी प्रकार से सम्मत्ति से अभ
शासकीय कर्मचारी से तथा अर्जन की वारीख और जिससे बार्षिक आय | गृह तथा अन्य भवन भूमि "भवतमान मूल्य पर धारित है और उसका भेट या अन्य किसी प्रकार से सम्मत्ति से आय | गृह तथा अन्य भवन भूमि "भवतमान मूल्य पर भारत है और उसका भेट या अन्य किसी प्रकार से सम्मति से
शासकीय कर्मचारी से तथा अजन की तारोख और जिससे बार्षिक आय
 | | | | 一体やいけられば中国と中 | 作作には日本地ではいる
 | to the second se | मिल्ला का प्राप्त के किया है।
जिल्ला का प्राप्त के किया है। | मिल्ला का प्राप्त के किया है।
जिल्ला का प्राप्त के किया है। | to the second se | to the second se | to the state of th | to the state of th | to the second se | to the state of th | to the second se | to the second se | to the second se | to the state of th |

2 TO Sho HAW 100 HO

अथम नियुक्ति के समय अचल सम्मति का विवरण, दिनांक ॥ उस सेवा का जिसमें बह हो ८ की छन छ । कारीकर्मचारी का (मूरा) नाम तथा उस सेवा का नाम, जिसमें यह हो ८ दे हो 3. बर्तमान नेतन . 45300/ --

	सम्पति का नाम तथा ब्यौरे	行		यदि स्वयं के नाम पर न हो हो	वसे किस प्रकार अर्जित किया गया			
डस जिले, डप सेभाग, तालुका तथा ग्राम का नाम, बिसमें सम्मति स्थित हो	गृह तथा अन्य भवत	E	"वर्तमान मूल्प	बतलाइये कि वह किसके नाम पर भारित है और उसका शासकीय कर्मचारी से फ्या संबंध है	***खरीद, पट्टा, बंभक, विरासत, भेंट या अन्य किसी प्रकार से तथा अर्जन की तारीख और जिससे अर्जित की गई हो दसका नाम तथा व्यीत	सापि से बार्षिक आव	आभियुक्ति	
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(9)	(2)	(8)	
				(E				

मः जूठ क्रमाठि मिणाःशास्त्रकीय हो बित्र श्रुद्धालाए अवाकिस्

ऐसे मासले में कड़ा मूल्य का सही-सही तिभारण करता संभव न हो, यहां बतमान स्थिति के सन्दर्भ में लगभग मूल्य बतलाया जाए।

मस्प्रदेश शासकीय सेवकः (आजरुम) नियम् 1959 के नियम 18(3) में अधीन प्रयम श्रेणी, द्वितीय श्रेणी तथा ठृतीय श्रेणी सेवा के प्रत्येक सदस्य ते यह अपीक्षत

कार्म

"प्रथम नियुक्ति के समय अवल सम्मान का विवरण, दिनांक 28.2-19 की स्थिति भे

1. अफिकारिकमंबारी का (पूरा) नाम तथा उस मेंवा का नात विवसे बढ़ हो। द्वनीत्त का आर जिले । अपने जिले हो। तिर्धार

3. वर्तपान वेतन . थ 5.300 अगली वेतनवृद्धि की तारीख ... ंर्रास्ति १-7-19

आपिपुक्ति (8) सम्पति से वार्षिक आय C उसे किस प्रकार अर्जित किया गया * विद्या मध्या मध्या विदासत तथा अर्जन की तारीख और जिससे भेट या अन्य किसी प्रकार से अजिंत की गई हो उसका नाम तथा च्यौरा 3 मदि स्वयं के नाम पर न हो तो बतलाइये कि वह किसके नाम पर भारत है और उसका शासकीय कर्मचारी से पया संबंध है 3 * * मत्मान मृत्य 3 (3) सम्पति का नान तथा ब्योरे गृह तथा अन्य भवन ଫ ठस जिले, उप संभाग, तालुका तथा ग्राम का नाम, जिसमें सम्मति स्थित हो Ê

्यानेयर क्योजिर न्त्रिक्तिक्राम्य FRAIR. 800 000

नमाः द्रापः देश्वः अनातियः

ऐसे मानले में जाई मूल्य का सही-सही निर्धारण करता संभव न हो, वहां बर्तमात स्थिति के सन्दर्भ में लगभग मूल्य बरलाया जाए।

टिप्पणी: मस्प्रदेश कलकीय सेवक (आअएण) निषम, 1959 के निमम 18(3) के अपीत प्रथम श्रेणी, दितीय श्रेणी तथा तृतीय श्रेणी सेवा के प्रत्येक सदस्य से यह अपीक्षित हैं कि वह सेवा में प्रक्रा नियुक्ति के समय और उसके बाद प्रत्येक बाद महीते की अपीय के परवात यह भाषणा-पत्र भर कर प्रतुत करें और उसमें वह उनके स्वाझित्त की तथा उसके द्वारा अधिक अपका उसे विरासत में मिली या उसके अपने नाम पर याउसके प्रतिस के किसी सदस्य के नाम पर या किसी अन्य व्यक्ति के मान पर पर्दरे या बंधक पर उसके द्वारा भारित समस्त अवल सम्पति के ब्यॉर दें। ••• इसमें अस्पकातीन प्रदेर भी सम्मिशित हैं।

प्रथम नियुष्ति के समय अवल सम्मिका विवरण, दिनांक की स्थिति में

2. चतंमात धारित वद अभि शर् कारी कर्मचारी का (पूरा) नाम तथा उस सेवा का नार, विसमें बह हो िया छिते। ध्वीज

3. वर्तमान वेतन A.2.2006/ ... अगली वेतनवृद्ध की तारीख. 01, जा सार्थ 2019

उस जिल्हा के निर्मा जायुक्त व्या अन्य पवन भूमि ""वर्तमान मृत्य पर भारित है और उसका सम्मानि दिवत हो। अप भारित है और उसका सम्मानि दिवत हो। (1) (2) (3) (4) (5)	बतलाइये कि यह किसके नाम ***खरीद, प्रद्या, बंधक, विरासत, पर भारित है और उसका भेट या अन्य किसी प्रकार से	
(c) (c) (c)	तथा अर्जन की तारीख और जिससे अर्जित की गई हो उसका नाम	समाप्त से जार्षिक आय
		7)

ऐसे मानले में जारी मूल्य का सही-सही निधारण करता संभव न हो, यहां बतमान स्थिति के सन्दर्भ में लगभग मृत्य बतलाया जाए।

हस्ताक्ष. में मिस्री में ने में

मनः तिथाकतं खान मः सुनियर् कम्पोजीस्ट्

मिगा :शास्र व्यक्ति अवगत्त

^{• • •} इसमें अस्पकालीन पट्ट भी सम्मित्ति

मध्यप्रदेश शासकीय सेवक (अन्तर्भ) नियम 1959 के नियम 18(3) के अधीन प्रथम श्रेणी, द्वितीय श्रेणी तथा इतीय अंगी सेवा के प्रत्येक सदस्य से यह अपेक्षित

	आभियुक्ति	(8)	
	सम्पति में बाधिक आव	3	
	उस किस प्रकार आजेत किया गया "डियरिद, पट्टा, बंधक, विरासत, मेट या अन्य किसी प्रकार से तथा अर्जन की तारीख और जिससे अजित की गई हो उसका नाम तथा व्योत	(9)	
	धाद स्वयं के नाम पर न हा ता बतलाइये कि वह किसके नाम पर भारित है और उसका शासकीय कर्मचारी से यमा-संबंध है	(5)	
	र्वतमान मृत्य	(4)	
Accorded not not bear with	गृह तथा अन्य भवन	(2) (3)	
	ठस जिले, उप संभाग, तालुका तथा प्राम का नाम, जिसमें सम्पति स्थित हो	Ê	DOMANIA MARIA MARI

STEPPEN OF STANKS

面于公安、多公司 मः प्रिकार्य रम्मिन The sale of the sales

मा काना संभव न हो, वहाँ वर्तमान रियति के सदर्भ में लगभग मृत्य यतलाया जाए।

मज्यद्रेश शसकीय सेवक (अज्ञरण) नियम, 1959 के नियम 18(३) के अधीन प्रथम श्रेणी, द्वितीय श्रेणी तथा ततीय शेणी सेवा के प्रत्येक सदस्य से यह अपेक्षित

1 Unordar 2018 & 31/4H34 C 2018 Over

"प्रथम नियुक्ति के समय अवल सम्पत्ति का विवाण, दिनांक

कारीकर्मवारी का (मूरा) माम तथा उस सेवा का नात. जिसमें बह हो 27 जिंट 5 19 निवा न्ति प

3. जर्तमान वेतन A. 2. 12. 10. अगली बेतनवृद्धि की वारीखा 1-7-7-019

ाह तथा अन्य पवन भूमि ""वर्तमात मूल्य प्रं भारित हैं और वर्सको मान ""वर्राद, वर्षण्य, विरास, सम्मादि से आपकार में न्या अन्य पवन किसी प्रकार से सम्मादि से आपकार में न्या अन्य की वर्षा अन्य की वर्षा किस आपकार में न्या अन्य की वर्षा के आप अन्य की वर्षा की वर्या की वर्षा की वर्षा की वर्षा की वर्षा की वर्षा की वर		सन्ताह का नाम तथा क्यार			चाद स्वयं के नाम पर नहां ता	ं उसे किस प्रकार आजेत किया गया		
(3) (4) (5) (6) (7)	डस जिले, डप संभाग, तालुका तथा प्राम का नाम, जिसमें सम्पति स्थित हो	गृह तथा अन्य भवन	#		बतलाइये कि वह किसके नाम पर भारत है और उसका शासकीय कर्मचारी से प्या-संबंध है	** खरीद, पट्टा, बंभक, विरासत, पेट या अन्य किसी प्रकार से तथा अर्जन की तारीख और जिससे अर्जित की गई हो उसका नाम तथा व्यीत	सम्मत्ति मे बार्षिकः आय	आमियुक्ति
	(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(9)	3	(8)
			1	4 4 4				S. Transfel

मः आयेष्ट क्याताता 4: Con 4341302

Ann : 2/15 A 5 45 301/21

1017 2018 A 31 7 1841 2018014

"प्रथम नियुष्ति के समय अचल सम्पत्ति का विवरण, दिनांक कारीकर्मचारी का (मूरा) नाम तथा उस सेवा का नाम, किसमें बह हो 'डेडेन्ड्रा' जो दिला 3. बर्तमान वेतन . १२.२४०८८ .. अगली बेवनवृद्धि की वारीख \-7.72.819

गृह तथा कन्म भवत भूमि "वर्तमात मूल पर भारित है और उसका भेद मा अपने होती क्यां मार्था है का अपने होती को गोह हो करका नाम वार्थिक आप प्राप्त को है की उसका नाम वार्थिक आप प्राप्त को है कि उसका नाम वार्थिक आप प्राप्त के का अपने नाम के अपने अपने का	ठस जिले. उप संभाग तालका	सम्पत्ति का नाम तथा ज्योरे	ग अयीर		यदि स्वयं के नाम पर न हो तो बतलाएं। कि हर किसके जा	उसे किस प्रकार अजित किया गया		
(1) (2) (3) (4) (6) (7) (7) (1) (1) (1) (1) (1) (1) (1) (1) (1) (1	तथा ग्राम का नाम, बिसमें सम्पति स्थित हो	गृह तथा अन्य भवन	\$		बारतार्थः । या प्रहा क्ष्मका नाम पर भारति है और उसका शासकीय कर्मचारी से ज्या संबंध है	अराद, पद्टा, बचक, विरासत, भेट या अन्य किसी प्रकार से तथा अर्जन की तारीख और जिससे अर्जित की गई हो उसका नाम तथा व्यीत	सम्पष्टि से बार्षिक आय	आभियुक्ति
क्षा ताला ने को कार दीकिए। से मानते में को मूल का सही-मादी तिवादण करता सीवा के कार में कार माने मादी में सामान मुख्य करताया जाए। से मानते में को मूल का सही-मादी तिवादण करता सीवा के कार माने मान के मादी मान मान के मादीका के माने मान	(1)	(2)	(3)	(4)	(\$)	(9)	(2)	(8)
महां तता न हो काट दीजिए। से मामले में काई मूल्य का सही-सही निर्धारत, करना संभव न हो, वहां बर्तमान स्थिति के सन्दर्भ में लगभग मूल्य बतलाया जाए। समें मामले में कहां महिला है। मामले अरूपला के महां में पहला के प्रतिक्र 1959 के तिपम 18(3) के अधीन प्रता में भी तथा तृतीय शेणी सेवा के प्रतिक के प्रतिक्र है माम के प्रतिक्र है सिर्धा के माम स्थापला के माम पर पर्ट में समय और प्रतिक्र बाह महोते की अर्गक्ष के प्रतिक्र भी सरस्य के नाम पर या किसी अन्य स्विक्त के नाम पर पर्ट पर्ट अर्थ में तथा के माम पर पर्ट पर्द स्थापला में स्थापल में सिर्धा मामले अपने नाम पर मामले के नाम पर या किसी अन्य स्विक्त के नाम पर पर्ट पर्द अपने नाम पर बाव के माम पर पर्ट पर्द अपने नाम पर बाव के माम पर वा के सिर्धा के स्थापल के माम पर वा के स्थापल के नाम पर वा के सिर्धा के स्थापल के माम पर पर्ट पर्द पर्द के स्थापल के स्थापल के स्थापल के माम पर वा किसी अन्य स्थित के माम पर पर्ट पर्द के स्थापल के स्थापल के स्थापल के स्थापल के स्थापल के माम पर वा किसी कर स्थापल के नाम पर पर्ट पर्द के स्थापल के साम स्थापल के स्थापल स्थापल के स्थापल क				7				
अपने नाम पर पट्ट पद : ८५८ के नाम पर या किसी अन्य व्यक्तिक के नाम पर पट्ट पद : ८५८ ८५८	अहां तता न हो काट दीजिए ** ऐसे मामले में जहां मूल्प क *** इसमें अस्पकालीन पद्टे भी टिप्पणी: मध्यप्रदेश इस्तकीय सेट्	र। गस्ती-सदी निर्धारणः करन सम्मितित हैं। गक्र (अन्तरण) नियम्ं 199	। संभव न हो, वहाँ ९० के नियम १८(३ हे बाद प्रत्येक बार	बतेमत स्थिति के सन्द) के अधीन प्रयम श्रेष् इ.सहीते की अवधि के	र्ग में साप्ता मूल्य सतलाया जाए। ती, द्वितीय श्रेणी तथा तृतीय अंपी सेव परजात् यह बोयणा-पत्र भर कर प्रस्	। के प्रत्येक सदस्य से यह अपेक्षित है ति को और उसमें वह उनके स्वामित्व	ममः उत्र	
	का तथा उसक प्राप्त हारा था। या बंधक प्राप्त सके द्वार	जा अवना इस विदासत म १ भारित समस्त अवस्त सम्प	मिला या दशक अ ति के क्यौर दें।				. ` _	34)7527

14 Tal 2018 A 31 / Chros 2018 day anth-artairth an (agr) mar ann ara stan mar min, laguith are at $\frac{3410179}{3500}$ (2007) प्रथम नियुक्ति के समय अचल सम्मत्ति का विवाण, दिनांक ि

				मार स्वयं के नीम पर न हो थी	०५ । ७५ ५ ५५ ११ मध्य निर्मा नाया		
तथा ग्राम का नाम, जिस्में सम्पति स्थित हो	गृह तथा अन्य भवन	F	ँ वर्तमात मूल्य	बतलाइपे कि यह किसके नाम पर भारित है और उसका शासकीय कर्मचारी से स्या संबंध है	***खरीद, प्रद्या, बंधक, विरासत, पेंट या अन्य किसी प्रकार से तथा अर्जन की तारीख और जिससे अर्जित की गई हो उसका नाम तथा स्वीता	सम्पत्ति से बार्षिक आय	भ प्रतिबंध स्थाप
3	3	(3)	(+)	(5)	(9)	(2)	(8)
	वहां लागू न हो काट दीजिए। ऐसे मानले में जहां मूल्य का सही-सही निर्धारण करना संभव न हो, यहां अर्तमान स्थिति	संभव न हो, वहां		के सन्दर्भ में स्वाप्ता मूख्य अवलाया जाए।		ERRING STEPS	水水水
हिनाती : मध्यप्रदेश शुरसकीन सेव शिक्षणी : मध्यप्रदेश शुरसकीन सेव	सास्पालत है। एक (अ.सर्ज) नियम, 1959 विग्रायत के समय और उसके	े के नियम 18(3) बार प्रयोग बार	े के अधीन प्रगम श्रेणी महीने की अभी के	्डितीय श्रेणी तथा उतीय श्रेणी सेवा	्डसम् अल्पकालाम् पट्ट भा साम्मालत ६। टिप्पणीः मस्प्रप्रेत शत्सकीच मेवकः (अन्यप्त) निषम, 1959 के नियम 18(३) के अपीन प्रयम् अणी, द्वितीय् अणी सेवा के प्रत्येक सदस्य से यह अपेक्षित है कि केट सेमा से प्रमाण कि समस्य पीन समस्य और समझ्या कार मानी के सम्मान सम्माण मानी के सम्माण स्थापन के सम्माण स	TEN I	of Land

फाम "प्रथम नियुक्ति के समय अचल सम्पत्ति का विवरण, दिनांक उत्ति - किड (की स्थिति में कार्म

1. अधिकादी/कर्मचारी का (पूरा) नाम तथा उस सेवा का नाम, किसमें बह हो <u>कि टर्</u> <u>अक्त) था</u>

3. addun don 92.00/1. . sand dangla of nitha . 1-1-20 (9.

गृह तथा अन्य भवन भूमि "वर्तमान मूल्य पर भारत है और उसका शासकीय कर्मचारी से स्था स्वांध है (3) (4) (5) (5) (5)		सम्पति का नाम तथा ज्योरि	だし		यदि स्वयं के नाम पर न हो तो	उसे किस प्रकार अजिंत किया गया		
(C)	उस जिल, उप सभाग, तालुका तथा प्राम का नाम, बिस्समें सम्मति स्थित हो	ाृह तथा अन्य भवन	F	* वर्तमान मृत्य	बतलाक्ष्ये कि वह किसके नाम पर भारत है और उसका शासकीय कर्मचारी से स्या-संबंध है	***खरीद, प्रदृश, बंधक, विरासत, भेट या अन्य किसी प्रकार से तथा अर्जन की तारीख और जिससे अर्जित की गई हो उसका नाम	समाति से बार्षिक आय	अभिद्यक्ति
STATE OF THE STATE	(1)	(3)	(6)	(4)	(5)	तभा व्योत (6)	(2)	(8)
15. 15. 15. 15. 15. 15. 15. 15. 15. 15.				08	7			
	अहां लग् न हो काट दीजि							TO TO WILL
	** ऐसे मामले में जड़ी मूल्य ब *** इसमें अल्पकालीन पूट्टे भी	ग सही-सही निर्धारण, करना सम्मिलित हैं।	सभवति हो, वहाँ	बरमान स्थिति के सन्दर्भ	में सगभग मूल्य बतलाया नाए।		FRIENC CANA	

1.579018 of 3119 HAY 2018.

"प्रथम नियुक्ति के समय अचल सम्पत्ति का विवरण, दिनांक

श्रम्

1. अधिकारी कर्मचारी का (पूरा) नाम तथा उस सेवा का नाम, जिसमें बढ़ हो 'में एतु ' जुजा | भरों

3. वर्तमान वेतन A.2.20 D. L. . अमली वेतनवृद्धि की तारीख 1-7-2019

 $\mathcal{L}_{\mathrm{adhar}}$ and $\mathcal{L}_{\mathcal{H}}$

आभियुक्ति (8) वार्षिक आय सम्पति से इस्ताक्षर . C उसे किस प्रकार अर्जित किया गया * विरीद, पट्टा, बधक, विरासत नया अर्जन की तारीख और जिससे भेट या अन्य किसी प्रकार से अजित की गई हो उसका नाम तथा ब्यौत છ यदि स्वयं के नाम पर न हो तो बतलाइये कि यह किसके नाम पर भारत है और उसका शासकीय कर्मचारी से क्या संबंध है 3 * "वर्तमान मृल्य 3 $\widehat{\mathbb{C}}$ सम्पति का नाम तथा क्यौरे गृह तथा अन्य भवन 3 ठम जिले, उप संभाग, तालुका तथा ग्राम का नाम, बिसमें सम्पति स्थित हो E

टिक्पणी : मध्यप्रदेश शासनीय सेवक (आजरण) निवम, 1959 के निवम 18(3) के अधीन प्रयम शेणी, द्वितीय शेणी तथा दृतीय शेणी सेवा के प्रत्येक सदस्य से यह अपेक्षित है कि वह सेवा में प्रकारी नियुक्ति के समय और उसके बाद प्रत्येक बाद महीने की अवधि के परचात यह पोपण-पत्र भर कर प्रस्तुत करें और उसमें यह उनके स्वाप्तिक की तथा उसके द्वारा अधिक अपना उसे विरासत में मिली या उसके अपने लाग पर या उसके पारिवार के किसी सदस्य के नाम पर या किसी अन्य व्यक्ति के नाम पर पट्टे या बंधक पर उसके द्वारा भारित समस्त अवस्त सम्पति के ब्यौर है। *** इसमें अल्पकाली पट्टे भी समिमित हैं।

माम: 1900 दे भूग भिर्ध। पर: जीतिशः क्रियारिशः

PATELLE STE STOWNY 39/0 4/0 94

ऐसे मामले में जारी मूल्य का सही-सही निभारण, करता संभव न हो, वहां वर्तमान स्थिति के सन्दर्भ में लगभग मूल्य वतलाया जाए।

रुम

. मोक्कारीकर्मचारी का (पूरा) नाम तथा उस सेवा का समय अचल सम्मति का विवरणा, दिनांक 1-1-7018की स्थिति में 31-19-2018 . मोक्कारीकर्मचारी का (पूरा) नाम तथा उस सेवा का नाम जिसमें बढ हो - 51 अ २ वि ६ जा जिसे हिया . वर्तमान भारित पर जिसे

1-2019. 3. वर्तमान वेतन 39.800 / अगली वेतनवृद्धि की तारीख ा

	सम्पत्ति का नाम तथा ब्यौरे	ग ब्योर		यदि स्वयं के नाम पर न हो तो	उसे किस प्रकार अर्जित किया गया		
उस जिले, उप सभाग, तालुका तथा ग्राम का नाम, किसमें सम्पति स्थित हो	ाह तथा अन्य भवन	\$	"वैवर्तमात मृत्य	बतलाइये कि मह किसके नाम पर भारत है और उसका शासकीय कर्मचारी से प्या संबंध है		सम्पति से बार्षिक आय	अभियुक्ति
(1)	(2)	(3)	(†)	(5)	(9)	(2)	(8)
				Mil			

AND 21/2 376 37 31/3 (1) 1874 मः ज्यू के के मः अभ्यति

ऐसे मामले में जारे मुल्य का सही-सही निर्धारण करना संभव न हो, यहां वर्तमान रिश्ति के सन्धर्म में लगभग मृत्य बतलाया जाए।

[ः] मध्यप्रदेश रुस्सकीय सेवकः (अन्तसप्प) नियमः 1959 के नियम 18(३) के अभीन प्रतम अणी, हितीय अणी तथा ठतीय अणी सेवा के प्रतेकः सदस्य से यह अपे ती तथा उसके द्वारा अधित अधवा उसे विरासत में मिली या उसके अपने नाम गर या उसके परिवार के किसी सदस्य के नाम पर या किसी अन्य क

"प्रथम नियुष्ति के समय अचल सम्पत्ति का विवरण, दिनांक !-1-?0.18 की स्थिति में 21-12-2018

2. बर्तमान धारित पद हो कि नारी कर्नचारी का (पूरा) नाम तथा उस सेवा का नाम, जिसमें बह हो अन्न अर्थ न अंब के

3. सर्तमान नेतन . 3.9 .. 8 00/ अमाली नेतनमूद्ध की वारीख 1 - 7 - 2019

	सम्पत्ति का नाम तथा ज्यौर	型		यदि स्वयं के नाम पर न हो तो	डमे किस प्रकार अर्जित किया गया		
उस् जिल्, उप सभाग, तालुका तथा ग्राम का नाम, जिसमें सम्पति स्थित हो	गृह तथा अन्य भवन	Ę,	वर्तमान मृत्य	बतलाइये कि वह किसके नाम पर भारित है और उसका शासकीय कर्मचारी से मया संबंध है	** खरीद, प्रदृटा, बंधक, विरासत, भेट या अन्य किसी प्रकार से तथा अर्जन की तारीख और जिससे अर्जित की गई हो उसका नाम तथा स्त्रीत	सम्माप्त से बार्षिक आप	आमिदुक्ति
(1)	3	(3)	(4)	(5)	(9)	(7)	(8)

करता संभव न हो, बहा वर्तमान स्थिति के सन्दर्भ में लगभग मूल्य बतलाया जाए।

माः अपि व्यतिष्ठा प्रक्रिया मः अनियर करिया किरेर BRATTHE. A SOLVER

194111: 210 13 2011 AN Jat

मन्त्रद्रेश शत्सकीय सेवक (आसरण) नियम, 1959 के नियम 18(3) के अधीन प्रथम लेगी, हितीय लेगी तथा एतीय लेगी सेवा के प्र

फार्म प्राप्त के समय अचल सम्पत्त का विवरण, दिनांक 1. जिंडकारीकमंत्रारी का (पूरा) जाम तथा उस सेवा का नात किसमें बह हो अस्ति ६ अस्ति है।

3. अर्तमान नेतन 39800 /-.. अंगली नेतनवृद्धि की तारीख 1-7-7-119

गृह तेथा अन्य भवत भूमि "वर्तमान मृष्य पर्णभाति हैं और उसको भे भे वर्णको स्थापित हैं और उसको मेंद्र या अन्य किसी प्रकार से सम्मिति के मार्थ को		सम्मात का नाम तथा क्योर	貨		यदि स्वयं के नाम पर नही तो	उसे किस प्रकार अर्जित किया गया		
(5) (4) (6) (6) (6) (7) (7) (9) (1) (9) (1) (1) (1) (1) (1) (1) (1) (1) (1) (1	उस जिले, उप संभाग, तालुका तथा ग्राम का नाम, जिसमें सम्पति स्थित हो	ाृह तथा अन्य भवन	₽		बतलाइये कि वह किसके नाम पर भारित है और उसका शासकीय कर्मचारी से प्या-संबंध है	** खरीद, पट्टा, बंभक, विरासत, भेट या अन्य किसी प्रकार से तथा अर्थन की तारीख और जिससे अभिंत की गई हो उसका नाम सक्षा की ग	समाप्ति से बार्षिक आय	भिपुत्रि
	(1)	(2)	(3)	(4)	(\$)	(9)	(2)	(8)
こうしゅ かいきゅう はいしゅ アンド・コンド・コンド・コンド・コンド・コンド・コンド・コンド・コンド・コンド・コ								

2. admin willia uz. AMA JAJA - 1448 2018 of 31/1149 (2018 3. adam dan 12200. ... erreit dangtz al artez 1-7-20.19 "प्रथम नियुक्ति के समय अचल सम्पत्ति का विवाण, दिनांक 1. अधिकारी कर्मचारी का (सूरा) जाम तथा उस सेवा का नाम, किसमें वह हो भी भी भी भी

(8) वार्षिक आय सम्पति से E उसे किस प्रकार अर्जित किया गया * "प्वरीद, पट्टा, मधक, विरासत नथा अर्जन की तारीख और जिससे भेट या अन्य किसी प्रकार से अजित की गई हो वसका नाम तथा ब्यौरा 3 मार स्वयं के नाम पर नहीं हो बतलाइये कि वह किसके नाम पर भारित है और उसका शासकीय कर्मचारी से क्या सबंध है B * * वर्तमान मूल्य 4 軒 3 सम्पति का नाम तथा ब्योरे गृह तथा अन्य भवन ල उस जिले, उप संभाग, तालुका तथा ग्राम का नाम, जिसमें सम्पति स्थित हो Ê

THE MESS 24159 WE WASHINGTON SON THE STANDARD SON THE STA 50 2 17139

Sattlet IN S.

ऐसे मामले में अड़ो मूल्य का सड़ी-सड़ी निर्धारण करता संभव न हो, वहां बतमान स्थिति के सन्दर्भ में लगभग मूल्य बतलाया जाए।

इसमें अस्पकातीन पद्दे भी सम्मिलित हैं।

टियणी : मस्प्रदेश शक्सकीय सेवक (आवरण) नियम, 1959 के नियम 18(3) में अभीत प्रम श्रेणी, द्वितीय श्रेणी तथा ठृतीय श्रेणी सेवा के प्रत्येक सदस्य से यह अपेक्षित है कि. वह सेवा में प्रकारी निर्दाक्ष के उससे बाद प्रत्येक बाह महीने की अपिथ के परवात यह घोषणा-यह भर कर प्रस्तुत करें और उससे वह उनके स्वाझित की तथा उसके द्वारा सोजैत अचना उसे निरासत में मिली या इसके आने नाम गर मा उसके परिवार के किसी सदस्य के नाम पर या किसी अन्य ब्यक्ति के नाम पर पट्टे या बंधक पर उसके द्वारा भारित समस्त अन्तर सम्मति के क्योर है।

उस जिले, उम संभाग, तालुका तथा प्रांम की लाम, जिसमें सम्पति स्थित हो (1) (2)
--

की तथा उसके द्वारा अधित अववा उसे विरासत में मिली या उसके अपने नाउ जा याउसके जीवार के किसी सदस्य के नाम पर या किसी अन्य व्यक्ति के नाम पर पट्टे टिप्पणी: मस्प्रदेश शस्त्रकीय सेवक (आजरण) निवम, १९६९ के निवम १६(३) के अधीन प्रथम श्रेणी, हितीय श्रेणी तथा इतीय श्रेणी सेवा के प्रत्येक सदस्य से यह अपिक्षत

"प्रथम नियुष्ति के समय अचल सम्पत्ति का विवरण, दिनांक की स्थिति में

2. बर्तमान थारित यद ५///भी

1. अधिकारी/कर्मचारी का (पूरा) नाम तथा उस सेवा का नात, जिसमें बह हो " जुन्हे " 1933

3. मतिमात नेतन 42200 / न्यगली नेतननृद्ध की तारीख 1-7-2019

उस जिल्हों, उप संभाग, त्रायुक्ता तथा ग्राम का जाम, विस्तार्ग प्रकास अवत भूमि ""वर्तमान मृत्य प्र भारत है, और उसका सम्मति स्थित हो सम्मति स्थित हो (1) (2) (3) (4) (5)	ラーマチーフラランドスアチードゥー・ラークトンドー・テート・デー		
(a) (b) (c) (d)		सम्मति से आर्थिक आय	आ पपुष्टित
	9)	(2)	(8)

"प्रथम नियुक्ति के समय अचल सम्मत्ति का विवरण, दिनांक

धकारी/कर्मचारी का (सूरा) जाम तथा उस मेवा का जाम, किसमें वह हो <u>पुत्रात्र</u> हो <u>पुत्रात्र</u> है। ट्राट्रात्रे ३. बर्तमान वेतन . त्राट्ट हो ... अगली बेतनबृद्ध की वारीख . 1-7-7-2019

	सम्पति का नाम तथा ज्यौरे	恒		मदि स्वयं के नाम पर न हो तो	उसे किस प्रकार अर्जित किया गया		
उस जिले, उप सभाग, तालुका तथा ग्राम का नाम, जिसमें सम्मति स्थित हो	गृह तथा अन्य प्रवन	Ħ	"वर्तमान मूल्य	बतताइये कि वह किसके नाम पर भारित है और उसका शासकीय कर्मचारी से पया सबंध है	***खरीद, पद्टा, बोफक, विरासत, भेट या अन्य किसी प्रकार से तथा अर्जन की तारीख और जिससे अर्जित की गई हो उसका नाम तथा व्यीत	सन्पर्धि से बार्षिक आय	अभिरोख्य
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(9)	E	(8)

Paris : 2/6 2/6 3/201/214 29/1 THE MAN SIT

ऐसे मामले में जार मुल्म का सही-सही निर्धारण करना संभव न हो, वहां वर्तमान स्थिति के सन्दर्भ में लगभग मृत्य वतलाया जाए।

[.] मध्यप्रदेश शस्तकीय सेवक (आकरण) निवम: 1959 के नियम 18(3) के अधीन प्रवम झेणी, हितीय झेणी तथा ततीय अंगी सेवा के प्रति

"प्रथम नियुक्ति के समय अचल सम्पत्ति का विवरण, दिनांक

. मिष्कारीकर्मधारी का (पुरा) जाम तथा उस सेवा का जात, किसमें बह हो ... अ/र .. ५७/

2. वर्तमान थारित पद

उस जिले, उप संभाग, तालुका	सम्पति का जाम तथा न्योरे			यदि स्वयं के नाम पर न हो तो बतलाइये कि वह किसके नाम	उसे किस प्रकार अर्जित किया गया ***खरीद, पट्टा बंधक, विरासत		
तथा ग्राम का नाम, जिस्सें सम्पति स्थित हो	गृह तथा अन्य भवन	Ę	"बर्तमात मूल्य	पर भारत है और उसका शासकीय कर्मचारी से स्या संबंध है	भेट या अन्य किसी प्रकार से तथा अर्जन की तारीख और जिसमें अर्जित की गई हो उसका नान तथा व्यीत	सम्पत्ति हो बाषिक आय	अभिद्यक्ति
(ı)	3	(3)	(4)	(5)	(9)	(2)	(8)

जहां जगा न हो कट दीजिए। ऐसे मानले में जग्ने मूल्य का सही-सही गिर्भात्म, करना संभव न हो, वहां वर्तमान स्थिति के सन्दर्भ में लगभग मूल्य वतलाया जाए।

THE SON TO SON

ann: The 4211 47

मध्यप्रेश शत्मकीय सेवड (आजरण) निवम 1959 के निवन 18(3) के अधीन प्रथम श्रेणी, हितीय श्रेणी तथा एतीय श्रेणी सेवा के प्रत्येक सदस्य से यह अपेक्षित

फार्म "प्रथम नियुक्ति के समय अचल सम्मति का विवरण, दिनांक

काग्रिकमंत्राये का (पूरा) नाम तथा उस सेवा का नाम, जिसमें बह हो *अनु में MNT खुत्र। जान* 3. बर्तमान वेतन . 398*0.0.1— अ*गली बेतनवृद्धि की तारीख . \-770.9

	सम्पात का नाम तथा च्यार			10 13 F 17 H - 8 707 V 17	9.		
उस जिल, उप सभाग, तालुका तथा ग्राम का नाम, जिसमें सम्मति स्थित हो	गृह तथा अन्य पवन	\$	वर्षमात मृत्य	बतलाइमें कि वह किसके नाम पर भारत है और उसका शासकीय कर्मचारी से ज्या संबंध है	** खरीद, पद्य, बंधक, विरासत, भेट या अन्य किसी प्रकार से तथा अर्जन की तारीख और जिससे अर्जित की गई हो उसका नाम तथा स्वीता	सम्मात्ते में बार्षिक आय	आभिद्यक्ति
(1)	(3)	(3)	(4)	(5)	(9)	(7)	(8)

BERTHER .. H40 BJCJ.

^{ी-}सड़ी निर्धारण करता संभव न हो, वहां बर्तमान स्थिति के सन्दर्भ में लगभग मूल्य बरलाया जाए।

मस्प्रदेश शासकीय सेवक (आजरप) निवम, 1959 के मित्रम 18(3) के अधीत प्रवम श्रेणी, द्वितीय श्रेणी तथा तृतीय अंणी सेवा के प्रत्ये कि बहु सेवा में प्रवास प्रकार परवात पर घोषणा-पत्र भर कर प्रस्तुत करें अ

"प्रथम नियुषित के समय अचल सम्मान का विवरण, दिनांक 1 जनवृत्ते 18की स्थिति में 31 दिसम्बर 2018 |अक्षेषणी का (क्रूग) नाम तथा उस सेवा का नाम, जिसमें बढ़ हो । जिल्हे 18 जिल्ला कि जाता क्रिया कर्म कर्म कर्म कर 3. बर्तमान वेतन : 1 1000: / ... अगली वेतन्त्रीय की वारीय 1. 7.2.0 | 9

गृह तथा अन्य भवत भूमि "वर्तमान मृष्य भारित है और उसका भेर या अन्य किसी प्रकार में सम्मित्त में आपित है और उसका भेर या अन्य किसी प्रकार में सम्मित्त में आपित अपित को तारीख और किससी जाबिक आप स्था संवंध है वर्षा जाया जाया जाया जाया जाया जाया जाया जा		सम्पत्ति का नाम तथा क्योरे	賃		यदि स्वयं के नाम पर न हो तो	े उसे किस प्रकार अर्जित किया गया	いたというないとなった。	
	उस जिले, उप संभाग, तालुका तथा प्राम का ताम, विसर्मे सम्पति स्थित हो	गृह तथा अन्य भवन	Ę .		बतलाइये कि वह किसके नाम पर भारित है और उसका शासकीय कर्मचारी से म्या संबंध है	***खरीद, पट्टा, बंभक, विरासत, भेट या अन्य किसी प्रकार से तथा अर्जन की तारीख और जिससे अर्जित की गई हो उसका नाम तथा स्वीत	सम्पत्तिः से बार्षिकः आय	अभिदुक्ति
	(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(9)	(2)	(8)

中一年·大·大 == (BEIN) (and (BE)-1

FAM 2018 of 315 HAR 2018

"प्रथम नियुक्ति के समय अचल सम्मति का विवरण, दिनांक

किक्मेंचारी का (पूरा) नाम तथा उस सेवा का नाम, जिसमें बह हो ... रूप राजा प्र

अगली वेतनवृद्ध की तारीख 1-7-7-019 3. बर्तमान वेतन 39.8.9.0

प्रसार भारता प्राप्ता	सम्पत्ति का नाम तथा क्योरे	福 1		यदिस्वयं के नाम पर न हो तो	डसे किस प्रकार अजिंत किया गया			
तथा ग्राम का नाम, जिस्समें सम्पति स्थित हो	गृह तथा अन्य भवन	#	""मर्तमात मृत्य	बत्ताइय (क. वह । कसक नाम पर भारित है और इसका शासकीय कर्मचारी से प्यात्संबंध है	. खराद, पट्टा, बधक, विरासत, मेंट या अन्य किसी प्रकार से तथा अर्जन की तारीख और जिससे अर्जित की गई हो उसका नाम तथा ब्यीरा	सम्पतिः दे बार्षिक आय	अमिगुक्ति	
(1)	(2)	(6)	(4)	(5)	(9)	(2)	(8)	

ऐसे मामले में जहां मूल्य का सही-सही निर्धारण करता संभव त हो, वहां वर्तमान स्थिति के सन्दर्भ में लगभग मूल्य बतलाया जाए। इसमें अल्पकालीव पद्दे भी समिलित हैं। है: नाम्प्रदेश रुत्तव्योच सेवक (अन्जर्भ) नियम, 1959 के नियम 18(3) के अभीत प्रयम केणी, हितीय केणी तथा तृतीय जेणी सेवा के प्रत्येक सद के कह सेवा में पक्सी नियुक्ति के समय और उसके बाद प्रत्येक बाह महीते की अन्धि के प्रचात यह मीयणा-पत्र भर कर प्रसुत करें और उस

(अग्वित २०१८ से अपि की स्थिति में

फाम फथम नियुक्ति के समय अचल सम्मति का विवरण, दिनांक

याम

. अधिकारी/कर्मचारी का (युरा) नाम तथा उस सेवा का नाम, जिसमें यह हो 💛 🖊 में '८४ में निर्मान'

3. बर्तमान वेतन 38 6.00 / ... अगली वैतनवृद्धि की तारीख 1-7-20.19

	सम्महिका नाम तथा ब्योर	म ब्योर		यदि स्वयं के नाम पर न हो तो			
उस जिल, उप सभाग, तालुका तथा ग्राम का नाम, बिसमें सम्मति स्थित हो	गृह तथा अन्य भवन	\$.	** वर्तमान मृत्य	बतताइपे कि वह किसके नाम पर भारित है और उसका शासकीय कर्मचारी से म्या संबंध है	""खरीद, पट्टा, बंधक, विरासत, पेट या अन्य किसी प्रकार से तथा अर्जन की तारीख और जिससे अजित की गई हो वसका नाम	सम्पत्तिः से बार्षिकः आय	अभियुद्धि
(1)	(2)	(3)	(4)	(\$)	9	8	(8)
क्ष पसे मानले में अरो मूल्य का	: का सही-सही निर्भाष्यः करन	। संभव न हो, वहाँ	वर्तमान स्थिति के सन्दर	ऐसे मामले में अग्ने मुल्य का सही-सही निर्भारण, करना संभव न हो, यहां वर्तमान स्थिति के सन्दर्भ में सगभग मृत्य यतलाया आए। सम्मान सम्बद्धी माने भी मामिनिक हैं।		Bernen.	Lest.

थे के परचात यह मोयणा-पत्र भर कर प्रस्तुत करें और इसमें वह इनके स्वाप्ति

फार्म

"प्रथम नियुक्ति के समय अचल सम्पति का विवरण, दिनांक 1 जनवारी 18की स्थिति में 31 रिम्प्रजर 2018

काधीकमंत्राधि का (पूरा) जाम तथा उस मेंबा का जाम जिसमें बर हो . जिलाहर निज्ञा

	सम्पति का नाम तथा ज्यौर	न मार्		चिद स्वयं के नाम पर नहों हो	डसे किस प्रकार अर्जित किया गया		
उस जिल, उप सभाग, तालुका तथा ग्राम का नाम, विसमें सम्पति स्थित हो	गृह तथा अन्य भवन	Ę	क्रमान मृत्य	बतलाइये कि वह किसके नाम पर भारित है और उसका शासकीय कर्मचारी से मया संबंध है		सम्पत्ति से बार्षिक आय	आभियुक्ति
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(9)	(2)	(8)
Anglig Zing (A. P. Hate)							

नक्य, 1959 के निषम 18(3) के अधीन प्रथम श्रेणी, दितीय श्रेणी तथा तृतीय श्रेणी सेवा के प्रत्ये

. अधिकारिकमंबारी का (पूरा) नाम तथा उस सेवा का नार, जिसमें बह हो - अग्ली बैक्तवृद्ध की नारीवर है। अपना का उस स्मान कर कि प्रा - अग्ली बैक्तवृद्ध की नारीव. १-७ ००.१९

	सम्पत्ति का नाम तथा ब्यौरे	崔		यदि स्वयं के नाम पर न हो तो	उसे किस प्रकार अर्जित किया गया		
ठस जिले, उद संभाग, तालुका तथा ग्राम का नाम, बिसमें सम्पति स्थित हो	ीह तथा अन्त भवन	F	" वर्तमान मृत्य	बतलाइये कि यह किसके नाम पर भारत है और उसका शासकीय कर्मचारी से प्याःसंबंध है	***खरीद, प्रद्या, बंधक, दिरासत, भेट या अन्य-किसी प्रकार से तथा अर्जन की तारीख और जिससे अर्जित की गई हो उसका नाम हम्भा व्यीरा	सत्पर्धि से बार्षिक आय	आभियुक्ति
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(9)	(2)	(8)
				7114			
अहां लगा न हो कट दीजिए। ऐसे मानले में अहां मूल्य का	जहां हता। न हो कट दीजिए। ऐसे मानदी में जारी मत्य का सही-सही तिथारण करना संभव न हो, वहां वर्तमान स्थिति	भव न हो, वहाँ		के सन्दर्भ में साभा मूल्य बतलाया जाए।		Peralent .	en TIB
₹ ' 	सा-नारत ६१ इ. (अ.अ.एण) निवम, त959 नेपुरिस के समय और उसके न बैहे अवधा उसे विरासत में मि	के नियम 18(3) बाद प्रत्येक बारह ली या उसके अप) के अधीन प्रथम क्षेणी महीने की अधीष के ' ने नाम पर या उसके प	, द्वितीय अणी तथा तृतीय अंणी सेव स्टबात यह मोषणा-पत्र भर कर प्रस् रिवार के किसी सदस्य के नाम पर् य	समें अल्लकान भट्ट, में सामालत है। इ. मच्चप्रदेश शुक्तकान सेवक (अन्यस्पर) निवम, 1959 के नियम 18(3) के अधीन प्रथम क्षेत्रीय केणी तथा तृतीय केणी सेवा के प्रतेस से यह अपेक्षित हैं कि वह सेवा में पढ़नी नियुक्ति के सम्प और उसके बाद प्रत्येक बाद महीने की अपी के परवात यह भाषणा-पत्र भर कर प्रदान के और असमें वह उनके स्वामित्य की तेवा उसके हात अवित अथवा उसे किसात में मिली या उसके अपने नाम पर या उसके प्रतिवार के निस्सी सरस्य के नाम पर या	माः वर्गातिहा न	श नरवारमा
या बंधक पर उसके द्वारा	या बंधक पर उसके द्वारा भारित समस्य अवस्त सम्मति के ब्यौर दें।	りまれる				911	- i

मिता : क्री क्सिं स क्यातिय

"प्रथम नियुक्ति के समय अचल सम्मति का विवरण, दिनांक

स्थाम

. अधिकाधीकर्मचारी का (यूरा) नाम तथा उस सेवा का नाम, जिसमें बह हो ्धूर था। ताम नि

3. admin and 38600. A. sarvell annage of antra. 1-7-7019

) in a		याद स्वयं के नाम परं न हो तो	उसे किस प्रकार अर्जित किया गया		
०ल । णल, ०४ समान, वालुका तथा ग्राम का नाम, बिसमें सम्पति स्थित हो	गृह तथा अन्य भवन	\$	"वितमान मृत्य	बतलाइये कि यह किसके नाम पर भारित है और उसका शासकीय कर्मवारी से न्या संबंध है	""खरीद, प्रद्य, बंभक, विरासत, भेट या अन्य किसी प्रकार से तथा अर्जन की तारीख और जिससे अर्जित की गई हो उसका नाम नधा स्त्रीत	सन्परि से बार्षिक आय	आभियुक्ति
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(9)	(2)	(8)
				Nil			

[्]येसे मानले में जहां मूल्य का सही-सही निर्शाक्षिता करता संभव न हो, वहां बतेमान स्थिति के सन्दर्भ में लगभग मूल्य बतलाया जाए।

THE CAN SOLVE STANDED STANDED

Partie : 34 95 Holling Jahr

^{***} इसमें अल्पकातीन पट्टे भी सम्मिलित ।

[ः] मध्यप्रेश रासकीय सेवक (आकर्ष) निवम, 1959 के निवम 18(3) के अधीन प्रथम श्रेणी, द्वितीय श्रेणी तथा तृतीय अंगी सेवा के प्रतेक सदस्य से यह अपेक्षित । या उसके अपने नाम गर बाउसके परिवार के किसी सदस्य के नाम पर या किसी अन्य व्यक्ति के नाम पर पट के बह सेवा में पास्ती निर्धित के समय और उसके बाद प्रत्येक बाद महीते की अन्धि के परचात यह घोषणा-पत्र भर कर प्रस्तुत को और उसमें वह उनके स्वा

"प्रथम नियुक्ति के समय अञ्चल सम्पत्ति का विवरण, दिनांक अभि निया की स्थिति में अभि प्राप्ति में अभि प्राप्ति मे

. अधिकाधिकमंत्राधि का (पूरा) नाम तथा उस सेवा का नात, जिसमें बढ़ हो अर्थित कि निर्मात कि जिसमें बढ़ हो अर्थित कि 3. मर्तमान नेतन 3.8 680 - - अगली जेतनबृद्धि की तारीख 1-7.20.19

सम्मारी क्षिमा हो। सम्मा	उस जिले, उप संभाग, तालुका				चाद स्वय के नाम पर ने हा ता बरालाइये कि वह किसके नाम	डस किस प्रकार आजेत किया गया बरीद, पट्टा, बंधक, विरासत		
	सम्मति स्थित हो			मतमात मृत्य	पर भारित है और उसका शासकीय कर्मचारी से प्या संबंध है	भेट या अन्य किसी प्रकार से तथा अर्जन की तारीख और जिससे अर्जित की गई हो उसका नाम तथा व्यीत	सम्पत्ति से बार्षिक आय	आभियुक्ति
	3	(3)	(3)	(4)	(5)	(9)	(7)	(8)
					W.L.			
	••• इसर्ने अल्पकालीन पट्टे भी सम्मितित हैं।	त्तवा प्रदेश नात्रात्र नात्रात्र सम्मितित हैं।	10 H 10 C FLD		्रा स्थानिक प्राप्त के का प्राप्त के बात करता है। स्मिने में महत्त्व की समितित हैं।		FEIR SATURED BELLE	LONEL POR

"प्रथम नियुक्ति के समय अचल सम्पत्ति का विवरण, दिनांक की स्थिति में

2. बर्तमात थारिव पर स्मीभित्र 2

1. अधिकारी/कर्मधारी का (पूरा) जाम तथा उस सेवा का नाम, जिसमें बह हो *अपूर्य मार्टिस्स ह*े. 3. वर्तमान वेतन *मिस्स ट्रिस्स निम्म वे*तन मिस्स ट्रिस्स ट्रिस्स के वार्ताक १८२० (व

(4) (5) (4) (6) (7) (9)	उस जिले, उप सभाग, तालुका तथा ग्राम का नाम, बिसमें सम्पति स्थित हो	ाह तथा अन्य भवन	F	म्यूनान मृत्य	बतलाश्ये कि यह किसके नाम पर भारत है और उसका शासकीय कर्मचारी से प्या-संबंध है	•• "खरीद, पट्टा, बंभक, विरासत, भेट या अन्य किसी प्रकार से तथा अर्जन की तारीख और जिससे अर्जित की गई हो उसका नाम तथा ब्यीत	सम्पत्तिः से वार्षिकः आय	आभियुक्ति
	(1)	(3)	(8)	(4)	(5)	(9)	(2)	(8)

2. added wife of 上。上 1. अधिकारीकर्मचारी का (पूरा) ताम तथा से मान क्षेत्र के समय अचल सम्मानि का विवरणा, दिनांक 1 अन्य मुन्नि 31 दिमान्यर 2019 1. अधिकारीकर्मचारी का (पूरा) ताम तथा का नाग क्षियमें बढ हो मिटि 1 मिटि 1 जिस्ते मिटि ।

अगली वेतनवृद्धि की तारीख . -7-7-2019. 3. Artur den . 362.00.

प्रहार तथा अन्य भवत भूमि "वर्तमान मृत्य प्राधारित है और उसका भेट या अन्य किसी प्रकार से सामाहिस से वर्ता जाव और जिससे आस्कीय कर्माचारी से आज्ञान की तारीख और जिससे वार्तिक आय ज्या स्वीत है अप अज्ञान की तारीख और जिससे आस्कीय है अप अज्ञान का वार्यिक आय अपित है जिस्का माने हो उसका माने हो उसका माने हो उसका माने हैं। उसका माने हो उसका माने हैं। उसका मान		सम्मति का नाम तथा ब्योरे			चाद स्वयं के नाम पर न हो तो	उसे किस प्रकार अधिंत किया गया		
	ठम जिले, उप संभाग, तालुका तथा प्राम का नाम, विसमें सम्पति स्थित हो	गृह तथा अन्य भवन	₩	Political in the control of the cont	बतलाइये कि वह किसके नाम पर भारित है और उसका शासकीय कर्मचारी से प्यात्संबंध है	** खरीद, पट्टा, बंभक, विरासत, भेट या अन्य किसी प्रकार से तथा अर्जन की तारीख और जिससे अर्जित की गई हो उसका नाम तथा व्यौरा		अभियुक्ति
	(2)	(2)	(3)	(4)	(s)	9	(2)	(8)
	महां लगा न हो काट दीजि							M.c. 21

यम 18(3) के अधीन प्रथम श्रेणी, दितीय श्रेणी तथा ततीय श्रेणी सेवा के प्रत्येक सदस्य से यह अपेक्षित

11 2 1 2 1 (43) A. A. B. Sept.

137981 2018 4 3/18/734 (2018

"प्रथम नियुक्ति के समय अचल सम्मत्ति का विवाण, दिनांक

बारी का (पूरा) नाम तथा उस सेवा का नाम विसमें बह हो अभ अभ अभि भिर्म भारत है। 3. बर्तमान वेतन उसे 16% /- . अमली वेतनबृद्ध की तारीख 1-7-7-1.19.

	सम्पत्ति का नाम तथा घ्योर	恒		चाद स्वयं के नाम पर नहों तो		1、1、1、1、1、1、1、1、1、1、1、1、1、1、1、1、1、1、1、	
उस जिल्हा, उप सभाग, तालुका तथा ग्राम का नाम, जिस्समें सम्मति स्थित हो	गृह तथा अन्य भवत	₽	* वर्तमात मृत्य	बतताश्ये कि वह किसके नाम पर भारत है और उसका शासकीय कर्मचारी से क्या संबंध है	""खरीद, पद्या, बीफक, विरासत, पेट या अन्य किसी प्रकार से तथा अर्जन की तारीख और जिससे अर्जित की गई हो उसका नाम तथा व्यीत	सामारित से बाधिक आय	अमिप्रक्षि
(1)	(3)	(3)	(4)	(5)	(9)	(2)	(8)

ऐसे मानते में जाते मूल्य का सही-सही तिर्धारण करना संभव न हो, वहां बर्तमान स्थिति के सन्दर्भ में लगभग मूल्य कतलाया जाए।

इसमें अस्पकातीन पट्टे भी सीमालित है। मध्यप्रदेश श्रमकीय सेवक (आजरण) नियम, 1959 के नियम 18(3) के अधीन प्रथम हेणी, द्वितीय होणी तथा एतीय हेणी सेवा के प्रयोक सदस्य से यह अपेक्षित कि वह सेवा में पक्की नियुक्ति के समय और इसके बाद अलेक बारड महीने की अग्रधि के परवात यह घोषणा-पत्र भर कर प्रसुत को और उसमें वह उ

फार्म कार्यक्त के समय अचल सम्पत्ति का विवरण, दिनांक 1 निनद्भी 18 की स्थिति में 31 दिमाव्य 2018 कार्यकर्मणी का (कूरा) नाम तथा उस सेवा का नाम, जिसमें बढ हो () 2012 कि जिल्ही की तारीख 1-7 2019 2 वर्तमान भारित पर (क्रूंट जून, जू

	अभियुक्ति	(8)	4 coche	如文章
	समाति से जार्षिक आय	(2)	EFFICE (2) [4/2] COLD	मः ८५३/देश स्वरीक मः ८५° मः थे
उस किस प्रकार आजत किया गया ** खरीट पटटा बधक कितासन	भेट या अन्य किसी प्रकार से तथा अर्जन की तारीख और जिससे अजित की गई हो उसका नाम तथा व्योता	(9)		के प्रत्येक सदस्य ते यह अपेक्षित है करें और उसमें यह उनके स्वामित्व किसी अन्य व्यक्ति के नाम पर पद्टे
भाद स्वयं के नाम पर न हा ता बतलाइये कि वह किसके नाम	पर भारित है और उसका शासकीय कर्मचारी से यया संबंध है	(5)	के सद्धीं में लगभग मूल्य बतलाया जाए।	न अल्पनालन पट्ट न सानालन है। मध्यप्रदेश समकीम सेवक (अन्मरान) निवय, 1959 के निवय 18(3) के अधीन प्रथम अंगी, द्वितीय अणी तथा दृतीय के प्रत्येक सदस्य से यह अपेक्षित है कि बहु सेवा में गक्की मिनुसिस के समय और उसके बाद प्रत्येक बाद मही की अधी के परचात यह घोषणा-पत्र भर कर प्रद्रात को और उसमें यह उनके स्वामित्व की तबाउसके द्वारा कार्येत अवधा उसे विरासत में मिली या उसके अपने नाम पर गाउसके परिवार के किसी सदस्य के नाम पर पट्टे
	वितान मूल्य	(4)		के अधीन प्रथम श्रेणी, महीने जी अधीध के पर ने नाम पर याउसके परि
		(3)	संभव न हो, वहाँ ब	9 के नियम 18(3) 1 बाद प्रत्येक बाएड मेली या उसके अप
	गृह तथा अन्य भवत	(3)	सही-सही निर्भाषा करता सही-सही निर्भाषा करता	ानाराप ६१ इ. स्टब्स्टिंग) निवयः १९६ बुब्सिंगे समय और इसमे १ सम्बंध उसे बिरासत में
उस जिले, उप संभाग, तालुका		(1)	अहां लाग न हो बाद दीजिए। ऐसे मामले में आग्ने मुख्य का सही-सही निर्धारण करता संभव न हो, वहां वर्तमात स्थिति	ţ '€

कामा क्षी कि जिल्ला है।

फाम

"प्रथम नियुषित के समय अचल सम्पत्ति का विवरण, दिनांक

कारी/कर्मचारी का (पूरा) ज्ञाम तथा उस सेवा का नात जिसमें बह हो भू भू भी टि

| जिसमें बह हो मुद्धि आदि | आदि | 3. वर्तमान वेतन अठि | किंट | निक्रा | निक्

		The second of th		The second of th			
ठस ।जल, उप सभाग, तालुका तथा प्राम का नाम, बिसमें सम्पति स्थित हो	गृह तथा अन्य भवन	₽.	वर्तमान मृत्य	बतताइये कि वह किसके नाम पर भारित है और उसका शासकीय कर्मचारी से म्या संबंध है	***खरीट, पट्टा, बंधक, विरासत, भेट या अन्य किसी प्रकार से तथा अर्जन की तारीख और जिससे अर्जित की गई हो उसका नाम तथा स्त्रीत	सम्मति मे बार्षिकः आय	अ म म्तुल
(1)	(3)	3	(4)	(5)	(9)	(2)	(8)
				λ./W			

ऐसे मामले में जहां मूल्य का सही-सही तिशीरण करना संभव न हो, वहां वरंमान स्थिति के सद्धां में लगभग मृत्य बतलाया जाए।

The State 21 2 21/2 1 2 21/2 1 2 21/2 2 21/2 2 21/2

^{•••} इसरे अल्पकाली पट्टे भी सम्मिलित है।

नेयम, 1959 के निवम 18(3) के अधीन प्रथम श्रेणी, द्वितीय श्रेणी तथा ठ्तीय श्रेणी सेवा के प्रत्येक सदस्य से यह अपेक्षित ।

"प्रथम नियुक्ति के समय अचल सम्मति का विवरण, दिनांक 1 जिन्ता 1 जिन्हा 31 दिनुरूव र २०18 तागी/कर्मकारी का (मूरा) नाम तथा उस सेवा का नाम, किसमें बह हो - अध्योज न्येय 3. वर्तमान नेतन 3. वर्तमान नेतन

	सम्पति का नाम तथा ब्यौरे	*		पदि स्वयं के नाम पर न हो तो	उसे किस प्रकार अर्जित किया गया		
८स. जल, ८५ सभाग, तालुका तथा ग्राम का नाम, बिसमें सम्पति स्थित हो	गृह तथा अन्य भवन	Ē.	**वर्तमात्र मृत्प	बतलाश्य कि यह किसके नाम पर भारित है और उसका शासकीय कर्मचारी से प्या संबंध है	***खरीष, पद्य, बंधक, विरासत, भेट या अन्य किसी प्रकार से तथा अर्जन की तारीख और जिससे अजिंत की गई हो उसका नाम तथा व्यीरा	मार्पिक आय	अपियुक्ति
Θ	(2)	(3)	(4)	(5)	(9)	ε	(8)
" प्रहां रतागु न हो काट दीजिए। "" ऐसे मामले में जहां मूस्य का सही निर्धारण, करना संभव न हो, वहां वर्तमान स्थिति "" इसमें अस्पकारीत पद्दे भी सम्मिलित हैं। "" इसमें अस्पकारीत पद्दे भी सम्मिलित हैं।	। सही-सही निर्भारणः करना समितित हैं।	संभव न हो, वहाँ के मिलाय १६(३	बरमान स्थिति के सन्दर स्थापन राज्य क्षेण	के सदर्भ में सगभा मूल्य बरसाया जाए। एक देवा किसीय केवा तथा तसीय सेवा सेव	के प्रतिकः प्रत्याः ये प्रक्र अमित्र है	FREIER CAN	3200
कि वह सेवार्स प्रस्ति है। की त्रमा उसके हुए। अधि या बंधक पर उसके हुए।	न नात्र शास्त्र करणा है। कि जब सेवा में पक्की नियुक्त के समय और उसके बाद प्रतेक बाद सहीने की अ की तभा उसके द्वारा आजैत अथवा उसे किरासत में मिली या उसके अपने नाम पर या या बंधक पर उसके द्वारा भारित समस्त अवस्त सम्मति के ब्यौर है।	न बाद अप्येक बारह मिली या उसके आ ते के ब्यीर दें।	महीने जी अवधि के लेनान पर या उसके प	स्थात यह भोषणा-पत्र भा कर प्रस् रिया के किसी सदस्य के नाम पर	िक कह सेवा में पक्की नियुक्ति के समय और उसके बाद प्रत्येक बाद प्रति की आधि के परवात यह घोषणा-पत्र भर कर प्रस्ति के आर उसके स्वातिक की तथा उसके द्वात अधित अध्येत उसे किरासत में मिली या उसके अपने नाम पर या उसके परिवार के किसी सदस्य के नाम पर या किसी अन्य व्यक्ति के नाम पर पर्टर या बोधक पर उसके द्वारा भारित समस्त अवस्त समति के च्यीर हैं।	是 20 1 2 2 2 2 2 2 2 2 2 2 2 2 2 2 2 2 2	9 / 1
			· · · · · · · · · · · · · · · · · · ·				10 Bo Sollier

1-51961 2018 of 31 KANG COOK

"प्रथम नियुष्ति के समय अचल सम्पत्ति का विवरण, दिनांक

3. achur den 3410.0 / .. smell dengta al antra 1-7-2019 कारी/कर्मचारी का (मूरा) नाम तथा उस सेवा का नाम, जिल्लों वह हो .. (भार्भी छु ... १९%)

उस जिले, उप संभाग, तालुका तथा ग्राम का नाम, बिसमें सम्पति स्थित हो	गृह तथा अन्य भवन	#	व्यतमान मृत्य	बतलाइये कि वह किसके नाम पर भारित है और उसका शासकीय कर्मचारी से प्या-संबंध है	अस्ता अकार आजा कथा गया अस्ति, पट्टा, बंधक, विरासत, भेट या अन्य किसी प्रकार से तथा अर्जन की तारीख और जिससे अर्जित की गई हो उसका नाम	सम्पर्धि से बार्षिक आय	आभियुद्धि
(1)	(2)	(6)	(4)	(5)	तथा च्यात	(2)	(8)

THE CHIEF SON HON SON TO SON HONORA

[ि] मध्यप्रदेश शत्तकांच सेवक (सामारण) नियम, १५६० के तियम १६६३) के आपीन प्रयम श्रेणी, हितीय श्रेणी तथा तृतीय श्रेणी सेवा के प्रतेमत सदस्य से यह अपेक्षित है

"प्रथम नियुक्ति के समय अचल सम्मति का विवरण, दिनांक "प्रथम नियुक्ति के समय अचल सम्मति का विवरण, दिनांक

2 बर्तमान धारित पर एक्ट अक्ट में कारीकर्मधारी का (मूरा) नाम तथा उस सेवा का नाम किसों महत र र र र र र र र र र र र र र र र

3. बर्तमान नेतन दि 100/ अगली वेतन्त्रीय की वारीख 172019

4	सम्पति का नाम तथा ब्योर	स्वीर्			उसे किस प्रकार अभिंत किया गया		
उस जिल, उप सभाग, तालुका तथा ग्राम का नाम, किसमें सम्पति स्थित हो	गृह तथा अन्स भवन	₽.	"विर्वाग मूल्य	बतलाइये कि वह किसके नाम पर भारित है और उसका शासकीय कर्मचारी से प्या संबंध है	***खरीद, पट्टा, बधक, विरासत, भेंट या अन्य किसी प्रकार से तथा अर्जन की तारीख और जिससे अर्जित की गई हो उसका नाम	सम्पत्ति से बार्षिक आय	आभिपुरिक
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	्तमा स्वीत	(2)	(8)
				<u>E</u>			

किर की किर्मात THE STRING STRING WAY

करना संभव न हो, वहाँ वर्तमान स्थिति के सन्दर्भ में लगभग मृत्य बरुलाया जाए।

मस्प्रदेश समस्तीय सेवक (आजरण) नियम, 1959 के नियम 18(३) के उभीन प्रयम लेगी, डितीय श्रेणी तथा तृतीय अपी सेवा के प्रते

154911 3018 A 3/18 Add 3018

"प्रथम नियुक्ति के समय अचल सम्मित्त का विवरण, दिनांक

कारी कर्माचारी का (पूरा) नाम तथा उस सेवा का नार किसमें वह हो निर्माप छी। प्राप्त प्राप्त

3. वर्तमान वेतन . 3.410.0. / . अगली बेतनवृद्ध की तारीख . 1-7-7-19.

	सम्पति का नाम तथा ब्योर			मदि स्वयं के नाम पर न हो तो	उसे किस प्रकार अर्जित किया गया		
उस जिल, उप सभाग, तालुका तथा ग्राम का नाम, बिसामें सम्पति स्थित हो	गृह तथा अन्य भवन	#	" विविधान मूल्य	बतलाइये कि यह किसके नाम पर भारित है और उसका शासकीय कर्मचारी से प्या संबंध है		सम्मित्ते बार्षिकः आय	आपयुक्ति
(1)	3	(3)	(4)	(5)	(9)	(2)	(8)

6mm× 12170万円 212991(TR : 3/1/1407 6/14/3/89

Paris : 315 44 4501/211 2011

ऐसे मामले में जार मूल्य का सही-सही निर्धारण करना संभव न हो, वहां बर्तमान स्थिति के सन्दर्भ में लगभग मूल्य बतलाया जाए।

टेपणी: मन्प्रदेश शत्मकीय सेवक (आजरल) निवम १०६९ के निवम १८(३) के अधीन प्रथम श्रेणी, द्वितीय श्रेणी तथा द्वीय के प्रत्येक सदस्य हो यह अपेक्षित क बढ़ सेवा में पक्की नियुक्ति के समय और उसके बाद अर्थक बाह महीने की अन्यि के परवात यह पोपणा-पत्र भर कर अन्ता को और इसर

<u>म</u> स

प्रथम नियुक्ति के समय अचल सम्पत्ति का विवरण, दिनोंक 1 अन्विर्श 12की स्थिति में 31 रिप्तिवार 2018

2. adems without Can たいた 1. अधिकारी कर्मचारी का (पूरा) नाम तथा उस सेवा का नाम, जिसमें वह हो नी हिप्पण राज पान पान

3. बर्तमात वेतन . 25 1.00. / .. . अगली वेतनवृद्धि की तारीख . 1-7-2-0 | 9

(8) वार्षिक आय सम्पत्ति से \mathfrak{S} • * "खरीद, पद्टा, बंधक, विरासत, तथा अर्जन की तारीख और जिससे उसे किस प्रकार अर्जित किया गया **पें**ट या अन्य किसी प्रकार से अजिंत की गई हो उसका नाम तथा ब्योत यदि स्वयं के नाम पर नहीं तो बतलाश्ये कि वह किसके नाम पर भारत है और उसका शासकीय कर्मचारी से प्या संबंध है 3 "वर्तमान मूल्य 3 Ĉ Œ, सम्मिति का नाम तथा क्योरे गृह तथा अन्य भवन ପ୍ର उस जिले, उप संभाग, तालुका तथा ग्राम का नाम, जिसमें सम्पति स्थित हो Ê

मा: जारायन राष जादना मा: जारायन राष जादना मा: ज्यारायन राष जादन

मिया। आर. ही सु ज्यासिया

जहां साग न हो काट दीजिए।

ऐसे मानते में जार मूल्य का सही-सही निर्धारण करना संभव न हो, यहां बर्तमान स्थिति के सदर्भ में लगभग मूल्य बरलाया जाए।

^{• • •} इसमें अल्पकालीन पट्टे भी सम्मिलित 👫

क वह सेवा में पक्सी नियुक्त के समय और उसके बाद प्रत्येक बाद सहीते की अवधि के परचात् यह पोपणा-पत्र भर कर प्रस्तुत करें और उसमें वह उनके स्वामित्त की तथा उसके प्राप्त अधिक अधन उसे जिएसत में मिली या उसके अपने नाम पर या उसके परिवार के किसी सरस्य के नाम पर या किसी अन्य व्यक्ति के नाम पर पट्टे ः मस्प्रदेश शासकीय सेवक (अन्धरण) निवम, 1959 के निवम 18(3) के अधीन प्रवम श्रेणी, द्वितीय श्रेणी तथा तृतीय श्रेणी सेवा के प्रत्येक सदस्य से यह अपेक्षित है या बंधक पर उसके द्वारा भारित समस्त अवल सम्मति के ब्यार है।

"प्रथम नियुक्ति के समय अचल सम्पत्ति का दिवरण, दिनांक 🔊 की स्थिति में

2. वर्तमत भारत ज्यं जुंड मृत्र स् . जोषकारी/कर्मचारी का (पूरा) जाम तथा तथा तथा का जाता किसमें जब को अभिन्न किमार। युज्र पासीश्राम

3. anthir and 32260/- antil antige all antige 01 2015

आभियुब्दित	
सम्मीतः से बार्षिकः आय	
डसे किस प्रकार आर्जित किया गया ***खरीद, पट्टा, बेफक, विरासत, पट या अन्य किसी प्रकार से तथा अर्जन की तारीख और जिससे अर्जित की गई हो उसका नाम	
माद स्वयं के गम पर न हो तो बतलाश्ये कि वह किसके नाम पर भारत है और उसका शासकीय कर्मचारी से यया संबंध है	(9)
ैं वर्तमान भूत्य	(4)
£	
मार्थात का त्राम तथा क्योरे	8
उस जिले, उप संभाग, तालुका तथा ग्राम का नाम, किसमें सम्पति स्थित हो	(1)

तना संभव न हो, वहां वर्तमान स्थिति के सन्दर्भ में साभग मूल्य बतलाया जाए।

मा अनिय क्यार वातिश्वाम

मिणाः शास्र ध्रिंग्मः अवातियर्

^{*} इसमें अल्पकालीन पट्टे भी सम्मिलित ।

मस्प्रदेश सम्मलीन सेवक (अन्तरण) नियम, १५६० के नियम १८(३) के अधीन प्रथम अंघी, हितीय अंघी तथा ततीय अंघी सेवा

1 जनवरी 2018 में 31 दिनम् 2018

"प्रथम नियुक्ति के समय अचल सम्पत्ति का विवरण, दिनांक

मकाधी/कर्मचारी का (पूरा) मांग तथा उस सेवा का नाम, जिसमें वह हो जिस्ति - हो थी। ह

3. बर्तमान बेतन 32.100. / .. अगली बेतनबृष्टि की बारीख . १-7.2.0.19

ाढ़ तथा अन्य भवन भूमि "चर्तामान मूल्य पर धारित है और उसका सासकीय कर्मचारी से प्यासकीय कर्मचारी से प्यासकीय कर्मचारी से प्यासकीय कर्मचारी से प्राप्त करने से प्राप्त कर्मचारी से प्राप्त करने से प्राप्त कर से प्राप्त करने से प्राप्त करन					नार स्वयं के नाम प्रनिद्यां ता	डसे किस प्रकार अजित किया गया		
(3) (4) (5)	उस जिले, उप संभाग, तालुका तथा ग्राम का नाम, जिसमें सम्पति स्थित हो	गृह तथा अन्य भवन	\$		बतलाइये कि यह किसके नाम पर थारित है और उसका सासकीय कर्मचारी से प्याःसंबंध है	""करीद, पद्या, बंधक, विरासत, भेट या अन्य किसी प्रकार से तथा अर्जन की तारीख और जिससे अर्जित की गई हो दसका नाम तथा स्त्रीत	सम्मारि से बार्षिक आय	आभियुक्ति
	Ξ	(2)	(3)	(4)	(5)	(9)	(2)	(8)

4: Cf. 4/2/10 30

"प्रथम नियुक्ति के समय अचल सम्मति का विवरण, दिनांक *J द्वान्त्रास्त्री 18* की स्थिति में 31 *दिमान्य*र

2. वर्तमात्र आरित पद भ्रिंड भ्र nith/substitut in (1911) after sen stat in the after section $\frac{250}{3.00}$ and $\frac{1}{3.00}$ and $\frac{1}{3.00$

ठस जिल, उप सभाग, तालुका				ーラー・ア・ア・ア・ア・ア・ア・ア・ア・ア・ア・ア・ア・ア・ア・ア・ア・ア・ア・	उस किस प्रकार आजत किया गया	The second secon	
तथा आभ चा गान, जिस्स सम्मति स्थित हो	गृह तथा अन्य भवन	\$.	ँ वर्तमात मूल्प	बतलाइये कि यह किसके नाम पर भारित है और उसका शासकीय कर्मचारी से पया संबंध है		सम्माहि से बार्षिक अध्य	आभियुक्ति
E	(2)	(3)	(4)	(5)	(9)	(2)	(0)
				\\\\\\\\\\\\\\\\\\\\\\\\\\\\\\\\\\\\\\			

ता संभव न हो, वहां वर्तमान स्थिति के सन्दर्भ में लगभग मूल्य बरुलाया जाए।

1 stolay 2018 to 3/18 that 2016 की स्थिति में फार्म

प्रथम नियुक्ति के समय अचल सम्पत्ति का विवरण, दिनांक

1. अधिकाधिकमंथारी का (पूरा) नाम तथा उस सेवा का नाम, जिसमें बह हो - अर्रित न ए गिर्फ द्वारा भू

3. adhur dan 3210.0. L. arrell dangla all ailea. 1-7-0019.

2. वर्तमात्त थारित पद

Farm: 3th 416 Stonery Date In May CHOS CHAS अभियुक्ति 8 BERLINE. वार्षिक आय सम्मित्त से \mathbb{C} उसे किस प्रकार अर्जित किया गया * "खरीद, पट्टा, बंधक, विरासत तथा अर्जन की तारीख और जिससे भेट या अन्य किसी प्रकार से अजित की गई हो उसका नाम *** इसमें अस्पनातीन गर्टरे भी सम्मिलित हैं। टिप्पणी: मध्यद्रेश शतकांच चेवक (अत्मर्स्स) निषम, 1959 के निषम 18(३) के अधीन प्रयम बेजी, दितीय अंधी तथा तृतीय अंगी सेवा के प्रत्येक सदस्य से यह अपेक्षित है कि बहु सेवा में पक्सी मिद्रक्षित के समय और इसके बाद प्रत्येक बाद महीने की अनीथ के परचात यह घोषणा-पत्र भर कर प्रसार करें और उसमें यह उनके स्वापित्य की तथा उसके द्वारा अर्थित अपका उसे विपासत में मिली था उसके अपने नान प्रांता उसके पाला के किसी सरस्य के नाम पर पट्टे तथा ब्योत 9 चिर स्वयं के नाम पर नहों तो बतलाइये कि वह किसके नाम ऐसे मामसे में जड़ा मूल्य का सड़ी-सड़ी निर्धारण करना संभव न डो, वड़ा बर्तमान स्थिति के सन्दर्भ में लगभग मूल्य बतलाया जाए पर भारत है और उसका शासकीय कर्मवारी से प्या संबंध है 3 "वर्तमान मृत्य 3 या बंधक पर उसके द्वारा भारित समस्त अवल सम्मति के म्यार है। **F** (3) सम्पति का नाम तथा ब्योरे गृह तथा अन्य भवन ල जहां समा न हो काट दीजिए। ठस जिले, उप संभाग, तालुका तथा ग्राम का नाम, विसमें सम्मति स्थित हो Ê

"प्रथम नियुषित के समय अचल सम्पत्ति का विवरण, दिनांक ॥ उस सेवा का नाम, किसमें वह हो

	सम्पति का नाम तथा ज्यीर	四世代		यदि स्वयं के नाम पर न हो तो	उसे किस प्रकार अजिंत किया गया		
डस जिल, उप सभाग, तालुका तथा प्राम का नाम, किसमें सम्पति स्थित हो	गृह तथा अन्य भवन	\$	वर्षात मृत्य	बतलाइये कि यह किसके नाम पर भारित है और उसका शासकीय कर्मचारी से प्या संबंध है	"खरीद, पट्टा, बंधक, विरासत, भेट या अन्य किसी प्रकार से तथा अर्थन की तारीख और जिससे अजित की गई हो उसका नाम तथा व्यीत	सम्पत्ति से बार्षिक आव	अमिवुक्ति
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(9)	(2)	(8)

मा राजाध्यर् मधीन्येन मिमा १९०० थि ये उपाक्रिय मः स्विधकायाः क्ष्रिक FEER. 4位、2021人

4

"प्रथम नियुषित के समय अचल सम्मान का विवरण, दिनांक @ Fot 2018 की स्थिति में Br 12-2018

2. बर्तमान भारित पद किल्ला हो 1. अधिकाधिकर्मचारी का (पूरा) नाम तथा उस सेवा का नाम, जिसमें वह हो अपूर्ण । अक्टि रागा कि.

3. वर्तमान वेतन 🌓 31 00 . . . अगली वेतनवृद्धि की वारीख . छ १-०) - 26 19 .

	आभियुक्ति	(8)	
	सम्पत्ति से बार्षिक आय	(7)	
1.	उस किस प्रकार आजेत किया गया "खरीद, पट्टा, बंभक, विरासत, मेट या अन्य किसी प्रकार से तथा अर्जन की तारीख और जिससे अजिंत की गई हो उसका नाम	(9)	
小本下用 # # # # # # # # # # # # # # # # # # #	गर रचन के गांन पर ने हैं। ता बतलाइये कि यह किसके नाम पर भारित है और उसका शासकीय कर्मचारी से क्या संबंध है	(5)	
	मुद्धितमान मृत्य	(4)	
新	Ş	(3)	
सम्पति का नाम तथा क्योर	गृह तथा अन्य भवत	(3)	
	उस जिले, उप संभाग, तालुका तथा प्राम का नाम, जिसमें सम्पति स्थित हो	(c)	WALL TOTAL TO AN SERVE CHISTORY

THE CONTRACT (1805) WAS

4: Good of

Am Ships Story & Salis (18389)

ऐसे मामले में जारी मुल्य का सही सही निर्भारण करना संभव न हो, वहां वर्तमान स्थिति के सन्दर्भ में लगभग मूल्य बतलाया जाए।

की तथा उसके द्वारा अधित अपथा उसे किएसत में मिली या उसके अपने नाम पर या उसके परिवार के किसी सदस्य के नाम पर या किसी अन्य व्यक्ति के नाम पर पहें कि वह सेवा में प्रक्री नियुक्त के समय और उसके बाद प्रत्येक बारह महीने की अन्धि के परबात यह मोपणा-पत्र भर कर प्रस्तुत करें और उसमें वह उनके स्वामित टेप्पणी : मध्यप्रदेश शस्त्रकीय सेवक (अन्त्रस्त्र) निवम, 1959 के निवम 18(3) के अधीन प्रयम त्रेणी, द्वितीय त्रेणी तथा तृतीय त्रेणी सेवा के प्रत्येक सदस्य से यह अपीक्षत

151-1917 3018 A 31 Patrol 2018

. वर्तमान आरित पर ज्याजिस जिल्हा

"प्रथम नियुष्ति के समय अचल सम्पत्ति का विवरण, दिनांक ि

र्भाम

1. अधिकारीकर्मचारी का (पूरा) नाम तथा उस सेवा का नाम, जिसमें बह हो . प्री दे रुटा

3. वर्तमान वेतन 33. 19.20. ह. ... अगली वेतनवृद्ध की तारीख . 1-7-2.01.9.

(8) सम्पत्ति से वार्षिक आय E उसे किस प्रकार अजिंत किया गया * "खरीद, पट्टा, बंधक, विरासत तया अर्जन की तारीख और जिससे फेंट या अन्य किसी प्रकार से अजिंत की गई हो उसका नाम तथा ब्योत 9 यदि खव के नाम पर न हो तो बतलाइये कि वह किसके नाम ऐसे मामले में अड़ी मुल्य का मही-सही निर्धारण करना संभव न हो, वहां वर्तमान स्थिति के सदर्भ में सामग्रा मृत्य बतलाया जाए। पर भारत है और उसका शासकीय कर्मचारी से प्या संबंध 🕏 છ "वर्तमान मूल्य 3 **4** 3 सम्मति का नाम तथा च्यौरे गृह तथा अन्य भवन ල उस जिले, उप संभाग, तालुका तथा प्राम का नाम, बिसमें सम्पति स्थित हो Ë

टिप्पणी: मध्यप्रदेश शत्सकीय सेवक (आक्राण) निवम, 1959 के निवम 18(3) के अधीत प्रमा श्रेणी, द्वितीय श्रेणी तथा एतीय श्रेणी सेवा के प्रत्येक सदस्य से यह अपेक्षित है कि बह सेवा में पक्सी नियुक्ति के समय और उसके बाद प्रत्येक बारह महीने की अवधि के परचात् यह भोषणा-पत्र भर् कर प्रस्तुत को और उसमें वह उनके स्वामित्व की तथा उसके द्वार अजित अथवा उसे विरासत में मिली या उसके अपने नाम पर या उसके परिवार के किसी सदस्य के नाम पर यो किसी अन्य व्यक्ति के नाम पर पट्टे या बंधक पर उसके द्वारा भारित समस्त सन्तर सम्मति के च्योर है। इसमें अल्पकालीन पट्टे भी सम्मिलित 🕏 ।

35011214 (375-95) Parm: 9/16: 18/2

"प्रथम नियुषित के समय अचल सम्मति का विवरण, दिनांक काम

कारी/कर्मचारी का (मुरा) नाम तथा उस सेवा का नाम, जिसमें बह हो 💛 💛 🖒 💛 🥂

3. बर्तमात वेतन . 33/00/ .. अगली वेतनवृद्ध की वारीख . 1-7.20.(9

उस जिल, उप संभाग, तालका							
तथा प्राम का नाम, जिसमें सम्पति स्थित हो	गृह तथा अन्य भवन	\$	- वित्तान मूल	बतलाश्य कि यह किसके नाम पर भारत है और उसका शासकीय कर्मचारी से प्या संबंध है	"खरीद, पट्टा, बंधक, विरासत, मेट या अन्य किसी प्रकार से तथा अर्जन की तारीख और जिससे अर्जित की गई हो उसका नाम मधा स्वीत	सम्परि से बार्षिक आय	अभियुक्ति
(1)	(3)	(£)	(4)	(s)	(9)	(2)	(8)

2 miles suffer of P. Y. फथम नियुष्ति के समय अचल सम्माप्ति का विवरण, दिनांक नुत्नुवृद्धि क्ये स्थिति में 31 दिम्प्रवाट 3919 कार्यिकनंवारी का (यूरा) नाम तथा उस सेवा का नाग, किसमें यह हो स्तु क्यों नियं अद्यों नियं क्ये क्या का नाम का का नाम का प्रस्ति प्र

3. Adams den . 3310.0.4. .. sared derreftz al artes . 1-7-7-0.19

	सम्पति का नाम तथा ज्यौरे	行		यदि स्वयं के नाम पर न हो तो	डसे किस प्रकार अजिंत किया गया		
०५ ७५६, ०५ ९५५, तातुका तथा ग्राम का नाम, किसमें सम्पति स्थित हो	गृह तथा व्हन्म भवन	\$	ैं अर्तमान मृत्य	बतलाक्ष्य कि वह किसके नाम पर भारत है और उसका शासकीय कर्मचारी से प्यात्सवंध है	"खरीद, पट्टा, बंधक, विरासत, भेट या अन्य किसी प्रकार से तथा अर्जन की तारीख और जिससे अर्जित की गई हो उसका नाम तथा स्पीत	सम्पत्ति से बाषिक आय	अभियुद्धित
3	(2)	(3)	(4)	(5)	(9)	(2)	(8)
				/ M/2			

PILES OF STILL

"प्रथम नियुष्टित के समय अचल सम्मित का विवरण, दिनांक का स्थाति में का स्थिति में जा स्थाति में का विवरण, दिनांक का स्थाति में का विवरण हिनांक का स्थाति में

ंत्रां प्राप्त कर तथार, वायुका तथा प्राप्त का नाम, बिसमें सम्पति स्थित हो						・ くさ 気をはるがはいます。	
	गृह तथा अन्य भवन	\$	भैततमात भूत्य	बतलाक्ष्ये कि वह किसके नाम पर भारत है और उसका शासकीय कर्मचारी से प्या संबंध है	***खरीद, प्रद्य, बंधक, विरासत, भेट या अन्य किसी प्रकार से तथा अर्थन की तारीख और जिससे अर्थित की गई हो उसका नाम	मार्गिक अंग्रिक बार्षिक आर	आभियुक्ति
(.)	(3)	(3)	(4)	(5)	तथा व्योत		
							(8)

मा अवीत क्षेत्रप्र मा FEILER STRUCTURE STRUCTURE

01-01-2018 देन 31-12-2018 तार्ड सी रियाति में प्रथम नियुक्ति के समय अचल सम्मत्ति का विवाण, दिनांक या स

कर्मचारी का (पूरा) नाम तथा उस सेवा का नाम, किसमें वह हो अन्त्रिये। कुमाए अपि

3. adum ann . 3.5400 / .. aniel aniela an autra 1-7-2019

	सम्पति का नाम तथा ब्योरे	懂		मदि स्वयं के नाम पर न हो तो	उसे किस प्रकार अर्जित किया गया		
उस जिल, उप सभाग, तालुका तथा प्राम का नाम, जिसमें सम्पति स्थित हो	गृह तथा अन्य भवत	E	ैं बर्तमात मूल्य	बतलाइये कि वह किसके नाम पर बारित है और उसका शासकीय कर्मचारी से म्या-संबंध है		सम्पति से बार्षिक आय	आभियुक्ति
(1)	3	(3)	(4)	(5)	(9)	(2)	(8)
				\$ 15 mm			

तरेता संभव न हो, वहां वर्तमात स्थिति के सन्तर्भ में लगभग मृत्य वरलाया जाए।

पम, 1999 के जियम 18(3) में अधीन प्रमम लेगी, हितीय लेगी तथा तृतीय लेगी सेवा के प्रत्येक सदस्य से यह अपेक्षित

स्थाम

"प्रथम नियुष्ति के समय अचल सम्पत्ति का विवरण, दिनांक

3. बर्तमान वेतन . 20 d. d. o. 1. ... अगली वेतनवृष्टि की तारीख . 1 = 7 . 2019.

गरी/कर्मचारी का (मूरा) नाम तथा उस सेवा का नाम, जिसमें बह हो भी पुर 699/

2. चर्तमान भारित पद ज्यू कि भ

	अमियुक्ति	(8)	•
	सम्पति से बार्षिक आय	(2)	
1	डस क्स प्रकार आजत क्या गया ***खरीद, प्रदृश, बंधक, विरासत, पेंट या अन्य किसी प्रकार से तथा अर्जन की तारीख और जिससे अर्जित की गई हो उसका नाम तथा व्यौरा	(9)	
	भार प्लम के नाम भर ने हैं। ता बतलाइये कि मेह किसके नाम पर भारित है और उसका शासकीय कर्मचारी से प्या संबंध है	(5)	
	ैं वित्तात महत्त्व	(4)	
看	F	(3)	
सम्पन्नि का नाम तथा स्पी	गृह तथा अन्य भवन	(2)	
	उस जिले, उप संभाग, तालुका तथा ग्राम का नाम, किस्पें सम्पति स्थित हो	(2)	

Paris : 9/6 4/5 1/01/01/4 SOM

ऐसे मानले में जार मुल्य का सही-सही निर्धारण करना संभव न हो, वहां बतमान स्थिति के सद्धं में लगभग मृत्य बतलाया जाए।

इसमें अल्पकाली पट्टे भी समिमिति है।

ती क्या उसके द्वारा अभिनेति अपथा उसे विरासत में मिली या उसके अपने नाम पर या उसके परिवार के किसी सदस्य के नाम पर या किसी अन्य व्यक्ति के नाम पर पट्टे टिप्पणी : मस्प्रदेश शसकीय सेवक (अजारण) निवम, 1959 के निवम 18(3) के अधीन प्रथम श्रेणी, हितीय श्रेणी तथा तृतीय श्रेणी सेवा के प्रतेक सदस्य से यह अपेक्षित के वह सेवा में पक्सी नियुक्ति के समय और इसके बाद प्रत्येक बाद महीन की अन्धि के परचातु यह घोषणा-पत्र भर कर प्रसुत करें और

प्रथम नियुष्ति के समय अचल सम्मित्त का विवरण, दिनांक 1 जिनक ३/१९ की स्थिति में 3/16निम्जर को 18

1. अधिकारी/कर्मचारी का (पूरा) नाम तथा उस सेवा का नाय, जिसमें बह हो

2. andres miller et of of the 3. वर्तमान वेतन . 36 ACB /- अगली वेतनवृद्धि की तारीख 1-7:2-019 . Date Rip

अभियुक्ति (8) वार्षिक आय सम्पति से $\widehat{\mathbb{C}}$ इस्ताक्षर . उसे किस प्रकार अर्जित किया गय * खरीद, पट्टा, मंभक, विरासत तथा अर्जन की तारीख और जिससे पेंट या अन्य किसी प्रकार से अजिंत की गई हो उसका नाम तथा ब्यौरा यदि खर्व के नाम पर न हो तो बतलाइये कि वह किसके नाम पर भारत है और उसका शासकीय कर्मचारी से ज्या संबंध है 3 * * वर्तमान मृत्य 3 3 सम्पति का नाम तथा ब्योर् गृह तथा अन्य भवन 3 उस जिले, उप संभाग, तालुका तथा ग्राम का नाम, जिसमें सम्मति स्थित हो Ê

कि वह सेवा में पक्की नियुक्ति के समय और दसके बाद प्रत्येक बाद महीने की अगधे के परचात यह भोगणा-पत्र भर कर प्रतुत करें और उसमें वह उनके स्वामित की तथा उसके द्वारा आवित अथवा उसे बिरासत में मिली या उसके अपने नाम पर या उसके प्रतिशत के निवस कर प्रतिश अन्य व्यक्ति के नाम पर पट्टे टिप्पणी: मस्प्रदेश शसकीय सेवक (आक्रम) निवम, 1959 के निवम 18(3) में अधीत प्रवम श्रेणी, हितीय श्रेणी तथा रुतीय श्रेणी सेवा के प्रत्येक सदस्य से यह अपेक्षित है या मंत्रक पर उसके द्वारा भारित समस्त अवस्त सम्मति के मीर दे।

Hale Rie

ऐसे माजले में जार मूल्य का सही-सही निभारण करना संभव न हो, वहां वर्तमान स्थिति के सन्धान सामग मूल्य बतलाया जाए। इसमें अस्पनातीन पट्टे भी सम्मिलित 👣

1 2018 A 3/ 75 Harry 3018

"प्रथम नियुक्ति के समय अचल सम्पत्ति का विवरण, दिनांक

य

. अधिकारी/कर्मचारी का (मूरा) जाम तथा उस सेवा का नार, जिसमें बढ होट्री आभि भार भार हो

2. वर्तमान भारित पद र्ज्या नि 3. मर्तमान नेतन 295. १. १०

नसंस्था अस्मान मामका			- 1.		一个一个一个一个一个一个一个一个一个一个一个一个一个一个一个一个一个一个一个		
तथा ग्राम का नाम, जिसमें सम्पति स्थित हो	गृह तथा अन्त भवन	\$	- वितिमान मृत्य	बतलाश्ये कि यह किसके नाम पर भारित है और उसका सासकीय कर्मचारी से प्या संबंध है	" "बरीद, प्रद्य, बंधक, बिरासत, भेट या अन्य किसी प्रकार से तथा अर्जन की तारीख और जिससे अर्जित की गई हो उसका नाम तथा स्वीत	सम्पत्तिः से बार्षिकः आय	आभवुक्ति
(1)	(2)	(3)	(4)	(\$)	(9)	(2)	(8)

म 18(3) के अधीन प्रथम लेगी, द्वितीय लेगी तथा उतीय लेगी सेवा के प्रत्येक सदस्य है यह अमेथित क नारह महीने की अवधि के पश्चात यह घोषणा-पत्र भर कर प्रसुत करें और उसमे

मान: ८९म अग्रेम स्माधितार पर: अग्रेस समिति

PANTI : 915 At ASBNOW SOMEN

"प्रथम नियुषित के समय अचल सम्पत्ति का विवरण, दिनांक 1-17018 की स्थिति में 31-12-22 शि कारीक्रमंत्रारी का (पूरा) गम तथा उस सेवा का नाम किसमें बह हो कि छ ज ज ज जिल्ला जा है कि ज

3. Adult dan 39800 ... armil dangta al antia 1-7-2019.

	सम्मति का नाम तथा ब्योरे	街			उसे किस प्रकार अजिंत किया गया	からの大きのできる	
ठस जिले, उप संभाग, तालुका तथा प्राम का नाम, विसमें सम्पति स्थित हो	ाह तथा अन्य भवन	.	"वर्तमात्र मूल्य	बतलाइये कि वह किसके नाम पर भारत है और उसका शासकीय कर्मचारी से प्या संबंध है	** खरीद, पट्टा, बंधक, विरासत, भेट या अन्य किसी प्रकार से तथा अर्जन की तारीख और जिससे अजित की गई हो उसका नाम तथा ब्यीत	सम्मति से मार्थिक आय	आधितुक्ति
(ι)	(2)	(3)	(+)	(5)	(9)	(2)	(8)

⁻सडी निर्धारमः करना सभव न हो, वहां वर्तमान नियक्ति के सन्दर्भ में लगभग मूल्य वतलाया जाए।

पन, 1959 के नियम 18(3) के अधीन प्रयम श्रेणी, द्वितीय श्रेणी तथा वृतीय श्रेणी सेवा के प्र

1000ast 2018 B 31 6 Arac 2018 14-

थम

प्रथम नियुक्ति के समय अञ्चल सम्मत्ति का विवरण, दिनांक

1. अधिकारीकर्मचारी का (मूरा) जाम तथा उस सेवा का नाम किसमें वह हो दाने हो। अग्डिंग

की स्थिति मे

3. वर्तमान वेतन 39.80.0. . . अगली वेतनवृद्ध की तारीख 1-7-2019

8 समाहि से वार्षिक आय $\widehat{\mathbb{S}}$ उसे किस प्रकार अजिंत किया गया • * चिरीद, पद्टा, बंधक, विरासत, नया अर्थन की तारीख और जिससे मेंट या अन्य किसी प्रकार से अजित की गई हो उसका नाम तथा ब्यौरा 9 यदि स्वयं के नाम पर न हो दो बतलाइये कि वह किसके नाम पर भारत है और उसका शासकीय कर्मचारी से क्या संबंध है 3 "वर्तमान मृत्य 3 (3) सम्पति का नाम तथा क्योर गृह तथा अन्य भवन 3 उस जिले, उप संभाग, तालुका तथा ग्राम का नाम, किसमें सम्पति स्थित हो E

किमा : श्री के कि कि कि 114: Stab 21 A11 11211 114: Stab 21 A11 Stab

महो लागू न हो बाट दीजिए।

ऐसे मानले में अधे मूल्य का सही-सही निर्धारण, करना संभव न हो, वहां बरेमान स्थिति के सदर्भ में लाभग मूल्य बरलाया जाए।

इसमें अल्पकालीम पट्टे भी समिमलित है। ति: मस्प्रदेश शस्तकीच चेतक (अन्बरंग) नियम 1959 के नियम 18(3) के अधीन प्रथम हैणी, दितीय प्रेणी तथा द्वाप के प्रयोक्त सदस्य से यह अपेक्षित है कि वह सेवा में पक्नी नियुक्ति के समय और दसके बाद प्रत्येक बारड महीने की अपीध के परवात पर घोषणा-पत्र भर कर प्रस्तुत को और उसमें यह उनके स्वाक्तिक की तथा उसके द्वारा आर्थित अथवा उसे किरासत में मिली या उसके अपने तात आ आक्रक प्रविधा के किसी सदस्य के नाम पर या किसी अन्य व्यक्ति के नाम पर पट्टे या बंधक प्रउसके द्वारा भारित समस्त अवतः सम्मति के ब्यार दे।

"प्रथम नियुषित के समय अचल सम्मति का विवरण, दिनांक

कारी कर्मधारी का (पूरा) नाम तथा उस सेवा का नाम, किसमें बंह हो ि े जा है। जी

3. वर्तमान वेतन .39.8.8.0 ... अगली वेतनवृद्धि की वारीख . \-7.2019

उस जिले, उप संपात, तालुका तथा प्राम का नाम, जिसमें सम्पति स्थित हो	गृह तथा अन्य भवन	तया अन्य भवन	वर्षमान मूल्य	भद्र स्वयं के नाम पर ने हैं। ता बतताश्मी कि वह किसके नाम पर भारत है और उसका शासकीय कर्मवारी से स्या-संबंध है	उसे किस प्रकार अजिंत किया गया """वर्षाट, पट्टा, बंधक, विरासत, मेट या अन्य किसी प्रकार से तथा अर्जन की तारीख और जिससे अर्जित की गई हो उसका नाम	सम्पष्टि दे बापिकः आप	आभयुक्ति
(1)	3	(3)	(4)	(5)	तथा व्यौत (6)	(2)	ot

The Contract till (200). 4: CZ. 915 05C

form: 2176 HO 35 2410

"प्रथम नियुषित के समय अचल सम्पत्ति का विवरण, दिनांक 1817-2418 की स्थिति में 314720-18

2. बर्तमात्र भारित मद् 🕠 🕤 🗗 ... अगली नेतनवृद्धि की तारीखा. 1-7-2019 मंगति का (पूरा) जाम तथा उस सेवा का जात, जिसमें जह हो। जिस्ते। जी जिस्ते 3. Admin dan .39800/

	सम्पत्ति का नाम तथा ब्योरे	II suff		यदि स्वयं के नाम पर न हो तो	उसे किस प्रकार अजिंत किया गया		
ठस जिल्ल, ठप सभाग, तालुका तथा ग्राम का नाम, बिसमें सम्पति स्थित हो	गृह तथा अन्य भवन	F	**वर्तमान मृत्य	बतलाइये कि वह किसके नाम पर शारित है और उसका शासकीय कर्मचारी से प्या संबंध है	"" खरीद, पट्टा, बंभक, विरासत, मेंट या अन्य किसी प्रकार से तथा अर्थन की तारीख और जिससे अर्थित की गई हो उसका नाम	सम्पात्ति से बार्षिक आय	आभियुक्ति
(1)	(3)	(3)	(4)	(5)	(9)	(2)	(8)
ंबह जागू न हा काट दाअप्। ** ऐसे मामले में जड़ो मूल्म का सही नहीं तिथारण जरता संभव न हो, वहां वर्तमान स्थिति *** स्यम् अस्यव्यतीय घटने थी ममिमलिक हैं।	सही-सही निर्धारण करना	संभव न हो, बहा व	रिमान स्थिति के सन्दर्भ	के सदर्भ में लाभा मूल्य बतलाया बाए।		STATION .	Zh Zh

क्षा इस है। युर्वालय व्यक्ति मः भाह्य नात वर्षा

याम

"प्रथम नियुष्ति के समय अचल सम्पत्ति का विवरण, दिनांक ११-१-२०१६. की स्थिति में 31-17-90 18

1. अधिकारी/कर्मशारी का (मूरा) माम तथा उस सेवा का नाग, जिसमें यह हो र्राप्त टांट्ट्र भिष्यांद्री

3. बर्तमान नेतन . 58 40 0. /. अयाती नेतननृष्टि की तारीख .. १० 7.2019

4.0015052

?. वर्तमान धारित पद

आभियुक्ति म राज्यार म (8) Ar Don with सम्मति से बार्षिक आय $\widehat{\mathbb{L}}$ उसे किस प्रकार अर्जित किया गया * जिरासत, पर्टा, बेधक, विरासत, तथा अर्जन की तारीख और जिससे भेट या अन्य किसी प्रकार से अजिंत की गई हो उसका नाम *** इसमें अस्पकाली पट्टे भी सीमिलित हैं। टिप्पणी : मध्यप्रेश शतकोप सेवक (अज्ञाल) निषम, 1959 के नियम 18(३) के अभीन प्रथम केणी. हितीय श्रेणी तथा तृतीय अणी सेवा के प्रत्येक सदस्य से यह अपेक्षित है कि बहु सेवा में पक्की नियुक्ति के समय और उसके बाद प्रत्येक बाद महीने की अवधि के परवात यह पोषणा-पत्र भर का प्रस्तुत करें और उसने बाद प्रत्येक स्वासित तथा व्योत 9 यदि स्वयं के नाम पर न हो हो बतलाइये कि वह किसके नाम ऐसे मामले में जहां मूल्य का सही-सही निर्भाष्ण करता संभव न हो, वहां वर्तमान स्थिति के प्रान्ध में लगभग मूल्य बतलाया जाए। पर भारित है और उसका शासकीय कर्मचारी से फ्या संबंध है 3 "वर्तमान मृत्त्य 3 Ę, 3 सम्पति का नाम तथा ज्यौरे गृह तथा अन्य भवन ල जहां लगा न हो काट दीजिए। उस जिले, उप संभाग, तालुक तथा ग्राम का नाम, किसमें सम्मति स्थित हो Ê

14: 大。可。

की तथा उसके द्वारा अधित अवदा उसे विरासत में मिली या उसके अपने नाम पर या उसके पारिवार के किसी सदस्य के नाम पर य

या बंधक पर उसके द्वारा भारित समस्त अवल सम्मति के म्योर है।

"प्रथम नियुष्ति के समय अञ्चल सम्पत्ति का विवरण, दिनांक 1-1-2018 की स्थिति में 31-122018 कारोकमंबारी का (पूरा) गाम तथा उस सेवा का नात, जिसमें बह हो अन्ति है से छेन

3. adatis dan 37.200 2 soret dangte al artia. 1.7. 2019.

ण करता संभव न हो, वहां बर्तमान स्थिति के सन्दर्भ में लगभग मूल्य बरलाया जाए।

नेवम ा९५० के नियम 18(3) के अधीन प्रयम श्रेणी, हितीय श्रेणी तथा तृतीय अंणी सेवा के प्रत्येक र महीते की अवधि के परचात् यह मोषणा-पत्र भर कर प्रस्तुत को अ

15000 \$ 2018 A 31 1944 2018.

"प्रथम नियुक्ति के समय अचल सम्पत्ति का विवरण, दिनांक

2. चर्तमान भारित मद एड्रां छ था। हु।

बतलाइये कि वह किसके नाम *** खरीट, पट्टा, वंथक, विरासत, पर भारित है और उसका में या अन्य किसी प्रकार से सम्मति से अभियुक्ति शासकीय कर्मवारी से तथा अलंग की तारीख और जिससे खार्षक आय स्या संबंध है अजिंत की गई हो उसका नाम तया संबंध है
(5) (8)
The state of the s

1974 CALAISON

T. Chogisosi

फार्म

"प्रथम नियुक्ति के समय अचल सम्पत्ति का विवरण, दिनांक 1: 1: 2018. की स्थिति में 31-12- 2019

2. बर्तमन धारित यद सु ० छ। इ० छ 1. आषकादीतकर्मचारी का (पूरा) जाम तथा उस सेवा का नात. जिसमें बह हो अ पंग्निस्। भे भेग मि

3. वर्तमान नेतन 3.9800 / अनाती वेतनवृद्ध की वारीख 177.2019

स्याप्त स्थापन	समात का नाम तथा क्यार			बाद स्वयं के नाम पर न हो तो	उसे किस प्रकार अर्जित किया गया		
व्या प्राम का नाम, बिसमें सम्मति स्थित हो	गृह तथा अन्य पदन	#	ँ वर्तमान मृत्य	बतताक्ष्य कि वह क्रसक नाम पर भारित है और इसका शासकीय कर्मचारी से न्या संबंध है	खराद, पद्य, बभक, विरासत, भेट या अन्य किसी प्रकार से तथा अर्जन की तारीख और जिससे अर्जित की गई हो उसका नाम तथा स्वीरा	सस्पति चे बार्षिक आय	अपियुक्ति
Ð	(2)	(3)	(4)	(5)	(0)	(2)	(8)
				5			
अक्षां ताग न हो बाट दीजिए। ऐसे मामले में अही मूल्य का	क्षां लगा न हो काट दीजिए। से मामले जै जार्र मूल्य का सही-सही निर्धारण करना संभव न हो, यहां मर्तमा स्थिति	॥ संभव न हो, वहाँ		के सन्दर्भ में सगभग मूल्य बतलाया आए।		Breather J. A.	7

एकित का अन्तिक का :

मिमा ह्यासिकीय क्षेत्री 4: JE . GIZOS

100-10018 & 31/2 may 2018

कारी/कर्मचारी का (पूरा) नाम तथा उस सेवा का नाम, जिसमें बह हो र दे दे दे र भारत भारत है। हो "प्रथम नियुक्ति के समय अचल सम्पत्ति का विवरण, दिनांक

3. बर्तमान नेतन . 39.8 @ 20 - अगली वेतनवृद्ध की नारीख . 1-7.2019.

	आमितुंख्य	(8)	
	सम्माति से व्याषिक आय	(7)	
	क्त क्षित प्रकार आजत कथा गया **क्दीद, पट्टा, बथक, विरासत, भेंट या अन्य किसी प्रकार से तथा अर्जन की तारीख और जिससे अर्जित की गई हो बसका नाम	(9)	
मिट स्थित के मार सा न ने भे		(s)	
	ैवर्तमात्र मूल्य	(4)	
	4	(3)	
सम्पति का नाम तथा क्यौरे	गृह तथा अन्य भवन	(2)	
	ठस जिले, उप संभाग, तालुका तथा प्राम का नाम, जिसमें सम्मति स्थित हो	(E)	

े सही निभीत्वा करना संभव न हो, वहां वर्तमन स्थिति के सन्दर्भ में लगभग मूल्य बरलाया जाए।

कि वह सेवा में पास्ती नियुक्ति के समय और उसके बाद प्रत्येक बाह सहीने की अवधि के परचात् यह घोषणा-पत्र भर कर प्रसुत करें और उसमें वह उनके स्वाप्ति मध्यप्रदेश शासकीय सेवक (अन्त्रांण) नियम, 1959 के नियम 18(3) के अधीन प्रथम श्रेणी, द्वितीय प्रणी तथा तृतीय अंगी सेवा के प्र

4. 25 292134 313101 4. 25 211505C 阿明四个四十分几

1 yout 2018 th 31 Range 2018 of

फार्म नियुवित के समय अचल सम्प्रीं का विवरण, दिनांक, 28/2/3 की स्थिति में गरिकमंत्रारी का (पूरा) नाम तथा उस सेवा का नाम, किसमें बह हो जुना है जुना है. जुना जिल्ले के जुना के जुना के जुना भीत पर ''' 3. वर्तमान वेतन : दुरि २०१. में "20 में अमली वेतनवृद्धि की तारीख .. क्रक्रिस प्रतिहें . | - 1 - 20 19

1 (S. 11)	पक, बिरासत, फ्रमार से सम्मितिको अमेर जिससे वार्षिक आय इसका नाम	(8)	Willer & THE CONT.
गदि स्वयं के जाम पर न हो तो । उसे किस प्रकार अधिक किया जा		(9) (5)	कहां तागु न हो काट दीजिए। ऐसे मामले में अहां मूल्म का सही-सही निर्भाषा करना संभव न हो, वहां वर्तमान स्थिति के सन्दर्भ में लगभग मूल्य बतलाया जाए। *** इसमें अल्पकालीम पट्टे भी समिमलित हैं। टिप्पणी: मस्प्रदेश शसकीय सेवक (अज्ञरूप) निष्म, 1959 के निष्म 18(३) के अधीन प्रथम श्रेणी, हितीय श्रेणी तथा तृतीय अंणी सेवा के प्रतेक सदस्य से यह अपेक्षित है
and	कतिमान मूल्य	(4)	कहां लागु न हो काट दीजिए। ऐसे मामले में कां मुल्य का सही-सही तिर्धाएंग करना संभव न हो, वहां वर्तमान स्थिति के सन्दर्भ में लगभग मूल्य बतलाया जाए इसमें अल्पकालीन पट्टे भी समिमलित हैं। ते: मध्यप्रदेश शस्तकीय सेवक (अज्ञएम) निषम, 1959 के निसम 18(३) के अधीन प्रगम श्रेणी, द्वितीय श्रेणी तथा तृतीय अंगी
सम्पत्ति का नाम तथा ज्योरे	FE FF	3	करता संभव न हो, वहाँ व हैं विष्ठ के मिसम १८(३)
सम्पति का न	गृह तथा अन्य पवन	3	ए। n सही-सही निर्शारण ! सम्मिलित हैं। षक् (अज्ञस्ल) नियम
	ठस जिले, ठप संभाग, तासुका तथा ग्राम का नाम, किसमें सम्पति स्थित हो	3	अहां लागु न हो काट दीजिए। ऐसे मामले में जाई मूल्य का इसमें अल्पकालीन पट्टे भी स टिप्पणी: मध्यप्रदेश हाससमीय सेवन

1000at 2018 7 31 /2 10 30 18 19

"प्रथम नियुक्ति के समय अचल सम्मत्ति का विवरण, दिनांक

. अभिकाधीन्त्रमंत्राती का (पुरा) माम तथा उस सेवा का जात, जिसमें यह दो भूति निद् भी 15.24)

2. वर्तमान भारित पत्र अंत अ १६०८

3. वर्तमान वेतन . 37.800. / अगली वेतनवृष्टि की वारीष्ट . \ 7.7.2.019

अभियुक्ति 8 वार्षिक आय सम्महि से S " खरीद, पट्टा, बंभक, विरासत, तथा अर्जन की तारीख और जिससे उसे किस प्रकार अर्जित किया गया भेट या अन्य किसी प्रकार से अजित की गई हो उसका नाम तथा घ्यौरा 9 यदि स्वयं के नाम पर नहीं दी बतलाइये कि वह किसके नाम पर भारत है और उसका शासकीय कर्मचारी से 3 " वर्तमान मूल्य 3 Ť, 3 सम्पति का नाम तथा ब्यौरे गृह तथा अन्य भवन ට उस जिले, उप संभाग, तालुका तथा प्राम का नाम, किसमें सम्पति स्थित हो Ê

#: 274-26 3111 #: 02,0 018 25 C इस्ताक्षर 六

मिया : 210 में अं अं अला विरा

जहां लागू न हो काट दीजिए

^{**} ऐसे मानलें में जहां मूल्य का सही-सही तिर्धारण करना संभव न हो, वहां बर्तमान स्थिति के सन्दर्भ में लगभग मूल्य बरुलाया जाए। *** इसमें अस्पकारीन मुद्दे भी सम्मिलित हैं।

कि वह सेवा में पक्की नियुक्ति के समय और इसके बाद प्रत्येक बारह महीने की अराध के परचात यह घोषणा-पंत्र भर कर प्रसुत करें और उसमें वह उनके स्वाझित की तथा उसके द्वारा कार्येत अपवा उसे विरासत में मिली या इसके अपने नाम पर या उसके प्रतिवार के किसी सदस्य के नाम पर या किसी अन्य व्यक्ति के नाम पर पट्टे मध्यप्रदेश शासकीय सेवक (आमरण) नियम, 1959 के नियम 18(3) के आपीन प्रयम लेगी, हितीय लेगी तथा ठतीय लेगी सेवा के प्रयोक सदस्य से यह अपेथित है या बंधक पर उसके द्वारा धारित समस्य अवस्त सम्मति के ब्यीर दें।

1017an 2018 & 31 Rusa 22018

"प्रथम नियुषित के समय अचल सम्मति का विवरण, दिनांक

तारीकर्मवारी का (पूरा) जाम तथा उस सेवा का जाम, किसमें बह हों । अन्त्रां अराज । 310

की स्थिति में

3. वर्तमान वेतन . 34.100./ - अंगली वेतनवृद्धि की वारीख. 1-7:20.19.

	अभियुक्ति	
	सम्पत्तिः से बार्षिकः आय	S
उसे किस पकार अधित किया मना	***खरीद, पट्टा, बेंधक, दिरासत, मेंट या अन्य किसी प्रकार से तथा अर्जन की तारीख और जिससे अर्जित की गई हो उसका नाम	
यदि स्वयं के नाम पर नहीं हो		(5)
	"वर्तमात मृत्य	€
程	₽	(E)
सम्पति का नाम तथा ज्यीर	गृह तथा अन्य भवन	3
	उस जिले, उप सभाग, तालुका तथा प्राम का नाम, जिसमें सम्पति स्थित हो	E

Frience A. B. Estare

10 450 50 M m. Holding 416 TE: CZO 91505C

करना संभव न हो, वहां वर्तमान स्थिति के सन्दर्भ में लगभग मूल्य बतलाया जाए।

बाद प्रत्येक बारह महीते की अवधि के परचात् यह बोषणा-पत्र भर कर प्रस्तुत करें और उसमें यह उ ैं इससे अस्पकालीन पट्टे भी समितित हैं। पणी: जस्प्रदेश रासकीय सेवक (अज्ञरण) निवम, 1959 के निवम 18(३) के अधीन प्रतम श्रेण, दितीय श्रेणी तथा तृतीय अंगी सेवा के प्र

1000 A 2018 B 31 Russ C 2018 dry

प्ताम

"प्रथम नियुवित के समय अचल सम्मत्ति का विवाण, दिनांक

. अधिकादी/कर्मचारी का (पूरा) नाम तथा उस सेका का नात, जिसमें वह हो अंत्रे हे हो अहा नाह

3. मतीमान मेतन . उ. १००७ . १ - अगली मैतनमृष्टि की तारीख . १ - 7 - 7 - 8 1.9 . .

	सम्पति का नाम तथा क्यौरे	ग म्योर		मदि स्वयं के नाम पर न हो तो	उसे किस प्रकार अर्जित किया गया		
उस जिले, उप संभाग, तालुका तथा ग्राम का नाम, बिसमें सम्पति स्थित हो	गृह तथा अन्य भवन	₽	"वर्तमान मूल्य	बतलाइये कि वह किसके नाम पर भारित है और उसका शासकीय कर्मचारी से पमा संबंध है	"खरीद, पट्टा, बंधक, विरासत, भेट या अन्य किसी प्रकार से तथा अर्जन की तारीख और जिससे अजिंत की गई हो उसका नाम	सम्पत्ति मे वार्षिक आय	अभियुक्ति
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(9)	(2)	(8)
			7				

[•] जहां लागू न हो काट दाजिए। •• ऐसे मामले में जहां मूल्य का सही-सही निर्भारण करना संभव न हो, वहां वर्तमान स्थिति के सन्दर्भ में लगभग मूल्य वतलाया जाए।

ः मध्यप्रदेश शस्तकीच सेषक (अन्वरण) निवम, 1959 के निवम 18(3) के अभीन प्रवम अंगी, द्वितीय अंगी तथा वृतीय अंगी सेवा के प्रत्येक सदस्य से यह अपेक्षित है

THE STATE CONTINUE

THE : 24 21 CONTINUE

THE : 124 21 CONTINUE

THE : 124 21 CONTINUE

THE : 24 25 26 10

. अधिकारिकर्मचारी का (यूरा) नाम तथा उस सेवा का नाम, जिसमें बह हो

3. वर्तमान वेतन 3.4.10.1% /.... अगली वेतनवृद्धि की तारीख. 1-7-2019

आमियोव्ह्	
सम्मति से वार्षिक आय	$ \varepsilon $
डसे किस प्रकार अजिंत किया गया ***खरीद, पट्टा, बंफक, दिरासत, मेंट या अन्य किसी प्रकार से तथा अर्जन की तारीख और जिससे अजिंत की गई हो उसका नाम तथा व्यौत	(0)
यदि स्वयं के नाम पर न हो तो बतलाइये कि वह किसके नाम पर भारत है और उसका शासकीय कर्मचारी से क्या संबंध है	(5)
"मैत्रीमान मूल्य	(4)
	©
सम्पत्ति का नाम तथा ब्योरे गृह तथा अन्य भवन	3
ठस जिले, उप संभाग, तालुका तथा प्राम का नाम, जिसमें सम्मति स्थित हो	S

ाः औपान दाम् वादेश सः ज्योभट वर्गडट BERNAT. STATES ELAGIST

Parm : ONTO the Be Souther

रता संभव न हो, वहां वर्तमान स्थिति के संदर्भ में लगभग मूल्य बतलाया जाए।

1 जनकी 2018 के 31 विमम्बर 2018 जन

काम

प्रथम नियुवित के समय अचल सम्पत्ति का विवरण, दिनांक

1. अधिकारी/कर्मचारी का (पूरा) नाम तथा उस सेवा का नाम, जिसमें बह हो जिस्ते हो जिस्ते हो ।

3. मर्तमान मेतन उमाठ्य ८ ... अगली मेतनकृष्टि की तारीख. १०५ १० १ 9

कहा तमा न हो काट दीजिए। भैने मान के बाद सीजिए। भैने मान के बाद मान का मानी निवास करना संभव न हो वहां खतेसान स्थिति के सन्दर्भ में संग्रभा मुख्य बतलाया जाए।	बतलाइये कि यह किसके नान """खरीद, पट्टा, बंधक, विरासत, पर धारित है और उसका भेट या अन्य किसी प्रकार से प्रासकीय कर्मचारी से तथा अर्थन की तारीख और जिससे प्रयासंबंध है अप्रित की गई हो उसका नाम तथा संबंध है (६) (4) (5) (6)	ब्रालाइय कि वह क्रिसक नाम भूमि ""वर्तमान मूल्य पर धारित है और उसका शासकीय कर्मचारी से पया संबंध है	भूमि "वर्तमान मूल्य पर थारित है और उसका भेट या अन्य किसी प्रकार से शासकीय कर्मचारी से तथा अर्जन की तारीख और जिससे
---	--	---	--

कि वह सेवा में पक्सी नियुक्त के समय और उसके बाद प्रत्येक बारड महीने की अन्यि के पश्चात् यह बोवणा-पत्र भर कर प्रसुत करें और उसमें यह उनके स्वामित्व की तथा उसके द्वारा आजित अचना उसे विरासत में मिली या उसके अपने नाम पर या उसके परिवार के किसी सदस्य के नाम पर या किसी अन्य व्यक्ति के नाम पर पट्टे

मः ज्यु व्याद्व ७६८

Amm: 21/10 4/20 4/20 AUS

1019 and 2018 A 31 Revoyed

"प्रथम नियुक्ति के समय अचल सम्मान का विवरण, दिनांक

n. अधिकाधीकमंचारी का (पूरा) ज्ञाम तथा उस सेवा का नाम, जिसमें बह हो 194 के COF 276

3. वर्तमान वेतन 30.4.७.१७.१७. ८. अगली वेतनवृद्धि की तारीख 🗎 -7-7-019

				こう マイト チャント	उसे किस प्रकार अजित किया गया		
उस् ।जल, उप सभाग, तास्तुका तथा ग्राम का नाम, बिसमें सम्पति स्थित हो	ाह तथा अन्य भवत	\$	"वित्मान मृत्य	कतलाइये कि वह किसके नाम पर भारित है और उसका शासकीय कर्मचारी से क्या संबंध है	***खरीद, पद्या, बंधक, विरासत, भेट या अन्य किसी प्रकार से तथा अर्जन की तारीख और जिससे अर्जित की गई हो उसका नाम तथा ब्यौत	सम्पत्ति से बार्षिक आय	भिष्युक्षि
9	(2)	(6)	(4)	(5)	(9)	(2)	(8)
			Z				

THE CAST GLOS

101000 2018 & 31/24/0 C 201800

की स्थिति में "प्रथम नियुक्ति के समय अचल सम्पत्ति का विवाण, दिनांक 1. अधिकारी/कर्मचारी का (पूरा) नाम तथा उस सेवा का नाम, जिसमें वह हो 💢 (। २) अगि

3. बर्तमान बेतन . उ.मे. क्षार में मानी बेतनवृद्धि की वारीख रिन् रिन रिन

उस जिले, उप संभाग, तालुका तथा ग्राम का नाम, बिसमें सम्पति स्थित हो	सम्पत्ति का नाम तथा क्यीर गृह तथा अन्य भवन	Ę.	""वर्तमात्र मूल्य	यदि स्वयं के नाम पर न हो तो बतसाइये कि यह किसके नाम पर भारित है और उसका शासकीय कर्मचारी से स्या-संबंध है	उसे किस प्रका •••व्याद, पट् फेंट या अन्य तथा अर्जन की अर्जित की व	सम्पति से वार्षिक आय	अभियुद्धि
€	(2)	(8)	(4)	(5)	(9)	(7)	(8)
			Z				
							712 710

BARION ALGEBRAL. THE STATE

日本:必になるとのとう

ऐसे मामले में जड़ा मूल्म का सही-सड़ी निर्धारण करना संभव न हो, वहां वर्तमान स्थिति के सन्दर्भ में लगभग मूल्य बतलाया जाए।

इसमें अल्पकालीम पट्टे भी सम्मिलित हैं। तै: मक्प्रदेश शक्तकीय सेवक (अत्वरण) नियम, 1959 के नियम 18(3) के अधीन प्रथम अणी, हितीय अणी तथा तृतीय अणी सेवा के प्रत्येक सदस्य से यह अपेक्षित

प्रथम मियुसित के समय अचल सम्पत्ति का विवरण, दिनांक मा उस सेवा का नाग, जिसमें बर ने

निर्मा निर्माति का (प्रात) नाम तथा उस सेवा का नात विस्ति बहुत अपूर्ण अपूर्ण अपूर्ण

3. वर्तमान नेतन 52 10 8/ - ? . . अगली वेतनवृद्ध की वारीख . 1-7-20 9

उस जिले, उप संभाग, तालुका तथा प्राम का नाम, जिसमें गृह तथा अन्य भवन सम्पति स्थित हो (1) (2)	भूमि "*वर्तमान मृत्य (3) (4)	बतलाइये कि वह किसके नाम पर भारत है और उसका			
(3)		सारकाय कम्बारा स	खराद, पद्य, बेषक, विरासत, पेट या अन्य किसी प्रकार से तथा अर्जन की तारीख और जिससे अजिंत की गई हो उसका नाम तथा स्मान	सम्पत्ति से बार्षिक आय	आभियुक्ति
		(5)	(9)	(2)	(8)
		Co.			

कार अपि कीट करा अन्त " जम्मू दिस् आहे। " प्रस्कृतिहरू म्मान रिष्ट्र सिंह माहर

⁻सही निर्धारण करना संभव न हो, वहां वर्तमान स्थिति के सन्दर्भ में लगभग मूल्य बरलाया जाए।

[ा] मध्यप्रदेश शासकीय सेवक (आजर्ज) निवम, 1959 के निवम 18(3) में अधीन प्रवम श्रेणी, द्वितीय श्रेणी तथा तृतीय श्रेणी सेवा के प्रत्येक

1010162 2018 & 31 Patrog 2018 CM

2. वर्तमान भारित पद ७५५ वार्ड ७८ 3. मर्तमान मेतन . उ.ड. १०० १ -- अगली मेतनमृष्य की तारीख . १-७ १ २० १ 9 "प्रथम नियुक्ति के समय अचल सम्मत्ति का विवरण, दिनांक ।. अधिकारी/कर्मचारी का (पूरा) नाम तथा उस सेवा का नाग, जिसमें वह हो 😢 😅 🔁 🔾 प्र

तथा थान का नाम, जिसम सम्मति स्थित हो	भागात की नाम तथा क्यां			यदि स्वयं के नाम पर न हो तो बतलाइये कि यह किसके नाम	उसे किस प्रकार अर्जित किया गया ***खरीट, पट्टा, बेथक, विरासत,		
		F	वतमान मूल्य	पर भारित है और उसका शासकीय कर्मचारी से यया संबंध है	मेंट या अन्य किसी प्रकार से तथा अर्जन की तारीख और जिससे अजित की गई हो उसका नाम तथा ब्योग	सम्पत्ति से बार्षिक आय	अभियुक्ति
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(9)	(2)	(8)
			7				

4: 02: 415 05C

ऐसे मामले में जार महन्य का सही-सही निर्धारण करना संभव न हो, वहां वर्तभान स्थिति के सन्दर्भ में लगभग मूल्य बतलाया आए।

टिप्पणी: मस्प्रदेश शक्सकीय सेवक (अन्यरण) निषम, 1959 के निषम 18(3) के अधीन प्रथम क्रेणी, द्वितीय श्रेणी तथा वृतीय अंगी सेवा के प्रत्येक र

Unadal 2018 & 31/4/1846 2018

ਜੂ. ਦੀ

"प्रथम नियुक्ति के समय अचल सम्पत्ति का विवरण, दिनांक

2. यतीमान भारित पद एक्ट्रेंग्डिंग्ड्र ७ंड 1. अधिकारी कर्मचारी का (पूरा) नाम तथा उस सेवा का नाम, जिसमें यह हो थिए कि अर्जा | जिसमें ला हो

3. मर्तमान वेतन . 25 10 6 . J. ... अगली वेतनवृद्धि की तारीख . 1-7-2-0.19

	सम्पत्ति का नाम तथा ब्योरे	車		यदि स्वयं के नाम पर न हो तो	उसे किस प्रकार अजिंत किया गया		
उस जिले, उप संभाग, तालुका तथा ग्राम का नाम, बिसमें सम्पति स्थित हो	गृह तथा अन्य भवन	#	"वितमान मृत्य	बतताइये कि वह किसके नाम पर भारित है और उसका शासकीय कर्मचारी से पया संबंध है	**'खरीद, पट्टा, बंधक, विरासत, भेट या अन्य किसी प्रकार से तथा अर्जन की तारीख और जिससे अजिंत की गई हो उसका नाम	सम्माप्त से बार्षिक आय	आभियुक्ति
a	(2)	(3)	(4)	(5)	तथा व्योत (6)	(7)	(8)
			7				

जहा लागू न हा काद दााजपु। ऐसे समस्ते में जहां मूल्य का सही-सही निर्भारण करना संभव न हो, वहां वर्तमान स्थिति के सन्दर्भ में लगभग मूल्य बतलाया जाए।

ः मध्यप्रदेश रहसकीच सेवक (आकाज) नियम, 1959 के नियम 18(3) के अभीन प्रथम अंगी, द्वितीय अंगी तथा तृतीय अंगी सेवा के प्रत्येक सदस्य से यह अपेक्ति है कि वह सेवा में पक्सी मिद्रीक्स के समय और उसके बाद प्रत्येक बाद महीने की अरिध के परवात यह पोषणा-पत्र भर कर प्रदा करें और उसमें वह उनके स्वामित

8 (2) HIT 2) Y

THE STORES DECT POMORERIES 4: CX5 4/205C

1074 al 2018 A 31 19 H 34 L 2018 ML

यम्

"प्रथम नियुक्ति के समय अचल सम्मति का विवरण, दिनांक

1. अधिकारी कर्मचारी का (पूरा) नाम तथा उस सेवा का नाम, किसमें वह हो जुनी द्वार 2011

2. वर्तमान भारित पद ८५५ अदि ७८८

की रियति में

3. वर्तमान वेतन . 35.10.10.1. . . अगली बेतनवृद्ध की वारीख] -7-7-1.9

आभयुक्ति (8) सम्माति से वार्षिक आय $\widehat{\mathbb{S}}$ "खरीद, पट्टा, बंधक, विरासत, तया अर्जन की तारीख और जिससे उसे किस प्रकार अभित किया गया मेंट या अन्य किसी प्रकार से अजित की गई हो वसका नाम तथा ब्यीत 9 परि स्वयं के नाम पर न हो तो बतलाइये कि वह किसके नाम पर भारत है और उसका शासकीय कर्मचारी से फ्या संबंध है 3 3 Ħ, (3) सम्पति का नाम तथा म्यौरे गृह तथा अन्य भवन ව महा लागु न हो काट दीजिए। उस जिले, उप संभाग, तालुक तथा ग्राम का नाम, बिसमें सम्पति स्थित हो Ê

S | 2114 291 вения. ... 9012 ---

44: 03/0 4/2656

^{**} ऐसे मामले में जारे मूल्य का सही-सही तिथारणः करना संभव न हो, वहां वर्तमान स्थिति के सन्दर्भ में लगभग मूल्य बतलाया जाए। *** इसमें अल्पकालीन पद्दे भी सम्मिलित हैं।

टिप्पणी : मस्प्रदेश कासकीय सेवक (अज्ञरण) निषम, 1959 के निषम 1863) के अपीन प्रथम शेणी, दितीय शेणी तथा ततीय शेणी सेवा के प्रतेक सदस्य से यष्ट अपेक्षित है कि वह सेवा में पहली नियुक्ति के समय और उसके बाद प्रत्येक बाद प्रदेक जाउड़ महीने की अपीय के प्रयान पर मर पर पर प्रतुत को और उसमें वह उनके स्वामित की तथा उसके द्वारा अभित अववा उसे विरासत में मिली या उसके अपने नाम पर पाउसके प्रतिसार के किसी सदस्य के नाम पर पाकिसी अन्य व्यक्ति के नाम पर पर्दे या बेंधक पर उसके द्वारा भारित समस्त अनुसा सम्मति के ब्यौर दें।

"प्रथम नियुक्ति के समय अवल सम्मति का विवरण, दिनांक 1 जनव्यी 1 दुकी स्थिति में 31 हिम्मिकर 2018

2. बर्तमात्र भाषित पद । पद्रः वाहरू . अभिकादी/कर्मचारी का (पूरा) नाम तथा उस सेवा का नारा, जिसमें वह हो नियोदि (जिनक्र) ... 3. बर्तमान नेतन . डिक्सिट / ... अगली बेतनबृद्ध की तारीख 1 : 7 < 2 % 1.9

सम्पति स्थित हो (1)	गृह तथा अन्य भवन (2)	तथा अन्य भवन भूमि (2) (3)	(4)	अंदर्भन माने पर व है। ता बत्ताइये कि वह किसके नाम पर भारत है और उसका शासकीय कर्मचारी से स्या-संबंध है	 अंति, पट्टा, बंधक, विरासत, पेट या अन्य किसी प्रकार से तथा अर्जन की तारीख और विससे अर्जित की गई हो वसका नाम तथा स्थारा (6) 	बार्षिक अपूर्	(8)
अहां रता। न हो झाट दीकिए। स्से मानले ने जड़ा मूल्य का सही-सही।	। । स्वी-स्वी तिभ्रायाः करा	तिसभिव त हो, बद	बर्तमात स्थिति के सन्दर	वहां समा न हो झाट दीजिए। स्ते नामले से जार स्वीजिए।		E KALINEK	Po local

事のかいのようの पः एकः वाहन्त

किया अर्थ से अर्थ अवा

(01 Ungal 2018 15 31 Bushan 2018 da

"प्रथम नियुषित के समय अचल सम्पत्ति का विवरण, दिनांक 🎌 की स्थिति में

कारी कर्मचारी का (मूरा) नाम तथा उस सेवा का नाम, किसमें वह हो भिन्न किसी ए स्नी आ कंड

3. सर्तमान नेतन 25100 र 00 . अगली केवनवृद्ध की मारीज दूरी रेश्नी क्षित्र १०१०

1	משונם שו שוא מאוש	0.0417		माद स्वयं के नाम पर नहीं हो	उसे किस प्रकार अजित किया गया		
८स ।जल, -ऽप सभाग, तालुका तथा प्राम का नाम, जिसमें सम्पति स्थित हो	ाह तथा अन्त भवन	#	वर्तमान मृत्य		***खरीद, पट्टा, बंधक, विरासत, मेंट या अन्य किसी प्रकार से तथा अर्जन की तारोख और जिससे अर्जित की गई हो उसका नाम	सम्मह्म में बार्षिक आय	अपियुद्धि
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(9)	(2)	(8)

मा: दिन्दीप सोनालकः

Am : 20 - 20 - 63 - 34/624 मः जिलमण् नहिन्दर

पतामी का(कूप) नाम तथा देश को समय अचल सम्पत्ति का विवरण, दिनांक १८ १ |] की स्थिति में का निवरण कार्यकर्मण का कुर के समय अचल सम्पत्ति का विवरण, दिनांक १८ १ |] की स्थिति में उ. वर्तनान आरित मह ८००० कार्य कार्यकर्मण कार्यकर कार्यकर्मण कार्यकर कार्यकर्मण कार्यकर्मण कार्यकर्मण कार्यकर्मण कार्यकर्मण कार्यकर्मण कार्यकर्मण कार्यकर कार्यक

	The last the les single	ा अपार -		मारे स्वयं के नाम मर नहीं हो	उसे किस प्रकार अर्जित किया गया		
ठस जिले, ठप संभाग, तालुका तथा ग्राम का नाम, विसमें सम्मति स्थित हो	गृह तथा अन्य भवन	₽.	"वर्तमात मृत्य	बतताश्ये कि वह किसके नाम पर भारत है और उसका शासकीय कर्मचारी से म्या-संबंध है	***खरीद, पद्टा, बधक, विरासत, भेट या अन्य किसी प्रकार से तथा अर्जन की तारीख और जिससे अर्जित की गई हो वसका नाम तथा व्यीत	सन्तरिः बार्षिकः आय	अभिद्युद्धि
3	(3)	(3)	(4)	(5)	(9)	(2)	(8)
 जहां खागु न हो काट चीजिए। ऐसे मामले में जहां मुख्य का सही-सही निर्भारण, करना संभव न हो, वहां बर्तमान स्थिति इसमें अल्पकालीन पटटे भी समिमलित हैं। 	[] सही-सही निर्भारणः करना स्वस्थितः हैं।	संभव न हो, वहा	बतमान स्थिति के सन्द	के सदर्भ में सगभग मूल्य बतलाया जाए।		French C	7.37.62.6

ATT. 5 . 4 1010 4: 435 Alia

10000 \$ 2018 A 31 RANDO 2018 NE

फार्म प्रथम नियुक्ति के समय अचल सम्मिका विवरण, दिनांक . ८ ४ २० अहे स्थिति में

				बार स्वयं के नाम पर नहीं हो	डसे किस प्रकार अर्जित किया गया	の の できる ないのでん	
८स । जल, ५४ सभाग, तालुका तथा प्राम का नाम, बिसमें सम्पति स्थित हो	गृह तथा अन्त भवन	#	्रैं वर्तमान मृत्य भ	बतलाश्चर कि चहु किसके नाम पर भारत है और उसका शासकीय कर्मचारी से फ्या संबंध है	***खरीद, पट्टा, बंधक, विरासत, भेंट या अन्य किसी प्रकार से तथा अर्जन की तारीख और जिससे अजित की गई हो उसका नाम तथा व्यौत	सामीत से बार्षिक आय	अभियुद्धित
(C)	(3)	(3)	(4)	(\$)	(9)	(1)	(8)
				j			
अहां ताता न हो काट दीजिए । • १से मानले में अर्ग मूल्य का •• इसमें अल्यकालीन प्रदूर भी ग्रिटियणी : मध्यप्रदेश हम्साकीय सेक हि. वह सेवा में प्रक्रिति होता की विष्ण उसके हाता की व्य	यहां तागु न हो काट दीजिए। ऐसे मामले में का मूदम का सही-सही निर्धारणः करना संभव न हो, वहां वर्तमान स्थिति इसमें अल्पकालीन पट्टे भी समिमलित हैं। 1: मम्प्रदेश इसकान सेवकः (अन्यरप) नियम, 1959 के नियम 18(3) के अभीन प्र कि वह सेवा में प्रक्रशी: नियुक्ति के मध्य और उससे बाद प्रत्येक बारह महीने की अ को तथा उसके हारा अभित अथवा उसे विरासत में मिली या उसके अपने नाम पर या	संभव न हो, वहां १ के नियम 18(3 में बाद प्रत्येक बारा मिली या उसके अ	बर्तमान स्थिति के सन्द) के अधीन प्रवम क्रेप सहीने की अवधि के नेन्तम पर पाठसके	* यहां तता न हो काट दीजिए। ** इसमें अल्पकालीन पट्टे भी समिमलित हैं। टिप्पणी: मस्प्रदेश इसमें से पट्टे भी समिमलित हैं। टिप्पणी: मस्प्रदेश इसमें से पट्टे भी समिमलित हैं। टिप्पणी: मस्प्रदेश इसमें से के पट्टे भी समिमले के मिलन 18(3) के अथीन प्रथम बेणी, द्वितीय बेणी तथा तृतीय बेणी सेवा के प्रत्येक सदस्य से यह अपेथित हैं कि वह सेवा में पह्नशी तियुक्ति के समय और उसके बाद प्रत्येक बाद महीने की अतीथ के परवात यह घोषणा-पत्र भर कर प्रस्तुत को और उसने यह उनके स्वासित को तथा उसके द्वारा अवित अवस्त उसे किरासत में मिली या उसके अपने नाम पर या उसके परिवार के किसी सदस्य के नाम पर या किसी अन्य व्यक्ति के नाम पर पट्टे या बंधक पर उसके द्वारा भारित समस्त अवस्त सम्मित के स्वीर है।	। के प्रत्येक सदस्य से यह अपिशत है त करें और उसमें यह उनके स्वामित्व ॥ किसी अन्य स्वक्ति के नाम पर पट्टे	TE STATES	THE SIGNEY SECTION

"प्रथम नियुक्ति के समय अचल सम्मास का विवरण, दिनांक 1-1-2018 की स्थिति में 31 12 राजा

कारीक्रमंथारी का (पूरा) ज्ञाम तथा उस मेंबा का नार, जिसमें बह हो ें के छोड़ी टोल्के अर्प्ट्व 3. वर्तमान वेतन . 30 में छ / व्यानी वेतन प्रिंग हो तारीख र -7, 2019

तम जिल्हा के सम्भा ते तहुंका क्रम भरत भूमि "क्लिया कूल प्रमातिक और कार्या क्षितिक जान में स्वाप्तिक ता क्षितिक को प्रमादिक को स्वाप्तिक ना क्षितिक को प्रमादिक को स्वाप्तिक ना कार्या क्षितिक कार्या कार्य कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्य कार्या कार्या कार्य कार्या कार्या कार्य कार्		सम्पति का नाम तथा ब्योरे	重		मारे स्वयं के नाम पर न हो तो	उसे किस प्रकार अर्जित किया गया		
(1) (5) (6) (7) (7) (1) (1) (1) (1) (1) (1) (1) (1) (1) (1	ठस जिले, उप सभाग, तालुका तथा ग्राम का नाम, विसमें सम्पति स्थित हो	गृह तथा अन्य भवत	#	वितिमान मृत्य	बतताइये कि यह किसके नाम पर भारित है और उसका शासकीय कर्मचारी से प्या संबंध है	***खरीद, प्रदय, बंभक, विरासत, भेट या अन्य किसी प्रकार से तथा अर्जन की तारीख और जिससे अर्जित की गई हो उसका नाम तथा स्पीरा	सस्पति से बार्षिकः आय	आभियुक्ति
हारी हता, ने की काट सीजप्त। सेने मानते में जाई मुख्य का बाती स्पर्धि ने मान्य करता संभव न की जहां वर्तमा स्थिति के सन्दर्भ में स्थापन मूल्य जलताया जाए। सम्मे अस्पर्धि को मूल्य का बाती स्पर्धि ने मान्य करता संभव न की जहां वर्तमा स्थिति के सन्दर्भ में सामान्य में मान के का के अस्परित हैं सम्मान्य सामान्य सामान्य संगव्ध (अन्दर्भ) ने मान्य सामाने की आधि के प्रमुख्य यह मोन्या-पुत्र भाष्ट्र के की उत्तर्भ सामान्य कि जह सेना में पहणी नियुष्धि के समय और उत्तर्भ जाड़ प्रायंक जाड़ मानित की आधि के प्रमुख्य यह मोनया-पुत्र भाष्ट्र मान्य में यह उत्तर्भ स्थावित	(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(9)	(2)	(8)
महो लगा न हो काट चीजिए। रसे मानते में जारे मूल्स का सही-सही निर्धाण करना संभव न हो, वहां बर्तमात स्थिति के सन्दर्भ में लगभग मूल्य बरलाया जाए। रसमें अल्पकाली पट्ट भी समिसित हैं। अम्प्रप्रेस शसकीय सेवक (अजरण) नियम, 1959 के रियम 18(3) में अभीत प्रथम श्रेणी, द्वितीय श्रेणी सेवा के प्रदेश सदस्य से यह अमेशित है नाम : हिंद कि वह सेवा में पक्सी पिपुष्टि के समय और इसके बाद सरसे के आह महीते की अगीय के प्रथम पर भर भर प्रदुत कर और उसमें यह उनके स्वामित्व								
		। सही-सही निर्धारण, करना र समितित हैं। क (अन्यरण) निषम, 1959 नेपुरिस के समय और उससे	रेभव न हो, वहाँ न के नियम 18(3) बाद प्रत्येक वाएँ	बरेपात स्थिति के सन्द्र। ंक्स अधीन प्रथम श्रेण महीने जी अवधि के	में सगभग मूल्य बतलाया आए। , द्वितीय श्रेणी तथा तृतीय श्रेणी सेवा सर्वात् यह भीषणा-पत्र भर भर प्रस्	िक प्रत्येक सदस्य से यह अपेक्षित है ति करें और उसमें यह उनके स्वाप्तित्व ति करें और उसमें यह उनके स्वाप्तित्व	1999	14 30 18 18 18 18 18 18 18 18 18 18 18 18 18

"प्रथम नियुक्ति के समय अचल सम्मति का विवरण, दिनांक |- 1. 2.० 1. ६. की स्थिति में 31-12-19 त्राहरू

कारी/कर्मचारी का (पूरा) नाम तथा उस सेवा का नाम विसमें बह हो क्ष 12 1 मि टिशारे

3. वर्तमान नेवन 31, 200. . . . अगली बेवनवृद्धि की वारीख । - 7 - 2019 . . .

	अमितुद्ध	(8)	
	सम्पतिः से बार्षिक आय	$\langle \gamma \rangle$	
उसे किस प्रकार अर्जित किया गया	***खरीद, प्रदृष्टा, बंधक, विरासत, भेंट या अन्य किसी प्रकार से तथा अर्थन की तारीख और जिससे अर्थित की गई हो उसका नाम तथा व्यीरा	(9)	
चादै स्वयं के नाम पर न हो तो	बतलाइये कि वह किसके नाम पर पातित है और उसका शासकीय कर्मचारी से प्या संबंध है	(5)	
	्रैं वित्तात मूल्य	(4)	
	F	(3)	
सम्पति का नाम तथा ब्योर	गृह तथा अन्स भवत	(3)	
	८स ।जल, उप सभाग, तालुका तथा ग्राम का नाम, जिसमें सम्मति स्थित हो	9	

मः जीतम् व्यादुन्द्र

निमा जुरा थरे. सुर्गान्य

लि करना संभव न हो, वहां वर्तमान स्थिति के सन्दर्भ में लगभग मृत्य बतलाया जाए।

इसमें अल्पकालीन पट्टे भी सम्मितित हैं। ा मध्यप्रदेश शासकीय सेवक (अन्त्रएण) नियम, (959 के नियम 18(3) के अधीन प्रगम क्रेणी, द्वितीय क्रेणी तथा तृतीय अंणी सेवा के प्रत

10,000 2018 & 31 Part 2018M

1. अधिकाधिकर्मचारी का (पूरा) नाम तथा क्या में मार्ग अन्यल सम्पन्ति का विवरण, दिनांक $\mathcal{B}/2/19$ की स्थिति में 3 वर्तनाम भारित मह-3 जिल्ला के कराने कह हो -3 जिल्ला के कराने कह हो -3 जिल्ला के कराने कह हो -3 जिल्ला के कराने कि जिल्ला कि जिल्ल

	सम्पत्ति का नाम तथा ज्योर	1111		मादे स्वयं के नाम पर न हो हो	उसे किस प्रकार अर्जित किया गया		
उस जिले, उप संभाग, तालुका तथा ग्राम का नाम, बिसमें सम्पति स्थित हो	गृह तथा अन्य भवन	#	"वर्तमात्र मृत्य	बतलाइये कि वह किसके नाम पर भारित है और उसका शासकीय कर्मचारी से म्या-संबंध है	***खरीद, पट्टा, बंधक, विरासत, भेंट या अन्य किसी फ़कार से तथा अर्जन की तारीख और जिससे अर्जित की गई हो उसका नाम तथा व्यौरा	सम्पति हे बार्षिकः आय	अभिद्युक्त
(1)	(2)	(3)	(+)	(5)	9)	(7)	(8)
 अहां रुगा न हो काट दीजिए। ऐसे मानले में अहां मुख्य का सही-सही निर्भारण, करना संभव न हो, वहां वर्तमान स्थिति इसमें अस्यव्यक्तालीन प्रदेश भी समिमलित हैं। 	। सधी-सदी निर्धारण, करना मम्मिलन हैं।	संभय न हो, वहाँ	वर्तमान स्थिति के सन्द	के सन्दर्भ में साप्ता मूल्य अतलाया आए।		इस्ताकाः भिज्यम् प्रा	

मः अंतर प्याप्त

नरना संभव न हो, वहां वर्तमान स्थिति के सन्दर्भ में लगभग मृत्य बतलाया आए।